

आर्थिक सर्वेक्षण

आर्थिक वर्ष २०७१/७२



नेपाल सरकार

अर्थ मन्त्रालय

सिंहदरबार, काठमाडौं

प्राक्कथन

सरकारले राजनैतिक स्थायित्व कायम गरी संविधान निर्माणको साथै उच्च दीगो र समावेशी आर्थिक विकासको माध्यमबाट तीव्र आर्थिक बृद्धि हासिल गरी सन् २०२२ सम्ममा नेपाललाई अति कम विकसित राष्ट्रबाट विकासशील राष्ट्रमा स्तरोन्नति गर्ने लक्ष्य लिएको छ । आमनागरिकलाई सरल, छिटोछरितो र प्रभावकारी रूपमा गुणात्मक सेवा प्रदान गरी चलायमान अर्थतन्त्रको माध्यमबाट मुलुकको सामाजिक, आर्थिक लगायत समग्र विकास गर्नु सरकारको प्रमुख कर्तव्य हो ।

२०७२ साल बैशाख १२ गतेको विनाशकारी भूकम्प र सो पश्चात आएका पराकम्पनहरूबाट हुन गएको मानवीय एवं भौतिक संरचनाको क्षतिबाट अर्थतन्त्रमा परेको नकारात्मक प्रभावलाई न्यूनिकरण गर्न पुनर्स्थापना, पुनःनिर्माण एवं नवनिर्माणलाई उच्च प्राथमिकतामा राख्दै स्वदेशी र वाह्य लगानीको उचित परिचालन गरी समावेशी र दीगो आर्थिक वृद्धिद्वारा आत्मनिर्भर एवं सक्षम अर्थतन्त्र निर्माण गर्न जरुरी छ । प्राकृतिक प्रकोप तथा राजनैतिक संक्रमणको अवस्थामा पनि विपत व्यवस्थापन र आर्थिक - सामाजिक विकासका मुद्दाहरूलाई प्राथमिकतामा राखी मुलुकलाई आर्थिक समृद्धितर्फ लैजान जुट्नु पर्ने भएको छ ।

नेपाल सरकारले अवलम्बन गरेका अर्थतन्त्रका महत्वपूर्ण नीतिहरू र सञ्चालित कार्यक्रमहरूको कार्यान्वयनबाट हासिल भएका उपलब्धिहरूको विश्लेषणात्मक समीक्षा गरी आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आर्थिक सर्वेक्षण तयार गरिएको छ । आर्थिक तथा सामाजिक दृष्टिकोणले महत्वपूर्ण देखिएका कार्यक्रमहरूलाई यथासंभव समेटी तिनीहरूले अर्थतन्त्रमा पारेको प्रभाव एवं प्रवृत्तिको विश्लेषण गरिएको छ । क्षेत्रगत निकायहरूबाट प्राप्त तथ्यांकहरूलाई अध्यावधिक गरी डिजिटल रूपमा कम्प्याक्ट डिस्क (सि.डी.) मा राखिएको छ ।

मुलुकको आर्थिक गतिविधि प्रति अभिरुची र सरोकार राख्ने नेपाल सरकारका क्षेत्रगत निकायहरू एवं सम्पूर्ण वृद्धिजीवी, अनुसन्धानकर्ता, कर्मचारी, शिक्षक, विद्यार्थी, उद्योगी, व्यवसायी, गैरसरकारी संस्था तथा सर्वसाधारण जनताको साथै दातृ निकाय एवं विदेशी लगानीकर्ताको लागि समेत यो आर्थिक सर्वेक्षण अत्यन्त उपयोगी रहने विश्वास लिएको छु ।

अन्त्यमा, आर्थिक सर्वेक्षण तयार गर्ने कार्यमा संलग्न अर्थ मन्त्रालयका पदाधिकारीहरू खासगरी आर्थिक नीति विश्लेषण महाशाखाका प्रमुख लगायत कर्मचारी तथा आवश्यक तथ्यांक, सूचना एवं विवरण उपलब्ध गराई सहयोग पुऱ्याउनु हुने विभिन्न मन्त्रालय, विभाग र अन्य सबै सम्बद्ध निकायहरूलाई धन्यवाद दिन चाहन्छु ।

आषाढ, २०७२

डा. रामशरण महत
अर्थ मन्त्री

विषय सूचि

| | |
|---|--------|
| प्राक्कथन | i |
| मञ्जुषा सूची | iii |
| तालिका सूची | iv |
| चार्ट सूची | x |
| छोटकरी रूप (Abbreviations) | xii |
| कार्यकारी सारांश | xv |
| समष्टिगत आर्थिक परिसूचकहरू | xxvii |
| अर्थतन्त्रका प्रमुख चुनौतीहरू | xxxvii |
| १. समग्र आर्थिक स्थिति | १ |
| २. सार्वजनिक वित्त | २२ |
| ३. मूल्य तथा आपूर्ति | ५३ |
| ४. मुद्रा तथा बैंकिङ | ६८ |
| ५. पुँजी बजार तथा बीमा | ९७ |
| ६. बाह्य क्षेत्र | १०९ |
| ७. गरिबी निवारण र रोजगारी | १२२ |
| ८. कृषि, भूमिसुधार र वन | १३६ |
| ९. उद्योग क्षेत्र | १७२ |
| १०. शहरी विकास | १९१ |
| ११. यातायात तथा सञ्चार | २०९ |
| १२. सुशासन, सामान्य प्रशासन र शान्ति तथा पुनर्निर्माण | २३० |
| १३. सामाजिक क्षेत्र | २४० |
| १४. सार्वजनिक संस्थान | ३०९ |
| १५. भुकम्प पछिको पुनर्निर्माण र नवनिर्माण | ३२३ |

मञ्जूषा सूची

| | |
|---|-----|
| मञ्जूषा ४ (क) : मौद्रिक नीतिका प्रमुख परिसूचकहरू | ७० |
| मञ्जूषा ८ (क) : वन सम्बन्धि केहि तथ्यांक | १६२ |
| मञ्जूषा ८ (ख) : मुख्य वन्यजन्तु प्रजातिको संख्या | १६५ |
| मञ्जूषा ९ (क) : निर्यात वृद्धि, व्यापार सहजीकरण तथा आपूर्ति व्यवस्थापनका लागि गरिएका मुख्य पहलहरू | १८४ |
| मञ्जूषा ९ (ख) : पर्यटन क्षेत्रको मुख्य उपलब्धिहरू | १८७ |
| मञ्जूषा ११ (क) : राष्ट्रिय सूचना प्रविधि केन्द्रबाट भएका कार्यहरू | २२७ |

तालिका सूची

| | |
|--|----|
| तालिका १ (क) : विश्व आर्थिक वृद्धिदर | ३ |
| तालिका १ (ख) : छिमेकी मुलुकहरूको आर्थिक वृद्धिदर | ४ |
| तालिका १ (ग) : उपभोक्ता मूल्यमा आधारित विश्वको मुद्रास्फीतिदर | ५ |
| तालिका १ (घ) : उपभोक्ता मूल्यमा आधारित छिमेकी मुलुकहरूको मुद्रास्फीतिदर | ६ |
| तालिका १ (ङ) : विकसित मुलुकहरूको कुल यथार्थ गार्हस्थ्य माग | ७ |
| तालिका १ (च) : विश्व वस्तु तथा सेवा व्यापारको स्थिति | ८ |
| तालिका १ (छ) : एक दशकको आर्थिक वृद्धि प्रवृत्ति | १० |
| तालिका २ (क) : सरकारी वित्त र कुल गार्हस्थ्य उत्पादनसँग तिनको अनुपात (प्रतिशतमा) | २३ |
| तालिका २ (ख) : सरकारी खर्चको विवरण | २६ |
| तालिका २ (ग) : पुँजीगत खर्चको सेवा तथा कार्यगत विवरण | २८ |
| तालिका २ (घ) : चालु खर्चको सेवा तथा कार्यगत विवरण | ३० |
| तालिका २ (ङ) : सरकारी आयको विवरण | ३२ |
| तालिका २ (च) : राजस्व आम्दानीको विवरण | ३६ |
| तालिका २ (छ) : बजेट घाटा र घाटा पूर्तिको विवरण | ३८ |
| तालिका २ (ज) : भुक्तानी गर्न बाँकी सार्वजनिक ऋण, साँवा फिर्ता र व्याज खर्च | ४१ |
| तालिका २ (झ) : स्थानीय निकायको खर्च तथा आय | ४७ |
| तालिका २ (ञ) : स्थानीय निकायमा उपलब्ध भएको सरकारी अनुदान रकम | ५१ |
| तालिका ३ (क) : उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्कमा आधारित वार्षिक विन्दुगत मुद्रास्फीतिदर | ५५ |
| तालिका ३ (ख) : विन्दुगत राष्ट्रिय उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्कमा भएको परिवर्तन | ५७ |
| तालिका ३ (ग) : राष्ट्रिय थोकमूल्य सूचकाङ्कको वार्षिक विन्दुगत परिवर्तन | ६० |
| तालिका ३ (घ) : राष्ट्रिय तलब तथा ज्यालादर सूचकाङ्कको वार्षिक विन्दुगत परिवर्तन | ६१ |
| तालिका ३ (ङ) : केही प्रमुख वस्तुहरूको सरदर खुद्रा बजार मूल्य | ६२ |
| तालिका ३ (च) : अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा तेल तथा सुनको मूल्य | ६३ |
| तालिका ३ (छ) : केही प्रमुख पेट्रोलियम पदार्थको आपूर्ति स्थिति | ६४ |
| तालिका ४ (क) : बैंकदर, पुनरकर्जादर र अनिवार्य नगद अनुपात | ७२ |
| तालिका ४ (ख) : मुद्रा प्रदायमा प्रभाव पार्ने कारकहरू | ७३ |
| तालिका ४ (ग) : सञ्चित मुद्रा र मुद्रा गुणक | ७५ |
| तालिका ४ (घ) : खुला बजार कारोवार स्थिति | ७७ |
| तालिका ४ (ङ) : ९१-दिने ट्रेजरी बिल्स र अन्तर-बैंक ब्याजदर | ७८ |
| तालिका ४ (च) : बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको संख्या (असार मसान्त) | ७९ |
| तालिका ४ (छ) : बैंक तथा वित्तीय संस्थाका केही प्रमुख परिसूचकहरू | ८० |

| | |
|---|-----|
| तालिका ४ (ज) : बैंक तथा वित्तीय संस्थाका शाखाहरू | ८१ |
| तालिका ४ (झ) : वित्तीय विस्तार तथा प्रगाढताका केही परिसूचकहरू | ८२ |
| तालिका ४ (ञ) : निक्षेप परिचालन तथा कर्जा प्रबाह | ८४ |
| तालिका ४ (ट) : बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको निष्कृत्य कर्जा | ८५ |
| तालिका ४ (ठ) : लघुवित्त संस्थाहरूको साधनको स्रोत तथा उपयोगको विवरण | ८६ |
| तालिका ४ (ड) : ग्रामीण स्वाबलम्बन कोषको अवस्था | ९० |
| तालिका ४ (ढ) : भाखा नाघेको कर्जा तथा पुँजीकोष | ९३ |
| तालिका ५ (क) : प्राथमिक बजार प्रवृत्ति | ९८ |
| तालिका ५ (ख) : दोस्रो बजार प्रवृत्ति | १०१ |
| तालिका ५ (ग) : बीमा कम्पनीहरूको स्वामित्व संरचना | १०४ |
| तालिका ५ (घ) : जीवन तथा निर्जीवन बीमा कम्पनीहरूको श्रोत तथा उपयोग | १०५ |
| तालिका ५ (ङ) : जीवन तथा निर्जीवन बीमा कम्पनीहरूको कुल वीमा शुल्क लगानी र वृद्धि | १०७ |
| तालिका ६ (क) : अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार स्थिति | ११४ |
| तालिका ६ (ख) : विप्रेषण आप्रवाह | ११६ |
| तालिका ६ (ग) : कुल विदेशी विनिमय सञ्चिति | ११८ |
| तालिका ६ (घ) : विदेशी विनिमय प्रवृत्ति | ११९ |
| तालिका ७ (क) : विकासशील मुलुकमा स्तरोन्नतिको लागि निर्धारित मापदण्डको अवस्था | १२४ |
| तालिका ७ (ख) : गरिबी तथा पोषणको परिमाणात्मक सूचक | १२५ |
| तालिका ७ (ग) : सामुदायिक संस्थाहरू मार्फत परिचालित रकम | १२६ |
| तालिका ७ (घ) : सीप विकास तालीम प्राप्तिको अवस्था | १२९ |
| तालिका ७ (ङ) : देशगत वैदेशिक रोजगारीको स्थिति | १३१ |
| तालिका ७ (च) : बैदेशिक रोजगारीमा गएका जनशक्तिको सीप प्राप्ति | १३२ |
| तालिका ८ (क) : खाद्यान्न बाली लगाएको क्षेत्रफल र उत्पादनको स्थिति | १३८ |
| तालिका ८ (ख) : नगदे बालीहरूको उत्पादनको प्रारम्भिक स्थिति | १३९ |
| तालिका ८ (ग) : औद्योगिक बालीहरूको उत्पादनको प्रारम्भिक स्थिति | १४१ |
| तालिका ८ (घ) : मसला बालीहरूको उत्पादनको प्रारम्भिक स्थिति | १४३ |
| तालिका ८ (ङ) : पशुपंक्षी र उत्पादनको स्थिति | १४४ |
| तालिका ८ (च) : पशुपंक्षीजन्य उत्पादनको स्थिति | १४६ |
| तालिका ८ (छ) : कृषि उत्पादनसँग सम्बन्धित साधनहरूको आपूर्तिको स्थिति | १४८ |
| तालिका ८ (ज) : प्राकृतिक प्रकोपबाट प्रभावित क्षेत्रफल | १४९ |
| तालिका ८ (झ) : रासायनिक मलको विक्रि वितरण स्थिति | १४९ |
| तालिका ८ (ञ) : थप सिंचाई विस्तार | १५० |
| तालिका ८ (ट) : बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले प्रवाह गरेको कृषि कर्जाको स्थिति | १५१ |

| | |
|--|-----|
| तालिका ८ (ठ) : स्रोत वीड उत्पादन तथा बालीको जात उन्मोचन | १५२ |
| तालिका ८ (ड) : साना किसान सहकारी र थोक कर्जा ऋण लगानीको स्थिति | १५३ |
| तालिका ८ (ढ) : मासुजन्य पशुपालन कर्जा कार्यक्रमको स्थिति | १५४ |
| तालिका ८ (ण) : साना किसान सहकारी अनुसरण तथा पशुधन संरक्षणको स्थिति | १५५ |
| तालिका ८ (त) : प्रारम्भिक सहकारी संस्थाहरू | १५८ |
| तालिका ८ (थ) : सहकारी संस्थाहरूको बचत र लगानीको प्रवृत्ति | १५९ |
| तालिका ८ (द) : नेपालको वन स्रोत तथ्याङ्क | १६० |
| तालिका ८ (ध) : वनपैदावार संकलन तथा विक्री वितरणको अवस्था | १६३ |
| तालिका ८ (न) : वन पैदावर वाहेक अन्य प्रयोजनको लागि भोगाधिकार उपलब्ध गराइएको वन क्षेत्रको विवरण | १६३ |
| तालिका ८ (प) : संरक्षण क्षेत्र सम्बन्धि विवरण | १६४ |
| तालिका ८ (फ) : संरक्षण क्षेत्रमा भ्रमण गर्ने पर्यटकको संख्या र राजस्व | १६५ |
| तालिका ८ (ब) : राष्ट्रिय बनस्पति उद्यानमा भ्रमण गर्ने आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटक | १६६ |
| तालिका ८ (भ) : भू तथा जलाधार व्यवस्थापनको अवस्था | १६७ |
| तालिका ८ (म) : बन क्षेत्रबाट प्राप्त राजस्व | १६८ |
| तालिका ९ (क) : सञ्चालनका लागि स्वीकृति प्राप्त उद्योगहरू | १७३ |
| तालिका ९ (ख) : परियोजना लागतका आधारमा सञ्चालनका लागि स्वीकृति प्राप्त उद्योगहरू | १७४ |
| तालिका ९ (ग) : विदेशी लगानीकालागि स्वीकृति प्राप्त उद्योगहरू | १७५ |
| तालिका ९ (घ) : विदेशी लगानीका लागि स्वीकृति प्राप्त उद्योगहरू | १७६ |
| तालिका ९ (ङ) : परियोजना लागतका आधारमा वैदेशिक लगानीका लागि स्वीकृति प्राप्त उद्योगहरू | १७७ |
| तालिका ९ (च) : पर्यटन क्षेत्रका प्रमुख परिसूचकहरू | १८९ |
| तालिका १० (क) : उर्जा खपतको स्थिति | २०३ |
| तालिका १० (ख) : विद्युत माग, खपत, उत्पादन एवं भौतिक संरचना | २०४ |
| तालिका १० (ग) : पेट्रोलियम पदार्थको खपत विवरण | २०६ |
| तालिका ११ (क) : सडक सुविधा विस्तारको स्थिति | २०९ |
| तालिका ११ (ख) : सडक विभागबाट बनाइएका सडक सुविधाको विस्तार | २१० |
| तालिका ११ (ग) : स्थानीय निकायबाट बनाइएका ग्रामीण सडकको विवरण | २१० |
| तालिका ११ (घ) : सवारी साधनहरूको दर्ता संख्या | २११ |
| तालिका ११ (ङ) : नागरिक उड्डयन सम्बन्धी विवरणहरू | २१५ |
| तालिका ११ (च) : सूचना तथा संचार क्षेत्रको अवस्था | २१७ |
| तालिका ११ (छ) : हुलाक सेवा अन्तर्गत कार्यालयहरूको संख्या | २१८ |
| तालिका ११ (ज) : दूरसञ्चार सेवाको अवस्था | २१९ |
| तालिका ११ (झ) : सेवाप्रदायक अनुसार वितरित कुल टेलिफोन संख्या | २२० |

| | |
|--|-----|
| तालिका ११ (ज) : सुचना विभागबाट सम्पादित कार्यको तुलनात्मक तथ्याङ्क | २२१ |
| तालिका ११ (ट) : विभिन्न जिल्लाहरूमा दर्ता भएका पत्रपत्रिकाहरूको विवरण | २२२ |
| तालिका ११ (ठ) : भाषागत रूपमा दर्ता भएका पत्रपत्रिकाको विवरण | २२२ |
| तालिका ११ (ड) : चलचित्र क्षेत्रको स्थिति | २२५ |
| तालिका १२ (क) : निजामती कर्मचारी विवरण | २३४ |
| तालिका १२ (ख) : नेपाल प्रशासनिक प्रशिक्षण प्रतिष्ठानबाट संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमहरूको विवरण | २३५ |
| तालिका १२ (ग) : राहत, आर्थिक सहायता, पुनर्निर्माण र पुनःस्थापना | २३७ |
| तालिका १३ (क) : शैक्षिक सूचकहरूको अवस्था | २४१ |
| तालिका १३ (ख) : विद्यालयको व्यवस्थापन समुदायमा हस्तान्तरण गरिएको विवरण | २४३ |
| तालिका १३ (ग) : पूर्वप्राथमिक शिक्षाको स्थिति | २४४ |
| तालिका १३ (घ) : विद्यालयका छात्रछात्राहरूलाई उपलब्ध छात्रवृत्ति सम्बन्धी विवरण | २४५ |
| तालिका १३ (ङ) : विद्यालय तथा लाभान्वित विद्यार्थीहरूको विवरण | २४६ |
| तालिका १३ (च) : शिक्षाको लागि खाद्य कार्यक्रमको विवरण | २४७ |
| तालिका १३ (छ) : व्यावसायिक शिक्षा तथा तालिम अभिवृद्धिको विवरण | २४८ |
| तालिका १३ (ज) : अनौपचारिक शिक्षा अन्तर्गत सन्चालित कार्यक्रमहरूको विवरण | २४९ |
| तालिका १३ (झ) : विद्यालय भौतिक सुविधा विस्तार कार्यक्रमको विवरण | २५० |
| तालिका १३ (ञ) : भौगोलिक क्षेत्रअनुसार विभिन्न तहका विद्यालयहरूको विवरण | २५१ |
| तालिका १३ (ट) : तहगत विद्यालय, विद्यार्थी र शिक्षक अनुपात | २५२ |
| तालिका १३ (ठ) : प्रति शिक्षक विद्यार्थी अनुपात | २५३ |
| तालिका १३ (ड) : विभिन्न प्रकारका विद्यालयहरूको क्षेत्रगत विवरण | २५४ |
| तालिका १३ (ढ) : परम्परागत विद्यालयहरूको विवरण | २५५ |
| तालिका १३ (ण) : सामुदायिक र संस्थागत विद्यालयमा कार्यरत सबै किसिमका शिक्षक विवरण | २५५ |
| तालिका १३ (त) : आधारभुत तहमा विद्यालयगत र तहगत शिक्षकहरूको लैंगिक विवरण | २५६ |
| तालिका १३ (थ) : विद्यालय तहमा विद्यार्थी भर्नाको अवस्था | २५७ |
| तालिका १३ (द) : तहगत विद्यार्थी भर्नाको अवस्था | २५८ |
| तालिका १३ (ध) : तहगत विद्यार्थी भर्नादर (GER and NER) तथा लैंगिक समता सुचक (GPI) | २५९ |
| तालिका १३ (न) : एस.एल.सी. परीक्षामा सम्मिलित र उत्तीर्ण छात्र छात्राहरूको विवरण | २५९ |
| तालिका १३ (प) : प्राविधिकतर्फको एस.एल.सी. परीक्षामा सम्मिलित विद्यार्थीहरू | २६० |

| | |
|--|-----|
| तालिका १३ (फ) : विभिन्न तह र विषयमा अध्ययनार्थ मनोनयन भएका विद्यार्थीहरूको संख्या | २६२ |
| तालिका १३ (ब) : त्रिभुवन विश्वविद्यालयमा अध्ययन गर्ने विद्यार्थीको भर्ना अवस्था | २६३ |
| तालिका १३ (भ) : विभिन्न विश्वविद्यालय अन्तर्गतका क्याम्पसहरू तथा विद्यार्थी संख्या | २६४ |
| तालिका १३ (म) : आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा विश्वविद्यालयका विभिन्न तहमा अध्ययनरत विद्यार्थी संख्या र उत्पादन विवरण | २६५ |
| तालिका १३ (य) : स्वास्थ्य संस्था शैया र जनशक्तिको विवरण | २६७ |
| तालिका १३ (र) : विकास क्षेत्र अनुसार स्वास्थ्य सेवाबाट लाभान्वीत भएका जनसंख्या | २६८ |
| तालिका १३ (ल) : विकास क्षेत्र अनुसार बहिरंग सेवा प्रवाह | २६८ |
| तालिका १३ (व) : विस्तारित खोप एवं राष्ट्रिय पोलियो खोप | २६९ |
| तालिका १३ (श) : प्रजनन स्वास्थ्यको विवरण | २७० |
| तालिका १३ (ष) : सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम | २७५ |
| तालिका १३ (स) : नेपाल मेडिकल काउन्सिलमा दर्ता भएका डाक्टरहरू | २७९ |
| तालिका १३ (ह) : नेपाल मेडिकल काउन्सिलमा दर्ता भएका विशेषज्ञ चिकित्सकहरू | २८० |
| तालिका १३ (क्ष) : निजामती कर्मचारी अस्पतालबाट प्रदान भएका सेवाहरू | २८२ |
| तालिका १३ (त्र) : औषधि व्यवस्था विभागबाट प्रवाह भएको सेवा | २८३ |
| तालिका १३ (ज) : महिला विकासमा भएका उपलब्धिहरू | २८७ |
| तालिका १३ (कक) : मानव वेचविखन भएका, उद्धार गरिएका र पुनर्स्थापना भएकाहरूको विवरण | २८८ |
| तालिका १३ (कख) : हराएका, हराएर फेला परेका र बेवारीसे फेला परेका बालबालिकाको विवरण | २८९ |
| तालिका १३ (कग) : जोखिमपूर्ण अवस्थामा रहेका बालबालिकाको आपतकालीन उद्धार | २९० |
| तालिका १३ (कघ) : बालसुधार गृहमा रहेका बालबालिकाहरूको विवरण | २९० |
| तालिका १३ (कङ) : पाँच विकास क्षेत्रमा संचालित वृद्धाश्रमहरूको विवरण | २९१ |
| तालिका १३ (कच) : सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्राप्त गर्ने ज्येष्ठ नागरिकहरूको विवरण | २९२ |
| तालिका १३ (कछ) : अपाङ्गता परिचय पत्र वितरण | २९२ |
| तालिका १३ (कज) : समाज कल्याण परिषदमा दर्ता भएका संस्था र स्वीकृत कार्यक्रम | २९३ |
| तालिका १३ (कझ) : आधारभूत खानेपानी तथा सरसफाईको स्थिति | २९४ |
| तालिका १३ (कञ) : खानेपानी तथा सरसफाई, ग्रामीण एवं शहरी खानेपानीको स्थिति | २९५ |

| | |
|--|-----|
| तालिका १३ (कट) : राष्ट्रिय युवा परिचालन कार्यक्रम | २९७ |
| तालिका १३ (कठ) : खेलकुद तथा अतिरिक्त क्रियाकलाप | २९८ |
| तालिका १३ (कड) : राष्ट्रिय खेलकुद परिषद अन्तर्गत सञ्चालित कार्यक्रमहरु | २९९ |
| तालिका १३ (कढ) : व्यक्तिगत घटना दर्ता | ३०१ |
| तालिका १३ (कण) : सामाजिक सुरक्षा भत्ता वितरण | ३०३ |
| तालिका १३ (कत) : सामाजिक परिचालनको स्थिति | ३०७ |
| तालिका १५ (क) : भुकम्पबाट भएको क्षति | ३२५ |
| तालिका १५ (ख) : पुनर्निर्माण र नवनिर्माणको लागि स्रोत आवश्यकता | ३२८ |

चाट सूची

| | |
|---|-----|
| चाट १ (क) : विश्व आर्थिक वृद्धि प्रवृत्ति | २ |
| चाट १ (ख) : आर्थिक वृद्धि प्रवृत्ति (आधारभूत मूल्यमा) | ९ |
| चाट १ (ग) : कृषि तथा गैर कृषि क्षेत्रको वृद्धिदर | ९ |
| चाट १ (घ) : उद्योग तथा सेवा क्षेत्रको वृद्धिदर | १० |
| चाट १ (ङ) : क्षेत्रगत वृद्धिदर | १७ |
| चाट १ (च) : कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको संरचना | १८ |
| चाट १ (छ) : कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा योगदान (प्रतिशत) | १९ |
| चाट १ (ज) : स्थिर मूल्यमा प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको वृद्धिदर | २० |
| चाट ३ (क) : उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्कमा भएको औसत परिवर्तन | ५६ |
| चाट ३ (ख) : पेट्रोलियम पदार्थको मूल्य | ६३ |
| चाट ४ (क) : मुद्रा प्रदायको वृद्धिदर | ७४ |
| चाट ४ (ख) : मुद्रा प्रदायका कारकहरूको प्रवृत्ति | ७५ |
| चाट ४ (ग) : बित्तीय सेवाको बिस्तार | ८२ |
| चाट ५ (क) : धितोपत्र निष्काशनको अवस्था | ९८ |
| चाट ५ (ख) : बजार पुँजीकरण | ९९ |
| चाट ५ (ग) : धितोपत्रको चुक्ता मूल्य तथा कारोवार रकम | १०० |
| चाट ५ (घ) : नेप्से परिसूचक (विन्दुगत) | १०१ |
| चाट ५ (ङ) : जीवन तथा निर्जिवन वीमा आर्जन | १०५ |
| चाट ५ (च) : जीवन तथा निर्जिवन वीमा शुल्क रकम | १०६ |
| चाट ५ (छ) : जीवन तथा निर्जिवन वीमा लगानी | १०७ |
| चाट ६ (क) : अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार | १११ |
| चाट ६ (ख) : बिप्रेषण आप्रवाहको प्रवृत्ति | ११७ |
| चाट ६ (ग) : बिप्रेषण आय, चालु खाता र शोधनान्तर स्थिति | ११७ |
| चाट १३ (क) : विद्यालयको व्यवस्थापन समुदायमा हस्तान्तरण गरिएको विवरण | २४३ |
| चाट १३ (ख) : सबै तहका विद्यालयहरूको क्षेत्रगत विवरण | २५१ |
| चाट १३ (ग) : माध्यमिक तहका विद्यालयहरूको क्षेत्रगत विवरण | २५१ |
| चाट १३ (घ) : सरकारीस्तरमा सञ्चालित विद्यालयहरू | २५४ |
| चाट १३ (ङ) : सबै प्रकारका विद्यालयहरू | २५४ |
| चाट १३ (च) : सबै तहका विद्यालयमा महिला तथा पुरुष शिक्षकहरूको संख्या | २५६ |
| चाट १३ (छ) : विद्यालय तहमा विद्यार्थी भर्नाको अवस्था | २५७ |
| चाट १३ (ज) : गत ५ वर्ष देखि एस.एल.सी को उत्तीर्ण प्रतिशत | २६० |

| | |
|--|-----|
| चाई १३ (झ) : त्रिभुवन विश्वविद्यालयमा अध्ययन गर्ने विद्यार्थीको भर्ना अवस्था | २६३ |
| चाई १३ (ञ) : मेडिकल काउन्सिलमा दर्ता भएका डाक्टरहरु | २७९ |
| चाई १३ (ट) : मेडिकल काउन्सिलमा दर्ता भएका विशेषज्ञ चिकित्सकहरु | २८१ |
| चाई १३ (ठ) : अपाङ्गता परिचयपत्र वितरण | २९३ |
| चाई १३ (ड) : जन्म तथा मृत्यु दर्ता | ३०२ |
| चाई १५ (क) : भूकम्पबाट अनुमानित क्षति | ३२६ |
| चाई १५ (ख) : पुनःनिर्माण र नवनिर्माणका लागि आवश्यक स्रोत | ३२७ |

Abbreviations

| | |
|-----------|---|
| AIDs | Acquired Immune Deficiency Syndrome |
| AIT | Administrator in Training |
| AMHS | Automatic Message Handling System |
| AOCR | Air Operation Certificate Regulation |
| ARV | Anti Rabies Vaccination |
| ART | Antiretroviral Therapy |
| ASV | Anti Snake Venom |
| BCG | Bacillus Calmette Guerin |
| BDS | Bachelor of Dental Surgery |
| BOOT | Build, Operate, Own & Transfer |
| CB | Community Based |
| CB PMTCT | Community Based Pregnant Mother to Child Transmitted |
| CBIMCI | Community Based Integrated Management of Childhood Illness |
| CBR | Crude Birth Rate |
| CCTV | Close Circuit Television |
| CDAS | Central Depository Accounting Software |
| CDMA | Code Division Multiple Access |
| CEDA | Center for Economic Development and Administration |
| CNS / ATM | Communication Navigation Surveillance / Air Traffic Movement |
| CPA | Central Personnel Agency |
| CT Scan | Computerized Tomography Scan |
| DACC | District AIDS Coordination Committee |
| DOTs | Directly Observed Treatment |
| DPMAS | District Poverty Monitoring & Analysis System |
| DPT | Diphtheria, Pertussis, Tetanus |
| EHS | Extended Health Service |
| E.N.T . | Ear, Nose, Throat (Otolaryngology) |
| E-DV | Electronic Diversity Visa |
| EVDO | Enhanced Voice-Data Optimized |
| GER | Gross Enrolment Ratio |
| GIS | Geographic Information System |
| GPI | Gender Perception Indicator |
| HIV | Human Immune Deficiency Virus |
| HMIS | Hazardous Materials Identification System |
| HPS | Hermansky Pudlak syndrome |
| HTC | HIV Testing & Counselling |
| ICAO | International Civil Aviation Organisation |
| ICP | International Custom Point |
| IED | Improvised Explosive Device |
| IEE/EIA | Initial Environment Examination/Environmental Impact Assessment |
| IFAD | International Fund for Agriculture Development |
| IOM | Institute of Medicine |
| ISO | International Organization for Standardization |
| IT | Information Technology |
| JFPR | Japan Fund for Poverty Reduction |
| LGCDP | Local Government & Community Development Programme |
| MBBS | Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery |

| | |
|---------|--|
| MCPM | Minimum Conditions and Performance Measures |
| MDA | Mass Drug Administration |
| MDAC | Ministerial Development Action Committee |
| MDG | Millennium Development Goals |
| MDR | Multi Drug Resistant |
| MDRTB | Multi Drug Resistant Tuberculosis |
| MDS | Master of Dental Surgery |
| MIS | Management Information System |
| MOU | Memorandum of Understanding |
| MRI | Magnetic Resonance Imaging |
| MS | Master of Surgery |
| NER | Net Enrollment Rate |
| NITC | National Information Technology Center |
| NLSS | Nepal Living Standard Survey |
| NTV | Nepal Television |
| ODF | Open Defecation Free |
| OPD | Out Patient Department |
| O&M | Organization & Management |
| OTC | Over the Counter |
| PAN | Permanent Account Number |
| PDNA | Post Disaster Needs Assessment |
| PGEC | Post Graduate Eligibility Certificate |
| PIS | Personnel Information System |
| PMTCT | Preventing Mother-to-Child Transmission |
| PTMC | Percutaneous Transvenous Mitral Commissurotomy |
| PNC | Post Natal Care |
| SASEC | South Asian Sub-regional Economic Cooperation |
| SEZ | Special Economy Zone |
| SLC | School Leaving Certificate |
| STI | Sexually Transmitted Infections |
| STOL | Short Take-Off and Landing |
| TIA | Tribhuvan International Airport |
| TPS | True Potato Seed |
| TV | Television |
| UGEC | Under Graduate Eligibility Certificate |
| UNFCCC | United Nations Framework Convention on Climate Change |
| USG | Ultrasonography |
| VCTS | Vulnerability Compliance Tracking System |
| VHF/UHF | Very High Frequency / Ultra High Frequency |
| VOR/DME | Very High Frequency (VHF) Omnidirection Range / Distance Measuring Equipment |

छोटकरी रूप

| | |
|-----------------|-------------------------|
| आ.व. | आर्थिक वर्ष |
| एफ.ओ.वी. | फ्रि अन बोर्ड |
| एम _१ | संकुचित मुद्रा प्रदाय |
| एम _२ | विस्तृत मुद्रा प्रदाय |
| कि.मि. | किलोमिटर |
| कि.वा. | किलो वाट |
| के.जी. | किलोग्राम |
| वि.सं. | विक्रम सम्वत् |
| वि.नि. | विद्यालय निरीक्षक |
| प्रा.वि. | प्राथमिक विद्यालय |
| नि.मा.वि. | निम्न माध्यमिक विद्यालय |
| मा.वि. | माध्यमिक विद्यालय |
| उ.मा.वि. | उच्च माध्यमिक विद्यालय |
| क्र.सं. | क्रम संख्या |
| शै.ता.के. | शैक्षिक तालिम केन्द्र |
| गा.वि.स. | गाउँ विकास समिति |
| जि.वि.स. | जिल्ला विकास समिति |

कार्यकारी सारांश

१. अन्तर्राष्ट्रिय मुद्रा कोषले सन् २०१५ को अप्रिलमा प्रकाशन गरेको विश्व आर्थिक परिदृश्य (World Economic Outlook) अनुसार सन् २०१४ मा ३.४ प्रतिशतले बढेको विश्व उत्पादन सन् २०१५ मा सीमान्त दरले बढी ३.५ प्रतिशत रहने प्रक्षेपण छ । सन् २०१४ मा १.८ प्रतिशतले विस्तार भएको विकसित मुलुकको अर्थतन्त्र सन् २०१५ मा २.४ प्रतिशतले बढ्ने प्रक्षेपण छ भने सन् २०१४ मा ४.६ प्रतिशतले वृद्धि भएको उदीयमान र विकासशील देशहरूको अर्थतन्त्र सन् २०१५ मा सीमान्त दरले घट्न गई ४.३ प्रतिशतमा सीमित रहने प्रक्षेपण छ ।
२. सन् २०१३ को तुलनामा सन् २०१४ मा बंगलादेश र अफगानिस्तान बाहेक दक्षिण एशियाका अन्य सबै मुलुकहरूको आर्थिक वृद्धिदर बढेको छ । त्यसैगरी, सन् २०१४ को तुलनामा सन् २०१५ मा मालदिभ्स, नेपाल र श्रीलंका बाहेकका दक्षिण एशियाली मुलुकहरूको आर्थिक वृद्धिदर बढ्ने प्रक्षेपण रहेको छ । दुई ठूला एशियाली देशहरू भारत र चीनको अर्थतन्त्र सन् २०१४ मा क्रमशः ७.२ प्रतिशत र ७.४ प्रतिशतले बढेकोमा सन् २०१५ मा क्रमशः ७.५ प्रतिशत र ६.८ प्रतिशतले बढ्ने प्रक्षेपण गरिएको छ ।
३. आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा मुलुकको वास्तविक कुल गार्हस्थ्य उत्पादन ५.० प्रतिशतले वृद्धि हुने संशोधित अनुमान रहेकोमा त्यस्तो वृद्धिदर आधारभूत मूल्यमा ३.० प्रतिशत रहने अनुमान छ । अघिल्लो वर्षमा यस्तो वृद्धिदर ५.१ प्रतिशत रहेको थियो । कृषि क्षेत्र मूलतः मौसमी प्रतिकूलता र गैर कृषि क्षेत्रका गतिविधिहरू २०७२ वैशाख १२ को भुकम्पबाट बढी प्रभावित भएका कारण चालु आर्थिक वर्षको आर्थिक वृद्धिदर अघिल्लो वर्षको तुलनामा न्यून रहन गएको हो ।
४. आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा कृषि क्षेत्रको उत्पादन १.९ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । गत आर्थिक वर्षमा यो क्षेत्रको उत्पादन २.९ प्रतिशतले बढेको थियो । अघिल्लो आर्थिक वर्षमा ६.३ प्रतिशतले बढेको गैर कृषि क्षेत्र चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा ३.६ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । गैर कृषि क्षेत्र मध्ये चालु आर्थिक वर्षमा उद्योग तथा सेवा क्षेत्रको उत्पादन क्रमशः २.६ प्रतिशत र ३.९ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । अघिल्लो वर्ष उद्योग तथा सेवा क्षेत्रको वृद्धिदर क्रमशः ६.२ प्रतिशत र ६.३ प्रतिशत रहेको थियो ।

५. नेपाली अर्थतन्त्रमा संरचनागत परिवर्तन भइरहेको छ । कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि र उद्योग क्षेत्रको योगदान घट्दै गएको छ भने सेवा क्षेत्रको योगदान बढ्दो छ । क्षेत्रगत आधारमा हेर्दा चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा प्रचलित मूल्यको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा प्राथमिक क्षेत्रको योगदान ३२.३ प्रतिशत हुने अनुमान छ । त्यसैगरी, आर्थिक वर्ष २०५८/५९ मा प्रचलित मूल्यको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा द्वितीयक क्षेत्रको योगदान १७.० प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा १४.५ प्रतिशतमा झरेको छ । त्यस्तै, आर्थिक वर्ष २०५८/५९ को कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा तृतीयक क्षेत्रको योगदान ४५.१ प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा ५३.२ प्रतिशत पुगेको छ ।
६. औद्योगिक वर्गीकरण अनुसारको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनलाई कृषि र गैर कृषि क्षेत्र गरी दुई भागमा वर्गीकरण गर्दा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको योगदान घट्दो क्रममा छ भने गैर कृषि क्षेत्रको योगदान क्रमशः बढ्दै गएको छ । आर्थिक वर्ष २०५७/५८ को यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको योगदान ३६.६ प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा ३३.१ प्रतिशतमा झरेको छ भने गैर कृषि क्षेत्रको योगदान ६३.४ प्रतिशतबाट बढेर ६६.९ प्रतिशत पुगेको छ ।
७. चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ का लागि रु. ६ खर्ब १८ अर्ब १० करोड बजेट विनियोजन भएकोमा प्रथम आठ महिनासम्ममा कुल सरकारी खर्च अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको तुलनामा ४६.४० प्रतिशतले बढेर रु. २ खर्ब ९६ अर्ब ३० करोड पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनाको कुल खर्च मध्ये चालु खर्च रु. २ खर्ब २३ अर्ब ९६ करोड, पुँजीगत खर्च रु. ३४ अर्ब ६९ करोड, वैदेशिक तथा आन्तरिक ऋणको साँवा भुक्तानी रु. ३५ अर्ब ७६ करोड, संस्थानहरूमा शेयर लगानी रु. २ अर्ब ३९ करोड र ऋण लगानी रु. ९ अर्ब ५२ करोड रहेको छ ।
८. आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनाको अवधिमा वैदेशिक अनुदान रु. १७ अर्ब ११ करोड प्राप्त भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा रु. १४ अर्ब ३० करोड प्राप्त भएको छ । यो रकम गत वर्षको सोही अवधिमा प्राप्त रकम भन्दा १६.४० प्रतिशतले कम हो । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा वैदेशिक ऋण रु. १३ अर्ब ४५ करोड प्राप्त भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा रु. १४ अर्ब २१ करोड प्राप्त भएको छ ।

९. आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा रु. ४ खर्ब २२ अर्ब ९० करोड राजस्व परिचालन हुने अनुमान रहेकोमा प्रथम आठ महिनासम्ममा अघिल्लो आर्थिक वर्षको सोही अवधिको तुलनामा ५.५ प्रतिशतले बढी रु. २ खर्ब २ अर्ब १९ करोड पुगेको छ ।
१०. आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को आठ महिनामा मुद्रास्फीतिदर ८.९ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को सोही अवधिमा ७.० प्रतिशत रहेको छ । त्यसैगरी, चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनाको अवधिमा खाद्य तथा पेय पदार्थ समुहको मूल्य सूचकांकको वृद्धिदर ९.५ प्रतिशत रहेको छ भने गैर खाद्य तथा सेवा समुहको मूल्य सूचकांकको वृद्धिदर ४.९ प्रतिशत रहेको छ । अघिल्लो वर्षको आठ महिनाको अवधिमा यी समुहहरूको मूल्य सूचकांक क्रमशः १०.८ प्रतिशत र ७.१ प्रतिशतले बढेको थियो ।
११. चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनासम्ममा विस्तृत मुद्रा प्रदाय ८.१ प्रतिशतले र संकुचित मुद्रा प्रदाय ७.० प्रतिशतले बढेका छन् । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा विस्तृत मुद्रा प्रदाय र संकुचित मुद्रा प्रदाय क्रमशः १०.८ प्रतिशत र १०.९ प्रतिशतले बढेका थिए । मौद्रिक क्षेत्रको खुद वैदेशिक सम्पत्ति न्यून दरले विस्तार भएको कारण चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनाको अवधिमा विस्तृत मुद्रा प्रदायको वृद्धिदर अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको तुलनामा कम रहन गएको हो ।
१२. वस्तु तथा सेवा आयात बढ्नु, अनुदान रकममा हास आउनु र विप्रेषण आप्रवाह न्यून दरले बढ्नु जस्ता कारणहरूले गर्दा आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा खुद वैदेशिक सम्पत्ति (विदेशी विनिमय मूल्याङ्कन नाफा-नोक्सान समायोजित) रु ३५ अर्ब ७ करोड (५.९ प्रतिशत) ले बढेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा उक्त सम्पत्ति रु १०२ अर्ब ८१ करोड (२२.० प्रतिशत) ले बढेको थियो ।
१३. आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा खुला बजार कारोबार अन्तर्गत रिभर्स रिपो बोलकबोल मार्फत रु. २७१ अर्ब १० करोड बराबरको तरलता प्रशोचन भएको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा रिभर्स रिपो बोलकबोल मार्फत २७० अर्बको तरलता प्रशोचन भएको थियो । चालु आर्थिक वर्षको मौद्रिक नीतिमा उल्लेख भए बमोजिम २०७१ भदौ महिनादेखि निक्षेप वोलकबोललाई तरलता प्रशोचन गर्ने नयाँ उपकरणको रूपमा प्रयोगमा ल्याइएकोमा पटक पटक गरी आठ महिनाको अवधिमा निक्षेप वोलकबोल मार्फत रु. ८५ अर्बको तरलता

प्रशोचन भएको छ ।

१४. ९१-दिने ट्रेजरी विलको भारत औसत ब्याजदर अघिल्लो वर्षको चैत महिनामा ०.०६ प्रतिशत रहेकोमा २०७१ चैत महिनामा ०.६९ प्रतिशत पुगेको छ । त्यसैगरी, वाणिज्य बैंकहरूबीचको अन्तर-बैंक कारोबारको भारत औसत ब्याजदर अघिल्लो वर्षको चैतमा ०.१९ प्रतिशत रहेकामा २०७१ चैतमा ०.६४ प्रतिशत पुगेको छ । साथै, अन्य वित्तीय संस्थाहरूबीचको अन्तर-बैंक कारोबारको भारत औसत ब्याजदर अघिल्लो वर्षको चैतको २.२९ प्रतिशतको तुलनामा २०७१ चैतमा ३.८७ प्रतिशत रहेको छ ।
१५. आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको निक्षेप परिचालन ७.६ प्रतिशत (रु. १०६ अर्ब ६२ करोड) ले बढेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा त्यस्तो निक्षेप परिचालन ९.७ प्रतिशत (रु. ११५ अर्ब ४७ करोड) ले बढेको थियो । त्यसैगरी, समीक्षा अवधिमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको कर्जा तथा लगानीतर्फ निजी क्षेत्रको दावी ११.८ प्रतिशत (रु. १३२ अर्ब ४० करोड) ले बढेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यस्तो कर्जा तथा लगानीमा निजी क्षेत्रको दावी ११.० प्रतिशत (रु. १०३ अर्ब ८१ करोड) ले बढेको थियो ।
१६. नेप्से परिसूचक आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको तुलनामा २४.८ प्रतिशतले बढी ९८७.४४ विन्दु कायम भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को आठ महिनाको अन्त्यमा नेप्से परिसूचक ७८३.७९ विन्दु रहेको थियो । त्यसैगरी, आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फागुन महिनासम्ममा कुल संस्थागत ऋणपत्रको संख्या २१ पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को आठ महिनासम्ममा बजार पुँजीकरण रु. ७ खर्ब ९८ अर्ब ९ करोड कायम रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को सोही अवधिमा बजार पुँजीकरण २५.८० प्रतिशतले बृद्धि भई रु.१० खर्ब ४ अर्ब ३ करोड ४८ लाख पुगेको छ ।
१७. आर्थिक वर्ष २०६९/७० को अन्त्यसम्ममा जीवन तथा निर्जीवन गरी कूल बीमा शुल्क रु. २५ अर्ब १२ करोड १२ लाख आर्जन भएको थियो । त्यसैगरी, आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा कूल बीमा शुल्क रु.३० अर्ब ७१ करोड ७ लाख आर्जन भएकोमा आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फागुन मसान्तसम्ममा जीवन तथा निर्जीवन गरी कूल बीमा शुल्क रु. २२ अर्ब १७ करोड आर्जन भएको छ ।

१८. आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा कुल वस्तु निर्यातमा ६.६ प्रतिशतले हास आई रु. ५६ अर्ब ८७ करोड रहेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यस्तो निर्यात १९.४ प्रतिशतले बढेको थियो । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनामा कुल वस्तु आयात १०.५ प्रतिशतले बृद्धि भई रु. ५०५ अर्ब ९२ करोड पुगेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यस्तो आयात २७.० प्रतिशतले बढेर रु. ४५७ अर्ब ८५ करोड रहेको थियो । चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनामा कुल वस्तु व्यापार घाटा १३.१ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ४४९ अर्ब ५ करोड पुगेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यस्तो घाटा २८.२ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ३९६ अर्ब ९६ करोड रहेको थियो
१९. आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा समग्र शोधनान्तर स्थिति रु. ३५ अर्ब ७ करोडले बचतमा रहेको छ । अघिल्लो आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा शोधनान्तर बचत रु. १०२ अर्ब ८१ करोड रहेको थियो । त्यसैगरी, यस अवधिमा चालु खाता रु. ११ अर्ब ६५ करोडले बचतमा रहेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यो खाता रु. ६८ अर्ब ४१ करोडले बचतमा रहेको थियो । वस्तु तथा सेवा आयात बढ्नु, निर्यात आय तथा अनुदान घट्नु र विप्रेषण आप्रवाह न्यून दरले बढ्नु जस्ता कारणहरूले गर्दा कारण चालु खाता न्यून बचतमा रहेको हो ।
२०. आर्थिक वर्ष २०६१/६२ मा विप्रेषण कुल गार्हस्थ्य उत्पादन अनुपात ११.१ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा २८.० प्रतिशत पुगेको छ । विप्रेषण आय अघिल्लो वर्षको आठ महिनाको अवधिको ३४.१ प्रतिशत वृद्धिको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा ४.० प्रतिशतले बढी रु.३७१ अर्ब पुगेको छ ।
२१. २०७१ फागुन मसान्तमा कुल विदेशी विनिमय सञ्चिति २०७१ असार मसान्तको तुलनामा ६.१ प्रतिशतले बढेर रु. ७०५ अर्ब ७३ करोड पुगेको छ । २०७० फागुन मसान्तमा यस्तो सञ्चिति २२.५ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ६५३ अर्ब ४२ करोड रहेको थियो । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्मको आयातलाई आधार मान्दा विदेशी विनिमय सञ्चितिको विद्यमान स्तरले ११.३ महिनाको वस्तु आयात र ९.७ महिनाको वस्तु तथा सेवा आयात धान्न पर्याप्त रहेको छ । २०७० फागुन मसान्तमा बैंकिङ्ग क्षेत्रसँग रहेको सञ्चितिले सोही अवधिको आयात प्रवृत्तिका आधारमा करिब ११.६ महिनाको वस्तु आयात र १०.१ महिनाको वस्तु तथा सेवा आयात धान्न सक्ने स्तरमा रहेको थियो ।

२२. नेपालमा गरिबीको रेखा मुनी रहेको जनसंख्या २३.८ प्रतिशत रहेको छ । विगत वर्षहरूदेखि यस्तो दर घट्दो प्रवृत्तिमा रहेतापनि हालै गएको विनासकारी भूकम्पको कारणबाट अर्थतन्त्रमा पर्न सक्ने प्रभावको कारण गरिबीको रेखा मुनी रहेको जनसंख्याको आकार बढ्न जाने अनुमान छ । सन् २०१३ सम्ममा न्यूनतम आहाराभन्दा कम खाना पाउने जनसंख्याको अनुपात १५.७ प्रतिशत रहेको छ । त्यसैगरी, सन् २०१४ सम्ममा ६ महिना देखि ५ वर्ष मुनिका उमेर समूहका कम वजन भएका बालबालिका र पुङ्कोपन भएका बालबालिका क्रमशः ३७.० प्रतिशत र ३०.० प्रतिशत रहेका छन् ।
२३. अति कम विकसीत मुलुकबाट विकासशील मुलुकमा स्तरोन्नती लागि संयुक्त राष्ट्र संघले तोकेका प्रति ब्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय (Gross National Income-GNI per capita), मानव सम्पत्ति सूचक (Human Asset Index-HAI) र आर्थिक जोखिम सूचक (Economic Vulnerability Index-EVI) हरू मध्ये प्रतिब्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय बाहेकका अन्य सूचकहरूको अवस्था सकारात्मक रहेको छ । तथापी विनासकारी भूकम्पबाट भएको जन, धन, भौतिक, पुरातात्विक तथा प्राकृतिक स्रोतहरूको क्षतिको कारणबाट पर्न सक्ने जोखिमलाई भने उच्च प्राथमिकताका साथ व्यवस्थापन गर्न जरुरी छ ।
२४. चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा नेपालको कूल खाद्यान्न उत्पादन (धान, गहुँ, मकै, कोदो, जौ, फापर) अघिल्लो वर्षको तुलनामा करिब ३ प्रतिशतले घट्न गई ९२ लाख ६६ हजार मे. टन हुने अनुमान छ । त्यसैगरी, चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा धानको उत्पादन गत वर्षको तुलनामा ५.१ प्रतिशतले घट्न गई ४७ लाख ८८ हजार मेट्रिक टन हुने प्रारम्भिक अनुमान छ । मौसमी प्रतिकूलताको कारण खाद्यान्न बालीको उत्पादनमा कमी आउँदा कृषि क्षेत्रको बृद्धिदरमा समेत कमी आएको छ ।
२५. नेपालको कूल भू-भागको २९.० प्रतिशत वन क्षेत्र र १०.५ प्रतिशत भू-भाग झाडी बुट्यानले ढाकेको छ । देशको कुल भू-भागको न्यूनतम ४० प्रतिशत वन क्षेत्र कायम गर्न आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ६ सय ४८ हेक्टर र चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फागुनसम्ममा १७७.७२ हेक्टर अतिक्रमित वन क्षेत्र खाली गराई ब्यवस्थापन गरिएको छ ।
२६. नापी तथा मालपोत कार्यालयहरूमा रहेका नक्शा तथा श्रेस्तालाई डिजिटलाइज गर्ने कार्य अछाम बाहेकका सबै जिल्लाहरूमा सम्पन्न भएको छ । काठमाण्डौं

उपत्यकाका ३ जिल्ला, काभ्रे, कास्की, कैलाली, पाल्पा लगायतका विभिन्न १७ नापी कार्यालयहरूमा कित्तानापी कार्यमा डिजिटल प्रविधि मार्फत नापजाँच गरी करिब ७ हजार हेक्टर क्षेत्रफल बराबरको डिजिटल भूमिलगत तयार गर्ने कार्य भैरहेको छ । हालसम्म २७ हजार ५ सय ७० मुक्त कर्मैया परिवार मध्ये २६ हजार १ सय १४ परिवारको पुनःस्थापना गरिएको र १९ हजार ५९ मुक्त हलिया परिवार मध्ये २ सय ५४ परिवारको पुनःस्थापना भएको छ ।

२७. चालु आर्थिक वर्ष २०७१/०७२ को प्रथम आठ महिनासम्ममा दर्ता भएका ७ सय ५८ ठुला उद्योग, १ हजार ३ सय ८७ मझौला उद्योग, ३ हजार ८ सय ८ साना उद्योग र ३ लाख ८० हजार १ सय ८२ लघु उद्योग गरी मुलुकमा कुल ३ लाख ८६ हजार १ सय ३५ उद्योगहरूबाट २७ लाख ७१ हजार ३ सय ९ जनालाई रोजगारी उपलब्ध हुने अनुमान छ ।
२८. आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा दर्ता भएका विदेशी लगानीका २ सय १३ वटा उद्योगहरूबाट ८ हजार ८ सय ६९ जनाले रोजगारी पाउने अपेक्षा गरिएको छ । कुल परियोजना लागतको आधारमा विदेशी लगानी हुने उद्योगहरू मध्ये उर्जा, सेवामूलक, पर्यटन, उत्पादनमूलक र अन्यको हिस्सा क्रमशः ५४.४५ प्रतिशत, ९.०३ प्रतिशत, ५.८२ प्रतिशत, २९.५७ प्रतिशत र १.१३ प्रतिशत रहेको छ ।
२९. २०७० पौष देखि २०७१ पौषसम्मको अबधिमा कूल ७ लाख ९० हजार १ सय १८ पर्यटकले नेपाल भ्रमण गरेका छन् । यो संख्या अघिल्लो बर्षको सोही अवधिको तुलनामा ०.९ प्रतिशतले कम रहेको छ । साथै, सो अबधिमा नेपाल भ्रमणमा आएका पर्यटकहरूको औषत बसाई अबधि १२.४ दिन भएको अनुमान छ । उक्त अवधिमा सबैभन्दा बढी पर्यटक आउने पाँच मुलुकहरू क्रमशः भारत (१७%), चीन (१६%), अमेरिका (६%), श्रीलंका (४.८%) र बेलायत (४.७%) रहेका छन् ।
३०. नागरिक उड्डयान प्राधिकरणबाट पोखरा क्षेत्रीय अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल निर्माणको लागि करीब ८० रोपनी जग्गा अधिग्रहण प्रक्रिया अघि बढेको छ भने गौतमबुद्ध अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थलको निर्माण कार्य शुरु भएको छ । त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थलको आधुनिकीकरण गरि सुबिधा सम्पन्न गराउन त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल कार्यालयमा टर्मिनल मोनोपुल्स सेकेन्डरी सर्विलेन्स राडार र ललितपुरको भट्टेडाँडामा इनरुट मोनोपुल्स सेकेन्डरी सर्विलेन्स राडार जडान कार्य भइरहेको छ । त्यसैगरी, नेपाल वायु सेवा निगमले

आन्तरिक तथा वाह्य उडान सेवा विस्तारका लागि चीन सरकारबाट २ वटा अनुदान र ४ वटा ऋण सहूलियतमा एम.ए. ६० विमान र Y12 जहाज प्राप्त भई आन्तरिक उडान संचालनमा आएका छन् । यसैगरी, A320-200 सिरिजका दुई वटा न्यारो बिमान मध्ये पहिलो बिमानबाट अन्तर्राष्ट्रिय उडान शुरु भएको र दोश्रो बिमान प्राप्त हुने प्रकृत्यामा छ ।

३१. देशको स्थलीय, जनसंख्या र आर्थिक क्षेत्रमा भइरहेको उतार-चढावका कारणले शहरीकरणको गति तीव्र रहेको छ । विगतमा भएका ५८ नगरपालिका र चालु आर्थिक वर्षमा घोषणा भएका १३३ समेत गरी जम्मा नगरपालिकाको संख्या १९१ पुगेको छ । नगरपालिका क्षेत्रमा बस्ने जनसंख्या कुल जनसंख्याको ३८.२६ प्रतिशत पुगेको छ । कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा शहरी क्षेत्र (५८ वटा नगरपालिका) को योगदान ३३.१ प्रतिशत रहेको छ भने काठमाण्डौं उपत्यकाको मात्र २३.४ प्रतिशत योगदान रहेको अनुमान छ । बढ्दो शहरीकरणको कारण वातावरण संरक्षण, भूमि व्यवस्थापन र आपूर्ति प्रणाली एकीकृत रूपमा संचालन गर्न आवश्यक छ । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा सुकुम्वासी तथा सहरी गरीब एवं न्यून आय वर्गलाई व्यवस्थित वसोवासको लागि आवास निर्माण, दलित वर्ग एवं लोपोन्मुख जातिका लागि जनता आवास, कर्मचारीहरूको लागि आवास व्यवस्था, प्राकृतिक प्रकोपबाट विस्थापित र जोखिममा परेका परिवारहरूलाई पुनर्वास गराउने कार्यहरूका लागि २८ बजार केन्द्र, १७० वटा सामुदायिक भवन र १० वटा ठूला भवन/सभाहल निर्माण भैरहेको छ ।
३२. आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा उर्जा खपत ७ हजार ७ सय ८१ टन तेल शक्ति बराबर पुगेको छ । सोही अवधिमा परम्परागत, व्यापारिक र नविकरणीय उर्जा खपतको अनुपात क्रमशः ७७.० प्रतिशत, २०.० प्रतिशत र ३.० प्रतिशत रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यो अनुपात क्रमशः ७८.० प्रतिशत, १७.० प्रतिशत २.६ प्रतिशत रहेको थियो । परम्परागत ऊर्जा माथिको नेपाली अर्थतन्त्रको उच्च निर्भरता यथावत कायम रहेको छ ।
३३. आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा ९ हजार १ सय ६३ किलोमिटर माटे, ६ हजार ८६ किलोमिटर खण्डास्मित तथा ११ हजार १ सय ९७ किलोमिटर कालोपत्रे गरी जम्मा २६ हजार ४ सय ४६ किलोमिटर सडक स्तरोन्नती भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फागुनसम्ममा २ सय ३१ किलोमिटर माटे सडक, १ सय ६ किलोमिटर खण्डास्मित सडक तथा १ सय ५२ किलोमिटर कालोपत्रे सडक थप

स्तरोनन्ती भई आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फागुनसम्ममा ९ हजार ३ सय ९४ किलोमिटर माटे, ६ हजार १ सय ९२ किलोमिटर खण्डास्मित तथा ११ हजार ३ सय ४९ किलोमिटर कालोपत्रे गरी जम्मा २६ हजार ९ सय ३५ किलोमिटर सडक पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा १७ लाख ५५ हजार ८ सय २१ वटा सवारी साधन दर्ता रहेकोमा चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा १ लाख ६९ हजार ६ सय १३ नयाँ सवारी साधन दर्ता भई सवारी साधनहरूको कुल संख्या १९ लाख २५ हजार ४ सय ३४ पुगेको छ ।

३४. २०७१ फागुन मसान्तसम्म जम्मा टेलिफोन ग्राहकसंख्या २ करोड ६२ लाख ६१ हजार १ सय ८ पुगी टेलिफोन घनत्व ९९.१२ प्रतिशत पुगेको छ । २०७१ फागुन मसान्तसम्ममा देशका विभिन्न जिल्लाहरूमा दर्ता भएका पत्रपत्रिकाहरूको संख्या ७ हजार ५ पुगेको छ ।
३५. नागरिकहरूसंग प्रत्यक्ष सम्पर्क हुने प्रमुख सरोकारवाला कार्यालयहरूको सेवालाई प्रभावकारी बनाउन २०७१ पौष १ गतेदेखि नागरिकता, राहदानी सिफारिश, जन्म दर्ता, विवाह दर्ता, मृत्यु दर्ता, जग्गा रजिष्ट्रेशन, नापी, राहदानी वितरण, उधोग दर्ता, सवारी चालक अनुमति पत्र वितरण, वैदेशिक रोजगार अनुमति पत्र, विधुत महशुल, खानेपानी महशुल र टेलीफोन महशुल भुक्तानी सम्बन्धी सेवाहरूलाई विहान ६.०० वजेदेखि बेलुका ६.०० बजेसम्म दुई सिफ्टमा संचालन गरिएको छ । साथै, सेवा प्रवाहलाई जनउत्तरदायी बनाउँदै सरल, चुस्त र प्रभावकारी बनाउन क्षतिपूर्ति सहितको नागरिक बडापत्र लागू भएको छ । व्यापार सहजीकरणका लागि प्रमुख भन्सार विन्दुहरूमा सेवाग्राही सेवाकक्ष खडा गरी गुनासो सुन्ने तथा सूचना प्रवाह गर्ने कार्य थालनी भएको छ ।
३६. सशस्त्र द्वन्दका क्रममा भएका मानव अधिकारको गम्भीर उल्लङ्घन तथा मानवता विरुद्धको अपराध सम्बन्धी घटना र त्यस्तो घटनामा संलग्न व्यक्तिहरूको बारेमा सत्य अन्वेषण तथा छानविन गरी वास्तविक तथ्य जनसमक्ष ल्याउन र समाजमा मेलमिलाप गराई दिगो शान्ति निर्माण गर्न लगायत त्यस्ता घटनासँग सम्बन्धित गम्भीर अपराधमा संलग्न व्यक्तिलाई कानुनी कारवाहीको लागि सिफारिस गर्नको लागि बेपत्ता पारिएका व्यक्तिको छानविन आयोग र सत्य निरूपण तथा मेलमिलाप आयोगको गठन भै कार्य प्रारम्भ भएको छ ।

३७. विगत केही वर्षदेखि शैक्षिक क्षेत्रमा क्रमिक सुधार हुँदै गएको छ । चालु शैक्षिक सत्र २०७१ मा प्राथमिक तहमा खुद भर्नादर ९६.२ प्रतिशत पुगेको छ भने आधारभूत शिक्षामा ८७.६ प्रतिशत र माध्यमिक शिक्षामा ३४.७ प्रतिशत पुगेको छ । गत शैक्षिक वर्षमा यस्तो भर्नादर क्रमशः ९५.६ प्रतिशत, ८६.३ प्रतिशत र ३३.२ प्रतिशत रहेको थियो । शैक्षिक सत्र २०७१ मा प्राथमिक विद्यालयमा ४३ लाख ३५ हजार ३ सय ५५, निम्न माध्यमिक विद्यालयमा १८ लाख ३५ हजार ३ सय १३ र माध्यमिक विद्यालयमा ९ लाख ५ सय ८५ विद्यार्थी अध्ययनरत रहेका छन् । साथै, विद्यालयको संख्यामा वृद्धि भई प्राथमिक तहमा ३४ हजार ३ सय ३५, निम्न माध्यमिक तहमा १४ हजार ९ सय ५२ र माध्यमिक तहमा ८ हजार ८ सय २५ विद्यालय पुगेका छन् ।
३८. चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ सम्ममा ८३.५९ प्रतिशत जनसंख्या आधारभूत खानेपानी सेवाबाट लाभान्वित भएका छन् । यसमध्ये १५.३ प्रतिशत जनसंख्याले मात्र उच्चस्तरको खानेपानी सेवा प्राप्त गरेका छन् । त्यसैगरी, ७०.२८ प्रतिशत जनतामा आधारभूत सरसफाई सेवा पुगेको छ ।
३९. आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा १ सय १६ अस्पताल, ३ हजार ७ सय ९० स्वास्थ्य चौकी, ३ सय ८४ आयुर्वेद अस्पताल तथा औषधालयहरु र २ सय १५ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गरी जम्मा ४ हजार ५ सय ५ स्वास्थ्य संस्थाहरु रहेका छन् । उक्त स्वास्थ्य संस्थाहरुमा ३५ हजार ३ सय प्राविधिक तथा अप्राविधिक कर्मचारी तथा करिव ५२ हजार महिला स्वास्थ्य स्वयं सेविका (नगर) गरी जम्मा ८७ हजार ३ सय जनशक्ति कार्यरत रहेका छन् ।
४०. सहश्राव्दी विकास लक्ष्य मध्ये बाल तथा मातृ मृत्युदर न्यूनिकरणमा उत्साहजनक उपलब्धि भएको छ । सन् २०१३ मा मातृ मृत्युदर (प्रति १ लाख जीवित जन्ममा) १७०, सन् २०१३ मा शिशु मृत्युदर (प्रति हजारमा) ४६ र सन् २०१४ मा ५ वर्ष मुनिको बाल मृत्युदर (प्रति हजारमा) ५४ पुगेको छ । त्यसैगरी, सन् २०१४ सम्ममा एच.आई.भी. संक्रमण दर (१५ देखि २४ वर्ष) ०.०३ प्रतिशत, क्षयरोगको उपस्थिति दर (प्रति १ लाखमा) २११ जना, वार्षिक औलो प्रभावित संख्या (प्रति हजारमा) ०.१५ जना रहेको छ । सन् २०१४ मा विश्व स्वास्थ्य संगठनबाट नेपालले पोलियो रोगको शुन्य प्रमाणिकरण प्रमाणपत्र प्राप्त गरेको छ । साथै, सूतिजन्य पदार्थको प्याकेटमा चेतावनीमूलक

सन्देश चित्र ९०% सम्म बढाए वापत "Global Bloomberg Award 2015" प्राप्त गरेको छ ।

४१. आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा १० लाख २९ हजार ६ सय ८१ जन्म दर्ता भएको थियो भने चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनासम्ममा कुल ३ लाख ६४ हजार ६ सय ४५ मात्र जन्म दर्ता भएको छ । त्यसैगरी, आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा १ लाख २१ हजार ८ सय ४९ मृत्यु दर्ता भएको थियो भने चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनासम्ममा कुल ५१ हजार ४ सय ५७ मात्र मृत्यु दर्ता भएको छ ।
४२. चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनासम्ममा जेष्ठ नागरिक ९ लाख ५१ हजार ४ सय १९ जना, विधवा तथा ६० वर्ष माथिका एकल महिला ६ लाख ४८ हजार ५ सय ५३ जना, लोपोन्मुख आदिवासी जनजाति २० हजार ३ सय ८ जना, पूर्ण अशक्त अपांग २७ हजार २ सय ३ जना, आँशिक अशक्त अपांग ६ हजार ३ सय ७५ र कर्णाली अञ्चल तथा दलित परिवारका ५ वर्ष मुनिका विपन्न दलित परिवारका तथा कर्णाली अञ्चलका वालवालिका ५ लाख ६ हजार ७ सय १८ जना समेत जम्मा २१ लाख ६० हजार ५ सय ७६ जनाले सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्राप्त गरेका छन् । गत आर्थिक वर्षको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षमा सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्राप्त गर्ने संख्यामा १२ हजार १९ ले कमि आएको छ ।
४३. विगतका वर्षदेखि राष्ट्रिय युवा परिचालन कार्यक्रम सञ्चालन हुँदै आएको छ । जस अन्तर्गत ७५ वटै जिल्लामा युवा सूचना केन्द्र स्थापना गरिएको छ । चालु आर्थिक वर्षमा ५ वटा सूचना केन्द्रलाई स्तरोन्नति गर्ने कार्य भई रहेको छ । सांस्कृतिक सम्पदाहरूको संरक्षण एवं संवर्द्धन गर्दै देशको सांस्कृतिक पहिचानलाई राष्ट्रिय रूपमा उजागर गरि पर्यटन पर्वद्धन मार्फत देशको आर्थिक आय आर्जनमा योगदान पुऱ्याउन दिगो व्यवस्थापन कार्य शुरु भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा करिब १ हजार २ सय प्रतिष्ठान एवं संघसंस्थाहरू मार्फत मठमन्दिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वार, गुम्बा र बिहार लगायत मूर्त तथा अमूर्त सम्पदाहरूको संरक्षण गरिएको छ ।
४४. आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा सञ्चालनमा रहेका ३७ वटा सार्वजनिक संस्थानहरू मध्ये १८ वटा खुद नाफामा तथा १५ वटा खुद नोक्सानीमा सञ्चालित छन् । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा संस्थानहरूको खुद नाफा रु.११ अर्ब ४० करोड ५ लाख रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा रु.५ अर्ब ५ करोड ३ लाख मात्र रहेको छ । नेपाल सरकारलाई सार्वजनिक संस्थानहरूबाट आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा रु.६ अर्ब

९९ करोड २ लाख लाभांश प्राप्त भएकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा केही कम भई रु.६ अर्ब ६१ करोड ८७ लाख प्राप्त भएको छ । यो लाभांश नेपाल सरकारको सेयर लगानी (रु.१ खर्ब १५ अर्ब ८१ करोड ४५ लाख) को ५.७१ प्रतिशत हो । नेपाल सरकारले आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा संकलन गरेको कुल राजस्व रु. ३ खर्ब ५६ अर्ब ८५ करोडमा सार्वजनिक संस्थानहरूबाट प्राप्त लाभांश (रु.६ अर्ब ६२ करोड) को अंश १.४६ प्रतिशत रहेको छ ।

४५. २०७२ साल वैशाख १२ गतेको विनाशकारी भूकम्प र त्यसपछिको पराकम्पनहरूबाट मानवीय, भौतिक संरचना, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक महत्वका सम्पदाहरू एवं प्राकृतिक स्रोतमा ठूलो क्षति हुन गएको छ। विनाशकारी भूकम्पमा परि अहिलेसम्म ८ हजार ७ सय ९० जनाको मृत्यु भएको छ, २२ हजार ३ सय जना घाइते भएका छन् भने करिब ३०० जना अझै वेपत्ता रहेको अनुमान छ । ग्रामीण भेगमा आय आर्जनका लागि पालिएका करिव १७ हजार भन्दा बढी ठूला चौपायहरू र करिव ४० हजार साना चौपायहरू मरेका छन् । त्यसैगरी, ५ लाख ७ हजार १७ घर पूर्ण रूपमा ध्वस्त भएका छन्। २ लाख ६९ हजार १ सय ९० घरमा आंशिक क्षति पुगेको छ । कुल जनसंख्याको करिव एक तिहाई (८० लाख) जनसंख्या भूकम्पबाट प्रभावित भएको अनुमान छ ।
४६. विनासकारी भूकम्पबाट करिब रु. ७ सय ६ अर्ब ५० करोड बराबरको क्षति/नोक्सानी भएको अनुमान छ । यस मध्ये रु. ५ सय १७ अर्ब ५० करोडको सम्पत्ति नष्ट भएको छ भने रु. १ सय ८९ अर्बको नोक्सानी भएको छ । भूकम्पबाट भएको क्षतिको प्रारम्भिक अनुमान अनुसार पुनर्निर्माण र नवनिर्माणका लागि रु. ६ सय ६९ अर्ब ५० करोड लाग्ने अनुमान छ । यस मध्ये सबै भन्दा बढी सामाजिक क्षेत्रमा रु. ४ सय ७ अर्ब ७० करोड (६०.९ प्रतिशत) लाग्ने अनुमान छ । त्यसैगरी, उत्पादनमूलक क्षेत्रमा रु. १ सय १५ अर्ब ६० करोड (१७.३ प्रतिशत), पूर्वाधार क्षेत्रमा रु. ७४ अर्ब ३० करोड (११.१ प्रतिशत) र अन्यमा रु. ७१ अर्ब ९० करोड (१०.७ प्रतिशत) लाग्ने अनुमान छ । यसका लागि नेपाल सरकारले प्रकोप पश्चातको आवश्यकता पहिचान गरी पुनर्निर्माण र नवनिर्माण कार्य प्रारम्भ गरेको छ ।

समष्टिगत आर्थिक परिसूचकहरू

| आर्थिक वर्ष | | ६०/६१ | ६१/६२ | ६२/६३ | ६३/६४ | ६४/६५ | ६५/६६ | ६६/६७ | ६७/६८ | ६८/६९ | ६९/७० | ७०/७१ | ७१/७२* |
|--|--------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|
| आर्थिक गतिविधि | | | | | | | | | | | | | |
| यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (आधारभूत मूल्यमा) | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ४.४ | ३.२ | ३.७ | २.८ | ५.८ | ३.९ | ४.३ | ३.९ | ४.६ | ३.८ | ५.१ | ३.० |
| कृषि | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ४.७ | ३.५ | १.९ | १ | ५.८ | ३ | २.० | ४.५ | ४.६ | १.१ | २.९ | १.९ |
| उद्योग | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | १.५ | २.९ | ४.४ | ४ | १.६ | -०.६ | ४.० | ४.३ | ३.० | २.७ | ६.२ | २.६ |
| सेवा | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ६.८ | ३.३ | ५.६ | ४.५ | ७.३ | ६.० | ५.८ | ३.४ | ५.० | ५.७ | ६.३ | ३.९ |
| यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (उत्पादकको मूल्यमा) | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ४.७ | ३.५ | ३.४ | ३.४ | ६.१ | ४.५ | ४.८ | ३.४ | ४.८ | ४.१ | ५.४ | ३.४ |
| प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (स्थिर मूल्यमा) | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | २.४ | १.२ | १.१ | ६.३ | ४.६ | ३.१ | ३.४ | २.५ | ३.४ | २.७ | ४.० | ०.६ |
| प्रति व्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय (स्थिर मूल्यमा) | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | २.३ | २.१ | १.९ | ६.९ | ४.६ | ३.३ | ३.७ | २.१ | ३.७ | ३.२ | ५.३ | ०.४ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (प्रचलित मूल्यमा) | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ९.० | ९.८ | ११.० | ११.३ | १२.१ | २१.२ | २०.७ | १४.६ | ११.७ | ११.० | १४.५ | ९.४ |

| आर्थिक वर्ष | | ६०/६१ | ६१/६२ | ६२/६३ | ६३/६४ | ६४/६५ | ६५/६६ | ६६/६७ | ६७/६८ | ६८/६९ | ६९/७० | ७०/७१ | ७१/७२* |
|--|-----------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|
| कुल राष्ट्रिय आय (प्रचलित मूल्यमा) | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ८.९ | १०.५ | ११.५ | ११.६ | १२.० | २१.४ | २०.२ | १४.४ | १२.० | १०.९ | १५.६ | - |
| कुल राष्ट्रिय खर्चयोग्य आम्दानी (प्रचलित मूल्यमा) | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ९.३ | ११.१ | १४ | १०.१ | १६.५ | २४.२ | १८.८ | १३.३ | १६.६ | १२.४ | १८.१ | - |
| प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (प्रचलित मूल्यमा) | अमेरिकी डलर | २९३ | ३२८ | ३५० | ४१० | ४९१ | ४९७ | ६१० | ७१४ | ७०२ | ७०८ | ७१७ | ७६२ |
| प्रतिव्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय | अमेरिकी डलर | २९२ | ३२९ | ३५२ | ४१४ | ४९६ | ५०२ | ६१४ | ७१८ | ७०८ | ७१४ | ७२९ | ७७२ |
| प्रतिव्यक्ति कुल राष्ट्रिय खर्चयोग्य आम्दानी | अमेरिकी डलर | ३३९ | ३८३ | ४२० | ४८७ | ६०६ | ६२८ | ७५९ | ८७९ | ९०२ | ९२१ | ९६२ | १०१४ |
| यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (आधारभूत मूल्यमा) | रु. अर्ब | ४४८.७ | ४६३.२ | ४८०.४ | ४९३.७ | ५२२.३ | ५४२.७ | ५६५.८ | ५८७.५ | ६१४.६ | ६३७.८ | ६७०.० | ६९०.३ |
| कृषि | रु. अर्ब | १७३.७ | १७९.८ | १८३.१ | १८४.८ | १९५.६ | २०१.५ | २०५.५ | २१४.८ | २२४.७ | २२७.२ | २३३.७ | २३८.१ |
| उद्योग | रु. अर्ब | ७७.६ | ७९.९ | ८३.५ | ८६.८ | ८८.३ | ८७.८ | ९१.३ | ९५.२ | ९८.१ | १००.७ | १०६.९ | १०९.७ |
| सेवा | रु. अर्ब | २१३.५ | २२०.६ | २३३.० | २४३.५ | २६१.४ | २७७.१ | २९३.३ | ३०३.३ | ३१८.५ | ३३६.८ | ३५८.१ | ३७२.० |
| यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (उत्पादकको मूल्यमा) | रु. अर्ब | ४८१.० | ४९७.७ | ५१४.५ | ५३२.० | ५६४.५ | ५९०.१ | ६१८.५ | ६३९.७ | ६७०.३ | ६९७.९ | ७३५.५ | ७६०.२ |
| प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (२०५७/५८ को | रु. | १९४३६ | १९६७० | १९८८४ | २११२९ | २२११० | २२७९३ | २३५६१ | २४१४४ | २४९६२ | २५६४६ | २६६६६ | २६८३४ |

| आर्थिक वर्ष | | ६०/६१ | ६१/६२ | ६२/६३ | ६३/६४ | ६४/६५ | ६५/६६ | ६६/६७ | ६७/६८ | ६८/६९ | ६९/७० | ७०/७१ | ७१/७२* |
|--|----------|-------|-------|-------|-------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|
| मूल्यमा) | | | | | | | | | | | | | |
| प्रति व्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय (२०५७/५८ को मूल्यमा) | रु. | १९४०१ | १९८०२ | २०१८६ | २१५६९ | २२५६७ | २३३०१ | २४१५२ | २४६६४ | २५५८२ | २६३९७ | २७७९८ | २७९१६ |
| प्रचलित मूल्यको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (उत्पादकको मूल्यमा) | रु. अर्ब | ५३६.८ | ५८९.४ | ६५४.१ | ७२७.८ | ८१५.७ | ९८८.३ | ११९२.८ | १३६६.९ | १५२७.३ | १६९५.० | १९४१.६ | २१२४.६ |
| कुल राष्ट्रिय आय (प्रचलित मूल्यमा) | रु. अर्ब | ५३५.१ | ५९१.१ | ६५९.० | ७३५.३ | ८२३.६ | १०००.० | १२०१.९ | १३७४.५ | १५३९.६ | १७०८.१ | १९७४.५ | - |
| कुल राष्ट्रिय खर्चयोग्य आम्दानी (प्रचलित मूल्यमा) | रु. अर्ब | ६२०.० | ६८८.८ | ७८५.२ | ८६४.३ | १००६.४ | १२४९.५ | १४८४.५ | १६८२.४ | १९६२.४ | २२०५.८ | २६०६.० | - |
| प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (प्रचलित मूल्यमा) | रु. | २१६८९ | २३२९२ | २५२७९ | २८९०५ | ३१९४६ | ३८१७२ | ४५४३५ | ५१५९४ | ५६८८० | ६२२८३ | ७०३९४ | ७४९९२ |
| प्रतिव्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय (प्रचलित मूल्यमा) | रु. | २१६२० | २३३५७ | २५४७१ | २९२०० | ३२२५७ | ३८६२६ | ४५७८२ | ५१८७९ | ५७३३७ | ६२७६४ | ७१५८२ | ७६०६५ |
| प्रतिव्यक्ति कुल राष्ट्रिय खर्चयोग्य आम्दानी (प्रचलित मूल्यमा) | रु. | २५०५१ | २७२१८ | ३०३४६ | ३४३२३ | ३९४१७ | ४८२६२ | ५६५४९ | ६३४९९ | ७३०८२ | ८१०५१ | ९४४७७ | ९९८६५ |
| कुल उपभोग/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | ८८.३ | ८८.४ | ९१.० | ९०.२ | ९०.२ | ९०.६ | ८८.६ | ८६.० | ८९.० | ८९.४ | ८९.१ | ८८.६ |
| कुल गार्हस्थ्य | प्रतिशत | ११.८ | ११.६ | ९.० | ९.८ | ९.८ | ९.४ | ११.४ | १४.० | ११.० | १०.६ | १०.९ | ११.४ |

| आर्थिक वर्ष | | ६०/६१ | ६१/६२ | ६२/६३ | ६३/६४ | ६४/६५ | ६५/६६ | ६६/६७ | ६७/६८ | ६८/६९ | ६९/७० | ७०/७१ | ७१/७२* |
|--|-----------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|
| बचत/जि.डि.पी. | | | | | | | | | | | | | |
| कुल राष्ट्रिय बचत/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | २७.३ | २८.४ | २९.० | २८.६ | ३३.२ | ३५.९ | ३५.९ | ३७.० | ३९.५ | ४०.७ | ४५.१ | ४४.६ |
| कुल स्थिर पुँजी लगानी/जि.डि.पी. | प्रतिशत | २०.३ | १९.९ | २०.७ | २१.१ | २१.९ | २१.३ | २२.२ | २१.४ | २०.८ | २२.६ | २३.८ | - |
| कुल स्थिर पुँजीमा सरकारी लगानी/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | २.८ | २.९ | २.७ | ३.४ | ४.० | ४.५ | ४.५ | ४.७ | ४.७ | ४.४ | ४.९ | - |
| कुल स्थिर पुँजीमा निजी लगानी/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | १७.५ | १७.० | १८.० | १७.७ | १७.८ | १६.९ | १७.७ | १६.७ | १६.१ | १८.१ | १८.९ | - |
| कुल पुँजी लगानी/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | २४.५ | २६.५ | २६.९ | २८.७ | ३०.३ | ३१.७ | ३८.३ | ३८.० | ३४.५ | ३७.३ | ४०.५ | - |
| कुल गार्हस्थ्य बचत र कुल पुँजी लगानी बीचको अन्तर/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | -१२.८ | -१४.९ | -१७.९ | -१८.९ | -२०.५ | -२२.३ | -२६.८ | -२४.० | -२३.५ | -२६.८ | -२९.६ | - |
| कुल जनसंख्या | करोड | २.४१ | २.४५ | २.४८ | २.५२ | २.५५ | २.५९ | २.६३ | २.६५ | २.६९ | २.७२ | २.७६ | २.८३ |
| मूल्य | | | | | | | | | | | | | |
| उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क ^३ | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ४.० | ४.५ | ८.० | ५.९ | ६.७ | १२.६ | ९.६ | ९.६ | ८.३ | ९.९ | ९.१ | ७.५ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन मूल्य सूचकाङ्क ^३ | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ४.० | ५.९ | ६.९ | ७.३ | ५.६ | १६.१ | १४.४ | ११.० | ६.६ | ६.१ | ८.३ | ५.७ |
| प्राथमिक क्षेत्र | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | २.८ | ३.५ | ४.४ | ६.१ | ३.३ | २१.४ | २५.१ | १५.६ | १.४ | ४.६ | ६.४ | ४.३ |

| आर्थिक वर्ष | | ६०/६१ | ६१/६२ | ६२/६३ | ६३/६४ | ६४/६५ | ६५/६६ | ६६/६७ | ६७/६८ | ६८/६९ | ६९/७० | ७०/७१ | ७१/७२* |
|--|--------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|
| द्वितीय क्षेत्र | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ५.४ | ५.५ | ३.६ | ५.७ | ११.० | १४.४ | ९.२ | ८.९ | ८.३ | ८.२ | ६.४ | ६.६ |
| सेवा क्षेत्र | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ४.५ | ७.८ | ९.९ | ८.३ | ५.३ | १२.९ | ८.९ | ८.२ | १०.१ | ६.५ | १०.० | ६.३ |
| थोक मूल्य सूचकाङ्क ^५ | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ४.१ | ७.३ | ८.९ | ९ | ९.१ | १२.८ | १२.६ | ९.८ | ६.४ | ९.० | ८.३ | ६.५ |
| तलब तथा ज्यालादर सूचकाङ्क ^६ | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | - | - | ३.९ | ९.८ | ९.७ | १५.३ | १७.२ | १८.० | २७.४ | ९.३ | १३.७ | ९.० |
| तलब | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | - | - | ०.३ | ६.३ | १०.९ | १०.५ | २०.२ | ०.० | १९.३ | ०.० | २५.४ | ९.० |
| ज्यालादर | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | - | - | ५.३ | १०.९ | ९.४ | १६.९ | १६.३ | २४.० | २९.६ | ११.५ | ११.१ | ९.० |
| सार्वजनिक वित्त | | | | | | | | | | | | | |
| राजस्व | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | १०.९ | १२.५ | ३.१ | २१.३ | २२.७ | ३३.३ | २७.२ | ११.४ | २३.२ | २१.१ | २०.५ | ९.४ |
| कुल सरकारी खर्च | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ६.५ | १४.७ | ८.१ | २०.५ | २०.८ | ३६.१ | १८.२ | १३.७ | १४.८ | ५.७ | २१.१ | १३.७ |
| चालू खर्च | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ६.६ | ११.० | ८.६ | १५.१ | १८.६ | ३९.७ | १८.२ | १२.६ | १५.८ | १.६ | २२.७ | ५.२ |
| पूँजीगत खर्च | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ३.३ | १८.४ | ८.३ | ३४.२ | ३४.७ | ३६.६ | २३.५ | १६.८ | ८.६ | ६.२ | २२.१ | ३१.४ |
| साँवा भुक्तानी खर्च | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | १२.९ | २५.४ | ५.४ | १७.४ | -२.२ | १४.९ | -२.१ | -६.६ | १७.१ | ७४.३ | १९.२ | २६.१ |
| ऋण सेवा (साँवा र व्याज भुक्तानी) | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ७.२ | १३.९ | ३.४ | १२.२ | -०.७ | १८.६ | ५.३ | ५.४ | १७.९ | ३८.४ | १०.३ | - |

| आर्थिक वर्ष | | ६०/६१ | ६१/६२ | ६२/६३ | ६३/६४ | ६४/६५ | ६५/६६ | ६६/६७ | ६७/६८ | ६८/६९ | ६९/७० | ७०/७१ | ७१/७२* |
|---|----------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|
| राजस्व / जि.डि.पी. | प्रतिशत | ११.६ | ११.९ | ११.१ | १२.१ | १३.२ | १४.५ | १४.९ | १४.७ | १६.० | १७.५ | १८.४ | १८.४ |
| कर राजस्व/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | ९.० | ९.२ | ८.८ | ९.८ | १०.४ | ११.८ | १३.४ | १३.० | १३.९ | १५.३ | १६.१ | १६.५ |
| गैर-कर राजस्व/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | २.६ | २.७ | २.३ | २.३ | २.८ | २.७ | १.५ | १.५ | २.१ | २.२ | २.३ | १.९ |
| कुल सरकारी खर्च/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | १६.७ | १७.४ | १७.० | १८.४ | १९.८ | २२.२ | २१.८ | २१.६ | २२.२ | २१.२ | २२.४ | २३.३ |
| चालू खर्च/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | १०.३ | १०.५ | १०.२ | १०.६ | ११.२ | १२.९ | १२.७ | १५.४ | १५.९ | १४.६ | १५.६ | १५.० |
| पूँजीगत खर्च/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | ४.३ | ४.६ | ४.५ | ५.५ | ६.६ | ७.४ | ७.६ | ३.५ | ३.४ | ३.२ | ३.४ | ४.१ |
| साँवा भुक्तानी खर्च / जि.डि.पी. | प्रतिशत | २.० | २.३ | २.२ | २.३ | २.० | १.९ | १.५ | १.३ | १.३ | २.१ | २.२ | २.५ |
| ऋण सेवा (साँवा र व्याज भुक्तानी)/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | ३.२ | ३.४ | ३.१ | ३.१ | २.८ | २.७ | २.४ | २.२ | २.३ | २.९ | ०.६ | - |
| वैदेशिक अनुदान/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | २.१ | २.४ | २.१ | २.२ | २.५ | २.७ | ३.२ | ३.४ | २.७ | २.१ | १.७ | ३.५ |
| बजेट घाटा/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | २.९ | ३.१ | ३.८ | ४.१ | ४.१ | ५.० | ३.५ | ३.६ | ३.४ | १.५ | २.० | ४.८ |
| वैदेशिक ऋण/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | १.४ | १.६ | १.३ | १.४ | १.१ | १.० | ०.९ | ०.९ | ०.७ | ०.७ | १.१ | २.३ |
| आन्तरिक ऋण/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | १.० | १.५ | १.८ | २.५ | २.५ | १.९ | २.५ | ३.१ | २.४ | १.१ | १.० | २.५ |
| वैदेशिक ऋण र अनुदान/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | ३.५ | ४.० | ३.४ | ३.६ | ३.६ | ३.७ | ३.१ | ४.२ | ३.४ | २.८ | २.८ | ५.८ |
| कुल तिर्न बाँकी ऋण | रु. अर्ब | ३१८.९ | ३१४.४ | ३३७.७ | ३३२.७ | ३७५.६ | ४२५.१ | ४४०.४ | ४४३.७ | ५२३.२ | ५४५.३ | ५५३.५ | ५१९.५ |
| तिर्न बाँकी आन्तरिक ऋण | रु. अर्ब | ८४.६ | ८६.१ | ९४.७ | १०३.८ | ११६.० | १२५.७ | १४८.१ | १८४.२ | २१४.० | २११.९ | २०६.७ | १९२.४ |

| आर्थिक वर्ष | | ६०/६१ | ६१/६२ | ६२/६३ | ६३/६४ | ६४/६५ | ६५/६६ | ६६/६७ | ६७/६८ | ६८/६९ | ६९/७० | ७०/७१ | ७१/७२* |
|---|--------------------------|-------|-------|--------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|
| तिर्न बाँकी वैदेशिक ऋण | रु. अर्ब | २३२.८ | २१९.६ | २३३.९७ | २१६.६ | २५०.० | २७७.० | २५६.२ | २५९.६ | ३०९.३ | ३३३.४ | ३४६.८ | ३२७.१ |
| प्रतिव्यक्ति कुल तिर्न बाँकी ऋण | रु. | १३२०९ | १२८३९ | १३६०२ | १३२१२ | १४७११ | १६४१६ | १६७७३ | १६७४९ | १९४८८ | २००४१ | २००६८ | १८३३७ |
| कुल तिर्न बाँकी ऋण/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | ५९.४ | ५३.३ | ५१.६ | ४५.७ | ४६.१ | ४०.८ | ३३.९ | ३२.५ | ३४.३ | ३२.२ | २८.५ | २४.५ |
| तिर्न बाँकी आन्तरिक ऋण/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | १६.० | १६.१ | १५.९ | १५.९ | १५.४ | १५.० | १२.४ | १३.५ | १४.० | १२.५ | १०.६ | ९.१ |
| तिर्न बाँकी वैदेशिक ऋण/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | ४३.४ | ३७.३ | ३५.८ | २९.८ | ३०.६ | २७.९ | २१.५ | १९.० | २०.२ | १९.७ | १७.९ | १५.४ |
| तिर्न बाँकी वैदेशिक ऋण/ राजस्व | प्रतिशत | ३७३.५ | ३१३.२ | ३२३.७ | २४७ | २३२.३ | १९७.९ | १४४.० | १३०.८ | १२६.६ | ११२.६ | ९७.२ | ७७.४ |
| तिर्न बाँकी वैदेशिक ऋण/निर्यात | प्रतिशत | ४३१.८ | ३७४.१ | ३८८.४ | ३६४.८ | ४२१.८ | ४०९.२ | ४२१.२ | ४०३.५ | ४१६.५ | ४३३.५ | ३७७.० | ३७८.१ |
| ऋण सेवा (सांवा र व्याज भुक्तानी)/चालू खर्च | प्रतिशत | ३१.२ | ३२.० | ३०.५ | २९.७ | २४.९ | २१.१ | १५.२ | १४.३ | १४.५ | १९.७ | १७.८ | १६.६ |
| तिर्न बाँकी वैदेशिक ऋण/विदेशी विनिमय संचिति | प्रतिशत | १७८.८ | १६९.१ | १४१.८ | १३१.२ | ११७.६ | ९७.४ | ९५.३ | ९५.४ | ७०.४ | ६२.५ | ५३.३ | ४३.८ |
| मुद्रा तथा बैंकिङ ## | | | | | | | | | | | | | |
| आन्तरिक कर्जा | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ९.९ | १३.८ | १५.१ | ११.७ | २१.३ | २७.१ | १७.२ | १४.६ | ९.३ | १७.२ | १०.६ | १९.५ |
| निजी क्षेत्रतर्फको कर्जा | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | १४.३ | १४.२ | २३.६ | १२.३ | २४.३ | २९.० | १४.२ | १३.९ | ११.३ | २०.२ | १८.३ | १६.० |
| सरकार तर्फको खुद | वार्षिक प्रतिशत | -१.८ | ११.३ | ११.१ | १०.४ | ११.२ | २०.४ | २६.९ | १९.७ | -०.३ | ३.० | -३०.१ | ४६.६ |

| आर्थिक वर्ष | | ६०/६१ | ६१/६२ | ६२/६३ | ६३/६४ | ६४/६५ | ६५/६६ | ६६/६७ | ६७/६८ | ६८/६९ | ६९/७० | ७०/७१ | ७१/७२* |
|---|--------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|
| कर्जा | परिवर्तन | | | | | | | | | | | | |
| बैंकिङ्ग क्षेत्रको कुल कर्जामा निजी क्षेत्रतर्फको कर्जाको अंश | प्रतिशत | ७०.१ | ७०.३ | ७५.५ | ७५.८ | ७७.७ | ७८.९ | ८०.२ | ७९.७ | ८१.४ | ८३.५ | ८९.२ | ८६.७ |
| संकुचित मुद्रा प्रदाय (एम१) | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | १२.२ | ६.६ | १४.२ | १२.२ | २१.६ | २७.३ | ११.० | ५.२ | १८.६ | १४.४ | १७.७ | १६.५ |
| मुद्रा | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ११.१ | ८.८ | १३.१ | ७.४ | १९.९ | २५.५ | १३.० | १.९ | २०.१ | १४.९ | १६.२ | १५.० |
| चल्ती निक्षेप | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | १४.५ | २.२ | १२.३ | २२.८ | २५.० | ३०.५ | ७.६ | ११.४ | १५.९ | १३.४ | २०.४ | १९.२ |
| विस्तृत मुद्रा प्रदाय (एम२) | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | १२.८ | ८.३ | १५.४ | १४.० | २५.२ | २७.३ | १४.१ | १२.३ | २२.७ | १६.४ | १९.१ | १७.५ |
| मुद्दती र वचत निक्षेप | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | १३.१ | ९.२ | १६.७ | १४.९ | २७.० | २७.३ | १५.५ | १४.८ | २४.० | १७.० | १९.५ | १७.८ |
| कुल आन्तरिक कर्जा/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | ४५.९ | ४७.५ | ४९.३ | ४९.५ | ५३.६ | ५६.२ | ६६.८ | ६६.२ | ६४.८ | ६८.५ | ६६.४ | ७२.५ |
| निजी क्षेत्रतर्फको कर्जा/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | ३२.१ | ३३.४ | ३७.२ | ३७.६ | ४१.७ | ४४.४ | ५३.५ | ५२.९ | ५२.७ | ५७.४ | ५९.३ | ६२.८ |
| सरकारतर्फको खुद कर्जा/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | १०.७ | १०.८ | १०.९ | १०.८ | १०.७ | १०.६ | ११.४ | ११.९ | १०.६ | ९.९ | ६.० | ८.१ |
| संकुचित मुद्रा प्रदाय/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | १७.५ | १७.० | १७.३ | १७.४ | १८.९ | १९.९ | १७.८ | १६.२ | १७.२ | १७.७ | १८.३ | १९.५ |
| चल्ती निक्षेप/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | ५.७ | ५.३ | ५.४ | ६.० | ६.६ | ७.२ | ६.१ | ५.९ | ६.१ | ६.२ | ६.६ | ७.१ |
| विस्तृत मुद्रा प्रदाय/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | ५१.७ | ५१.० | ५३.० | ५४.३ | ६०.७ | ६३.८ | ६८.८ | ६७.१ | ७४.० | ७७.६ | ८०.७ | ८६.६ |

| आर्थिक वर्ष | | ६०/६१ | ६१/६२ | ६२/६३ | ६३/६४ | ६४/६५ | ६५/६६ | ६६/६७ | ६७/६८ | ६८/६९ | ६९/७० | ७०/७१ | ७१/७२* |
|-------------------------------------|--------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|
| मुद्रती र वचत निक्षेप/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | ३४.२ | ३४.० | ३५.७ | ३६.९ | ४१.८ | ४३.९ | ५१.० | ५०.८ | ५६.४ | ५९.६ | ६२.४ | ६७.१ |
| वाह्य क्षेत्र | | | | | | | | | | | | | |
| निर्यात (वस्तु) | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ८.० | ८.९ | २.६ | -१.४ | -०.२ | १४.२ | -१०.२ | ५.८ | १५.४ | ३.६ | १७.४ | -६.० |
| आयात (वस्तु) | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ९.६ | ९.७ | १६.३ | १२.० | १४.० | २८.२ | ३१.६ | ५.८ | १६.५ | २०.६ | २७.३ | १२.२ |
| निर्यात/आयात अनुपात | प्रतिशत | ३९.६ | ३९.३ | ३४.७ | ३०.५ | २६.७ | २३.८ | १६.२ | १६.२ | १६.१ | १३.८ | १२.७ | १०.७ |
| व्यापार घाटा | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | १०.७ | १०.२ | २५.१ | १९.२ | २०.२ | ३३.३ | ४४.६ | ५.८ | १६.७ | २३.९ | २८.९ | १४.९ |
| पर्यटन आय | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ५४.५ | -४२.३ | -८.७ | ६.० | ८४.२ | ४९.९ | ०.६ | -१२.५ | २४.८ | ११.४ | ३५.६ | २.० |
| पर्यटन व्यय | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ६२.४ | -३.३ | २३.४ | ३२.० | ३२.२ | ५०.५ | २.८ | -१४.४ | ९३.२ | १५३.७ | ६.५ | २६.० |
| विप्रेषण आय | रु. अर्ब | ५८.६ | ६५.५ | ९७.७ | १००.१ | १४२.७ | २०९.७ | २३१.७ | २५३.६ | ३५९.६ | ४३४.६ | ५४३.३ | ५८९.५ |
| विप्रेषण आय | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | ८.१ | ११.९ | ४९.० | २.५ | ४२.५ | ४७.० | १०.५ | ९.४ | ४१.८ | २०.९ | २५.० | ८.५ |
| चालू खाता सन्तुलन | रु. अर्ब | १४.६ | ११.५ | १४.२ | -०.९ | २३.७ | ४१.४ | -२८.१ | -१२.९ | ७६.० | ५७.१ | ८९.७ | ४७.६ |
| निर्यात/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | १०.० | १०.० | ९.२ | ८.२ | ७.३ | ६.९ | ५.१ | ४.७ | ४.९ | ४.५ | ४.७ | ४.० |
| आयात/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | २५.४ | २५.४ | २६.६ | २६.८ | २७.२ | २८.८ | ३१.४ | २९.० | ३०.२ | ३२.८ | ३६.८ | ३७.४ |
| कुल व्यापार/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | ३५.४ | ३५.३ | ३५.८ | ३४.९ | ३४.५ | ३५.६ | ३६.५ | ३३.७ | ३५.१ | ३७.४ | ४१.५ | ४१.९ |
| व्यापार घाटा/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | -१५.३ | -१५.४ | -१७.४ | -१८.६ | -१९.९ | -२१.९ | -२६.३ | -२४.३ | -२५.४ | -२८.३ | -३२.१ | -३३.४ |
| पर्यटन आय/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | ३.४ | १.८ | १.५ | १.४ | २.३ | २.८ | २.४ | १.८ | २.० | २.० | २.४ | २.२ |
| पर्यटन व्यय/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | १.९ | १.६ | १.८ | २.२ | २.६ | ३.२ | २.७ | २.० | १.७ | २.३ | २.२ | २.५ |

| आर्थिक वर्ष | | ६०/६१ | ६१/६२ | ६२/६३ | ६३/६४ | ६४/६५ | ६५/६६ | ६६/६७ | ६७/६८ | ६८/६९ | ६९/७० | ७०/७१ | ७१/७२* |
|--|-----------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|
| विप्रेषण आय/ जि.डि.पी. | प्रतिशत | १०.९ | ११.१ | १४.९ | १३.८ | १७.५ | २१.२ | १९.४ | १८.५ | २३.५ | २५.६ | २८.० | २७.७ |
| चालू खाता सन्तुलन/ जि.डि.पी | प्रतिशत | २.७ | २.० | २.२ | -०.१ | २.९ | ४.२ | -२.४ | -०.९ | ५.० | ३.४ | ४.६ | २.३ |
| शोधनान्तर वचत | रु. अर्ब | १६.० | ५.७ | २५.६ | ५.९ | २९.७ | ४४.८ | -३.३ | ४.१ | १३१.६ | ६८.९ | १२७.१ | ७०.६ |
| विदेशी विनिमय संचिति | रु. अर्ब | १३०.२ | १२९.९ | १६५.० | १६५.१ | २१२.६ | २८६.५ | २६८.९ | २७२.२ | ४३९.५ | ५३३.३ | ६६५.४ | ७४६.३ |
| विदेशी विनिमय संचिति | वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन | २०.३ | -०.२ | २७.० | ०.१ | २८.८ | ३४.८ | -५.४ | १.२ | ६१.५ | २१.४ | २४.८ | १२.२ |
| संचितिको आयात धान्ने क्षमता वस्तु आयात | महिनाको आयात बराबर | ११.८ | १०.७ | ११.५ | १०.६ | ११.७ | १२.२ | ८.७ | ८.४ | ११.६ | १०.२ | ११.५ | ११.४ |
| वस्तु तथा सेवा आयात | महिनाको आयात बराबर | ९.९ | ९.० | ९.७ | ८.७ | ९.४ | १०.० | ७.४ | ७.३ | १०.३ | ८.७ | १०.० | ९.९ |
| विदेशी विनिमय दर ^६ | १ अमेरिकी डलर = रु. | ७३.८ | ७२.१ | ७२.३ | ७०.५ | ६५.० | ७६.९ | ७४.५ | ७२.३ | ८१.० | ८८.० | ९८.२ | ९८.७ |

^१ वार्षिक प्रारम्भिक अनुमान ^२ आधार वर्ष २०५७/५८=१००; ^३ आधार वर्ष २०६२/६३=१००; ^४ आधार वर्ष २०५६/५७=१००; ^५ आधार वर्ष २०६१/६२=१००; ^६ खरिद र विक्री दरको वार्षिक औसत ।

* चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनासम्मको तथ्याङ्कमा आधारित ।

** २०६७ असार देखि विकास बैंक तथा वित्त कम्पनीको तथ्याङ्क समेत समावेश भएको ।

@ २०६८ चैत्र महिनाको बैंक सेवा शुल्क घटाउनु अघिको ।

आ.व. २०६८/६९ देखि IMF को GFS २००१ को आधारमा गरिएको पुनर्बर्गीकरण अनुसार विगत वर्षहरूमा पुँजीगत खर्च तर्फ देखाइने पुँजीगत अनुदान चालु खर्चतर्फ समावेश भएको र संस्थानमा भएको सरकारको लगानी तथा ऋण पुँजीगत खर्चबाट हटाइएको ।

टिप्पणी : जि.डि.पी.सँगको अनुपात हिसाव गर्दा उत्पादकको प्रचलित मूल्यको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनसँग गरिएको छ । कतिपय पुराना तथ्याङ्कहरू समेत स्रोतबाट संशोधन भई आएकोले सोही अनुरूप परिमार्जन गरिएको छ ।

अर्थतन्त्रका प्रमुख चुनौतीहरू

वास्तविक क्षेत्र

१. सन् २०२२ सम्ममा मुलुकलाई अतिकम विकसित राष्ट्रबाट विकासशील राष्ट्रमा रुपान्तरण गर्न आर्थिक वृद्धिदर उच्च तथा दिगो हुनु आवश्यक छ । विगत एक दशकको मुलुकको औषत आर्थिक वृद्धिदर ४.१ प्रतिशत मात्र रहेको सन्दर्भमा वार्षिक ७-८ प्रतिशतको आर्थिक वृद्धिदर हासिल गरी मुलुकलाई विकासशील राष्ट्रमा रुपान्तरण गर्न चुनौती रहेको छ ।
२. कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा एक तिहाइ हिस्सा कृषि क्षेत्रको रहेको छ । कृषि गार्हस्थ्य उत्पादन मूलतः मौसमी अनुकूलता / प्रतिकूलताबाट प्रभावित हुने कारण कृषि गार्हस्थ्य उत्पादन सो अनुरूप प्रभावित भई समग्र आर्थिक वृद्धिदरमा प्रभाव पर्ने गरेको छ । विगत एक दशकमा कृषि क्षेत्र औषतमा २.९ प्रतिशतले मात्र बढेको सन्दर्भमा कृषि गार्हस्थ्य उत्पादन उच्च बनाई समग्र आर्थिक वृद्धिदर दिगो बनाउने कार्य कठिन छ ।
३. हालै गएको विनासकारी भूकम्पका कारण पर्यटन, पूर्वाधार, रियल स्टेट, कृषि, वित्त लगायतका क्षेत्रहरूमा गम्भिर असर परेको छ । भूकम्पका कारण रु. ७०६.५ अर्बको क्षति / घाटा भएको अनुमान छ र त्यसको पुनर्निर्माण गर्न रु. ६६९.५ अर्ब लाग्ने अनुमान छ । अर्थतन्त्रका आधार स्तम्भका रुपमा रहेका यस्ता क्षेत्रहरूको पुनर्निर्माण गरी ति क्षेत्रहरूको अवस्था मजबुत बनाई आर्थिक गतिविधिहरूलाई थप चलायमान बनाउने कार्य चुनौतीपूर्ण छ ।
४. राजनैतिक संक्रमणकाल समाप्त नहुनु, श्रम सम्बन्ध असहज रहनु, उर्जा संकट कायमै रहनु, पूर्वाधारको अवस्था कमजोर हुनु, लगानीको वातावरणमा अपेक्षित सुधार हुन नसक्नु आदिका कारण उत्पादनमूलक उद्योग क्षेत्रको अवस्थामा खासै सुधार हुन सकेको छैन । लगानीको वातावरणमा सुधार गर्दै राष्ट्रिय अर्थतन्त्रमा उत्पादनमूलक उद्योग क्षेत्रको योगदान बढाउने कार्य जटिल बन्दै गएको छ ।
५. सरकारको गरीब केन्द्रित विकास प्रयासको फलस्वरूप निरपेक्ष गरिबीको रेखामुनी रहको जनसंख्याको अनुपात घट्दै गएतापनि शहरी तथा ग्रामीण एवं

विभिन्न भौगोलिक क्षेत्र र गरिब र धनी बीचको खाडल अझै पनि उच्च रहेको छ । तसर्थ, समग्र गरिबी घटाउदै गरिब र धनी बीचको असमानता न्यूनिकरण गर्नु चुनौती रहेको छ ।

सरकारी क्षेत्र

६. मुलुकको विकास र उच्च आर्थिक वृद्धिदर हासिल गर्ने लक्ष्य पुरा गर्न सरकारको पुँजीगत खर्च विस्तार हुनु आवश्यक छ । विगत एक दशकमा पुँजीगत खर्च कुल गार्हस्थ्य उत्पादन अनुपात औषतमा ३.४ प्रतिशत मात्र रहेको छ । अतः पुँजीगत खर्च विस्तार गरी उच्च आर्थिक वृद्धिदरको लक्ष्य हासिल गर्नमा नीतिगत, संरचनागत, व्यवस्थापकीय पक्षहरूमा सुधार गर्नु चुनौती रहेको छ ।
७. विगत ५ वर्षको कुल खर्चमा चालु खर्चको अंश औषतमा ७०.७ प्रतिशत रहेको छ । सोही अवधिमा चालु खर्च कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको औषतमा १५.४ प्रतिशत रहेको छ । त्यस्तै, सोही अवधिमा चालु खर्च औषतमा १४.२ प्रतिशतले बढेको छ । अतः चालु खर्चमा मितव्ययिता कायम गर्दै बढी भन्दा बढी साधन र श्रोत उत्पादनमूलक क्रियाकलापमा परिचालन गर्नु चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।
८. वैदेशिक सहयोगको प्रतिवद्धता र उपयोग बीचमा ठूलो खाडल रहेको छ । हालैका वर्षहरूमा प्रतिवद्धताको ५० प्रतिशत मात्र पनि उपयोग गर्न सकिएको छैन । प्रतिवद्धता अनुरूपको रकम प्राप्त गर्न नसक्नुमा उपयोग क्षमता कमजोर हुनुका साथै अन्य संस्थागत, संरचनागत, व्यवस्थापकीय समस्याहरू समेत विद्यमान रहेको सन्दर्भमा प्रतिवद्धता बमोजिमको वैदेशिक सहयोग प्राप्त गरी त्यसको उच्चतम उपयोग गर्नु चुनौती छ ।
९. उच्च महत्वका साथ राष्ट्रिय गौरवका आयोजनाहरूको छनौट गरी बजेट व्यवस्थापन भएतापनि कार्य प्रगति सन्तोषजनक रहन सकेको छैन । जग्गा प्राप्ति, बन क्षेत्रका रुखहरू कटानमा ढिलाई, अनुगमन तथा मूल्यांकनको फितलो प्रक्रिया, प्राविधिक कर्मचारीको अभाव, ठेकेदारको न्यूनस्तरको कार्यसम्पादन आदि जस्ता समस्याहरू रहनुका साथै विनियोजित बजेट पनि अपेक्षित रूपमा खर्च हुन सकेको छैन । तसर्थ, त्यस्ता आयोजनाहरू निर्धारित समयमा सम्पन्न गरी अपेक्षित उपलब्धि हासिल गर्नमा चुनौती रहेका छन् ।

मौद्रिक क्षेत्र

१०. माग पक्ष भन्दा पनि आपूर्तिजन्य समस्या तथा संरचनागत अवरोधका कारण नेपालमा हालैका वर्षहरूमा मुद्रास्फीतिदर उच्च रहँदै आएको छ । यसकारण विगत पाँच वर्षको औषत मुद्रास्फीति दर ९.३ प्रतिशत रहेको छ । मुद्रास्फीति नियन्त्रण गर्न मौद्रिक तथा वित्त नीतिका माध्यमबाट विभिन्न कदमहरू चालिएतापनि उच्चस्तरको मुद्रास्फीति रहेबाट बचत, लगानी, आर्थिक वृद्धि जस्ता समष्टिगत चरहरूमा नकारात्मक प्रभाव पर्ने गरेको कारण आपूर्तिजन्य अवरोध हटाई मूल्यस्तरलाई वान्छित स्तरमा राख्नु चुनौतीपूर्ण छ ।
११. वित्तीय उदारिकरणसंगै बैंक तथा वित्तीय संस्थाको प्रकार तथा संख्या बढ्दै गएतापनि जनसंख्याको अझै ठूलो हिस्सा संस्थागत वित्तीय पहुँचबाट टाढै रहेको छ । बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूलाई दुर्गम तथा ग्रामीण क्षेत्रमा सेवा विस्तार गराउन विगतमा चालिएका कदमहरूका कारण करिव ४० प्रतिशत जनताले संस्थागत वित्तीय सेवा प्राप्त गरिरहेको अवस्था छ । अतः वित्तीय पहुँच अभिवृद्धि तथा वित्तीय समावेशिकरण गर्ने कार्य अझैपनि जटिल नै छ ।
१२. खुद वैदेशिक सम्पत्तिमा विस्तार हुँदा निक्षेप बढ्ने तर सो अनुरूप कर्जा विस्तार हुन नसक्दा बैंकिङ्ग क्षेत्रमा अधिक तरलताको अवस्था छ । बैंकिङ्ग क्षेत्रमा विद्यमान अधिक तरलतालाई मौद्रिक प्रसारण संयन्त्र मार्फत उत्पादनमूलक क्षेत्रमा प्रयोग गरी उच्च आर्थिक वृद्धिको सरकारी लक्ष्य हासिल गर्ने कार्य कठिन बन्दै गएको छ ।
१३. बैंक तथा वित्तीय संस्था प्रतिको सर्वसाधारणको विश्वासनियता अभिवृद्धि गरी वित्तीय स्थायित्व कायम गर्ने कार्य अझैपनि चुनौतीकै रूपमा रहेको छ । हालै गएको विनासकारी भुकम्पका कारण बैंक तथा वित्तीय संस्थाले कर्जा प्रवाह गरेका जलविद्युत, पर्यटन, रियल स्टेट, शैक्षिक आदि क्षेत्रहरूमा गंभीर असर परेको कारण बैंक तथा वित्तीय संस्थाको खराब कर्जाको स्तर बढ्न सक्ने र त्यसले समग्र वित्तीय क्षेत्रको स्थायित्वमा नै असर पार्न सक्ने कारण उचित प्रकारको नियमनका माध्यमबाट वित्तीय स्थायित्व कायम गर्नु चुनौतीको रूपमा रहेको छ ।

१४. देशमा छाँया बैंकिङ्ग (Shadow Banking) क्रियाकलाप मौलाउँदै गएको छ । उचित नियमन, सुपरिवेक्षण तथा अनुगमनका अभावमा यस्तो क्रियाकलापबाट समग्र वित्तीय स्थायित्वमा नै संकट आउन सक्ने अवस्था रहन्छ । अतः उचित नियमन, निरीक्षण, सुपरिवेक्षणका माध्यमबाट छाँया बैंकिङ्ग व्यवस्थापन गर्न कानुनी, संस्थागत, संरचनागत पक्षहरूमा सुधार गर्नु चुनौतीपूर्ण छ ।
१५. नेपाल स्टक एक्सचेन्ज लि.मा रहेको सरकारी स्वामित्व हटाई उपयुक्त विदेशी रणनीतिक साझेदारलाई संलग्न गराई धितोपत्रको दोस्रो बजार सेवालाई व्यवसायिक सिद्धान्त अनुरूप संचालन गरी प्रतिस्पर्धी एवं विश्वसनीय बनाई देशव्यापी बनाउने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ । त्यस्तै, धितोपत्र बजार मूल्यमा प्रत्यक्ष असर पार्ने संवेदनशील सूचना तथा जानकारीहरू आफ्नो अनुकुल हुने गरी सार्वजनिक गर्ने अभ्यास एवं प्रवृत्तिमा सुधार ल्याउन अन्तर्राष्ट्रिय वित्तीय विवरण प्रवाह स्तर लागू गरी समग्र धितोपत्र बजारलाई प्रतिस्पर्धी, पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाउने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।

वाह्य क्षेत्र

१६. निर्यात विस्तार तथा आयात व्यवस्थापनका माध्यमबाट चुलिँदो व्यापार घाटा व्यवस्थापन गर्ने कार्य कठिन वन्दै गएको छ । निर्यातको तुलनामा आयातको आधार तथा वृद्धिदर उच्च रहेको कारण प्रत्येक वर्ष व्यापार घाटा बढ्दो छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा व्यापार घाटा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको ३२.१ प्रतिशत पुगेको छ । लगानीको वातावरणमा सुधार गरी उत्पादन तथा उत्पादकत्व बढाउँदै आपूर्तिजन्य अवरोध हटाउने, निर्यातको प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विस्तार गर्ने, आयात प्रतिस्थापन गर्ने प्रकारका उद्योग धन्दाहरू स्वदेशमा नै स्थापना गरी आयात प्रतिस्थापनका माध्यमबाट व्यापार घाटालाई वाञ्छित स्तरमा ल्याउने कार्य चुनौतीपूर्ण छ ।
१७. विगत केही वर्षयता चालुखाता बचतमा नै रहेको भएतापनि यसको दिगोपना कायम गर्नु चुनौतीपूर्ण छ । चालु खाताको अवस्था मूलतः आयातको परिमाण तथा विप्रेषण आप्रवाहमा भर पर्ने गरेको छ । वस्तु तथा सेवाको निर्यात विस्तार गर्ने, पर्यटक आगमन बढाई पर्यटन आय बढाउने, आयात व्यवस्थापन गर्ने आदि माध्यमहरूबाट चालु खाता दिगो बनाउने कार्य कठिन छ ।

१८. प्रत्येक वर्ष श्रम बजारमा ५ लाख जनशक्ति थपिने गरेका छन् । स्वदेश भित्रै पर्याप्त रोजगारीका अवसरहरू विस्तार गर्न नसक्दा वैदेशिक रोजगारीका लागि जाने क्रम पनि बढ्दो छ । यससँगै हालका वर्षहरूमा कामदार विप्रेषण आप्रवाह उच्चदरले बढ्दै आएको छ । कामदार विप्रेषण आयले समष्टिगत तथा सुक्ष्म स्तर दुवैमा उल्लेख्य भूमिका निभाएको भएतापनि यसको अनुत्पादक प्रयोग चर्चाको विषय बन्ने गरेको छ । प्राप्त विप्रेषणको अधिकांश हिस्सा उपभोगमा खर्च हुने र त्यस्तो उपभोग आयातित वस्तुबाट पुरा हुने कारण यसबाट आयात बढाउन पनि मलजल पुगेको छ । अतः विप्रेषण नीति तयार गरी विप्रेषणको उत्पादनमूलक प्रयोग बढाउने कार्य कठिन छ ।

१. समग्र आर्थिक स्थिति

१.१ सन् २०१४ मा विश्व उत्पादन सामान्य दरले बढ्यो । विकसित अर्थतन्त्रको आर्थिक क्रियाकलाप सुधारोन्मुख भएतापनि उदीयमान तथा विकासशील अर्थतन्त्रको वृद्धिदर घट्दो अवस्थामा रह्यो । घट्दो तेल मूल्य र कमजोर मागका कारण सन् २०१४ मा विश्व मुद्रास्फीति दर न्यून स्तरमा रह्यो । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा नेपाली अर्थतन्त्र पनि औषत भन्दा कम दरले विस्तार भयो । कृषि, उद्योग तथा सेवा सबै क्षेत्रहरूको सम्पादनस्तर सन्तोषजनक रहन नसक्दा मुलुकको आर्थिक वृद्धिदर सामान्य रह्यो । यस खण्डमा विश्व तथा राष्ट्रिय अर्थतन्त्रका केही समष्टिगत आर्थिक चरहरूको विद्यमान अवस्था र प्रवृत्तिको चर्चा गरिएको छ ।

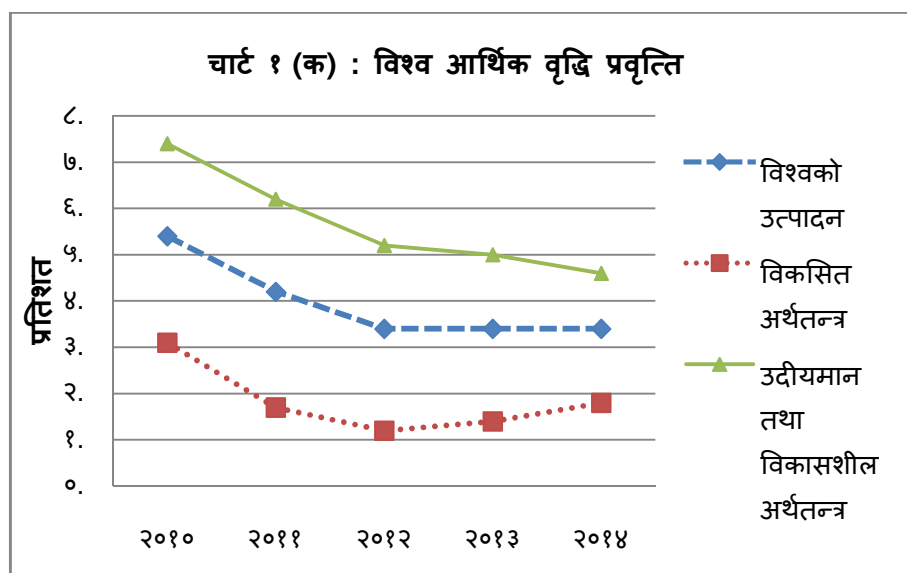
विश्व अर्थतन्त्र

आर्थिक वृद्धिदर

१.२ रोजगारीका अवसरहरूमा भएको वृद्धि, आन्तरिक मागमा भएको विस्तार, तेलको घट्दो मूल्य, लचिलो मौद्रिक नीति, उपभोक्ताको बढ्दो मनोबल आदिको कारण अमेरिकी अर्थतन्त्र विस्तार हुँदै गएको र घट्दो तेलको मूल्य, न्यून व्याजदर, कमजोर युरो आदिका कारण युरो क्षेत्रको आर्थिक गतिविधी पनि विस्तार हुँदै गएकाले सन् २०१४ को तुलनामा सन् २०१५ मा विश्वको आर्थिक वृद्धिदरमा केही सुधार हुने देखिएको छ । अन्तर्राष्ट्रिय मुद्रा कोषले सन् २०१५ को अप्रिलमा प्रकाशित गरेको विश्व आर्थिक परिदृश्य (World Economic Outlook) का अनुसार सन् २०१४ मा ३.४ प्रतिशतले बढेको विश्व उत्पादन सन् २०१५ मा सीमान्त दरले बढी ३.५ प्रतिशत रहने प्रक्षेपण रहेको छ । त्यस्तै, २०१६ मा विश्व उत्पादन सन् २०१५ को तुलनामा सीमान्त दरले विस्तार भई ३.८ प्रतिशत रहने प्रक्षेपण रहेको छ । विश्व आर्थिक वृद्धिमा तीन चौथाई योगदान रहेका उदीयमान तथा विकासशील अर्थतन्त्रको वृद्धिदर सन्तोषजनक रहन नसकेको कारण विश्व उत्पादन अपेक्षित रूपले विस्तार हुन नसकेको हो ।

१.३ सन् २०१४ मा १.८ प्रतिशतले विस्तार भएको विकसित मुलुकको अर्थतन्त्र सन् २०१५ मा २.४ प्रतिशतले बढ्ने प्रक्षेपण अन्तर्राष्ट्रिय मुद्रा कोषको रहेको छ । विकसित मुलुकहरू मध्ये अमेरिकी अर्थतन्त्र सन् २०१४ मा २.४ प्रतिशतले

बढेकोमा सन् २०१५ मा केही सुधार भई ३.१ प्रतिशत रहने प्रक्षेपण रहेको छ । रोजगारीका अवसरहरूमा भएको वृद्धि, लचिलो मौद्रिक नीति, तेलको घट्दो मूल्य र उपभोक्ताको बढ्दो मनोबलका कारण अमेरिकी अर्थतन्त्र क्रमशः सुधार हुँदै गएको हो । त्यस्तै, सन् २०१४ मा ०.९ प्रतिशतले विस्तार भएको युरो क्षेत्र सन् २०१५ मा १.५ प्रतिशतले बढ्ने प्रक्षेपण रहेको छ । कमजोर उपभोग र घट्दो आवासीय लगानीका कारण सन् २०१४ मा ०.१ प्रतिशतले ऋणात्मक रहेको जापानको वृद्धिदर सन् २०१५ मा सुधार भई १.० प्रतिशत पुग्ने अनुमान छ । घट्दो मूल्य र कमजोर आर्थिक वृद्धिका कारण युरोपियन केन्द्रीय बैंक र जापानले सम्पत्ति खरिद (Asset Purchase) कार्यक्रम अगाडी ल्याएका छन् ।



१.४ सन् २०१४ मा ४.६ प्रतिशतले वृद्धि भएको अनुमान गरिएको उदीयमान र विकासशील देशहरूको अर्थतन्त्र सन् २०१५ मा सीमान्त दरले घट्न गई ४.३ प्रतिशतमा सीमित रहने प्रक्षेपण छ । ठूला उदीयमान बजार अर्थतन्त्र र तेल निर्यातक राष्ट्रहरूको कमजोर सम्पादनस्तर (Performance) का कारण सन् २०१५ मा उदीयमान तथा विकासशील देशहरूको आर्थिक वृद्धिदर घट्ने देखिएको छ । ठूला एशियाली देशहरू मध्ये भारतीय तथा चिनीया अर्थतन्त्र सन् २०१४ मा क्रमशः ७.२ प्रतिशत र ७.४ प्रतिशतले बढेको अनुमान रहेकोमा सन् २०१५

मा क्रमशः ७.५ प्रतिशत र ६.८ प्रतिशतले बढ्ने प्रक्षेपण गरिएको छ । विश्वको आर्थिक वृद्धिको प्रवृत्तिलाई तलको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका १ (क) : विश्व आर्थिक बृद्धिदर

(वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन)

| क्षेत्र | २०१२ | २०१३ | २०१४ | प्रक्षेपण | | |
|--------------------------------------|------|------|------|-----------|------|------|
| | | | | २०१५ | २०१६ | २०२० |
| विश्वको उत्पादन | ३.४ | ३.४ | ३.४ | ३.५ | ३.८ | ४.० |
| विकसित अर्थतन्त्र | १.२ | १.४ | १.८ | २.४ | २.४ | १.९ |
| उदीयमान तथा विकासशील अर्थतन्त्र | ५.२ | ५.० | ४.६ | ४.३ | ४.७ | ५.३ |
| उदीयमान तथा विकासोन्मुख एशिया | ६.८ | ७.० | ६.८ | ६.६ | ६.४ | ६.६ |
| मध्यपूर्व तथा उत्तर अफ्रिकी मुलुकहरू | ४.९ | २.३ | २.४ | २.७ | ३.७ | ४.० |
| उदीयमान तथा विकासशील युरोप | १.३ | २.९ | २.८ | २.९ | ३.२ | ३.४ |
| युरोपियन युनियनका मुलुकहरू | -०.८ | -०.५ | ०.९ | १.५ | १.६ | १.५ |

श्रोत: अन्तर्राष्ट्रिय मुद्राकोष, अप्रिल, २०१५ ।

१.५ सन् २०१३ को तुलनामा सन् २०१४ मा दक्षिण एशियाली मुलुकहरू मध्ये बंगलादेश र अफगानिस्तान बाहेक अन्य सबै मुलुकहरूको आर्थिक वृद्धिदर बढेको छ । त्यसैगरी, सन् २०१४ को तुलनामा सन् २०१५ मा मालदिभ्स, नेपाल र श्रीलंका बाहेक अन्य सबै दक्षिण एशियाली मुलुकहरूको आर्थिक वृद्धिदर बढ्ने प्रक्षेपण अन्तर्राष्ट्रिय मुद्रा कोषको रहेको छ । सन् २०१३ मा ३.७ प्रतिशतले वढेको अफगानिस्तानको आर्थिक वृद्धिदर सन् २०१४ मा १.५ प्रतिशतमा सीमित रहेको छ । भारतमा पछिल्ला समयमा गरिएका नीतिगत सुधारका कारण लगानी विस्तार हुनुका साथै पेट्रोलियम पदार्थको घट्दो मूल्यका कारण आर्थिक वृद्धिदर बढ्दै जाने अनुमान रहेको छ । त्यस्तै, संरचनागत लगायतका समस्याहरूले गर्दा चिनीया आर्थिक वृद्धिदर भने हालैका वर्षहरूमा घट्दै गएको छ । छिमेकी मुलुकहरूको आर्थिक वृद्धिको प्रवृत्तिलाई तलको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका १ (ख): छिमेकी मुलुकहरूको आर्थिक वृद्धिदर

(वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन)

| मुलुक | २०१२ | २०१३ | २०१४ | प्रक्षेपण | | |
|-------------|------|------|------|-----------|------|------|
| | | | | २०१५ | २०१६ | २०२० |
| बंगलादेश | ६.३ | ६.१ | ६.१ | ६.३ | ६.८ | ६.७ |
| भुटान | ६.५ | ५.० | ६.४ | ७.६ | ८.२ | ६.९ |
| भारत | ५.१ | ६.९ | ७.२ | ७.५ | ७.५ | ७.८ |
| मालदिभ्स | १.३ | ४.७ | ५.० | ५.० | ३.९ | ५.० |
| नेपाल | ४.८ | ३.९ | ५.५ | ५.० | ५.० | ४.५ |
| श्रीलंका | ६.३ | ७.३ | ७.४ | ६.५ | ६.५ | ६.५ |
| पाकिस्तान | ३.८ | ३.७ | ४.१ | ४.३ | ४.७ | ५.० |
| अफगानिस्तान | १४.० | ३.७ | १.५ | ३.५ | ४.९ | ५.३ |
| चीन | ७.८ | ७.८ | ७.४ | ६.८ | ६.३ | ६.३ |

श्रोत: अन्तर्राष्ट्रिय मुद्राकोष अप्रिल, २०१५ ।

मूल्य स्थिति

१.६ सन् २०१३ र सन् २०१४ दुबै वर्षमा विकसित अर्थतन्त्रको मूल्य वृद्धि १.४ प्रतिशत रह्यो । सन् २०१५ मा भने विकसित अर्थतन्त्रको मूल्य वृद्धि ०.४ प्रतिशतमा सीमित रहने प्रक्षेपण छ । तेलको घट्दो मूल्य र कमजोर मागका कारण सन् २०१५ मा विकसित देशहरूको मूल्य वृद्धि न्यूनस्तरमा रहने अनुमान गरिएको हो । त्यसैगरी, उदीयमान तथा विकासशील अर्थतन्त्रको मूल्य वृद्धि सन् २०१४ मा ५.१ प्रतिशत रहेकोमा सन् २०१५ मा ५.४ प्रतिशत रहने प्रक्षेपण छ । तर मध्यपूर्वका कतिपय मुलुकहरूमा देखापरेको अशान्ति तथा आन्तरिक द्वन्दको कारण मध्यपूर्व तथा उत्तरी अफ्रिकाका इजिप्ट, सुडान, इरान लगायतका मुलुकहरूमा सन् २०१४ मा उपभोक्ता मूल्यमा आधारित मुद्रास्फीति दोहोरो अंकमा रहेको छ । अन्तर्राष्ट्रिय मुद्रा कोषले विकसित मुलुकहरू मध्ये अमेरिका, युरो क्षेत्र र जापानको मूल्यवृद्धि सन् २०१४ को तुलनामा सन् २०१५ मा घट्ने प्रक्षेपण गरेको छ । युरो क्षेत्रमा उत्पादन अन्तराल (Output Gap) उच्च रहेको कारण मुद्रास्फीति न्यून स्तरमा रहन गएको हो । उपभोक्ता मूल्यमा आधारित विश्वको मुद्रास्फीतिदरको प्रवृत्तिलाई तलको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका १ (ग) : उपभोक्ता मूल्यमा आधारित विश्वको मुद्रास्फीतिदर

(प्रतिशत)

| क्षेत्र | २०१२ | २०१३ | २०१४ | प्रक्षेपण | | |
|--------------------------------------|------|------|------|-----------|------|------|
| | | | | २०१५ | २०१६ | २०२० |
| विकसित अर्थतन्त्र | २.० | १.४ | १.४ | ०.४ | १.४ | २.० |
| उदीयमान तथा विकासशील अर्थतन्त्र | ६.१ | ५.९ | ५.१ | ५.४ | ४.८ | ४.५ |
| उदीयमान तथा विकाशोन्मुख एशिया | ४.७ | ४.८ | ३.५ | ३.० | ३.१ | ३.७ |
| मध्यपूर्व तथा उत्तर अफ्रिकी मुलुकहरू | ९.७ | ९.३ | ६.५ | ६.२ | ६.४ | ५.७ |
| उदीयमान तथा विकासशील युरोप | ६.० | ४.३ | ३.८ | २.७ | ३.७ | ४.० |
| युरोपियन युनियनका मुलुकहरू | २.५ | १.३ | ०.४ | ०.१ | १.० | १.७ |

श्रोत: अन्तर्राष्ट्रिय मुद्राकोष अप्रिल, २०१५ ।

- १.७ विश्वका अन्य मुलुकहरूसँगको आर्थिक अन्तरनिर्भरता बढ्दै गएको कारण अन्य मुलुकहरूमा हुने घटना परिघटनाहरूबाट दक्षिण एशियाली देशहरूको मुद्रास्फीति दर पनि प्रभावित बन्ने गरेको छ । सन् २०१३ मा यस क्षेत्रका कतिपय मुलुकहरूको मुद्रास्फीतिदर दोहोरो अंकमा रहेकोमा सन् २०१४ मा एकल अंकमा सीमित रहेको छ । सन् २०१३ को तुलनामा सन् १०१४ मा पाकिस्तान बाहेकका अन्य सबै दक्षिण एशियाली मुलुकहरूको मुद्रास्फीतिदर घटेको छ । सन् २०१४ मा दक्षिण एशियाली मुलुकहरू मध्ये नेपाल र पाकिस्तानको मुद्रास्फीतिदर सबैभन्दा उच्च रहेको छ भने मालदिभ्स र श्रीलंकाको सबैभन्दा न्यून रहेको छ । सन् २०१३ मा २.६ प्रतिशत रहेको चीनको मुद्रास्फीतिदर सन् २०१४ मा २.० प्रतिशतमा सीमित रहेको छ । आर्थिक कृयाकलापमा आएको सुस्ततासँगै चीनको मुद्रास्फीतिदर न्यून स्तरमा रहँदै आएको छ । त्यसैगरी, सन् २०१३ मा १०.० प्रतिशत रहेको भारतको मुद्रास्फीतिदर सन् २०१४ मा ६.० प्रतिशतमा सीमित रहेको छ । सन् २०१४ को तुलनामा सन् २०१५ मा भारत बाहेक अन्य सबै दक्षिण एशियाली देशहरूको

मुद्रास्फीतिदर घट्ने प्रक्षेपण छ । उपभोक्ता मूल्यमा आधारित छिमेकी मुलुकहरूको मुद्रास्फीति दरको प्रवृत्तिलाई तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका १ (घ) : उपभोक्ता मूल्यमा आधारित छिमेकी मुलुकहरूको मुद्रास्फीतिदर
(प्रतिशत)

| मुलुक | २०१२ | २०१३ | २०१४ | प्रक्षेपण | | |
|-------------|------|------|------|-----------|------|------|
| | | | | २०१५ | २०१६ | २०२० |
| बंगलादेश | ६.२ | ७.५ | ७.० | ६.४ | ६.४ | ५.९ |
| भुटान | १०.१ | ८.७ | ७.७ | ६.३ | ६.१ | ५.६ |
| भारत | १०.२ | १०.० | ६.० | ६.१ | ५.७ | ५.० |
| मालदिभ्स | १०.९ | ४.० | २.५ | ०.३ | २.१ | ४.० |
| नेपाल | ८.३ | ९.९ | ९.० | ७.१ | ६.३ | ५.७ |
| श्रीलंका | ७.५ | ६.९ | ३.३ | १.७ | ३.४ | ५.० |
| अफगानिस्तान | ६.४ | ७.४ | ४.६ | ३.७ | ५.५ | ५.० |
| पाकिस्तान | ११.० | ७.४ | ८.६ | ४.७ | ४.५ | ५.० |
| चीन | २.६ | २.६ | २.० | १.२ | १.५ | ३.० |

श्रोत: अन्तर्राष्ट्रिय मुद्राकोष, अप्रिल, २०१५ ।

कुल गार्हस्थ्य माग

१.८ विकसित मुलुकहरूको आर्थिक गतिविधीमा भएको विस्तारका कारण त्यस्ता मुलुकहरूको कुल यथार्थ गार्हस्थ्य माग सन् २०१३ को १.० प्रतिशत वृद्धिको तुलनामा सन् २०१४ मा १.८ प्रतिशतले बढेको छ । अमेरिकाको कुल यथार्थ गार्हस्थ्य माग सन् २०१३ मा १.९ प्रतिशतले बढेको तुलनामा सन् २०१४ मा २.५ प्रतिशतले बढेको छ । तर यूरो क्षेत्रको कूल यथार्थ गार्हस्थ्य माग सन् २०१३ मा ०.९ प्रतिशतले ऋणात्मक रहेकोमा सन् २०१४ मा सुधार भै ०.८ प्रतिशतले बढेको छ । सन् २०१५ मा विकसित मुलुकहरूको कुल यथार्थ गार्हस्थ्य माग २.३ प्रतिशतले बढ्ने प्रक्षेपण रहेको छ । यसले विश्व अर्थतन्त्र मन्दीको अवस्थाबाट विस्तारै माथि उक्लिनदे गरेको स्पष्ट हुन आउँदछ । तलको तालिकामा विकसित मुलुकहरूको कुल यथार्थ गार्हस्थ्य मागको प्रवृत्तिलाई देखाइएको छ ।

तालिका १ (ड) : विकसित मुलुकहरूको कुल यथार्थ गार्हस्थ्य माग

(वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन)

| क्षेत्र | २०१२ | २०१३ | २०१४ | प्रक्षेपण | | |
|--------------------------|------|------|------|-----------|------|------|
| | | | | २०१५ | २०१६ | २०२० |
| विकसित अर्थतन्त्र | ०.८ | १.० | १.८ | २.३ | २.४ | २.० |
| संयुक्त राज्य अमेरिका | २.२ | १.९ | २.५ | ३.४ | ३.४ | २.२ |
| युरो क्षेत्र | -२.३ | ०.९ | ०.८ | १.२ | १.५ | १.५ |
| संयुक्त अधिराज्य | १.४ | १.८ | २.९ | २.७ | २.४ | २.२ |
| जापान | २.६ | १.९ | ०.१ | ०.१ | ०.७ | ०.५ |
| क्यानाडा | २.२ | १.८ | १.४ | १.२ | १.९ | १.७ |

श्रोत: अन्तर्राष्ट्रिय मुद्राकोष, अप्रिल, २०१५ ।

- १.९ विकसित मुलुकहरूको कुल यथार्थ गार्हस्थ्य मागमा हुन गएको विस्तारसँगै त्यस्ता मुलुकहरूसँग व्यापारिक सम्बन्ध भएका मुलुकहरूको निर्यात बढ्ने, उत्पादन तथा आर्थिक क्रियाकलापमा सकारात्मक प्रभाव पर्ने, विदेशी कामदारको माग बढ्न जाँदा रोजगारीका लागि त्यस्ता मुलुक तर्फ जाने प्रवृत्ति बढ्न गई विप्रेषण आप्रवाहमा सकारात्मक असर पर्ने अवस्था आउँदछ । विकसित तथा औद्योगिक मुलुकहरूको आन्तरिक मागमा आएको विस्तारसँगै नेपाल जस्ता अल्पविकसिल देशहरूको उत्पादन, निर्यात तथा रोजगारीमा सकारात्मक प्रभाव पर्ने संभावना रहन्छ ।

विश्व व्यापार

- १.१० सन् २००९ मा १०.६ प्रतिशतले ऋणात्मक रहेको वस्तु तथा सेवाको विश्व व्यापार परिमाण त्यस पछिका दुई वर्षमा उल्लेख्य विस्तार भएकोमा सन् २०१२ मा २.८ प्रतिशतले मात्र विस्तार भयो । सन् २०१३ मा वस्तु तथा सेवाको विश्व व्यापार परिमाण ३.५ प्रतिशतले बढेकोमा सन् २०१४ मा ३.४ प्रतिशतले मात्र बढेको छ । सन् २०१४ मा विकसित अर्थतन्त्रको निर्यात ३.३ प्रतिशतले तथा उदीयमान र विकासशील अर्थतन्त्रको निर्यात ३.४ प्रतिशतले बढ्यो । त्यस्तै, २०१४ मा विकसित अर्थतन्त्र तथा उदीयमान र विकासशील अर्थतन्त्रको आयात क्रमशः ३.३ प्रतिशत र

३.७ प्रतिशतले वढ्यो । सन् २०१४ मा विकसित अर्थतन्त्रको व्यापार सन्तुलन ०.३ प्रतिशतले वढेको छ जबकी उदीयमान र विकासशील अर्थतन्त्रको व्यापार सन्तुलन ०.६ प्रतिशतले घटेको छ । सन् २०१५ मा विश्व व्यापार ३.७ प्रतिशतले बढ्ने प्रक्षेपण अन्तर्राष्ट्रिय मुद्राकोषको रहेको छ । विश्व व्यापारको प्रवृत्तिलाई तलको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका १ (च) : विश्व वस्तु तथा सेवा व्यापारको स्थिति

(वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन)

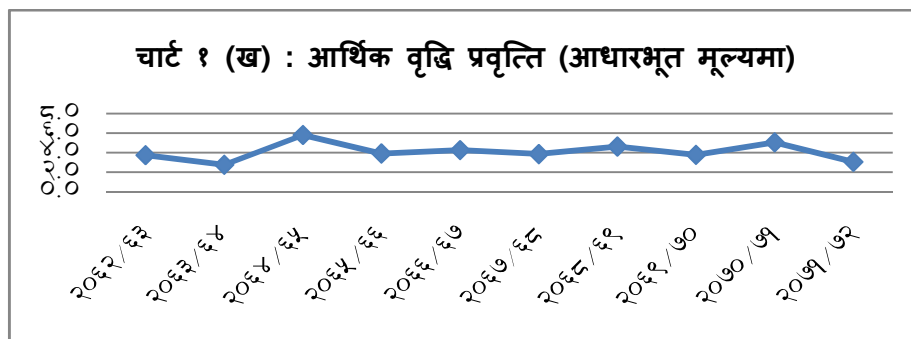
| | | २०१२ | २०१३ | २०१४ | प्रक्षेपण | |
|--------------------|-------------------------------|------|------|------|-----------|------|
| | | | | | २०१५ | २०१६ |
| कुल व्यापार परिमाण | विश्व | २.८ | ३.५ | ३.४ | ३.७ | ४.७ |
| निर्यात | विकसित अर्थतन्त्र | २.० | ३.१ | ३.३ | ३.२ | ४.१ |
| | उदीयमान र विकासशील अर्थतन्त्र | ४.४ | ४.६ | ३.४ | ५.३ | ५.७ |
| आयात | विकसित अर्थतन्त्र | ०.९ | २.१ | ३.३ | ३.३ | ४.३ |
| | उदीयमान र विकासशील अर्थतन्त्र | ६.० | ५.५ | ३.७ | ३.५ | ५.५ |
| व्यापार सन्तुलन | विकसित अर्थतन्त्र | -०.६ | ०.७ | ०.३ | १.० | -०.४ |
| | उदीयमान र विकासशील अर्थतन्त्र | ०.७ | -०.३ | -०.६ | -३.७ | ०.१ |

श्रोत: अन्तर्राष्ट्रिय मुद्राकोष, अप्रिल, २०१५ ।

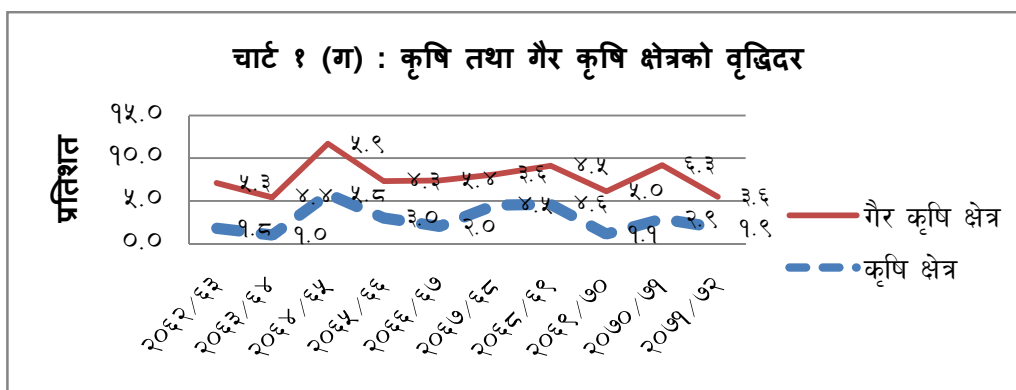
राष्ट्रिय अर्थतन्त्र

१.११ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा मुलुकको वास्तविक कुल गार्हस्थ्य उत्पादन ५.० प्रतिशतले वृद्धि हुने संशोधित लक्ष्य रहेकोमा त्यस्तो वृद्धिदर आधारभूत मूल्यमा ३.० प्रतिशत रहेको अनुमान छ । अघिल्लो वर्षमा यस्तो वृद्धिदर ५.१ प्रतिशत रहेको थियो । विगत ८ वर्षको अवधिमा चालु आर्थिक वर्षको आर्थिक वृद्धिदर सबैभन्दा न्यून रहेको छ । कृषि क्षेत्र मूलतः मौसमी प्रतिकूलता र गैर कृषि क्षेत्रका गतिविधीहरू २०७२ वैशाख १२ को भूकम्पबाट बढी प्रभावित भएका कारण चालु आर्थिक वर्षको आर्थिक वृद्धिदर अघिल्लो वर्षको तुलनामा न्यून रहन गएको हो । २०७२ वैशाख १२ गतेको भूकम्प अघि मुलुकको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन आधारभूत मूल्यमा ४.६ प्रतिशतले बढ्ने प्रारम्भिक अनुमान रहेको थियो । २०७२ वैशाख १२ गतेको भूकम्पका कारण खानी तथा उत्खनन,

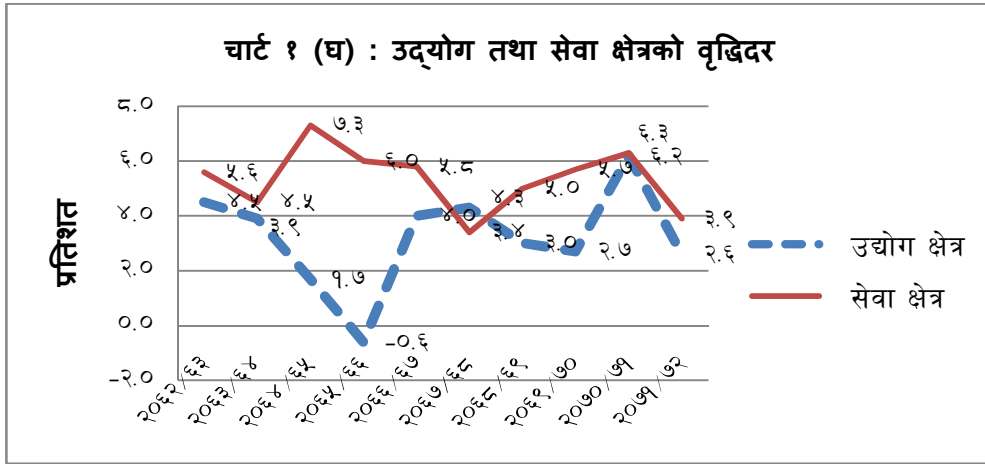
उद्योग, निर्माण, थोक तथा खुद्रा व्यापार, होटल तथा रेष्टुरेन्ट, वित्तीय मध्यस्थता, रियल स्टेट तथा व्यावसायिक सेवा आदि क्षेत्रहरु नराम्ररी प्रभावित भएको कारण प्रचलित मूल्यको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन रु. ३६.५ अर्बले कमी हुने अनुमान छ । त्यस्तै, प्रचलित मूल्यको कुल उत्पादनमा (आधारभूत मूल्यमा) करिव रु. ५१ अर्ब बराबरीको वस्तु तथा सेवाको उत्पादनमा कमी हुने अनुमान छ ।



१.१२ विगत एक दशकको नेपालको आर्थिक वृद्धिदर सन्तोषजनक रहन सकेन् । विगत एक दशकको अवधिमा आर्थिक वर्ष २०६४/६५ र आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा आर्थिक वृद्धिदर ५.० प्रतिशत माथि रहेतापनि अन्य आर्थिक वर्षहरुमा आर्थिक वृद्धिदर ३ देखि ४ प्रतिशत बीचमा रहयो । विगत एक दशकको मुलुकको औसत आर्थिक वृद्धिदर आधारभूत मूल्यमा ४.१ प्रतिशत मात्र रहयो । त्यस्तै, एक दशकको कृषि तथा गैर कृषि क्षेत्रको औसत वृद्धिदर क्रमशः २.९ प्रतिशत र ४.८ प्रतिशत रहेको छ । गैर कृषि क्षेत्रमा उद्योग र सेवा क्षेत्रको एक दशकको औसत वृद्धिदर क्रमशः ३.२ प्रतिशत र ५.४ प्रतिशत रहेको छ ।



१.१३ विगत एक दशकको आर्थिक वृद्धिको क्षेत्रगत प्रवृत्तिलाई विश्लेषण गर्दा सेवा क्षेत्रको वृद्धिदर सन्तोषजनक रहेतापनि कृषि तथा उद्योग क्षेत्रको वृद्धिदर सन्तोषजनक रहन सकेन् । यस अवधिका तीन वर्षहरु बाहेक अन्य आर्थिक वर्षहरुमा सेवा क्षेत्रको वृद्धिदर ५.० प्रतिशत भन्दा बढी रहेको छ । यस अवधिमा कृषि क्षेत्रको वृद्धिदर मूलतः मौसमी पक्ष, मल विउ विजनको आपूर्ति आदि पक्षबाट बढी प्रभावित बन्यो भने उद्योग क्षेत्र मूलतः लगानीको वातावरण, श्रम समस्या, उर्जा संकट, लम्बिंदो राजनैतिक संक्रमण आदिबाट बढी प्रभावित बन्यो ।



तालिका १ (छ) : एक दशकको आर्थिक वृद्धि प्रवृत्ति

| आर्थिक वर्ष | २०१२/१३ | २०१३/१४ | २०१४/१५ | २०१५/१६ | २०१६/१७ | २०१७/१८ | २०१८/१९ | २०१९/२० | २०१९/२० | २०१९/२० | एक दशकको औसत |
|--------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|--------------|
| कृषि | १.८ | १.० | ५.८ | ३.० | २.० | ४.५ | ४.६ | १.१ | २.९ | १.९ | २.९ |
| गैर कृषि | ५.३ | ४.४ | ५.९ | ४.३ | ५.४ | ३.६ | ४.५ | ५.० | ६.३ | ३.६ | ४.८ |
| उद्योग | ४.५ | ३.९ | १.७ | -०.६ | ४.० | ४.३ | ३.० | २.७ | ६.२ | २.६ | ३.२ |
| सेवा | ५.६ | ४.५ | ७.३ | ६.० | ५.८ | ३.४ | ५.० | ५.७ | ६.३ | ३.९ | ५.४ |
| आर्थिक वृद्धि(आधारभूत मूल्यमा) | ३.७ | २.८ | ५.८ | ३.९ | ४.३ | ३.८ | ४.६ | ३.८ | ५.१ | ३.० | ४.१ |

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग

१.१४ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको चर्चा क्षेत्रगत आधारमा गर्न सकिन्छ । System of National Account, १९९३ ले समग्र आर्थिक क्रियाकलापहरूलाई १७ क्षेत्रहरूमा वर्गिकरण गरेतापनि नेपालमा १५ क्षेत्रहरूको विवरणको आधारमा समग्र आर्थिक वृद्धिको विवरण प्रकाशित भई आएको छ । अद्यावधिक तथ्याङ्कका आधारमा विभिन्न क्षेत्र र उपक्षेत्रहरूको स्थितिको चर्चा यस खण्डमा गरिएको छ ।

कृषि क्षेत्र

कृषि तथा वन

१.१५ कृषि गार्हस्थ्य उत्पादनमा करिब २१.० प्रतिशत अंश ओगटेको धान बालीको उत्पादन यसवर्ष मौसमी प्रतिकूलताको कारण ५.१ प्रतिशतले घटेको छ । त्यस्तै, अर्को प्रमुख बाली मकैको उत्पादन पनि ६.० प्रतिशतले घटेको अनुमान छ । अन्य कृषि बाली तथा पशुजन्य उत्पादन पनि सामान्य दरले मात्र बढेको कारण आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा कृषि तथा वन क्षेत्रको उत्पादन १.८ प्रतिशतले मात्र बढ्ने अनुमान छ । गत आर्थिक वर्षमा यो क्षेत्रको उत्पादन २.८ प्रतिशतले बढेको थियो । विगत पाँच वर्षको अवधिमा यस क्षेत्रको औसत वृद्धिदर ३.० प्रतिशत रहेको छ । चालु आर्थिक वर्षको यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान ३२.५ प्रतिशत रहने अनुमान छ ।

मत्स्यपालन

१.१६ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा मत्स्यपालन क्षेत्रको उत्पादन ६.३ प्रतिशतले वृद्धि हुने अनुमान छ । गत वर्ष यस क्षेत्रको उत्पादन ४.९ प्रतिशतले बढेको थियो । मत्स्यपालन प्रति किसानहरूको आकर्षण बढ्दै गएको कारण यस क्षेत्रको वृद्धिदर सन्तोषजनक रहँदै आएको छ । विगत पाँच वर्षमा यो क्षेत्र औसतमा ५.५ प्रतिशतले बढेको छ ।

गैर कृषि क्षेत्र

१.१७ गैर कृषि क्षेत्र अन्तर्गत उद्योग र सेवा क्षेत्र पर्दछन् । चालु आर्थिक वर्षमा गैर कृषि क्षेत्र ३.६ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । अघिल्लो वर्ष यो क्षेत्र ६.३ प्रतिशतले बढेको थियो । गैर कृषि क्षेत्र मध्ये चालु आर्थिक वर्षमा उद्योग तथा सेवा क्षेत्रको वृद्धिदर क्रमशः २.६ प्रतिशत र ३.९ प्रतिशत रहने अनुमान छ ।

अघिल्लो वर्ष उद्योग तथा सेवा क्षेत्रको वृद्धिदर क्रमशः ६.२ प्रतिशत र ६.३ प्रतिशत रहेको थियो । विगत पाँच वर्षमा गैर कृषि क्षेत्रको औसत वृद्धिदर ४.६ प्रतिशत रहेको छ ।

उद्योग क्षेत्र

खानी तथा उत्खनन

१.१८ चालु आर्थिक वर्षमा खानी तथा उत्खनन क्षेत्रको उत्पादन ०.९ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । गत वर्ष यस क्षेत्रको वृद्धिदर ५.४ प्रतिशत थियो । गत वैशाख १२ गतेको भुकम्पको कारण भुकम्प अति प्रभावित जिल्लाहरूमा ढुङ्गा, गिटी, बालुवा र माटोको उत्खननमा निकै ह्रास आएको र पक्की घर निर्माण गर्न सरकारले केही समयका लागि रोक लगाइएको कारण यस क्षेत्रको वृद्धिदर अघिल्लो वर्षको तुलनामा न्यून रहन गएको हो । यस क्षेत्रको विगत पाँच वर्षको औसत वृद्धिदर ३.१ प्रतिशत रहेको छ ।

उत्पादनमूलक उद्योग

१.१९ उत्पादनमूलक उद्योग क्षेत्रको विगत एक दशकको सम्पादनस्तर सन्तोषजनक रहन सकेको छैन । विगत एक दशकको अवधिमा आर्थिक वर्ष २०६४/६५ र आर्थिक वर्ष २०६५/६६ बाहेकका अन्य वर्षहरूमा यो क्षेत्रको वृद्धिदर धनात्मक रहेतापनि यो न्यून स्तरको रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ६.३ प्रतिशत रहेको यस क्षेत्रको वृद्धिदर आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा २.४ प्रतिशतमा सीमित रहने अनुमान छ । गत वैशाख १२ मा गएको भुकम्पका कारण केही उद्योगको भौतिक क्षति भई सञ्चालनमा आउन नसकेको, सञ्चालित उद्योगहरूमा पनि कामदारको अभाव रहेको, उत्पादित वस्तुको मागमा कमी आएको जस्ता कारणहरूले गर्दा यस क्षेत्रको उत्पादन प्रभावित भई वृद्धिदर न्यून रहन गएको हो । विगत पाँच वर्षको यस क्षेत्रको औसत वृद्धिदर ४.० प्रतिशत रहेको छ ।

१.२० लगानीको वातावरणमा अपेक्षित सुधार हुन नसक्नु, ऊर्जा संकट यथावत् रहनु, श्रम सम्बन्ध सहज हुन नसक्नु, राजनीतिक संक्रमणकाल लम्बिँदै जानु, औद्योगिक पूर्वाधारको विकास हुन नसक्नु, ऐन नियममा समसामयिक परिमार्जन हुन नसक्नु र लगानी विस्तार गर्नका लागि लगानीकर्ताहरूलाई आश्वस्त पार्न नसक्नु जस्ता कारणहरूले गर्दा विगत लामो समयदेखि उद्योग

क्षेत्र प्रभावित भई आएको छ । विगत दश वर्षको यस क्षेत्रको औसत वृद्धिदर २.६ प्रतिशत मात्र रहनुले यो क्षेत्रको अवस्था सन्तोषजनक रहन नसकेको स्पष्ट हुन आउँदछ । विगतमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा करिव १० प्रतिशत हिस्सा ओगटेको यो क्षेत्रको योगदान क्रमशः घट्दो स्थितिमा रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०५८/५९ को यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यो क्षेत्रको योगदान ८.५ प्रतिशत रहेकोमा त्यसपछिका वर्षहरूमा निरन्तर हास आई चालु आर्थिक वर्षमा ६.८ प्रतिशतमा सीमित हुने देखिएको छ ।

विद्युत, ग्याँस तथा पानी

१.२१ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा विद्युत, ग्याँस तथा पानी क्षेत्रको उत्पादन १.२ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । गत आर्थिक वर्षमा यो क्षेत्रको उत्पादन ३.५ प्रतिशतले बढेको थियो । विगत पाँच वर्षमा यस क्षेत्रको औसत वृद्धिदर ३.५ प्रतिशत रहेको छ । चालु आर्थिक वर्षको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान २.१ प्रतिशत रहने अनुमान छ ।

निर्माण क्षेत्र

१.२२ गत आर्थिक वर्षमा ७.१ प्रतिशतले बढेको यो क्षेत्रको उत्पादन चालु आर्थिक वर्षमा ३.६ प्रतिशतले मात्र बढ्ने अनुमान छ । गत वैशाख १२ मा गएको भुकम्पका कारण नेपाल सरकारले तत्कालका लागि भवन निर्माणमा रोक लगाएको कारणले गर्दा निर्माण सामाग्रीको आपूर्तिमा उल्लेखनीय हास आउनुका साथै जस्ता पाता बाहेक अन्य सबै निर्माण सामाग्रीको उत्पादनमा समेत कमी आएकोले गर्दा निर्माण क्षेत्रको वृद्धिदर अघिल्लो वर्षको तुलनामा कम रहन गएको हो । विगत पाँच वर्षको यस क्षेत्रको औसत वृद्धिदर ३.६ प्रतिशत रहेको छ । यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान चालु आर्थिक वर्षमा ५.९ प्रतिशत रहेको छ ।

सेवा क्षेत्र

थोक तथा खुद्रा व्यापार

१.२३ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ९.० प्रतिशतको उच्चदरले बढेको यो क्षेत्रको उत्पादन आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा ३.४ प्रतिशतले मात्र बढ्ने अनुमान छ । भुकम्पपछि

कृषि क्षेत्रको उत्पादनमा आएको कमी, व्यापारयोग्य बस्तुहरूको आयातमा भएको कमी तथा औद्योगिक उत्पादनमा आएको हासको कारण यो क्षेत्रको वृद्धिदर अघिल्लो वर्षको तुलनामा न्यून रहन गएको हो । विगत पाँच वर्षको अवधिमा यस क्षेत्रको औसत वृद्धिदर ४.९ प्रतिशत रहेको छ । गैर कृषि क्षेत्रका विभिन्न क्षेत्रहरूमध्ये यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सबैभन्दा बढी योगदान दिने यस क्षेत्रको योगदान चालु आर्थिक वर्षमा १३.३ प्रतिशत हुने अनुमान छ ।

होटल र रेष्टुरेण्ट

१.२४ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा होटल तथा रेष्टुरेण्ट क्षेत्रको उत्पादन ४.० प्रतिशतले बढेको अनुमान छ । अघिल्लो आर्थिक वर्षमा यो क्षेत्रको उत्पादन ६.८ प्रतिशतले बढेको थियो । पर्यटक आगमनमा आएको कमी, भुकम्पको कारण होटल तथा रेष्टुरामा पुगेको क्षती, आन्तरिक पर्यटनमा आएको हास आदिको कारण अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रको वृद्धि दर न्यून रहन गएको हो । विगत पाँच वर्षको यस क्षेत्रको औसत वृद्धिदर ६.० प्रतिशत रहेको छ । त्यस्तै, यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान चालु आर्थिक वर्षमा १.८ प्रतिशत रहने अनुमान छ ।

यातायात, भण्डारण तथा सञ्चार

१.२५ गत वर्ष ८.३ प्रतिशतले वृद्धि भएको यो क्षेत्रको उत्पादन चालु आर्थिक वर्षमा ५.२ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । स्थल तथा हवाई यातायातमा भएको मन्दीको कारण यस क्षेत्रको उत्पादन गत वर्षभन्दा न्यून दरले बढ्ने अनुमान गरिएको हो । यस क्षेत्रको विगत पाँच वर्षको औसत वृद्धिदर ६.९ प्रतिशत रहेको छ । यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान चालु आर्थिक वर्षमा १०.६ प्रतिशत रहने अनुमान छ ।

वित्तीय मध्यस्थता

१.२६ यो क्षेत्र अन्तर्गतको बैकिङ समूहमा नेपाल राष्ट्र बैंक, वाणिज्य बैंक, विकास बैंक, वित्त कम्पनी, लघुवित्त संस्था तथा सहकारीका करोवार समावेश हुने गर्दछन् । त्यसैगरी, बीमा समूहमा बीमा समितिका साथै जीवन बीमा र निर्जीवन बीमा कम्पनीहरूका करोवार समावेश हुन्छन् । त्यस्तै, सामाजिक सुरक्षा योगदान समूहमा नेपाल धितोपत्र बोर्ड, कर्मचारी सञ्चयकोष, नागरिक

लगानी कोष आदिका कारोवार समावेश हुन्छन् । गत आर्थिक वर्षमा ३.७ प्रतिशत रहेको यस क्षेत्रको वृद्धिदर चालु आर्थिक वर्षमा १.४ प्रतिशतमा सीमित रहने अनुमान छ । भुकम्पको कारण पर्यटन, निर्माण, कृषि आदि क्षेत्रमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुले गरेको कर्जा लगानीमा परेको नकारात्मक प्रभाव तथा विमाङ्क दावीमा भएको बढोत्तरीले गर्दा चालु आर्थिक वर्षमा यो क्षेत्रको उत्पादन अघिल्लो वर्षको तुलनामा न्यून दरले बढ्ने देखिएको हो । यस क्षेत्रको विगत पाँच वर्षको औसत वृद्धिदर २.२ प्रतिशत रहेको छ । चालु आर्थिक वर्षको यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान ३.९ प्रतिशत रहेको अनुमान छ ।

रियल इस्टेट तथा व्यावसायिक सेवा

१.२७ चालु आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रको उत्पादन ०.८ प्रतिशतले मात्र बढ्ने अनुमान छ। गत वर्ष यो क्षेत्रको उत्पादन ३.६ प्रतिशतले बढेको थियो । देशमा हालै गएको विनाशकारी भुकम्पको कारण हाउजिङ्ग व्यावसायमा पुगेको क्षती, घर जग्गाको कारोवारमा आएको मन्दी, भुकम्पको कारण आवसीय सेवामा भएको कटौती र व्यवसायिक कारोवारमा आएको कमी आदिको कारण यो वर्ष यस क्षेत्रको उत्पादन सीमान्त दरले मात्र बढ्ने अनुमान रहेको हो । विगत पाँच वर्षको यो क्षेत्रको औसत वृद्धिदर ३.० प्रतिशत रहेको छ । चालु आर्थिक वर्षको यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान ७.७ प्रतिशत रहने अनुमान छ ।

सार्वजनिक प्रशासन र रक्षा

१.२८ केन्द्रीय सरकारको सार्वजनिक प्रशासन तथा रक्षामा गरिएको बजेट व्यवस्था तथा खर्चको आधारमा चालु आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रको उत्पादन ५.८ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । गत आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रको उत्पादन ५.० प्रतिशतले बढेको थियो । विगत पाँच वर्षको यस क्षेत्रको औसत वृद्धिदर ४.८ प्रतिशत रहेको छ । चालु आर्थिक वर्षको यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान १.८ प्रतिशत रहने अनुमान छ ।

शिक्षा

१.२९ शिक्षा क्षेत्रमा सरकारको बजेट तथा खर्चमा विस्तार हुनुका साथै निजी तथा गैर सरकारी क्षेत्रबाट सञ्चालित शैक्षिक गतिविधीमा पनि विस्तार भएको कारण

आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा यस क्षेत्रको उत्पादन गत आर्थिक वर्षको तुलनामा सीमान्त दरले बढी ५.० प्रतिशत रहने अनुमान छ । गत वर्ष यो क्षेत्रको उत्पादन ४.८ प्रतिशतले बढेको थियो । विगत पाँच वर्षको अवधिमा यस क्षेत्रको उत्पादन औसतमा ४.९ प्रतिशतले बढेको छ । चालु आर्थिक वर्षको यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान ६.८ प्रतिशत रहेको अनुमान छ ।

स्वास्थ्य र सामाजिक कार्य

१.३० स्वास्थ्यका क्षेत्रमा सरकारद्वारा गरिएको बजेट विनियोजन तथा खर्चका साथै निजी क्षेत्रको कारोवारमा पनि वृद्धि भएको, भूकम्पपछि सरकारी, गैर सरकारी तथा निजी क्षेत्रको कारोवार पनि बढेको आदि जस्ता कारणहरूले गर्दा चालु आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रको उत्पादन १०.० प्रतिशतको उच्च दरले बढ्ने अनुमान छ । गत वर्ष यस क्षेत्रको उत्पादन ४.५ प्रतिशतले बढेको थियो । विगत पाँच वर्षमा यस क्षेत्रको उत्पादन औसतमा ६.१ प्रतिशतले बढेको छ । चालु आर्थिक वर्षको यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान १.६ प्रतिशत रहेको अनुमान छ ।

अन्य सामुदायिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सेवाहरू

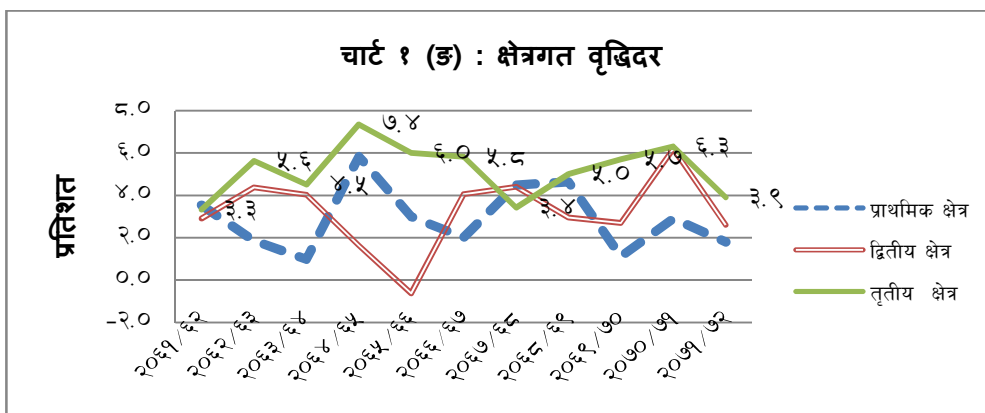
१.३१ यस क्षेत्रमा सरकारी क्षेत्रबाट प्रदान गरिने शिक्षा र स्वास्थ्य बाहेकका सामुदायिक सेवा लगायत विभिन्न किसिमका सामाजिक तथा व्यक्तिगत सेवाहरू समावेश हुने गर्दछन् । यस क्षेत्रको उत्पादन चालु आर्थिक वर्षमा ५.३ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । गत वर्ष यो क्षेत्रको उत्पादन ४.८ प्रतिशतले बढेको थियो । विगत पाँच वर्षमा यो क्षेत्र औसतमा ५.७ प्रतिशतले बढेको छ । चालु आर्थिक वर्षको यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान ४.२ प्रतिशत रहने अनुमान छ ।

क्षेत्रगत विवरण

१.३२ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनलाई प्राथमिक, द्वितीयक र तृतीयक गरी तीन मुख्य क्षेत्रहरूमा विभाजन गरी विश्लेषण गर्न सकिन्छ । प्राथमिक क्षेत्रमा कृषि तथा वन, मत्स्यपालन र खानी तथा उत्खनन क्षेत्र पर्दछन् । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा प्राथमिक क्षेत्रको उत्पादन १.८ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । गत वर्ष यो

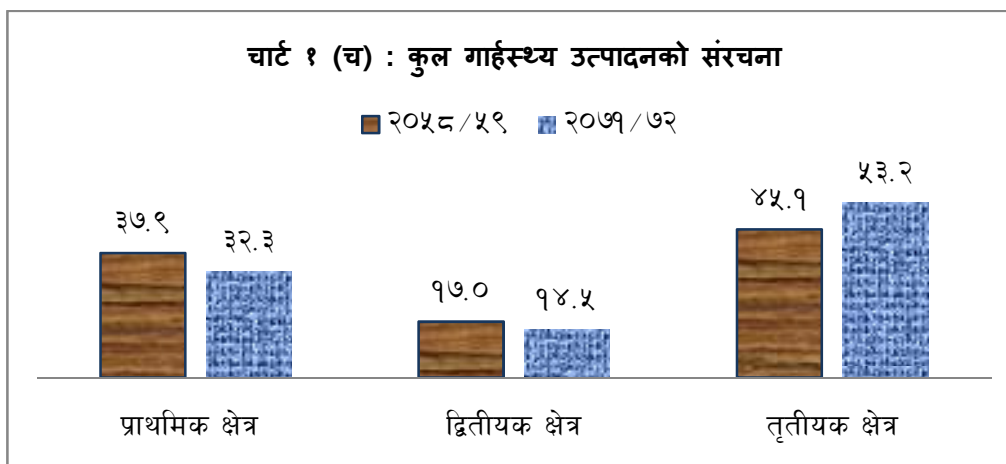
क्षेत्रको उत्पादन २.९ प्रतिशतले बढेको थियो । विगत पाँच वर्षमा यस क्षेत्रको औसत वृद्धिदर ३.० प्रतिशत रहेको छ ।

- १.३३ द्वितीय क्षेत्र अन्तर्गत उद्योग, विद्युत, ग्याँस तथा पानी र निर्माण क्षेत्र समावेश हुन्छन् । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा द्वितीयक क्षेत्रको उत्पादन २.७ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । गत वर्ष यो क्षेत्र ६.२ प्रतिशतले बढेको थियो । यस क्षेत्र अन्तर्गत रहेका सबै उप क्षेत्रहरूको उत्पादन गत वर्ष भन्दा न्यूनदरले बढेको कारण चालु आर्थिक वर्षमा यो क्षेत्रको उत्पादन न्यून दरले बढेको हो । विगत पाँच वर्षको यस क्षेत्रको औसत वृद्धिदर ३.२ प्रतिशत रहेको छ ।
- १.३४ तृतीय क्षेत्र अन्तर्गत थोक तथा खुद्रा व्यापार, होटल तथा रेष्टुरेन्ट, यातायात, भण्डारण तथा सञ्चार, वित्तीय मध्यस्थता, रियल स्टेट तथा व्यावसायिक सेवा, सार्वजनिक प्रशासन तथा रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य र अन्य सामुदायिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सेवा पर्दछन् । अघिल्लो वर्ष ६.३ प्रतिशतले बढेको यो क्षेत्रको उत्पादन चालु आर्थिक वर्षमा ३.९ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । यस क्षेत्र अन्तर्गत रहेका सार्वजनिक प्रशासन र रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य र अन्य सामुदायिक सेवा बाहेक अन्य क्षेत्रको उत्पादन अघिल्लो वर्षको तुलनामा कम रहेको कारण चालु आर्थिक वर्षमा यो क्षेत्रको वृद्धिदर कम रहेको हो । यस क्षेत्रको विगत पाँच वर्षको औसत वृद्धिदर ५.४ प्रतिशत रहेको छ ।



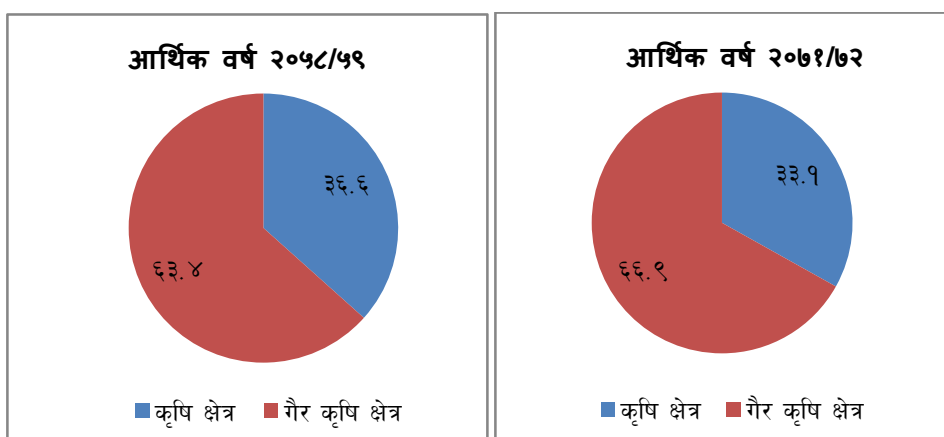
कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको संरचना

- १.३५ नेपाली अर्थतन्त्रको संरचनागत परिवर्तन भइरहेको छ । कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि र उद्योग क्षेत्रको योगदान घट्दै गएको छ भने सेवा क्षेत्रको योगदान बढ्दो छ । क्षेत्रगत आधारमा हेर्दा प्रचलित मूल्यमा चालु आर्थिक वर्षको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा प्राथमिक क्षेत्रको योगदान ३२.३ प्रतिशत हुने अनुमान गरिएको छ । आर्थिक वर्ष २०५८/५९ को कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यो क्षेत्रको योगदान ३७.९ प्रतिशत रहेको थियो । विगत पाँच वर्षको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यो क्षेत्रको औसत योगदान ३४.६ प्रतिशत रहेको छ ।
- १.३६ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा द्वितीय क्षेत्रको योगदान घट्दो छ । आर्थिक वर्ष २०५८/५९ मा प्रचलित मूल्यको कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यो क्षेत्रको योगदान १७.० प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा १४.५ प्रतिशतमा झरेको छ । विगत पाँच वर्ष अवधिको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यो क्षेत्रको औसत योगदान १४.५ प्रतिशत रहेको छ ।
- १.३७ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा तृतीयक क्षेत्रको योगदान क्रमशः बढ्दै गएको छ । आर्थिक वर्ष २०५८/५९ को प्रचलित मूल्यको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान ४५.१ प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा ५३.२ प्रतिशत पुगेको छ । विगत पाँच वर्षको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यो क्षेत्रको औसत योगदान ५०.९ प्रतिशत रहेको छ ।



१.३८ औद्योगिक वर्गीकरण अनुसारको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनलाई कृषि र गैर कृषि क्षेत्र गरी दुई भागमा वर्गीकरण गर्दा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको योगदान घट्दो क्रममा छ भने गैर कृषि क्षेत्रको योगदान क्रमशः बढ्दै गएको छ । आर्थिक वर्ष २०७७/७८ को यथार्थ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको योगदान ३६.६ प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा यस्तो योगदान ३३.१ प्रतिशतमा झरेको छ । त्यसैगरी, सोही अवधिमा गैर कृषि क्षेत्रको योगदान ६३.४ प्रतिशतबाट बढेर ६६.९ प्रतिशत पुगेको छ ।

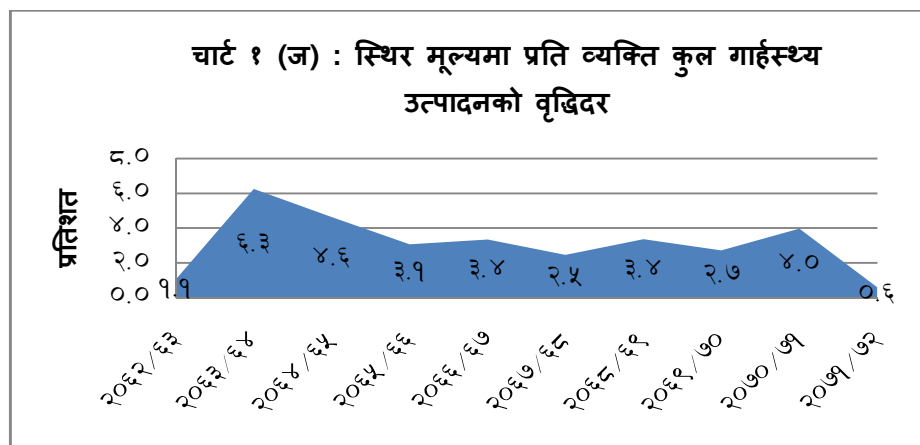
चार्ट १ (छ) : कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा योगदान (प्रतिशत)



प्रति व्यक्ति आय

१.३९ आर्थिक वर्ष २०७९/७९ मा प्रचलित मूल्यमा प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन रु. ७४ हजार ९ सय ९२ पुगेको छ । त्यसैगरी, आर्थिक वर्ष २०७९/७९ मा स्थिर मूल्यमा प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन भने रु. २६ हजार ८ सय ३४ रहेको छ । अघिल्लो आर्थिक वर्षमा ४.० प्रतिशतले बढेको स्थिर मूल्यको प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन चालु आर्थिक वर्षमा ०.६ प्रतिशतको सीमान्त दरले मात्र बढेको अनुमान छ । त्यस्तै, आर्थिक वर्ष २०७९/७९ मा यथार्थ प्रतिव्यक्ति कुल खर्च योग्य आम्दानी रु. ३६ हजार ६ सय ५१ पुगेको छ । यो वृद्धिदर जनसंख्या वृद्धिदर भन्दा निकै न्यून हो । विगत एक दशकको अवधिमा प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (स्थिर मूल्यमा) औसतमा ३.२ प्रतिशतले

बढेको छ । त्यसैगरी, आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा अमेरिकी डलरमा प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (प्रचलित मूल्यमा) ७ सय ६२ अमेरिकी डलर पुगेको छ ।



बचत

१.४० बचत अन्तर्गत मूलतः कुल गार्हस्थ्य बचत तथा कुल राष्ट्रिय बचत समावेश हुने गर्दछन् । कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कुल गार्हस्थ्य बचतको अंश आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा गत वर्षको तुलनामा ४.७ प्रतिशतले बढी ११.४ प्रतिशत रहेको अनुमान छ । आर्थिक वर्ष २०५८/५९ मा यस्तो अंश ९.५ प्रतिशत थियो । कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कुल राष्ट्रिय बचतको अंश चालु आर्थिक वर्षमा ४४.६ प्रतिशत रहने अनुमान छ जुन गत वर्ष ४५.१ प्रतिशत रहेको थियो । आर्थिक वर्ष २०५८/५९ मा यस्तो अंश २४.२ प्रतिशत थियो ।

समस्या तथा चुनौतीहरू

१.४१ आन्तरिक तथा बाह्य कारणहरूबाट समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व प्रभावित हुने हुने गर्दछ । बढ्दो विश्वव्यापिकरणसँगै आर्थिक वृद्धि, मुद्रास्फीति, व्यापार, शोधनान्तर जस्ता समष्टिगत चरहरू बाह्य मुलुकहरूमा हुने घटना तथा परिघटनाहरूबाट प्रभावित बन्ने गरेका छन् । विश्वव्यापिकरणका सन्दर्भमा

समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम गर्नमा बाह्य क्षेत्रबाट समेत अनेकन चुनौतीहरु आउने गरेका छन् ।

- १.४२ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा एक तिहाई अंश कृषि क्षेत्रले ओगटेको छ । कृषि गार्हस्थ्य उत्पादनमा हुने उतार चढावबाट समग्र आर्थिक वृद्धिदर प्रभावित हुने गरेको छ । मौसमी अनुकूलता/प्रतिकूलताबाट नेपालको कृषि उत्पादन बढी प्रभावित हुने गरेको सन्दर्भमा यस क्षेत्रको दिगो विकास गरी उच्च वृद्धिदर हासिल गर्नु चुनौतीपूर्ण रहँदै आएको छ । त्यसैगरी, राजनैतिक अस्थिरता, श्रम समस्या, उर्जा संकट, कमजोर पूर्वाधार, लगानीको वातावरणमा अपेक्षित सुधार नहुनु आदिका कारण स्वदेशी तथा विदेशी लगानी अपेक्षित रूपमा विस्तार हुन नसक्दा गैर कृषि क्षेत्रको वृद्धिदर पनि प्रभावित बन्ने गरेको छ । तसर्थ, लम्बिंदो राजनैतिक संक्रमणको अन्त्य गर्दै लगानीको वातावरणमा सुधार गरी आर्थिक वृद्धिदर उच्च बनाउनु चुनौतीपूर्ण छ ।
- १.४३ सन् २०२२ सम्ममा मुलकलाई अतिकम विकसित राष्ट्रबाट विकासोन्मुख राष्ट्रमा रुपान्तरण गर्न आर्थिक वृद्धिदर उच्च तथा दिगो हुनु आवश्यक छ । लगातार ७-८ प्रतिशतको आर्थिक वृद्धिदर हासिल नगरी विकासोन्मुख मुलुकमा रुपान्तरण हुन गाह्रो छ । विगत पाँच वर्षको मुलुकको औषत आर्थिक वृद्धिदर ४.१ प्रतिशत मात्र रहेको सन्दर्भमा लगानी वृद्धिगरी उच्च आर्थिक वृद्धिदर हासिल गर्दै सो लक्ष्य पुरा गर्नु चुनौतीपूर्ण छ ।

२. सरकारी वित्त

सरकारी वित्त र यसको स्वरूप

- २.१ नेपाल सरकारले आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा रु ६ खर्ब १८ अर्ब १० करोड बजेट विनियोजन गरी सो को कार्यक्रम र श्रोतको व्यवस्था सहित मिति २०७१/०३/२९ गते बजेट सार्वजनिक गरेको थियो ।
- २.२ सरकारले आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा खर्च गर्न विनियोजन गरेको रकम आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को कुल यथार्थ खर्चको तुलनामा ४२ प्रतिशतले बढी रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा सरकारले रु. ५ खर्ब १७ अर्ब २४ करोड बजेट विनियोजन गरेकोमा रु. ४ खर्ब ३५ अर्ब ५ करोड मात्र खर्च भएको छ । आ.व. २०६९/७० को तुलनामा आ.व. २०७०/७१ मा २१.३० प्रतिशतले खर्च वृद्धि भएको थियो । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा सरकारको यथार्थ खर्च अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा ५.७ प्रतिशतले मात्र वृद्धि भई ३ खर्ब ५८ अर्ब ६३ करोड पुगेको थियो ।
- २.३ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा सरकारी आम्दानी (राजस्व तथा अनुदान) आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को यथार्थ आम्दानीको तुलनामा ३० प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ५ खर्ब १४ अर्ब ८२ करोड पुग्ने अनुमान छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा सरकारी आम्दानी अघिल्लो वर्षको तुलनामा १८.९५ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ३ खर्ब ९६ अर्ब ३१ करोड पुगेको थियो । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा सरकारको आम्दानी अघिल्लो वर्षको तुलनामा १५.९ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ३ खर्ब ३३ अर्ब ९२ करोड पुगेको थियो । नेपाल सरकारको विगत पाँच वर्षको आय-व्यय, बजेट घाटा र कुल गार्हस्थ उत्पादनसँग तिनको अनुपात तालिका नं. २ (क) मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका २ (क) : सरकारी वित्त र कुल गार्हस्थ उत्पादनसंग तिनको अनुपात (प्रतिशतमा)

(रु. करोडमा)

| विवरण | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
|--|----------|----------|----------|----------|----------|
| कुल गार्हस्थ उत्पादन | १३६६९५.४ | १५२७३४.४ | १६९२६४.३ | १९४१६२.४ | २१२४६५.० |
| खर्च | २९५३६.१ | ३३९१६.८ | ३५८६३.८ | ४३५०५ | ६१८१० |
| सरकारी आय | २४५७४.१ | २८७९८.४ | ३३३९२.७ | ३९६३९ | ५१४८२ |
| बजेट वचत(+)/न्यून (-) | -४९६२.१ | -५११८.४ | -२४७१.१ | -३८१५ | -१०३२८ |
| कुल गार्हस्थ उत्पादनसंगको अनुपात (प्रतिशतमा) | | | | | |
| खर्च | २१.६ | २२.२ | २१.२ | २२.५ | २९.०९ |
| सरकारी आय | १८.० | १८.९ | १९.७ | २०.५५ | २४.२३ |
| बजेट घाटा | ३.६ | ३.४ | १.५ | २.० | ४.८६ |

* अनुमानित

स्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग र महालेखा नियन्त्रकको कार्यालय ।

- २.४ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा नेपाल सरकारको बजेट घाटा रु. १ खर्व ३ अर्ब २८ करोड रहने अनुमान छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यस्तो बजेट घाटा रु. ८७ अर्ब ७० करोड पुग्ने अनुमान रहेकोमा यथार्थमा रु. ३८ अर्ब १५ करोड मात्र रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा सरकारको बजेट घाटा अघिल्लो वर्षको तुलनामा ५१.७ प्रतिशतले कम भई रु. २४ अर्ब ७१ करोड पुगेको थियो । चालु आर्थिक वर्षमा सरकारले विनियोजन गरेको रकम पूरै खर्च भएमा बजेट घाटा अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा १७०.६० प्रतिशतले वृद्धि हुने देखिन्छ ।
- २.५ सरकारको आय आर्थिक वर्ष २०६९/७० र २०७०/७१ मा क्रमश १५.९ र १८.७ प्रतिशतले वृद्धि भएको तर सरकारी खर्च भने ५.७ र २१.१४ प्रतिशतले वृद्धि भएकोले आ.व.०६९/०७० भन्दा आ.व.०७०/७१ मा वजेट घाटामा वृद्धि भएको छ ।
- २.६ आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा सरकारी खर्च कुल गार्हस्थ उत्पादनको करिव २१.२ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यसको अनुपात २२.५ प्रतिशतमा पुगेको छ । सरकारको आय आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा कुल गार्हस्थ उत्पादनको १९.७ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यस्तो अनुपातमा वृद्धि भई २०.५५ प्रतिशत पुगेको छ । सरकारको आय र व्यय बीचको अन्तर आर्थिक वर्ष

२०६८/६९ मा कुल गार्हस्थ उत्पादनको ३.३ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा खर्च वृद्धि न्यून रहेकोले यस्तो अन्तरको अनुपात १.५ प्रतिशतमा सीमित रहन गएको छ । आ.व.२०७०/७१ मा यस्तो अन्तरको अनुपात वृद्धि भइ २ प्रतिशत पुगेको छ । चालु आर्थिक वर्षका लागि सरकारले गरेको आय तथा खर्चको अनुमान अनुसार पुरै आम्दानी तथा खर्च भएको अवस्थामा सरकारको आय, खर्च र बजेट घाटा कुल गार्हस्थ उत्पादनको क्रमशः २४.२३, २९.०९ र ४.८६ प्रतिशत रहने देखिन्छ ।

सरकारी खर्च

२.७ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा नेपाल सरकारको कुल बजेट विनियोजन रु. ६ खर्ब १८ अर्ब १० करोड रहेको मध्ये ६४.५ प्रतिशत चालु खर्चमा, १८.९ प्रतिशत पुँजीगत खर्चमा, १६.६ प्रतिशत वित्तिय व्यवस्था अन्तर्गत ऋणको साँवा भुक्तानी र शेयर तथा ऋण लगानीमा खर्च गर्ने गरी विनियोजन गरिएको थियो । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा सरकारको यथार्थ खर्च रु. ४ खर्ब ३५ अर्ब ५ करोड रहेको थियो। जसमध्ये चालु खर्चमा ६९ प्रतिशत, पुँजीगत खर्चमा १५.२ प्रतिशत, ऋणको साँवा भुक्तानीमा ९.८ प्रतिशत र बाँकी रकम शेयर तथा ऋण लगानीमा खर्च भएको थियो । विगत वर्षहरूको सरकारी खर्चको प्रवृत्ति र यसको संरचनाको विश्लेषण गर्दा कुल खर्चमा चालु खर्चको अंश घटदै गएको देखिन्छ भने पुँजीगत खर्चको अंशमा वृद्धि देखिएता पनि उल्लेख्य वृद्धि भएको देखिदैन । आर्थिक वर्ष २०६६/६७ को कुल खर्चको ७२ प्रतिशतको हाराहारीमा रहेको चालु खर्च त्यसपछिका वर्षहरूमा क्रमशः कम हुदै चालु आर्थिक वर्षमा ६४.५ प्रतिशतमा सीमित हुने देखिन्छ । आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा आन्तरिक तथा वाह्य ऋणको साँवा भुक्तानीमा कुल खर्चको ६ प्रतिशत खर्च भएकोमा आर्थिक वर्ष २०६९/७० करिव १० प्रतिशत खर्च भएको देखिन्छ । आ.व.२०७०/७१ मा ११ प्रतिशत खर्च भएको छ । आन्तरिक ऋणको साँवा भुक्तानी अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा २५ प्रतिशतले वृद्धि भएकोले कुल खर्चमा यसको अंश वढ्न गएको हो । आ.व.२०६९/७० को तुलनामा आ.व.२०७०/७१ मा कुल खर्च २२

प्रतिशतले वृद्धि भएको छ भने चालु आ.व. मा २५.२ प्रतिशतले वृद्धि हुने देखिन्छ ।

२.८ आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा अघिल्लो आर्थिक वर्षको वास्तविक खर्चको तुलनामा चालु खर्च र पुँजीगत खर्चमा १६.४ र ८.६ प्रतिशतले वृद्धि भएको थियो । तर आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा यस्तो खर्चमा १.६ र ६.२ प्रतिशतले मात्र वृद्धि भएको छ भने शेयर लगानी २६.४ प्रतिशतले घटेको र ऋण लगानी ४ प्रतिशतले बढेको छ । चालु आर्थिक वर्षमा चालु र पुँजीगत खर्चको लागि विनियोजन गरीएको रकम अघिल्लो आर्थिक वर्षको वास्तविक खर्च भन्दा क्रमशः ४२.८ र ५५.९ प्रतिशतले वढी छ । त्यस्तै, आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा सरकारले आन्तरिक तथा वाह्य ऋणको साँवा फिर्ता गर्न गरेको खर्च रकममा क्रमशः २१६ र ४.९ प्रतिशतले वृद्धि भएकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा क्रमश २०.३ र १७.८ प्रतिशत भएको देखिन्छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा क्रमश २९.३८ र २१.२३ प्रतिशत हुने देखिन्छ ।

२.९ कुल खर्चमा नेपाल सरकारले सार्वजनिक संस्थान तथा विभिन्न आयोजनाहरूमा प्रवाह गरेको ऋणको अंश आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा ३.५ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ३.० प्रतिशत रहेको थियो । चालु आर्थिक वर्षमा आन्तरिक ऋण लगानीको लागि विनियोजन गरिएको रकम पुरै खर्च भएमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को वास्तविक ऋण लगानी भएको रकमको तुलनामा १६८.० प्रतिशतले बढेर रू. ३४ अर्ब ६८ करोड पुग्ने अनुमान छ । सरकारको आन्तरिक शेयर लगानी आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा २६.४ प्रतिशतले घटेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ५.७४ प्रतिशतले बढेर रू. ९ अर्ब ४१ करोड पुगेको छ । चालु आर्थिक वर्ष आन्तरिक शेयर लगानीको लागि विनियोजन गरिएको रकम अघिल्लो वर्षको वास्तविक शेयर लगानीभन्दा ४७.६ प्रतिशतले बढी हुने देखिन्छ ।

तालिका २ (ख) : सरकारी खर्चको विवरण

(रु. करोडमा)

| खर्च शिर्षक | २०६७/६८ | | २०६८/६९ | | २०६९/७० | | २०७०/७१ | | २०७१/७२* | |
|---------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|---------|
| | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| चालु खर्च | २१०१६.८ | ७१.२ | २४३४६.० | ७१.८ | २४७४५.५ | ६९.० | ३०३५३ | ६९.८२ | ३९८९५ | ६४.५ |
| पूँजीगत खर्च | ४७३२.८ | १६.० | ५१३९.१ | १५.२ | ५४५९.८ | १५.२ | ६६६९ | १५.९४ | ११६७५ | १८.९ |
| शेयर लगानी | ९९४.४ | ३.४ | १२०९.४ | ३.६ | ८९०.२ | २.५ | ९४५ | २.१६ | १३८९ | २.२५ |
| आन्तरिक ऋण लगानी | १०७०.४ | ३.६ | १२०६.४ | ३.६ | १२५५.२ | ३.५ | १३५१ | ३.० | ३४६८ | ५.६१ |
| आन्तरिक ऋणको साँवा फिर्ता | ६००.२ | २.०३ | ६६२.७ | २.० | २०९४.० | ५.८ | २५१५ | ५.८ | ३२५५ | ५.२४ |
| वैदेशिक ऋणको साँवा फिर्ता | ११२१.८ | ३.८० | १३५३.२ | ४.० | १४१९.० | ४.० | १६७२ | ३.८ | २०२८ | ३.१८ |
| जम्मा खर्च | २९५३६.३ | १०० | ३३९१६.७ | १००.० | ३५८६३.८ | १००.० | ४३५०५ | १०० | ६१७१० | १००.० |

*अनुमानित

स्रोत: महालेखा नियन्त्रकको कार्यालय ।

२.१० आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनाको कुल सरकारी खर्च अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा ३७.८ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. २ खर्ब २ अर्ब ४९ करोडमा पुगेको थियो । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनाको कुल खर्च आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को तुलनामा ४६.४० प्रतिशतले बढेर रु. २ खर्ब ९६ अर्ब ३० करोड पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनाको कुल खर्च मध्ये रु. २ खर्ब १३ अर्ब ९६ करोड चालु खर्चमा, रु. ३४ अर्ब ६९ करोड पूँजीगत खर्चमा, रु. ३५ अर्ब ७६ करोड वैदेशिक तथा आन्तरिक ऋणको साँवा भुक्तानीमा, रु. २ अर्ब ३९ करोड संस्थानहरूमा शेयर लगानीमा र रु. ९ अर्ब ५२ करोड ऋण लगानीमा खर्च भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनाको खर्चको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा सबै शीर्षकहरूमा खर्च उल्लेख्य वृद्धि भएको छ । गत वर्षको प्रथम आठ महिनाको खर्चको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षमा चालु खर्चमा २० प्रतिशत, पूँजीगत खर्चमा ७६.९० प्रतिशत, शेयर लगानीमा ३३ प्रतिशत, ऋण लगानीमा १८१ प्रतिशत र आन्तरिक ऋणको साँवा भुक्तानीमा १३०० प्रतिशतले वृद्धि भएको छ ।

पुँजीगत खर्चको सेवा तथा कार्यगत खर्चको स्थिति

२.११ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा विनियोजित पुँजीगत खर्च १ खर्ब १६ अर्ब ७५ करोडमध्ये आर्थिक मामिलामा सबै भन्दा बढी रू. ७३ अर्ब १७ करोड (६२.७ प्रतिशत) खर्च हुने अनुमान छ । आर्थिक वर्ष २०६७/६८ देखि २०७०/७१ सम्मको अवधिमा कुल पुँजीगत खर्चको दुई तिहाई रकम आर्थिक मामिलामा खर्च हुने गरेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रमा विनियोजन भएको रकम सोभन्दा केही सामान्य कम रहेको छ । पुँजीगत खर्चको दोश्रो ठूलो हिस्सा आवास तथा सामुदायिक सुविधामा खर्च हुने गरेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को पुँजीगत खर्चमा यसको हिस्सा १०.६ प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा १४.७२ प्रतिशत मात्र रहने अनुमान छ तापनि दोश्रो ठूलो हिस्सा यसैको छ । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा सामान्य सार्वजनिक सेवामा कुल पुँजीगत खर्चको ३.८ प्रतिशत खर्च भएकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यस्तो खर्चमा कमी भई रू. १ अर्ब ५१ करोड पुगेको छ । यो रकम कुल पुँजीगत खर्चको २.२६ प्रतिशत हो भने अधिल्लो वर्ष सामान्य सार्वजनिक सेवामा भएको पुँजीगत खर्चभन्दा २७.८ प्रतिशतले कम हो । चालु आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रमा विनियोजन गरिएको रकम अधिल्लो वर्षको वास्तविक खर्चभन्दा ४९० प्रतिशतले बढी छ ।

२.१२ सार्वजनिक शान्ति सुरक्षामा पुँजीगत खर्चको हिस्सा आर्थिक वर्ष २०६७/६८ मा करिब ३.१ प्रतिशत रहेकोमा त्यस पछिका वर्षरूमा क्रमशः बढ्दै गएको र आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ७.९ प्रतिशत पुगेको छ । चालु आर्थिक वर्षमा भने यस क्षेत्रमा कुल पुँजीगत खर्चको २.९ प्रतिशतले हुने रकम रू. ३ अर्ब १ करोड विनियोजन गरिएको छ । स्वास्थ्य सेवामा पुँजीगत खर्चको अंश विगत आर्थिक वर्षहरूमा ६.६ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा ५.४ प्रतिशत र आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ४.७२ प्रतिशत भएको छ । चालु आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रका लागि रू. ४ अर्ब ६७ करोड विनियोजन गरिएको छ जुन कुल पुँजीगत खर्चको ४ प्रतिशत र गत वर्षको खर्चभन्दा ४८ प्रतिशतले बढी छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा वातावरण संरक्षण, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा र मनोरञ्जन, सँस्कृति तथा धर्म जस्ता कार्यमा पुँजीगत खर्चको अंश १ प्रतिशत भन्दा कम रहेको देखिन्छ भने चालु आर्थिक वर्षमा पनि वातावरण संरक्षण वाहेक अन्य क्षेत्रमा कुल पुँजीगत खर्चको १ प्रतिशत भन्दा कम रकम विनियोजन गरिएको छ ।

तालिका २ (ग) : पुँजीगत खर्चको सेवा तथा कार्यगत विवरण

(रु. करोडमा)

| खर्च शिर्षक | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | आर्थिक वर्ष | |
|-----------------------------|---------------|--------------|---------------|--------------|---------------|--------------|----------------|--------------|-----------------|--------------|
| | २०६७/६८ | | २०६८/६९ | | २०६९/७० | | २०७०/७१ | | २०७१/७२* | |
| | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| सामान्य सार्वजनिक सेवा | १२०.५ | २.५ | १२५.४ | २.४ | ७२१.७ | ८.५ | १५१.८६ | २.२६ | ८९१.४२ | ७.६ |
| रक्षा | १४४.६ | ३.१ | १८७.८ | ३.७ | २२४.१ | २.६ | ५२६.३६ | ७.९ | ३०१.९५ | २.५८ |
| सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा | ३५४.८ | ७.५ | ३१९.० | ६.२ | ६१८.५ | ७.३ | ५११.४२ | ७.६६ | ५०१.६३ | ४.३ |
| आर्थिक मामिला | ३१४१.७ | ६६.४ | ३३८७.९ | ६५.९ | ५३४७.९ | ६२.८ | ४३४३.६२ | ६५.१२ | ७३१७.५५ | ६२.७ |
| वातावरण संरक्षण | ४६.० | १.० | ४५.२ | ०.९ | २३३.९ | २.७ | ४८ | ०.७ | ३६४.७१ | ३.१२ |
| आवास तथा सामुदायिक सुविधा | ५५८.३ | ११.८ | ६७८.४ | १३.२ | ७०५.० | ८.६ | ७०५.३० | १०.६ | १७१८.४१ | १४.७२ |
| स्वास्थ्य | ३१४.३ | ६.६ | ३३७.५ | ६.६ | ५३५.८ | ६.३ | ३१५.६४ | ४.७२ | ४६७.६४ | ४.०० |
| मनोरञ्जन, संस्कृति तथा धर्म | १४.३ | ०.३ | २०.२ | ०.४ | ४२.३ | ०.५ | ३०.५९ | .४५ | ५८.७८ | ०.५० |
| शिक्षा | १७.१ | ०.४ | १३.९ | ०.३ | २१.३ | ०.३ | १२.६४ | ०.१८ | १७.३९ | ०.१५ |
| सामाजिक सुरक्षा | २१.१ | ०.४ | २३.७ | ०.५ | ३३.५ | ०.४ | २३.६५ | ०.३५ | ३६.०२ | ०.३० |
| जम्मा | ४७३२.६ | १००.० | ५१३९.१ | १००.० | ५४५९.८ | १००.० | ६६६९.१७ | १००.० | ११६७५.५० | १००.० |

*अनुमानित

स्रोत: महालेखा नियन्त्रकको कार्यालय ।

२.१३ आर्थिक वर्ष २०६९/७० को पुँजीगत खर्चको तुलनामा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा रक्षामा सबै भन्दा बढी १३४ प्रतिशतले पुँजीगत खर्च वृद्धि भएको छ भने आर्थिक मामिला, स्वास्थ्य, मनोरञ्जन तथा संस्कृति, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा वाहेक अन्य क्षेत्रको पुँजीगत खर्चको वृद्धि ऋणात्मक रहेको छ । चालु आर्थिक वर्षमा भने रक्षा र सार्वजनिक शान्ती सुरक्षा बाहेक अन्य सबै क्षेत्रको पुँजीगत खर्च वृद्धि भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को वास्तविक पुँजीगत खर्चको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षमा वातावरण संरक्षणमा सबैभन्दा बढी ६५८ प्रतिशतले पुँजीगत खर्च वृद्धि भएको छ । त्यस्तै सामान्य सार्वजनिक सेवा, सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा, मनोरञ्जन, संस्कृति तथा धर्म, आर्थिक मामिला

सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य र शिक्षा जस्ता सेवाको पुँजीगत खर्च अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा क्रमशः ४९०, ९३, ६८.४८, ५६.५२ र ४८.२५ र ४१.६६ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ ।

- २.१४ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को सोही अवधिको तुलनामा पुँजीगत खर्चमा ७६.९ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ३४ अर्ब ६९ करोड खर्च भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा पुँजीगत खर्च अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा ४४.९ प्रतिशतले बढेर जम्मा रु. १९ अर्ब ६१ करोड खर्च भएको थियो ।

चालु खर्चको सेवा तथा कार्यगत खर्चको स्थिति

- २.१५ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को चालु खर्च रु. ३ खर्ब ९८ अर्ब ९५ करोड मध्ये सबै भन्दा बढी रु. १ खर्ब ३४ अर्ब ७७ करोड (३४.४ प्रतिशत) सामान्य सार्वजनिक सेवामा खर्च हुने अनुमान छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा पनि चालु खर्चमध्ये सामान्य सार्वजनिक सेवामा नै सबै भन्दा बढी रु. ८९ अर्ब ९७ करोड विनियोजन गरिएकोमा रु. ६२ अर्ब ६८ करोड खर्च भएको थियो । जुन दोश्रो बढि खर्च भएको क्षेत्र हो र यस आ.व. २०७०/७१ मा शिक्षा क्षेत्रमा सबैभन्दा बढि ७७ अर्ब ७० करोड (वास्तविक चालु खर्चको २५.६० प्रतिशत) खर्च भएको छ । चालु आर्थिक वर्षमा भने शिक्षा सेवाका लागि चालु खर्चको २१.५ प्रतिशत अर्थात रु. ८५ अर्ब ८६ करोड छुट्याइएको छ जुन गत वर्षको वास्तविक खर्चभन्दा करिब १० प्रतिशतले बढी छ । स्वास्थ्य सेवामा अघिल्ला आर्थिक वर्षहरूमा चालु खर्चको लगभग ८ प्रतिशत खर्च हुने गरेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ७.७ प्रतिशत खर्च भएको छ । चालु आर्थिक वर्षमा स्वास्थ्य सेवामा चालु खर्चको ८.३ प्रतिशतले हुने रकम विनियोजन गरिएको छ तापनि गत वर्षको खर्च भन्दा करिब ४१ प्रतिशतले बढी छ । चालु आर्थिक वर्षमा कुल चालु खर्चको १ प्रतिशत भन्दा कम रकम विनियोजन गरिएको क्षेत्रहरूमा वातावरण संरक्षण र मनोरञ्जन, संस्कृति तथा धर्म अवास तथा सामुदायिक सुविधा रहेका छन् । विगत आर्थिक वर्षहरूमा पनि यी क्षेत्रहरूमा खर्च भएको रकम चालु खर्चको १ प्रतिशत भन्दा कम थियो । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा चालु खर्चको ७.५ प्रतिशत रक्षामा खर्च भएकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा वृद्धि भई ८.५ प्रतिशत पुगेको छ । चालु आर्थिक वर्षका लागि रक्षामा विनियोजन

गरिएको रकम चालु खर्चको ६.४७ प्रतिशत छ जुन गत वर्षको खर्चको तुलनामा लगभग समान छ ।

तालिका २ (घ) : चालु खर्चको सेवा तथा कार्यगत विवरण

(रु. करोडमा)

| खर्च शिर्षक | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | |
|-----------------------------|----------------|--------------|----------------|--------------|----------------|--------------|--------------|--------------|--------------|--------------|
| | २०६७/६८ | | २०६८/६९ | | २०६९/७० | | २०७०/७१ | | २०७१/७२* | |
| | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| सामान्य सार्वजनिक सेवा | ४६२६.७ | २२.० | ५४५५.० | २२.४ | ८९९७.३ | २५.५ | ६२६८ | २०.६ | १३७७७ | ३४.५ |
| रक्षा | १७५४.७ | ८.३ | २०७८.० | ८.५ | २५३०.२ | ७.२ | २५७८ | ८.५ | २५८९ | ६.४७ |
| सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा | २५५८.९ | १२.२ | ३६०७.५ | १४.८ | ३८५२.६ | १०.९ | ३९८५ | १३.१३ | २९४५ | ६.६३ |
| आर्थिक मामिला | ३४६५.२ | १६.५ | ३४७३.७ | १४.३ | ६१९७.८ | १७.५ | ५०६८ | १६.७ | ६०५९ | १५.१८ |
| वातावरण संरक्षण | ६३.७ | ०.३ | ४६.५ | ०.२ | ३३०.६ | ०.९ | १५२ | ०.५ | ३८२.५५ | ०.९ |
| आवास तथा सामुदायिक सुविधा | २८९.८ | १.४ | ३२३.४ | १.३ | ८६१.७ | २.४ | ६०४.६ | २.० | ३२२.१८ | ०.८ |
| स्वास्थ्य | १६७३.२ | ८.० | १९४९.५ | ८.० | २८३४.२ | ८.० | २३३६ | ७.७ | ३३०९ | ८.३ |
| मनोरन्जन, संस्कृति तथा धर्म | १२७.९ | ०.६ | १८६.४ | ०.८ | २८६.२ | ०.८ | ३६०.६४ | ०.१२ | ३३९.३८ | ०.८ |
| शिक्षा | ५४८१.६ | २६.१ | ६१९१.४ | २५.४ | ८०७४.५ | २२.८ | ७७७० | २५.६० | ८५८६ | २१.५ |
| सामाजिक सुरक्षा | ९७४.९ | ४.६ | १०३४.५ | ४.२ | १३७६.७ | ३.९ | १२३० | ४.० | १५९२ | ४.० |
| जम्मा | २१०१६.६ | १००.० | २४३४६.० | १००.० | २४७४५.५ | १००.० | ३०३५३ | १००.० | ३९८९५ | १००.० |

* अनुमानित

स्रोत: महालेखा नियन्त्रकको कार्यालय ।

२.१६ सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा, आर्थिक मामला र सामाजिक सुरक्षा सेवाका क्षेत्रहरूमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा चालु खर्चको अंश क्रमशः १३.१३, १६.७ र ४.० प्रतिशत रहको छ । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा, आर्थिक मामला र सामाजिक सुरक्षा सेवाका क्षेत्रहरूमा विनियोजन गरिएको रकम चालु खर्चको क्रमशः ६.६३, १५.१८ र ४.० प्रतिशत रहेको छ । चालु आर्थिक वर्षमा आर्थिक मामिला तथा सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा क्षेत्रमा गत

वर्षको तुलनामा चालु खर्चको अंश वढेको छ तर सामाजिक सुरक्षा सेवाको अंश गत आ.व.को हाराहारीमा छ ।

- २.१७ चालु आर्थिक वर्षमा वातावरण संरक्षणमा १०० प्रतिशतले र सामान्य सार्वजनिक सेवामा ११९ प्रतिशतले चालु खर्चमा वृद्धि हुने अनुमान छ । त्यस्तै, आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को तुलनामा चालु आर्थिक वर्षमा सार्वजनिक शान्ति सुरक्षामा २६ प्रतिशतले खर्च कम हुने (विनियोजनको आधारमा) र शिक्षा क्षेत्रमा गत आ.व.को खर्च २५.६० प्रतिशत रहेकोमा चालु आ.व.मा २१.५ प्रतिशत विनियोजन गरिएको छ ।
- २.१८ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा चालु खर्च रु. १ खर्ब ७७ अर्ब ३० करोड खर्च भएकोमा आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को सोही अवधिमा यस्तो खर्चमा गत आर्थिक वर्षको तुलनामा २०.६८ प्रतिशतले वढेर जम्मा रु. २ खर्ब १३ अर्ब ९६ करोड पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा सोही अवधिमा चालु खर्च ३४.७ प्रतिशतले वृद्धि भएको थियो ।

सरकारी आय

- २.१९ चालु आर्थिक वर्षमा सरकारको आयमा २९.९ प्रतिशतले वृद्धि भई ५ खर्ब १४ अर्ब ८२ करोड पुग्ने अनुमान छ। आर्थिक वर्ष २०६९/७० को तुलनामा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा सरकारको आय १९ मा प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ३ खर्ब ९६ अर्ब ३१ करोड पुगेको थियो । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को सरकारी आयको स्रोत अनुसारको अनुमान र आर्थिक वर्ष २०६७/६८ देखि २०७०/७१ सम्मको वास्तविक आयको विवरण तालिका २(ड) मा प्रस्तुत गरिएको छ । राजस्व र वैदेशिक अनुदान सरकारका आम्दानीका प्रमुख स्रोतका रूपमा रहेका छन् । आर्थिक वर्ष २०६९/७० कुल आयमा राजस्व र वैदेशिक अनुदानको योगदान क्रमशः ८८.७ र १०.६ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ८९.८३ र ८.५५ प्रतिशत रहेको छ । चालु आर्थिक वर्षमा सरकारको आयमा वैदेशिक अनुदानको योगदान वढेर १४.२२ प्रतिशत र राजस्वको योगदान घटेर ८२ प्रतिशत हुने अनुमान छ । आर्थिक वर्ष २०६६/६७ देखि २०७०/७१ सम्म राजस्व औषत वार्षिक २० प्रतिशत वृद्धिले वढेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा १८.६ प्रतिशतले मात्र बढ्ने अनुमान छ ।

तालिका २ (ड) : सरकारी आयको विवरण

(रु. करोडमा)

| आयको शिर्षक | २०६७/६८ | | २०६८/६९ | | २०६९/७० | | २०७०/७१ | | २०७१/७२* | |
|-------------------|-----------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|-------|----------|-------|
| | कर राजस्व | १७७१९.७ | ७२.१ | २११७२.३ | ७३.५ | २५९२१.५ | ७७.६ | ३१२४४ | ७८.७ | ३७४७० |
| गैह्रकर राजस्व | २११४.८ | ८.६ | ३२६५.२ | ११.३ | ३६८०.६ | ११.० | ४४१८ | ११.१३ | ४८१९ | ९.३४ |
| कुल राजस्व | १९८३४.६ | ८०.७ | २४४३७.४ | ८४.९ | २९६०२.१ | ८८.७ | ३५६६२ | ८९.८३ | ४२२९० | ८१.९८ |
| वैदेशिक अनुदान | ४५९२.२ | १८.७ | ४०८१.० | १४.२ | ३५२२.९ | १०.६ | ३३९६ | ८.५५ | ७३३८ | १४.२२ |
| ऋणको साँवा फिर्ता | १४४.३ | ०.६ | १८.७ | ०.१ | ७५.५ | ०.२ | ५७ | ०.१४ | १०० | ०.१९ |
| बेरुजु असुली | - | - | २६१.२ | ०.९ | १९२.१ | ०.६ | ५७३ | १.४४ | १८५३ | ३.६ |
| जम्मा आय | २४५७१.१ | १००.०० | २८७९८.४ | १००.०० | ३३३९२.७ | १००.०० | ३९६८८ | १००.० | ५१४८२ | १००.० |

* अनुमानित

स्रोत: महालेखा नियन्त्रकको कार्यालय ।

२.२० आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा अनुदान रु. ३३ अर्ब ९६ करोड मात्र प्राप्त भएको छ । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा वैदेशिक अनुदान अघिल्लो वर्षको तुलनामा १३.७ प्रतिशतले कम प्राप्त भएकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यस्तो अनुदान ३.६ प्रतिशतले घटेर प्राप्त भएको छ । चालु आर्थिक वर्षमा अनुदान आयमा ११६ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ७३ अर्ब ३८ करोड पुग्ने अनुमान छ । आर्थिक वर्ष २०६७/६८ देखि २०७०/७१ सम्म साँवा फिर्तावाट सरकारले प्राप्त गर्ने आय ०.५ प्रतिशत भन्दा पनि कम रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा साँवा फिर्ता वापत प्राप्त रकम कुल आयको ०.१९ प्रतिशत अर्थात १ अर्ब मात्र अनुमान गरिएको छ ।

२.२१ सरकारको आयका स्रोतहरूमध्ये आर्थिक वर्ष २०६७/६८ देखि २०७०/७१ सम्मको अवधिमा कर राजस्व प्रत्येक वर्ष औसत २२ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ । चालु आर्थिक वर्षमा कर राजस्व रु. ३ खर्व ७४ अर्ब ७० करोड संकलन हुने अनुमान छ । यो अनुमानित कर राजस्व लक्ष्य अनुसार संकलन भए पनि यसको वृद्धिदर विगत चार वर्षको औषत वृद्धिदर भन्दा कम (१९.९ प्रतिशत) रहने

देखिन्छ । गैहकर राजस्वमा आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा ५४.४ प्रतिशतले वृद्धि भएकोमा आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा यस्तो आयमा १२.७ प्रतिशतले मात्र र आ.व.०७०/७१ मा २० प्रतिशतले वृद्धि भएको छ । चालु आर्थिक वर्षमा गैहकर राजस्वमा ९.० प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ४८ अर्ब १९ करोड संकलन हुने अनुमान छ ।

२.२२ आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा सरकारको आयले कुल खर्चको ८८.७ प्रतिशत धानेको थियो भने आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ८९.८३ प्रतिशत खर्च धानेको छ । चालु आर्थिक वर्षमा सरकारी आयले ८९.९२ प्रतिशत खर्च धान्ने अनुमान छ । सरकारी खर्चको पूर्ति गर्ने स्रोतको विश्लेषण गर्दा राजस्वको योगदान आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा ८८.७ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा वढेर ८९.८३ प्रतिशत पुगेको देखिन्छ । त्यस्तै, वैदेशिक अनुदानको योगदान आर्थिक वर्ष २०६७/६८ मा १५.६ प्रतिशत रहेकोमा त्यस पछिका वर्षरूमा घटने क्रम सुरु भई आर्थिक वर्ष २०७१/७२ सम्म आइपुग्दा ९.८३ प्रतिशतमा सीमित भएको देखिन्छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को सरकारको कुल खर्च रु. ४ खर्ब ३५ अर्ब ५ करोड मध्ये ८६.०६ प्रतिशत राजश्व र आन्तरिक ऋण, ९.८० प्रतिशत वैदेशिक अनुदान, ४.१४ बाह्य ऋणबाट पूर्ति गरिएको थियो । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को कुल खर्चमा राजस्व र आन्तरिक ऋण ८० प्रतिशत, वैदेशिक अनुदानको ११.९ प्रतिशत तथा बाह्य ऋणको ८.१ प्रतिशत योगदान रहने अनुमान छ ।

राजस्व परिचालन

२.२३ आर्थिक वर्ष २०६९/७० को तुलनामा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा राजस्व परिचालन २०.५ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ३ खर्ब ५६ अर्ब ६२ करोड पुगेको थियो । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा राजस्व सङ्कलन १८.६ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ४ खर्ब २२ अर्ब ९० करोड पुग्ने अनुमान छ । आर्थिक वर्ष २०६७/६८ मा कुल राजस्वमा कर राजस्वको योगदान ८९.३४ प्रतिशत रहेकोमा त्यस पछिका आर्थिक वर्षहरूमा यसको योगदान क्रमशः कम भई आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ८७.६ प्रतिशतमा झरेको छ। चालु आर्थिक वर्षमा कुल राजस्वमा यसको योगदान ८८.६० प्रतिशत पुग्ने अनुमान छ । कुल

राजस्वमा कर राजस्वको योगदान घटेकोले गैहकर राजस्वको योगदानमा केही वृद्धि भएको देखिन्छ । चालु आर्थिक वर्षमा कुल राजस्वमा गैहकर राजस्वको योगदान अघिल्लो आर्थिक वर्षमा १२.४ प्रतिशत रहेकोमा घटेर ११.४ प्रतिशतमा सीमित हुने देखिन्छ ।

२.२४ आर्थिक वर्ष २०६९/७० को तुलनामा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा कर राजस्व २०.५४ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ३ खर्ब १२ अर्ब ४४ करोड पुगेको थियो । चालु वर्षमा अघिल्लो वर्षको तुलनामा कर राजस्वमा १९.९३ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ३ खर्ब ७४ अर्ब ७० करोड पुग्ने अनुमान छ । आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा कर राजस्वमा वस्तु तथा सेवामा आधारित करको योगदान ५२.२ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यसको योगदान ५०.४५ प्रतिशतमा झरेको छ । वस्तु तथा सेवामा आधारित कर रकमको करिव दुई तिहाई मूल्य अभिवृद्धि करबाट प्राप्त हुने गरेको छ । चालु आर्थिक वर्षमा अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा वस्तु तथा सेवामा आधारित कर २१.७५ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. १ खर्ब ९२ अर्ब २ करोड पुग्ने अनुमान छ । यो रकम चालु आर्थिक वर्षमा संकलन गरिने कुल राजस्वको लक्ष्यको ५१.२५ प्रतिशत हुन आउछ जुन अघिल्लो वर्षको भन्दा करिव ०.७७ प्रतिशतले वढी छ ।

२.२५ आय, मुनाफा तथा पुँजीगत लाभमा लाग्ने करको कुल राजस्वमा योगदान आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा २१ प्रतिशत रहेको थियो भने आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा २४.२ प्रतिशत पुगेको छ । उक्त अवधिमा आय, मुनाफा तथा पुँजीगत लाभमा लाग्ने करमा १७.८ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ७५ अर्ब ६१ करोड पुगेको छ । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा यस्तो कर रकम २०.४ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ९१ अर्ब १ करोड पुग्ने अनुमान छ । आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा आय, मुनाफा तथा पुँजीगत लाभमा लाग्ने कर कुल कर राजस्वको २४.२ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यसको योगदान २४.२ प्रतिशत नै रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा आय, मुनाफा तथा पुँजीगत लाभमा लाग्ने करको आयमा निकायको आयमा लाग्ने करको योगदान सबै भन्दा वढी ६०

प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा यसको योगदान घटेर ५६ प्रतिशत पुग्ने र रू. ५० अर्ब ९० करोड सकलन हुने अनुमान छ ।

२.२६ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा गैह्रकर राजस्व अघिल्लो वर्षको तुलनामा २० प्रतिशतले वृद्धि भई रू. ४४ अर्ब १७ करोड पुगेको थियो । चालु आर्थिक वर्षमा यस्तो राजस्व ९.१० प्रतिशतले वृद्धि भई रू. ४८ अर्ब १९ करोड पुग्ने अनुमान छ । गैह्रकर राजस्वमा सम्पत्तिवाट प्राप्त आयको योगदान सबै भन्दा बढी रहेको छ तापनि यसको योगदान क्रमशः कम र वस्तु तथा सेवाको विक्रीवाट प्राप्त हुने आयमा वृद्धि हुदै गएको देखिन्छ । आर्थिक वर्ष २०६७/६८ मा गैह्रकर राजस्वमा सम्पत्तिवाट प्राप्त आयको योगदान ६१.३० प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्म आई पुग्दा ४६.८० प्रतिशतमा सीमित हुन पुगेको छ भने वस्तु तथा सेवाको विक्रीवाट हुने आयको हिस्सा आर्थिक वर्ष २०६७/६८ मा ११.५४ प्रतिशत रहेकोमा वढेर आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ३१.६२ प्रतिशत पुगेको छ । चालु आर्थिक वर्षमा सम्पत्तिवाट प्राप्त आय केहि वृद्धि भइ ४७.८ प्रतिशत जम्मा रू. २३ अर्ब ४ करोड र वस्तु तथा सेवाको विक्रीवाट प्राप्त हुने रकम ३०.५४ प्रतिशत भइ रू. १४ अर्ब १७ करोड पुग्ने अनुमान छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा सम्पत्तिवाट प्राप्त आयमा लाभाशं र भाडा तथा रोयल्टीको हिस्सा क्रमशः ६२.८४ र २९.१२ प्रतिशत रहेको थियो भने चालु आर्थिक वर्षमा ६१.५० र ३५.५ प्रतिशत रहने अनुमान छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा सम्पत्तिवाट प्राप्त आयमा १७.४४ प्रतिशत, वस्तु तथा सेवाको विक्रीवाट प्राप्त रकम ३.६ प्रतिशत, दण्ड जरिवाना र जफतबाट प्राप्त रकममा ३६.३६ प्रतिशत र विविध राजस्व ५० प्रतिशतले वृद्धि भएकोमा चालु आ.व.मा. प्राप्त आय र वस्तु तथा सेवा विक्रीवाट आय क्रमशः २.२, ११.४६, र २६.४६ प्रतिशतले वृद्धि हुने र दण्ड जरिवाना ड्राफ्ट र विविध आय क्रमशः २.२ र १२.५ प्रतिशतले घट्ने अनुमान छ ।

तालिका २ (च) : राजस्व आम्दानीको विवरण

(रु. करोडमा)

| राजस्वका शिर्षक | २०६७/६८ | | २०६८/६९ | | २०६९/७० | | २०७०/७१ | | २०७१/७२* | |
|--|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|---------|----------|---------|
| | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| आय, मुनाफा तथा पूंजीगत लाभमा लाग्ने कर | ४१३५.० | २०.८ | ५१३०.३ | २१.० | ६४१८.७ | २१.७ | ७५६१.३६ | २१.२० | ९१०१.८३ | २१.५२ |
| पारिश्रमिकमा आधारित कर | ७१.० | ०.४ | १५५.५ | ०.६ | १८८.१ | ०.६ | २४४.९९ | ०.६८ | २९९.९१ | ०.७ |
| सम्पत्ति कर | ३५७.२ | १.८ | ३५८.८ | १.५ | ५३४.० | १.८ | ६६६.११ | १.८७ | ५४२.२५ | १.२८ |
| वस्तु तथा सेवामा आधारित कर | ९४७९.३ | ४७.८ | ११०५६.१ | ४५.२ | १२९२७.० | ४३.७ | १५७७१.८४ | ४४.२२ | १९२०२.८२ | ४५.४० |
| वैदेशिक व्यापारमा आधारित कर | ३५७१.४ | १८.० | ४३३९.१ | १७.८ | ५६९३.२ | १९.२ | ६७९८ | १९.० | ८०६६.९३ | १९.७ |
| अन्य कर | १०८.८ | ०.५ | १३२.४ | ०.५ | १६०.५ | ०.५ | २००.७७ | ०.५६ | २५६.८७ | ०.६० |
| कुल कर राजस्व | १७७२२.७ | ८९.३ | २११७२.३ | ८६.६ | २५९२१.५ | ८७.६ | ३१२४४.३१ | ८७.६० | ३७४७०.६० | ८८.६० |
| सम्पत्तिबाट प्राप्त आय | १२९६.४ | ६.५ | १७६५.३ | ७.२ | १७६०.८ | ५.९ | २०६७.५२ | ५.८ | २३०४.९५ | ५.४८ |
| वस्तु तथासेवा विक्रीबाट प्राप्त रकम | २४४.८ | १.२ | ६९१.३ | २.८ | ११२४.७ | ३.८ | ११६४.५३ | ३.२६ | १४७२.३४ | ३.५ |
| दण्ड जरिवाना र जफत | १३.४ | ०.१ | ३१.६ | ०.१ | ३३.८ | ०.१ | ४५.२२ | ०.१२ | ४४.३४ | ०.१० |
| अनुदान बाहेक स्वैच्छिक हस्तान्तरण | ०.२ | ०.० | ०.१ | ०.० | ०.५ | ०.० | ०.२४ | ०.० | ०.२ | ०.० |
| विविध राजस्व | ५६०.१ | २.८ | ७७६.९ | ३.२ | ७६०.७ | २.६ | ११४० | ३.१९ | ९९७.५३ | ११.४ |
| कुल गैहकर राजस्व | २११४.९ | १०.७ | ३२६५.१ | १३.४ | ३६८०.६ | १२.४ | ४४१७.९५ | १२.४ | ४८१९.४० | ११.४ |
| कुल राजस्व | १९८३७.५ | १००.० | २४४३७.४ | १००.० | २९६०२.० | १००.० | ३५६६२.३ | १००.० | ४२२९० | १००.० |

* अनुमानित

स्रोत: महालेखा नियन्त्रकको कार्यालय ।

२.२७ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा कुल राजस्व अघिल्लो आर्थिक वर्षको सोही अवधिको तुलनामा ७.३ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. १ खर्ब ९१ अर्ब ७१ करोड पुगेको थियो । चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा कुल राजस्व ५.५ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. २ खर्ब २ अर्ब १९ करोड संकलन भएको छ । यस चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनाको अवधिमा संकलित कुल राजस्वमा कर राजस्वको अंश ९१.५७ प्रतिशत र गैह्रकर राजस्वको अंश ८.४३ प्रतिशत छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनाको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षमा कर राजस्व ८.७ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ भने गैह्रकर राजस्व संकलन २०.२३ प्रतिशतले घटेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा अघिल्लो वर्षको तुलनामा कर राजस्वमा ८.८ प्रतिशतले वृद्धि भएको र गैह्रकर राजस्वमा ३.४ प्रतिशतले घटेको थियो ।

वैदेशिक अनुदान

२.२८ आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा रु. ४० अर्ब ८१ करोड वैदेशिक अनुदान प्राप्त भएकोमा आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा रु. ३५ अर्ब २२ करोड मात्र प्राप्त भएको र आ.व.०७०/७१मा ३३ अर्ब ९६ करोड प्राप्त भएको छ। आर्थिक वर्ष २०६७/६८ मा अनुदान आयमा अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा १९.४ प्रतिशतले वृद्धि भएकोमा आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा ११.३ प्रतिशतले कमी आएको थियो । अनुदान आय घटने क्रम आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा पनि कायम रहेको छ यस वर्ष अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा १३.७ प्रतिशतले घटेको छ । तर चालु आर्थिक वर्षमा यस्तो रकममा ११६ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ७३ अर्ब ३८ करोड पुग्ने अनुमान छ । सरकारलाई प्राप्त हुने कुल अनुदान आयमा आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा दुईपक्षीय अनुदानको अंश ७०.६ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा यसको अंश ६६.५ प्रतिशतमा झरेको र आ.व.०७०/७१ मा ७६.५१ प्रतिशत पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा प्राप्त दुईपक्षीय अनुदानको रकम अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा १८.७ प्रतिशतले घटी भई रु. २६ अर्ब पुगेको थियो भने आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यस्तो अनुदान रकम ११.६५ प्रतिशतले वृद्धि भई २६ अर्ब १६ करोड पुगेको छ । बहुपक्षीय अनुदानको रकम भने आ.व.०६९/७० मा अघिल्लो वर्षको तुलनामा १.५ प्रतिशतले घटेको र आ.व. २०७०/७१ मा ३६ प्रतिशतले बढेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनाको अवधिमा वैदेशिक अनुदान रु. १७ अर्ब ११ करोड प्राप्त भएकोमा

चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा रू. १४ अर्ब ३० करोड प्राप्त भएको छ । यो रकम गत वर्षको सोही अवधिमा प्राप्त रकम भन्दा १६.४० प्रतिशतले कम हो ।

बजेट घाटा र न्यून वित्त परिचालन

२.२९ राजस्व तथा वैदेशिक अनुदान लगायतका सरकारलाई प्राप्त हुने अन्य रकम समेतको आय सरकारको खर्चको तुलनामा कम भएको अवस्था नै बजेट घाटा वा न्यून वित्तको अवस्था भन्ने गरिन्छ । नेपाल सरकारको आय भन्दा खर्च वढी भएकाले नेपालले लामो समयदेखि बजेट घाटा वा न्यून वित्त परिचालन गर्दै आएको छ । यस्तो अवस्थामा सरकारले आफूलाई खर्चको लागि आवश्यक पर्ने नपुग रकम नगद मौज्जातमा परिवर्तन गरेर वा आन्तरिक वा अन्य विदेशी मुलुक एवं दातृ निकायहरूबाट ऋण प्राप्त गरी वा यी मध्ये कुनै उपाय अपनाई खर्चको लागि नपुग रकम जुटाउने गर्दछ । नेपाल सरकारलाई प्राप्त हुने राजस्व, अनुदान र साँवा फिर्ताको रकमबाट सरकारले आफ्नो खर्च धान्न सक्ने अवस्था नभएकाले वाह्य तथा आन्तरिक ऋण उठाउने विभिन्न उपकरणहरूको उपयोग गरी खर्चको लागि आवश्यक रकम जुटाउदै आएको छ । तालिका नं. २ (छ) मा आर्थिक वर्ष २०६७/६८ देखि २०७१/७२ सम्मको नेपाल सरकारको न्यून वित्तको स्थिति र त्यसको पूर्ति गर्ने स्रोतको विवरण प्रस्तुत गरिएको छ।

तालिका २ (छ) : बजेट घाटा र घाटा पूर्तिको विवरण

(रू. करोडमा)

| विवरण | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
|--------------------------|---------|---------|---------|---------|----------|
| बजेट घाटा | ४९६२.० | ५११८.४ | २४७१.० | ३८१५ | १०३२८ |
| वजेट घाटा पूर्तिको स्रोत | | | | | |
| वैदेशिक ऋण | १२०७.६ | ११०८.३ | ११९६.९ | २११३ | ४९५२ |
| आन्तरिक ऋण | ४२५१.६ | ३६४१.९ | १९०४.३ | १९९८ | ५२७५ |
| मौज्जात परिवर्तन (-) | | | | | |
| बचत (+) | ४९७.१ | -३६८.२ | ६३०.२ | १९२ | |

* अनुमानित

स्रोत: महालेखा नियन्त्रकको कार्यालय ।

- २.३० आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा सरकारी बजेट घाटा ३.२ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ५१ अर्ब १८ करोड पुगेको तथा आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा पनि अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा बजेट घाटा ५१.७ प्रतिशतले घटेर रु. २४ अर्ब ७१ करोडमा पुगेको थियो । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यस्तो घाटा अघिल्लो आ.व.को तुलनामा ५४.३९ प्रतिशतले बढेर रु. ३८ अर्ब १५ करोडमा पुगेको थियो । चालु आर्थिक वर्षमा विनियोजन गरिएको रकम पुरै खर्च भएको अवस्थामा बजेट घाटा गत आर्थिक वर्षको तुलनामा १७०.७ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. १ खर्ब ३ अर्ब २८ करोड पुग्ने देखिन्छ । आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा न्यून वित्त कुल गार्हस्थ उत्पादनको ३.४ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा १.५ प्रतिशतमा झरेको र आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा २.० प्रतिशत रहेको छ भने चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा वृद्धि भई ४.८६ प्रतिशत पुग्ने अनुमान छ ।
- २.३१ नेपाल सरकारले बजेट घाटा आन्तरिक तथा वाह्य ऋणको परिचालन गरी पूर्ति गर्दै आएको छ । यसरी उठाएको ऋणबाट पनि खर्च रकम जुटन नसकेको अवस्थामा नपुग रकम नगद मौज्जातबाट पुरा गर्ने गरिएको छ । आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा कुल बजेट घाटा रु. ५१ अर्ब १८ करोड रहेकोमा सरकारले वैदेशिक ऋणबाट रु. ११ अर्ब ८ करोड, आन्तरिक ऋणबाट रु. ३६ अर्ब ४१ करोड र नपुग रकम रु. ३ अर्ब ६८ करोड नगद मौज्जात परिवर्तनबाट व्यहोरेको थियो । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा रु. २४ अर्ब ७१ करोड बजेट घाटा रहेको भएता पनि सरकारले वैदेशिक तथा आन्तरिक ऋणबाट रु. ३१ अर्ब १ करोड परिचालन गरेको थियो । आ.व.२०७०/७१ मा वैदेशिक तथा आन्तरिक ऋणबाट रु.४१ अर्ब ११ करोड परिचालन गरिएको थियो । आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा वैदेशिक तथा आन्तरिक ऋण परिचालन क्रमशः ८.२ र १४.३ प्रतिशतले घटेकोमा आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा वैदेशिक ऋण परिचालन ८ प्रतिशतले वढेको छ भने आन्तरिक ऋण परिचालन क्रमशः ७६.७ र ४.९४ प्रतिशतले बढेको छ । चालु आर्थिक वर्षको बजेट घाटा पूर्ति गर्न वैदेशिक ऋण रु. ४९ अर्ब ५२ करोड र आन्तरिक ऋण रु. ५२ अर्ब ७५ करोड उठाउने लक्ष्य छ । यो रकम आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा उठाएको कुल ऋण रकमभन्दा १४८.५ प्रतिशत, वैदेशिक ऋण भन्दा १३४.३५ प्रतिशत र आन्तरिक ऋण भन्दा १६४ प्रतिशतले बढी छ ।

२.३२ सरकारले वैदेशिक स्रोतवाट प्राप्त गर्ने ऋणको परिमाणमा हालका वर्षहरूमा खासै वृद्धि नभएतापनि आन्तरिक स्रोतवाट प्राप्त हुने ऋणको परिमाणमा वृद्धि हुँदै गएको छ । आर्थिक वर्ष २०६८/६९ सम्म सरकारले प्रत्येक वर्ष बजेट परिचालन गरेको ऋणमा वैदेशिक स्रोतवाट प्राप्त रकम २५ प्रतिशतको हाराहारीमा रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा यस्तो स्रोतबाट ३८.६ प्रतिशत पुर्ति गरिएको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा वैदेशिक ऋण रु. १३ अर्ब ४५ करोड प्राप्त भएको छ । चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा रु. १४ अर्ब २१ करोड प्राप्त भएको छ । चालु आर्थिक वर्षमा पनि बजेट घाटा पूर्ति गर्न उठाइने ऋणमा वैदेशिक ऋणको योगदान वृद्धि भई करिव ५० प्रतिशत पुग्ने अनुमान छ ।

कुल सार्वजनिक ऋण र भुक्तानी

२.३३ आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा नेपालको वाह्य तथा आन्तरिक रूपमा लिएको तिर्न बाँकी ऋण रु. ५ खर्ब ४५ अर्ब ३१ करोड रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यस्तो रकम १.५ प्रतिशतले वढेर रु. ५ खर्ब ५३ अर्ब ५० करोड पुगेको थियो । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा कुल तिर्न बाँकी ऋण दायित्व अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा ४.२ प्रतिशतले वृद्धि भएको थियो । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा कुल तिर्न बाँकी ऋणमा वैदेशिक ऋणको अंश ६१.१ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ६२.७ प्रतिशत पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनाको अन्त्यमा सरकारले तिर्न बाँकी सार्वजनिक ऋण रु. ५ खर्ब १९ अर्ब ५० करोड रहेको छ । जुन २०७१ असार मसान्तको तुलनामा ६.१ प्रतिशतले घटी हो । यस अवधिमा तिर्न बाँकी रहेको कुल ऋणमा वैदेशिक ऋणको अंश ६३ प्रतिशत छ ।

२.३४ आर्थिक वर्ष २०६९/७० को अन्तमा तिर्न बाँकी वैदेशिक ऋणमा ७.८ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ३ खर्ब ३३ अर्ब ४४ करोड पुगेको थियो । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यस्तो तिर्न बाँकी वैदेशिक ऋण ४.१ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ३ खर्ब ४६ अर्ब ८१ करोड पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनाको अन्त्यमा सरकारले तिर्न बाँकी वैदेशिक ऋण रु. ३ खर्ब २७ अर्ब ११ करोड रहेको छ । जुन २०७० असार मसान्तको तुलनामा ५.७ प्रतिशतले घटी हो ।

तालिका २ (ज) : भुक्तानी गर्न बाँकी सार्वजनिक ऋण र साँवा फिर्ता र ब्याज खर्च

(रु. करोडमा)

| विवरण | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ |
|---|---------|---------|---------|----------|----------|
| भुक्तानी गर्न बाँकी ऋणको विवरण | | | | | |
| आन्तरिक ऋण | १४८०५.९ | १८४१९.९ | २१३९२.१ | २११८७.३० | २०६६८.९० |
| वैदेशिक ऋण | २५६२४.३ | २५९५०.१ | ३०९२८.७ | ३३३४४.२ | ३४६८१.९० |
| कुल ऋण | ४०४३०.३ | ४४३७०.० | ५२३२०.८ | ५४५३१.५० | ५५३५०.८० |
| साँवा फिर्ता खर्चको विवरण | | | | | |
| आन्तरिक ऋण | ७६८.९ | ६००.२ | ६६२.६८ | २०९४.० | २५१५.२४ |
| वैदेशिक ऋण | १०७४.३ | ११२१.८ | १३५३.२ | १४१९.० | १६७२.४६ |
| जम्मा साँवा फिर्ता खर्च | १८४३.२ | १७२२.१ | २०१५.९ | ३५१३.० | ४१८७.७० |
| ब्याज खर्चको विवरण | | | | | |
| आन्तरिक ऋण | ७५२.३ | १०४१.५ | १२३३.० | १०७३.४ | ८६७.२७ |
| वैदेशिक ऋण | २४५.८ | २३२.२ | २८३.१ | ३००.३ | ३३६.५२ |
| जम्मा ब्याज खर्च | ९९८.१ | १२७३.७ | १५१६.१ | १३७३.७ | १२०३.८९ |
| जम्मा ऋण भुक्तानी खर्च (साँवा र ब्याज) | २८४१.४ | २९९५.८ | ३५३२.० | ४८८६.७ | ४५११.४९ |
| सरकारी खर्चमा ऋण भुक्तानी खर्च (प्रतिशतमा) | १०.९ | १०.१ | १०.४ | १२.३२ | ९.४ |
| कुल गार्हस्थ उत्पादनमा सार्वजनिक ऋणको अंश (प्रतिशतमा) | ३३.९ | ३२.५ | ३४.३ | ३२.२ | २८.७० |

स्रोत: महालेखा नियन्त्रकको कार्यालय र नेपाल राष्ट्र बैंक ।

२.३५ आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा तिर्न बाँकी आन्तरिक ऋण रु. २ खर्ब १३ अर्ब ९२ करोड रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०६९/७० को अन्त्यमा यस्तो तिर्न बाँकी ऋण १ प्रतिशतले घटी भई रु. २ खर्ब ११ अर्ब ८७ करोड पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा अघिल्लो आ ब को तुलनामा २.४ प्रतिशतले घटी सरकारले तिर्न बाँकी रहेको आन्तरिक ऋण रु २ खर्ब ६ अर्ब ६८ करोड पुगेको थियो । चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनामा आन्तरिक ऋण उठाईएको छैन ।

२.३६ ट्रेजरी विल नेपाल सरकारको आन्तरिक ऋणको प्रमुख स्रोतको रूपमा रहेको देखिन्छ । २०७० असार मसान्तमा कुल आन्तरिक ऋणमा ट्रेजरी विलको अंश

६४ प्रतिशत, विकास ऋणपत्रको अंश २४ प्रतिशत, राष्ट्रिय बचतपत्रको अंश ८ प्रतिशत, नागरिक बचतपत्रको अंश २ प्रतिशत IMF Valuation adjustment bonds को अंश २ प्रतिशत रहेको थियो । २०७१ असार मसान्तमा तिर्न बाँकी रहेको ऋणको संरचनामा सामान्य परिवर्तन भएको देखिन्छ । २०७१ असार मसान्तमा तिर्न बाँकी आन्तरिक ऋणमा ट्रेजरी विलको अंश ६६ प्रतिशत, विकास ऋणपत्रको अंश २३.० प्रतिशत, राष्ट्रिय बचतपत्रको अंश ८ प्रतिशत, नागरिक बचतपत्रको अंश १.० प्रतिशत र अन्तराष्ट्रिय मुद्रा कोष मूल्य समायोजन ऋण पत्र IMF Valuation adjustment bonds को अंश २.० प्रतिशत रहेको छ । आन्तरिक ऋणमा ट्रेजरी विलको अंश उच्च रहनु भनेको छोटो अवधिमा (एक वर्ष भित्र) तिर्नु पर्ने दायित्व धेरै हुनु हो । एक आर्थिक वर्षमा सरकारले प्राप्त गर्ने आय र तिर्नु पर्ने ऋण दायित्व बीचको अन्तर कम हुँदा विकास निर्माणका कार्यहरूमा खर्च गर्ने रकम कम हुन जान्छ । साथै छोटो समय भित्र तिर्नु पर्ने ऋणको अंश वढी हुँदा सरकारले यस्तो ऋण पुनः नविकरण गर्न नसक्ने वा नविकरण हुँदा पनि व्याजदर उच्च हुने जोखिम रहने हुन्छ । यस किसिमको जोखिमलाई न्यून गर्न समयमै आवश्यक पहल हुनु जरूरी छ ।

२.३७ विगत केही वर्ष देखि सरकारले तिर्न बाँकी आन्तरिक ऋणमा नेपाल राष्ट्र बैंकलाई तिर्नु पर्ने ऋणको अंश घट्टै गएको छ भने वाणिज्य बैंक र अन्य निजी क्षेत्रलाई तिर्न बाँकी ऋणको अंशमा वृद्धि हुँदै गएको देखिन्छ । २०७० असार मसान्तमा सरकारले तिर्न बाँकी रहेको कुल आन्तरिक ऋणमा नेपाल राष्ट्र बैंकको अंश ७.६ प्रतिशत, वाणिज्य बैंकहरूको ७१.१ प्रतिशत र अन्य संस्था तथा निजी क्षेत्रको अंश २१.३ प्रतिशत रहेकोमा २०७१ असार मसान्तमा यसको अंश क्रमशः ११.६ प्रतिशत, ६७.६ प्रतिशत र २०.८ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । आन्तरिक ऋणमा नेपाल राष्ट्र बैंकको अंश कमी हुनु र वाणिज्य बैंक तथा निजी क्षेत्रको लगानी बढ्दै जानुले सरकार वित्तीय अनुशासन पालनामा प्रतिवद्ध रहेको तर्फ संकेत गर्दछ । सरकारी बजेटको घाटा पुरा गर्न आन्तरिक पुँजी बजारमा निर्भर हुँदै जाँदा सरकारी ऋणपत्रको बजार सुनिश्चित हुने, सार्वजनिक ऋणमा वाह्य ऋणको अंश कम गरी यसमा रहेको विदेशी विनिमयदर परिवर्तनको जोखिम कम गर्न सकिने र देशको समग्र पुँजी बजारको विकासमा समेत सहयोग पुग्ने हुन्छ । बजेट घाटा पूर्तिका लागि सरकार

केन्द्रीय बैंकमा निर्भर नभई पुँजी बजारमा भर पर्दै जानुलाई नेपालको सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको सफल पक्षको रूपमा लिन सकिन्छ । जोखिम कम गर्न सकिने र देशको समग्र पुँजी बजारको विकासमा समेत सहयोग पुग्ने हुन्छ ।

- २.३८ सार्वजनिक ऋण घट्टै जानुमा सरकारले आन्तरिक ऋणको साँवा भुक्तानी गर्दै गएको तर नयां आन्तरिक ऋण नउठाएको तथा वैदेशिक ऋण तर्फ अधिकांश हिस्सा ओगटेकोमा यसको विनिमय दरमा कमी आउनु प्रमुख कारणको रूपमा रहेको छ । २०७१ असार मसान्तमा १ एस.डि.आर को विनिमय दर रु.१४८.२९९ रहेकोमा २०७१ फाल्गुण मसान्तमा १३७.१०४ मा झरेको छ । यसरी करीव २ अर्वको हाराहारीमा SDR Denomination को वैदेशिक ऋण दायित्व रहेकोमा विनिमय दरमा आएको कमीका कारण रु.२० अर्व भन्दा बढी रकमको वैदेशिक ऋण दायित्व घटेको देखिन्छ ।
- २.३९ आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा सार्वजनिक ऋणको साँवा तथा ब्याज भुक्तानी खर्चमा अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा ३८.३ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ४८ अर्ब ८७ करोड पुगेको थियो । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा भने यस्तो खर्चमा ७.६ प्रतिशतले घटी रु. ४५ अर्ब ११ करोड पुगेको छ । विगत दुई आर्थिक वर्षहरूमा सार्वजनिक ऋणको साँवा तथा ब्याज भुक्तानीको लागि सरकारको कुल खर्चको १० प्रतिशतको हाराहारीमा खर्च हुने गरेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यस्तो खर्चमा कुल खर्चको ९.४५ प्रतिशत खर्च हुन गएकोछ । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा वैदेशिक र आन्तरिक ऋणको साँवा फिर्ता भुक्तानीमा अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा १७.९३ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ३५ अर्ब ३२ करोड खर्च भएको थियो । तर वैदेशिक तथा आन्तरिक ऋणको व्याज भुक्तानीका लागि अघिल्लो वर्ष रु. १३ अर्ब ७३ करोड खर्च भएकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यस्तो खर्चमा १२.३७ प्रतिशतले कमी आएको छ । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा साँवा फिर्ताका लागि भएको कुल खर्चको ४०.४ प्रतिशत वैदेशिक ऋणको साँवा फिर्तामा खर्च भएकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा त्यस्तो खर्च ३९.९ प्रतिशत रहेको छ । त्यस्तै, आर्थिक वर्ष २०६९/७० र २०७०/७१ मा व्याज भुक्तानीको लागि भएको कुल खर्चको क्रमशः ७८.१ र ७२.०२ प्रतिशत आन्तरिक ऋणको व्याज भुक्तानीमा खर्चमा भएको देखिन्छ ।

- २.४० कुल गार्हस्थ उत्पादनमा सार्वजनिक ऋणको अंश हालका वर्षहरूमा घट्टै गएको देखिन्छ । आर्थिक वर्ष २०६५/६६ मा सार्वजनिक ऋणको अंश कुल गार्हस्थ उत्पादनको ४०.७ प्रतिशत रहेकोमा त्यसपछिका वर्षहरूमा कम हुँदै आर्थिक वर्ष २०६७/६८ मा ३२.५ प्रतिशतमा झरेको थियो । आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा यस्तो अंशमा केही वृद्धि भई ३४.३ प्रतिशत पुगेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा घटेर २८.७ प्रतिशतमा झरेकोछ । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा तिर्न बाँकी वैदेशिक र आन्तरिक ऋणको कुल गार्हस्थ उत्पादनसंगको अनुपात क्रमशः १९.७ र १२.५ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यस्तो अनुपात १८.० र १०.७ प्रतिशतमा झरेकोछ । आर्थिक वर्ष २०६७/६८ को अन्तमा रहेको खुद तिर्न बाँकी वैदेशिक ऋण र कुल गार्हस्थ उत्पादनको अनुपात १९ प्रतिशत रहेको थियो । कुल गार्हस्थ उत्पादनमा तिर्न बाँकी सार्वजनिक ऋणको अंशले नेपालको सार्वजनिक ऋणको परिमाण अन्तराष्ट्रिय मापदण्डका आधारमा चिन्ताजनक अवस्थामा रहेको देखिदैन ।
- २.४१ सरकारले बजेट घाटा पूर्ति गर्न परिचालन गरेको सार्वजनिक ऋणको भूमिका न्यून वित्त पुरा गर्नमा मात्र सीमित छैन । देशको समग्र आर्थिक विकासको लागि आवश्यक पर्ने भौतिक पूर्वाधारहरूको निर्माण र सार्वजनिक सेवाहरू उपलब्ध गराउनमा पनि यसले महत्वपूर्ण भूमिका खेलेको छ । तथापि प्रत्येक वर्ष सरकारको बजेट घाटा पूर्ति गर्न उठाइने आन्तरिक तथा वैदेशिक ऋणको रकमले नेपालले तिर्नु पर्ने आन्तरिक तथा वाह्य ऋणको सांवा र सोमा तिर्न पर्ने ब्याजको दायित्वमा पनि वृद्धि हुँदै जाने गरेको छ । विश्वका कतिपय मुलुकहरूले आफूले तिर्न पर्ने ऋण समयमा तिर्न नसकेका कारणवाट विभिन्न किसिमका संकटहरूको सामना गर्नु परेको उदाहरणहरू देखा परिरहेका छन् । यस परिप्रेक्षमा नेपालले पनि सार्वजनिक ऋणमा अन्तरनिहित जोखिमहरूको मूल्याङ्कन गरी त्यस्ता जोखिमहरूको उचित व्यवस्थापन गर्ने र लागतलाई निश्चित दायरा भित्र राख्ने तर्फ सोचन जरूरी छ ।

स्थानीय निकायको वित्तीय व्यवस्था

स्थानीय निकायको आय तथा खर्चको अवस्था

२.४२ बिकेन्द्रीकरणको माध्यमद्वारा जनतालाई शासनमा अधिकाधिक मात्रामा सम्मिलित हुने अवसर जुटाउन जनताको नजिकमा रही सेवा प्रदान गर्दै आएका स्थानीय निकायहरूलाई नेपाल सरकारले एकमुष्ट रूपमा सशर्त र निशर्त अनुदान उपलब्ध गराउदै आएको छ । सीमित आन्तरिक आय स्रोत भएका स्थानीय निकायहरू जिल्ला विकास समिति, नगरपालिका र गाँउ विकास समितिहरूलाई यसरी प्रदान गरिने अनुदानले उनीहरूको आम्दानी र खर्च बीचको ठूलो खाडललाई कम गर्न सघाउ पुऱ्याउदै आएको छ । सरकारले दिने अनुदानबाट स्थानीय निकायहरूलाई कार्यालय सञ्चालनमा मात्र नभई स्थानीय जनताका चाहाना र आवश्यकता अनुसारका पूर्वाधार विकास निर्माण (सडक, पूल, भवन आदि) का कार्यहरू सञ्चालन गर्न तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी तथा सरसफाई जस्ता सामाजिक सेवामा जनताको पहुँच बृद्धि गर्न समेत सघाउ पुगिरहेको छ ।

२.४३ स्थानीय निकायहरूलाई निशर्त उपलब्ध गराउने अनुदान तथा स्थानीय निकायहरू बीच बाँडफाँड गर्नुपर्ने अनुदान सम्बन्धी कार्यहरू स्थानीय निकाय वित्तीय आयोगले गर्दै आएको छ । आयोगले सिफारिश गरेबमोजिम सूत्रका आधारमा स्थानीय निकायहरूले प्राप्त गर्ने निशर्त अनुदान रकमलाई कार्यसम्पादनसँग आवद्ध गरेको छ । आयोगले विगत लामो समयदेखिनै जिल्ला विकास समिति र नगरपालिकाहरूको न्यूनतम शर्त तथा कार्यसम्पादन मापन (Minimum Conditions and Performance Measures) को आधारमा कार्यसम्पादनको मूल्याङ्कन गर्दै आएको भएतापनि आ.ब. २०७०/७१ देखि गाँउ विकास समितिहरूको समेत सोही आधारमा कार्यसम्पादनको मूल्याङ्कन कार्यको थालनी गरेको छ । गाँउ विकास समितिको लागि ७ वटा, नगरपालिकाको लागि

१० वटा र जिल्ला विकास समितिहरूका लागि ९ वटा न्यूनतम शर्तका सूचकहरू तय गरिएका छन् । यसका अतिरिक्त गाँउ विकास समिति, नगरपालिका र जिल्ला विकास समितिका लागि क्रमशः १३, ४० र ४६ वटा कार्यसम्पादनका सूचकहरू आधारमा कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन गरिदै आइएको छ ।

- २.४४ जिल्ला विकास समिति र नगरपालिकाहरूको न्यूनतम शर्त तथा कार्यसम्पादन मापनका सूचकहरूमा समसामयिक परिमार्जन एवं सुधार गर्न आवश्यक भएकोले आयोगले न्यूनतम शर्त तथा कार्यसम्पादन मापन कार्यविधीमा रहेका सूचकहरूमा २०७० बैशाखमा संशोधन गरी कार्यान्वयनमा ल्याएको छ । आर्थिक बर्ष २०६९/७० मा केही गाँउ विकास समितिहरूमा नमुनाका रूपमा कार्यसम्पादनका सूचकहरूको परिक्षण गरी गाँउ विकास समितिहरूको कार्यसम्पादन समेत मापन गर्ने गरी कार्यसम्पादन मापनका सूचकहरू थप गरी आ.ब. २०७०/७१ मा पहिलो पटक गाँउ विकास समितिको मूल्याङ्कनमा न्यूनतम शर्तका साथसाथै कार्यसम्पादन मापन पूर्णरूपमा लागु गरिएको छ । यस आर्थिक बर्षमा नेपालमा कार्यसम्पादन मापनमा आधारित अनुदान प्रणाली (न्यूनतम शर्त तथा कार्यसम्पादन मापन) को सिंहावलोकन समेत भएको छ ।
- २.४५ न्यूनतम शर्त तथा कार्यसम्पादन मापन र यसको अनुदानसँगको आबद्धता सम्बन्धी चक्र हरेक तीन बर्षमा पुरा हुने गरेको छ । आर्थिक बर्ष २०६९/७० मा गरिएको स्थानीय निकायहरूको कार्यसम्पादनको मूल्याङ्कनमा न्यूनतम शर्त मापनमा ६८ जिल्ला विकास समितिहरू, ५७ नगरपालिकाहरू र ३ हजार ७९ गाँउ विकास समितिहरू सफल भएका छन् । विभिन्न सूचकहरूको लक्ष प्राप्त गर्न नसकी सफल हुन नसक्ने जिल्ला विकास समिति, नगरपालिका र गाँउ विकास समितिहरूको संख्या क्रमशः ८, १ र ८३६ रहेका छन् ।

तालिका २ (झ) : स्थानीय निकायको खर्च तथा आय

(रु करोडमा)

| विवरण | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ |
|---|---------|---------|---------|---------|
| १. जिल्ला विकास समिति | | | | |
| नेपाल सरकारबाट प्राप्त अनुदान | ३०२२.२२ | २९८५.३३ | २०८४.३१ | २६७१.०० |
| कुल आम्दानी | २९५.९६ | ३२१.९९ | २७५.६० | ३५७.४६ |
| क) आन्तरीक श्रोत | १४८.३८ | १७८.०४ | १३६.९४ | १८६.४० |
| ख) राजश्व बाँडफाँड | १४७.५८ | १४३.९५ | १३८.६६ | १७१.०६ |
| खर्चको लागि विनियोजित कूल रकम | ३३१८.१८ | ३३०७.३२ | २३५९.९१ | ३०२८.४६ |
| वास्तविक कूल खर्च | २९६९.५३ | २९७०.०० | १७९५.८२ | २६७८.०० |
| २. नगरपालिका | | | | |
| नेपाल सरकारबाट प्राप्त अनुदान | ४९५.२५ | ५०४.९२ | ४२८.४२ | ३३४.५२ |
| आन्तरिक श्रोत र राजस्व बाँडफाँडको कूल रकम | २२२.८१ | २७४.३० | ३३६.५६ | ३७८.२५ |
| खर्चको लागि विनियोजित कूल रकम | ७१८.०६ | ७७९.२२ | ७६४.९८ | ७१२.७७ |
| वास्तविक कूल खर्च | ६२४.८१ | ६८३.८० | ६७६.८७ | ६१७.४९ |
| ३. गाँउ विकास समिति | | | | |
| नेपाल सरकारबाट प्राप्त अनुदान | ७८३.०० | ९२५.८० | ६६९.२० | ८२१.०० |
| आन्तरिक श्रोत र राजस्व बाँडफाँडको कूल रकम | ९०.४० | ९७.६४ | ११७.१३ | १३०.२२ |
| खर्चको लागि विनियोजित कूल रकम | ८७३.४० | १०२३.४४ | ७८६.३३ | ९५१.२२ |
| वास्तविक कूल खर्च | ८५५.५६ | ७६५.८७ | ७६४.९१ | ९३४.०४ |

सारांश

| विवरण | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ |
|--|---------|---------|---------|---------|
| स्थानीय निकायको कूल आन्तरिक आम्दानी | ६०९.१७ | ६९३.९३ | ७२९.२९ | ८६५.९३ |
| स्थानीय निकायमा प्राप्त कूल अनुदान रकम | ४३००.४७ | ४४१६.०५ | ३१८१.९३ | ३८२६.५२ |
| स्थानीय निकायको कूल आय | ४९०९.६४ | ५१०९.९८ | ३९११.२२ | ४६९२.४५ |
| कूल आयमा आन्तरिक आम्दानीको अंश (%) | १२.४१ | १३.५८ | १८.६५ | १८.४५ |

श्रोत: सडघीय मामिला तथा स्थानीय विकास मन्त्रालय र स्थानीय निकाय वित्तिय आयोगको सचिवालय

२.४६ आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा जिल्ला विकास समितिले आफ्नो आम्दानीले कुल खर्चको १५ प्रतिशत मात्र धान्न सकेको देखिन्छ । यसैगरी जिल्ला विकास समितिले विनियोजित रकमको ७६.१० प्रतिशत मात्र खर्च गर्न सकेको थियो भने नगरपालिकाले कुल विनियोजित खर्चको ४७.४५ प्रतिशत मात्र खर्च गरेको थियो ।

स्थानीय निकायमा सरकारी अनुदान

२.४७ स्थानीय निकायहरूलाई नेपाल सरकारले एकमुष्ठ रूपमा अनुदान (सर्शत/निशर्त) रकम उपलब्ध गराउदै आएको छ । जिल्ला विकास समिति, गाउँ विकास समिति अनुदान र नगरपालिका अनुदान (स्थानीय विकास शुल्ककोष) को अवस्था देहाय बमोजिम रहेको छः

जिल्ला विकास समिति अनुदान

२.४८ जिल्ला विकास समितिलाई प्रदान गरिएको पूँजीगत अनुदानबाट लक्षित समूह अन्तर्गत सबै जातजातिका विपन्न वर्गका महिला, बालबालिका तथा सबै जातजातिका आर्थिक रूपमा विपन्न एवम् सामाजिक रूपमा पछाडी परेका ज्येष्ठ नागरिक, दलित, आदिवासी, जनजाति, अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरु, मधेशी, मुश्लिम तथा पिछडा वर्गहरूलाई प्रत्यक्ष फाईदा पुग्ने लगायत जनशक्ति विकास, प्रशासनिक पद्धतिमा सुधार र पूर्वाधार विकास तर्फ ग्रामीण सडक, झोलुङ्गे पुल, सिंचाई, लघु जलविद्युत, खानेपानी, सामुदायिक भवन आदि योजना/कार्यक्रमहरु सञ्चालन भई सम्पन्न भएका छन् । जिविस अनुदान (निशर्त) तर्फ प्राप्त रकमलाई चालु र पूँजीगत खर्च शीर्षकमा छुट्टयाई पूँजीगत तर्फको रकमवाट ७५ वटै जिविसहरूलाई समानुपातिक रूपमा न्यूनतम ४० लाख प्रति जिल्ला वजेट वाँडफाँड गरी बाँकी रहेको रकमलाई जनसंख्या, भौगोलिक क्षेत्रफल, लागत र गरिवी जस्ता सूचक र न्यूनतम शर्त तथा कार्य सम्पादन मापन (MCPM) नतिजा समेतको आधारमा वाँडफाँड गरी निकास पठाउने व्यवस्था गरिएको छ ।

गाउँ विकास समिति अनुदान

२.४९ गाउँ विकास समितिलाई प्रदान गरिएको पूँजीगत अनुदानबाट लक्षित समूह अन्तर्गत सबै जातजातिका विपन्न वर्ग महिला बालबालिका र सामाजिक, आर्थिक रूपमा पछाडी परेका ज्येष्ठ नागरिक, मधेशी, मुश्लिम, दलित, आदिवासी, जनजाति, अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरु र पिछडा वर्गलाई प्रत्यक्ष फाइदा पुऱ्याउने कार्यक्रम लगायत, जनशक्ति विकास, संस्थागत सुधार र पूर्वाधार विकास तर्फ, ग्रामीण सडक, साना सिंचाई खानेपानी, सामुदायिक भवन, आदि कार्यक्रम/योजनाहरु सञ्चालन भई सम्पन्न भएका छन् । गाउँ विकास समिति अनुदान तर्फ उपलब्ध रकमलाई चालु र पूँजीगत खर्च शीर्षकमा छुट्टयाई जनसंख्या, भौगोलिक क्षेत्रफल, लागत जस्ता सूचकको आधारमा र न्यूनतम शर्तको नतिजाको आधारमा प्रति गाविस न्यूनतम १५ लाख देखि अधिकतम ४६ लाखसम्म वाँडफाँड गरी निकास पठाउने व्यवस्था गरिएको छ ।

नगरपालिका अनुदान र स्थानीय विकास शुल्क कोष

२.५० नगरपालिकाहरुलाई स्थानीय विकास शुल्क कोष र नगरपालिका अनुदान गरी २ शीर्षकमा नेपाल सरकारबाट अनुदान उपलब्ध गराउने व्यवस्था गरिएको छ ।

क) नगरपालिका अनुदान

स्थानीय श्रोत साधनको परिचालन गरी विकासको प्रतिफलमा सामाजिक समानता ल्याउन, जनताको सहभागिता अभिवृद्धि गर्दै जवाफदेहीताको संस्थागत विकास गर्न, नगरपालिकाहरुलाई सार्वजनिक निर्माण सुधार तथा सामाजिक गतिविधिहरु समेतमा थप सहयोग पुऱ्याउने लगायतका विकासका क्रियाकलापहरु संचालन गर्न तथा सेवा प्रवाहलाई प्रभावकारी बनाउने कार्यका लागि नगरपालिकाहरुलाई नेपाल सरकारबाट नगरपालिका अनुदान उपलब्ध गराइदै आइएको छ । आ.व. ०७०/७१ मा यस शीर्षकमा रु. १ अरब १५ करोड विनियोजन गरी पूरै रकम पूँजीगत अनुदानको रूपमा सूत्र (नगरपालिका क्षेत्रको जनसंख्या ५० प्रतिशत, भारित गरीबी २५ प्रतिशत, भारित राजस्व प्रयास १५

प्रतिशत र क्षेत्रफल १० प्रतिशत) तथा न्यूनतम शर्त तथा कार्यसम्पादन मापनका नतिजाको आधारमा नगरपालिकाहरूमा अख्तियारी पठाइएको छ ।

ख) स्थानीय विकास शुल्ककोष

आ.व. २०७०/७१ मा स्थानीय विकास शुल्क कोष शीर्षकमा रु. २ अरब ६० करोड विनियोजन भएकोमा रु. १ अरब ८४ करोड २५ लाख नगरपालिकाहरूमा अनुदानको रूपमा अख्तियारी पठाइएको र स्थानीय विकास शुल्ककोष (जगेडाकोष) कार्यक्रम तर्फ रु. ७५ करोड ७५ लाख विनियोजन गरिएको थियो । जगेडाकोषमा विनियोजित रकमबाट सबै नगरपालिकाका कालोपत्रे सडक, नाली, खानेपानी, ल्याण्डफिल्ड साइड निर्माण, दमकल खरीद, फोहरमैला व्यवस्थापनका लागि सवारी साधन खरीद लगायतका कुल ३७५ वटा भौतिक पूर्वाधार निर्माण समेतका आयोजना स्वीकृत भइ २७३ वटा आयोजना सम्पन्न भएका थिए । उल्लेखित आयोजनाहरूका लागि रु. ८५ करोड ६ लाख निकास भएको थियो । जगेडाकोष सञ्चालन कार्यविधि, २०६६ लाई तेश्रो पटक संशोधन गरी लागत सहभागितामा संचालन हुने आयोजनाहरूको न्यूनतम सीमा रु. ५० लाख निर्धारण गरिएको छ । नगरपालिकाले पाउने आयोजनाहरूको कूल लागत र आयोजना संख्या समेत निर्धारण गरिएको छ । यस अनुसार महानगरपालिकाले वार्षिक रु. ५ करोड सम्मको बढीमा १० वटा आयोजनाहरू, उपमहानगरपालिकाले रु. ४ करोड सम्मको बढीमा ८ वटा आयोजनाहरू र नगरपालिकाले रु. ३ करोड सम्मका बढीमा ६ वटा आयोजनाहरू सञ्चालन गर्न पाउने व्यवस्था गरिएको छ । नयाँ गठित ७२ र ६१ नगरपालिकाहरूको लागि जगेडाकोषबाट आयोजनाहरू सञ्चालन गर्न बजेट व्यवस्था गर्न सकिएको छैन । नयाँ गठित नगरपालिकाहरूले लागत सहभागितामा जगेडाकोषबाट आयोजनाहरू सञ्चालन गर्न माग गरिआएको अवस्था भने विद्यमान छ ।

तालिका २ (ज) : स्थानीय निकायमा उपलब्ध सरकारी अनुदान

(रु हजारमा)

| अनुदान | आ.व. २०६७/६८ | आ.व. २०६८/६९ | आ.व. २०६९/७० | आ.व. २०७०/७१ | आ.व. २०७१/७२ | कुल बजेटको प्रतिशत |
|------------------------------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|--------------------------|
| जिविस अनुदान पूजिगत | ११३०००० | २३००००० | १३३६८६५ | १३७०००० | १२७३००० | २.२२ |
| जिविस अनुदान चालु | २४३०००० | ३६१०००० | ३०९७९७६ | १९५०००० | २०७४००० | ३.६१ |
| जम्मा | ३५६०००० | ५९१०००० | ४४३४८४१ | ३३२०००० | ३३४७००० | ५.८३ |
| गाविस अनुदान पूजिगत | ६२६४००० | ७६९२००० | ५१२६५०० | ६६४४००० | ५७९४००० | १०.०९ |
| गाविस अनुदान (चालु) | १५६६००० | १५६६००० | १५६६००० | १५६६००० | १५६६००० | २.७३ |
| जम्मा | ७८३०००० | ९२५८००० | ६६९२५०० | ८२१०००० | ७३६०००० | १२.८१ |
| नगरपालिका अनुदान (पूजिगत) | ५८९००० | ६००००० | ९४१४०६ | ११५००,०० | ३७८८००० | ६.५९ |
| नगरपालिका अनुदान (चालु) | १११००० | ११०००० | ११०००० | ० | ३६०००० | ०.६३ |
| जम्मा | ७००००० | ७१०००० | १०५१४०६ | ११५०००० | ४१४८००० | ७.२२ |
| स्थानीय विकास शुल्ककोष (पूजिगत) | १७६४००० | १९००००० | १२३७०५२ | १९५६८०० | २००४३३५ | ३.४९ |
| स्थानीय विकास शुल्ककोष (चालु) | ४००००० | ४००००० | ३९९७५० | ६४३२०० | ६११२१२ | १.०६ |
| जम्मा | २१६४००० | २३००००० | १६३६८०२ | २६००००० | २६१५५४७ | ४.५५ |
| कुल जम्मा | ११३९०००० | १५१६८००० | १११२७३४१ | ११५३०००० | ११७०७००० | २०.३८ |

जिल्ला विकास समिति अनुदान तर्फ ०६७/६८ को तुलनामा आ.व. २०६८/६९ मा ६६.०१ प्रतिशतले अनुदान रकममा वृद्धि भएको छ भने आ.व. २०६८/६९ को तुलनामा आ.व. २०६९/७० मा २४.९६ प्रतिशत तथा आ.व. २०६९/७० को तुलनामा आ.व. २०७०/७१ मा २५.३१ प्रतिशतले अनुदान रकम कम भएको देखिन्छ । यसैगरी, आ.व. २०७०/७१ को तुलनामा आ.व. २०७१/७२ मा ३०.९३ प्रतिशतले अनुदान रकममा बृद्धि भएको छ ।

गाउँ विकास समिति अनुदान तर्फ आ.व. २०६७/६८ को तुलनामा आ.व. २०६८/६९ मा १८.२३ प्रतिशतले अनुदानको वृद्धि भएको छ भने आ.व. २०६८/६९

को तुलनामा आ.व. २०६९/७० मा २७.६७ प्रतिशतले कमी तथा आ.व. २०६९/७० को तुलनामा आ.व. २०७०/७१ मा २२.६७ प्रतिशतले बृद्धि देखिन्छ । यसैगरी आ.व. २०७०/७१ को तुलनामा आ.व. २०७१/७२ मा १०.३५ प्रतिशतले अनुदान रकममा कमी भएको छ ।

२.५१ आ.व. २०७१/७२ मा पुराना ५८ नगरपालिकाहरूको नगरपालिका अनुदान शीर्षकमा रु. १ अरब १५ करोड विनियोजन गरी पूरै रकम पूँजिगत अनुदानको रूपमा सूत्र तथा न्यूनतम शर्त तथा कार्यसम्पादन मापनको नतिजाको आधारमा नगरपालिकाहरूमा अख्तियारी पठाइएको छ । यसै शीर्षकबाट नयां गठित ७२ नगरपालिकाको लागि चालु अनुदानमा ३६ करोड र पूँजिगत अनुदानमा २ अर्ब ६३ करोड ८० लाख गरी कूल २ अर्ब ९९ करोड ८० लाख विनियोजन गरिएको छ । आ.व. २०६७/६८ को तुलनामा आ.व. २०६८/६९ मा १.४३ प्रतिशत बजेट वृद्धि भएको छ । आ.व. २०६८/६९ को तुलनामा आ.व. २०६९/७० मा ४८.०८ प्रतिशत बजेट वृद्धि भएको छ भने आ.व. २०६९/७० को तुलनामा २०७०/७१ मा ९.३७ प्रतिशतले बजेटमा वृद्धि भएको छ । त्यस्तै, आ.व. २०७०/७१ को तुलनामा आ.व. २०७१/७२ मा २६०.७० प्रतिशतले बजेट वृद्धि भएको छ । यसरी आ.व. २०७०/७१ को तुलनामा आ.व. २०७१/७२ मा धेरै बजेट वृद्धि हुनुको कारण नयां गठित ७२ नगरपालिकाहरूको बजेट समेत समावेश गरिएकोले हो ।

२.५२ आ.व. २०७१/७२ मा स्थानीय विकास शुल्क कोष शीर्षकमा रु. २ अरब ६१ करोड ५५ लाख ४७ हजार विनियोजन भएकोमा रु. १ अरब ६० करोड ६७ लाख नगरपालिकाहरूमा अनुदानको रूपमा अख्तियारी पठाइएको छ । जगेडाकोष कार्यक्रम तर्फ रु. १ अरब ८८ लाख ४७ हजार विनियोजन भएकोमा प्रथम ८ महिनामा ३०१ वटा आयोजना स्वीकृत भई नगरपालिकाहरूमा रु. ३५ करोड १८ लाख ८३ हजार निकास भइसकेको छ । आ.व. २०६७/६८ को तुलनामा आ.व. २०६८/६९ मा ६.२८ प्रतिशत बजेट रकम कटौति भएको छ । आ.व. २०६८/६९ को तुलनामा आ.व. २०६९/७० मा २८.८३ प्रतिशत बजेट रकम कटौति भएको छ भने आ.व. २०६९/७० को तुलनामा २०७०/७१ मा ५८.८४ प्रतिशतले बजेटमा वृद्धि भएको छ । त्यस्तै आ.व. २०७०/७१ को तुलनामा आ.व. २०७१/७२ मा ०.६० प्रतिशतले मात्र बजेट वृद्धि भएको छ ।

३. मूल्य तथा आपूर्ति

मुद्रास्फीतिको स्वरूप र प्रवृत्ति

- ३.१ मुद्रास्फीतिदर समष्टिगत आर्थिक स्थायित्वको महत्वपूर्ण परिसूचक हो । मुद्रास्फीतिदरमा अत्यधिक उतार चढाव भएमा त्यसबाट बचत, लगानी तथा आर्थिक वृद्धिमा नकारात्मक प्रभाव पर्दछ । स्थायित्वको साथमा उच्च तथा दिगो आर्थिक वृद्धिको लक्ष्य हासिल गर्न मूल्य स्थायित्व अत्यावश्यक शर्त हो । यसै कारणले गर्दा समष्टिगत आर्थिक नीति मूल्य स्थायित्व कायम गर्नमा केन्द्रित रहेको हुन्छ ।
- ३.२ नेपालको विगत एक दशक अवधिको औसत मुद्रास्फीति दर ८.४ प्रतिशत रहेको छ । यस अवधिमा खाद्य तथा पेय पदार्थ समुहको औसत मुद्रास्फीतिदर १०.४ प्रतिशत र गैर खाद्य तथा सेवा समुहको औसत मुद्रास्फीति दर ६.७ प्रतिशत रहेको छ । त्यसैगरी, विगत पाँच वर्षको औषत मुद्रास्फीतिदर ९.३ प्रतिशत रहेको छ । यस अवधिमा खाद्य तथा पेय पदार्थ समुहको औसत मुद्रास्फीतिदर ११.८ प्रतिशत र गैर खाद्य तथा सेवा समुहको औसत मुद्रास्फीतिदर ७.२ प्रतिशत रहेको छ । यसरी विगत केही वर्षयता मुद्रास्फीतिदर उच्च रहनुमा गैर खाद्य भन्दा पनि खाद्य तथा पेय पदार्थ समुहको योगदान उच्च रहेको छ । ऐतिहासिक रूपमा हेर्दा पनि नेपालमा गैर खाद्य तथा सेवा समुहको तुलनामा खाद्य तथा पेय पदार्थ समुहको मूल्य उच्च रहनुका साथै बढी उतार चढाव (Volatility) समेत रहेको छ ।
- ३.३ मुद्रास्फीति माग तथा आपूर्ति पक्षबाट सिर्जना हुने गर्दछ । मौद्रिक नीति मूलतः समष्टिगत माग पक्षबाट सिर्जना हुने मुद्रास्फीति नियन्त्रण गर्न केन्द्रित रहने गर्दछ । यसको लागि मुद्रा प्रदायलाई वाञ्छित स्तरमा कायम राख्नु आवश्यक हुन्छ । तर नेपालमा मौद्रिक विस्तार वाञ्छित स्तरमा रहेको समयमा पनि मुद्रास्फीतिदर उच्च रहेको कारण मुद्रा प्रदाय नियन्त्रण गर्दा मूल्य स्थायित्वको लक्ष्य हासिल हुन सकेको अवस्था छैन ।

३.४ नेपालमा विगत केही वर्षयता मुद्रास्फीतिदर उच्च रहनुमा माग पक्ष भन्दा पनि आपूर्ति तथा संरचनागत पक्ष बढी जिम्मेवार रहेको छ । बजार अपूर्णता (Market Imperfections) तथा संरचनागत कठोरता (Structural Rigidity) का कारण मागको तुलनामा आपूर्तिमा कमी हुँदा मुद्रास्फीति उत्पन्न हुने गर्दछ । मौसमी प्रतिकूलताको कारण कृषि उत्पादन प्रभावित हुनु, बेला बेलामा हुने वन्द, हडताल, लोडसेडिङ्ग र राजनीतिक अस्थिरताबाट उत्पादनमूलक क्रियाकलाप तथा आपूर्ति व्यवस्थामा नकारात्मक प्रभाव पर्नु, यातायात क्षेत्रमा विद्यमान कार्टेलिङ्गको कारण ढुवानी लागत बढ्नु, श्रमिकको ज्यालादर बढ्दै जानु, पेट्रोलियम पदार्थको मूल्यमा उतार चढाव हुनु, अमेरिकी डलरको तुलनामा नेपाली रुपैयाको अवमूल्यन हुनु, बजार अनूगमन पर्याप्त मात्रामा हुन नसक्दा सञ्चय तथा कालोबजारी गर्ने प्रवृत्ति बढ्नु, बेचौलियाहरुको अत्यधिक प्रभावको कारण कृषिजन्य वस्तुहरुको मूल्य बढ्नु, वितरण प्रणालीमा असहजता उत्पन्न हुनु आदि मुद्रास्फीतिको प्रमुख कारक रहेका छन् । त्यस्तै, नेपालको भारतसँगको खुला सिमाना, नेपाली रुपैयाको भारतीय रुपैयासँगको स्थिर विनिमय दर तथा कुल व्यापारको दुई तिहाई अंश भारतसँग भएका कारण भारतीय मुद्रास्फीतिको प्रत्यक्ष प्रभाव नेपाली मुद्रास्फीतिमा पर्ने गरेको छ ।

समग्र उपभोक्ता मूल्य स्थिति

३.५ उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्कमा आधारित वार्षिक मुद्रास्फीतिदर आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को आठ महिनामा ८.९ प्रतिशत रहेकोमा समीक्षा वर्षको सोही अवधिमा उक्त दरमा कमी आई ७.० प्रतिशत रहेको छ । समीक्षा अवधिमा वार्षिक विन्दुगत आधारमा खाद्य तथा पेय पदार्थ समुहको मूल्य सूचकाङ्कको वृद्धिदर ९.५ प्रतिशत रहेको छ भने गैर खाद्य तथा सेवा समुहको मूल्य सूचकाङ्कको वृद्धिदर ४.९ प्रतिशत रहेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यी समुहहरुको मूल्य सूचकाङ्कको वृद्धिदर क्रमशः १०.८ प्रतिशत र ७.१ प्रतिशत रहेको थियो ।

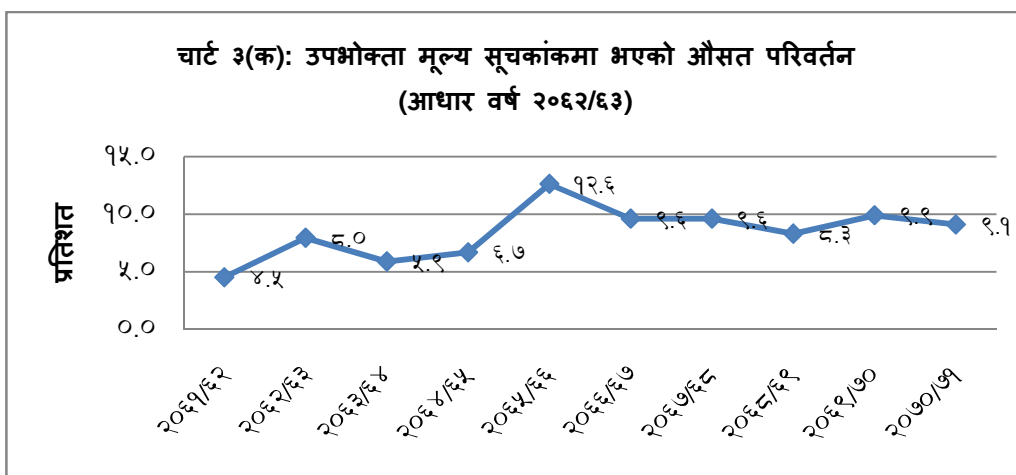
तालिका ३ (क) : उपभोक्ता मूल्य सूचकांकमा आधारित वार्षिक विन्दुगत मुद्रास्फीतिदर
(आधार वर्ष २०६२/६३=१००)

(प्रतिशत परिवर्तन)

| महिना | आर्थिक वर्ष | | | | | | | |
|---------|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| साउन | ५.६ | ११.९ | १०.१ | ९.५ | ७.७ | ११.९ | ७.९ | ७.५ |
| भदौ | ६.१ | १२.५ | ९.२ | ८.६ | ८.५ | ११.२ | ८.० | ७.६ |
| असोज | ५.४ | १३.३ | ८.६ | ८.९ | ८.९ | १०.५ | ८.४ | ७.५ |
| कार्तिक | ५.३ | १३.७ | ९.१ | ८.४ | ८.५ | १०.५ | १०.० | ७.२ |
| मंसिर | ४.६ | १३.४ | १०.३ | ९.६ | ७.५ | १०.४ | १०.३ | ७.० |
| पुस | ४.८ | १३.८ | १०.७ | ११.३ | ६.८ | ९.८ | ९.७ | ६.८ |
| माघ | ५.२ | १३.२ | ११.० | १०.२ | ७.० | १०.१ | ८.८ | ७.० |
| फागुन | ६.० | १२.८ | १०.० | १०.७ | ७.० | १०.२ | ८.९ | ७.० |
| चैत | ८.० | ११.६ | ९.८ | १०.६ | ७.५ | ९.५ | ९.४ | - |
| वैशाख | ८.३ | १२.४ | ८.९ | ९.५ | ८.७ | ८.७ | ९.७ | - |
| जेठ | १०.१ | १२.० | ८.२ | ८.८ | ९.९ | ८.२ | ९.५ | - |
| असार | १०.६ | ११.१ | ९.० | ९.६ | ११.५ | ७.८ | ८.१ | - |
| औसत | ६.७ | १२.६ | ९.६ | ९.६ | ८.३ | ९.९ | ९.१ | ७.२ |

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक ।

३.६ चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनासम्मको औसत उपभोक्ता मुद्रास्फीतिदर ७.२ प्रतिशत रहेको छ । गत आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा औसत उपभोक्ता मुद्रास्फीतिदर ९.० प्रतिशत रहेको थियो । चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनामा कायम औसत उपभोक्ता मुद्रास्फीतिदर नेपाल राष्ट्र बैंकद्वारा चालु आर्थिक वर्षका लागि सार्वजनिक गरिएको मौद्रिक नीति तथा त्यसको मध्यावधि समीक्षाको लक्षित औसत ८.० प्रतिशतको मुद्रास्फीतिदर भन्दा कम रहेको छ । अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा पेट्रोलियम पदार्थको मूल्यमा आएको गिरावट, विदेशी विनिमय दरमा देखिएको स्थिरता, मौद्रिक योगाङ्कहरुलाई वान्छित स्तरमा राख्न गरिएका प्रयास, तरलता व्यवस्थापनमा चालिएका कदम, भारतमा उपभोक्ता मुद्रास्फीतिदरमा आएको कमी आदिका कारण समीक्षा अवधिमा उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्कमा आधारित मुद्रास्फीतिदर लक्ष्य भन्दा कम रहन गएको हो ।



स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक ।

- ३.७ भौगोलिक क्षेत्रका आधारमा चालु आर्थिक वर्षको समीक्षा अवधिमा काठमाडौं उपत्यका र पहाड दुबै क्षेत्रहरूको उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्कमा ७.१ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ । त्यस्तै, सोही अवधिमा तराई क्षेत्रको उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क भने ६.९ प्रतिशतले बढेको छ । गत वर्षको सोही अवधिमा उक्त क्षेत्रहरूमा यस्तो मूल्य सूचकाङ्कको वृद्धिदर क्रमशः ८.७ प्रतिशत, ७.९ प्रतिशत र ९.५ प्रतिशत रहेको थियो ।
- ३.८ समूहगत आधारमा विश्लेषण गर्दा, उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्कमा ४६.८ प्रतिशत भार रहेको खाद्य तथा पेय पदार्थ समूहको मूल्य सूचकाङ्क २०७१ फागुनमा वार्षिक विन्दुगत आधारमा ९.५ प्रतिशतले बढेको छ । गत वर्षको यसै अवधिमा यो समूहको मूल्य सूचकाङ्क १०.८ प्रतिशतले बढेको थियो । यसरी खाद्य तथा पेय पदार्थ समूहको मूल्य वृद्धि हुनुमा सुर्तीजन्य पदार्थ, मदिराजन्य पदार्थ, दुग्ध पदार्थ तथा अण्डा, दाल आदि उप-समूहहरूको मूल्य सूचकाङ्कमा भएको वृद्धिले प्रमुख भूमिका खेलेको छ । जस अनुसार सुर्तीजन्य पदार्थ उप-समूहको मूल्य सूचकाङ्क २६.६ प्रतिशतले, मदिराजन्य पदार्थ उप-समूहको मूल्य सूचकाङ्क २१.१ प्रतिशतले, दुग्ध पदार्थ तथा अण्डा उप-समूहको मूल्य सूचकाङ्क १६.८ प्रतिशतले र दाल उप-समूहको मूल्य सूचकाङ्क १६.७ प्रतिशतले बढेको छ ।
- ३.९ उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्कमा ५३.२ प्रतिशत भार रहेको गैर-खाद्य वस्तु तथा सेवा समूहको मूल्य सूचकाङ्क २०७१ फागुनमा वार्षिक विन्दुगत आधारमा ४.९

प्रतिशतले बढेको छ । २०७० फागुनमा यस समूहको सूचकाङ्क ७.१ प्रतिशतले बढेको थियो । यो समूह अन्तर्गतको सञ्चार उप-समूह बाहेक अन्य सबै उप-समूहको मूल्य वृद्धि अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको तुलनामा कम रहेको कारण यस समूहको मूल्य सूचकाङ्कको वृद्धिदर कम रहन गएको हो । गैर-खाद्य तथा सेवा समूहका वस्तुहरु मध्ये लत्ता कपडा तथा जुत्ता चप्पल उप समूहको मूल्य सूचकाङ्क सबै भन्दा बढी अर्थात १०.० प्रतिशतले बढेको छ भने सञ्चार उप-समूहको मूल्य वृद्धि सबैभन्दा कम अर्थात ०.३ प्रतिशतले बढेको छ ।

**तालिका ३ (ख) : विन्दुगत राष्ट्रिय उपभोक्ता मूल्य सूचकांकमा भएको परिवर्तन
(आधार वर्ष २०६२/६३=१००)**

(प्रतिशत परिवर्तन)

| उपभोग्य वस्तुहरु | भार प्रतिशत | आर्थिक वर्ष / फागुन महिना | | | | | | | |
|-------------------------------|-------------|---------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| | | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| कुल (क+ख) | १००.० | ६.१ | १२.८ | ९.९ | १०.७ | ७.० | १०.२ | ८.९ | ७.० |
| क. खाद्य तथा पेय पदार्थ | ४६.८ | ८.५ | १८.१ | १४.८ | १७.३ | ४.२ | ११.३ | १०.८ | ९.५ |
| अन्न तथा अन्नबाट बनेका परिकार | १४.८ | १५.३ | १३.१ | १२.१ | १३.४ | -२.४ | १२.९ | ११.७ | ७.८ |
| दाल | २.० | १२.८ | २४.२ | ३०.० | -८.१ | -१.८ | १२.६ | ६.८ | १६.७ |
| तरकारी | ५.७ | ०.२ | २१.१ | २.३ | ७३.१ | ५.१ | ९.४ | १३.९ | ४.८ |
| मासु तथा माछा | ५.७ | ५.५ | २४.९ | २४.५ | ७.७ | ५.८ | १७.१ | १३.५ | ९.९ |
| दुग्ध पदार्थ तथा अण्डा | ५.० | ७.८ | १६.५ | १३.४ | १०.५ | १७.४ | ७.३ | ६.७ | १६.८ |
| घ्यू तथा तेल | २.७ | २७.५ | ६.४ | -३.१ | ३.१ | १३.३ | १३.९ | ०.३ | -०.४ |
| फलफूल | २.२ | -४.७ | १९.७ | २१.३ | ३३.४ | ९.८ | ५.२ | १४.१ | १०.४ |
| चिनी तथा मिठाई | १.४ | -८.३ | ५३.३ | ६०.७ | ७.० | ५.९ | १२.० | -३.५ | -०.१ |
| मसला | १.५ | -०.४ | ११.० | ३४.० | २२.१ | -१२.१ | ५.५ | १०.५ | १२.० |
| हल्का पेय पदार्थ | १.० | ४.५ | २१.९ | १५.३ | ८.९ | ६.० | १२.० | २.४ | ४.२ |
| मदिरा | १.७ | २.१ | १३.० | १२.४ | २.१ | ९.२ | ४.४ | २२.५ | २१.१ |
| सुर्तिजन्य पदार्थ | ०.९ | १०.० | १७.५ | ११.४ | १७.१ | ९.० | ११.४ | २५.३ | २६.६ |

| उपभोग्य वस्तुहरू | भार प्रतिशत | आर्थिक वर्ष / फागुन महिना | | | | | | | |
|-----------------------------|-------------|---------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| | | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| रेष्टुराँ तथा होटल | २.४ | ७.६ | २४.५ | २०.७ | १५.५ | ११.४ | १२.२ | ९.५ | ११.३ |
| ख. गैर खाद्य वस्तु तथा सेवा | ५३.२ | ३.९ | ८.३ | ५.९ | ५.३ | ९.४ | ९.३ | ७.१ | ४.९ |
| लत्ता कपडा तथा जुत्ता | ८.५ | ३.३ | ८.८ | ६.८ | १३.७ | १५.२ | ११.५ | १२.२ | १०.० |
| घरायसी सामान तथा सेवा | १०.९ | ४.८ | ६.८ | ६.७ | ६.४ | ६.३ | ९.७ | ५.१ | ०.९ |
| फर्निचर तथा घरायसी उपकरण | ४.९ | ५.२ | १४.० | ५.३ | ७.३ | १३.४ | १२.७ | ९.४ | ८.९ |
| स्वास्थ्य | ३.३ | ७.२ | ४.४ | २.४ | २.९ | ६.४ | ६.५ | ९.१ | ४.३ |
| यातायात | ६.० | १.१ | १३.९ | -०.७ | ११.३ | १७.० | ८.४ | ४.९ | ०.५ |
| संचार | ३.६ | ०.० | ०.१ | ०.० | -१०.४ | -८.२ | -२.१ | ०.१ | ०.३ |
| मनोरञ्जन तथा संस्कृति | ५.४ | ५.२ | ६.६ | ६.८ | -२.० | ८.८ | ६.२ | ७.५ | ६.२ |
| शिक्षा | ८.५ | ४.९ | ८.२ | ११.८ | ४.७ | ८.९ | १२.५ | ७.८ | ५.५ |
| अन्य वस्तु तथा सेवाहरू | २.२ | १.० | १२.५ | ८.४ | ५.४ | ९.९ | १०.८ | ६.५ | ८.३ |

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

क्षेत्रगत उपभोक्ता मूल्य स्थिति

३.१० क्षेत्रगत रुपमा हेर्दा काठमाडौं उपत्यकाको उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क २०७१ फागुनमा विन्दुगत आधारमा ७.१ प्रतिशतले बढेको छ । २०७० फागुनमा यस्तो सूचकाङ्क ८.७ प्रतिशतले बढेको थियो । समीक्षा अवधिमा काठमाडौं उपत्यकामा खाद्य तथा पेय पदार्थ समूहको मूल्य सूचकाङ्क १०.३ प्रतिशतले र गैर-खाद्य वस्तु तथा सेवा समूहको मूल्य सूचकाङ्क ४.१ प्रतिशतले बढेको छ । खाद्य तथा पेय पदार्थ समूहतर्फ मदिराको सबैभन्दा बढी अर्थात् २१.८ प्रतिशत, दुग्ध पदार्थ तथा अण्डा १६.९ प्रतिशत र दाल १५.० प्रतिशतले मूल्य वृद्धि भएको छ । गैर-खाद्य तथा सेवा समूहमा लत्ता कपडा तथा जुत्ता ८.२ प्रतिशत, फर्निचर तथा घरायसी उपकरण ७.६ प्रतिशत र स्वास्थ्य ५.५ प्रतिशतले मूल्य वृद्धि भएको छ भने यातायात उप-समूहको मूल्य वृद्धि ३.५ प्रतिशतले ऋणात्मक रहेको छ ।

३.११ त्यसैगरी, तराईको उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क २०७१ फागुनमा ६.९ प्रतिशतले बढेको छ । २०७० फागुनमा यो सूचकाङ्क ९.५ प्रतिशतले बढेको थियो । खाद्य तथा पेय पदार्थ समूह अन्तर्गत सबै भन्दा बढी अर्थात् ३१.५ प्रतिशतले सुर्तिजन्य पदार्थको मूल्य सूचकाङ्क बढेको छ । त्यस्तै, दुग्ध पदार्थ तथा अण्डा, मदिरा र दाल उप-समूहको मूल्य सूचकाङ्क क्रमशः २१.२ प्रतिशत, १८.३ प्रतिशत र १७.७ प्रतिशतले बढेको छ । त्यसैगरी, गैर-खाद्य तथा सेवा समूहमा लत्ता कपडा तथा जुत्ता, अन्य वस्तु तथा सेवाहरु तथा फर्निचर तथा घरायसी उपकरण उप समूहको मूल्य सूचकाङ्क क्रमशः १०.७ प्रतिशत, ९.८ प्रतिशत र ९.० प्रतिशतले बढेको छ ।

३.१२ त्यस्तै, पहाडको मूल्य सूचकाङ्क २०७१ फागुनमा ७.१ प्रतिशतले बढेको छ । २०७० फागुनमा यो सूचकाङ्क ७.९ प्रतिशतले बढेको थियो । खाद्य तथा पेय पदार्थ समूहमा सुर्तिजन्य पदार्थ उप-समूहको सबैभन्दा बढी अर्थात् ३३.७ प्रतिशतले मूल्य वृद्धि भएको छ । त्यस्तै, मदिरा, दाल तथा मसला उप-समूहहरुको मूल्य सूचकाङ्कमा क्रमशः २४.९ प्रतिशत, १७.२ प्रतिशत र १५.० प्रतिशतले वृद्धि भएको छ । गैर-खाद्य तथा सेवा समूहमा लत्ता कपडा तथा जुत्ता (११.१ प्रतिशत), फर्निचर तथा घरायसी उपकरण (१०.३ प्रतिशत) र अन्य वस्तु तथा सेवाहरु (८.० प्रतिशत) को मूल्यमा भएको वृद्धिले समग्रमा यो समूहको सूचकाङ्क ६.४ प्रतिशतले बढेको छ ।

थोक मूल्य सूचकाङ्क

३.१३ वार्षिक विन्दुगत आधारमा २०७१ फागुनमा राष्ट्रिय थोक मूल्य सूचकाङ्क (२०५६/५७ = १००) ५.५ प्रतिशतले बढेको छ । २०७० फागुनमा यस्तो वृद्धिदर ८.३ प्रतिशत रहेको थियो । राष्ट्रिय थोक मूल्य सूचकाङ्क अन्तर्गत कृषि वस्तु समूहको मूल्य सूचकाङ्क ८.४ प्रतिशतले र स्वदेशमा उत्पादित औद्योगिक वस्तु समूहको मूल्य सूचकाङ्क ६.० प्रतिशतले बढेको छ । तर आयातीत वस्तु समूहको मूल्य सूचकाङ्क भने ०.८ प्रतिशतले घटेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा उक्त समूहहरुको मूल्य सूचकाङ्क क्रमशः ११.३ प्रतिशत, ६.७ प्रतिशत र ३.७ प्रतिशतले बढेको थियो ।

**तालिका ३ (ग) : राष्ट्रिय थोकमूल्य सूचकांकको वार्षिक विन्दुगत परिवर्तन
(आधार वर्ष २०५६/५७=१००)**

(प्रतिशत परिवर्तन)

| समुह | भार प्रतिशत | आर्थिक वर्ष / फागुन महिना | | | | | | | |
|----------------------------------|-------------|---------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| | | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| कुल | १००.० | ६.६ | १२.३ | १२.२ | १२.४ | ६.३ | ९.० | ८.३ | ५.५ |
| कृषि सम्बन्धी वस्तु | ४९.६ | ४.९ | १५.३ | १९.२ | १५.४ | १.७ | १२.३ | ११.३ | ८.४ |
| स्वदेशमा उत्पादित औद्योगिक वस्तु | २०.४ | ९.० | ८.८ | १२.१ | ८.२ | ९.५ | ३.५ | ६.७ | ६.० |
| आयातित वस्तु | ३०.० | ७.८ | १०.० | १.२ | ९.७ | १३.० | ६.६ | ३.७ | -०.८ |

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

३.१४ कृषि वस्तु समूह अन्तर्गत फलफूल तथा तरकारी उप-समूहको मूल्य १७.९ प्रतिशतको उल्लेख्य दरले बढेको छ । त्यस्तै, नगदेबालीको मूल्यमा १२.८ प्रतिशतले र दलहनको मूल्यमा १२.६ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ । स्वदेशमा उत्पादित औद्योगिक वस्तु समूहमा पेय तथा सूतिजन्य वस्तुहरूको मूल्य सबै भन्दा बढी अर्थात् ११.४ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ भने आयातित वस्तु समूहमा औषधि तथा कपडाजन्य वस्तुहरूको मूल्य क्रमशः १०.५ प्रतिशत र ८.४ प्रतिशतले बढेको छ । तर पेट्रोलियम पदार्थ तथा कोइला र इलेक्ट्रिक तथा इलेक्ट्रोनिक वस्तुहरूको मूल्य क्रमशः ११.७ प्रतिशत र ०.२ प्रतिशतले हास आएको छ ।

राष्ट्रिय तलब तथा ज्यालादर सूचकाङ्क

३.१५ वार्षिक विन्दुगत आधारमा २०७१ फागुन महिनामा राष्ट्रिय तलब तथा ज्यालादर सूचकाङ्क (२०६१/६२=१००) ६.८ प्रतिशतले बढेको छ । २०७० फागुनमा यो सूचकाङ्क १६.९ प्रतिशतले बढेको थियो । समीक्षा अवधिमा तलब सूचकाङ्क ७.६ प्रतिशतले तथा ज्यालादर सूचकाङ्क ६.६ प्रतिशतले बढेको छ । समीक्षा अवधिमा तलब सूचकाङ्कमा सबै भन्दा बढी (९.७ प्रतिशतले) निजामती सेवाको तलब बढेको छ । त्यस्तै, ज्यालादर सूचकाङ्कमा निर्माण मजदुरको सबै भन्दा बढी (१०.४ प्रतिशतले) ज्याला बढेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा तलब सूचकाङ्क २६.४ प्रतिशतले र ज्यालादर सूचकाङ्क १४.८ प्रतिशतले बढेको थियो ।

तालिका ३ (घ) : राष्ट्रिय तलब तथा ज्यालादर सूचकांकको वार्षिक विन्दुगत परिवर्तन
(आधार वर्ष २०६१/६२=१००)

(प्रतिशत परिवर्तन)

| उपभोग्य वस्तुहरू | भार प्रतिशत | आर्थिक वर्ष / फागुन महिना | | | | | | |
|--------------------------------|-------------|---------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| | | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| कुल सूचकाङ्क | १००.० | १९.३ | १३.७ | १९.१ | २७.६ | ७.८ | १६.९ | ६.८ |
| १. तलब सूचकाङ्क | २७.० | १६.८ | १३.८ | ०.० | १९.३ | ०.० | २६.४ | ७.६ |
| १.१ निजामती सेवा | २.८ | २८.१ | १४.६ | ०.० | १८.७ | ०.० | ३१.३ | ९.७ |
| १.२ सार्वजनिक संस्थानहरू | १.१ | २१.९ | ११.१ | ०.० | २८.० | ०.० | २७.६ | ७.५ |
| १.३ बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरू | ०.६ | १८.२ | १.३ | ०.० | ४२.४ | ०.० | ४७.७ | ४.३ |
| १.४ सेना तथा प्रहरीबल | ४.० | ३०.९ | १३.० | ०.० | २६.५ | ०.० | ३४.५ | ८.५ |
| १.५ शिक्षा | १०.६ | १६.१ | २२.४ | ०.० | १९.१ | ०.० | ३०.५ | ९.१ |
| १.६ निजी प्रतिष्ठानहरू | ७.९ | २.७ | ०.० | ०.० | ८.६ | ०.० | ०.० | ०.० |
| २.ज्यालादर सूचकाङ्क | ७३.० | २०.१ | १३.६ | २५.५ | २९.८ | ९.६ | १४.८ | ६.६ |
| २.१ कृषि मजदूर | ३९.५ | २६.९ | १७.० | ३४.६ | २७.१ | १२.५ | ११.१ | ७.९ |
| २.२ औधोगिक मजदूर | २५.२ | १०.६ | ८.८ | १०.४ | ३४.३ | ४.७ | २४.८ | २.७ |
| २.३ निर्माण मजदूर | ८.३ | १८.१ | १०.६ | २०.४ | ३४.१ | ६.३ | १०.० | १०.४ |

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक ।

केही प्रमुख वस्तुहरूको सरदर खुद्रा मूल्य

३.१६ दैनिक उपभोग्य वस्तुहरूमध्ये प्रमुख १० कृषिजन्य वस्तुहरू (चामल, गहुँको पीठो, मासको दाल, रहरको दाल, तोरीको तेल, खारेको घ्यू, खसीको मासु, आलु, सुकेको प्याज र ताजा अदुवा) को सरदर खुद्रा मूल्यको समीक्षा गर्दा २०७० फागुनको तुलनामा २०७१ फागुनमा गहुँको पिठो, मासको दाल, आलु र प्याजको मूल्य क्रमशः ४.६ प्रतिशत, १२.२ प्रतिशत, ४.८ प्रतिशत र ५२.१ प्रतिशतले बढेको छ भने चामल, रहरको दाल, तोरीको तेल, खारेको घिउ, खसीको मासु र

अदुवाको मूल्य क्रमशः ०.२ प्रतिशत, ३.३ प्रतिशत, ०.३ प्रतिशत, १९.० प्रतिशत, ४.१ प्रतिशत र ३०.० प्रतिशतले घटेको छ ।

तालिका ३ (ड) : केही प्रमुख वस्तुहरूको सरदर खुद्रा बजार मूल्य

(रुपैयाँ)

| क्र.सं. | वस्तुको नाम | इकाई | २०७० | | २०७०* | |
|---------|--------------|--------|--------|-------|--------|-------|
| | | | श्रावण | फागुन | श्रावण | फागुन |
| १ | चामल मोटो | के.जी. | ४३.९ | ३९.२ | २८.१ | ३९.१ |
| २ | गहुँको पीठो | के.जी. | ३८.८ | ४१.२ | २८.४ | ४३.१ |
| ३ | मासको दाल | के.जी. | ११५.७ | ११४.१ | ८०.४ | १२८.० |
| ४ | रहरको दाल | के.जी. | १३१.६ | १३३.१ | ६३.९ | १२८.७ |
| ५ | तोरीको तेल | लिट्र | १७३.३ | १६७.० | ११३.८ | १६६.५ |
| ६ | ध्यू खारेको | के.जी. | ७०२.९ | ७३१.३ | ३६५.४ | ५९२.३ |
| ७ | खसीको मासु | के.जी. | ५४४.३ | ५९१.८ | ३६९.२ | ५६७.३ |
| ८ | आलु | के.जी. | ३२.७ | २७.६ | २७.९ | २८.९ |
| ९ | सुकेको प्याज | के.जी. | ६५.१ | ३९.१ | ३७.१ | ५९.५ |
| १० | अदुवा | के.जी. | १६९.६ | १२९.५ | १२१.३ | ९०.७ |

* प्रारम्भिक तथ्याङ्क

स्रोत: कृषि बिभाग, कृषि ब्यवसाय प्रवर्धन तथा बजार विकास निर्देशनालय, हरिहरभवन ।

अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा कच्चा पेट्रोलियम पदार्थ तथा सुनको मूल्य

३.१७ अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा कच्चा पेट्रोलियम (Crude Oil Brent) को मूल्य २०७० फागुन मसान्तमा प्रति ब्यारल अमेरिकी डलर १०८.१ रहेकोमा २०७१ फागुन मसान्तमा ४९.३ प्रतिशतको उच्च दरले हास आई प्रति ब्यारल अमेरिकी डलर ५४.८ कायम भएको छ । अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा पेट्रोलियम पदार्थको मूल्य उच्च दरले घट्नुमा मूलतः चिनीया, जापानी तथा युरोपियन मुलुकको अर्थतन्त्रमा सुस्तता आउनु, अमेरिका तथा साउदी अरेवियाले उत्पादन बढाउनु र तेल उत्पादन गर्ने राष्ट्रहरूको समूह (OPEC) ले उत्पादन कोटा यथावत राख्ने निर्णय गर्नु आदि प्रमुख कारण रहेका छन् । त्यसैगरी, सुनको मूल्य २०७० फागुन मसान्तमा प्रति आउन्स अमेरिकी डलर १३८५.० रहेकोमा २०७१ फागुन मसान्तमा १६.८ प्रतिशतले हास आई प्रति आउन्स अमेरिकी डलर ११५२.० कायम रहेको छ ।

तालिका ३ (च) : अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा तेल तथा सुनको मूल्य

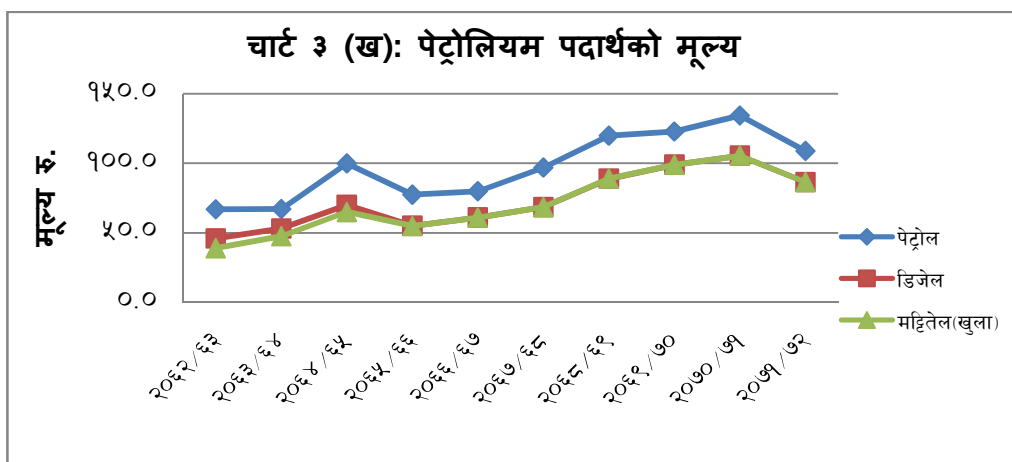
| | असार मसान्त | | | फागुन मसान्त | | | प्रतिशत परिवर्तन | | | |
|--------------------------|-------------|--------|--------|--------------|--------|--------|------------------|------|-------|-------|
| | | | | | | | असार | | फागुन | |
| | २०६९ | २०७० | २०७१ | २०६९ | २०७० | २०७१ | २०७० | २०७१ | २०७० | २०७१ |
| तेल (डलर प्रति ब्यारल) * | १०२.१ | १०९.१ | १०४.७ | १०९.३ | १०८.१ | ७४.८ | ६.८ | -४.० | -१.१ | -४९.३ |
| सुन (डलर प्रति आउन्स) ** | १५८९.८ | १२८४.८ | १३१०.० | १५९५.५ | १३८५.० | ११५२.० | -१९.२ | २.० | -१३.२ | -१६.८ |

* क्रुड आयल ब्रेन्ट, ** लन्डन दरमा आधारित ।

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

नेपालमा पेट्रोलियम पदार्थको मूल्य प्रवृत्ति

३.१८ पेट्रोलियम पदार्थहरूमध्ये पेट्रोलको मूल्य आर्थिक वर्ष २०६२/६३ मा रु. ६७१- रहेकोमा क्रमशः बढ्दै आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा रु. १०९१- पुगेको छ । त्यसैगरी, डिजेलको मूल्य आर्थिक वर्ष २०६२/६३ को रु. ४६१- बाट बढेर आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा रु. ८६१० तथा मट्टितेलको मूल्य रु. ३९१- बाट बढेर रु. ८६१० पुगेको छ । विगत १० वर्ष अवधिको पेट्रोलियम पदार्थको मूल्य प्रवृत्तिलाई तलको रेखा चित्रमा देखाइएको छ ।



३.१९ डिपो वा भन्सार विन्दु रहेको ठाउँ अनुसार थोक बिक्री मूल्य (मूल्य अभिवृद्धि कर समेत) निर्धारण गर्ने व्यवस्था रहेको छ । पेट्रोलियम पदार्थको थोक बिक्री वितरण गर्ने व्यवस्था विराटनगर, वीरगञ्ज, अमलेखगञ्ज, काठमाडौं, पोखरा,

भैरहवा, नेपालगञ्ज, सुर्खेत, दाङ्ग, धनगढी, दिपायल र जनकपुरबाट गरिएको छ । यस व्यवस्थाबाट ठाउँ अनुसार पेट्रोलियम पदार्थको थोक मूल्य तथा खुद्रा मूल्य फरक पर्न सक्दछ । २०७१ चैत १९ गते निर्धारण भएको मूल्य अनुसार काठमाडौं उपत्यकामा पेट्रोलको खुद्रा मूल्य रु. १०९।-, डिजेल तथा मट्टितेलको खुद्रा मूल्य रु. ८६।५० र एल.पि. ग्याँसको मूल्य प्रति सिलिण्डर १,४७०।- रूपैयाँ रहेको छ । त्यस्तै, हवाई इन्धनको मूल्य रु. १३३।- प्रति लिटर रहेको छ ।

आपूर्ति स्थिति

३.२० आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनामा गत वर्षको यसै अवधिको तुलनामा पेट्रोलको आपूर्ति १४.० प्रतिशतले, डिजेलको आपूर्ति १६.१ प्रतिशतले, हवाई इन्धनको आपूर्ति ९.१ प्रतिशतले र एल. पि. ग्याँसको आपूर्ति ९.८ प्रतिशतले बढेको छ । तर मट्टितेलको आपूर्ति भने ०.२ प्रतिशतले घटेको छ । खासगरी एल. पि. ग्याँसले मट्टितेललाई प्रतिस्थापन गर्दै लगेको र मट्टितेल र डिजेलको मूल्य समान भएको हुँदा कालोबजारी गर्ने प्रवृत्तिमा समेत कमी आएकोले गर्दा मट्टितेलको मागमा कमि आई आपूर्ति केही घट्न गएको हो । केही प्रमुख पेट्रोलियम पदार्थको आपूर्ति स्थितिलाई तलको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका ३ (छ) : केही प्रमुख पेट्रोलियम पदार्थको आपूर्ति स्थिति

| केही प्रमुख पेट्रोलियम पदार्थहरू | प्रथम आठ महिना | | प्रतिशत परिवर्तन |
|----------------------------------|----------------|---------------|------------------|
| | २०७०/७१ | २०७१/७२ | फागुन / फागुन |
| पेट्रोल (कि.लि.) | १६४००७ | १८६९६५ | १४.० |
| डिजेल (कि.लि.) | ५०२३२९ | ५८३२४२ | १६.१ |
| मट्टितेल (कि.लि.) | १३५७३ | १३५४१ | -०.२ |
| हवाई इन्धन (कि.लि.) | ८६९२२ | ९४८५४ | ९.१ |
| कुल जम्मा | ७६६८३१ | ८७८६०२ | १४.६ |
| एल.पी.ग्याँस (मे.ट.) | १५१२११ | १६५९७५ | ९.८ |

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

३.२१ कुण्ठरोग नियन्त्रण कार्यक्रम अन्तर्गत आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा देशका १३ दुर्गम तथा ९ आंशिक दुर्गम गरी २२ जिल्लाहरूमा कुल ५० हजार ६३ क्वीन्टल आयोडिनयुक्त नून ढुवानी गर्ने लक्ष्य रहेकोमा समीक्षा अवधिमा ३९ हजार ३ सय ४४ क्वीन्टल आयोडिनयुक्त नून ढुवानी भएको छ ।

३.२२ देशका २३ दुर्गम हिमाली तथा पहाडी जिल्लाहरूमा सरल एवं सुलभ रूपमा खाद्यान्न उपलब्ध गराउने नीतिअनुरूप चालु आर्थिक वर्षमा पनि खाद्य संस्थान मार्फत् खाद्यान्न ढुवानी गरी आपूर्ति गराउने कार्यलाई निरन्तरता दिईएको छ । सोही क्रममा चालु आर्थिक वर्षमा १४ हजार मेट्रिक टन खाद्यान्न ढुवानी गर्ने लक्ष्य रहेकोमा २०७१ फागुन मसान्तसम्ममा ६ हजार ६ सय ७१ मेट्रिक टन खाद्यान्न ढुवानी भएको छ । त्यसैगरी, राष्ट्रिय खाद्यान्न सुरक्षा भण्डारमा २५ हजार मेट्रिक टन खाद्यान्न मौज्जात राख्ने लक्ष्य रहेकोमा २०७१ फागुन मसान्तसम्ममा ११ हजार ८ सय ९४ मेट्रिक टन खाद्यान्न मौज्जात रहेको छ ।

समस्या तथा चुनौतीहरू

३.२३ उच्चस्तरको मूल्यवृद्धिबाट बचत तथा लगानी हतोत्साहित भई आर्थिक वृद्धिमा नकारात्मक प्रभाव परी सर्वसाधारणको जीवनस्तरमा समेत कष्टता आउँदछ । मुद्रास्फीतिलाई वान्छित स्तरमा राख्न विगतमा चालिएका विभिन्न कदमहरूका बाबजुद पनि हालका वर्षहरूमा मुद्रास्फीति दर उच्च रहँदै आएको छ । खासगरी आपूर्तिजन्य लगायत संरचनागत कारणहरूबाट हालका वर्षहरूमा मुद्रास्फीति उच्च रहेको सन्दर्भमा मुद्रास्फीतिलाई वान्छित स्तरमा ल्याउन मौद्रिक नीतिका साथै वित्त नीति एवम् मूल्य अनूगमन लगायत समग्र आपूर्ति व्यवस्थापन गर्नेतर्फ ध्यान दिनु आवश्यक छ । मुद्रास्फीतिलाई नियन्त्रण गर्न वितरण प्रणालीलाई व्यवस्थित बनाउने, दुर्गम हिमाली तथा पहाडी जिल्लाहरूमा भण्डारण क्षमता (Buffer Stock) को विकास र विस्तार गर्ने, राजमार्ग वन्द गर्ने कार्यलाई कानुनी रूपमा दण्डनीय बनाउने, बजार अनूगमनलाई प्रभावकारी बनाउने, यातायात क्षेत्रमा विद्यमान कार्टेलिड / सिण्डिकेट प्रणालीलाई दण्डनिय बनाउने, अनावश्यक सञ्चय गर्ने प्रवृत्तिलाई दुरुत्साहन गर्ने, पेट्रोलियम पदार्थको वितरणलाई व्यवस्थित गर्ने, कृषि उत्पादन तथा उत्पादकत्व बढाउने कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने, लोडसेडिङको समस्या समाधान गर्न निर्माणाधीन जलविद्युत आयोजनाहरू निर्धारित समयमा नै सम्पन्न गर्ने, विचौलियाहरूले लिने गरेको उच्च मार्जिनलाई नियन्त्रण गर्ने, सहकारी संस्थाहरू मार्फत अत्यावश्यक वस्तु तथा सेवाहरूको वितरण गर्ने व्यवस्था मिलाउने, पेट्रोलियम पदार्थको मूल्यमा समायोजन भए अनुसार ढुवानी खर्च, सार्वजनिक सवारीका साधनको भाडादर

स्वतः समायोजन गर्ने वैज्ञानिक संयन्त्र निर्माण गर्ने आदि जस्ता पक्षहरुमा तत्काल ध्यान दिनु आवश्यक छ ।

३.२४ नेपाल आयाल निगमलाई पेट्रोलियम पदार्थको आयात तथा वितरणको एकाधिकार रहेको भएतापनि व्यवस्थापकीय कुशलताको कमी, अत्यधिक चुहावट, नगद प्रवाहको कमी आदिको कारण निगमको वित्तीय अवस्था सन्तोषजनक रहन सकेको छैन । निगमको ऋण दायित्व बढ्दै गएको र नगद प्रवाहको कमीका कारण पेट्रोलियम पदार्थको नियमित आपूर्ति तथा वितरणमा समेत बेलाबेलामा समस्या देखिने गरेको छ । यी समस्याहरु समाधान गर्न निगमको व्यवस्थापकीय पक्षमा सुधार गर्नुकासाथै चुहावट नियन्त्रण गर्ने, निजी क्षेत्रलाई आयात तथा वितरण कार्यमा संलग्न गराउँदै जाने, अन्तर्राष्ट्रिय बजार मूल्य अनुसार स्वतः मूल्य समायोजन गर्ने संयन्त्रलाई अझ वैज्ञानिक बनाउने, डिपोहरुको भण्डारण क्षमता विस्तार गर्ने र नयाँ डिपोहरु निर्माण गर्ने, राजमार्गमा बन्द, हडताल, चक्काजाम गर्ने प्रवृत्तिलाई निरुत्साहित गरी पेट्रोलियम पदार्थको आपूर्तिलाई नियमित गर्ने, ग्याँसको पर्याप्त मौज्जातका लागि नेपाल आयाल निगमले आफ्नै वोट्लिङ स्थापना गर्ने, रक्सौल अमलेखगञ्ज पेट्रोलियम पाइपलाइन निर्माणको काम यथाशीघ्र सम्पन्न गर्ने, पेट्रोलियम पदार्थको विकल्पमा जलविद्युत विकास र उपयोगमा जोड दिने आदि पक्षहरुमा ध्यान दिनु आवश्यक छ ।

३.२५ नेपाल खाद्य संस्थानबाट दुर्गम जिल्लाहरुमा खाद्यान्न ढुवानी भइरहेको भएतापनि ढुवानीकर्ताहरु बीच विद्यमान अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा, ठेक्का स्वीकृत भएपछि संझौता गर्न नआउने प्रवृत्ति, सम्झौता भएपछि पनि समयमा खाद्यान्न ढुवानी नगर्ने प्रवृत्ति र संस्थानका सबै डिपोहरुमा आवश्यक कर्मचारीहरुको अभाव आदिको कारण खाद्यान्नको वितरण प्रभावकारी हुन सकेको छैन । त्यस्ता डिपोहरुमा स्थानीय राजनीतिक दलका प्रतिनीधिहरु, प्रहरी प्रमुख र गा.वि.स. सचिव समेत सम्मिलित समितिले तोके बमोजिमका व्यक्तिले खाद्यान्न वितरण गर्ने व्यवस्था भएकोले यसरी खाद्यान्न वितरण हुँदा दुरुपयोग हुने गरेको र धेरै जिल्लाहरुमा यातायात सुविधा पुगेको भएतापनि खाद्यान्न ढुवानी पहिलेकै कोटा अनुसार हुने गरेकोले कम दुर्गम स्थानहरुमा खाद्यान्नको माग कम हुने र विकट स्थानहरुमा माग बढी हुने जस्ता समस्याहरु देखिएका छन् । यी समस्याहरु समाधान गर्न कर्मचारी नभएको

डिपोमा कर्मचारी व्यवस्था गरी कर्मचारी मार्फत नै खाद्यान्न वितरण गर्ने व्यवस्था मिलाउने, खाद्यान्न अनुदान जाने जिल्लाहरुको पुनरावलोकन गरी यातायात सुविधा पुग्ने सुगम तर्फ अग्रसर हुन थालेका जिल्लाहरुको खाद्यान्न ढुवानी कोटा कटौती गरी खाद्यान्न अभाव झेल्नु परेका अति दुर्गम जिल्लाहरुमा कोटा थप गर्ने, ढुवानीका लागि पर्याप्त बजेटको व्यवस्था गर्ने, दुर्गम जिल्लाहरुमा भण्डारण क्षेत्र (Buffer Zone) को स्थापना गर्ने, वितरण प्रणालीलाई व्यवस्थित बनाउने आदि पक्षहरुमा ध्यान दिनु आवश्यक छ ।

४. मुद्रा तथा बैकिङ्ग

मौद्रिक नीति

- ४.१ समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम गर्दै उच्च तथा दिगो आर्थिक वृद्धिका लागि मौद्रिक तथा वित्त नीतिको तर्जुमा गरिन्छ । वित्त नीति जनताद्वारा निर्वाचित कार्यकारीद्वारा तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिन्छ भने मौद्रिक नीतिको तर्जुमा तथा कार्यान्वयनमा स्वायत्त केन्द्रीय बैंक संलग्न रहेको हुन्छ ।
- ४.२ नेपाल राष्ट्र बैंक ऐन, २०५८ को दफा ९४ अनुसार नेपाल राष्ट्र बैंकले प्रत्येक वर्ष मौद्रिक नीति सम्बन्धी प्रतिवेदन सार्वजनिक जानकारीको लागि प्रकाशन गरी आएको छ । उक्त ऐनको प्रावधान अनुसार नेपाल राष्ट्र बैंकले आर्थिक वर्ष २०५९/६० देखि मौद्रिक नीति र त्यसको मध्यावधी समीक्षा प्रतिवेदन सार्वजनिक गरी आएको छ । मौद्रिक नीति मूलतः मूल्य तथा बाह्य क्षेत्र स्थायित्व कायम गर्ने, वित्तीय स्थायित्व कायम गर्दै आर्थिक वृद्धिको लक्ष्य हासिल गर्न सहयोग गर्ने, वित्तीय पहुँच विस्तार गर्ने जस्ता उद्देश्यहरु परिपूर्तीमा केन्द्रित रहने गर्दछ । यिनै उद्देश्यका साथ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को मौद्रिक नीति २०७१ साउन २ गते र त्यसको मध्यावधी समीक्षा प्रतिवेदन २०७१ फागुन ४ गते सार्वजनिक भएको थियो ।

मौद्रिक नीतिको कार्यदिशा

- ४.३ बैकिङ्ग क्षेत्रमा लामो समयसम्म कायम रहेको उच्च तरलताले मूल्य, बाह्य क्षेत्र एवम् वित्तीय क्षेत्रको स्थायित्वमा नकारात्मक असर पार्न सक्ने सम्भावनालाई ध्यानमा राखी मौद्रिक नीतिको कार्यदिशालाई केही कसिलो तुल्याइएको छ । तथापी आर्थिक वर्ष २०७१/७२ का लागि परिलक्षित आर्थिक वृद्धि हासिल गर्न बैकिङ्ग क्षेत्रबाट यथेष्ट कर्जा प्रवाह हुने व्यवस्था मिलाइएको छ ।

- ४.४ विप्रेषण आप्रवाह लगायत आर्थिक गतिविधिमा हुने विस्तारका कारण समग्र माग वृद्धि हुने र आन्तरिक आपूर्तिजन्य अवरोधहरू कायमै रहेको जस्ता अवस्थाहरूले मुद्रास्फीति दरलाई न्यून स्तरमा राख्ने कार्य अझैपनि चुनौतीपूर्ण छ । बढ्दो विप्रेषणको कारण खर्चयोग्य आयमा हुने वृद्धि र तदनुरूप आपूर्ति नबढ्ने स्थितिमा अल्पकालीन रूपमा माग पक्षलाई नै व्यवस्थित गर्नुपर्ने अवस्था कायमै रहेको छ । तसर्थ, मौद्रिक योगाङ्कहरूलाई वाञ्छित सीमाभित्र राखी माग पक्षबाट मुद्रास्फीतिमा थप चाप पर्न नदिने तर्फ मौद्रिक नीतिको जोड रहेको छ ।
- ४.५ बैंकिङ्ग क्षेत्रमा विद्यमान उच्च तरलताका कारण अल्पकालीन ब्याजदरहरू ज्यादै तल झरेका छन् । यसले गर्दा शेयर बजार र घरजग्गा कारोबारतर्फ कर्जा प्रवाह बढेर सम्पत्तिको मूल्य (Asset Price) मा अस्वभाविक वृद्धि हुने र वित्तीय स्थायित्व जोखिममा पर्ने सम्भावनालाई दृष्टिगत गरी मौद्रिक नीतिको कार्यदिशा केही कसिलो तुल्याइएको हो ।
- ४.६ उत्पादनशील क्षेत्रमा कर्जा लगानी विस्तार गर्न बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूलाई अभिप्रेरित गर्नुका साथै वित्तीय साक्षरताको माध्यमबाट कर्जाको माग तथा उपयोग पक्षलाई समेत सुदृढ गर्नेतर्फ पनि मौद्रिक नीति केन्द्रित रहेको छ । त्यसैगरी, मौद्रिक नीति कार्यान्वयन माध्यमको रूपमा रहेका बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको सुदृढीकरण गर्दै समग्र वित्तीय क्षेत्रको स्थायित्व कायम गर्ने तर्फ पनि मौद्रिक नीति परिलक्षित रहेको छ । यसका अतिरिक्त वित्तीय पहुँच अभिवृद्धि तर्फ पनि जोड दिइएको छ ।

आर्थिक तथा मौद्रिक लक्ष्य

- ४.७ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा उपभोक्ता मुद्रास्फीति दरलाई वार्षिक औसत ८ प्रतिशत कायम राखी कम्तिमा ८ महिनाको वस्तु तथा सेवाको आयात धान्न पर्याप्त हुने विदेशी विनिमय सञ्चिति कायम गर्ने र नेपाल सरकारको आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को बजेट वक्तव्यमा उल्लिखित आर्थिक वृद्धि हासिल गर्न सघाउ

पुन्याउन आवश्यक मौद्रिक तरलता व्यवस्थापन गर्ने मौद्रिक नीतिको लक्ष्य रहेको थियो ।

- ४.८ मौद्रिक नीतिको कार्यदिशा अनुरूप मौद्रिक क्षेत्रबाट मूल्यमा चाप पर्न नदिन र परिलक्षित आर्थिक वृद्धिलाई सहयोग पुन्याउन मौद्रिक नीतिको अन्तरिम लक्ष्यको रूपमा रहेको विस्तृत मुद्राप्रदायको वृद्धिदरलाई १६ प्रतिशतको हाराहारीमा कायम राखिने लक्ष्य रहेको थियो ।
- ४.९ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को लागि प्रक्षेपित आर्थिक वृद्धिदर तथा मुद्रास्फीति दरको आधारमा सृजना हुनसक्ने समग्र मागको अवस्थालाई दृष्टिगत गर्दा निजी क्षेत्रतर्फको कर्जा १८ प्रतिशतले बढ्ने प्रक्षेपण रहेको थियो । त्यसैगरी, २०७१ फागुनमा जारी गरिएको मौद्रिक नीतिको मध्यावधी समीक्षामा आर्थिक वृद्धिदर बाहेकका अन्य सबै लक्ष्यहरु हासिल हुने अनुमान गरिएको थियो ।

मन्जुसा ४ (क): मौद्रिक नीतिका प्रमुख परिसूचकहरु

- वार्षिक औषत मूल्य वृद्धि ८.० प्रतिशत रहने लक्ष्य लिइएकोमा आठ महिनाको औषत उपभोक्ता मुद्रास्फीति ७.२ प्रतिशत रहेको ।
- कम्तिमा ८ महिनाको वस्तु तथा सेवाको आयात धान्न सक्ने विदेशी विनिमय सञ्चितिको स्तर कायम राख्ने लक्ष्य रहेकोमा आठ महिनासम्ममा सञ्चित विदेशी विनिमयले ९.७ महिनाको वस्तु तथा सेवाको आयात धान्न पर्याप्त रहेको ।
- लक्षित आर्थिक वृद्धिदर हासिल गर्न विस्तृत मुद्रा प्रदायको वृद्धिदर १६.० प्रतिशत रहने प्रक्षेपण रहेकोमा आठ महिनामा विस्तृत मुद्रा प्रदायको वृद्धिदर ८.१ प्रतिशत रहेको ।
- निजी क्षेत्र तर्फको कर्जा १८.० प्रतिशतले बढ्ने प्रक्षेपण रहेकोमा आठ महिनामा १२.४ प्रतिशतले बढेको ।

मौद्रिक नीतिको सञ्चालन उपकरण

- ४.१० आर्थिक वर्ष २०७१/७२ देखि बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुले कायम गर्नुपर्ने विद्यमान अनिवार्य नगद अनुपातलाई “क” वर्गको लागि ६.० प्रतिशत, “ख” वर्गको लागि ५.० प्रतिशत र “ग” वर्गको लागि ४.० प्रतिशत कायम गरिएको

छ । त्यस्तै, अन्तिम ऋणदाता सुविधा तथा सुरक्षणपत्रहरूको डिष्काउण्ट गर्ने प्रयोजनको लागि लागू हुने बैंकदरलाई ८ प्रतिशतमा यथावत राखिएको छ ।

४.११ कृषि, जलविद्युत, पशुपंक्षी एवम् मत्स्यपालन व्यवसाय र तोकिएका अन्य उत्पादनशील क्षेत्रको लागि कायम रहेको पुनरकर्जा दर ५.० प्रतिशतबाट घटाएर ४.० प्रतिशत कायम गरिएको छ । विद्यमान अन्य पुनरकर्जा दरहरू भने यथावत राखिएको छ । त्यस्तै, नेपाल सरकारको आर्थिक वर्ष २०७१/७२ बजेट वक्तव्यमा उल्लेख भएबमोजिम पशुपंक्षी पालन, जडिवुटी, तरकारी र फलफूल खेती, दुग्ध व्यवसाय, मत्स्यपालन, च्याउखेती, कृषि भण्डारण, शीत भण्डारण, पशु बधशाला एवम् मासुजन्य व्यवसायको लागि वाणिज्य बैंकहरूबाट ६.० प्रतिशत ब्याजदरमा कर्जा उपलब्ध गराउने व्यवस्था मिलाइएको छ ।

४.१२ मौद्रिक नीतिको प्रमुख उपकरणको रूपमा रहेको खुला बजार कारोबारलाई उद्देश्यमूलक र पारदर्शी ढंगले संचालन गर्न “नेपाल राष्ट्र बैंक, खुला बजार कारोबार विनियमावली, २०७१” को तर्जुमा गरी विनियमावलीमा व्यवस्था गरिएका (क) नियमित, (ख) आकस्मिक र (ग) संरचनात्मक खुला बजार कारोबारहरूलाई कार्यान्वयनमा ल्याइएको छ । समग्रमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको कुल स्वदेशी निक्षेप दायित्वको बढीमा दुई प्रतिशतको सीमाभित्र रही गरिने नियमित, आकस्मिक तथा संरचनात्मक खुला बजार कारोबारहरूका लागि रिपो, रिभर्स रिपो, सोझै खरिद, सोझै बिक्री तथा निक्षेप संकलन र नेपाल राष्ट्र बैंक ऋणपत्र बोलकबोल उपकरणहरूको प्रयोग गर्न सकिने व्यवस्था मिलाइएको छ । सोझै बिक्री, सोझै खरिद, रिपो तथा रिभर्स रिपो बोलकबोल जस्ता खुला बजार कारोबार नेपाल सरकारको ट्रेजरी बिल, विकास ऋणपत्र, नेपाल राष्ट्र बैंक ऋणपत्र तथा नेपाल राष्ट्र बैंकले समय-समयमा तोकेका अन्य सुरक्षणपत्रहरूको आधारमा गरिने व्यवस्था रहेको छ । नेपाल राष्ट्र बैंकको वासलातको आधारमा तयार गरिने तरलता अनुगमन तथा प्रक्षेपण संरचना प्रतिवेदन एवम् अन्य वित्तीय सूचकहरूले इङ्गित गर्ने बैंकिङ्ग क्षेत्रको समग्र तरलताको स्थितिलाई केन्द्र विन्दु बनाई खुला बजार कारोबार हुने गरेको छ ।

४.१३ बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले कायम गर्नुपर्ने वैधानिक तरलता अनुपात सम्बन्धी विद्यमान व्यवस्थालाई यथावत कायम गरिएको छ । त्यसैगरी, अल्पकालीन तरलता व्यवस्थापन गर्न बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूलाई उपलब्ध गराइने स्थायी तरलता सुविधा बैंकदरमा उपलब्ध गराउने व्यवस्थालाई पनि निरन्तरता दिइएको छ ।

तालिका ४ (क) : बैंकदर, पुनरकर्जादर र अनिवार्य नगद अनुपात (प्रतिशतमा)

| उपकरण | आर्थिक वर्ष | | | | |
|----------------------------------|-------------|---------|------------------|-------------------|--------------------|
| | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| बैंकदर | ७.० | ७.० | ८.० | ८.० | ८.० |
| पुनरकर्जादरहरू: | | | | | |
| निर्यात कर्जा (स्वदेशी मुद्रामा) | १.५ | १.५ | १.५ | १.० | १.० |
| निर्यात कर्जा (विदेशी मुद्रामा) | ०.२५* | ०.२५* | ०.२५* | ०.२५* | ०.२५* |
| रुग्ण उद्योग | १.५ | १.५ | १.५ | १.० | १.० |
| साना तथा घरेलु उद्योग | १.५ | १.५ | १.५ | १.० | १.० |
| उत्पादनमूलक क्षेत्र | ७.० | ६.५ | ६.० | ५.० | ४.० |
| अनिवार्य नगद अनुपात | ५.५ | ५.० | ५-६ ⁺ | ४-५ ⁺⁺ | ४-६ ⁺⁺⁺ |
| स्थायी तरलता सुविधा (पेनालदर) | ३.० | ३.० | ०.०# | ०.०# | ०.०# |

* LTBOR Rate मा जोड्ने

+ अनिवार्य नगद मौज्जात अनुपात "क" वर्गका लागि ६ प्रतिशत, "ख" वर्गका लागि ५.५ प्रतिशत र "ग" वर्गका लागि ५.० प्रतिशत कायम गरिएको ।

++ अनिवार्य नगद मौज्जात अनुपात "क" वर्गका लागि ५ प्रतिशत "ख" वर्गका लागि ४.५ प्रतिशत र "ग" वर्गका लागि ४.० प्रतिशत कायम गरिएको ।

+++ अनिवार्य नगद मौज्जात अनुपात "क" वर्गका लागि ६ प्रतिशत "ख" वर्गका लागि ५ प्रतिशत र "ग" वर्गका लागि ४.० प्रतिशत कायम गरिएको ।

स्थायी तरलता सुविधा बैंकदरमा नै उपलब्ध गराइने व्यवस्था आर्थिक वर्ष २०६९/७० को मौद्रिक नीतिले गरेको ।

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक।

मुद्रा प्रदाय

४.१४ चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनासम्ममा विस्तृत मुद्रा प्रदाय ८.१ प्रतिशतले र संकुचित मुद्रा प्रदाय ७.० प्रतिशतले बढेका छन् । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा विस्तृत मुद्रा प्रदाय र संकुचित मुद्रा प्रदाय क्रमशः १०.८ प्रतिशत र

१०.९ प्रतिशतले बढेका थिए । मौद्रिक क्षेत्रको खुद वैदेशिक सम्पत्ति न्यून दरले विस्तार भएको कारण समीक्षा अवधिमा विस्तृत मुद्रा प्रदायको वृद्धि दर अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको तुलनामा कम रहन गएको हो ।

तालिका ४ (ख) : मुद्रा प्रदायमा प्रभाव पार्ने कारकहरू

(रु. करोडमा)

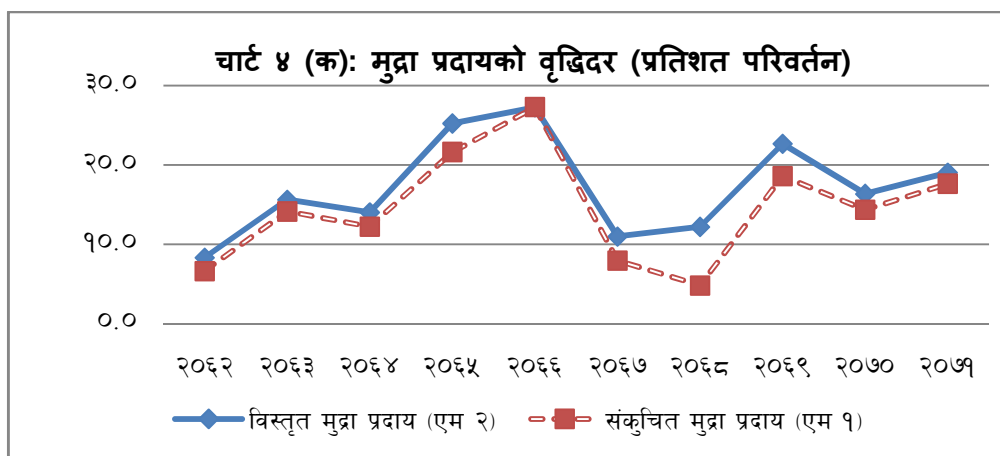
| मौद्रिक योगाङ्क | आठ महिनाको परिवर्तन | | | |
|--|----------------------|---------|---------------------|---------|
| | २०७०/७१ | | २०७१/७२* | |
| | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| १. खुद वैदेशिक सम्पत्ति(१.१-१.२) ^१ | १०२८१.४ ^१ | २२.० | ३५०७.१ ^२ | ५.९ |
| १.१ वैदेशिक सम्पत्ति | १२११४.६ | २१.९ | ४१४१.७ | ६.० |
| १.२ वैदेशिक दायित्व | ९२०.१ | १०.७ | ५२८.२ | ६.० |
| २. खुद आन्तरिक सम्पत्ति (२.१-२.२) ^१ | ३९३४.१ ^१ | ४.६ | ९२५४.८ ^२ | ९.६ |
| २.१ कुल आन्तरिक कर्जा | ३६२३.६ | ३.१ | ८३९९.२ | ६.४ |
| (क) सरकारलाई गएको खुद कर्जा | -७८४५.७ | -४६.८ | -७०७८.७ | -४९.९ |
| अ. सरकारमाथिको दावी | ३७०.६ | २.२ | -१३२६.१ | ८.० |
| आ. सरकारी निक्षेप | ८२१६.३ | ४४५२९.० | ५७५२.६ | २४४.८ |
| (ख) गैर-वित्तीय सरकारी संस्थालाई गएको कर्जा | २५.९ | २.३ | -७.९ | -०.८ |
| (ग) वित्तीय संस्थानहरूलाई गएको कर्जा | ६५७.६ | ४८.१ | ११८५.९ | १०७.१ |
| अ. सरकारी | ०.५ | ०.४ | ११८.७ | ७९.८ |
| आ. गैर सरकारी | ६५७.१ | ५३.२ | १०६७.२ | १११.३ |
| (घ) निजी क्षेत्रलाई गएको कर्जा | १०७८५.८ | ११.१ | १४२९९.९ | १२.४ |
| २.२ खुद अमौद्रिक दायित्व ^२ | -३१०.४ ^१ | -१.० | -८५५.६ ^२ | -२.५ |
| ३. मुद्रा प्रदाय, एम २ (३.१+३.४) | १४२१५.४ | १०.८ | १२७६१.९ | ८.१ |
| ३.१. मुद्रा प्रदाय, एम १ (क+ख) | ३२८७.५ | १०.९ | २४७७.७ | ७.० |
| (क) मुद्रा | ३०३१.६ | १५.५ | २७२८.१ | १२.० |
| (ख) चलती निक्षेप | २५५.९ | २.४ | -२५०.५ | -२.० |
| ३.२ वचत र कल निक्षेप | ८३७७.६ | १३.४ | ६७५२.७ | ८.७ |
| ३.३ आवधिक निक्षेप+ | २५५०.४ | ६.५ | ३५३१.६ | ८.१ |
| ३.४ आवधिक र बचत निक्षेप (३.२+३.३) | १०९२८.० | ६६.६ | १०२८४.३ | ५.९ |

*अपरिष्कृत, @विनिमय नाफा / नोक्सान समायोजन गरिएको, + मार्जिन निक्षेप समेत ।

^१ विनिमय दर परिवर्तन घाटा रु. ९१३.२ करोड समायोजन गरिएको

^२ विनिमय दर परिवर्तन नाफा रु. १०६.४ करोड समायोजन गरिएको

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक



खुद वैदेशिक सम्पत्ति

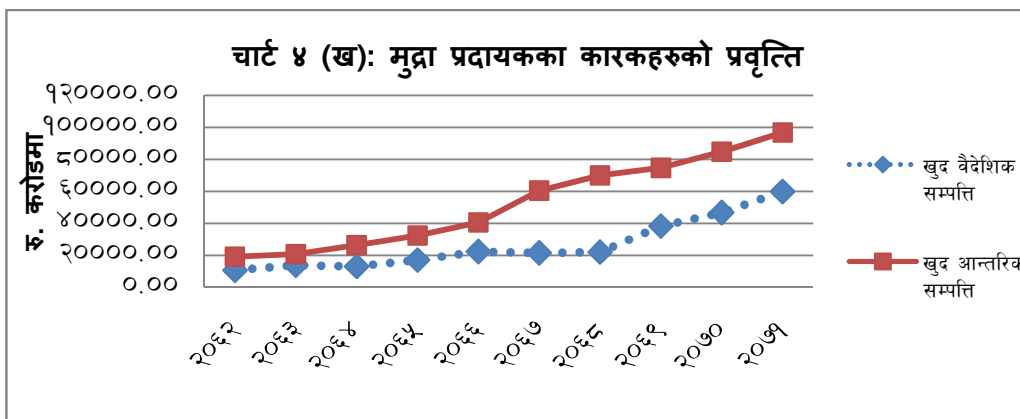
४.१५ वस्तु तथा सेवा आयात बढ्नु, अनुदान रकममा हास आउनु र विप्रेषण आप्रवाह न्यून दरले बढ्नु जस्ता कारणहरूले गर्दा समीक्षा अवधिमा खुद वैदेशिक सम्पत्ति (विदेशी विनिमय मूल्याङ्कन नाफा-नोक्सान समायोजित) रु ३५ अर्ब ७ करोड (५.९ प्रतिशत) ले बढेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा उक्त सम्पत्ति रु १०२ अर्ब ८१ करोड (२२.० प्रतिशत) ले बढेको थियो ।

कुल आन्तरिक कर्जा

४.१६ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा कुल आन्तरिक कर्जा ६.४ प्रतिशतले बढेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा उक्त कर्जा ३.१ प्रतिशतले बढेको थियो । निजी क्षेत्र तथा वित्तीय संस्थाहरू माथिको दाबी बढेको कारण समीक्षा अवधिमा कुल आन्तरिक कर्जाको वृद्धिदर अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको तुलनामा बढ्न गएको हो । समीक्षा अवधिमा सरकारमाथिको खुद दावी ४९.९ प्रतिशतले घटेको छ । अघिल्लो वर्ष पनि यस्तो दावी ४६.८ प्रतिशतले घटेको थियो । चालु आर्थिक वर्षको फागुन मसान्तसम्ममा रु. ८१ अर्ब ३ करोडको सरकारी बचत कायम रहेकोले सरकारमाथिको खुद दावी घटन गएको हो ।

४.१७ चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनासम्ममा निजी क्षेत्रतर्फको दावी १२.४ प्रतिशत अर्थात् रु. १४३ अर्बले बढेको छ । अघिल्लो वर्षको यसै अवधिमा उक्त

क्षेत्रतर्फको दावी ११.१ प्रतिशत अर्थात् रु. १०७ अर्ब ८६ करोडले बढेको थियो । समीक्षा अवधिमा औद्योगिक उत्पादन, थोक तथा खुद्रा व्यापार, निर्माण, यातायात, सञ्चार तथा सार्वजनिक सेवा, कृषि आदि क्षेत्रहरूमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाको लगानी बढेको कारण निजी क्षेत्रतर्फको दावी बढ्न गएको हो ।



सञ्चित मुद्रा र मुद्रा गुणक

४.१८ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा सञ्चित मुद्रा ४.८ प्रतिशतले घटेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यस्तो मुद्रा ५.८ प्रतिशतले बढेको थियो । नेपाल राष्ट्र बैंकको खुद वैदेशिक सम्पत्तिको विस्तारमा कमी आएको कारणले गर्दा समीक्षा अवधिमा सञ्चित मुद्रा घटेको हो । वार्षिक विन्दुगत आधारमा भने २०७१ फागुन मसान्तमा सो मुद्रा १०.९ प्रतिशतले बढेको छ ।

तालिका ४ (ग) : सञ्चित मुद्रा र मुद्रा गुणक

| शीर्षक | २०७० असार मसान्त | २०७० फागुन मसान्त | २०७१ असार मसान्त | २०७१* फागुन मसान्त | प्रथम आठ महिनामा प्रतिशत परिवर्तन | |
|----------------------------|------------------------|-------------------------|------------------------|--------------------------|--------------------------------------|---------|
| | | | | | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| सञ्चित मुद्रा (रु. करोडमा) | ३५४२२२.० | ३७४५९.२ | ४३६५९.४ | ४१५४९.६ | ५.८ | -४.८ |
| संकुचित मुद्रा गुणक | ०.८५१ | ०.८९३ | ०.८१३ | ०.९१४ | ४.९ | १२.४ |
| विस्तृत मुद्रा गुणक | ३.७१३ | ३.८९१ | ३.५८७ | ४.०७६ | ४.८ | १३.६ |

* अपरिष्कृत ।

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक ।

४.१९ मुद्रा गुणकतर्फ, विस्तृत मुद्रा गुणक २०७१ असार मसान्तको तुलनामा २०७१ फागुन मसान्तमा १३.६ प्रतिशतले बढी ४.०७ मा पुगेको छ । सोही अवधिमा संकुचित मुद्रा गुणक पनि १२.४ प्रतिशतले बढेर ०.९१ पुगेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको तुलनामा समीक्षा अवधिमा सञ्चित मुद्रा घटेको कारण मुद्रा गुणकको विस्तार उच्च रहन गएको हो ।

मौद्रिक उपकरणहरूको कार्यान्वयन स्थिति

४.२० बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूमा रहेको अधिक तरलतालाई खुला बजार कारोबार मार्फत प्रशोचन गरिएको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा खुला बजार कारोबार अन्तर्गत रिभर्स रिपो बोलकबोल मार्फत रु. २७१ अर्ब १० करोड बराबरको तरलता प्रशोचन भएको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा रिभर्स रिपो बोलकबोल मार्फत २७० अर्बको तरलता प्रशोचन भएको थियो । चालु आर्थिक वर्षको मौद्रिक नीतिमा उल्लेख भए बमोजिम २०७१ भदौ महिनादेखि निक्षेप वोलकबोललाई तरलता प्रशोचन गर्ने नयाँ उपकरणको रूपमा प्रयोगमा ल्याइएकोमा पटक पटक गरी समीक्षा अवधिमा निक्षेप वोलकबोल मार्फत रु. ८५ अर्बको तरलता प्रशोचन भएको छ ।

४.२१ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा नेपाल राष्ट्र बैंकले विदेशी विनिमय बजार (वाणिज्य बैंकहरू) बाट अमेरिकी डलर २ अर्ब २३ करोड खुद खरिद गरी रु. २१३ अर्ब ४७ करोड बराबरको खुद तरलता प्रवाह गरेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा विदेशी विनिमय बजारबाट अमेरिकी डलर २ अर्ब २५ करोड खुद खरिद गरी रु. २२४ अर्ब ९९ करोडको खुद तरलता प्रवाह भएको थियो ।

तालिका ४ (घ) : खुला बजार कारोवार स्थिति

(रु. करोडमा)

| विवरण | २०६९/७० | २०७०/७१ | प्रथम आठ महिना | | |
|--------------------------|---------------------|---------|----------------|---------|---------|
| | | | २०७०/७१ | २०७१/७२ | |
| क तरलता प्रशोचन | ८५०.० | ६११००.० | २७८५०.० | ३५६१०.० | |
| | बिक्री बोलकबोल | ८५०.० | ८५०.० | ८५०.० | - |
| | रिभर्स रिपो बोलकबोल | - | ६०२५०.० | २७०००.० | २७११०.० |
| निक्षेप बोलकबोल | - | - | - | ८५००.० | |
| ख तरलता प्रवाह | ०.० | ०.० | ०.० | - | |
| | खरिद बोलकबोल | - | - | - | - |
| | रिपो बोलकबोल | - | - | - | - |
| ग खुद तरलता प्रशोचन(क-ख) | ८५०.० | ६११००.० | २७८५०.० | ३५६१०.० | |

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक ।

४.२२ भारतीय रुपैयाको माग व्यवस्थापन गर्न अमेरिकी डलर बिक्री गरी भा. रु. खरिद गरिदै आइएको छ । समीक्षा अवधिमा अमेरिकी डलर २ अर्ब ३६ करोड बिक्री गरी रु. २३२ अर्ब ६० करोड बराबरको भा.रु. खरिद भएको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा अमेरिकी डलर २ अर्ब ४ करोड बिक्री गरी रु. २०२ अर्ब ४६ करोड बराबरको भा.रु. खरिद भएको थियो ।

अन्तर बैंक कारोवार र स्थायी तरलता सुविधा

४.२३ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा वाणिज्य बैंकहरूले रु. २७५ अर्ब ३० करोड र अन्य वित्तीय संस्थाहरू (विकास बैंक र वित्त कम्पनीहरू) ले रु. १३४ अर्ब ८९ करोड बराबरको अन्तर-बैंक कारोबार गरेका छन् । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा वाणिज्य बैंकहरू र अन्य वित्तीय संस्थाहरूले क्रमशः रु. १५७ अर्ब ५९ करोड र रु. १०७ अर्ब ५१ करोड बराबरको यस्तो कारोबार गरेका थिए । समीक्षा अवधिमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले रु. १ अर्ब ७२ करोडको स्थायी तरलता सुविधाको उपयोग गरेका छन् ।

अल्पकालीन ब्याजदर

४.२४ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को चैत महिनामा अघिल्लो वर्षको सोही महिनाको तुलनामा अल्पकालीन ब्याजदरहरू मध्ये ९१-दिने ट्रेजरी बिल, वाणिज्य बैंकहरू

बीचको अन्तर-बैंक कारोबारको भारित औसत ब्याजदर तथा अन्य वित्तीय संस्थाहरूबीचको अन्तर-बैंक कारोबारको भारित औसत ब्याजदरमा केही वृद्धि भएको छ । ९१-दिने ट्रेजरी बिलको भारित औसत ब्याजदर अघिल्लो वर्षको चैत महिनामा ०.०६ प्रतिशत रहेकोमा २०७१ चैत महिनामा ०.६९ प्रतिशत पुगेको छ । त्यसैगरी, वाणिज्य बैंकहरूबीचको अन्तर-बैंक कारोबारको भारित औसत ब्याजदर अघिल्लो वर्षको चैतमा ०.१९ प्रतिशत रहेकामा २०७१ चैतमा ०.६४ प्रतिशत पुगेको छ । त्यसैगरी, अन्य वित्तीय संस्थाहरूबीचको अन्तर-बैंक कारोबारको भारित औसत ब्याजदर अघिल्लो वर्षको चैतमा २.२९ प्रतिशत रहेकोमा २०७१ चैतमा ३.८७ प्रतिशत पुगेको छ । बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूमा रहेको अधिक तरलताको व्यवस्थापन हुँदै गएको कारण अल्पकालीन व्याजदर केही बढ्न गएको हो ।

तालिका ४ (ड) : ९१ - दिने ट्रेजरी बिल र अन्तर - बैंक ब्याजदर

(प्रतिशत)

| विवरण | २०७० | २०७० | २०७० | २०७० | २०७१ | २०७१ | २०७१ | २०७१ |
|----------------------------|------|------|------|-------|------|------|------|-------|
| | असार | असोज | पुष | चैत्र | असार | असोज | पुष | चैत्र |
| ९१ दिने ट्रेजरी बिल | १.१९ | ०.०७ | ०.४७ | ०.०६ | ०.०२ | ०.९३ | ०.१६ | ०.६९ |
| अन्तर-बैंक दर | | | | | | | | |
| वाणिज्य बैंकहरू बीच | ०.८६ | ०.२५ | ०.२१ | ०.१९ | ०.१६ | १.०३ | ०.१५ | ०.६४ |
| अन्य वित्तीय संस्थाहरू बीच | ५.०३ | २.६४ | २.६२ | २.२९ | २.४० | २.५५ | २.५१ | ३.८७ |

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक ।

४.२५ बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको कर्जाको ब्याजदर निर्धारण प्रक्रियालाई पारदर्शी एवम् प्रतिस्पर्धी बनाउन तथा मौद्रिक नीतिको प्रसारण संयन्त्रको प्रभावकारिता बढाउन वाणिज्य बैंकहरूले कर्जाको आधार-ब्याजदर (Base Rate) मासिक रुपमा प्रकाशन गर्नुपर्ने व्यवस्था गरिएको छ । वाणिज्य बैंकहरूको औसत आधार व्याजदर २०७० को चैत महिनामा ८.३८ प्रतिशत रहेकोमा २०७१ चैतमा ७.६८ प्रतिशत कायम रहेको छ । २०७१ चैतमा वाणिज्य बैंकहरूको भारित औसत व्याजदर अन्तर ४.३९ प्रतिशत रहेको छ । साथै, २०७१ चैत महिनामा वाणिज्य बैंकहरूको निक्षेपको भारित औसत ब्याजदर ४.०७ प्रतिशत र कर्जाको भारित औसत व्याजदर ९.६४ प्रतिशत रहेको छ । जस अनुसार भारित औसत व्याजदर अन्तर ५.५७ प्रतिशत कायम रहेको छ ।

वित्तीय क्षेत्र विस्तार

४.२६ चालु आर्थिक वर्षको चैतसम्ममा ३० वाणिज्य बैंक, ८१ विकास बैंक, ५२ वित्त कम्पनीहरू तथा ३५ लघु वित्तसम्बन्धी कारोवार गर्न इजाजतपत्र प्राप्त “घ” वर्गका वित्तीय संस्थाहरू रहेका छन् । त्यसैगरी, १६ सहकारी संस्थाहरू तथा २७ गैर सरकारी संस्थाहरूलाई पनि सीमित बैंकिङ्ग कारोवार गर्न नेपाल राष्ट्र बैंकबाट अनुमति प्राप्त छ । बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूका अतिरिक्त वित्तीय प्रणालीका अभिन्न अंगका रूपमा २५ बीमा कम्पनी, कर्मचारी सञ्चय कोष, नागरिक लगानी कोष र हुलाक बचत बैंक लगायतका संस्थाहरू पनि कार्यरत रहेका छन् । बाणिज्य बैंक, विकास बैंक र वित्त कम्पनी स्थापनाका लागि इजाजत दिने कार्य हाललाई स्थगन भएको र बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूबीच मर्जर तथा एक्विजेसन उत्साहजनक रूपमा बढ्दै गएको कारण हालका वर्षहरूमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको संख्या घट्दै गएको छ । बैंक तथा वित्तीय संस्थाको संख्यात्मक अवस्थालाई तलको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका ४ (च) : बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको संख्या (असार मसान्त)

| बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरू | २०६६ | २०६७ | २०६८ | २०६९ | २०७० | २०७१ | २०७१* |
|--|------|------|------|------|------|------|-------|
| वाणिज्य बैंक | २६ | २७ | ३१ | ३२ | ३१ | ३० | ३० |
| विकास बैंक | ६३ | ७१ | ८८ | ८८ | ८६ | ८४ | ८१ |
| वित्त कम्पनी | ७७ | ७९ | ८० | ७० | ५९ | ५३ | ५२ |
| लघु वित्त कारोवार गर्ने संस्थाहरू | १५ | १८ | २१ | २४ | ३१ | ३३ | ३५ |
| नेपाल राष्ट्र बैंकबाट इजाजतप्राप्त सहकारी संस्थाहरू (सीमित बैंकिङ कारोवार गर्ने) | १६ | १५ | १६ | १६ | १६ | १५ | १६ |
| नेपाल राष्ट्र बैंकबाट इजाजत प्राप्त गैर सरकारी संस्थाहरू (लघु वित्त कारोवार गर्ने) | ४५ | ४५ | ३८ | ३६ | ३१ | २९ | २७ |
| बीमा कम्पनी | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ |
| कर्मचारी सञ्चय कोष | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ |
| नागरिक लगानी कोष | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ |
| हुलाक बचत बैंक | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ |
| हुलाक बचत बैंकका कार्यालयहरू | ११७ | ११७ | ११७ | ११७ | ११७ | ११७ | ११७ |

*चैत मसान्त

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक ।

४.२७ बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको संख्यात्मक वृद्धिसँगै निक्षेप संकलन तथा कर्जा कारोवार पनि बढ्दै गएको छ । बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको संख्यात्मक तथा

गुणात्मक विस्तारसँगै वित्तीय समावेशीकरण पनि क्रमशः बढ्दो क्रममा रहेको र वित्तीय प्रगाढता समेत बढ्दै गएको छ । वित्तीय क्षेत्रको विस्तारसँगै निक्षेप तथा कर्जाको कूल गार्हस्थ्य उत्पादनसंगको अनुपात पनि बढ्दै गएको छ ।

४.२८ कूल निक्षेप तथा कर्जा सापटमा वाणिज्य बैंकहरूको हिस्सा उच्च रहँदै आएको छ । २०७१ फागुनको कूल निक्षेपमा वाणिज्य बैंक, विकास बैंक र वित्त कम्पनीको हिस्सा क्रमशः ८१.९ प्रतिशत, १२.५ प्रतिशत र ४.६ प्रतिशत रहेको छ । त्यसैगरी, कूल कर्जा सापटमा वाणिज्य बैंक, विकास बैंक र वित्त कम्पनीको हिस्सा क्रमशः ७५.६ प्रतिशत, १४.३ प्रतिशत र ६.२ प्रतिशत रहेको छ । वाणिज्य बैंक र वित्तीय संस्थाहरूको वित्तीय कारोवारसम्बन्धी केही प्रमुख परिसूचकहरूलाई तालिका ४(छ) मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका ४ (छ) : बैंक तथा वित्तीय संस्थाका केही प्रमुख परिसूचकहरू (असार मसान्त)

(रु अर्बमा)

| विवरण | २०६६ | २०६७ | २०६८ | २०६९ | २०७० | २०७१ | २०७१ फागुन |
|---|-------|-------|--------|--------|--------|--------|---------------|
| कुल सम्पत्ति | ८३३.५ | ९९६.१ | ११५८.३ | १३८०.८ | १५८४.९ | १८८९.८ | १९७१.० |
| कुल निक्षेप | ६७६.० | ७९५.३ | ८७१.९ | १०७६.६ | १२७१.५ | १४८२.० | १५८८.५ |
| कुल कर्जासापट | ४९५.२ | ६२२.६ | ७१३.१ | ८०४.५ | ९८३.८ | १०६६.९ | ११९८.८ |
| निक्षेप/कुल गार्हस्थ्य उत्पादन अनुपात (%) | ६८.४ | ६७.९ | ६४.० | ६८.८ | ७३.७ | ७६.३ | ७४.८ |
| कर्जासापट / कुल गार्हस्थ्य उत्पादन अनुपात (%) | ५०.१ | ५३.१ | ५२.० | ५०.७ | ५५.८ | ५५.० | ५६.४ |
| कुल निक्षेपको बजार हिस्सा (प्रतिशत) | | | | | | | |
| वाणिज्य बैंक ("क" वर्ग) | ८३.४ | ७९.४ | ७८.९ | ८०.६ | ८०.३ | ८०.७ | ८१.९ |
| विकास बैंक ("ख" वर्ग) | ७.२ | ९.७ | ११.१ | ११.८ | १२.६ | १३.५ | १२.५ |
| वित्त कम्पनी ("ग" वर्ग) | ८.४ | १० | ९.८ | ७.१ | ५.४ | ४.९ | ४.६ |
| अन्य संस्थाहरू | ०.९ | ०.९ | ०.२ | ०.५ | १.७ | ०.९ | १.० |
| कुल कर्जासापटको बजार हिस्सा (प्रतिशत) | | | | | | | |
| वाणिज्य बैंक ("क" वर्ग) | ७६.८ | ७४.२ | ७४.० | ७७.४ | ७६.१ | ७४.६ | ७५.६ |
| विकास बैंक ("ख" वर्ग) | ८.७ | १०.६ | १२.५ | १२.५ | १३.३ | १५.६ | १४.३ |
| वित्त कम्पनी ("ग" वर्ग) | १२.१ | १२.८ | १२.२ | ८.३ | ६.७ | ६.५ | ६.२ |
| अन्य संस्थाहरू | २.४ | २.४ | १.३ | १.८ | ३.९ | ३.२ | ३.८ |

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक ।

शाखा विस्तार

४.२९ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को चैत मसान्तसम्ममा वाणिज्य बैंकहरूको शाखा संख्या १ हजार ६ सय ५६ पुगेको छ । यसै अवधिमा विकास बैंक र वित्त कम्पनीहरूको शाखा संख्या क्रमशः ७ सय ९७ र २ सय ६ पुगी बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको (क, ख र ग वर्गका संस्थाहरूको) कुल शाखा संख्या २ हजार ६ सय ९२ पुगेको छ । बैंक तथा वित्तीय संस्थाका यी शाखाहरूलाई आधार मान्दा सुदूर पश्चिमाञ्चल विकास क्षेत्र र मध्यपश्चिमाञ्चल विकास क्षेत्र वित्तीय विस्तारका दृष्टिकोणले सबै भन्दा पछाडि परेका छन् । कुल शाखा मध्ये ४६.२ प्रतिशत शाखा मध्यमाञ्चल विकास क्षेत्रमा रहेका छन् भने सुदूर पश्चिमाञ्चल विकास क्षेत्रमा ४.६ प्रतिशत मात्र शाखा रहेका छन् ।

तालिका ४ (ज) : बैंक तथा वित्तीय संस्थाका शाखाहरू

(२०७१ चैत मसान्त)

| विकास क्षेत्र तथा अञ्चल | वाणिज्य बैंक | विकास बैंक | वित्त कम्पनी | जम्मा | अंश (प्रतिशत) |
|--|--------------|------------|--------------|-------------|---------------|
| पूर्वाञ्चल विकास क्षेत्र | ३०७ | १०३ | २६ | ४३६ | १६.२ |
| मेची | ८२ | ३० | ८ | १२० | ४.५ |
| कोशी | १५३ | ६४ | १४ | २३१ | ८.६ |
| सगरमाथा | ७२ | ९ | ४ | ८५ | ३.२ |
| मध्यमाञ्चल विकास क्षेत्र | ८१९ | २८८ | १३६ | १२४३ | ४६.२ |
| जनकपुर | ८३ | ३४ | ४ | १२१ | ४.५ |
| नारायणी | १६५ | १०४ | २२ | २९१ | १०.८ |
| वागमती | ५७१ | १५० | ११० | ८३१ | ३०.९ |
| पश्चिमाञ्चल विकास क्षेत्र | २८६ | ३०४ | ३३ | ६२३ | २४.४ |
| गण्डकी | १११ | १३० | ३३ | २७४ | १०.२ |
| लुम्बिनी | १३६ | १४७ | २९ | ३१२ | ११.६ |
| धौलागिरी | ३९ | २७ | ४ | ७० | २.६ |
| मध्य पश्चिमाञ्चल विकास क्षेत्र | १५० | ७४ | ९ | २३३ | ८.७ |
| राप्ती | ५६ | ३६ | ५ | ९७ | ३.६ |
| कर्णाली | १५ | ० | ० | १५ | ०.६ |
| भेरी | ७९ | ३८ | ४ | १२१ | ४.५ |
| सुदूर पश्चिमाञ्चल विकास क्षेत्र | ९४ | २८ | २ | १२४ | ४.६ |
| सेती | ५६ | १५ | २ | ७३ | २.७ |
| महाकाली | ३८ | १३ | ० | ५१ | १.९ |
| कुल जम्मा | १६५६ | ७९७ | २०६ | २६९२ | १००.० |

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक ।

४.३० बैंकिङ कारोवारमा सबैभन्दा ठूलो हिस्सा ओगटेको वाणिज्य बैंकहरूको कुल स्वदेशी निक्षेपलाई आधार मान्दा २०७१ असार मसान्तमा प्रति व्यक्ति औसत निक्षेप रु. २४ हजार ७ सय ७३ रहेकोमा २०७१ चैत मसान्तमा यस्तो निक्षेप रु.

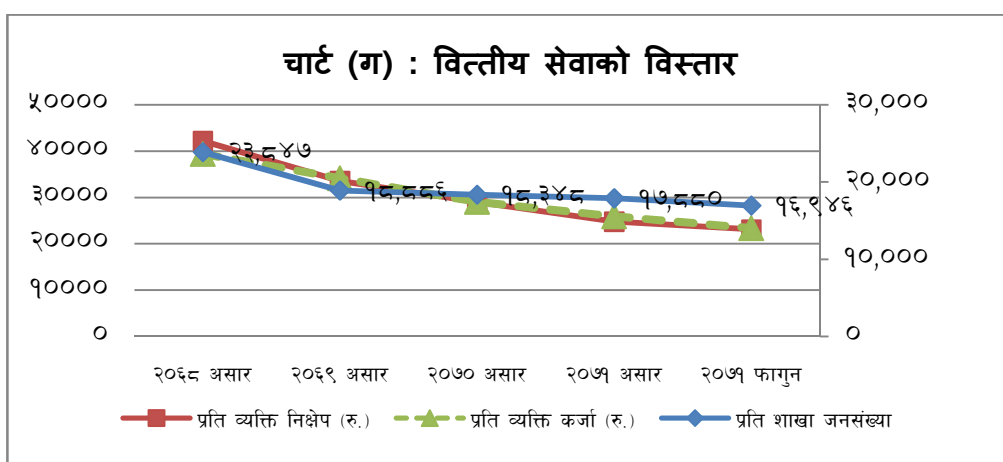
२३ हजार १ सय ३ रहेको छ । त्यसैगरी, २०७१ असार मसान्तमा वाणिज्य बैकहरूबाट प्रवाहित प्रति व्यक्ति औसत कर्जा रु. २५ हजार ९ सय २६ रहेकोमा २०७१ चैत मसान्तमा सो कर्जा रु. २३ हजार ४ सय १० पुगेको छ ।

तालिका ४ (झ) : वित्तीय विस्तार तथा प्रगाढताका केही परिसूचकहरू

| | २०६८ असार | २०६९ असार | २०७० असार | २०७१ असार | २०७१ चैत |
|---|--------------|--------------|--------------|--------------|-------------|
| वाणिज्य बैंक शाखा | ११११ | १४२५ | १४८६ | १५४७ | १६५६ |
| प्रति शाखा जनसंख्या | २३८४७ | १८८६० | १८३४८ | १७८८० | १६९४६ |
| वाणिज्य बैंकको स्वदेशी निक्षेप (रु.अर्बमा) | ६२८ | ८०१ | ९४१ | १११७ | १२१५ |
| प्रति व्यक्ति निक्षेप (रु.) | ४२१७८ | ३३५४० | २८९७० | २४७७३ | २३१०३ |
| वाणिज्य बैंकको कर्जा (रु. अर्बमा) | ६७३ | ७८८ | ९३८ | १०६७ | ११९९ |
| प्रति व्यक्ति कर्जा (रु.) | ३९३६१ | ३४११७ | २९०६४ | २५९२६ | २३४१० |

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक ।

४.३१ देशमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाको संख्या तथा शाखा विस्तारसँगै वित्तीय प्रगाढता पनि क्रमशः बढ्दो छ । २०६८ असारमा वाणिज्य बैंकको प्रति शाखाबाट २३ हजार ८ सय ४७ जनाले वित्तीय सेवा पाएकोमा यसमा सुधार भई २०७१ चैत मसान्तसम्ममा प्रति शाखाले १६ हजार ९ सय ४६ जनालाई वित्तीय सेवा प्रदान गरेको छ । वित्तीय विस्तारको अवस्थालाई तलको रेखाचित्रमा देखाइएको छ ।



निक्षेप परिचालन तथा कर्जा प्रवाह

४.३२ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको निक्षेप परिचालन ७.६ प्रतिशत (रु. १०६ अर्ब ६२ करोड) ले बढेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा त्यस्तो निक्षेप परिचालन ९.७ प्रतिशत (रु. ११५ अर्ब ४७ करोड) ले बढेको थियो । समीक्षा अवधिमा वाणिज्य बैंक र वित्त कम्पनीहरूको निक्षेप परिचालन क्रमशः ८.७ प्रतिशत र १.८ प्रतिशतले बढेको छ भने विकास बैंकहरूको निक्षेप १.० प्रतिशतले घटेको छ । समीक्षा अवधिमा विकास बैंक र वाणिज्य बैंक एक आपसमा मर्ज भएको कारण विकास बैंकहरूको निक्षेप घटेको हो । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा वाणिज्य बैंक, विकास बैंक र वित्त कम्पनीको निक्षेप परिचालन क्रमशः ९.५ प्रतिशत, १३.७ प्रतिशत र ७.५ प्रतिशतले बढेको थियो । वार्षिक विन्दुगत आधारमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको निक्षेप परिचालन १६.१ प्रतिशत (रु. २०९ अर्ब ८३ करोड) ले वृद्धि भई २०७१ फागुन मसान्तमा रु. १५१३ अर्ब ३९ करोड पुगेको छ ।

४.३३ त्यसैगरी, समीक्षा अवधिमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको कर्जा तथा लगानीतर्फ निजी क्षेत्रको दावी ११.८ प्रतिशत (रु. १३२ अर्ब ४० करोड) ले बढेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यस्तो कर्जा तथा लगानीमा निजी क्षेत्रको दावी ११.० प्रतिशत (रु. १०३ अर्ब ८१ करोड) ले बढेको थियो । समीक्षा अवधिमा वाणिज्य बैंक, विकास बैंक र वित्त कम्पनीहरूको कर्जा तथा लगानीमा निजी क्षेत्रको दावी क्रमशः १३.६ प्रतिशत, ४.७ प्रतिशत र ६.० प्रतिशतले बढेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा वाणिज्य बैंक, विकास बैंक र वित्त कम्पनीको यस्तो दावी क्रमशः ११.२ प्रतिशतले, १४.९ प्रतिशतले र १.९ प्रतिशतले बढेको थियो ।

तालिका ४ (ज) : निक्षेप परिचालन तथा कर्जा प्रवाह

(रु. करोडमा)

| शीर्षक | २०७० असार मसान्त | २०७० फागुन मसान्त | २०७१ असार मसान्त | २०७१ फागुन मसान्त | प्रथम आठ महिनामा प्रतिशत परिवर्तन | |
|--|------------------------|-------------------------|------------------------|-------------------------|--------------------------------------|---------|
| | | | | | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| निक्षेप परिचालन | | | | | | |
| वाणिज्य बैंकहरू | १०१५५८ | १११२२१ | ११९६४८ | १३०१०० | ९.५ | ८.७ |
| विकास बैंकहरू | १५५२२ | १७६५६ | २००३३ | १९८३९ | १३.७ | -१.० |
| वित्त कम्पनीहरू | ६८१७ | ७३२६ | ७२०९ | ७३३९ | ७.५ | १.८ |
| बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरू + | ११८८०९ | १३०३५६ | १४०६७७ | १५१३३९ | ९.७ | ७.६ |
| कर्जा प्रवाह (निजी क्षेत्रमा) | | | | | | |
| वाणिज्य बैंकहरू | ७४६०० | ८२९३६ | ८८५८१ | १००६५४ | ११.२ | १३.६ |
| विकास बैंकहरू | १२९०४ | १४८२६ | १६६७९ | १७४५८ | १४.९ | ४.७ |
| वित्त कम्पनीहरू | ६६१४ | ६७३८ | ६४७२ | ६८६० | १.९ | ६.० |
| बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरू+ | ९४११८ | १०४५०० | १११७३२ | १२४९७२ | ११.० | ११.८ |

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक ।

* अपरिष्कृत ।

+ एक आपसको हिसाव मिलान भएपछि ।

मर्जर तथा एक्विजिशन

४.३४ बैंक तथा वित्तीय संस्था एक-आपसमा गाभ्ने/गाभिने विनियमावली, २०६८ र बैंक तथा वित्तीय संस्था प्राप्ति (अक्विजिशन) सम्बन्धी विनियमावली, २०७० जारी भएपश्चात् बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरू एक आपसमा गाभ्ने-गाभिने कार्यमा उल्लेख्य प्रगति भएको छ भने एक बैंक वा वित्तीय संस्थाले अर्को बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरू प्राप्ति गर्ने प्रक्रिया पनि अगाडि बढेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा कूल ६४ वटा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरू एकआपसमा गाभिएर २५ संस्था बनेका छन् । त्यसैगरी, आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को चैत मसान्तसम्ममा ५ वटा वाणिज्य बैंक, ८ वटा विकास बैंक र ९ वटा वित्त कम्पनीहरूको गाभ्ने-गाभिने प्रक्रिया सम्पन्न भई ४ वटा वाणिज्य बैंक, ३

विकास बैंक र २ वित्त कम्पनी बनेका छन् । त्यस्तै, ५ वटा ग्रामीण विकास बैंकहरु गाभिएर नेपाल ग्रामीण विकास बैंक लि. बनेको छ । यसै अवधिमा थप एउटा वाणिज्य बैंक, ९ वटा विकास बैंक र ४ वटा वित्त कम्पनी गरी १४ वटा संस्थाहरुलाई गाभने-गाभिनका लागि सैद्धान्तिक सहमति प्रदान भएको छ भने एउटा वाणिज्य बैंक र एउटा विकास बैंकले एक आपसमा गाभने-गाभिन सैद्धान्तिक सहमतिका लागि निवेदन पेश गरेका छन् । यसैगरी, एउटा वाणिज्य बैंकलाई २ वटा वित्त कम्पनीहरु प्राप्त गर्न सैद्धान्तिक सहमति प्रदान गरिएको छ भने एउटा वाणिज्य बैंकले अर्को वाणिज्य बैंकलाई प्राप्त गर्न सैद्धान्तिक सहमतिका लागि निवेदन पेश गरेको छ ।

निष्कृत्य कर्जाको स्थिति

४.३५ विकास बैंक समूहको निष्कृत्य कर्जा र यसको कुल कर्जासँगको अनुपात २०७१ असार मसान्तको तुलनामा २०७१ चैत मसान्तमा घटेको छ । तर वित्त कम्पनी समूहको निष्कृत्य कर्जाको अनुपात भने सोही अवधिमा बढेको छ भने वाणिज्य बैंक समूहको यथावत रहेको छ । जस अनुसार वाणिज्य बैंक समूहको निष्कृत्य कर्जा २०७१ असार मसान्त र २०७१ चैत मसान्तमा समान २.९ प्रतिशत रहेको छ । त्यस्तै, विकास बैंक समूहको निष्कृत्य कर्जा २०७१ असार मसान्तको ४.२ प्रतिशतबाट घटेर २०७१ चैत मसान्तमा ४.० प्रतिशत पुगेको छ। तर वित्त कम्पनी समूहको निष्कृत्य कर्जा भने २०७१ असार मसान्तको १३.७ प्रतिशतबाट बढेर २०७१ चैत मसान्तमा १४.९ प्रतिशत पुगेको छ । समग्रमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुको निष्कृत्य कर्जा २०७१ असार मसान्तमा ३.८ प्रतिशत रहेकोमा २०७१ चैत मसान्तमा ३.७ प्रतिशतमा झरेको छ । बैंक तथा वित्तीय संस्थाको निष्कृत्य कर्जाको अवस्थालाई तलको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका ४ (ट) : बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुको निष्कृत्य कर्जा

(रु. करोडमा)

| बैंक तथा वित्तीय संस्था | २०७० असार | | २०७१ असार | | २०७१ चैत | |
|-------------------------|-----------------|---------|-----------------|---------|-----------------|---------|
| | निष्कृत्य कर्जा | प्रतिशत | निष्कृत्य कर्जा | प्रतिशत | निष्कृत्य कर्जा | प्रतिशत |
| वाणिज्य बैंक | १९४५.२ | २.६ | २६३०.६ | २.९ | २८७८.१ | २.९ |
| विकास बैंक | ६०३.३ | ४.५ | ६७२.७ | ४.२ | ६७६.८ | ४.० |
| वित्त कम्पनी | १०५१.२ | १६.० | ९४३.४ | १३.७ | ९७८.९ | १४.९ |

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक ।

लघुवित्त कारोवार गर्ने (घ) वर्गका संस्थाहरू

- ४.३६ ग्रामीण क्षेत्रमा बसोबास गर्ने विपन्न वर्गका समुदायलाई (विशेषगरी महिलाहरूलाई) वित्तीय सेवा प्रदान गरी विविध किसिमका आयमूलक काममा संलग्न गराउनका लागि लघुवित्त कारोवार गर्ने विभिन्न बैंक तथा संस्थाहरू देशमा कार्यरत रहेका छन् । आर्थिक वर्ष २०७१ चैत मसान्तमा लघु वित्त सम्बन्धी कारोवार गर्ने “घ” वर्गका ३५ वित्तीय संस्थाहरू रहेका छन् ।
- ४.३७ लघुवित्त सम्बन्धी कारोवार गर्ने “घ” वर्गका वित्तीय संस्थाहरूको कुल सम्पत्ति/दायित्व २०७१ असार मसान्तको तुलनामा २०७१ फागुन मसान्तमा २४.८ प्रतिशतले बढेर रु. ६१ अर्ब ६४ करोड पुगेको छ । २०७१ फागुन मसान्तमा यी संस्थाहरूको कुल निक्षेप र सापटी क्रमशः रु. १३ अर्ब ७० करोड र रु. ३३ अर्ब ६ करोड पुगेको छ भने कुल कर्जा र लगानी क्रमशः रु. ४८ अर्ब र रु. २ अर्ब ४० करोड पुगेको छ ।

तालिका ४ (ठ) : लघुवित्त संस्थाहरूको साधनको स्रोत तथा उपयोगको विवरण

(रु. करोडमा)

| | विवरण | २०७१ असार | २०७१ फागुन* | प्रतिशत परिवर्तन |
|-------|--------------------|-----------|-------------|------------------|
| साधन | पुँजी कोष | ४९६.२ | ५८२.० | १७.३ |
| | निक्षेप | ११०५.५ | १३६९.८ | २३.९१ |
| | सापटी | २८१६.० | ३३०५.८ | १७.३९ |
| | अन्य | ३८०.६ | ७४३.३ | ९५.३३ |
| | नाफा नोक्सान हिसाव | १४१.३ | १६३.१ | १५.३७ |
| | साधन / उपयोग | ४९३९.६ | ६१६४.० | २४.८० |
| उपयोग | तरल कोष | ७३९.३ | ५६५.० | -२३.५७ |
| | लगानी | ३०१.० | २४०.५ | -२०.१ |
| | कर्जा तथा सापटी | ३५८०.४ | ४८००.५ | ३४.०८ |
| | अन्य | ३१२.८ | ५५६.२ | ७७.८४ |
| | नाफा नोक्सान हिसाव | ६.२ | १.८ | -७०.६२ |

* अपरिष्कृत ।

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

अन्य वित्तीय संस्थाहरूको साधनको स्रोत र उपयोगको स्थिति

कर्मचारी सञ्चय कोष

- ४.३८ कर्मचारी सञ्चय कोष ऐन, २०१९ अन्तर्गत २०१९ भदौ ३१ गते स्थापित कर्मचारी सञ्चय कोषले निजामती कर्मचारी, सैनिक, प्रहरी, शिक्षक, सरकारी संस्थान तथा केही निजी कम्पनीका कर्मचारीहरूको सञ्चय कोषको व्यवस्थापन गर्दै आएको छ ।
- ४.३९ सञ्चयकर्ताहरूलाई ऋण प्रदान गर्नुको अतिरिक्त यस कोषले घर जग्गा व्यवसाय, उद्योग तथा जलविद्युत परियोजनामा पनि लगानी गरेको छ । यस कोषको सम्पत्ति/दायित्व २०७१ असार मसान्तमा रु. १६९ अर्ब ६९ करोड रहेकामा २०७१ फागुन मसान्तमा यस्तो सम्पत्ति/दायित्व रु. १८६ अर्ब ३० करोड रहेको छ । सञ्चयकर्ताहरूको संचित रकम २०७१ फागुन मसान्तमा रु. १७९ अर्ब ३९ करोड पुगेको छ ।

नागरिक लगानी कोष

- ४.४० नागरिक लगानीकोष ऐन, २०४७ अन्तर्गत २०४७ चैत ४ गते स्थापित नागरिक लगानी कोषले व्यक्तिगत तथा संस्थागत बचत परिचालन गर्नुका साथै ऋण तथा सापटी प्रदान गर्ने र विभिन्न संगठित संस्थाहरूको धितोपत्र निष्कासनको कामलाई सहज तुल्याउन निष्काशन प्रबन्धकको कामसमेत गर्दै आएको छ । यस कोषको सम्पत्ति तथा दायित्व २०७१ असार मसान्तमा रु. ५४ अर्ब ६२ करोड रहेकोमा २०७१ फागुन मसान्तमा यस्तो सम्पत्ति तथा दायित्व अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको तुलनामा २८.४ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ६२ अर्ब ४४ करोड पुगेको छ । यस कोषको स्रोत तर्फ हेर्दा अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको तुलनामा २०७१ फागुन मसान्तमा निक्षेप (कोष संकलन) २८.८ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ५९ अर्ब २५ करोड पुगेको छ । समीक्षा अवधिमा संकलित कुल कोष रकममध्ये कर्मचारी वचत वृद्धि अवकाश कोषको अंश ६२.९ प्रतिशत, नागरिक एकांक योजनाको अंश २.३ प्रतिशत, उपदान कोष योजनाको अंश १७.३ प्रतिशत, लगानी कर्ता हिसाव योजनाको अंश ४.२ प्रतिशत र बीमा कोषबाट संकलित रकमको अंश १३.३ प्रतिशत रहेको छ ।

४.४१ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ कोषले पुँजी बजार सेवा अन्तर्गत मर्चेन्ट बैकिङ्ग कारोबारमा रु. ९८ करोड ३३ लाख बराबरको साधारण तथा हकप्रद शेयर निष्कासनको काम सम्पन्न गरेको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फागुन मसान्तसम्ममा रु.२ अर्ब ५७ करोड ५४ लाखको साधारण तथा हकप्रद शेयर निष्कासनको काम भएको छ । शेयर निष्कासन शुल्क तथा प्रत्याभूति कमिशन शुल्क तर्फ भने समीक्षा अवधिमा रु. २६ लाख ४९ हजार रकम आर्जन भएको छ ।

४.४२ नागरिक लगानी कोषले आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा विभिन्न क्षेत्रमा गरी रु. ४४ अर्ब २९ करोड लगानी गरेकोमा २०७१ फागुन मसान्तमा रु. ५५ अर्ब ४५ करोड पुगेको छ । २०७१ फागुन मसान्तसम्म भएको लगानीमा मुद्धति निक्षेप लगायतका निश्चित ब्याज प्राप्त हुने साधनहरूमा कुल लगानीको अंश ५९.५ प्रतिशत, सरकारी ऋणपत्रमा भएको लगानीको अंश ४.४ प्रतिशत, शेयरधितोपत्रमा भएको लगानीको अंश ७.० प्रतिशत, समयकालीन कर्जाको अंश १४.५ प्रतिशत र सहभागी सापटी/आवास कर्जाको अंश १४.६ प्रतिशत रहेको छ ।

हुलाक बचत बैंक

४.४३ नेपाल सरकार, हुलाक सेवा विभागद्वारा सञ्चालित हुलाक बचत बैंकले २०३३ सालदेखि कार्य प्रारम्भ गरेको हो । निक्षेप संकलन गर्न स्वीकृत हुलाक कार्यालयहरूको संख्या १ सय १७ रहेको भएतापनि २०७१ फागुन मसान्तसम्ममा ६८ वटा कार्यालयहरूले मात्र बैकिङ्ग कार्य सञ्चालन गरिरहेका छन् । हुलाक बचत बैंकको कुल निक्षेप २०७१ असार मसान्तमा रु. १ अर्ब ५९ करोड ४९ लाख रहेकोमा २०७१ फागुन मसान्तमा रु. १ अर्ब ६५ करोड पुगेको छ । सो बैंकमा २०७१ फागुन मसान्तमा कुल खाता संख्या ६९ हजार ४ सय १५ रहेको छ ।

निक्षेप तथा कर्जा सुरक्षण निगम

४.४४ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रमा वाणिज्य बैंकहरूलाई लगानी गर्न प्रोत्साहित गरी दुर्गम क्षेत्र तथा गरीब जनताको घरदैलोमा बैकिङ्ग सेवा पुऱ्याउने उद्देश्यले २०३१ साल असोज ४ गते स्थापना भएको निक्षेप तथा कर्जा सुरक्षण निगमले प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र कर्जालगायत पशुधन सुरक्षण, तरकारी बाली सुरक्षण, वैदेशिक रोजगार कर्जा सुरक्षण, लघु तथा विपन्न वर्ग कर्जा सुरक्षण र साना तथा मझौला उद्यम कर्जा सुरक्षण जस्ता कार्यहरू गर्दै आएको छ । हाल निगमको चुक्ता पुँजी रु. १

अर्ब ५४ करोड १२ लाख रहेको छ । स्वामित्व संरचना तर्फ नेपाल सरकारको ८८.९ प्रतिशत, नेपाल राष्ट्र बैंकको १० प्रतिशत र नेपाल बैंक लि. / राष्ट्रिय वाणिज्य बैंक लि.को १.१ प्रतिशत रहेको छ ।

४.४५ निक्षेप तथा कर्जा सुरक्षण निगमले २०७१ असार मसान्तसम्ममा रु. १ अर्ब २७ करोड २७ लाख कर्जा सुरक्षण गरेकोमा २०७१ पौष मसान्तसम्ममा रु. १ अर्ब ६० करोड ३७ लाख कर्जा सुरक्षण भएको छ । नेपाल राष्ट्र बैंकबाट जारी गरिएको निर्देशन बमोजिम “क”, “ख”, “ग” र “घ” वर्गका बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले आफ्नो संस्थामा प्राकृतिक व्यक्तिका नाममा बचत तथा मुद्दति खातामा रहेको रु. २ लाखसम्मको निक्षेप सुरक्षण गर्नु पर्ने व्यवस्था बमोजिम आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा १६७ वटा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको रु. २६९ अर्ब २३ करोड निक्षेप सुरक्षण भएकोमा २०७१ पौष मसान्तसम्ममा उक्त निगमबाट विभिन्न १ सय ६४ वटा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको जम्मा रु. २८४ अर्ब २५ करोड वरावरको निक्षेप रकम सुरक्षण भइसकेको छ ।

कर्जा सूचना केन्द्र लिमिटेड

४.४६ नेपाल राष्ट्र बैंकको अगुवाईमा २०४६ सालमा स्थापना भएको कर्जा सूचना केन्द्र लिमिटेडले ऋणको भुक्तानीसम्बन्धी अवस्थाको बारेमा जानकारी हासिल गरी सो जानकारी बैंक तथा वित्तीय संस्थालाई उपलब्ध गराउने र कालोसूचीमा रहेका ऋणीहरूको विवरण तयार पार्ने गर्दछ । यस केन्द्रमा नेपाल राष्ट्र बैंक, वाणिज्य बैंक समूह, विकास बैंक समूह र वित्त कम्पनी समूहको क्रमशः १० प्रतिशत, ६५ प्रतिशत, १० प्रतिशत र १५ प्रतिशत शेयर स्वामित्व रहेको छ । २०७१ पुस मसान्तमा विभिन्न बैंक तथा वित्तीय संस्थाका ६,१०४ ऋणीहरू कालोसूचीमा रहेको र सोही अवधिमा २,२२२ ऋणीहरू सो सूचीबाट हटेका छन् ।

ग्रामीण स्वावलम्बन कोष

४.४७ वि.सं. २०४७ सालमा स्थापना भएको ग्रामीण स्वावलम्बन कोषले स्थानीय स्रोत, साधन र सीपको अधिकतम उपयोग हुने गरी लक्षित वर्गको आर्थिक एवं सामाजिक स्तरमा सुधार ल्याउने उद्देश्यले थोक कर्जा उपलब्ध गराउँदै आएको छ । यस कोषमा नेपाल सरकारबाट हालसम्म जम्मा रु. ५४ करोड र नेपाल राष्ट्र बैंकबाट रु. २५ करोड ३४ लाख प्राप्त भई हाल कोषको बीज पूँजी रु. ७९ करोड ३४ लाख रहेको छ । सोही पूँजीबाट कोषले ग्रामीण स्वावलम्बन कोष

सञ्चालन निर्देशिका, २०६९ मा व्यवस्था भएबमोजिम आफूसँग आबद्ध संस्थाहरूलाई सम्बन्धित संस्थाहरूको क्षमता तथा प्राथमिक पूँजीको आधारमा कर्जा उपलब्ध गराउँदै आएको छ । कोषबाट विपन्न वर्गको आर्थिक उत्थानका लागि प्रति व्यक्ति बढीमा रु. ९० हजारसम्मको कर्जा सहकारी संस्थाहरू मार्फत उपलब्ध गराउन सक्ने व्यवस्था रहेको छ ।

४.४८ कोषबाट २०७१ साल चैत मसान्तसम्ममा ५३ वटा गैरसरकारी संस्था, ९५९ वटा सहकारी संस्था र कृषि विकास बैंक गरी १०१३ वटा संस्थाहरूलाई रु. १ अर्ब ६६ करोड ४९ लाख कर्जा प्रवाह भएकोमा उक्त कर्जामध्ये रु. १ अर्ब ९ करोड २१ लाख असुली भएको छ भने रु. ५७ करोड ८ लाख कर्जा लगानीमा रहिरहेको छ । सहकारी तथा गैर-सरकारी संस्थाहरूलाई कोषबाट प्रवाहित कर्जाको असुली दर ९४.५५ प्रतिशत रहेको छ । कोषबाट उपलब्ध गराइएको कर्जाबाट गैर सरकारी संस्थाले २७ जिल्लामा र सहकारी संस्थाले ६८ जिल्लामा सेवा पुऱ्याएका छन् भने कुल ४८ हजार ६७९ ग्रामीण घर परिवारले विभिन्न आय तथा स्वरोजगारमूलक कार्यक्रमहरू संचालन गरी प्रत्यक्षरूपले लाभान्वित भएका छन् ।

तालिका ४ (ड) : ग्रामीण स्वावलम्बन कोषको अवस्था

(रु. करोडमा)

| क्र.स | विवरण | २०७१ असार | २०७१ चैत |
|-------|--|-----------|----------|
| १. | कर्जा वितरण भएको जिल्ला संख्या | ६८ | ६८ |
| २ | कर्जा वितरित संस्था संख्या | ९४० | १,०१३ |
| ३ | लाभान्वित परिवार संख्या | ४६०८१ | ४८६७९ |
| ४ | वितरित कर्जा रकम (रु. करोडमा) | १५२.३३ | १६६.४९ |
| ५ | असुल भएको रकम (रु. करोडमा) | ९१.३० | १०९.२१ |
| ६ | लगानीमा रहिरहेको रकम (रु. करोडमा) | ६१.०४ | ५७.०८ |
| ७ | भाखा नाघेको कर्जा (असुल हुनुपर्ने रकमको प्रतिशत) | ३.६७ | ५.४५ |
| ८ | कर्जा असुली (प्रतिशत) | ९६.३३ | ९४.५५ |

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक ।

सीमित बैंकिङ कारोवार गर्ने सहकारी संस्थाहरू

- ४.४९ सहकारी ऐन, २०४८ अन्तर्गत स्थापना भई सीमित बैंकिङ कारोबार गर्ने नेपाल राष्ट्र बैंकबाट इजाजतपत्र प्राप्त गरेका सहकारी संस्थाहरूले नेपाल राष्ट्र बैंकद्वारा जारी गरिएको निर्देशनको अधीनमा रही सीमित बैंकिङ कारोवार गर्दै आएका छन् । २०७१ चैत मसान्तसम्ममा यस्ता संस्थाहरूको संख्या राष्ट्रिय सहकारी विकास बैंक समेत जम्मा १६ रहेको छ । यी संस्थाहरूको कुल सम्पत्ति तथा दायित्व २०७१ असार मसान्तसम्ममा रु. २१ अर्ब ३१ करोड ८५ लाख रहेकोमा २०७१ फागुन मसान्तसम्ममा रु. २० अर्ब ६७ करोड २ लाख रहेको छ । यसैगरी, २०७१ फागुन मसान्तसम्ममा यी संस्थाहरूको निक्षेप संकलन रु १४ अर्ब ८७ करोड ८० लाख पुगेको छ भने कर्जा तथा सापटी रु. १३ अर्ब ४२ करोड ७१ लाख पुगेको छ । यी संस्थाहरूले २०७१ फागुन मसान्तसम्ममा सरकारी धितोपत्र, मुद्दति खाता र अन्यमा गरी रु. १ अर्ब ८१ करोड ८२ लाख लगानी गरेका छन् ।
- ४.५० सहकारी ऐन, २०४८ बमोजिम दर्ता भई कारोवार गरिरहेका सहकारी संस्थाहरूको संख्या २०७१ फागुन मसान्तसम्ममा ३१ हजार ६ सय ५ पुगेको छ । जसमध्ये १३ हजार ३ सय १५ वटा संस्थाहरूले बचत तथा ऋण सहकारीको रूपमा काम गरी रहेका छन् । यस्ता बचत तथा ऋण सहकारी संस्थाहरूको सदस्य संख्या २०७१ फागुन मसान्तमा २६ लाख ११ हजार रहेको छ । २०७१ फागुन मसान्तसम्ममा यस्ता सहकारी संस्थाहरूको शेयर पुँजी रु. ४७ अर्ब ७३ करोड, निक्षेप रु. १३१ अर्ब २९ करोड र लगानी रु. १२१ अर्ब ८६ करोड रहेको छ ।

वित्तीय क्षेत्र सुधार कार्यक्रम

- ४.५१ नेपाल सरकार, विश्व बैंक र बेलायत सरकारको अन्तर्राष्ट्रिय विकास विभाग (Department for International Development) को ऋण तथा अनुदान सहयोगमा सन् २००३ बाट शुरू भएको वित्तीय क्षेत्र सुधार कार्यक्रमको अवधि सन् २०११ मा समाप्त भएपश्चात् पनि वित्तीय क्षेत्र सुधारको कार्यलाई निरन्तरता दिइएको छ ।

- ४.५२ वित्तीय क्षेत्र सुधार कार्यक्रमको अवधि समाप्त भएतापनि नेपाल बैंक लिमिटेडको पुनरसंरचना एवम् सुधार कार्य पूर्ण रूपमा सम्पन्न नभएकोले उक्त बैंकलाई नेपाल राष्ट्र बैंक ऐन, २०५८ को दफा ८६ ग को उपदफा (१) को खण्ड (ण) अनुसार नेपाल राष्ट्र बैंकको नियन्त्रणमा लिइएकोमा उक्त बैंकको अधिकांश सुधार सम्बन्धी कार्यहरू सम्पन्न भएको एवम् नयाँ संचालक समिति समेत गठन भइसकेकोले उक्त बैंक माथिको नियन्त्रण २०७१ मंसिर मसान्तदेखि हटाइएको छ ।
- ४.५३ २०७१ पुस मसान्तमा राष्ट्रिय वाणिज्य बैंकको पूँजीकोष १०.१ प्रतिशत पुगेको छ । उक्त बैंकको नेपाल इन्भेष्टमेन्ट बैंक लि. मा रहेको सम्पूर्ण शेयर तथा नेपाल आवास वित्त कम्पनी लि. मा रहेको संस्थापक शेयर बोलकबोल प्रथाबाट बिक्री गर्ने कार्य अघि बढाई नेपाल इन्भेष्टमेन्ट बैंक लि. मा रहेको आंशिक संस्थापक शेयर बिक्री गरिएको कारण पूँजीकोष वृद्धि भएको हो ।
- ४.५४ नेपाल सरकारको Development Policy Credit कार्यक्रम अन्तर्गत Department for International Development (DFID), UK को आर्थिक तथा प्राविधिक सहयोगमा नेपालका २२ वटा वाणिज्य बैंक, २० वटा विकास बैंक र १२ वटा वित्त कम्पनीहरू गरी जम्मा ५४ वटा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको विशेष निरीक्षण गर्नका लागि अन्तर्राष्ट्रिय कन्सल्टिंग फर्म KPMG, Portugal र स्थानीय साझेदारहरू CSC & Co. Chartered Accountants र TR Upadhaya & Co. छनौट भएका छन् ।
- ४.५५ सुधार योजना कार्यान्वयनका क्रममा रहेका नेपाल बैंक लि. र राष्ट्रिय वाणिज्य बैंक लि. को चुक्ता पूँजी तथा निक्षेपमा उल्लेख्य रूपमा वृद्धि भएको, निष्कृय कर्जाको मात्रा घट्टै गएको तथा समीक्षा अवधिमा दुबै बैंकहरू मुनाफामा सञ्चालनमा रहेको कारण समग्रमा दुबै बैंकको वित्तीय अवस्था सन्तोषजनक रहेको छ । यि दुई बैंकको खराव कर्जा र पूँजी कोषको अवस्था तलको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका ४ (ढ): भाखा नाघेको कर्जा तथा पुँजीकोष

| असार मसान्त | कुल कर्जामा भाखा नाघेको कर्जा (प्रतिशत) | | पुँजीकोष (रु. अर्बमा) | |
|-------------|--|---------------------------|-----------------------|---------------------------|
| | नेपाल बैंक लिमिटेड | राष्ट्रिय वाणिज्य बैंक | नेपाल बैंक लिमिटेड | राष्ट्रिय वाणिज्य बैंक |
| २०६० | ६०.४७ | ६०.१५ | -९.८० | -२२.३९ |
| २०६५ | १२.३८ | २१.६५ | -५.७२ | -१५.५ |
| २०७० | ४.५३ | ५.३१ | -०.९६ | २.५० |
| २०७१ चैत | ४.६० | ३.९० | ३.३४ | २.३९ |

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक ।

बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरु सम्बन्धी अन्य व्यवस्थाहरु

- ४.५६ नेपाल राष्ट्र बैंकमा रहेको गुनासो व्यवस्थापन समिति समक्ष २०७० चैतदेखि २०७१ फागुन मसान्तसम्ममा जम्मा ६४ वटा गुनासो तथा उजुरी परेकोमा ४२ वटा गुनासोहरु उपर व्यवस्थापन समितिबाट सुनुवाइ भइसकेको छ भने ६ वटा उजुरीको सम्बन्धमा सम्बन्धित बैंक तथा वित्तीय संस्थासँग आवश्यक पत्राचार भएको छ । बाँकी १६ वटा गुनासो बारे निवदेक तथा सम्बन्धित पक्षसंग समन्वय गराई सहमति गर्न पहल गरिएको छ ।
- ४.५७ हायर पर्चेज कर्जा दिने कम्पनीलाई स्वीकृति दिने नीतिगत व्यवस्था बमोजिम हालसम्म ५ वटा कम्पनीहरुलाई स्वीकृति प्रदान गरिएको छ ।
- ४.५८ Good for Payment चेक जारी गर्ने बैंक तथा वित्तीय संस्थाले सो चेक बराबरको रकम छुट्टै खातामा जम्मा गरी सोको System Printed प्रमाण चेकमा उल्लेख गर्ने वा चेकसँग उपलब्ध गराउने व्यवस्था गरी सोको अभिलेख राख्नुपर्ने निर्देशन जारी गरिएको छ ।
- ४.५९ इजाजतप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाले निक्षेपमा दिने र कर्जा तथा सापटमा लिने ब्याजदर निर्धारण गर्दा औसत ब्याजदर अन्तर ५ प्रतिशत भन्दा बढी नहुने गरी निर्धारण गर्नुपर्ने व्यवस्था गरिएको छ ।
- ४.६० इजाजतपत्रप्राप्त “घ” वर्गका लघुवित्त वित्तीय संस्थाहरुलाई जारी गरिएको निर्देशन-२०७१ मा भएको व्यवस्था अनुसार २२ जिल्लामा लघुवित्त वित्तीय

संस्थाले शाखा खोली वित्तीय कारोबार संचालन गरेमा प्रति शाखा रु. ३० लाख शून्य ब्याजदरमा कर्जा सुविधा उपलब्ध गराइने व्यवस्था अन्तरगत ३ वटा संस्थालाई ४ वटा शाखाका लागि प्रति शाखा रु. ३० लाखका दरले जम्मा रु. १ करोड २० लाख शून्य ब्याजदरमा कर्जा उपलब्ध गराइएको छ ।

- ४.६१ इजाजतप्राप्त “घ” वर्गका लघुवित्त वित्तीय संस्थाहरुबाट प्रवाहित हुने कर्जामा दोहोरोपन हुन नदिनका लागि कर्जा सुचना केन्द्र मार्फत कर्जा सूचना लिने व्यवस्था गरिएको छ ।
- ४.६२ विपन्न तथा न्यून आय भएका व्यक्तिलाई सामूहिक जमानीमा लघुउद्यम वा व्यवसाय सञ्चालन गर्न प्रति समूह सदस्य बढीमा एक लाख रुपैयाँसम्म लघुकर्जा उपलब्ध गराउन सकिने व्यवस्था गरिएको छ । विगत दुई वर्षदेखि कर्जा उपभोग गरी असल वर्गमा परेका समूह सदस्यको हकमा यस्तो सीमा दुई लाख रुपैयाँ कायम गरिएको छ । त्यसैगरी, विपन्न तथा न्यून आय भएका व्यक्तिलाई स्वीकारयोग्य धितो लिई लघुउद्यम वा व्यवसाय सञ्चालन गर्न प्रति समूह सदस्य बढीमा रु. तीन लाख रुपैयाँसम्म लघुकर्जा उपलब्ध गराउन सकिने व्यवस्था मिलाइएको छ । विगत दुई वर्षदेखि कर्जा उपभोग गरी असल वर्गमा परेका समूह सदस्यको हकमा यस्तो सीमा पाँच लाख रुपैयाँ कायम गरिएको छ ।
- ४.६३ महिलाहरुद्वारा सञ्चालित लघुउद्यमलाई बैंक तथा वित्तीय संस्थाबाट प्रवाह भएको रु. ४ लाखसम्मको कर्जा र महिलाहरुद्वारा सञ्चालित लघुउद्यमलाई बैंक तथा वित्तीय संस्थाबाट सम्बन्धित परियोजनाको धितोमा प्रवाह भएको रु. ७ लाखसम्मको परियोजना कर्जालाई विपन्न वर्गमा गणना गरिने व्यवस्था गरिएको छ ।

समस्या तथा चुनौतीहरु

- ४.६४ विगत ५ वर्षको औषत मुद्रास्फीति दर ९.३ प्रतिशत रहेको सन्दर्भमा मूल्य स्थायित्व कायम गर्नु मौद्रिक नीतिको प्रमुख चुनौती रहेको छ । हालैका वर्षहरुमा मौद्रिक भन्दा पनि गैर मौद्रिक कारणहरुबाट नेपालको मुद्रास्फीति बढी प्रभावित भई आएको छ । देशमा हालै गएको विनासकारी भूकम्प पछि पुनर्निर्माण र पुनरस्थापनाका लागि बाह्य सहयोग बढ्ने सम्भावना रहेको कारण

बैंकिङ क्षेत्रको खुद वैदेशिक सम्पत्ति बढ्ने, प्रमुख कृषिवालीको उत्पादन घटेको कारण खाद्य पदार्थको मूल्य बढ्ने, वितरण प्रणालीमा देखिएको अवरोधको कारण गैर खाद्य तथा सेवा समूहको मूल्य बढ्ने, पुनर्निर्माण र पुनरस्थापनाको क्रममा हुने खर्चका कारण समग्र माग बढ्ने र आपूर्ति व्यवस्थापनमा देखिन सक्ने कमजोरीका कारण मूल्यलाई वाञ्छित स्तरमा राख्ने कार्य आगामी दिनमा निकै चुनौतीपूर्ण छ । अतः समग्र माग व्यवस्थापन गर्दै आपूर्ति पक्ष मजबुत बनाउने र संरचनागत अवरोध हटाउने जस्ता पक्षहरूमा ध्यान दिई मूल्य स्थायित्व कायम गर्न मौद्रिक तथा वित्त नीति बीचमा उचित समन्वय कायम गरिनु आवश्यक छ ।

४.६५ बैंक तथा वित्तीय संस्थाको संख्या तथा प्रकार बढ्दै गेटापनि वित्तीय पहुँच अभिवृद्धि तथा समावेशिकरण गर्नमा अझै पनि चुनौती रहेको छ । देशका करिव ४० प्रतिशत जनताले मात्र औपचारिक क्षेत्रबाट वित्तीय सुविधा पाएको अवस्थाले ग्रामीण तथा दुर्गम क्षेत्रमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाको उपस्थिति अपेक्षित रूपमा विस्तार हुन नसकेको तथ्यलाई देखाउँदछ । सरकारी वित्त तथा मौद्रिक नीतिका माध्यमबाट वित्तीय पहुँच नपुगेका ठाँउमा वित्तीय सेवा विस्तार गर्दै वित्तीय समावेशीकरण गर्न माग तथा आपूर्ति पक्षसंग सम्बन्धित ठोस कदमहरू चाल्नु आवश्यक छ ।

४.६६ बैंकिङ्ग क्षेत्रको खुद वैदेशिक सम्पत्तिमा विस्तार हुँदा बैंकिङ्ग क्षेत्रमा तरलता बढ्ने गरेको छ । बैंकिङ्ग क्षेत्रमा अधिक तरलता रहेतापनि त्यसलाई अपेक्षित रूपमा उत्पादनमूलक क्षेत्रमा प्रयोग गर्न सकिएको छैन । अतः लगानीको वातावरणमा सुधार गरी मौद्रिक प्रसारण संयन्त्र मार्फत अर्थतन्त्रमा सकारात्मक प्रभाव पार्न यस्तो तरलताको प्रयोग गर्ने तर्फ ध्यान जानु आवश्यक छ ।

४.६७ वित्तीय प्रणाली प्रति सर्वसाधारणको विश्वासनियता अभिवृद्धि गरी वित्तीय स्थायित्व कायम गर्नु चुनौतीपूर्ण रहेको छ । संस्थागत सुशासन कायम गर्नमा देखिएका समस्या, कमजोर आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली, विवेकशील नियमनको परिपालनामा कमजोरी आदिका कारण वित्तीय स्थायित्व कायम गर्ने कार्य जटिल बन्दै गएको छ । त्यसैगरी, हालै गएको विनासकारी भूकम्पबाट बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले कर्जा प्रवाह गरेको परियोजना तथा त्यसको धितोमा पुगेको क्षति, पुनर्निर्माण र पुनरस्थापनामा जाने पुनरकर्जा र त्यसको असुलीमा हुन

सक्ने व्यवधान आदिबाट वित्तीय स्थायित्व कायम गर्नमा थप चुनौती हुने देखिन्छ । त्यसैगरी, वित्तीय क्षेत्र सुधार कार्यक्रमको अवधि समाप्त भएको कारण वित्तीय क्षेत्रको निरन्तर सुधार गरी यस प्रतिको विश्वासनियता बढाउने कार्य अझ पनि चुनौतीपूर्ण छ ।

४.६८ बचत तथा ऋण सहकारी संस्थाहरुको माध्यमबाट वित्तीय पहुँच विस्तारमा योगदान पुगेको भएतापनि नियमन तथा सुपरिवेक्षणको कमी, संस्थागत सुशासनको अभाव आदिका कारण वित्तीय स्थायित्वमा नै चुनौती थपिएको छ । अर्थतन्त्रमा छाँया बैंकिङ (Shadow Banking) क्रियाकलाप समानान्तर रूपमा बढ्दै जानु चिन्ताको विषय पनि हो । अतः छाँया बैंकिङ (बचत तथा ऋण सहकारी संस्था, हुण्डी, ढुकुटी आदि) कारोवार व्यवस्थापन गर्न तत्काल संस्थागत, संरचनागत, कानुनी, नियमनकारी तथा व्यवस्थापकीय पक्षहरुमा सुधार गर्ने तर्फ ध्यान जानु आवश्यक छ ।

पुँजीबजार तथा बीमा

पुँजीबजार

५.१ देशमा छरिएर रहेको बचत संकलन गरी उत्पादनशील क्षेत्रमा परिचालन गर्ने महत्वपूर्ण संयन्त्र रूपमा पुँजी बजार हो । विश्वका विकसित देशहरूको आर्थिक विकासमा पुँजी बजारले खेलै आएको महत्वपूर्ण भूमिकालाई दृष्टिगत गरी विभिन्न अल्पविकसित तथा विकासोन्मुख देशहरूले पुँजी बजारको विकास-विस्तारलाई महत्वपूर्ण स्थान दिएका छन् । नेपालमा वि.सं. २०३३ सालमा पुँजीबजारको संस्थागत विकास प्रारम्भ भएको हो । लामो समय भईसक्दा पनि नेपालमा पुँजीबजारको विकासमा खासै प्रगति हुन सकेको छैन । यस सन्दर्भमा पुँजी बजारको विकासको गतिलाई बढावा दिई उत्पादनशील क्षेत्रमा पुँजी परिचालन कार्यलाई दक्ष एवं प्रभावकारी बनाउन बजार तथा नियमन व्यवस्थामा समय सापेक्ष सुधार गर्नु आवश्यक छ ।

प्राथमिक बजार

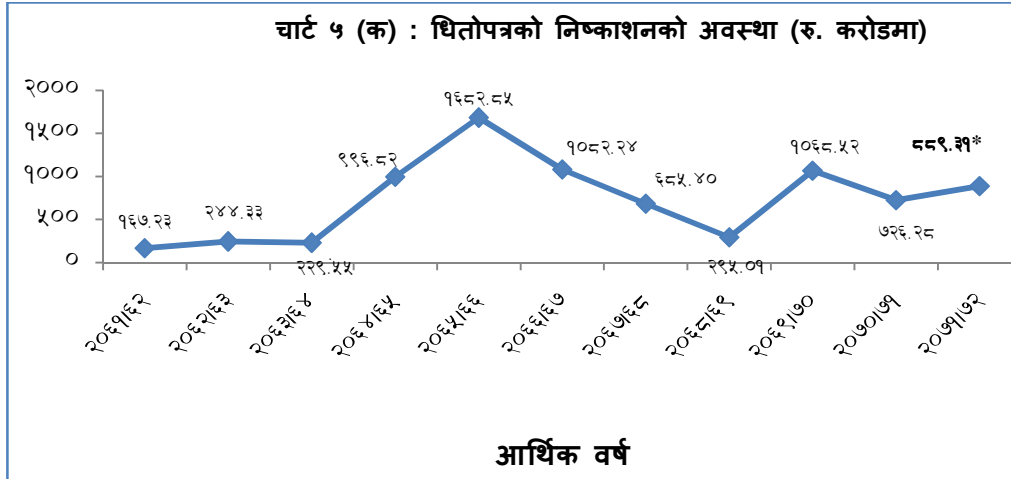
५.२ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा धितोपत्रको प्राथमिक बजारमार्फत् ११ वटा सङ्गठित संस्थाले साधारण सेयर, १५ वटाले हकप्रद सेयर, २ वटाले डिवेन्चर तथा अन्य २ वटाले सामुहिक लगानी योजना गरी कुल ३० वटा संगठित संस्थाहरूबाट जम्मा रु.८ अर्ब ८९ करोड ३१ लाख वरावरको पुँजी परिचालन भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फागुन सम्ममा धितोपत्रको निष्काशन रकम गत आर्थिक वर्षको सोहि अवधिको तुलनामा ७४.४१ प्रतिशतले बढेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा धितोपत्रको प्राथमिक बजारमार्फत् १२ वटा सङ्गठित संस्थाले साधारण सेयर तथा २० वटा संगठित संस्थाले हकप्रद सेयर गरी कुल ३२ वटा संगठित संस्थाहरूबाट जम्मा रु ५ अर्ब ९ करोड ८९ लाख वरावरको पुँजी परिचालन भएको थियो ।

तालिका ५ (क): प्राथमिक बजार प्रवृत्ति

(रकम रु.करोडमा)

| विवरण | आर्थिकवर्ष | | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|--|------------|---------|---------|---------|---------|---------|----------------|--|
| | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७०/७१ | २०७१/७२ | |
| | | | | | | | | |
| १ पुँजी परिचालन | १०८२.२४ | ६८५.४ | २९५.०१ | १०६८.५२ | ७२६.६८ | ५०९.८९ | ८८९.३१ | |
| क साधारण सेयर | २६४.९३ | १७२.८८ | १२९.८५ | ३१८.७४ | १५७.३५ | १३६.९ | ४००.६२ | |
| ख हकप्रद सेयर | ८१७.३ | ५०७.५२ | ४५.१६ | ३९३.५२ | ४२४.३३ | ३७२.९९ | २८८.६९ | |
| ग अग्राधिकार सेयर | - | - | - | - | - | - | - | |
| घ डिबेन्चर | - | ५.०० | १२०.०० | ३५५.०० | १४५.०० | - | १००.०० | |
| ङ नागरिक एकांकयोजना | १००.८८ | ३१.५४ | ३२.७ | - | - | - | - | |
| च म्यूचल फण्ड | - | - | - | - | ८०. | ८०. | १००. | |
| २ पुँजी परिचालन कर्ता संगठितसंस्थाहरूको संख्या | ६१ | ४७ | २५ | ३४ | ४५ | ३२ | ३० | |

स्रोत: नेपाल धितोपत्र बोर्ड ।



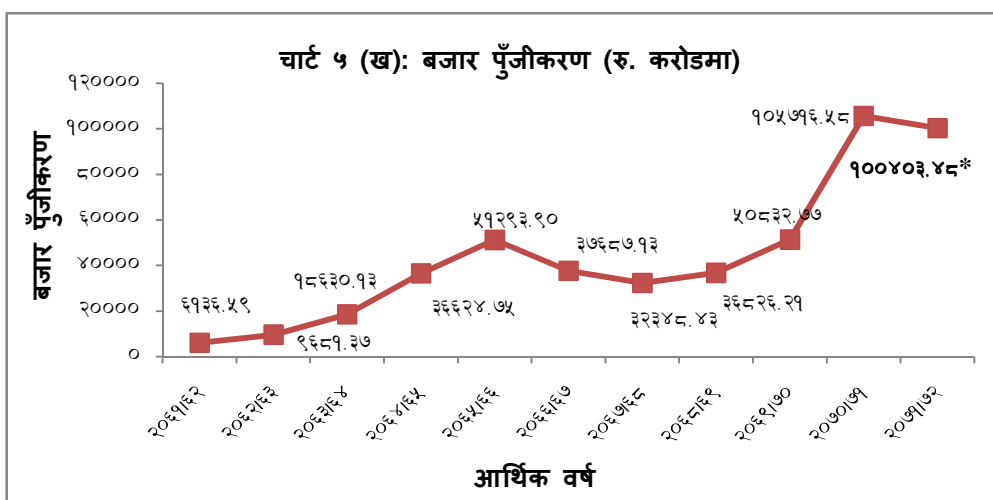
स्रोत: नेपाल धितोपत्र बोर्ड ।

*प्रथम आठ महिना (२०७१/७२)

दोस्रो बजार

५.३ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को अन्त्यमा नेपाल स्टक एक्सचेञ्ज लिमिटेडमा सूचीकृत कम्पनीहरूको संख्या २ सय ३३ रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को

प्रथम आठ महिनामा थप सूचिकरण तथा सूचीकृत कम्पनीहरू एक आपसमा सम्मिलन (Merger) भई कुल सूचीकृत कम्पनीको संख्या २ सय ३२ कायम भएको छ । त्यसैगरी, आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फागुन महिना सम्ममा थप तीन कम्पनीको रु.१ अर्ब ४५ करोड बराबरको ऋणपत्रहरू सूचीकृत भई कुल संस्थागत ऋणपत्रको संख्या २१ पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा बजार पुँजीकरण मूल्य रु. ७ खर्ब ९८ अर्ब ९ करोड कायम रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को सोही अवधिमा बजार पुँजीकरण मूल्यमा २५.८० प्रतिशतले वृद्धि भई रु.१० खर्ब ४ अर्ब ३ करोड ४८ लाख पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को अन्त्यमा बजार पुँजीकरण रु.१० खर्ब ५७ अर्ब १६ करोड ५८ लाख रहेको थियो ।

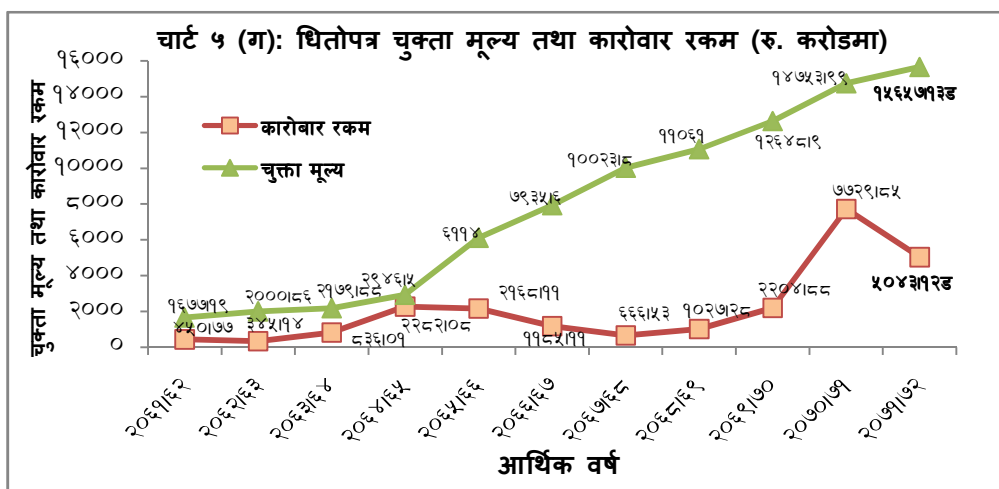


स्रोत: नेपाल स्टक एक्सचेञ्ज लि. ।

*प्रथम आठ महिना (२०७१/७२)

५.४ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा भएको धितोपत्र कारोबार रकममा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को सोही अवधिको तुलनामा २४.८३ प्रतिशतले वृद्धि भई रु.५० अर्ब ४३ करोड १२ लाख मूल्यको १२ करोड ११ लाख ७८ हजार कित्ता सेयर कारोबार भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा रु.४० अर्ब ३९ करोड ९० लाख मूल्यको ११ करोड ९३ लाख ३४ हजार कित्ता धितोपत्र कारोबार भएको थियो । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को सोही अवधिको तुलनामा सूचीकृत कम्पनीको चुक्ता मूल्यमा ८.४५ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. १ खर्ब ५६ अर्ब ५७

करोड १३ लाख पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा सूचिकृत कम्पनीको चुक्ता मूल्य रु.१ खर्ब ४४ अर्ब ३६ करोड ७८ लाख रहेको थियो ।

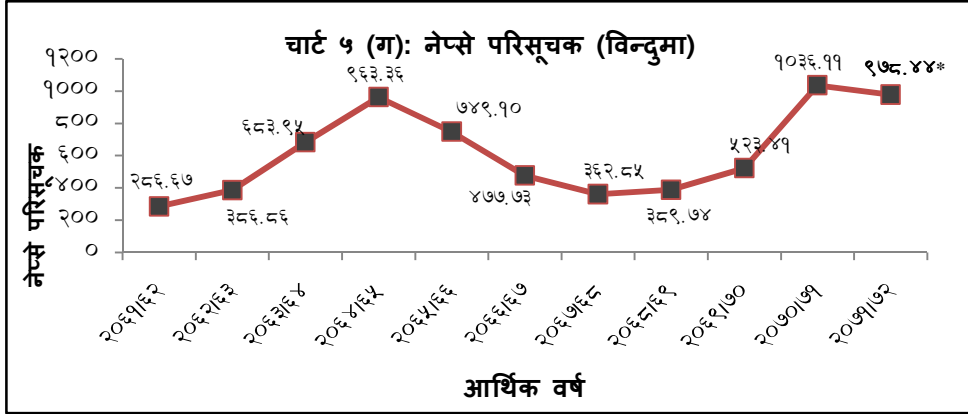


स्रोत: स्रोत: नेपाल स्टक एक्सचेञ्ज लि. ।

*प्रथम आठ महिना (२०७१/७२)

५.५ अर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को सोही अवधिको तुलनामा कारोवार संख्यामा ११.८४ प्रतिशतले वृद्धि भई कुल ३ लाख ७५ हजार १ सय ९२ वटा कारोवार भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनाको अवधिमा कुल ३ लाख ३५ हजार ४ सय ६० वटा कारोवार भएको थियो ।

५.६ दोस्रो बजारको मापन नेप्से परिसूचक आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनाको अन्तमा ९७८.४४ विन्दु कायम भएको छ । नेप्से परिसूचक अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको भन्दा २४.८३ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनाको अन्त्यमा नेप्से परिसूचक ७८३.७९ विन्दु कायम रहेको थियो ।



स्रोत: नेपाल स्टक एक्सचेन्ज लि.

*प्रथम आठ महिना (२०७०/७१)

तालिका ५ (ख): दोस्रो बजार प्रवृत्ति

(रकम रु.करोडमा)

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|--|-------------|----------|----------|----------|-----------|----------|----------------|--|
| | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७०/७१ | २०७१/७२ | |
| | | | | | | | | |
| धितोपत्र कारोबार रकम | ११८५.११ | ६६६.५३ | १०२७.२८ | २२०४.८८ | ७७२९.८५ | ४०३९.९ | ५०४३.१२ | |
| कारोबार भएको धितोपत्रको संख्या (हजारमा) | २६२३१.३५ | २६२४०.३९ | ४१८७८.९ | ८१५७१.७ | २१४१४३.५६ | ११९३३४ | १२११७८ | |
| कारोबार संख्या | २१३७३३ | ३०२३६४ | २९३४८९ | २९२३६६ | ५६६३८९ | ३३५४६० | ३७५१९२ | |
| बजार पुँजीकरण | ३७६८७.१३ | ३२३४८.४३ | ३६८२६.२१ | ५१४४९.२१ | १०५७१६ | ७९८०९ | १००४०३ | |
| बजार पुँजीकरणमा कारोबारको प्रतिशत | ३.१४ | २.०६ | २.७९ | १.५९ | ७.३१ | ५.०६ | ५.०२ | |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा बजार पुँजीकरणको प्रतिशत | ३२.१५ | १९.४८ | २३.४१ | ३०.२४ | ४०. | ४६.८४ | | |
| सूचीकृत धितोपत्रको चुक्ता मूल्य | ७९३५.६ | १००२३.८ | ११०६.१ | १२६४८.९ | १४७५३.९९ | १४४३६.७८ | १५६५७.१३ | |
| सूचीकृत संगठित संस्थाहरूको संख्या | १७६ | २०९ | २१६ | २३० | २३३ | २३५ | २३२ | |
| धितोपत्र कारोबारको प्रकार | १९८ | २२२ | २३० | २३० | २६९ | २३४ | २५४ | |
| नेप्से परिसूचक (विन्दुमा) | ४७७.७३ | ३६२.८५ | ३८९.७४ | ५१८.३३ | १०३६.११ | ७८३.७९ | ९०७.४४ | |

स्रोत: नेपाल स्टक एक्सचेन्ज लि. ।

नेपाल धितोपत्र बोर्ड

- ५.७ पुँजी बजारको दायरा दिन प्रतिदिन बढदै गई धितोपत्र बजार, सूचीकृत कम्पनी, केन्द्रीय निक्षेप कम्पनी, निक्षेप सदस्य, सामूहिक लगानी कोष, शाख मूल्याङ्कन संस्था तथा धितोपत्र व्यवसायी गरी करीब ३ सय ५० कम्पनीहरूको नियमन तथा सुपरीवेक्षण कार्य गरिएको छ ।
- ५.८ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा कुल ३० वटा संगठित संस्थाहरूको रु. ८ अर्ब ८९ करोड ३१ लाख रुपैयाँ वरावरको धितोपत्र दर्ता भई पुँजी परिचालन अनुमति पाएका छन् । साथै, यस अवधिमा कुल ३७ वटा सूचीकृत संगठित संस्थाहरूले सेयरधनीहरूलाई वितरण गर्न घोषणा गरेको रु. ६ अर्ब ६४ करोड ३८ लाख रुपैयाँ वरावरको बोनस सेयर दर्ता गरिएको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फागुन महिना सम्ममा १ वटा स्टक एक्सचेन्ज, १४ वटा मर्चेन्ट बैंकर, १ वटा केन्द्रीय निक्षेप कम्पनी, ४५ निक्षेप सदस्य, १ शाख मूल्याङ्कन संस्था र ५० वटा धितोपत्र दलाल व्यवसायीको अनुमतिपत्र नवीकरण गरिएको छ ।
- ५.९ धितोपत्रको सार्वजनिक निष्काशन गरेका संगठित संस्थाहरूले ऐन तथा नियमावलीमा भएको व्यवस्था अनुरूप धितोपत्रको निष्काशन, बाँडफाँट, फिर्ता भुक्तानी तथा सूचीकरण गरे/नगरेको सम्बन्धमा नियमित रूपमा अनुगमन गरिएको छ ।
- ५.१० नेपालको धितोपत्र बजारको सुधार, प्रभावकारी नियमन व्यवस्था, पुँजी बजारको स्थिरता तथा दिगो विकासका लागि तयार भएको पाँच वर्षीय पुँजी बजार विकास योजना (Five Years Capital Market Development Plan) मा उल्लेखित कार्यक्रमहरूलाई वार्षिक कार्यक्रममा समावेश गरी कार्यान्वयन गरिएको छ । साथै, नेपाल सरकारबाट तयार भैरहेको वित्तीय क्षेत्र विकास रणनीतिमा धितोपत्र बजार सुधार तथा विकास सम्बन्धी रणनीति मस्यौदा तयार भएको छ ।
- ५.११ नेपाल धितोपत्र बोर्डमा दर्ता तथा निष्काशन अनुमतिकालागि प्राप्त भएका ६ वटा सामूहिक लगानी योजना क्रमशः सिद्धार्थ इक्विटी ग्रोथ स्कीम, नवील म्युचुयल फण्ड, एनएमबि म्युचुयल फण्ड, लक्ष्मी म्युचुयल फण्ड, ग्लोबल

म्युचुयल फण्ड र एनआइविएल म्युचुयल फण्ड सम्बन्धी निवेदन तथा विवरणहरूको जाँचबुझ (Vetting) गरी सम्बन्धित स्कीमहरू दर्ता तथा निष्काशन अनुमती दिइएको छ ।

५.१२ कमोडिटीज डेरिभेटिभ बजार सम्बन्धी ऐनको मस्यौदा तयार भै विधायन प्रक्रियामा रहेको छ ।

नेपाल स्टक एक्सचेन्ज लि.

५.१३ धितोपत्रको बाह्य बजार (Over-the-counter-OTC market) लाई क्रियाशील बनाउने कार्य प्रारम्भ भएको छ ।

५.१४ आफ्नै डोमेन नेम सर्भरको विकास गर्न र Government Integrated Data Centre (GIDC) मा रहेको नेप्से सर्भरलाई थप सुरक्षित गर्दै भविष्यमा बढ्न सक्ने भारलाई Load Balancing, Clustering गर्न र Mobile Based Website निर्माण गर्न तथा Live Data Display गर्ने कार्य प्रक्रियामा रहेको छ ।

केन्द्रीय निक्षेप सेवा

५.१५ धितोपत्र कारोबारलाई थप व्यवस्थित गर्न, धितोपत्रहरूको स्वामित्व सम्बन्धी विद्युतीय अभिलेख राखी धितोपत्रको नामसारी कार्यलाई आधुनिक बनाउन पूर्वाधारको रूपमा सेन्ट्रल डिपोजिटरी एकाउण्टीङ्ग सफ्टवेयर (CDAS) निर्माण भएको छ ।

बीमा

५.१६ स्थापित बीमा समितिले बीमा व्यवसायलाई व्यवस्थित, नियमित, बिकसित तथा नियन्त्रित गर्दै नियमनकारी निकायको रूपमा कार्य गर्दै आएको छ । हाल सम्म ९ वटा कम्पनीहरूले जीवन बीमा व्यवसाय, १७ वटा कम्पनीहरूले निर्जीवन बीमा व्यवसाय र १ वटा बीमा कम्पनीले पुनर्बीमा व्यवसाय गर्दै आएका छन् ।

५.१७ नेपालमा जम्मा २७ वटा बीमा कम्पनीहरू छन् । स्वमित्त्व संरचनाको हिसाबले ३ वटा बीमा कम्पनी विदेशी बीमा कम्पनीहरूको शाखाको रूपमा, ३ वटा बीमा कम्पनी विदेशी बीमा कम्पनीको संयुक्त पूँजी लगानीमा, १ वटा पुनर्बीमा

कम्पनी नेपाल सरकार र निर्जिवन बीमा कम्पनीको संयुक्त पूँजी लगानीमा, १८ वटा बीमा कम्पनी निजी स्वमित्त्वमा र २ वटा बीमा कम्पनी सरकारी स्वमित्त्वमा रहेका छन् ।

तालिका नं. ५ (ग) : बीमा कम्पनीहरूको स्वमित्त्व संरचना

| स्वमित्त्व | निर्जिवन | जीवन | पुनर्बीमा | जम्मा |
|------------|----------|------|-----------|-------|
| सरकारी | १ | १ | - | २ |
| निजी | १३ | ५ | - | १८ |
| बिदेशी | २ | १ | - | ३ |
| संयुक्त | १ | २ | १ | ४ |
| जम्मा | १७ | ९ | १ | २७ |

श्रोत: बीमा समिति

- ५.१८ बीमाको विश्वव्यापी मान्यतालाई स्वीकार गरी प्राकृतिक तथा सामाजिक जोखिम विरुद्ध समाजका सबै वर्गलाई जोखिमको आर्थिक सुरक्षा प्रदान गर्न राष्ट्रिय आवश्यकतामा अनुकूल बीमा व्यवसायको विकास गर्न जरुरी छ ।
- ५.१९ बीमा व्यवसायलाई सम्पूर्ण रूपमा विकसित र सुरक्षित बनाईएमा मात्र आर्थिक तथा सामाजिक कृयाकलापहरू सुरक्षित बन्दछन् । प्राकृतिक विपद र दैवी प्रकोपबाट उत्पन्न जोखिम विरुद्ध आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षण प्रदान गर्ने बीमालाई जनजीवनको महत्त्वपूर्ण पाटोको रूपमा लिई नीतिगत र संस्थागत संरचनामा परिवर्तन गर्न आवश्यक छ । बीमा व्यवसायको विकास तथा विस्तारको साथै, ग्रामिण जीवन र अर्थतन्त्रमा बीमा विस्तार गर्दै कूल ग्राहस्थ उत्पादनमा बीमा क्षेत्रको योगदान वृद्धि गर्नु जरुरी छ ।
- ५.२० आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिना सम्ममा बाली तथा पशुपंक्षी बीमा निर्देशिका जारी भएको, लघु बीमा निर्देशिका जारी भएको, बाली तथा पशुपंक्षी बीमालाई ब्यापकता दिने उद्देश्यले सबै निर्जिवन बिमकहरूलाई उक्त बाली तथा पशुपंक्षी बीमा प्रबर्द्धन प्रयोजनको लागी दुर्गम जिल्लामा सम्पर्क कार्यालय खोल्न निर्देशन दिइएको, पुनर्बीमा कम्पनी स्थापना भएको, बीमकको लगानी नीतिलाई परिमार्जन गरिएको र अधिकांस जीवन बीमकको चुक्ता पूँजी ५० करोड र निर्जिवन बीमकको २५ करोड पुगेको जस्ता महत्त्वपूर्ण कार्यहरू भएका छन् ।

श्रोत तथा उपयोग

५.२१ मूलकमा कार्यरत जीवन तथा निर्जीवन बीमा कम्पनीहरूको कूल बित्तिय श्रोत तथा उपयोग आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फागुन मसान्तसम्ममा रु. ११५ अर्ब ९९ करोड ८० लाख पुगेको छ । यो अघिल्लो आर्थिक वर्षको सोही अवधिको तुलनामा ८.८५ प्रतिशतले बृद्धि हो । आर्थिक वर्ष २०६९/७० को अन्त्यमा सो रकम रु.१०६ अर्ब ५६ करोड ५० लाख पुगेको थियो ।

तालिका नं. ५ (घ) : जीवन तथा निर्जीवन बीमा कम्पनीहरूको श्रोत तथा उपयोग

(रु.करोडमा)

| श्रोत | आ.व. ०६९/७० | | आ.व. ०७०/७१ | | आ.व. ०७१/७२* | |
|-------------------------|-------------|----------|-------------|----------|--------------|----------|
| | जीवन | निर्जीवन | जीवन | निर्जीवन | जीवन | निर्जीवन |
| क) चुक्ता पूजी | २७९.०८ | १८०.४७ | ४६६.४६ | ३२३.८८ | ४६६.४६ | ३४७.७५ |
| ख) जगेडा कोष | ५७०३.७६ | ८८५.४२ | ७५४५.४३ | ९३५.९४ | ८३१८.३८ | १००५.२१ |
| ग) अन्य दायित्व | ४९९.४५ | ५६६.८८ | ६७६.८३ | ७०७.९६ | ६८२.०० | ७८०.०० |
| कूल श्रोत | ६४८२.२९ | १६३२.७६ | ८६८८.७२ | १९६७.७८ | ९४६६.८४ | २१३२.९६ |
| उपयोग | | | | | | |
| क) बैंक तथा नगद मौज्जात | १७७.०१ | १४४.७६ | ११९.४९ | १३०.२४ | १३५.९४ | १४७.३१ |
| ख) लगानी | ५७१०.९९ | ९८८.५१ | ७९१४.५९ | १२५५.८० | ८५९२.९० | १३८०.६५ |
| ग) स्थिर सम्पत्ति | १४४.३४ | १११.२४ | १४४.२४ | १०५.६३ | १५४.०० | ११५.०० |
| घ) अन्य सम्पत्ति | ४४९.९४ | ३८८.२५ | ५१०.४ | ४७६.१४ | ५८४.०० | ४९०.०० |
| कूल उपयोग | ६४८२.२९ | १६३२.७६ | ८६८८.७२ | १९६७.७८ | ९४६६.८४ | २१३२.९६ |

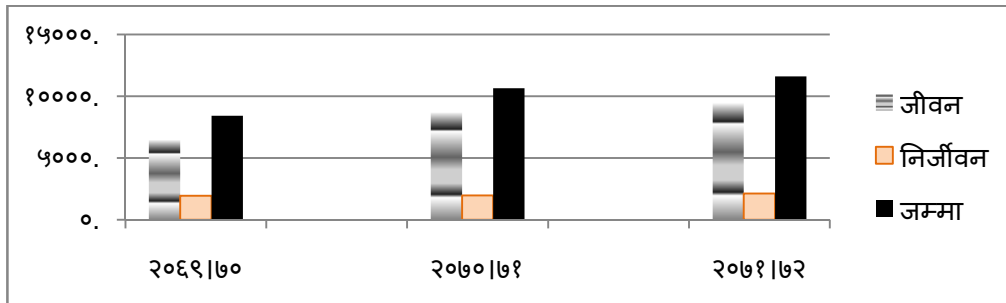
* राष्ट्रिय बीमा संस्थानको लेखा परीक्षण समेत नभएको हुँदा अनुमानित विवरण समावेश गरिएको ।

**आ.व. २०७१/७२ को फागुन मसान्तसम्मको मात्र विवरण समावेश गरिएको ।

श्रोत: बीमा समिति

चाट ५ (ङ): जीवन तथा निर्जीवन बीमा आर्जन

(रु. करोडमा)

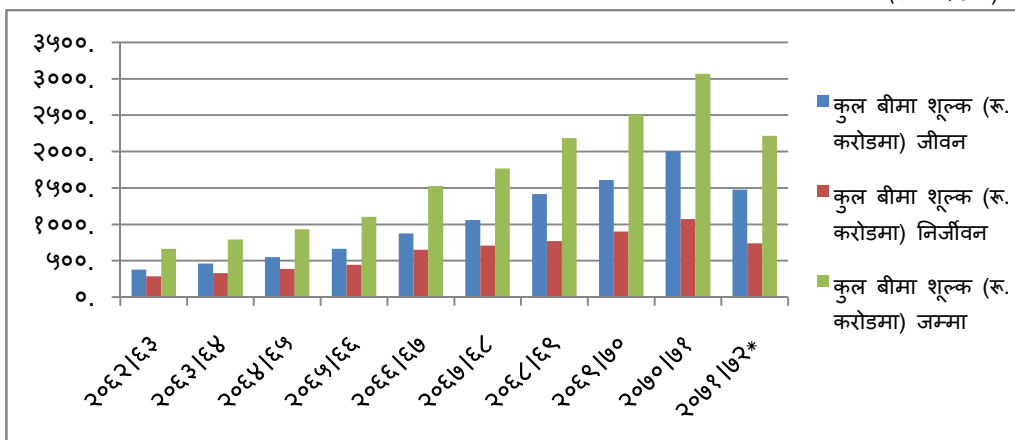


कूल बीमा शुल्क आर्जन

५.२२ नेपालको बीमा व्यवसाय बाट आर्थिक वर्ष २०६२/६३ मा जीवन तथा निर्जीवन बीमामा गरी कूल बीमा शुल्क रु. ६ अर्ब ६४ करोड ३८ लाख आर्जन भएको थियो । पछिल्ला बर्षहरूमा बृद्धि भई आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा कूल बीमा शुल्क रु.३० अर्ब ७१ करोड ७ लाख आर्जन भएको छ । आर्थिक वर्ष २०६९/७० को अन्त्यसम्ममा जीवन तथा निर्जीवन गरी कूल बीमा शुल्क रु. २५ अर्ब १२ करोड १२ लाख आर्जन भएको थियो । यसैगरी, आर्थिक वर्ष २०७१/७२ फागुन मसान्त सम्ममा जीवन तथा निर्जीवन गरी कूल बीमा शुल्क रु २२ अर्ब १७ करोड आर्जन भएको छ ।

चार्ट ५ (च): जीवन तथा निर्जीवन बीमा शुल्क रकम

(रु. करोडमा)



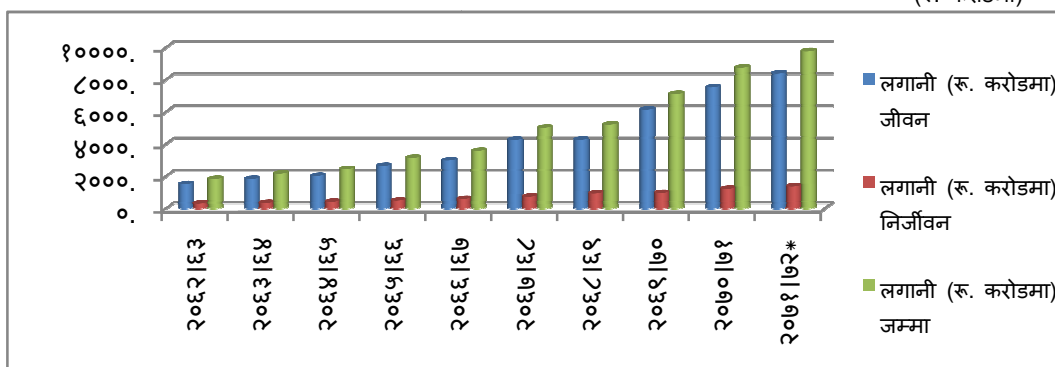
* प्रथम आठ महिनाको ।

लगानी

५.२३ आर्थिक वर्ष २०६२/६३ सम्म जीवन तथा निर्जीवन बीमामा गरी कूल लगानी रु.१८ अर्ब ४१ करोड २१ लाख भएको थियो । त्यस भन्दा पछिल्ला बर्षहरूमा क्रमशः लगानीमा बृद्धि भई आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा कूल लगानी रु. ८७ अर्ब ६१ करोड ३० लाख पुगेको थियो । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फागुन मसान्त सम्ममा कूल लगानी रु ९७ अर्ब ७३ करोड ३४ लाख पुगेको छ।

चाट ५ (छ): जीवन तथा निर्जीवन बीमा लगानी

(रु. करोडमा)



* प्रथम आठ महिनाको ।

तालिका नं. ५ (ड) : जीवन तथा निर्जीवन बीमा कम्पनीहरूको कुल बीमाशुल्क, लगानी र बृद्धि

| आर्थिक वर्ष | कुल बीमा शुल्क (करोडमा .रु) | | | वृद्धिदर (प्रतिशत) | लगानी (करोडमा .रु) | | | वृद्धिदर (प्रतिशत) |
|-------------|-----------------------------|----------|---------|--------------------|--------------------|----------|---------|--------------------|
| | जीवन | निर्जीवन | जम्मा | | जीवन | निर्जीवन | जम्मा | |
| २०६६/६७ | ८७६.६ | ६४९.६७ | १५२६.२७ | ३८.०५ | २९९३.९९ | ५९२.७६ | ३५८६.७५ | १३.७८ |
| २०६७/६८ | १०५९.९२ | ७०६.३९ | १७६६.३१ | १५.७२ | ४२७५.११ | ७४७.२७ | ५०२२.३८ | ४०.०३ |
| २०६८/६९ | १४१६.९३ | ७६९.४४ | २१८६.३७ | २३.७८ | ४२८३.३३ | ९४२.९९ | ५२२६.३२ | ४.०६ |
| २०६९/७० | १६११.१५ | ९००.९७ | २५१२.१२ | १४.९० | ६१५८.७६ | ९६६.९२ | ७१२५.६८ | ३६.३४ |
| २०७०/७१ | २०००.७६ | १०७०.७१ | ३०७१.०७ | २२.२५ | ७५३२.८९ | १२२८.४१ | ८७६१.३० | २२.९५ |
| २०७१/७२* | १४७८.०० | ७३९.०० | २२१७.०० | | ८३९२.८९ | १३८०.४५ | ९७७३.३४ | ११.५५ |

* राष्ट्रिय बीमा संस्थानको लेखा परीक्षण समेत नभएको हुँदा अनुमानित विवरण समावेश गरिएको ।

* आ.व. २०७१/७२ को फागुन मसान्त सम्मको मात्र विवरण समावेश गरिएको ।

श्रोत: बीमा समिति

समस्या तथा चुनौतीहरू

५.२४ संस्थागत सुशासनको आचारसंहिता लागू गरी संस्थागत सुशासनमा सुधार, धितोपत्र बजारको सुदृढ नियमन व्यवस्था, धितोपत्र निष्काशन तथा कारोवार लगातमा कमी, धितोपत्रको निष्काशनमा स्वतन्त्र मूल्य निर्धारणको व्यवस्था र पुँजी बजार मार्फत् पुँजी परिचालन गर्ने वास्तविक क्षेत्रका संगठित संस्थाहरूलाई वित्तीय प्रोत्साहनको व्यवस्था गरी वास्तविक क्षेत्रका संगठित संस्थाहरूलाई पुँजी बजारमा प्रवेश गराउने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।

- ५.२५ धितोपत्र व्यवसायलाई थप व्यवसायिक तथा मर्यादित बनाई धितोपत्र व्यवसायी सेवालाई थप प्रतिस्पर्धी एवं विश्वसनिय बनाउन आवश्यक निरन्तर व्यवसायिक विकास (Continuing Professional Development) कार्यक्रम सञ्चालनको लागि संस्थागत व्यवस्था गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।
- ५.२६ केन्द्रीय निक्षेप कम्पनीको संरचनात्मक कमजोरीमा सुधार गरी केन्द्रीय निक्षेप सेवालाई पूर्ण एवं विश्वसनियरूपमा संचालनमा ल्याउने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।
- ५.२७ नेपाल स्टक एक्सचेन्ज लि.मा रहेको सरकारी स्वामित्व हटाई उपयुक्त विदेशी रणनीतिक साझेदारलाई संलग्न गराई धितोपत्रको दोस्रो बजार सेवालाई व्यवसायिक सिद्धान्त अनुरूप संचालन गरी प्रतिस्पर्धी एवं विश्वसनिय बनाई देशव्यापी बनाउने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।
- ५.२८ धितोपत्र बजार मूल्यमा प्रत्यक्ष असर पार्ने संवेदनशील सूचना तथा जानकारीहरू आफ्नो अनुकूल हुने गरी सार्वजनिक गर्ने अभ्यास एवं प्रवृत्तिमा सुधार ल्याउन अन्तर्राष्ट्रिय वित्तीय विवरण प्रवाह स्तर (International Financial Reporting Standards- IFRS) लागू गरी समग्र धितोपत्र बजारलाई प्रतिस्पर्धी, पारदर्शी एवं विश्वसनिय बनाउने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।
- ५.२९ कमोडिटीज् डेरिभेटिभ्स् बजारको संचालन एवं विस्तारलाई व्यवस्थित एवं दीगो विकास गरी देशको आर्थिक विकासमा योगदान पुऱ्याउने बनाउन आवश्यक कानुनी एवं संस्थागत व्यवस्था गर्ने कार्यलाई अगाडी बढाउनु अपरिहार्य भएको छ ।
- ५.३० बीमा ऐन, २०४९ लाई प्रतिस्थापन गरी बीमाको आधुनिकिकरणमा सहयोग पुऱ्याउने कानुनी र संस्थागत संरचना तयार गर्नु, बाली तथा पशु बीमा अझ तिव्र रूपमा विस्तार गरी कृषिमा जनसाधारणको लगानी सुरक्षित गरी कृषि अर्थतन्त्रको विकासमा टेवा पुऱ्याउनु, लघु बीमाको विकास गर्न र जीवन बीमा सेवा विस्तार गरी अधिकतम नेपालीको पहुँचमा पुऱ्याउनु चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।

६. बाह्य क्षेत्र

स्वरूप र प्रवृत्ति

- ६.१ विश्वमा बढ्दै गएको विश्वव्यापीकरण र उदारीकरणको क्रमसँगै नेपालको बाह्य क्षेत्र उदारीकरणको गति पनि बढ्दै गएको छ । विश्वका अन्य मुलुकहरूसँग बढ्दै गएको आर्थिक एकीकरणको क्रमसँगै नेपालको बाह्य क्षेत्र व्यवस्थापनको कार्य पनि जटिल बन्दै गएको छ । समष्टिगत आर्थिक नीतिको एक महत्वपूर्ण उद्देश्य बाह्य क्षेत्र स्थायित्व कायम गर्नु हो । बाह्य क्षेत्रको स्थायित्वका लागि चालु खाता तथा शोधनान्तर स्थिति सन्तुलनमा रहनु आवश्यक छ । वस्तु तथा सेवाको निर्यातमा विस्तार गर्दै आयात प्रतिस्थापन विना चालु खाता दिगो सन्तुलनको अवस्थामा रहन सक्दैन । शोधनान्तर तथ्याङ्क प्रकाशन गर्न थालेयताका अधिकांश वर्षहरूमा नेपालको शोधनान्तर स्थिति बचतमा रहेतापनि वस्तु व्यापार घाटा प्रत्येक वर्ष चुलिंदो छ । शोधनान्तर बचत मूलतः कामदार विप्रेषण आय तथा आयातको प्रवृत्तिमा भर पर्ने गरेको छ ।
- ६.२ तुलानात्मक लाभ भएका थप निर्यात योग्य वस्तुहरूको पहिचान गरी निर्यातको प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विस्तारका माध्यमबाट निर्यात विस्तार गर्न नसकिनु तर आयात भने हरेक वर्ष बढ्दै जानुले व्यापार घाटा बढ्दो क्रममा छ । वस्तु व्यापार घाटा बढ्दै गएतापनि उच्च विप्रेषण आप्रवाहका कारण विगत एक दशकको अवधिमा तीन वर्ष बाहेकका अन्य वर्षहरूमा चालु खाता बचतमा रहेको छ । तर पनि व्यापार घाटा बाहेक बाह्य क्षेत्रका अन्य परिसूचकहरूको अवस्था भने सन्तोषजनक अवस्थामा रहेको छ ।
- ६.३ नेपालको चालु खाता बचतमा रहेको भएतापनि विगत एक दशकको वस्तु व्यापारको प्रवृत्ति भने सन्तोषजनक रहन सकेको छैन । निर्यातको तुलनामा आयातको उच्च वृद्धिका कारण यस्तो अवस्था सिर्जना भएको हो । वस्तु निर्यातबाट प्राप्त आयले पेट्रोलियम पदार्थको आयात पनि धान्न नसकेको तथ्यले हाम्रो निर्यातको अवस्था कमजोर रहेको पुष्टि हुन आउँदछ । विगत एक दशकको अवधिमा वस्तु निर्यातको औषत वृद्धिदर ५.६ प्रतिशत मात्र रहेको छ जवकि वस्तु आयातको औषत वृद्धिदर भने १८.२ प्रतिशत रहेको छ । एक दशकको अवधिमा भारत तथा अन्य मुलुक तर्फको निर्यात औषतमा क्रमशः ७.२

प्रतिशत र ४.१ प्रतिशतले बढेको छ । तर सोही अवधिको आयात भने क्रमशः १९.९ प्रतिशत र १६.४ प्रतिशतले विस्तार भएको छ । नेपालको निर्यात केही सीमित वस्तुहरूमा केन्द्रित रहेको छ । उनी गलैँचा, जिङ्क शिट, टेक्सटायल, पोलिष्टरको धागो, तयारी पोशाक, जुट वस्तु, दलहन, जि. आई. पाइप, र धागो गरी १० वस्तुहरूले कुल निर्यातमा करिब ५० प्रतिशत अंश ओगटेको छ ।

६.४ आर्थिक वर्ष २०६१/६२ मा वस्तु निर्यात कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको १०.० प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ४.७ प्रतिशतमा झरेको छ । अर्कोतर्फ, आर्थिक वर्ष २०६१/६२ मा वस्तु आयात कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको २५.४ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ३६.८ प्रतिशत पुगेको छ । परिणामस्वरूप, व्यापार घाटा कुल गार्हस्थ्य उत्पादन अनुपात आर्थिक वर्ष २०६१/६२ मा १५.४ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ३२.१ प्रतिशत पुगेको छ । त्यस्तै, आर्थिक वर्ष २०६१/६२ मा ३९.३ प्रतिशत रहेको निर्यात-आयात अनुपात आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा १२.७ प्रतिशतमा झरेको छ । त्यसैगरी, आर्थिक वर्ष २०६१/६२ मा निर्यातको २.५ गुणा आयात रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा बढेर करिब ८ गुणा पुगेको छ । हाल प्रति दिन रु. २ अर्बको आयात भइरहेको छ । यी तथ्यहरूका आधारमा वैदेशिक व्यापारमा गरिएको उदारीकरणबाट मुलुकले अपेक्षित लाभ हासिल गर्न नसकेको स्पष्ट हुन आउँदछ ।

६.५ आर्थिक वर्ष २०६१/६२ मा विप्रेषण कुल गार्हस्थ्य उत्पादन अनुपात ११.१ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा २८.० प्रतिशत पुगेको छ । विश्व बैंकको तथ्यांक अनुसार कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा विप्रेषणको अंशका हिसाबले नेपाल विश्वमा तेस्रो स्थानमा रहेको छ । प्रतिदिन रु. १ अर्ब ५० करोड भन्दा बढी कामदार विप्रेषण नेपाल भित्रिने गरेको छ । विदेशी विनिमय सञ्चितिको स्तरले वस्तु आयात गर्न सक्ने क्षमताको हिसावले हेर्दा नेपालको अवस्था सन्तोषजनक रहेको छ । विगत एक दशकको अवधिमा विदेशी विनिमय सञ्चिति औसतमा २६.२ प्रतिशतले बढेको छ । आर्थिक वर्ष २०६१/६२ मा विदेशी विनिमय सञ्चिति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन अनुपात २२.० प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ३४.३ प्रतिशत पुगेको छ ।

२१.९ प्रतिशतले, चीनतर्फको निर्यात १२.६ प्रतिशतले र अन्य मुलुक तर्फको निर्यात १४.९ प्रतिशतले बढेको थियो । अमेरिकी डलरमा चीनतर्फको वस्तु निर्यात अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको ०.७ प्रतिशत हासको विपरीत समीक्षा अवधिमा ९.८ प्रतिशतले बढी अमेरिकी डलर १ करोड ९१ लाख पुगेको छ । त्यसैगरी, अन्य मुलुकतर्फको वस्तु निर्यात अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको ०.९ प्रतिशत वृद्धिको तुलनामा समीक्षा अवधिमा यथावत रही अमेरिकी डलर १८ करोड ७८ लाख पुगेको छ ।

- ६.८ समीक्षा अवधिमा भारततर्फ मुख्यतः अलैंची, जिङ्क शीट, लत्ताकपडा, जुटका सामान लगायतका वस्तुहरूको निर्यातमा आएको हासका कारण त्यसतर्फको निर्यात घटेको हो । अन्य मुलुकतर्फ विशेषगरी दाल, ऊनी गलैँचा, तयारी छाला, तयारी पोशाक लगायतका वस्तुहरूको निर्यात घटेको कारण त्यसतर्फको निर्यात घटेको हो । प्रशोधत छाला, तयारी पोशाक, नुडल्स लगायतका वस्तुहरूको निर्यात बढेको कारण चीनतर्फको निर्यात बढेको हो । अघिल्लो वर्षको आठ महिनासम्मको कुल निर्यातमा भारत, चीन र अन्य मुलुकतर्फ भएको निर्यातको अंश क्रमशः ६६.५ प्रतिशत, २.८ प्रतिशत र ३०.६ प्रतिशत रहेकोमा समीक्षा अवधिमा क्रमशः ६४.२ प्रतिशत, ३.३ प्रतिशत र ३२.५ प्रतिशत रहेको छ ।

वस्तु आयात

- ६.९ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनामा कुल वस्तु आयात १०.५ प्रतिशतले बढि भई रु. ५०५ अर्ब ९२ करोड पुगेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यस्तो आयात २७.० प्रतिशतले बढेर रु. ४५७ अर्ब ८५ करोड रहेको थियो । अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा पेट्रोलियम पदार्थको मूल्यमा भारी गिरावट आउनुका साथै रासायनिक मल, सुन, एम एस वायर रड, कोइला लगायतका वस्तुहरूको आयात घटेको कारण समीक्षा अवधिमा समग्र आयातको वृद्धिदर न्यून रहन गएको हो ।
- ६.१० कुल वस्तु आयातमध्ये भारतबाट भएको आयात अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको २८.१ प्रतिशत वृद्धिको तुलनामा समीक्षा अवधिमा ५.१ प्रतिशतले बढेको छ ।

चीनबाट भएको आयात अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको १४.७ प्रतिशत वृद्धिको तुलनामा समीक्षा अवधिमा ४८.६ प्रतिशतको उच्च दरले बढेको छ । त्यसैगरी, अन्य मुलुकबाट भएको आयात अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको ३०.१ प्रतिशत वृद्धिको तुलनामा समीक्षा अवधिमा ८.७ प्रतिशतले बढेको छ । अमेरिकी डलरमा चीनबाट भएको वस्तु आयात अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको ०.६ प्रतिशत वृद्धिको तुलनामा समीक्षा अवधिमा ४९.६ प्रतिशतले वृद्धि भई अमेरिकी डलर ७२ करोड ६३ लाख पुगेको छ । त्यसैगरी, अन्य मुलुकबाट भएको वस्तु आयात अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा १४.१ प्रतिशतले बढेकोमा समीक्षा अवधिमा ९.५ प्रतिशतले बढी अमेरिकी डलर १ अर्ब १६ करोड पुगेको छ ।

६.११ समीक्षा अवधिमा भारतबाट मुख्यतया यातायातका साधन तथा पाटपूर्जा, एम. एस. विलेट, चामल, हट रोल्ड शिट इन क्वायल लगायतका वस्तुहरूको आयात बढेको छ भने चीनबाट मुख्यतया: अन्य मेशिनरी तथा पाटपूर्जा, दूरसञ्चारका उपकरण तथा पाटपूर्जा, विजुलीका सर-सामान, भिडियो टेलिभिजन तथा पाटपूर्जा लगायतका वस्तुहरूको आयात बढेको छ । त्यसैगरी, अन्य मुलुकबाट विशेषगरी चाँदी, हवाइजहाजका पाटपूर्जा, खाने तेल, कच्चा पाल्म तेल लगायतका वस्तुहरूको आयातमा वृद्धि भएको छ । कुल आयातमा भारतबाट भएको आयातको अंश गत वर्षको ६६.५ प्रतिशतबाट घटेर समीक्षा अवधिमा ६३.२ प्रतिशत पुगेको छ भने चीनबाट भएको आयात अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको १०.५ प्रतिशतको तुलनामा बढेर १४.२ प्रतिशत पुगेको छ । त्यस्तै, अन्य मुलुकहरूबाट भएको आयातको अंश गत वर्षको सोही अवधिको २३.० प्रतिशतबाट घटेर २२.६ प्रतिशत रहेको छ ।

६.१२ परिवर्त्य विदेशी मुद्रा भुक्तानी गरी भारतबाट गरिएको आयात समीक्षा अवधिमा ०.३ प्रतिशतको सीमान्त दरले वृद्धि भई रु.४९ अर्ब ७९ करोड पुगेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यस्तो आयात ८७.३ प्रतिशतले बढेर रु. ४९ अर्ब ६३ करोड रहेको थियो । समीक्षा अवधिमा भारतबाट भएको कुल वस्तु आयातमा परिवर्त्य मुद्रा भुक्तानी गरेर भएको आयातको अंश १५.६ प्रतिशत रहेको छ ।

तालिका ६ (क) : अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार स्थिति (प्रथम आठ महिना)

(प्रतिशत परिवर्तन)

| विवरण | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
|---|---------|---------|---------|---------|----------|
| निर्यात | ५.९ | १४.१ | ५.० | १९.४ | -६.६ |
| भारत | १०.१ | १४.५ | २.० | २१.९ | -९.९ |
| चीन | - | - | - | १२.६ | ९.३ |
| अन्य मुलुकहरू | -१.७ | १३.५ | ११.२ | १४.९ | -०.९ |
| आयात | १.२ | १६.६ | २२.१ | २७.० | १०.५ |
| भारत | २४.७ | १२.० | २४.२ | २८.१ | ५.१ |
| चीन | - | - | - | १४.७ | ४८.६ |
| अन्य मुलुकहरू | -२७.२ | २६.३ | १८.२ | ३०.१ | ८.७ |
| व्यापार सन्तुलन | ०.३ | १७.१ | २५.५ | २८.२ | १३.१ |
| भारत | २८.२ | ११.५ | २८.८ | २९.१ | ७.४ |
| चीन | - | - | - | १४.८ | ५०.१ |
| अन्य मुलुकहरू | -३०.९ | २८.९ | १९.५ | ३३.९ | १०.७ |
| कुल व्यापार | १.९ | १६.३ | १९.७ | २६.० | ८.५ |
| भारत | २२.४ | १२.४ | २१.० | २७.३ | ३.३ |
| चीन | - | - | - | १४.७ | ४७.३ |
| अन्य मुलुकहरू | -२४.४ | २४.४ | १७.३ | २७.५ | ७.२ |
| निर्यात आयात अनुपात | १६.८ | १६.४ | १४.१ | १३.३ | ११.२ |
| भारत | १६.७ | १७.० | १४.० | १३.३ | ११.४ |
| चीन | - | - | ३.६ | ३.६ | २.६ |
| अन्य मुलुकहरू | १७.१ | १५.४ | २०.१ | १७.७ | १६.२ |
| कुल निर्यातमा अंश (प्रतिशत) | | | | | |
| भारत | ६६.९ | ६७.१ | ६५.२ | ६६.५ | ६४.२ |
| चीन | - | - | ३.० | २.८ | ३.३ |
| अन्य मुलुकहरू | ३३.१ | ३२.९ | ३१.८ | ३०.६ | ३२.५ |
| कुल आयातमा अंश (प्रतिशत) | | | | | |
| भारत | ६७.५ | ६४.८ | ६५.९ | ६६.५ | ६३.२ |
| चीन | - | - | ११.७ | १०.५ | १४.२ |
| अन्य मुलुकहरू | ३२.५ | ३५.२ | २२.४ | २३.० | २२.६ |
| व्यापार सन्तुलनमा अंश (प्रतिशत) | | | | | |
| भारत | ६७.६ | ६४.३ | ६६.० | ६६.५ | ६३.१ |
| चीन | - | - | १३.१ | ११.७ | १५.५ |
| अन्य मुलुकहरू | ३२.४ | ३५.७ | २०.९ | २१.८ | २१.३ |
| कुल व्यापारमा अंश (प्रतिशत) | | | | | |
| भारत | ६७.४ | ६५.१ | ६५.८ | ६६.५ | ६३.३ |
| चीन | - | - | १०.६ | ९.६ | १३.१ |
| अन्य मुलुकहरू | ३२.६ | ३४.९ | २३.६ | २३.९ | २३.६ |
| कुल व्यापारमा आयात र निर्यातको अंश | | | | | |
| निर्यात | १४.४ | १४.१ | १२.४ | ११.७ | १०.१ |
| आयात | ८५.६ | ८५.९ | ८७.६ | ८८.३ | ८९.९ |

* अपरिष्कृत ।

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक ।

व्यापार सन्तुलन

६.१३ चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनामा कुल वस्तु व्यापार घाटा १३.१ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ४४९ अर्ब ५ करोड पुगेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यस्तो घाटा २८.२ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ३९६ अर्ब ९६ करोड रहेको थियो । कुल वस्तु व्यापार घाटामध्ये भारतसँगको व्यापार घाटा अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको २९.१ प्रतिशत वृद्धिको तुलनामा समीक्षा अवधिमा ७.४ प्रतिशतले बढेको छ । त्यसैगरी, अघिल्लो वर्ष १४.८ प्रतिशतले बढेको चीनसँगको व्यापार घाटा समीक्षा अवधिमा ५०.१ प्रतिशतको उच्च दरले बढेको छ । अघिल्लो वर्षको आठ महिनाको अवधिमा ३३.९ प्रतिशतले बढेको अन्य मुलुकसँगको व्यापार घाटा समीक्षा अवधिमा १०.७ प्रतिशतले बढेको छ । निर्यात घटेको र आयातको आधार तथा वृद्धिदर उच्च रहेको कारण समीक्षा अवधिमा निर्यात-आयात अनुपात ११.२ प्रतिशतमा झरेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यस्तो अनुपात १३.३ प्रतिशत रहेको थियो ।

शोधनान्तर स्थिति

६.१४ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा समग्र शोधनान्तर स्थिति रु. ३५ अर्ब ७ करोडले बचतमा रहेको छ । अघिल्लो आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा शोधनान्तर बचत रु. १०२ अर्ब ८१ करोड रहेको थियो । समीक्षा अवधिमा चालु खाता रु. ११ अर्ब ६५ करोडले बचतमा रहेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यो खाता रु. ६८ अर्ब ४१ करोडले बचतमा रहेको थियो । वस्तु तथा सेवा आयात बढ्नु, निर्यात आय तथा अनुदान घट्नु र विप्रेषण आप्रवाह न्यून दरले बढ्नु जस्ता कारणहरूले गर्दा कारण समीक्षा अवधिमा चालु खाता न्यून बचतमा रहेको हो । समीक्षा अवधिमा अमेरिकी डलरमा चालु खाता वचत ११ करोड ३८ लाख डलर र शोधनान्तर वचत ३५ करोड १० डलर रहेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा चालु खाता तथा शोधनान्तर बचत क्रमशः ६८ करोड ७७ लाख डलर तथा १ अर्ब ३ करोड डलर रहेको थियो ।

६.१५ एफ.ओ.बी. मूल्यमा आधारित वस्तु व्यापार घाटा अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा २८.१ प्रतिशतले बढेकोमा समीक्षा अवधिमा १४.० प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ४३५ अर्ब १७ करोड पुगेको छ । त्यस्तै, समीक्षा अवधिमा पर्यटन आय १२.८ प्रतिशतले, अन्य सेवा आय ११.६ प्रतिशतले र अन्यत्र नपरेको सरकारी आय

३१.० प्रतिशतले बढेको कारण कुल सेवा आय अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको ३५.० प्रतिशत वृद्धिको तुलनामा समीक्षा अवधिमा १५.४ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ९३ अर्ब ७८ करोड पुगेको छ । अघिल्लो वर्षको आठ महिनासम्ममा भ्रमण खर्च १.७ प्रतिशतले बढेकोमा समीक्षा अवधिमा यस्तो खर्च ३५.९ प्रतिशतको उच्चदरले बढेको छ । त्यसैगरी, समीक्षा अवधिमा सरकारी सेवा खर्च ७०.४ प्रतिशत, अन्य सेवा खर्च ११.६ प्रतिशत र यातायात खर्च १५.३ प्रतिशतले बढेकोले कुल सेवा भुक्तानी २३.५ प्रतिशतले बढेर रु. ८३ अर्ब १८ करोड पुगेको छ । फलस्वरूप, समीक्षा अवधिमा खुद सेवा आय रु. १० अर्ब ६० करोडले वचतमा रहेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा खुद सेवा आय रु. १३ अर्ब ८९ करोडले बचतमा रहेको थियो ।

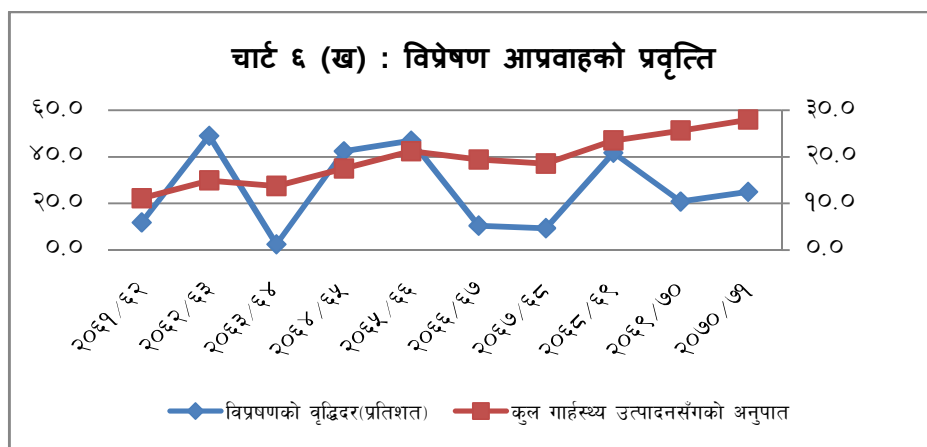
तालिका ६ (ख) : विप्रेषण आप्रवाह

| | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
|---------------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| विप्रेषण आप्रवाह (रु.अर्ब) | २३१.७ | २५३.६ | ३५९.६ | ४३४.६ | ५४३.३ | ३७१.० |
| प्रतिशत परिवर्तन | १०.५ | ९.४ | ४१.८ | २०.९ | २५.० | ४.० |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनसंगको अनुपात | १९.४ | १८.५ | २३.५ | २५.६ | २८.० | - |
| चालु ट्रान्सफर आयमा विप्रेषण आयको अंश | ८०.५ | ८१.५ | ८४.० | ८७.३ | ८६.० | ८८.२ |

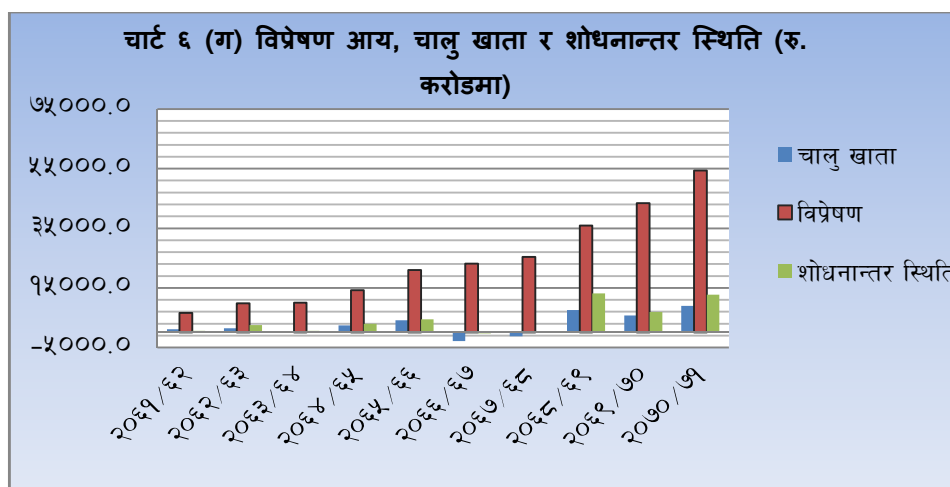
स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक ।

* प्रथम आठ महिनाको तथ्यांक

६.१६ समीक्षा अवधिमा ट्रान्सफर अन्तर्गत अनुदान २४.७ प्रतिशतले घटेको छ । तर पेन्सन भने ०.३ प्रतिशतको सीमान्त दरले बढेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा अनुदान ८५.३ प्रतिशतले र पेन्सन २५.६ प्रतिशतले बढेको थियो । त्यसैगरी, विप्रेषण आय अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको ३४.१ प्रतिशत वृद्धिको तुलनामा समीक्षा अवधिमा ४.० प्रतिशतले बढी रु. ३७१ अर्ब पुगेको छ । अमेरिकी डलरमा विप्रेषण आय अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको १७.५ प्रतिशत वृद्धिको तुलनामा समीक्षा अवधिमा ४.८ प्रतिशतले वृद्धि भई ३ अर्ब ७६ करोड डलर पुगेको छ । परिणामस्वरूप, समीक्षा अवधिमा खुद ट्रान्सफर आय अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको ३८.५ प्रतिशत वृद्धिको तुलनामा समीक्षा अवधिमा १.३ प्रतिशतले बढी रु. ४२० अर्ब ६६ करोड पुगेको छ ।



६.१७ समीक्षा अवधिमा पूँजी खातातर्फ रु. ७ अर्ब ६३ करोड खुद पूँजीगत ट्रान्सफर प्राप्त भएको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा रु. १२ अर्ब ६४ करोडले पूँजी खाता बचतमा रहेको थियो । वित्तीय खाता तर्फ चालु आर्थिक वर्षको समीक्षा अवधिमा रु. २ अर्ब ६७ करोड प्रत्यक्ष वैदेशिक लगानी प्राप्त भएको छ । गत वर्षको सोही अवधिमा रु. १ अर्ब ८० करोड प्रत्यक्ष वैदेशिक लगानी भित्रिएको थियो । गत वर्षको आठ महिनासम्ममा अन्य लगानी सम्पत्ति रु.१२ अर्ब ९३ करोड रहेकोमा समीक्षा अवधिमा रु. २१ अर्ब ३४ करोड रहेको छ । अन्य लगानी दायित्वतर्फ समीक्षा अवधिमा रु. १२ अर्ब ८४ करोड बराबरको सरकारी ऋण आप्रवाह भएको छ भने रु. ९ अर्ब ३९ करोड बराबरको साँवा भुक्तानी भएको छ । समीक्षा अवधिमा मुद्रा तथा निक्षेप दायित्व रु. ६ अर्ब ४३ करोड पुगेको छ ।



विदेशी विनिमय सञ्चिति

- ६.१८ २०७१ फागुन मसान्तमा कुल विदेशी विनिमय सञ्चिति २०७१ असार मसान्तको तुलनामा ६.१ प्रतिशतले बढेर रु. ७०५ अर्ब ७३ करोड पुगेको छ । २०७० फागुन मसान्तमा यस्तो सञ्चिति २२.५ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ६५३ अर्ब ४२ करोड रहेको थियो । अमेरिकी डलरमा २०७१ असारदेखि फागुन मसान्तसम्ममा कुल सञ्चिति १.३ प्रतिशतले बढी अमेरिकी डलर ७ अर्ब ३ करोड पुगेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यस्तो सञ्चिति १९.३ प्रतिशतले बढेको थियो ।
- ६.१९ कुल विदेशी विनिमय सञ्चिति मध्ये नेपाल राष्ट्र बैंकमा रहेको सञ्चिति २०७१ असार मसान्तको रु. ५७२ अर्ब ४० करोडको तुलनामा २०७१ फागुन मसान्तमा ३.६ प्रतिशतले बढी रु. ५९३ अर्ब ५ करोड पुगेको छ । त्यसैगरी, बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूसँग रहेको सञ्चिति पनि समीक्षा अवधिमा २१.२ प्रतिशतले बढेर रु. ११२ अर्ब ६८ करोड पुगेको छ । समीक्षा अवधिमा अपरिवर्त्य भारतीय मुद्रा सञ्चिति १२.६ प्रतिशतले वृद्धि भई भा. रु. १०६ अर्ब ८६ करोड पुगेको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा यस्तो सञ्चिति २४.० प्रतिशतले बढेको थियो ।

तालिका ६ (ग) : कुल विदेशी विनिमय सञ्चिति (रु. करोडमा)

| विवरण | २०६८ | २०६८ | २०६९ | २०६९ | २०७० | २०७० | २०७१ | २०७१ | प्रतिशत परिवर्तन (असार-फागुन) | |
|--------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|---------|---------|----------------------------------|------|
| | असार | फागुन | असार | फागुन | असार | फागुन | असार | फागुन | २०७० | २०७१ |
| नेपाल राष्ट्र बैंक | २१३१० | ३०५०२ | ३७५५२ | ३७२३३ | ४५३०० | ५५०४२ | ५७२४० | ५९३०४.८ | २१.५ | ३.६ |
| बैंक तथा वित्तीय संस्था | ५९०६ | ६३०९ | ६३९३ | ८१२८ | ८०३० | १०३०० | ९३००.६ | ११२६७.९ | २८.३ | २१.२ |
| कुल सञ्चिति | २७२१५ | ३६८१० | ४३९४६ | ४५३६१ | ५३३३० | ६५३४२ | ६६५४०.७ | ७०५७२.७ | २२.५ | ६.१ |
| कुल सञ्चितिमा अंश | | | | | | | | | | |
| नेपाल राष्ट्र बैंक | ७८.३ | ८२.९ | ८५.५ | ८२.१ | ८४.९ | ८४.२ | ८६.० | ८४.० | - | - |
| बैंक तथा वित्तीय संस्था | २१.७ | १७.१ | १४.५ | १७.९ | १५.१ | १५.८ | १४.० | १६.० | - | - |

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक ।

६.२० आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्मको आयातलाई आधार मान्दा विदेशी विनिमय सञ्चितिको विद्यमान स्तरले ११.३ महिनाको वस्तु आयात र ९.७ महिनाको वस्तु तथा सेवा आयात धान्न पर्याप्त रहने देखिन्छ । २०७० फागुन मसान्तमा बैकिङ्ग क्षेत्रसँग रहेको सञ्चितिले सोही अवधिको आयात प्रवृत्तिका आधारमा करिव ११.६ महिनाको वस्तु आयात र १०.१ महिनाको वस्तु तथा सेवा आयात धान्न सक्ने स्तरमा रहेको थियो । वस्तु आयातको वृद्धिदर अघिल्लो वर्षको सोही अवधिको तुलनामा केही घटेतापनि सेवा आयात उच्चदरले बढेको कारण समीक्षा अवधिमा कुल विदेशी विनिमय सञ्चितिको विद्यमान स्तरले गत वर्ष भन्दा कम अवधिको आयात धान्न पर्याप्त रहेको हो । तर विदेशी विनिमय सञ्चितिको यो स्तर चालु आर्थिक वर्षको मौद्रिक नीतिको लक्ष्य भन्दा बढी हो ।

विनिमय दर

६.२१ २०७१ असार मसान्तको तुलनामा २०७१ फागुन मसान्तमा नेपाली रुपैयाँ अमेरिकी डलरसँग ४.५ प्रतिशतले अवमूल्यन भएको छ । अघिल्लो वर्षको सोही अवधिमा नेपाली रुपैयाँ अमेरिकी डलरसँग २.६ प्रतिशतले अधिमूल्यन भएको थियो । २०७१ फागुन मसान्तमा अमेरिकी डलर एकको विनिमय दर रु. १००.४५ पुगेको छ । २०७१ असार मसान्तमा उक्त विनिमय दर रु. ९५.९० रहेको थियो । तर समीक्षा अवधिमा नेपाली रुपैया पाउण्ड स्टर्लिङसँग १०.५ प्रतिशतले, युरोसँग २२.८ प्रतिशतले र जापानी येनसँग १४.१ प्रतिशतले अधिमूल्यन भएको छ ।

तालिका ६ (घ) : विदेशी विनिमय प्रवृत्ति

| विदेशी मुद्रा | खरिद दर (नेपाली रुपैयामा) | | | | | | अधिमूल्यन (+) अवमूल्यन (-) (प्रतिशतमा) (असार - फागुन) | |
|-------------------|---------------------------|---------------|--------------|---------------|--------------|---------------|--|------|
| | २०६९ असार | २०६९ फागुन | २०७० असार | २०७० फागुन | २०७१ असार | २०७१ फागुन | २०७० | २०७१ |
| | १ अमेरिकी डलर | ८८.६० | ८६.७७ | ९५.०० | ९७.५८ | ९५.९० | १००.४५ | -२.६ |
| १ पाउण्ड स्टर्लिङ | १३६.६२ | १२९.३४ | १४३.५६ | १६२.८१ | १६४.६१ | १४८.९१ | -११.८ | १०.५ |
| १ युरो | १०७.९८ | ११२.८६ | १२४.०८ | १३६.१५ | १३०.५६ | १०६.३५ | -८.९ | २२.८ |
| १० जापानी येन | ११.१८ | ९.०२ | ९.५७ | ९.५१ | ९.४४ | ८.२७ | ०.६ | १४.१ |

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक ।

समस्या तथा चुनौती

६.२२ आर्थिक उदारिकरणको क्रमसंगै बाह्य क्षेत्रको कारोवारमा समेत उदारीकरण गरिएतापनि त्यसबाट मुलुकले अपेक्षित लाभ हासिल गर्न सकेको छैन । निर्यात आय भन्दा आयात करिव ८ गुणा बढी रहेको कारण व्यापार घाटा हरेक वर्ष बढ्दो क्रममा छ । यसर्थ, निर्यात प्रवर्धन गर्दै व्यापार घाटा न्यूनीकरण गर्नु चुनौतीपूर्ण रहँदै आएको छ । न्यून मूल्य अभिवृद्धिका वस्तुहरूको उत्पादन तथा निर्यात हुनु, व्यापारमा विविधिकरण हुन नसक्नु, तुलनात्मक लाभ बढी भएका वस्तुहरूको खोजी गरी निर्यात विस्तार हुन नसक्नु, भुपरिवेष्टित मुलुक भएका नाताले व्यापारमा समय र लागत बढी लाग्नु, आयातिक कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगहरूको बाहुल्यता हुनु, उचित रूपमा अग्र तथा पृष्ठ सम्बन्ध (Forward - Backward Linkages) स्थापित हुन नसक्नु, व्यापार सम्बन्धी पूर्वाधारको कमी हुनु, आधुनिक प्रविधिको अभाव हुनु, व्यापार विस्तारका लागि अनुसन्धान र विकासमा ध्यान केन्द्रित हुन नसक्नु, गैरकर अवरोधहरूबाट निकासी हतोत्साहित हुनु आदि कारणहरूले गर्दा वस्तु निर्यात विस्तार हुन सकेको छैन । तर अत्यावश्यक तथा विलासिताका वस्तु, कच्चा पदार्थ, मेशिनरी, यन्त्र, उपकरण आदिको आयात हुने कारण आयातको आधार तथा वृद्धिदर समेत उच्च रहँदै आएको छ । यसबाट व्यापार घाटा उच्च दरले बढ्दो छ । अतः आपूर्तिजन्य अवरोधहरू हटाउँदै निर्यातको प्रतिस्पर्धात्मक क्षमतामा वृद्धि गरी निर्यात विस्तार गर्न निर्यात प्रवर्धन रणनीति तयार गरी लागू गर्ने तथा आयातित वस्तु स्वदेशमा नै उत्पादन गर्ने प्रकारका उद्योग धन्दाहरूको स्थापना र विस्तार गरी व्यापार घाटालाई वान्छित स्तरमा राख्ने तर्फ ध्यान जानु आवश्यक छ ।

६.२३ नेपालको बाह्य क्षेत्र सन्तुलन मूलतः विप्रेषण आय तथा आयातको स्तरमा भर पर्ने गरेको छ । उच्च स्तरको विप्रेषण आप्रवाह भएमा र आयातको स्तर ठीकै भएमा चालु खाता तथा समग्र शोधनान्तर स्थिति सन्तुलनमा रहने अन्यथा घाटामा जाने अवस्था रहेको छ । उच्च स्तरको विप्रेषणबाट तात्कालिक रूपमा अर्थतन्त्रलाई सकारात्मक फाइदा पुगेको भएतापनि यसको स्थायित्व र दिगोपनाका वारेमा सदैव प्रश्न उठने संभावना रहन्छ । वैदेशिक रोजगारीका लागि विदेश जाने नेपाली कामदारहरू अदक्ष प्रकारका रहनु र वैदेशिक रोजगारी मूलतः खाडी मुलुक तथा मलेशियामा केन्द्रित रहनुले कामदार अधिकेन्द्रित

रहेका मुलुकहरुमा कुनै समस्या आएमा विप्रेषण आप्रवाहमा व्यवधान आउने र त्यसबाट बाह्य क्षेत्र स्थायित्वमा संकट आउन सक्ने संभावना रहेका कारण शोधनान्तर स्थितिलाई दिगो बनाउन वैकल्पिक उपायहरुको खोजी हुनु आवश्यक छ । त्यसैगरी, उच्च स्तरको विप्रेषण आप्रवाहबाट एकातर्फ उपभोग बढ्दछ भने अर्को तर्फ त्यसबाट आयात बढ्न गई व्यापार घाटा अझ विस्तार हुने अवस्था रहन्छ । अतः वस्तु तथा सेवाको निर्यातमा जोड दिदै आयात प्रतिस्थापनको माध्यमबाट चालु खाता दिगो बनाउने तर्फ ध्यान जानु आवश्यक छ ।

६.२४ नेपालको कुल आयातमा पेट्रोलियम पदार्थ आयातको हिस्सा २० प्रतिशत भन्दा बढी रहेको छ । त्यसैगरी, कृषि प्रधान मुलुक भएतापनि नेपालले प्रत्येक वर्ष ठूलो मात्रामा कृषिजन्य वस्तुहरुको आयात गर्ने गरेको छ । त्यस्ता कृषिजन्य वस्तुहरु स्वदेश भित्रै उत्पादन गर्न प्रोत्साहन हुन सकेमा कृषिजन्य वस्तुको आयात घट्ने भई व्यापार घाटा सुधार गर्न सहयोग पुग्ने देखिन्छ । त्यसैगरी, पेट्रोलियम पदार्थ माथिको बढ्दो पर निर्भरता कम गर्दै जान स्वदेशमै वैकल्पिक उपायहरुको खोजी गरिनुका साथै निर्माणधीन जलविद्युत परियोजनाहरु समयमा नै सम्पन्न गर्ने तर्फ पनि ध्यान जानु आवश्यक छ ।

६.२५ हालै गएको विनाशकारी भुकम्पका कारण बाह्य क्षेत्र कारोवारको चालु खातालाई दिगो बनाउनु चुनौतीपूर्ण हुने देखिएको छ । तत्कालका लागि कामदार विप्रेषण बढेतापनि यस घटनाबाट विदेशमा रहेका प्रभावित जिल्लाका कामदार स्वदेश फर्कने र बाह्य मुलुकतर्फ कामका लागि जाने प्रवृत्ति घट्ने संभावना रहेको कारण विप्रेषण आप्रवाह सामान्य दरले मात्र बढ्ने देखिन्छ । निर्यात अपेक्षित रूपमा विस्तार हुन नसक्ने तर पुनर्निर्माण तथा पुनर्स्थापनाको सन्दर्भमा निर्माण सामग्री, मेशिनरी तथा उपकरण आदिको आयात बढ्ने संभावना रहेको कारण व्यापार घाटा झन फराकिलो हुने देखिन्छ । विश्व सम्पदामा सूचीकृत केही ऐतिहासिक, धार्मिक तथा पुरातात्विक महत्वका सम्पदाहरुमा क्षति पुग्नुकासाथै पर्यटकीय मार्गमा देखा परेका अवरोध तथा तत्कालका लागि हिमाल आरोहणमा लगाइएको रोक आदिका कारण पर्यटक आगमन प्रभावित भई पर्यटन आयमा समेत प्रभाव पर्ने देखिन्छ । माथी उल्लेखित कारणहरुबाट आगामी वर्षहरुमा चालु खातालाई दिगो बनाउनु चुनौतीपूर्ण हुने देखिन्छ ।

७. गरिबी निवारण र रोजगारी

गरिबी निवारण

- ७.१ गरिवी निवारण एक अन्तर सम्बन्धित (Cross Cutting) विषय हो । गरिवीलाई आय गरिवी, मानवीय गरिवी तथा सामाजिक वञ्चितकरण गरी मूलतः तीन आयाममा गरिएको विश्लेषणबाट नेपालीको समग्र गरिवी र मानव विकास सूचकहरूमा क्रमिक सुधार भएको छ । सरकारको गरीब केन्द्रीत विकास प्रयासको बावजूद निरपेक्ष गरिबीको रेखामुनी रहेको जनसङ्ख्या घटेको देखिएता पनि शहरी तथा ग्रामीण एवं विभिन्न भौगोलिक क्षेत्र र समूहहरूबीचको गरिवीको खाडल अझै पनि उच्च रहेको छ ।
- ७.२ गरीव घर परिवार पहिचानको लागि प्रारम्भिकरूपमा छनौट गरिएका २५ जिल्लाका करीब १३ लाख घरपरिवारहरूको गरिबी मापन सूचकहरूको आधारमा सर्भेक्षण गरी डाटा इन्ट्री, स्क्यानिंग र प्रविष्ट गरिएको छ । यस्ता विवरण र आँकडा Proxy Mean Testing सफ्टवेयरको माध्यमबाट विश्लेषण गरी गरीव घरपरिवार पहिचान गर्न सकिने अवस्थामा रहेको छ ।
- ७.३ गरिवी न्यूनीकरणको राष्ट्रिय लक्ष्य हासिल गर्न राष्ट्रिय गरिबी निवारण नीति तर्जुमा भैरहेको छ । सामाजिक क्षेत्रमा उल्लेख्य रूपमा लगानी वृद्धि गरिएको छ । लक्षित समूह र क्षेत्रलाई केन्द्रित गर्दै रोजगार तथा आयमूलक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिँदै आइएको छ । समावेशी आर्थिक विकासका कार्यक्रमलाई मुल प्रवाहमा राखिएको छ । निरपेक्ष गरिबीको रेखामुनि रहँदै आएको जनसङ्ख्याको तल्लो समूहलाई लक्षित गरी कार्यक्रमहरू गरिएको छ । साथै उद्यमशीलता प्रवर्द्धन मार्फत गरिव परिवारको आयस्तरमा सुधार ल्याउन शुरु गरिएको “गरिवी निवारणका लागि लघु उद्यम विकास कार्यक्रम” लाई क्रमशः थप जिल्लाहरूमा विस्तार गरिएको छ ।
- ७.४ गरिवीको रेखामुनि रहेको जनसङ्ख्यालाई २३.८ प्रतिशत रहेको छ । सहस्राब्दी विकास लक्ष्यको प्रगति प्रतिवेदन २०१३, अनुसार नेपालमा गरिबी घट्ने दर सन् १९९६ देखि सन् २००४ सम्म वार्षिक १.५ प्रतिशत र सन् २००४

देखि सन् २०१३ सम्म वार्षिक २.५ प्रतिशत रहेको छ । सन् २०२२ सम्ममा नेपाललाई अतिकम विकसित राष्ट्रको दर्जाबाट विकासशील राष्ट्रमा स्तरोन्नति गर्ने सोच लिएको छ । सन् २०१३ सम्ममा न्युनतम आहाराभन्दा कम खाना पाउने जनसंख्या १५.७ प्रतिशत रहेको छ । त्यसैगरी, सन् २०१४ सम्ममा ६ महिना देखि ५ वर्ष मुनिका उमेर समूहका कम वजन भएका बालबालिका र पुङ्कोपन भएका बालबालिका क्रमशः ३७.० प्रतिशत र ३०.० प्रतिशत रहेका छन् ।

- ७.५ अति कम विकसित मुलुकबाट विकासशील मुलुकमा स्तरोन्नती लागि संयुक्त राष्ट्र संघले तोकेका प्रति ब्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय (Gross National Income-GNI per capita), मानव सम्पत्ति सूचक (Human Asset Index-HAI) र आर्थिक जोखिम सूचक (Economic Vulnerability Index-EVI) हरु मध्ये प्रतिब्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय बाहेकका अन्य दुई सूचकहरुको अवस्था सकारात्मक रहेको छ । तथापी विनासकारी भूकम्पबाट भएको धन, जन, भौतिक, पुरातात्विक तथा प्राकृतिक स्रोतहरुको क्षतिको कारणबाट पर्न सक्ने जोखिमलाई भने उच्च प्राथमिकताका साथ व्यवस्थापन गर्न जरुरी छ ।
- ७.६ निरपेक्ष गरिवीको रेखामुनि रहेको जनसंख्या घटेको देखिएता पनि धनी र गरिब बीचको भिन्नता अझै उच्च रहेको छ । उपभोग खर्चको आधारमा गिनी सूचकांक (Gini Coefficient) शहरी क्षेत्रमा ०.३५३, ग्रामीण क्षेत्रमा ०.३११ र नेपालमा ०.३२८ पुगेको छ । भौगोलिक क्षेत्र तथा जातजातिबीच यो सूचकांकको खाडल ठूलो छ । उपलब्ध अवसरहरुमा सीमित वर्गको पहुँच हुनु, समावेशी एवं लक्षित कार्यक्रमहरुलाई पूर्ण प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन गर्न नसकिनु, आन्तरिक द्वन्द तथा प्राकृतिक विपत्तिबाट विस्थापितहरुको बसोबास र आय आर्जनका लागि यथोचित सम्बोधन गर्न नसक्नु तथा न्यून कृषि ज्यालादर लगायत कारणहरुबाट यो सुचकांकको खाडल बढ्न गएको हो ।
- ७.७ अति कम विकसित मुलुकबाट विकासशील मुलुकमा स्तरोन्नितका लागि संयुक्त राष्ट्र संघले प्रति ब्यक्ति औसत कुल राष्ट्रिय आय (Gross National Income-GNI per capita), मानव सम्पत्ति सूचक (Human Asset Index-

HAI) र आर्थिक जोखिम सूचक (Economic Vulnerability Index-EVI) गरी तिन सूचकहरू र तिनको मापदण्ड तोकेको छ । विकासशील राष्ट्रमा स्तरोन्नति हुनको लागि तिनमध्ये न्यूनतम दुई सूचकहरूको निर्धारित मापदण्ड पार गर्नु आवश्यक छ । सन् २०१५ मा UN-DESA, CDP ले विकासशील मुलुकमा स्तरोन्नतिको लागि निर्धारित सीमा र नेपालको स्थिति हेर्दा प्रतिव्यक्ति कुल राष्ट्रिय आयमा पछाडि परे पनि मानव सम्पत्ति सूचक र आर्थिक जोखिम सूचकांक सकारात्मक रहेका छन् ।

तालिका ७ (क) : विकासशील मुलुकमा स्तरोन्नतिको लागि निर्धारित मापदण्डको अवस्था

| सूचकहरू | (सन् २०१५) | | |
|--|------------|----------------|---------------|
| | सीमा | नेपालको स्थिति | अन्तर |
| प्रतिव्यक्ति कूल राष्ट्रिय आय (Gross National Income (GNI) per capita (US\$) | १२४२ | ६५९.५ | ५८२.५ |
| मानव सम्पत्ति सूचक (Human Assets Index - HAI) | >६६ | ६८.७ | हासिल भईसकेको |
| आर्थिक जोखिम सूचक (Economic Vulnerability Index-EVI) | <३२ | २६.८ | हासिल भईसकेको |

स्रोत: UN-DESA, CDP

- ७.८ तीव्र रुपमा भैरहेको शहरीकरण, वैदेशिक रोजगारीबाट प्राप्त विप्रेषणमा निरन्तर वृद्धि, कृषि ज्यालामा वृद्धि, गैर कृषि क्षेत्रको रोजगारी तथा ज्यालामा वृद्धि तथा आर्थिक रुपमा सक्रिय उमेरका जनसङ्ख्याको हिस्सामा वृद्धि हुनुले गरिवी न्यूनिकरणमा सहयोग पुगेको छ । तथापी २०७२ वैशाखको विनासकारी भूकम्पको असरका कारण मौजुदा गरीवीको सङ्ख्यामा करिब २.५ प्रतिशत देखी ३.५ प्रतिशतको बिन्दुले बढ्ने अनुमान (Post Disaster Needs Assessment को प्रारम्भिक प्रतिवेदन) रहेको छ ।

तालीका ७ (ख) : गरिबी तथा पोषणको परिमाणात्मक सूचक

| सहस्राब्दी विकास लक्ष्य | सूचक | २०१० सम्मको प्रगति (प्रतिशतमा) | २०१२/१३ सम्मको प्रगति (प्रतिशतमा) | २०१३/१४ सम्मको प्रगति (प्रतिशतमा) | लक्ष्य २०१५ |
|-------------------------|--|--------------------------------|-----------------------------------|-----------------------------------|-------------|
| लक्ष्य १ | दैनिक अमेरिकी एक डलरभन्दा कम आय भएका जनसंख्याको अनुपात | १९.७ | १६.४ | - | १७ |
| | दैनिक राष्ट्रिय गरिबी रेखामुनिका जनसंख्याको अनुपात | २५.४ | २३.८ | - | २१ |
| | प्रतिदिन अमेरिकी एक डलरभन्दामुनि आय भएका रोजगारको अनुपात | २२ | - | - | १७ |
| | न्युनतम आहाराभन्दा कम खाना पाउने जनसंख्याको अनुपात | ३६.१ | १५.७ | - | २५ |
| | ६-५९ महिना उमेर समूहका कम वजन भएका बालबालिकाको अवस्था | ३६.४ | २८.८ | ३७.० | २९ |
| | ६-५९ महिनाका पुङ्कोपन भएका बालबालिकाको अवस्था | ४६.८ | ४०.५ | ३०.० | ३० |

नोट: कोष्टकमा दिइएको परिलक्ष्य परिमार्जन गरिएका हुन् ।

स्रोत: राष्ट्रिय योजना आयोग

गरिबी निवारण कोष

७.९ निरपेक्ष गरीबीको रेखामुनि रहँदै आएको जनसङ्ख्याको तल्लो समुहलाई लक्षित गरी अन्तोदय, सामाजिक समावेशीकरण, पारदर्शिता, माग मुखी कार्यक्रम र सोझै समुदायमा आधारित समाजका अति गरीब तथा पिछडिएका वर्गको सक्रिय सहभागितामा समुदायको मागमा आधारित कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्दै आएको छ । गरीब समुदाय स्वयंलाई सहभागी गराई सामुदायिक संस्थाको गठन गरी कार्यक्रम संचालन र कार्यान्वयन गर्ने व्यवस्था गरिएको छ ।

७.१० आर्थिक वर्ष २०६३/६४ को तुलनामा समुदायमा आधारित कार्यक्रम संचालन गरेका घरधुरीहरुमा गरीबी ५०.७ प्रतिशतबाट ३३.१ प्रतिशतमा झरेको छ । यसबाट प्रतिवर्ष औसतमा २.४९ प्रतिशतले गरीबी घटेको अनुमान छ भने प्रति व्यक्ति औषत उपभोग १२४.२ प्रतिशतले बृद्धि भएको छ ।

७.११ आर्थिक बर्ष २०७०/७१ मा लक्षित समुदायमा आय मुलक र सामुदायिक पूर्वाधार विकासका २ हजार ६ सय ९० परियोजना कार्यान्वयन गर्न सामुदायिक संस्थाहरु मार्फत रु. १ अर्ब ६७ करोड २७ लाख ४१ हजार रकम परिचालन गरिएको थियो । आर्थिक बर्ष २०७१/७२ को पहिलो आठ महिनासम्ममा लक्षित समुदायका आय मूलक र सामुदायिक पूर्वाधार विकास गरी कूल ९ सय ५३ परियोजना कार्यान्वयनका लागि सामुदायिक संस्थाहरु मार्फत रु. ४१ करोड ९५ लाख १४ हजार रकम परिचालन गरिएको छ ।

तालिका ७ (ग) : सामुदायिक संस्थाहरु मार्फत परिचालित रकम

| क्र.सं. | आ.ब. | अनुदान खर्च रकम (रु. हजारमा) | | | | | | |
|------------------|----------|------------------------------|--------------------------------|------------------|-----------|-------------------|--------------------|--------------------|
| | | आयआर्जन कार्यक्रम | साना पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | नविनतम कार्यक्रम | जम्मा | | | |
| | | | | | जम्मा | विश्व बैंक अनुदान | ट्रष्ट फण्ड अनुदान | नेपाल सरकार अनुदान |
| १ | २०६१/६२ | १३२,६१२ | ६४,११० | ३,३९५ | २००,११७ | १८३,६३८ | | १६,४७९ |
| २ | २०६२/६३ | १५५,०८३ | ९०,७३० | १३८,०७० | ३८३,८८३ | ३१७,५९७ | | ६६,२८६ |
| ३ | २०६३/६४ | ४०४,३३२ | ७६,४४४ | ४९९,११३ | ९७९,८८९ | ९७९,८८९ | | |
| ४ | २०६४/६५ | १,२७४,५७२ | २३०,६५२ | ४६,४५१ | १,५५१,६७५ | १,५५१,६७५ | | |
| ५ | २०६५/६६ | ९७१,४५८ | २६१,७९८ | २७,६४० | १,२६०,८९६ | १,२६०,९२० | | ३७६ |
| ६ | २०६६/६७ | १,३८८,२८९ | ४२६,५६१ | ३५,७४९ | १,८५०,५९९ | १,८५०,५९९ | | |
| ७ | २०६७/६८ | १,५२६,८९८ | ४७०,९१० | ११,४०१ | २,००९,२०९ | १,७२०,१२९ | | २८९,०८० |
| ८ | २०६८/६९ | १,४४५,४६१ | ९१४,४८५ | २४,१३२ | २,३८४,०७७ | १,६६१,८६९ | ६८५,६४२ | ३६,५६६ |
| ९ | २०६९/७० | १,०४४,४१४ | ५९१,०३० | ३१,६३० | १,६६६,०७५ | १,४५७,०१३ | १७५,१२८ | ३४,९३४ |
| १० | २०७०/७१/ | ८९७,०२१ | ७४२,१५५ | ३२,८८२ | १६७२,०५९ | १६०,३५७९ | २३,३०० | ४५,१८० |
| जम्मा | | ९,२४०,१४० | ९,२४०,१४० | ३,८६८,८७६ | ८५०,४६३ | १३,९५९,४७९ | १२,५८६,५०९ | ८८४,०७१ |
| १० | २०७१/७२* | २२६,३९७ | १०१,४११ | ११,४६६ | ३३९,२७४ | ३३७,४५२ | ० | १,८२२ |
| कुल जम्मा | | ९,४६६,५३७ | ९,४६६,५३७ | ३,९७०,२८७ | ८६१,९२९ | १४,२९८,७५३ | १२,९२३,९६० | ८८४,०७१ |

* प्रथम आठ महिनाको

स्रोत: गरिबी निवारण कोष

युवा तथा साना व्यवसायी स्वरोजगार कोष

- ७.१२ उत्पादनशील श्रमको अधिकतम उपयोगबाट उद्यमशीलताको विकास मार्फत परम्परागत उत्पादन प्रणालीमा परिवर्तन गरी देशको द्रुततर विकासको लागि शिक्षित तथा अशिक्षित बेरोजगार युवाहरूलाई स्वरोजगारको अवसर उपलब्ध गराउन बैंक तथा वित्तीय संस्था र सहकारी संस्थाहरू मार्फत सहूलियत व्याजदरमा विना धितो आवधिक ऋण उपलब्ध गराई स्वरोजगार कार्यक्रम संचालन गर्नुका साथै व्यवसायिक तालिम उपलब्ध गराउने कार्यक्रम संचालन गरिदैं आएको छ । आर्थिक रूपले पिछडिएका विपन्न वर्ग, महिला, दलित, जनजाति, द्वन्दपिडित, बेरोजगार युवाहरू तथा परम्परागत सीप भएका जनताहरूलाई कृषि, व्यवसायजन्य र सेवामुलक व्यवसाय मार्फत आय आर्जनमा बृद्धि गरि उनीहरूको जिविकोपार्जनलाई सहज बनाउन सुलभरूपमा प्रति व्यक्ति अधिकतम रु. २ लाख सम्म विना धितो आवधिकरूपमा बैंक तथा सहकारी संस्थाहरूलाई थोक रूपमा ऋण उपलब्ध गराईएको छ ।
- ७.१३ विशेष गरी व्यवसायिक खेती तथा पशुपंक्षी पालन, कृषि तथा वनजन्य एवं खानी र बहुमुल्य पत्थर उद्योग, शहर तथा बजार क्षेत्रमा रिक्सा, ठेलागाडा सेवा सञ्चालन तथा प्लम्बीङ सेवा र इलेक्ट्रोनिकस सामानको मर्मत सम्भार जस्ता साना तथा घरेलु व्यवसाय एवं पसल सञ्चालन लगायतका सेवामुलक स्वरोजगार कार्यक्रमको लागि ऋण उपलब्ध गराउने, परम्परागत सीप भएका जाती, जनजाती लगायतलाई ऋण लगानी गर्ने, द्वन्द पीडित व्यक्ति, अपाङ्ग वा घाइते व्यक्ति, बेपत्ता तथा शहिद परिवार, उत्पीडित जाति, जनजाति तथा महिलालाई ऋण लगानी गर्ने, स्वरोजगार कार्यक्रम सञ्चालन गर्न चाहने बेरोजगारलाई तालिम प्रदान गर्ने, स्थानीय कच्चा पदार्थ र सीपमुलक परियोजनालाई विशेष प्राथमिकतामा राखी कार्यक्रम संचालन गरिएका छन् ।
- ७.१४ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को चैत्र मसान्त सम्ममा २४ वटा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरू सहित ६२३ वटा प्रारम्भिक सहकारी संस्थाहरूसंग कर्जा सम्झौता गरी जम्मा रु. ३ अर्ब ४३ करोड ६३ लाख लगानी गरिएको छ । सो लगानी मध्ये रु. १ अर्ब ६१ करोड ११ लाख असूली भई रु. २ अर्ब ७ करोड ९० लाख लगानीमा रही रहेको छ । कुल लगानीको ६०.० प्रतिशत भन्दा बढी रकम उत्पादन मुलक क्षेत्रमा लगानी भएको छ । त्यसैगरी, लगानी भएका ६२३

सहकारी संस्थाहरुबाट २०७१ चैत्र मसान्त सम्ममा १ अर्ब १० करोड २६ लाख नियमित असुल उपर हुनुपर्नेमा रु. ९७ करोड २५ लाख (८८.२ प्रतिशत) असुली भएको छ । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को चैत्र मसान्तसम्म ३ हजार २ सय ९ जना गरी कुल जम्मा २५ हजार २ सय ६ जनाले रोजगारी प्राप्त गरेका छन् ।

रोजगारी

- ७.१५ श्रम तथा रोजगार क्षेत्रका नीति, योजना र कार्यक्रमहरु विशेषत आन्तरिक श्रम व्यवस्थापन, व्यवसायिक तथा सीप विकास तालीम, सामाजिक सम्बादका माध्यमबाट औद्योगिक शान्ति स्थापना, बालश्रम निवारण, व्यवसायजन्य सुरक्षा तथा स्वास्थ्य र वैदेशिक रोजगार प्रवर्द्धनमा केन्द्रित कार्यक्रम सञ्चालन गरिदै आएको छ ।
- ७.१६ नेपालको श्रम बजारमा सक्रिय युवा श्रमशक्तिको आपूर्ति निरन्तर बढोत्तरी भइरहेको भएतापनि दक्ष जनशक्ति र रोजगार सिर्जना आशातीत रूपमा बृद्धि हुन सकेको छैन । फलस्वरूप श्रम तथा रोजगार सम्बन्धी माग तथा आपूर्तिको बीचमा ठूलो खाडल रहेको छ । औद्योगिक प्रतिष्ठानहरुको वृद्धि सँगै रोजगारदाता र कामदारहरुबीच आपसी विश्वास, सहकार्य र हितमा आधारित सुमधुर सम्बन्धको विकास हुनु अनिवार्य हुन्छ भने औद्योगिक प्रतिष्ठानहरुमा कामदारहरुको निमित्त स्वस्थ एवं अनुकूल कार्य वातावरणको सुनिश्चितता पनि त्यत्तिकै महत्वपूर्ण पक्ष हुन आउँछ ।
- ७.१७ आर्थिक रूपले सक्रिय जनसंख्या (१५ देखि ५९ वर्ष उमेर) ५७.० प्रतिशत रहेको छ । यस्तो सक्रिय जनसंख्याको प्रचुरताबाट जनसांख्यीय लाभ लिनु, राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय मांग बमोजिमको दक्ष जनशक्ति तयार गर्नु, स्वदेशमै रोजगारीको अवसर सृजना गरी बैदेशिक रोजगारी माथिको निर्भरता कम गर्नु, देशमा उत्पादित जनशक्ति र माग बीच उचित तालमेल मिलाउनु, सञ्चालित तालिम केन्द्रहरुबीच उचित समन्वय कायम र माग बमोजिमको जनशक्ति उत्पादन गरि राष्ट्र निर्माणको अभियानमा सघाउ पुऱ्याउनु आजको आवश्यकता हो । स्वदेशमा रोजगारको सिर्जना हुन नसकेकोले दैनिक करिव १ हजार ५ सय भन्दा बढी व्यक्ति रोजगारीका लागि विदेशिएका छन् । औपचारिक तथा अनौपचारिक दुवै माध्यमबाट करिब ३६ लाख जनशक्ति वैदेशिक रोजगारीमा

गएका छन् । यी मध्ये ७४.० प्रतिशत अदक्ष, २५.० प्रतिशत अर्धदक्ष र १.० प्रतिशत मात्र दक्ष रहेका छन् ।

वैदेशिक रोजगार

७.१८ पछिल्लो तथ्यांक अनुसार प्रतिवर्ष ४ लाख ५० हजार भन्दा बढी युवाहरु श्रम बजारमा प्रवेश गर्ने भए तापनि रोजगारी बृद्धिदर भने २.९ प्रतिशत मात्र रहेको छ । युवा श्रमशक्तिलाई लक्षित गरी विभिन्न सरकारी निकाय, नीजि र गैरसरकारी संस्थाहरुवाट आन्तरिक रूपमा स्वरोजगारी र ज्याला रोजगारी तथा वैदेशिक रोजगार लक्षित व्यावसायिक तथा सीपमूलक तालीम प्रदान गरिएको छ । यसरी तालीम प्राप्त जनशक्ति मध्ये ४७.७५ प्रतिशत मात्र रोजगारीमा संलग्न रहेका छन् ।

तालीका ७ (घ) : सीप विकास तालीम प्राप्तको अवस्था

| आ.व. | तालीम प्राप्त | | |
|-------------------------|---------------|---------|--------|
| | महिला | पुरुष | जम्मा |
| ०६०/६१ | २०४० | २४९३ | ४५३३ |
| ०६१/६२ | २२६५ | ४३४३ | ६६०८ |
| ०६२/६३ | ३४३२ | ३६३३ | ७०६५ |
| ०६३/६४ | ७४५७ | ६५९६ | १४०५३ |
| ०६४/६५ | ९७१६ | ६४३२ | १६१४८ |
| ०६५/६६ | १२७०२ | ९०३९ | २१७४१ |
| ०६६/६७ | १३३०५ | ९२५७ | २२५६२ |
| ०६७/६८ | १२५३० | ९६०० | २२१३० |
| ०६८/६९ | ८०४५ | ८५०७ | १६५५२ |
| ०६९/७० | ७५८६ | ७५२१ | १५१०७ |
| ०७०/७१ | ८२७८ | ९०५० | १७३२८ |
| ०७१/७२ प्रथम आठ महीनाको | नखुलेको | नखुलेको | ९८२५ |
| जम्मा | ८७३५६ | ७६४७१ | १७३६५२ |

श्रोत: व्यावसायिक तथा सीप विकास तालीम केन्द्र

- ७.१९ नेपाली श्रम बजारमा रोजगारीको अवसरको कमी, कामलाई सम्मान गर्ने संस्कृतिको विकासको न्यूनता र नेपाली युवाको वैदेशिक रोजगारीको मोहका कारण नेपाली युवाहरूको विदेश जाने प्रवाह बढेको छ । नेपाली कामदारको सोझोपन, इमान्दारिता, मेहनती कार्यशैली, वहादुरीपन र सस्तो श्रम लगायतका कारण नेपाली युवाहरू विशेष गरी श्रममुलक कामका लागि खाडी मुलुक र मलेशियामा बढी गएका छन् ।
- ७.२० वैदेशिक रोजगारलाई व्यवस्थित, सुरक्षित तथा मर्यादित बनाउन वैदेशिक रोजगार ऐनको मस्यौदा तयार भई रहेको छ । श्रम वैङ्कको स्थापना गर्न आवश्यक कानून निर्माणको लागि प्रकृया अगाडी बढेको छ । नेपालमा कामकाज गर्ने गैरनेपाली नागरिकहरूको अनुगमन नियमित रूपमा गरी आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फाल्गुण मसान्तसम्म ८ सय ७७ जनाको श्रम स्वीकृति र २ सय ९९ जनाको नवीकरण गरिएको छ । वैदेशिक रोजगारीमा जाने कामदारहरूको लगत व्यवस्थित गर्न Foreign Employment Information Management System (FEMIS) तयार गरी लागु गर्ने क्रममा रहेको छ ।
- ७.२१ वैदेशिक रोजगारीका लागि प्रमुख गन्तव्यका देशहरू मध्ये संयुक्त अरब इमिरेट्स, कतार, जापान, दक्षिण कोरिया र बहराईनसँग Memorandum of Understanding (MOU) भएको छ भने मलेशिया, साउदी अरब, कुवेत, ओमन र ईजरायलका लागि MOU मस्यौदा तयार भई अनुरोध गरिएको छ । त्यस्तै, इजाजतपत्रवाला र कामदार आफै वैदेशिक रोजगार विभागमा उपस्थित भई गर्नुपर्ने करार सम्बन्धी कार्यविधि, २०७१ स्वीकृत भै ओमनमा जाने नेपाली कामदारहरूका लागि लागु भईसकेको छ भने अन्य मुलुकमा समेत क्रमशः लागु गर्दै जाने तयारी भइरहेको छ । वैदेशिक रोजगारमा जाने र स्वदेशमा काम गर्ने व्यक्तिहरूलाई लक्षित गरी आधारभूत तथा सीप अभिवृद्धि र महिला आवासीय तालिम गरी जम्मा ४ हजार ६ सय १० जना ग्राज्युएट भएका छन् भने ८ हजार १ सय १८ जनालाई तालिम प्रदान भइरहेको छ ।
- ७.२२ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा इजाजतपत्रवाला संस्था मार्फत ३ लाख २९ हजार ७० जना वैदेशिक रोजगारीमा गएका छन् । व्यक्तिगत श्रम स्वीकृति लिई जानेमा ६ हजार ३ सय ७८ जना र पहिले अभिलेखित नभई गएका र पुनः फर्की वैधानिक रूपमा श्रम स्वीकृति लिएर गएका २९ हजार २

सय ९२ समेत गरी चालु आर्थिक वर्षको प्रथम ८ महिनामा श्रम स्वीकृति लिइ ३ लाख ६४ हजार ७ सय ४० जना वैदेशिक रोजगारीमा गएका छन् । श्रम स्वीकृति लिइ वैदेशिक रोजगारीका लागि प्रमुख गन्तव्य मुलुकहरूमा गएका नेपाली कामदारहरू मध्ये महिला १५ हजार ९ सय ३९ जना र पुरुष ३ लाख ४८ हजार ८ सय १ जना रहेका छन् ।

तालीका ७ (ङ) : देशगत वैदेशिक रोजगारीको स्थिति

| सि.नं. | देश | पुरुष | महिला | जम्मा |
|--------|---------------|--------|-------|--------|
| १ | कतार | ८३१६३ | १७४८ | ८४९११ |
| २ | मलेसिया | १४८५३४ | ४३३० | १५२८६४ |
| ३ | साउदी अरब | ६७१२२ | २९७ | ६७४१९ |
| ४ | यु.ए.ई | ३१६८२ | ५६८२ | ३७३६४ |
| ५ | कुवेत | ५९३२ | ७०७ | ६६३९ |
| ६ | बहराईन | २६९८ | ४१६ | ३११४ |
| ७ | ओमन | ११६६ | ३२२ | १४८८ |
| ८ | दक्षिण कोरिया | २६७० | १३१ | २८०१ |
| ९ | लेबनान | ११६ | ४११ | ५२७ |
| १० | इजरायल | ८८ | २५४ | ३४२ |
| ११ | अफगानिस्तान | ९६६ | ६ | ९७२ |
| १२ | जापान | १४९५ | ५६ | १५५१ |
| १३ | अन्य | ३१६९ | १५७९ | ४७४८ |
| | जम्मा | ३४८८०१ | १५९३९ | ३६४७४० |

नोट: चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनाको स्थिति

स्रोत: वैदेशिक रोजगार विभाग ।

७.२३ चालु आर्थिक वर्षको प्रथम ८ महिनामा ३ लाख ६४ हजार ७ सय ४० जना वैदेशिक रोजगारीमा गएका मध्ये महिला ६.४ प्रतिशत र पुरुष १२.५ प्रतिशत दक्ष रहेका छन् ।

तालीका ७ (च) : बैदेशिक रोजगारीमा गएका जनशक्तिको सीप प्राप्ती

| सि.न. | विवरण | पुरुष | महिला | कूल |
|-------|-----------|--------|-------|--------|
| १ | दक्ष | ४३६८६ | १०२६ | ४४७१२ |
| २ | अदक्ष | २३६०१५ | ९४७५ | २४५४९० |
| ३ | अर्ध दक्ष | ३५४७६ | १५७५ | ३७०५१ |
| ४ | व्यवसायिक | ३५ | १५ | ५० |
| ५ | उच्च दक्ष | १७ | ० | १७ |
| ६ | नखुल्ने | ३३५७२ | ३८४८ | ३७४३० |
| | कूल जम्मा | ३४८८०१ | १५९३९ | ३६४७४० |

नोट: आर्थिक वर्ष २०७१/७२ फागुन ससान्त सम्म

स्रोत: वैदेशिक रोजगार विभाग

७.२४ बैदेशिक रोजगार व्यवसायलाई सुरक्षित, व्यवस्थित र मर्यादित बनाउन तथा बैदेशिक रोजगारमा जाने कामदार र वैदेशिक रोजगार व्यवसायीको हकहित संरक्षणको लागि बैदेशिक रोजगार व्यवसायलाई प्रवर्द्धन गरिएको छ । हालसम्ममा १ सय १५ जना मृतकका परिवारलाई आर्थिक सहायता र बिरामी एवं अङ्गभङ्ग भएकालाई उपचार खर्च उपलब्ध गराउनुका साथै बिदेशमा अलपत्र परेका ३ सय ६४ वटा शव नेपाल ल्याइएको छ । साथै बिदेशमा अलपत्रमा परेका कामदारको उद्धार गर्न रु ६० लाख विभिन्न राजदूतावासहरूमा पठाइएको छ । त्यस्तै, रोजगारदाता मुलुकमा आन्तरिक विद्रोह एवं आर्थिक मन्दीका कारण अलपत्र परेका कामदारहरूलाई उद्धार, जनचेतनामुलक कार्यक्रम र सुरक्षित गृह समेत सञ्चालन गरिदै आएको छ ।

सामाजिक सुरक्षा कोष

७.२५ आर्थिक तथा सामाजिक रुपमा जोखिममा रहेका नागरिकहरूलाई मानवीय मर्यादा रक्षाका लागि जोखिमबाट सुरक्षा प्रदान गर्न राज्य र नागरिकहरूको साझा प्रयासमा सामाजिक सुरक्षाको कार्य हुदै आएको छ । विभिन्न निकायहरूमार्फत सामाजिक संरक्षणका नाममा भई रहेका कामलाई एकिकृत रुपमा गर्न शुरु गरिएको छ । सामाजिक सुरक्षा कोषमा योगदान गर्ने संघ संस्थाहरू दश हजार भन्दा बढी र योगदानकर्ताहरू एक लाख भन्दा बढी रहेका छन् । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को अन्त्यसम्ममा सामाजिक सुरक्षा कर रु. ६ अर्ब ५२ करोड संकलन भएको छ ।

गरिबी निवारण र रोजगारीका लक्षित कार्यक्रमहरू

कर्णाली रोजगार कार्यक्रम

७.२६ कर्णाली रोजगार कार्यक्रम कर्णाली अञ्चलको पाँच जिल्लामा सञ्चालित छ । ती जिल्लाहरूमा रहेका ६८ हजार ९ सय २ घरधुरीमध्ये करिब ६१ हजार ५८ घरपरिवारका सदस्य बेरोजगार रहेका छन् । कर्णाली रोजगार कार्यक्रमबाट आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा २ सय ४५ वटा योजना (मोटरबाटो, विद्यालय भवन, साना लघु जलबिद्युत मर्मत, गोरेटो, घोडेटो, फलफुल एवं जडिबुटी खेती आदि) सम्पन्न भएका छन् । यस्ता योजनाबाट कर्णाली अञ्चलमा १२-१५ दिन बराबरको थप रोजगारी सृजना भई ८ लाख १७ हजार २ सय १८ दिन वरावर रोजगारी उपलब्ध भई सम्बन्धित व्यक्तिहरू लाभान्वित भएका छन् । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को पहिलो ८ महिनामा जिल्लामा बेरोजगार परिवारको लगत अद्यावधिक गर्नुको गाँउ विकास समितिहरूमा नमूनाका आयोजनाहरू सञ्चालन गरिदै आएको छ ।

ग्रामीण सामुदायिक पूर्वाधार विकास कार्यक्रम

७.२७ दीगो एवं उत्पादनशील पूर्वाधारको निर्माण गरी खाद्य असुरक्षित क्षेत्रका गरिव घर परिवारहरूको खाद्य सुरक्षा स्थितिमा सुधार ल्याई उनीहरूको स्वावलम्बन क्षमतामा अभिवृद्धि गर्न २१ जिल्लामा यो कार्यक्रम सञ्चालनमा रहेको छ । यस कार्यक्रमबाट ग्रामीण सडक निर्माणका साथै स-साना आय आर्जन बृद्धिका कार्यहरू सञ्चालन भइरहेका छन् । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा १२९ किलो मिटर ग्रामिण सडक निर्माण गरिएको थियो भने जीबिकोपार्जन तथा आय आर्जन बृद्धिका २ सय ४६ वटा कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिएका थिए । त्यस्तै, चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को पहिलो आठ महिनामा १३ किलो मिटर ग्रामिण सडक निर्माण गरिएको छ भने जीबिकोपार्जन र ३३ वटा आय आर्जन बृद्धिका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिएका छन् ।

स्थानीय अग्रसरतालाई नयाँ "ज्ञान र सीपसंग" जोड्ने कार्यक्रम

७.२८ सन् १९९७ देखि शुरू भएको "ज्ञान र सीपसंग" कार्यक्रम अछाम, दैलेख, जाजरकोट र कालिकोट जिल्लामा सञ्चालित छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा

जाजरकोट, कालिकोट, जुम्ला, मुगु, अछाम, दैलेख, डोटी जिल्लाका २ सय ३४ गाँउ विकास समितिको आवधिक योजना तर्जुमा कार्य सम्पन्न भएको छ । यस कार्यक्रमबाट ७ हजार घरपरिवारलाई आय आर्जन क्रियाकलापमा सहभागी गराई बजारसँग आवद्ध गराईएको छ । यस कार्यक्रममा ४ सय उत्पादक समूह कृषाशील रहेका छन् भने ९० वटा कृषक व्यवसाय, पाठशाला सञ्चालित छन् । साथै, १५ वटा कृषी उपज सङ्कलन केन्द्र सञ्चालनमा आएका छन् । चालु आर्थिक वर्षको प्रथम ८ महिनामा ४१ वटा कृषक व्यवसाय पाठशाला सञ्चालन गरिएको छ ।

नेपाल खाद्य संकट सम्बोधन कार्यक्रम

७.२९ आर्थिक वर्ष २०६५/६६ देखि आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को पहिलो चौमासिक सम्म सञ्चालित खाद्य संकट सम्बोधन कार्यक्रमको लागि कुल ६९.५० मिलियन अमेरिकी डलर खर्च भएको छ । यो रकम कामका लागि खाद्यान्न र नगद कार्यक्रम मार्फत विभिन्न २३ दुर्गम जिल्लामा कृषिका लागि आवश्यक मल तथा बिउ ढुवानीमा अनुदान सहयोग एवं कृषि अनुसन्धान कार्य, बृद्ध भत्ता, अशक्त भत्ता, विधवा भत्ता जस्ता कार्यक्रमहरूमा उपयोग गरिएको छ ।

समस्या तथा चुनौतीहरू

- ७.३० पछौटेपन, गरीबी, बञ्चितकरण र विभेदमा परेका समुहको उत्थान र समुन्नतीका लागि सार्वजनिक लगानी बढाई गरीबी घटाउने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।
- ७.३१ गरीव केन्द्रीत विकास प्रयासको फलस्वरूप निरपेक्ष गरीबीको रेखामुनी रहेको जनसङ्ख्याको अनुपात घट्दो क्रममा देखिएता पनि शहरी तथा ग्रामीण एवं विभिन्न भौगोलिक क्षेत्र र गरीब र धनी बीचको खाडल अझै पनि उच्च रहेको छ । यसर्थ, गरीबी न्युनीकरण प्रयासलाई निरन्तरता दिदै समग्र गरीबी घटाउनु तथा गरीब र धनी बीचको असमानता घटाउनु चुनौती रहेको छ ।
- ७.३२ गरीबी बहु-आमायिक विषय भएकोले यसको सम्बोधन बहुकोणिक अवधारणाबाट मात्र हुनसक्छ । गरीबी निवारण सम्बन्धी कार्यक्रमहरूको कार्यान्वयन छरिएर

रहेको अवस्थामा सबै निकाय तथा क्षेत्रहरूको प्रयासलाई समन्वयात्मक ढंगबाट सञ्चालन गरी प्रभावकारी बनाउनु चुनौतीका रूपमा रहेको छ ।

- ७.३३ देशमा विद्यमान सक्रिय जनसङ्ख्याको प्रचुरताबाट जनसांख्यीय लाभ लिनु, राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय माग बमोजिमको दक्ष जनशक्ति तयार गर्नु, स्वदेशमै रोजगारीको अवसर सृजना गरी बैदेशिक रोजगारी माथिको निर्भरता कम गर्नु, देशमा उत्पादित जनशक्ति र माग बीच उचित तालमेल मिलाउनु, देशमा सञ्चालित विद्यमान तालिम केन्द्रहरूविच उचित समन्वय कायम गरि माग बमोजिमको जनशक्ति उत्पादन गरि राष्ट्र निर्माणको अभियानमा सघाउ पुऱ्याउनु अपरिहार्य छ ।
- ७.३४ वैदेशिक रोजगारीलाई नियमन गर्नु, वैदेशिक रोजगारका नयाँ सवाल तथा चुनौतीहरूलाई समाधान गरी व्यवस्थित, मर्यादित, सुरक्षित एवं भरपर्दो बनाउनु चुनौतीपूर्ण रहेको छ । देशभरी छरिएर रहेका उत्पादनशील जनशक्तिको उचित व्यवस्थापन गरी स्वदेशी तथा बैदेशिक श्रम बजारमा उनीहरूको सीप र क्षमताको प्रवर्द्धन र व्यवस्थापन गर्न नसक्नु श्रम तथा रोजगार क्षेत्रको प्रमुख समस्याको रूपमा रहेको छ ।
- ७.३५ दश वर्षे आन्तरिक द्वन्द तथा २०७२ वैशाखको विनाशकारी भूकम्प पछिको पुननिर्माण एवं द्रुत्ततर विकासका लागि प्राविधिक एवं व्यवस्थापकिय सीप र क्षमता भएका जनशक्तिको आवश्यकता छ । दक्ष जनशक्तिलाई देशभित्रै टिकाई राख्ने एवं विदेशमा गैसकेका जनशक्तिलाई स्वदेशी श्रम बजारमा आकर्षित गरि उनीहरूले विदेशी भूमिमा आर्जन गरेको श्रम, पुँजी र प्रविधिलाई राष्ट्र निर्माणको अभियानमा लगाउनु चुनौतीको विषय बन्न पुगेको छ।

८. कृषि, भूमिसुधार र वन

कृषि

- ८.१ नेपालको अर्थतन्त्रमा कृषि क्षेत्रको योगदान उल्लेखनिय रहेको छ । कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको झण्डै एक तिहाइ हिस्सा कृषि क्षेत्रले ओगटेको छ भने झण्डै दुई तिहाइ जनसंख्या कृषि पेशामा आश्रित रहेका छन् । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको योगदान ३३.१२ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा ३२.१२ प्रतिशत रहने अनुमान छ । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा आधारभूत मूल्यमा कृषि क्षेत्रको बार्षिक वृद्धि दर १.८५ प्रतिशत हुने अनुमान छ । विगत वर्षहरूमा कृषि क्षेत्रको बार्षिक वृद्धिदर अपेक्षाकृत सन्तोषजनक हुन सकेको छैन ।
- ८.२ कृषि क्षेत्रबाट प्राप्त हुन गएको रोजगारीको अवसर र मुलुकलाई समष्टिगत रूपमा प्रदान हुने खाद्य सुरक्षाको कारण अर्थतन्त्रमा कृषि क्षेत्रको योगदान उल्लेखनिय रहन गएको हो । कृषि क्षेत्रलाई ब्यवसायिकरण तथा विविधिकरण गरी तुलनात्मक लाभ एवं प्रतिस्पर्धाको माध्यमबाट सक्षम बनाउनु आवश्यक छ । कृषि क्षेत्रको उत्पादन एवं उत्पादकत्व वृद्धि गरी बहुसंख्यक कृषक समुदायको जीवनस्तरमा सकारात्मक सुधार ल्याउन कृषि विकासका कार्यक्रमहरू केन्द्रीत रहेका छन् । खाद्यान्न बालीहरू धान, मकै, गहुँ र आलुमा भएको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धिले नेपालको खाद्य सुरक्षामा टेवा पुगेको छ । त्यस्तैगरी, तरकारी बालीको उत्पादन बढ्दै गएको र मौसमी तथा बेमौसमी तरकारीको उत्पादनमा वृद्धि भएको छ ।

खाद्यान्न बाली उत्पादनको स्थिति

- ८.३ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा नेपालको कूल खाद्यान्न उत्पादन (धान, गहुँ, मकै, कोदो, जौ, फापर) अघिल्लो वर्षको तुलनामा करिब ३ प्रतिशतले घट्न गई ९२ लाख ६६ हजार मे. टन हुने प्रारम्भिक अनुमान छ । यो उत्पादन गत वर्षको ९५ लाख ६२ हजार मे. टन भन्दा करिब २ लाख ९६ हजार मे.टनले कमि हो । साथै, यस वर्ष खाद्यान्न बालीले

ढाकेको कूल क्षेत्रफल समेत गतबर्षको तुलनामा घटन गएको अनुमान छ ।

- ८.४ नेपालको प्रमुख खाद्यन्न बालीहरु मध्ये प्रमुख बाली धान हो । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा धानको उत्पादन गत वर्षको तुलनामा ५.१ प्रतिशतले घटन गई ४७ लाख ८८ हजार मेट्रिक टन हुने प्रारम्भिक अनुमान छ । यो उत्पादन गत वर्षको भन्दा करीब २ लाख ५८ हजार मेट्रिक टन कम हो । धानको उत्पादन घटनुको मुख्य कारण समयमा रोपाई हुन नसकी जमिन बाँझो रहेको र ढिलो शुरु भएको मनसुन नै हो । चालु आर्थिक वर्षमा धानवाली लगाएको क्षेत्रफलमा समेत ४.१ प्रतिशतले कमि आएको छ ।
- ८.५ उत्पादनका हिसाबले धान पछिको दोश्रो प्रमुख खाद्यान्नबाली मकै हो । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा मकैको उत्पादन करीब ६.० प्रतिशतले घटन गई २२ लाख ४५ हजार मेट्रिक टन उत्पादन हुने प्रारम्भिक अनुमान छ । यो उत्पादन गत वर्षको २२ लाख ८३ हजार मेट्रिक टन भन्दा करीब १ लाख ३८ हजार मेट्रिक टन कमी हो । चालु आर्थिक वर्षमा क्षेत्रफलमा समेत ५.० प्रतिशतले कमी भएको छ । प्रतिकूल मौसम र रोग किराको प्रकोपको कारण उत्पादनमा कमी आएको हो ।
- ८.६ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा कोदोको उत्पादनमा करीब १.२ प्रतिशतले बृद्धि भई गत वर्षको ३ लाख ४ हजार मेट्रिक टनबाट करीब ३ लाख ८ हजार मेट्रिक टन रहने अनुमान छ । कोदोबालीमा उन्नत बिउ, मल जस्ता प्रविधिको प्रयोग गर्ने प्रचलन कम भएका कारण उत्पादनमा खासै बृद्धि हुन सकेको छैन ।
- ८.७ नेपालको हिमाली क्षेत्रमा मुख्य खाद्यान्न बालिको रुपमा रहेको फापरलाई विगत केही बर्ष देखि राष्ट्रिय तथ्याङ्कको रुपमा समावेश गरिएको हो । देशका करिब ५० वटा जिल्लामा खेति हुने फापरबालीको क्षेत्रफल र उत्पादनमा गतबर्ष भन्दा चालु आर्थिक वर्षमा क्रमशः २.९ र ५.२ प्रतिशतले बृद्धि भएको छ । चालु आर्थिक वर्षमा फापरको उत्पादकत्व २.२ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ ।
- ८.८ उत्पादनको हिसाबले तेस्रो नम्बरमा पर्ने गहुँबालीको उत्पादन गतबर्षको तुलनामा चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा करिब ४.९ प्रतिशतले बृद्धि भई १९ लाख ७५ हजार मे. टन पुग्ने पुर्ब अनुमान छ । गत आर्थिक वर्षमा गहुँबालीको उत्पादन करिब १८ लाख ८३ हजार मे.टन थियो । अधिकांश पुर्बी हिमाली तथा

पहाडी जिल्लाहरूमा गहुबालीको क्षेत्रफल घटेका कारण समग्र उत्पादन त्यति धेरै बढ्न नसकेको हो ।

- ८.९ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा जौ वालीको क्षेत्रफल ०.४ प्रतिशतले घट्ने भएतापनि उत्पादन करिब ७.३ प्रतिशतले बढ्ने पुर्ब अनुमान छ । राम्रो हिउदे बर्षा तथा हिमपातको कारण जौ वालीको को उत्पादन बढको हो । खाद्यान्नमा जौ बालिको उत्पादन करिब ३७ हजार मे. टन मात्र छ ।

तालिका ८ (क) : खाद्यान्न बाली लगाएको क्षेत्रफल र उत्पादनको स्थिति

| वालीहरु | आर्थिक वर्ष २०७१/७२ | | | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ | | |
|---------|-----------------------|--------------------|------------------------------|-----------------------|--------------------|------------------------------|
| | क्षेत्रफल (हेक्टर) | उत्पादन (मे.टन) | उत्पादकत्व (मे.टन/के.जी.) | क्षेत्रफल (हेक्टर) | उत्पादन (मे.टन) | उत्पादकत्व (मे.टन/के.जी.) |
| धान | १४२५३४६ (-४.१) | ४७८८६१२ (-५.१) | ३३६० (-१) | १४८६९५१ (४.७) | ५०४७०४७ (१२) | ३३९४ (७) |
| मकै | ८८२३९५ (-५.०) | २२४५२९१ (-६.०) | २४३१ (-१.१) | ९२८७६१ (६.३) | २२८३२२२ (९.८) | २४५८ (३.४) |
| गहुँ | ७६२३७३ (१.०) | १९७५६२५ (४.९) | २५९१ (३.८) | ७५४४७४ (-०.७) | १८८३१४७ (०.०) | २४९६ (०.८) |
| कोदो | २६८०५० (-१.२) | ३०८४८८ (१.२) | ११५१ (२.६) | २७११८३ (-१.२) | ३०४१०५ (-०.५) | ११२१ (०.७) |
| जौ | २८०५३ (-०.४) | ३७३५४ (७.३) | १३३२ (७.८) | २८१७३ (-२.८) | ३४८२४ (-५.८) | १२३६ (-३.१) |
| फापर | १०८१९ (२.९) | १०८७० (५.२) | १००५ (२.२) | १०५१० (-१.६) | १०३३५ (२.८) | ९८३ (४.४) |
| दलहन | ३२६४०० (-०.७) | ३५३५०० (०.३) | १०८३ (१.०) | ३२८७३८ (-०.७) | ३५२४७३ (०.३) | १०७० (१.०) |

स्रोत : कृषि विकास मन्त्रालय

नोट: कोष्ठभित्रको अंकले अघिल्लो वर्षको तुलनामा भएको वृद्धिदरलाई प्रतिशतमा जनाउँछ ।

- ८.१० चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा नेपालको कूल दलहन (मुसुरो, मास, रहर, चना, भटमास, गहत, खेसरी र अन्य) को उत्पादन अघिल्लो वर्षको तुलनामा ०.३ प्रतिशतले बढ्न गई ३ लाख ५३ हजार मे.टन हुने अनुमान छ । तर, दलहन लगाएको क्षेत्रफल ०.७ प्रतिशतले कमि भई ३ लाख २६ हजार हेक्टर पुग्ने अनुमान छ । चालु आर्थिक बर्षमा हिउदे बर्षा बढि भएका कारण असिंचित जमिनमा लगाईने मसुरो बालीको उत्पादन घट्न गएको छ । मास, रहर, आदिको

उत्पादनमा केहि बृद्धि भएको छ । त्यसैगरि, भटमास, सिमि, गहत,केराउ आदि दालको उत्पादन गतबर्ष भन्दा बढ्न गएको छ ।

नगदे बालीहरूको उत्पादन स्थिति

८.११ तेलहन, सुर्ति,जुट, उखु, आलु लगायत बिक्रि बितरण हुने सबै बालिलाई नगदे बालिको रुपमा लिने गरिन्छ । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा समग्र नगदे बालीले ढाकेको क्षेत्रफल करिब ४ लाख ८७ हजार हे. र उत्पादन ६१ लाख १८ हजार मे.टन रहेको छ । गतबर्षको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षमा क्षेत्रफल ३ प्रतिशत कम, उत्पादन करिब २ प्रतिशत बढि र उत्पादकत्व ५ प्रतिशतले बृद्धि हुने अनुमान छ ।

८.१२ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा आलुको उत्पादन ०.९ प्रतिशतले बढ्न गई २८ लाख ८२ हजार मे.टन हुने अनुमान छ । त्यसैगरी, क्षेत्रफल करिब ७.५ प्रतिशतल कमि भई १ लाख ९० हजार हेक्टर तथा उत्पादकत्व १४ हजार ९ सय ४० के.जि.प्रति हेक्टर हुने अनुमान छ । उत्पादन लागत (Cost of Production) बढ्नु गएको कारण हालका बर्षहरूमा आलुको बजार मूल्य वृद्धि हुँदै गएको छ । केहि हिमाली जिल्लाहरूमा खाद्यान्नको रुपमा आलु प्रयोग गरिने भएको कारण देश भित्रको उत्पादनले माग अनुसारको आपूर्ति हुन नसक्ने अवस्था छ ।

तालिका ८ (ख) : नगदे बालीहरूको उत्पादनको प्रारम्भिक स्थिति

| बालीहरू | आर्थिक वर्ष २०७१/७२ | | | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ | | |
|---------|-----------------------|--------------------|------------------------------|-----------------------|--------------------|------------------------------|
| | क्षेत्रफल (हेक्टर) | उत्पादन (मे.ट.) | उत्पादकत्व (मे.ट./के.जी.) | क्षेत्रफल (हेक्टर) | उत्पादन (मे.ट.) | उत्पादकत्व (मे.ट./के.जी.) |
| आलु | १९०२२८ (-७.५) | २८४२००० (०.९) | १४९४० (९.१) | २०५७२५ (९.४) | २८१७५१२ (२.३) | १३६९६ (-०.१) |
| तरकारी | २४५३६८ (-३.८) | ३६२९००० (६.१) | १४७९० (१०.२) | २५४९३२ (३.५) | ३४२१०३५ (३.६) | १३४१९ (०.१) |
| फलफूल | १११६८६ (१.५) | ११८६३६९ (२२.९) | १०६२२ (२१.२) | ११००८६ (८.५) | ९६५०४४ (२.८) | ८७६६ (-५.२) |

स्रोत : कृषि विकास मन्त्रालय

नोट: कोष्ठभित्रको अंकले अघिल्लो वर्षको तुलनामा भएको वृद्धिदरलाई प्रतिशतमा जनाउँछ ।

- ८.१३ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा फलफूलको उत्पादन गत वर्षको तुलनामा २२.९ प्रतिशतले वृद्धि भई ११ लाख ८६ हजार मे.टन हुने अनुमान छ । यसैगरी, फलफूल लगाएको क्षेत्रफलमा १.५ प्रतिशतले वृद्धि भई १ लाख ११ हजार ६ सय ८६ हेक्टर पुग्ने अनुमान छ । ब्याबसायिक केराखेति बढ्दै गएको, सुन्तलाको क्षेत्रफलमा कमि आएको भएता पनि उत्पादन नघटेको, स्याउको उत्पादन बढेको र आँपको फल्ने बर्ष भएका कारण कूल फलफूल उत्पादन बढ्ने अनुमान छ ।
- ८.१४ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा तरकारी वालीको उत्पादन करिब ६.१ प्रतिशतले बढ्न गई गत वर्षको ३४ लाख २१ हजार मे. टन बाट ३६ लाख २९ हजार मे.टन पुग्ने अनुमान छ । तरकारी वालीले ढाकेको क्षेत्रफल २ लाख ४५ हजार हेक्टर रहने अनुमान छ । बेमौसमि तरकारी खेती गर्ने प्रचलन बढेका कारण क्षेत्रफल तथा उत्पादनमा निरन्तर बृद्धि हुँदै गएको छ। जसको कारण तरकारी वालीमा संलग्न कृषकको जिवनस्तरमा उल्लेख्य सुधार आएको अनुमान छ ।
- ८.१५ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा तेलहन वाली (तोरी, सस्यु, सुर्यमूखी आदी) को उत्पादन गत वर्षको भन्दा करिब ५.७ प्रतिशतले वृद्धि भई १ लाख ९५ हजार मे.टन हुने अनुमान छ । तेलहन वाली लगाएको क्षेत्रफल करिब ०.४ प्रतिशतले वृद्धि भई २ लाख १७ हजार २ सय हेक्टर पुग्ने अनुमान छ । हालका बर्षहरूमा सुर्यमूखीको उत्पादनमा बढोत्तरी हुँदै आएको भएता पनि तोरीको उत्पादनमा कमि आएको कारण तेलवाली उत्पादनमा वृद्धि हुन सकेको छैन।

तालिका ८ (ग) : औद्योगिक बालीहरूको उत्पादनको प्रारम्भिक स्थिति

| औद्योगिक वालीहरू | आर्थिक वर्ष २०७१/७२ | | | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ | | |
|---------------------|---|--------------------|------------------------------|---|--------------------|------------------------------|
| | क्षेत्रफल (हेक्टर) | उत्पादन (मे.ट.) | उत्पादकत्व (मे.ट./के.जी.) | क्षेत्रफल (हेक्टर) | उत्पादन (मे.ट.) | उत्पादकत्व (मे.ट./के.जी.) |
| तेलहन | २१७२२५ (०.४) | १९४५३६ (५.७) | ८९६ (५.३) | २१६४०० (०.१) | १८४०० (१.१) | ८५० (१.१) |
| सुती | १७२४ (-२.८) | २२२७ (४.४) | १२९२ (१.७) | १७७३ (-२.८) | २२०० (-९.५) | १२५७ (-६.९) |
| उखु | ६६६०० (१.४) | ३०६३००० (२.२) | ४५९९१ (-०.७) | ६५००० (०.८) | ३०२०००० (३.१) | ४६४६१ (२.३) |
| जुट | ११४०० (०.४) | १६५३० (११.०) | १४५० (१०.५) | ११३५० (०.४) | १५७५० (१.६) | १३८८ (१.२) |
| चिया | १९३५० (०.४) | २२५०० (५.२) | ११६३ (४.७) | १९१०० (०.२) | १९६१० (२.०) | १०२७ (१.८) |
| कफी | १९२५ (०.७) | ४५० (४.७) | २३४ (३.९) | १७६५ (०.९) | ३७५ (२.५) | २१२ (१.६) |
| कपास | २२५ (१२.५) | २०२ (१७.४) | ८९८ (४.४) | १७५ (०.०) | १५५ (३.३) | ८८६ (३.३) |
| अन्य | | | | | | |
| मह | २२५००० घार | ३००० | १३ | २१३२०० घार | २०५० (२६) | |
| च्याउ | ४२५००० बोतल | २७०० | | | १९०० (१५) | |
| रेशम | | ४० | | | ४५ (१८.४) | |
| पुष्प | करीब रु. १ अरब भन्दा बढीको कारोवार भएको | | | करीब रु. १ अरब भन्दा बढीको कारोवार भएको | | |

स्रोत : कृषि विकास मन्त्रालय

नोट: कोष्ठभित्रको अंकले अघिल्लो वर्षको तुलनामा भएको वृद्धिदरलाई प्रतिशतमा जनाउँछ ।

८.१६ सूती वालीको उत्पादन चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा गतवर्षको तुलनामा ४.४ प्रतिशतले बढ्न गई २ हजार २ सय मे.टन हुने अनुमान छ । विगतका वर्षहरू देखि यसको उत्पादन तथा क्षेत्रफल घट्ने क्रम जारी रहेता पनि चालु आर्थिक वर्षमा उत्पादन बढ्न गएको छ । चालु आर्थिक वर्षमा क्षेत्रफल २.८ प्रतिशतले घटेता पनि उत्पादकत्व १.७ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ ।

- ८.१७ प्रमुख औद्योगिक बालीको रूपमा रहेको उखुको क्षेत्रफल चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा १.४ प्रतिशतले बढ्न गई ६६ हजार ६ सय हेक्टर रहन गएको छ । उत्पादनमा समेत २.२ प्रतिशतले बृद्धि भई करिब ३० लाख ६३ हजार मे.टन पुग्ने अनुमान छ । उखु बिक्रिमा समस्या भई लागत उठाउन मुस्किलमा परेका कृषकहरु चिनीको खपत तथा मूल्यमा बृद्धि भएका कारण पुनः यस खेती तर्फ आकर्षित हुन थालेका छन् ।
- ८.१८ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा जुट बालीको (पूर्वाञ्चलका ६ वटा जिल्लाहरु झापा, मोरङ्ग, सुनसरी, सप्तरी, सिराहा तथा उदयपुर) उत्पादन ११.० प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । चालु आर्थिक वर्षमा जुट बालीको क्षेत्रफल, उत्पादन र उत्पादकत्वमा क्रमशः ०.४ प्रतिशत, १०.५ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । जुटको बिउको उपलब्धतामा समस्या आएका कारण उत्पादन कमि भएको भएता पनि हालका दिनहरुमा सुधार हुँदै आएको छ ।
- ८.१९ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा चिया, कफी तथा कपास जस्ता औद्योगिक बालीहरुमध्ये कफिको उत्पादनमा ४.७ प्रतिशतको बृद्धि भएको अनुमान छ । बिगतका बर्षको तुलनामा कफिको क्षेत्रफल तथा उत्पादन केहि बृद्धि भएको छ । तेस्रो मुलुकमा निकासी हुने कारण कफिखेतिमा कृषकहरु आकर्षित भएता पनि उत्पादन करिब ४५० मे.टन मात्र रहने अनुमान छ । चालु आर्थिक वर्षमा चियाको उत्पादन ५.२ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । कपास खेती हुने दाङ्ग, वाँके र वर्दिया जिल्लामा करिव २२५ हे.मा खेती भई २०२ मे.टन उत्पादन हुने अनुमान छ।
- ८.२० चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा मसला बालिको उत्पादन तथा क्षेत्रफलमा सामान्य बृद्धि हुने अनुमान छ । मसला बालीहरु मध्ये लसुनको उत्पादन ५.५ प्रतिशत, बेसारको उत्पादन ०.१ प्रतिशत तथा अलैचिको उत्पादन २.४ प्रतिशतले बृद्धि हुने अनुमान छ । त्यसैगरि, अदुवा र खुर्सीनीको उत्पादन क्रमशः ३.४ र ३.२ प्रतिशतले वृद्धि हुने अनुमान छ । हालका वर्षहरुमा अलैची तथा अदुवाको मूल्यमा अत्यधिक बृद्धि भएको छ ।

तालिका ८ (घ) : मसला बालीहरूको उत्पादनको प्रारम्भिक स्थिति

| मसलाबाली वालीहरु | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ | | | आर्थिक वर्ष २०६९/७० | | |
|---------------------|-----------------------|--------------------|------------------------------|-----------------------|--------------------|------------------------------|
| | क्षेत्रफल (हेक्टर) | उत्पादन (मे.टन) | उत्पादकत्व (मे.टन/के.जी.) | क्षेत्रफल (हेक्टर) | उत्पादन (मे.टन) | उत्पादकत्व (मे.टन/के.जी.) |
| अदुवा | २४२५० | २८५५५० | ११७७५ | २४२२६ | २७६१५० | ११३९९ |
| | (०.१) | (३.४) | (३.३) | (२.१) | (१४.३) | (११.९) |
| लसुन | ६६१० | ४७५०० | ७१८६ | ६५६९ | ४५०३५ | ६८५६ |
| | (०.६) | (५.५) | (४.८) | (-९.९) | (-११.४) | (-१.६) |
| बेसार | ७३२५ | ६९७९० | ९५२८ | ७३१० | ६७६३१ | ९२५२ |
| | (०.२) | (०.१) | (३.२) | (-९.२) | (-१४.८) | (-६.२) |
| खुर्सानी | ८०५० | ३६८१० | ४५७३ | ८०३३ | ३५६६८ | ४४४० |
| | (०.२) | (३.२) | (३.०) | (-२.४) | (७.५) | (१०.१) |
| अलैंची | ११६५० | ५३५० | ४५९ | ११५०१ | ५२२५ | ४५४ |
| | (१.३) | (२.४) | (१.१) | (१३.२) | (-९.८) | (-७.६) |

स्रोत : कृषि विकास मन्त्रालय

नोट: कोष्ठभित्रको अंकले अघिल्लो वर्षको तुलनामा भएको वृद्धिदरलाई प्रतिशतमा जनाउँछ ।

पशुपंक्षी संख्या

८.२१ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा नेपालमा कूल गाई/गोरु (Cattle) को संख्या गत आर्थिक वर्षको तुलनामा ०.०३ प्रतिशतले घट्न गई करिव ७२ लाख ४१ हजार पुग्ने अनुमान छ । कूल गाई/गोरु (Cattle) संख्या मध्ये दूध दिने गाईको संख्या १० लाख २६ हजार (१४.१ प्रतिशत) रहको छ । यसमा उन्नत गाईको संख्या निरन्तर बढ्दो छ । त्यस्तै भैंसी/रांगा (Buffaloes) को संख्यामा ०.२१ प्रतिशतले कमि आई ५१ लाख ६७ हजार पुग्ने अनुमान छ । कूल भैंसी/रांगा (Buffaloes) को संख्या मध्ये दूध दिने भैंसीको संख्या १३ लाख ४९ हजार रहको अनुमान छ । दूध दिने भैंसीको संख्या गत वर्षको तुलनामा २६.१ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान छ । चालु आर्थिक वर्षमा भेंडा/भेंडी (Sheep) को संख्या करिब ७ लाख ८९ हजार र बाख्रा/बोका (Goats) को संख्या १ करोड १ लाख ५२ हजार रहने अनुमान छ । गत आर्थिक वर्षको तुलनामा भेंडा/भेंडी ०.०२ प्रतिशतले कमि र बाख्रा/बोकाको संख्यामा ०.७३ प्रतिशतले बृद्धि हुने अनुमान छ । सुंगुर/बंगुर (Pigs) को संख्या गत आर्थिक वर्षको तुलनामा करिब उस्तै रहने अनुमान छ ।

तालिका ८ (ड) : पशुपंक्षी र उत्पादनको स्थिति

(संख्यामा)

| पशुपंक्षीको किसिम | आर्थिक वर्ष | | |
|--|--------------------|---------------------|--------------------|
| | २०७१/७२* | २०७०/७१ | २०६९/७० |
| गाई/गोरु (Cattle) | ७२४१४१६ (-०.०३) | ७२४३९१६ (-१.१७) | ७२७४०२२ (०.४१) |
| भैंसी/राँगो (Buffaloes) | ५१६७७३३ (-०.२१) | ५१७८६१२ (-१.८९) | ५२४१८७३ (२.१३) |
| भेडा/भेडी (Sheep) | ७८९३७० (-०.०२) | ७८९२१० (-२.५१) | ८०९५३६ (०.२८) |
| बास्रा/बोका/खसी (Goats) | १०२५२२३६ (०.७३) | १०१७७५३१ (४.०२) | ९७८६३५४ (२.८७) |
| सुँगुर/बडुगुर (Pigs) | ११९८००१ (०.६६) | ११९०१३८ (५.६) | ११६००३५ (२.००) |
| कुखुरा (Fowl) | ४८४२९०१६ (०.७३) | ४८०७९४०६ (-४.६७) | ४७९५९२३९ (६.१७) |
| हाँस (Ducks) | ३९०२८१ (०.०२) | ३९०२०९ (३.७९) | ३७५९७५ (-०.२५) |
| दुधालु गाई (Milching Cows) | १०२५९४१ (०.१४) | १०२४५१३ (-०.५३) | १०२५५९१ (२.६७) |
| दुधालु भैंसी (Milching Buffaloes) | १३४९१२४ (२६.१) | १३४५८३७ (-४.७५) | १३६९७९६ (२.९४) |
| फुल दिने कुखुरा (Laying Hens) | ८४१२७२८ (०.७५) | ८३५०२३८७ (२.४५) | ८२३३६१६ (४.१२) |
| फुल दिने हाँस (Laying Ducks) | १७९४८० (०.०२) | १७९४४७ (२.७१) | १७४७१४ (-०.१५) |
| याक/नाक/चौरी (Yak/Nak/Chauri) | ७०९६६ (०.५४) | ७०५८८ (७.४८) | - |
| खरायो (Rabbit) | २५८७१ (१.७१) | २५४३७ (२९.६१) | - |
| घोडा/खच्चड/गधा (Horses/Mules/Asses) | ५२६५५ (०.१५) | ५२५७७ (-९.६३) | - |

नोट:- कोष्ठ भित्रको अंकले गत वर्षको तुलनामा भएको वृद्धि दरलाई प्रतिशतमा जनाउँछ ।

* वार्षिक अनुमान

श्रोत: वार्षिक प्रतिवेदन (विभिन्न वर्ष), कृषि विकास मन्त्रालय

८.२२ चालु आर्थिक वर्षमा कुखुरा (Fowl) को संख्या अघिल्लो वर्षको तुलनामा करिब ०.७३ प्रतिशतले बढ्न गई ४ करोड ८४ लाख पुग्ने अनुमान छ । नेपालमा ब्रोइलर कुखुरा व्यवसाय फस्टाउंदै गएको भएता पनि गतवर्ष फैलिएको बर्ड फ्लुले माउ कुखुराको आयात कम भएको कारण उत्पादनमा खासै बृद्धि नभएको अनुमान छ । हाँस (Duck) को संख्या ०.१४ प्रतिशतले बढ्न गई करिव ३ लाख ९० हजार पुग्ने अनुमान छ । कूल कुखुरा (Fowl) को संख्या मध्ये फुलदिने कुखुरीको संख्या ८४ लाख १२ हजार हुने अनुमान छ । त्यसैगरि, कूल हाँस संख्या मध्ये फुल दिने हाँसको संख्या १ लाख ७९ हजार हुने अनुमान छ । चालु आर्थिक वर्षमा याक/नाक/चौरी तथा खरायोको संख्या क्रमशः ७० हजार ९ सय ६६ र २५ हजार ८ सय ७१ पुग्ने अनुमान छ । त्यस्तै घोडा/खच्चड/गधाको संख्या ५२ गजार ६ सय ५५ पुग्ने अनुमान छ । गत वर्षको तुलनामा याक/नाक/चौरी तथा घोडाको संख्यामा बृद्धि भएको अनुमान छ ।

पशुपंक्षीजन्य उत्पादनको स्थिति

८.२३ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा गाई र भैंसी (नाक र चौरी वाहेक) वाट कुल १७ लाख २४ हजार मे. टन दूध उत्पादन हुने अनुमान छ । जुन अघिल्लो वर्षको तुलनामा १.४६ प्रतिशतले वढी हो । कूल दूध उत्पादन मध्ये गाईवाट ५ लाख ५७ हजार मे. टन (३२%) र भैंसीवाट ११ लाख ६७ हजार मे. टन (६८%) योगदान रहेको अनुमान छ । हालका दिनमा भैंसीको संख्या घट्टै गएको भएतापनि उन्नत गाई पालन व्यवसाय फस्टाउंदै गएका कारण गाईको दुध उत्पादन बढ्न गएको छ । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा कूल मासु उत्पादन गत वर्षको तुलनामा ०.८९ प्रतिशतले बृद्धि भई ३ लाख मे. टन हुने अनुमान छ । कूल मासु उत्पादन मध्ये रांगाभैंसीवाट करिव १ लाख ७४ हजार मे.टन (५८.० %), भैंडावाट २ हजार ६ सय ५८ मे.टन (१%), खसी/बोकावाट ६० हजार ९०० मे.टन (२०%), बंगुरवाट २० हजार १ सय ३५ मे.टन (७%), कुखुरावाट ४५

हजार ४ सय ५८ मे.टन (१३%) र हांसवाट २ सय ३२ मे.टन (१.०%) मासु उत्पादन हुने अनुमान छ ।

८.२४ चालु आर्थिक वर्षमा कूल फुल उत्पादन गत वर्षको तुलनामा ३.०५ प्रतिशतले बृद्धि भइ ८९ करोड ९५ लाख गोटा हुने अनुमान छ । जस मध्ये कुखुरावाट ८८ करोड ५९ लाख गोटा (९८.५%) र हांसवाट १ करोड ३५ लाख गोटा (१.५%) रहने अनुमान छ । यस्तै, भैंडा/भैंडीको ऊनको उत्पादन भने ५ सय ८७ मे.टन पुग्ने अनुमान छ । यसैगरि, यसवर्ष माछाको उत्पादन ६.९३ प्रतिशतले बढि ६९ हजार ४ सय मे. टन पुग्ने अनुमान छ । देशका बिभिन्न जिल्लामा माछा पालन अभियान सन्चालन गरिएका कारण माछाको उत्पादन बृद्धि भएको अनुमान छ ।

तालिका ८ (च) : पशुपंक्षीजन्य उत्पादनको स्थिति

| उत्पादन किसिम | आर्थिक वर्ष | | |
|----------------------------------|--------------------|--------------------|-------------------|
| | २०७१/७२* | २०७०/७१* | २०६९/७०* |
| दूध उत्पादन (मेट्रिक टन) | १७२४८२३ (१.४६) | १७०००७३ (१.०१) | १६८०८१२ (३.६०) |
| (गाई) | ५५७६६९ (४.७७) | ५३२३०० (१४.२८) | ४९२३७९ (५.००) |
| (भैंसी) | ११६७१५४ (-०.०५) | ११६७७७३ (-४.४९) | ११८८४३३ (३.०२) |
| खुद मासु उत्पादन (मेट्रिक टन) | ३००९०१ (०.८९) | २९८२४४ (०.१५) | २९५१६७ (२.५१) |
| राँगो (Buff) | १७४०१२ (०.०६) | १७३९०६ (-१.१५) | १७५१३२ (१.५८) |
| भेडा (Sheep) | २६५८ (०.०८) | २६५६ (-२.५४) | २७२१ (०.०४) |
| खसी बोका (Goat) | ६०९०६ (३.१४) | ५९०५३ (६.२५) | ५५५७८ (३.०२) |
| सुंगर बुङ्गुर (Pig) | २०१३५ (४.४९) | १९२६९ (६.१५) | १८७०९ (२.३६) |

| उत्पादन किसिम | आर्थिक वर्ष | | |
|---------------------|-------------------|-------------------|------------------|
| | २०७१/७२* | २०७०/७१* | २०६९/७०* |
| कुखुरा (Chicken) | ४५४५८ (५.३९) | ४३१३३ (-४.९५) | ४२८१० (६.८६) |
| हाँस (Duck) | २३२ (२.२०) | २२७ (४.६१) | २१७ (-०.४६) |
| फुल गोटा (हजारमा) | ८९९५०१ (३.०५) | ८७२९१८ (-४.७५) | ८३८९४० (४.६९) |
| कुखुरा | ८८५९४७ (३.०८) | ८५९५१५ (-४.८७) | ८२५८९० (४.७७) |
| हाँस | १३५५४ (१.१३) | १३४०३ (२.७०) | १३०५० (-०.०७) |
| ऊन (के. जी.) | ५८६७२९ (-०.०२) | ५८६८४८ (-०.१७) | ५८७८३४ (०.१४) |
| माछा (मेट्रिक टन) | ६९४०० (६.९३) | ६५७७० (१४.३५) | ५७५१५ (२.७१) |

नोट:- कोष्ठ भित्रको अंकले गत वर्षको तुलनामा भएको वृद्धि दरलाई प्रतिशतमा जनाउँछ ।

* वार्षिक अनुमान

श्रोत: वार्षिक प्रतिवेदन (विभिन्न वर्ष), कृषि विकास मन्त्रालय

कृषि उत्पादनमा प्रभाव पार्ने प्रमुख कारणहरू

८.२५ **मौसम** : चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा मनसुन १० दिन ढिला सुरु भएको भएता पनि प्रारम्भमा निकै सक्रिय रही श्रावणको अन्ततिरबाट सक्रिय र निष्क्रिय हुने क्रम जारी रह्यो । यस वर्षको आश्विनसम्म मनसुनि बर्षा भएता पनि पश्चिमाञ्चल क्षेत्र बाहेक अधिकाँश पूर्वी तथा मध्य तराईका जिल्लाहरूमा धान रोपाई केही कम हुन गयो । साथै, अन्य पहाडी जिल्लामा समेत गत वर्षको तुलनामा धानको रोपाई भएको क्षेत्रफल कम भएता पनि उत्पादकत्व केही बढ्न गएकोले समग्रमा धानको उत्पादनमा त्यति धेरै कमी नआएको अनुमान छ । साथै, यसबर्ष हिउँदे वाली गहुँ, जौं, दलहन (रहर, केराउ) तथा फलफूलहरूको लागि मौसम अनुकूल रहेको छ ।

तालिका ८ (छ) : कृषि उत्पादनसँग सम्बन्धित साधनहरूको आपूर्तिको स्थिति

| बिबरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | |
|---|-------------|---------|---------|---------|---------|----------|----------|
| | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ |
| रासायनिक मल (मेट्रिक टन) | ३२८५ | ३१५७ | ४२१७८ | २९६०४ | १४६५८४ | १७८४६१.६ | २३२१८८.० |
| उन्नत बीउ बिजन (मेट्रिक टन) | ३७८१ | ३९४७ | ४३३७ | ४३९३ | २९६४ | ३६६९.५६ | ७२९०.० |
| सिचाई (थप हेक्टर) | १४०९९ | २५८५० | ३०७१८ | ३५७४८ | ४७७९५ | ३२१८० | १९३१०.० |
| कृषि कर्जा (वाणिज्य बैंकहरूको) (रु.करोडमा) | १३८८.० | १३३७.६ | १४२९.१ | १४१९.२ | २३४०.७ | ३१५३.१ | ४०२७.० |

स्रोत : विगत वर्षका आर्थिक सर्वेक्षणहरू र नेपाल राष्ट्र बैंक ।

८.२६ **उन्नत प्रविधि:** कृषि क्षेत्रमा विकास हुँदै गएका उन्नत प्रविधिहरू जस्तै: उन्नत बिउबिजन, मलखाद, विषादि, खेती गर्ने प्रणाली तथा कृषि उपकरणको प्रयोग, तालिम प्राप्त जनशक्ति आदिका कारण उत्पादन बढ्न गएको अनुमान छ । सिफारिस गरिएका धानका जातहरू जस्तै तराईमा साबित्री, बिन्देश्वरी, राधा-४ तथा राधा-१२ मध्ये पहाडमा खुमल ४, खुमल १०, खुमल ११ तथा उच्च पहाडमा चन्दननाथ आदिको उत्पादकत्व स्थानीय जातको भन्दा दोब्बर रहेको छ । सिफारिस गरिएका धानका जातहरूले ढाकेको क्षेत्रफल ९० प्रतिशत भन्दा पनि बढी रहेको छ । यसैगरी, सिफारिस गरिएको मकैको बीउले समेत ९० प्रतिशत भन्दा बढी क्षेत्रफल ओगटेको छ ।

८.२७ **प्राकृतिक प्रकोप :** चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा बाढी, पहिरो, डुबान, कटानले वर्षेबालीमा असर पर्न गएको छ । यस वर्ष करीब ३५ हजार हेक्टर जमीनमा डुबान, कटान तथा बालुवाले पुरेर क्षति पुऱ्याएको छ भने करीब ६१ हजार हेक्टरमा अल्पवृष्टिका कारण धान रोपाई हुन सकेन । मिति २०७२ साल बैशाख

१२ गतेको विनाशकारि भूकम्प र पराकम्पनका कारण कृषि क्षेत्रमा धेरै क्षति भएको छ ।

तालिका ८ (ज) : प्राकृतिक प्रकोपबाट प्रभावित क्षेत्रफल (हेक्टर)

| प्रभावित बाली | २०७१ भुकम्प | २०७० बाढी पहिरो | २०६९ सुख्खा | २०६८ बाढी पहिरो | २०६७ बाढी पहिरो | २०६६ बाढी पहिरो र सुख्खा |
|---------------|-------------|-----------------|-------------|-----------------|-----------------|--------------------------|
| धान | २३९०० | १३५०० | ११०४५० | ८५९ | ५६७ | ९२००० |
| मकै | १९०० | ९५ | २१८०१ | ६५६ | ५६३ | १७०० |
| कोदो | ११ | ५ | ३६९१ | २ | १३ | ० |
| जम्मा | २५८११ | १३६०० | १३५९४२ | १५१७ | ११४३ | ९३७०० |

स्रोत : कृषि विकास मन्त्रालय

८.२८ **रासायनिक मल** : आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा २ लाख ३२ हजार १ सय ८८ मेट्रिक टन रासायनिक मल बिक्री भएको थियो जुन आर्थिक वर्ष २०६९/७० को तुलनामा ३१.२ प्रतिशतले बढी हो । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा १ लाख ७६ हजार ९ सय ६४ मेट्रिक टन मात्र बिक्री भएको थियो । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को पहिलो ८ महिनामा १ लाख ३४ हजार ५०० मेट्रिक टन बिक्री भएकोमा चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को सोहि अबधिमा १ लाख ८८ हजार १ सय २२ मेट्रिक टन बिक्री बितरण भएको छ । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा प्रति हेक्टर प्रयोग दर करीब ५७ के.जी. रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा करीब ७५ के.जी. प्रति हेक्टर रहेको छ ।

तालिका ८ (झ) : रासायनिक मलको विक्रि वितरण स्थिति

(मेट्रिक टनमा)

| मलको नाम | आर्थिक वर्ष | | | |
|--------------|---------------|---------------|---------------|---------------|
| | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| युरिया | ९९१९६ | १०८५५३ | १४५६२२ | ११८०९३ |
| डि.ए.पी. | ४३७२४ | ६५७२२ | ८१५२० | ५८१०५ |
| पोटास | २७३३ | २६८८ | ५०४६ | ३९२४ |
| जम्मा | १४५६५३ | १७६९६३ | २३२१८८ | १८८१२२ |

स्रोत: कृषि विकास मन्त्रालय, कृषि सामग्री आपूर्ति अनुगमन शाखा * प्रथम आठ महिनाको

८.२९ **सिंचाई:** कुल जमिन मध्ये जम्मा २६ लाख ४१ हेक्टर कृषि योग्य जमिन रहेको छ । यस मध्ये १७ लाख ६६ हजार सिंचाई योग्य जमिन रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा कुल सिंचाई योग्य क्षेत्रफल मध्ये ७६.५ प्रतिशत जग्गामा सिंचाई सुविधा उपलब्ध भएको छ । तर बाह्रै महिना सिंचाई सुविधा पुग्ने क्षेत्र भने सिंचित क्षेत्रको करिव ४०.० प्रतिशत मात्र रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा जम्मा १९ हजार ३ सय १० हेक्टरमा थप सिंचाई सुविधा उपलब्ध भएको छ । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा भूमिगत स्यालो ट्युववेलबाट ७ हजार ४ सय ५३ हेक्टरमा थप सिंचाई विस्तार भएको छ ।

तालिका ८ (अ) : थप सिंचाई विस्तार

(क्षेत्रफल हेक्टरमा)

| सि.न. | बिवरण | २०७०/७१ | आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिना | | |
|-------|---------------------------------|--------------|------------------------------|-------------|-------------|
| | | | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| १ | भौगोलिक क्षेत्रको आधारमा | १९३१० | ९५८५ | ७९४८ | ७४५३ |
| क | पहाड | - | - | | |
| ख | तराई | - | ९५८५ | ७९४८ | ७४५३ |
| ग | नछुटिएको | - | - | - | |
| २ | किसिमको आधारमा | १९३१० | ९५८५ | ७९४८ | ७४५३ |
| क | सतह | ४१७५ | - | | |
| ख | भूमिगत | १५१३५ | ९५८५ | ७९४८ | ७४५३ |
| ग | नछुटिएको | - | - | - | |

नोट : चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा सतह सिंचाइबाट हासिल हुने सिंचित क्षेत्रको प्रगति आर्थिक वर्षको अन्त्यमा मात्र प्राप्त हुने हुँदा प्रथम आठ महिनाको प्रगति भूमिगत स्यालो ट्युववेलको मात्र समावेश गरिएको ।

८.३० **कृषि कर्जा:** आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले प्रवाह गरेको कृषि ऋण मध्ये जम्मा रु. ३९ अर्ब ७८ करोड असुल गर्न बाँकी रहेको थियो । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा प्रवाह भएको कृषि ऋण रु. ५० अर्ब ९० करोड असुल गर्न बाँकी रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा रु. ७ अर्ब २८ करोड वक्यौता रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को

प्रथम आठ महिनामा कृषि ऋणको बक्यौतामा १८.२ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ९ अर्ब २७करोड पुगेको छ ।

तालिका ८ (ट) : बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले प्रवाह गरेको कृषि कर्जाको स्थिति

(रु. दश लाखमा)

| कर्जाको किसिम | आर्थिक वर्ष | | | प्रथम आठ महिनामा भएको परिवर्तन | | | |
|--------------------------------|-------------|---------|----------|--------------------------------|----------------------|------------------|----------------------|
| | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | २०७०/७१ (रकम) | २०७०/७१ (प्रतिशत) | २०७१/७२ (रकम) | २०७१/७२ (प्रतिशत) |
| खेतीपाती सम्बन्धी सेवा | ६२२२.४ | ६६८६.९ | ७८१७.८ | ७८.९ | १.३ | ११३०.९ | १६.९ |
| चिया | २१३०.१ | ३२०७.९ | ३३२४.८ | ९७१.४ | ४५.६ | ११६.९ | ३.६ |
| पशुपालन र पशुपालनसम्बन्धी सेवा | १२७१४.६ | १५४४२.२ | १८३४८.० | ७३९.६ | ५.८ | २९०५.८ | १८.८ |
| वन, माछापालन तथा वधशाला | ४५५५.६ | ५७९१.३ | १७२४.९ | ७९६.१ | १७.५ | -४०६६.४ | -७०.२ |
| अन्य कृषि तथा कृषिजन्य सेवा | १४१६१.१ | १९७८१.७ | २८९६४.४ | ४६९५.२ | ३३.२ | ९१८२.७ | ४६.४ |
| जम्मा | ३९७८३.८ | ५०९०९.८ | ६०१७९.८ | ७२८१.१ | १८.३ | ९२७०.० | १८.२ |

नोट: *२०७० फागुनसम्मको ।

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक ।

नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद

८.३१ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा धानका नयां जात एन. आर ११९० स्वीकृत भई सकेको र अन्य जातहरू IET 16775 र Zhongau 126 मसिनो धानको लागि र IR77721 र UPLRI 5 घैया धान को लागि पहिचान भइ प्रस्तावना लेख्ने काम भैरहेको छ । त्यसैगरी, परिक्षण गरिएका मकैका जातहरू Across 9331, Across 9942 / Across 9944 बाली कटानी भई विश्लेषण कार्य भैरहेको छ । साथै, परिक्षण गरिएका गहुँका जातहरू BL 3623 र BL 3629 को तथ्याङ्क विश्लेषण कार्य भैरहेको छ भने अदुवाको जात ZI 8502 को प्रस्तावना लेख्ने काम सुरु भएको छ । गोलभेंडाको वर्णशंकर जातिय विकासको लागि डडुवा रोग सहन सक्ने जातको विकासको क्रममा ३७ वटा क्रसहरू बीच छनौटको क्रममा रोग सहन सक्ने क्षमता र फलको गुणको आधारमा ३ वटा क्रसहरू HRA 14 X HRD7, HRA 20 X HRD1 र HRA 20 X HRD 6 खुमलटारमा

उपयुक्त पाइएको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा स्रोत बीउ उत्पादन २ सय २५ मेट्रिक टन भएको छ ।

तालिका ८ (ठ) : स्रोत बीउ उत्पादन तथा बालीको जात उन्मोचन

| आर्थिक वर्ष | स्रोत बीउ उत्पादन (मे.ट.) | बालीको जात उन्मोचन (संख्या) | उन्मोचन बालीको जातहरु |
|-------------|---------------------------|-----------------------------|---|
| २०६२/६३ | ६६९ | ४ | धान, मकै, गहुँ, दलहन, तेलहन, पहाडीबाली (जौ, कोदो, फापर), आलु, उखु, जुट, तरकारी, अदुवा, ढैंचा, घाँसबीउ |
| २०६३/६४ | ५७५ | १० | |
| २०६४/६५ | ८६४ | २ | |
| २०६५/६६ | ७८१ | ९ | |
| २०६६/६७ | ७१५ | ० | |
| २०६७/६८ | ८०६ | १३ | |
| २०६८/६९ | ९१२ | ७ | |
| २०६९/७० | १००९ | ४ | |
| २०७०/७१ | ३४१ | १० | |
| २०७१/७२* | २२५ | - | |

* प्रथम आठ महिना

स्रोत: नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद्, वार्षिक प्रतिवेदन, २०६९

साना किसान विकास बैंक लि.

८.३२ ग्रामीण क्षेत्रका साना किसानहरुद्वारा स्थापित र सञ्चालित साना किसान कृषि सहकारी संस्था तथा समान प्रकृतिका अन्य लघुवित्त संस्थाहरु मार्फत कृषि तथा कृषि व्यवसायमा आधारित लघुवित्त कार्यक्रम सञ्चालन गर्न थोक कर्जा उपलब्ध गराइदै आएको छ ।

८.३३ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा ४ सय १५ सहकारी संस्थाहरु आवद्ध रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को सोही अवधिमा ४ सय ७८ सहकारी संस्थाहरु मार्फत लघुवित्त सेवा पुगेको छ । चालु आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिना सम्ममा सहकारीमा संलग्न कुल सदस्य संख्या ४ लाख ३ हजार ६ सय ६६ परिवार पुगी झण्डै २० लाख जनसंख्या लाभान्वित भएका छन् । साना किसान सहकारी अनुसरणका माध्यमबाट थप १३८ संस्थाहरुमा संलग्न सदस्यहरु समेत गरी झण्डै ४ लाख ५० हजार परिवारमा सेवा पुगेको छ ।

८.३४ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा रु. २ अर्ब ७० करोड ९९ लाख कर्जा लगानीको तुलनामा चालु आर्थिक बर्ष २०७१/७२ को सोही अवधिमा ७२

प्रतिशतले बृद्धि भई रु. ४ अर्ब ६५ करोड ४५ लाख पुगेको छ । अधिल्लो आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनामा स्वीकृत ऋण रु. २ अर्ब ९३ करोड १३ लाख भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा रु. ४ अर्ब ७४ करोड २७ लाख पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा ऋण असुली ३२ प्रतिशतले बृद्धि भएको छ भने लगानीमा रहेको ऋण रकम गत वर्षको तुलनामा ७२ प्रतिशतले बृद्धि भई रु. ७ अर्ब १७ करोड ४० लाख पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा साना किसान सदस्यहरूको शेर, बचत र जगेडा कोष गरी रु. ६ अर्ब ९८ करोड ७४ लाख स्थानीय पुँजी निर्माण भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा ५६ प्रतिशतले बृद्धि भई कुल रु. १० अर्ब ८८ करोड ८९ लाख पुगेको छ । चालु आर्थिक वर्षको फागुन सम्ममा साना किसान सहकारी संस्था क्षेत्रमा कुल रु. १८ अर्ब ६ करोड २९ लाख पुँजी परिचालनमा रहेको छ ।

तालिका ८ (ड) : साना किसान सहकारी र थोक कर्जा ऋण लगानीको स्थिति

| क्र. सं. | विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|----------|--------------------------------|-------------|---------|---------|---------|---------|----------------|---------|
| | | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| १ | समेटिएको जिल्ला संख्या | ४० | ४१ | ४३ | ५४ | ५५ | ५५ | ५७ |
| २ | सहकारी संस्था संख्या | २३४ | २५१ | २९१ | ३९१ | ४२८ | ४१५ | ४७८ |
| ३ | साना किसान समुह संख्या | २४४१२ | २८४२३ | ३१९६८ | ४०९९१ | ४५७३८ | ४३४४६ | ५२५५१ |
| ४ | साना किसान सदस्य परिवार संख्या | १५९७६७ | १८९८९९ | २२८४१८ | ३२३३८४ | ३७६९५७ | ३३६१३१ | ४०३६६६ |
| ५ | कुल स्थानीय श्रोत रु.(लाखमा) | १९०२१ | २९९२९ | ४१०३३ | ६५२७३ | ९१२०८ | ६९८७४ | १०८८८९ |
| ६ | स्वीकृत ऋण रु. (लाखमा) | १०८०४ | १५४२७ | २७५५० | ३४३३२ | ४७४६१ | २९३१३ | ४७४२७ |
| ७ | ऋण लगानी रु. (लाखमा) | ९५५८ | १८७०९ | २६७३८ | ३३०९१ | ५१३५५ | २७०९९ | ४६५४५ |
| ८ | ऋण असुली रु. (लाखमा) | ५९२४ | ११०९५ | १८७५१ | २३५२६ | ३४०१९ | २१६४३ | २८४६७ |
| ९ | लगानीमा रहेको ऋण रु. (लाखमा) | १११६१ | १८७७५ | २६७६२ | ३६३२७ | ५३६६२ | ४१७८३ | ७१७४० |

श्रोत: साना किसान बैंक लि.

८.३५ नेपाल सरकारको ऋण सहयोगमा साना किसानहरूलाई पशुपालन कार्यमा प्रोत्साहित गरी देश भित्रै मासुजन्य पदार्थको उत्पादन बढाई आयात प्रतिस्थापन गर्न आर्थिक वर्ष २०६७/६८ देखि मासुजन्य पशुपालन कर्जा कार्यक्रम सञ्चालन

गरिदै आएको छ । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ देखि दुग्धजन्य पशुपालनका लागि समेत लगानी गर्ने व्यवस्था गरिएको छ । मासुजन्य पशुपालन कर्जा लगानीबाट चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनाको अवधिसम्ममा रु. ५ अर्ब ७१ करोड २५ लाख कर्जा स्वीकृत भई ४७ हजार ८६९ जना किसानलाई रु. ३ अर्ब ६३ करोड ८७ लाख कर्जा प्रवाह भएको छ । पशुपालन कर्जाबाट किसानहरूले २ लाख ६० हजार १३६ गोटा मासु र दुग्धजन्य पशुवस्तु पालन गरेका छन् । हालसम्म १ लाख ८४ हजार २४३ बाख्रा, ३३ हजार ६१६ बंगुर, १४ हजार ६४६ पाडापाडी, २६ हजार ८४७ वटा भैसी र ७८४ वटा गाईपालनका लागि ऋण प्रवाह भएको छ । पशुपालन कर्जाबाट पालिएका पशुवस्तुहरूबाट रु. ५ अर्ब ८६ करोडभन्दा बढीको मासु तथा दुग्धजन्य पदार्थ उत्पादन भएको अनुमान गरिएको छ ।

तालिका ८ (ढ) : मासुजन्य पशुपालन कर्जाको स्थिति

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | प्रथम आठ महिनाको प्रगति | |
|-----------------------------------|-------------|---------|---------|---------|-------------------------|---------|
| | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| कर्जा कारोबार गर्ने संस्था संख्या | १५१ | १८६ | २०७ | २५७ | २२७ | ३०१ |
| कर्जा लिने किसान संख्या | ८७४१ | १७९४१ | २५४११ | ३८३७३ | ३१७४९ | ४७८६९ |
| ऋण स्वीकृत रु. (लाखमा) | ६४४७ | १४३०५ | २३०२९ | ३८२७२ | ३२८९५ | ५७१२५ |
| ऋण लगानी रकम रु. (लाखमा) | ४६२१ | ११०२३ | १६२२९ | २७१७२ | २१६८० | ३६३८७ |
| पशु संख्या | ४०७७८ | ८७७८३ | १२२४०६ | १९८७४५ | १५७४५० | २६०१३६ |
| बाख्रा | २८७९६ | ६४०७३ | ९०४३३ | १४३८७२ | ११५३७८ | १८४२४३ |
| बंगुर | ६०८८ | ११११७ | १४५३५ | २४१४८ | १८२७८ | ३३६१६ |
| पाडापाडी | २७०२ | ५२०३ | ६३१७ | १०६८९ | ८०३३ | १४६४६ |
| भैसी | ३१९२ | ७३९० | १११२१ | २००३६ | १५७६१ | २६८४७ |
| गाई | | | | | | ७८४ |

श्रोत: साना किसान बैंक लि.

८.३६ २०७१ साल फाल्गुण मसान्तसम्ममा ७४ हजार ३४३ जनाको क्षमता अभिवृद्धि गरिएको छ भने ४ लाख ८४ हजार ८४४ परिवार सामाजिक सामुदायिक विकास

कार्यबाट लाभान्वित भएका छन् । त्यसैगरी, १ लाख ३९ हजार २१० परिवारमा लघुवित्त सेवा विस्तार भएको छ भने ३ सय ७ गाबिसमा स्थानीय साना किसानहरुको दीगो लघुवित्त सेवा प्रदान गर्न ३ सय ७ वटा साना किसान सहकारी संस्था सञ्चालनमा आएका छन् । साथै, आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनाको अवधिसम्ममा रु. १ अर्ब ३० करोड मुल्यका ८६ हजार ७ सय ५० वटा पशुधनको सुरक्षण भएको छ ।

तालिका ८ (ण) : साना किसान सहकारी अनुसरण तथा पशुधन संरक्षणको स्थिति

| कार्यक्रम | विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | प्रथम आठ महिना | | शुरु देखि हाल सम्मको जम्मा |
|---|------------------|--------------|---------|---------|---------|---------|----------------|---------|----------------------------|
| | | २०६६/६७ सम्म | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७०/७१ | २०७१/७२ | |
| क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम | प्राप्त अनुदान | १३००० | ८५०० | ५००० | ५००० | ७५०० | ४५०० | ६००० | ४५००० |
| | सहभागी संख्या | ३५६६७ | ८३३८ | ८५४१ | ९२३५ | ९०१० | ३३४८ | ३५५२ | ७४३४३ |
| | कुल खर्च रकम | १४१६१ | ९०७३ | ४६१६ | ४९४२ | ७६१२ | ८९९८ | ४९६९ | ४५३७३ |
| सामुदायिक विकास कार्यक्रम | प्राप्त अनुदान | ६००० | १५०० | ५००० | ४१०० | ७५०० | ४५०० | १०००० | ३४१०० |
| | लाभान्वित परिवार | १९२९० | ३२०३५ | ७५२५६ | ६२६०० | ८३०४५ | ३५१५० | ३९००० | ४८४८४४ |
| | कुल खर्च | ४४१६१ | १३६४१ | ५२५७१ | २९११४ | ३३७२५ | ७२२९ | ७०५० | १८०२६२ |
| साना किसान सहकारी अनुसरण तथा सेवा विस्तार कार्यक्रम | गासंख्या .स.वि. | ३६ | १६ | ७७ | ६० | ६३ | ५६ | ५५ | ३०७ |
| | लाभान्वित परिवार | १२९९७ | ८५०० | २५००० | ४१४८१ | ३१९८२ | १६५०० | १९२५० | १३९२१० |
| | अनुदान प्राप्त | १२५०० | ५००० | ३०००० | २३५०० | २७५०० | १९२५० | २०००० | ११८५०० |
| | कुल खर्च | १२४७८ | ५००० | ३००४९ | २३३०६ | २४१३९ | २०३६५ | १८४७१ | ११३४४३ |
| पशुपालन प्रबर्धन कार्यक्रम | प्राप्त अनुदान | | | ५००० | ३५०० | ५००० | ३३०० | ६००० | १९५०० |
| | लाभान्वित संख्या | | | ५८१७ | ४२२८ | ५३६८ | २७७३ | ५११२ | २०५२५ |
| | कुल खर्च रकम | | | ४७४६ | २८९१ | ३४०२ | २१६२ | ६५०३ | १७५४२ |
| पशुधन सुरक्षण कार्यक्रम (पशुवीमा) | प्राप्त अनुदान | | | १०००० | १४५०० | १५७५० | ८३०० | १०००० | ५०२५० |
| | पशु संख्या | | | ३१३०३ | १८६६९ | १८४५३ | ९०५६ | १८३२५ | ८६७५० |
| | लाभान्वित परिवार | | | ११८४५ | ७२४१ | ८९५९ | ३९३३ | ३७११ | ३९७५६ |
| | कुल खर्च रकम | | | २१३०४ | ३०८५४ | ४१३१२ | १८२७६ | १३१२१ | १०६५९१ |
| जम्मा | प्राप्त अनुदान | ३१५०० | १५००० | ५५००० | ५०६०० | ६३२५० | ३९८५० | ४२००० | २५७३५० |
| | कुल खर्च | ७०८०० | २७७१४ | ११३२८६ | ९११०७ | ११०१९० | २०३६५ | १८४७१ | ४३१५६८ |

श्रोत: साना किसान बैंक लि.

८.३७ वित्तीय क्षेत्र सुधार कार्यक्रम अन्तर्गत एशियाली विकास बैंकको सहयोगमा Rural Finance Sector Development Cluster Programme-I र II कार्यक्रम चालु आर्थिक वर्षमा सम्पन्न भएको छ । जसबाट सूचना प्रविधि

विकास, कमजोर कार्यसम्पादनस्तर भएका ग्रामीण सहकारी संस्थाहरूको पुनसंरचना र हिमाली/पहाडी जिल्लामा लघुवित्त सेवा विस्तार गर्ने कार्य भएको छ । साथै २५ वटा हिमाली र पहाडी जिल्लाहरू स्थित १४० ग्रामीण सहकारी संस्था मार्फत झण्डै १ लाख ५० हजार परिवारमा सेवा विस्तार भएको छ ।

- ८.३८ UNCDF/Clean Start को प्राविधिक सहयोगमा “साना किसानको उज्यालो घर कार्यक्रम” अन्तर्गत चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनामा ३ हजार ४ सय २ परिवारले रु. ७ करोड ६१ लाख मुल्यको ३ हजार ३ सय ६३ थान् सोलार बत्ती र ३९ सेट बायोग्यास जडान गरेका छन् ।
- ८.३९ सीप र दक्षता सहित शिक्षित युवाहरूलाई कृषि पेशामा आकर्षित गरी आधुनिक प्रविधियुक्त कृषि तथा पशुपालन व्यवसायमा संलग्न गराउन २२ देखि ३० वर्ष उमेर समुहका कम्तिमा १२ कक्षा पास गरेका साना किसान सदस्यका ७ सय १२ जना छोराछोरी (युवा) ले इजरायलबाट कृषि सम्बन्धी शैद्धान्तिक र व्यावहारिक तालिम प्राप्त गरेका छन् । पहिलो चरणमा गएका युवाहरू स्वदेश फर्केका छन् भने दोस्रो चरणमा गएका युवाहरू चालु आर्थिक वर्ष भित्र फर्कने छन् ।

सहकारी क्षेत्र

- ८.४० सामाजिक एकीकरण, गरिबी न्यूनीकरण, उत्पादनशील रोजगारीको सिर्जना, मर्यादित एवं सकारात्मक श्रम सम्बन्ध, वातावरण संरक्षण, समतामूलक समावेशी समाजको निर्माण, उद्यमशीलताको विकास, स्वच्छ र प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक वातावरणको सिर्जना, उत्पादनमा बृद्धि जस्ता उपलब्धी हासिल गरी देशको सामाजिक तथा आर्थिक विकासमा सहकारी क्षेत्रबाट योगदान पुऱ्याउने उद्योग व्यवसायमा सहकारिताको व्यावहारिक प्रयोग गर्नु पर्दछ ।
- ८.४१ सहकारी संघ तथा संस्थाहरूलाई कृषि तथा पशुपालनमा मात्र सीमित नराखी शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, उर्जा (विद्युत) लगायतका क्षेत्रहरूमा पनि विस्तार र प्रबर्धन गर्नु पर्दछ । सहकारीको पहुँच वृद्धि गरी महिला, गरीब, सीमान्तकृत, अलग शारीरिक क्षमता भएका व्यक्ति, भूमिहीन, पिछडिएका वर्ग, श्रमिकहरू एवं आम नागरिकहरूको जीवनस्तरमा सुधार ल्याउन उनीहरूको स्वामित्वमा सहकारी संस्था खोल्नु आवश्यक छ । सरकारले आवश्यकतानुसार पूँजीगत

अनुदान वा सहूलियतपूर्ण रुपमा ऋण उपलब्ध, प्राविधिक तालिमको व्यवस्था र बजारसम्म पहुँचमा सहजीकरण गर्नु पर्दछ ।

- ८.४२ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम ८ महिनासम्ममा प्रारम्भिक सहकारी संस्थाको संख्या ३ लाख १७ हजार ५ पुगेको छ । हालसम्म सहकारीमा संलग्न सदस्यहरुको संख्या ४७ लाख ८६ हजार २ सय १ पुगेको छ। जसमध्ये पुरुष र महिला सदस्यहरुको संख्यात्मक अनुपात क्रमशः ५३.५ प्रतिशत र ४६.५ प्रतिशत रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को अन्त्यसम्ममा सहकारी आन्दोलनको नेतृत्व तहमा ३३.८ प्रतिशत महिलाहरुको सहभागिता रहेको छ र ३ हजार ६ सय ५६ भन्दा बढी सहकारी संस्थाहरु पूर्णरूपमा महिलाद्वारा सञ्चालन भएका छन् ।
- ८.४३ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम ८ महिनासम्ममा सहकारी क्षेत्रबाट संचालित उद्यम व्यवसायमा ५५ हजार ९ सय ९४ व्यक्तिहरुले प्रत्यक्ष रोजगारी प्राप्त गरेका छन् भने १० लाख भन्दा बढीले अप्रत्यक्ष रोजगारी पाएको अनुमान छ । यसैगरी, चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनासम्ममा रु. १ खर्ब ७६ अर्ब भन्दा बढी बचत परिचालन भई यसबाट रु १ खर्ब ६९ अर्ब बराबरको लगानी भएको छ । हाल सम्म स्थापित भएका विभिन्न प्रकृतिका संस्थाहरुको कुल शेयर पूँजी रु. ६३ अर्ब भन्दा वढी पुगेको छ । प्रारम्भिक संस्था बाहेक सहकारी अभियानको केन्द्र देखि जिल्ला तहसम्म राष्ट्रिय सहकारी संघ लिमिटेड-१, राष्ट्रिय सहकारी बैंक लिमिटेड-१, केन्द्रीय विषयगत सहकारी संघहरु-२०, जिल्ला सहकारी संघहरु-६९ र विषयगत जिल्ला सहकारी संघहरु-२४१ सञ्चालनमा रहेका छन् ।
- ८.४४ कुल सहकारी संस्थाको संख्या ३१ हजार ६ सय ५ मध्ये बचत तथा ऋण सहकारीहरुको संख्या १३ हजार ४ सय १५ रहेको छ भने कृषि तथा कृषिजन्य उत्पादनसँग सम्बन्धित सहकारी संस्थाको संख्या ११ हजार १ सय १७ रहेको छ । वित्त तथा उत्पादन क्षेत्रको अतिरिक्त सार्वजनिक वितरणको क्षेत्रमा उपभोक्ता सहकारी संस्थाहरु क्रियाशील रहेका छन् । साथै, अन्य सेवा व्यवसायमा स्वास्थ्य, विद्युत, संचार, यातायात, पर्यटन आदि जस्ता सहकारी संस्थाहरुको विकास हुँदैछ ।

तालिका ८ (त) : प्रारम्भिक सहकारी संस्थाहरू

(रकम रु. हजारमा)

| कार्य प्रकृति | संस्था संख्या | सदस्य | | | शेयर पुंजी रु. | निकोप रु. | लगानी रु. | प्रत्येक्ष रोजगारी | | |
|------------------|---------------|----------------|----------------|----------------|-----------------|------------------|------------------|--------------------|--------------|--------------|
| | | पुरुष | महिला | जम्मा | | | | पुरुष | महिला | जम्मा |
| बचत तथा ऋण | १३३१५ | १३१०४६६ | १३००४५४ | २६१०९२० | ४७७३२३१४ | १३१२९४१४३ | १२१८६१९३२ | १६३०८ | १६९२४ | ३३२३२ |
| बहुउद्देशीय | ४११३ | ६१८५७९ | ४२००९६ | १०३८६७५ | १०१९४६७० | ३२३४७७५ | २७३३५०५४ | ५०२४ | ५७९६ | १०८२० |
| कृषि | ८५३७ | ३४९४५८ | ३२१६३९ | ६७१०९७ | ३३६८४२८ | ४६९३८०३ | ३८५७३८८ | २०३० | ३०९३ | ५१२३ |
| दुग्ध | १७५० | ८५५७१ | ३०१६९ | ११५७४० | ४६९७४९ | ५९५१८१७ | ४८३१७७ | ४३३ | १७३३ | २१६६ |
| उपभोक्ता | १४२४ | ३६७३४ | १९२३७ | ५५९७१ | २८०६२३ | २७८२६३ | ५६४६२८ | ३२४ | ४६० | ७८४ |
| विद्युत | ४३६ | ५३०९२ | ११९९१ | ६५०८३ | ८४५७४ | ४८१५४ | ११२९४६ | ६२ | ३०७ | ३६९ |
| तरकारी तथा फलफूल | २०५ | १५७४७ | १८३२१ | ३४०६८ | ५५१९२ | ३१०६७६ | ५८६७७३ | ११८ | १९४ | ३१२ |
| चिया | १११ | ४१०६ | १५०३ | ५६०९ | ४४०२५ | १८४४५ | २७७३६ | ४५ | ८६ | १३१ |
| कफि | १५४ | ३२९६ | २४४८ | ५७४४ | १३१२६ | १३७९० | ६२१८ | ३६ | ९५ | १३१ |
| जडिबुटी | १९४ | ४९०१ | २२८४ | ७१८५ | २००३७ | ११७६३३२ | २७४१४ | ३३ | ३५ | ६८ |
| मौरीपालन | ७४ | २५८८ | १७२३ | ४३११ | ९३०१ | ४९३२ | ५६९६ | २४ | ३० | ५४ |
| संचार | १२१ | ९०८६ | ३८४० | १२९२६ | १३४२९९ | २२९०२ | २९५८७ | २०७ | ३३१ | ५३८ |
| स्वास्थ्य | ९४ | ६१२६ | ३९९० | १०११६ | २६३१९१ | १०८३१० | १०७०३६ | ३०० | ५२० | ८२० |
| उखु | ४७ | १७०७ | ६९२ | २३९९ | ६१५९ | १७९२४ | २६२३६ | ० | १ | १ |
| जुनार | ४५ | ८९९ | ५१६ | १४१५ | ९८१ | ६१२५ | ६२२३ | ४ | ५ | ९ |
| अन्य | ९८५ | ६३६८५ | ८४९६८ | १४८६५३ | ४१३८६६ | १२०६८५५ | २६१९५१४ | ६७२ | ४५५ | ११२७ |
| जम्मा | ३१६०५ | २५६६०४१ | २२२३८७१ | ४७८९९१२ | ६३०९०५३५ | १४८३८७२४६ | १५७६५७५५८ | २५६२० | ३००६५ | ५५६८५ |

स्रोत: सहकारी विभाग

८.४५ आर्थिक वर्ष २०६३/६४ को तुलनामा आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम ८ महिनासम्ममा सहकारी संस्थाको संख्यामा २२६.१८ प्रतिशत, सदस्य संख्यामा

२९०.२२ प्रतिशत, शेयर पुँजीमा ५९३४.१२ प्रतिशत, कुल बचत परिचालनमा ८०२.३८ प्रतिशत, कुल लगानीमा ६५५२.९० प्रतिशत र प्रत्यक्ष रोजगारीमा ३५७.७५ प्रतिशतले वृद्धि भएबाट मुलुकको आर्थिक विकासमा सहकारी क्षेत्रको योगदान बढ्दो छ ।

तालिका ८ (थ) : सहकारी संस्थाहरूको बचत र लगानीको प्रवृत्ती

(रकम रु. हजारमा)

| आर्थिक वर्ष | संस्थाहरूको संख्या | सदस्यहरूको संख्या | कुल शेयर पुँजी | कुल बचत परिचालन | कुल लगानी | प्रत्यक्ष रोजगारी संख्या |
|-------------|--------------------|-------------------|----------------|-----------------|-----------|--------------------------|
| २०६३/६४ | ९७२० | १२५९७४७ | १०४५५६३ | १९५१७५१७ | २४१४८४८ | १२१६५ |
| २०६४/६५ | १२६४६ | १८४३७५९ | ८९५९१७२ | २९३०८४३४ | ३००२४६२५ | १५८२८ |
| २०६५/६६ | १९७२४ | २१३८३३४८ | ८४८२४७६ | ४५६७६९४४ | ५२६६०११७ | ३१९९६८ |
| २०६६/६७ | २२६४६ | २९६३११४ | २०१९६२७४ | १२१८३१३५९ | १०५४५३५७ | ३७७९८ |
| २०६७/६८ | २३३०१ | ३१४१५८१ | २०२२५१३९ | ११७२९५२२८ | ११६८३५८१४ | ३८८९२ |
| २०६८/६९ | २६५०१ | ३८४२६५७ | २७०९५१५१ | १३९५४३९७१ | १३४३८३२४१ | ३९५७२ |
| २०६९/७० | २७९१४ | ४१०४०२५ | २८८२३०६० | १४७०६९६६३ | १३७०८४८७३ | ५२००० |
| २०७०/७१ | ३११७७ | ४५५५२८६ | ६११८६२०१ | १७२५२९३५० | १५४६३१६०४ | ५४००० |
| २०७१/७२ | ३१७०५ | ४७८९९१२ | ६३०९०५३५ | १७६१२२६७६ | १६०६५७५५८ | ५५६८५ |

स्रोत: सहकारी विभाग

८.४६ सहकारीमार्फत पशुपालन (गाई/बाख्रा/बंगुर) फार्म स्थापना गर्न र कृषिजन्य प्रशोधन उद्यमहरूको परियोजनामा ५० प्रतिशतसम्म पुँजीगत अनुदान प्रदान गरिएको छ । हालसम्ममा सरकार र सहकारी साझेदारीमा २ सय ५० वटा परियोजना स्थापना भएका छन् । उक्त परियोजनाको उद्यमहरू प्रवर्धनको लागि रु. १७ करोड ७० लाख ७८ हजार अनुदान उपलब्ध गराईएको छ ।

कृषि उत्पादनको आयात तथा निर्यातको स्थिति

८.४७ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा खाद्य वस्तु तथा जीवजन्तु पदार्थको निर्यातमा १८.४ प्रतिशत कमि भई रु. १२ अर्ब ५६ करोड र सुर्ती तथा पेय पदार्थको निर्यातमा २०.८ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. १ अर्ब ८० करोड पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा खाद्य वस्तु तथा जीवजन्तु एवं सुर्ती तथा पेय पदार्थहरूको निर्यातमा क्रमश रु. १५ अर्ब ३९ करोड र रु. १ अर्ब ४९ करोड रहेको थियो। आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनाको वस्तुगत निर्यात गत वर्षको सोही अवधिमा भएको निर्यात भन्दा

६.६ प्रतिशतले कमि हुने अनुमान छ । त्यस्तै, आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा खाद्य वस्तु तथा जीवजन्तु रु. ५३ अर्ब ६४ करोड र सुर्ती तथा पेय पदार्थ रु. ३ अर्ब १ करोड मूल्य बराबरको आयात भएको थियो । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनाको वस्तुगत आयात गत वर्षको सोही अवधिको तुलनामा १०.५ प्रतिशतले वृद्धि भई ५ खर्ब ५ अर्ब ९१ करोड हुने अनुमान छ । गत आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनाको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा खाद्य वस्तु तथा जीवजन्तु र सुर्ती तथा पेय पदार्थ क्रमशः १६.१ प्रतिशत र ३.१ प्रतिशतले वृद्धि हुने अनुमान छ ।

वन तथा भू-संरक्षण

- ८.४८ वन, वनस्पति, जडीबुटी, वन्यजन्तु, संरक्षित क्षेत्र, जैविक विविधता र जलाधारको समुचित संरक्षण, सम्वर्धन र सदुपयोग गर्दै थप रोजगारीको सिर्जना र आय वृद्धि गरी विपन्न वर्गको जीविकोपार्जनमा सुधार र पारिस्थितिकीय प्रणाली बीच सन्तुलन कायम गर्नु आवश्यक छ । दिगो वन व्यवस्थापनद्वारा वन क्षेत्रको उत्पादकत्व र वन पैदावारको उत्पादन वृद्धि गरी वातावरण संरक्षणका साथै आर्थिक लाभ हासिल गर्नु पर्दछ ।
- ८.४९ नेपालमा कूल भू-भागको २९ प्रतिशत वन क्षेत्र र १०.५ प्रतिशत भू-भाग झाडी बुट्यानले ढाकेको छ । कूल स्टेम आयतन ३८ करोड ८० लाख क्यूबिक मिटर मध्ये २८ प्रतिशत साल प्रजाति रहेको छ । यसैगरी, कूल बायोमास ४ हजार २ सय ९० लाख टन, औसत स्टेम आयतन १७८ क्यूबिक मिटर प्रति हेक्टर र औसत रुख संख्या ४ सय ८ प्रति हेक्टर रहेको छ ।

तालिका ८ (द) : नेपालको वन स्रोत तथ्याङ्क

| | |
|----------------------------------|-------------------------------|
| वन क्षेत्र | ४२.७ लाखहेक्टर (२९प्रतिशत) |
| बुट्यान क्षेत्र | १५.६लाखहेक्टर (१०.६प्रतिशत) |
| कूल स्टेम आयतन | ३८ करोड ८० लाख क्यूबिक मिटर |
| कूल स्टेम आयतन मध्ये साल प्रजाती | २८ प्रतिशत |
| कूल बायोमास | ४,२९० लाखटन |
| औसत स्टेम आयतन | १७८ क्यूबिक मिटर प्रति हेक्टर |
| औसत रुख संख्या | ४०८ प्रति हेक्टर |

स्रोत: नेपालको वन स्रोत प्रतिवेदन, १९९९ वन अनुसन्धान तथा संरक्षण विभाग

- ८.५० देशको कुल भूभागको न्यूनतम ४० प्रतिशत वन क्षेत्र कायम गर्न आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ६ सय ४८ हेक्टर र चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फाल्गुण सम्ममा १७७.७२ हेक्टर अतिक्रमित वन क्षेत्र खालि गराई ब्यवस्थापन गरिएको छ ।
- ८.५१ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा १८ हजार ४ सय ७१ वटा सामुदायिक वनको १७ लाख ३१ हजार ४८२ हेक्टर वन हस्तान्तरण गरी २२ लाख ७८ हजार ७ सय ६९ घर धुरी लाभान्वित भएका छन् । चालू आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फाल्गुण महिनासम्ममा ३ सय ६२ वटा थप भई सामुदायिक वन उपभोक्ता संख्या १८ हजार ६ सय ८६ पुगेको छ। यसैगरी, आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फाल्गुण सम्ममा १ हजार ३ सय ६३ वटा सामुदायिक वनको कार्ययोजना परिमार्जन गरिएको छ । यसैगरी आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा २८८०८.२७ हेक्टर वन कवुलियती वनको रुपमा हस्तान्तरण गरिएको छ । चालू आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फाल्गुण सम्ममा कवुलियति वनको संख्या ९१ वटा थप भई ६ हजार ३५ पुगेको छ ।
- ८.५२ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा विभिन्न २२ वटा औद्योगिक प्रतिष्ठानलाई ६४० हेक्टर वन क्षेत्र कवुलियती वनको रुपमा उपलब्ध गराइएको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा १ लाख ३३ हजार ६ सय ८५ हेक्टर वन क्षेत्रलाई ८ वटा संरक्षित वनको रुपमा संरक्षण तथा व्यवस्थापन हुँदै आएको छ ।
- ८.५३ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा १० वटा जिल्लामा ५७ हजार ४ सय ९७ हेक्टर वनक्षेत्र २१ वटा साझेदारीवनको रुपमा संरक्षण तथा व्यवस्थापन हुँदै आएको छ । यस वाट ५ लाख ३२ हजार २६ घरधुरीको ३४ लाख ८० हजार ९ सय ३२ जनसंख्या लाभान्वित भएका छन् ।
- ८.५४ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा परम्परागत धार्मिक मठ, मन्दिर, गुम्बा आदि रहेको ३६ वटा वनक्षेत्रको २ हजार ५६ हेक्टर वन धार्मिकवनको रुपमा हस्तान्तरण गरी संरक्षण तथा व्यवस्थापन भईरहेको छ।

८.५५ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा २ हजार ४ सय ५८ वटाको २ हजार ३ सय ६० हेक्टर निजि वनको रूपमा दर्ता गरी संरक्षण तथा व्यवस्थापन हुँदै आएको छ ।

| मन्जूषा ८ (क) : वन सम्बन्धि केहि तथ्यांक | |
|--|-----------------|
| सामुदायिक वनको संख्या | १८४७१ वटा |
| हस्तान्तरण भएको सामुदायिक वनको क्षेत्रफल | १७,३१,४८२ हे. |
| सामुदायिक वनमा संलग्न घरधुरी संख्या | २२,७८,७६९ |
| कवुलियती वनको संख्या (गरिवी) | ७४१९ वटा |
| कवुलियती वनको क्षेत्रफल | ४२८३५ हे. |
| औद्योगिक प्रयोजनको कवुलियती वनको संख्या | २२ वटा |
| औद्योगिक प्रयोजनको कवुलियती वनका क्षेत्रफल | ६४० हेक्टर |
| संरक्षितवनकोसंख्या | ८ वटा |
| संरक्षित वनको क्षेत्रफल | १,३३,६८५ हे |
| साझेदारी वनको संख्या | २१ वटा |
| साझेदारी वनको क्षेत्रफल | ५७४९७.५४ हेक्टर |
| साझेदारीबाटलाभान्वितघरधुरी | ५,३२,०२६ |
| साझेदारीबाट लाभान्वित जनसंख्या | ३४,८०,९३२ |
| धार्मिक वनको संख्या | ३६ वटा |
| धार्मिक वनको क्षेत्रफल | २०५६ हे. |
| निजीवनको संख्या | २४५८ वटा |
| निजीवनको क्षेत्रफल | २३६० हे. |

श्रोत: वन विभाग, २०७१

८.५६ आम नेपालीको लागि दैनिक प्रयोग तथा वनपैदावारमा आधारित उद्योगको लागि कच्चा पदार्थको रूपमा आवश्यक पर्ने वनपैदावार (काठ, दाउरा, जडिबुटी आदि) को उत्पादन गरी उचित वितरणको माध्यमबाट उपलब्ध गराउनु पर्दछ । यसै सन्दर्भमा, सरकारद्वारा व्यवस्थित वन, सामुदायिक वन तथा निजि वनबाट उत्पादन भएको वन पैदावारको परिमाण ठोस नीतिगत व्यवस्थाको अभावमा उतारचढावपूर्ण देखिन्छ ।

तालिका ८ (ध) : वनपैदावार संकलन तथा विक्री वितरणको अवस्था

| आर्थिक वर्ष | काठ (क्यू. फी. हजारमा) | | | | दाउरा (चट्टा) (संख्या) | | | | जडिबुटी (मे.ट.) |
|-------------|-------------------------|--------------|---------|---------|-------------------------|--------------|--------|-------|-----------------|
| | सरकारी वन | सामुदायिक वन | नीजिवन | जम्मा | सरकारी वन | सामुदायिक वन | नीजिवन | जम्मा | |
| २०७१/७२* | २४८०.९९ | ५५.२६ | २७११.६६ | ५२४७.९१ | ३१३ | ८९ | १२७० | १६७२ | ३६९.७४ |
| २०७०/७१ | ८९५.७७ | ७३३.०६ | ८०१९.४१ | ९६४८.२४ | १२९५ | | | | ४८३३.९५ |
| २०६९/७० | ११५९.१६ | ३७१.१७ | ३२८६.९० | ४८१७.२३ | ७६४ | | | | ११६४.३१ |
| २०६८/६९ | ११०७.०४ | २०१.३४ | ३११३.४१ | ४४२१.७९ | ६२६ | | | | २५४६.१६ |
| २०६७/६८ | ५२४.५६ | १५०.११ | २५७८.१७ | ३२५२.८४ | १२८१ | | | | २८८३.४७ |
| २०६६/६७ | १४३१.३१ | ५८१०.१६ | २७११.३८ | ९९५२.८५ | ३६४७ | | | | २१७१.५२ |

श्रोत: वन विभाग र वन पैदावार विकास समिती. २०७१

*फागुन मसान्त सम्म

८.५७ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा १४ हजार १३ हेक्टर वनक्षेत्रको जग्गा अन्य प्रयोजनको लागि भोगाधिकार उपलब्ध गराइएको छ । यसमा जल विद्युत (प्रसारण लाइन समेत), सरकारी कार्यालय, मुक्त कर्मैया, सुकुम्वासी, सेना, प्रहरी, सामाजिक सेवा, भौतिक पूर्वाधार आदि रहेका छन् ।

तालिका ८ (न) : वन पैदावर वाहेक अन्य प्रयोजनको लागि भोगाधिकार उपलब्ध गराइएको वन क्षेत्रको विवरण

| सि.नं. | प्रयोजनविषय | क्षेत्रफल (हेक्टर) | कैफियत |
|--------|--|--------------------|--------|
| १ | पर्यावरण, होटल, रिसोर्ट, केवुलकार, पार्क निर्माण | २३५.४५ | |
| २ | वन विकास (वृक्षारोपण, रवर) | १६९०.४ | |
| ३ | Hydropower, विद्युत लाइन प्रसारण | १४८०.२४ | |
| ४ | जडीवुटी खेति | २५६.०० | |
| ५ | सरकारी कार्यालय, नगरविकास, गा वि. स, परियोजना, आयोजना, धर्मशाला, स्मृति प्रतिष्ठान | ३७१९.३७ | |
| ६ | वन्यजन्तु फार्म | २५६.०० | |
| ७ | सिमेन्ट/चुनढुंगा | ३७३३५.१७ | |
| ८ | मुक्तकर्मैया, सुकुम्वासी जग्गा सम्बन्धी | २८१९.१३ | |
| ९ | संचार | ५.३१ | |
| १० | नेपाली सेना | १२९१.९९ | |
| ११ | नेपाल प्रहरी, शशस्त्र प्रहरी/ट्राफिक | ३३३.६७ | |
| १२ | सामाजिक सेवा (अस्पताल, विद्यालय, कलेज) | ८६२.२८ | |
| १३ | भौतिक पूर्वाधार (खानेपानी, सिचाई, सडक) | ७२८.०५ | |
| | कूल जम्मा | १४०१३.४३ | |

श्रोत: वन तथा भू संरक्षण मन्त्रालय, २०७१।

८.५८ राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्य जन्तु संरक्षण ऐन, २०२९ अनुसार १० वटा राष्ट्रिय निकुञ्ज, ३ वटा वन्यजन्तु आरक्ष, १ वटा शिकार आरक्ष र ६ वटा संरक्षण क्षेत्र गरी ३४ हजार १ सय ८६ वर्ग कि.मि. क्षेत्र संरक्षण क्षेत्रले ओगटेको छ । यो कूल क्षेत्रफलको २३.२३ प्रतिशत हो । यस मध्ये ४ सय ३३ वटा मध्यवर्ती सामुदायिक वनले १ लाख २५ हजार ३ सय ५० हेक्टर क्षेत्र ओगटेको छ र यसबाट ४० हजार १ सय ९१ घरधुरी लाभान्वित भएका छन् । त्यसैगरी, ६३ वटाको २५७.१६ हेक्टर कवुलियती वनको रूपमा रहेको छ । हात्ती, बाघ, गैडा, हिउँचितुवा, गोही, कृष्णसार लगायतका महत्वपूर्ण, दुर्लव तथा लोपोन्मुख वन्य जन्तुहरूको प्रजाति संरक्षण योजना तयार गरी सोही अनुरूप संरक्षण भैरहेकोले यस्ता प्रजातिहरूको संख्यामा क्रमश बृद्धि हुदै गैरहेको छ ।

तालिका ८ (प) : संरक्षण क्षेत्र सम्बन्धि विवरण

| | |
|--|--|
| राष्ट्रिय निकुञ्ज संख्या | १० वटा |
| वन्यजन्तु आरक्ष संख्या | ३ वटा |
| शिकार आरक्ष संख्या | १ वटा |
| संरक्षण क्षेत्र संख्या | ६ वटा |
| संरक्षण क्षेत्रको कुल क्षेत्रफल | ३४,१८६ वर्ग कि.मि (नेपालको कुल क्षेत्रफलको २३.२३) |
| संरक्षण योजना तयार गरी सोही अनुरूप संरक्षण भैरहेका प्रजातिको प्रजाति | हात्ती, बाघ, गैडा, हिउँ चितुवा, गोही, कृष्णसार |
| मध्यवर्ती सामुदायिक वनको संख्या | ४३३ वटा |
| मध्यवर्ती सामुदायिक वनका क्षेत्रफल | १२५३४९.७ हेक्टर |
| मध्यवर्ती सामुदायिक वनमा संलग्न घरधुरी संख्या | ४०१९१ घरधुरी |
| मध्यवर्ती कवुलियती वनको संख्या | ६३ वटा |
| मध्यवर्ती कवुलियती वनको क्षेत्रफल | २५७.१६ हेक्टर |

श्रोत: राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्य जन्तु संरक्षण विभाग, २०७१

| मन्जूषा ८ (ख) : मुख्य वन्यजन्तु प्रजातिको संख्या (२०७१ आषाढ) | |
|--|-------------|
| बाघ | १९८ वटा |
| गैंडा | ५३४ वटा |
| हात्ती | १०५-१४५ वटा |
| अर्ना | २७४ वटा |
| कृष्णसार | ३००-३५० वटा |
| बाह्रसिंहा | २१०५ वटा |
| घडियाल | १३४ वटा |
| हिउँचितुवा | ३००-५०० वटा |

श्रोत: राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग, २०७१ ।

८.५९ नेपालमा संरक्षण क्षेत्रलाई पर्यटक आकर्षणको महत्वपूर्ण गन्तव्यको रूपमा लिने गरिन्छ । आन्तरिक तथा वाह्य पर्यटकहरूको आकर्षण संरक्षण क्षेत्र प्रति वढ्दै गएको छ । आर्थिक वर्ष २०६६/६७ को तुलनामा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा संरक्षित क्षेत्रमा भ्रमण गर्ने पर्यटकको संख्या ३६ प्रतिशतले बढेको छ । यसैगरी, संरक्षण क्षेत्रबाट प्राप्त हुने राजस्व आर्थिक वर्ष २०६६/६७ को तुलनामा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा करिब तीन गुनाले वृद्धि भएको छ ।

तालिका ८ (फ) : संरक्षण क्षेत्रमा भ्रमण गर्ने पर्यटकको संख्या र राजस्व

| आर्थिक वर्ष | भ्रमण गर्ने पर्यटकको संख्या (स्वदेशी/विदेशी) | संरक्षण क्षेत्रबाट संकलन भएको राजस्व (रु.०००) |
|-------------|--|--|
| २०७०/७१ | ४२५३३४ | ५३०८५२ |
| २०६९/७० | ३९०६९० | ४७१३३८ |
| २०६८/६९ | ५०२०९२ | २५८५२६ |
| २०६७/६८ | ४५५२३७ | २०९९५६ |
| २०६६/६७ | ३११७८९ | १४०३८३ |

श्रोत: वार्षिक प्रतिवेदन २०७०/७१, राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्य जन्तु संरक्षण विभाग

८.६० नेपालका वनस्पतिहरूको पहिचान, व्यवस्थापन तथा स्वस्थानीय र परस्थानीय संरक्षण, अध्ययन अनुसन्धान र अभिलेखीकरण कार्य निरन्तर चलिरहेको छ । जस अन्तर्गत राष्ट्रिय हर्वेरियम तथा वनस्पति प्रयोगशालामा ५ हजार ७७ वनस्पति प्रजातिका १ लाख ५० हजार हर्वेरियमका नमूनाहरूको संरक्षण गरी नियमित व्यवस्थापन गरिनुको साथै ५ सय हर्वेरियम नमूनाहरूको Digitization

तथा १२ सय हर्वेरियम नमूनाहरूको Electronic database तयार गरिएको छ । साथै, १ हजार ४ सय २८ हर्वेरियम नमूनाहरूको Labeling गरी Mounting गर्ने कार्य समेत सम्पन्न भैसकेको छ ।

८.६१ जैविकसुरक्षा, व्यापारिक महत्त्वका जडीबुटीजन्य वनस्पतिको गुणस्तरको विश्लेषण, फाइटोसेनेटरी प्रमाणीकरण लगायत ट्रेड सपोर्टकार्यको सदुपयोगको लागि प्रयोगशालाहरूको सुदृढीकरण भैरहेकोछ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा ३१० प्रजातिका वनस्पतिको फाइटोकेमिकल तथा फर्मास्युटिकल अध्ययन कार्य सम्पन्न भएको छ । त्यसैगरी, १५ प्रजातिका वनस्पतिको सुगन्धित तेल विश्लेषण गरिएको छ भने १९ प्रजातिका वनस्पतिको बायोकेमिकल अध्ययन भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को अन्त्य सम्ममा ११३ वटा प्रजातिका वनस्पतिको टिस्युकल्चर प्रविधिको विकास भएको छ भने २७ वटा लोपोन्मुख तथा संकटापन्न प्रजातिहरूको स्थानीय तथा परस्थानीय रूपमा संरक्षण भै रहेको छ ।

८.६२ नेपालमा १२ वटा वनस्पति उद्यानहरूको स्थापना भै ८०६.२ हेक्टर क्षेत्रफलमा व्यवस्थापन भएको छ । राष्ट्रिय वनस्पति उद्यानमा भ्रमण गर्ने आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकबाट प्राप्त भएको राजस्व क्रमशः बृद्धि हुदै गएको छ । यस्ता उद्यानहरूको उचित व्यवस्थापन गर्न सकिएमा मानिसहरूले आमोद प्रमोद गर्न उपयुक्त स्थान पाउने तथा राज्यले उल्लेख्य रूपमा राजस्व प्राप्त गर्न सक्ने हुन जान्छ ।

तालिका ८ (ब) : राष्ट्रिय वनस्पति उद्यानमा भ्रमण गर्ने आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटक

| आर्थिक वर्ष | पर्यटक संख्या | | | प्राप्त राजस्व (रु. हजारमा) |
|-------------|---------------|-------|--------|-----------------------------|
| | आन्तरिक | बाह्य | जम्मा | |
| २०७१/७२* | १९४५५१ | २५३२ | १९७०८३ | ६४३६ |
| २०७०/७१ | २७३९४८ | १७६० | २७७७०८ | ३७४१ |
| २०६९/७० | २६३३५७ | ३४८८ | २६६८४५ | ३६०९ |
| २०६८/६९ | २४४५६९ | २२७० | २४७८४० | ३३३४ |
| २०६७/६८ | २३५९३३ | ३२१४ | २३९१४७ | ३२४१ |
| २०६६/६७ | २२१६४८ | २६३८ | २२४२८६ | ३०१९ |

श्रोत: राष्ट्रिय वनस्पति उद्यान, गोदावरी, २०७१।

*फागुन मसान्त सम्म ।

८.६३ भू-तथा जलाधार क्षेत्रको बैज्ञानिक व्यवस्थापनबाट क्षति ग्रस्त भूमिको पुनरुत्थान, सडक पाखो संरक्षण, सिचाई कुलो निर्माण तथा मर्मत, पानी मुहान संरक्षण, गल्छी पहिरो संरक्षण, कृषि/वन मैत्री खेत वारी संरक्षण जस्ता क्रियाकलापहरूको कार्यन्वयनबाट जमिनको उत्पादकत्व वढ्नुको साथै विकासका पूर्वाधारको संरक्षणमा सहयोग पुग्न गएको छ । साथै, यसले पारिस्थिकीय सन्तुलन कायम राख्न र जलवायु परिवर्तनबाट सिर्जित प्रभावको अनुकुलनमा सहयोग पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को अन्तिम सम्ममा २ सय १९ वटा उपजलाधार क्षेत्रको व्यवस्थापन योजना तयार पारी भू तथा जलाधार व्यवस्थापनको कार्य हुँदै आएको छ ।

तालिका ८ (भ) : भू तथा जलाधार व्यवस्थापनको अवस्था

| | |
|--|-------------------|
| कार्ययोजना तयार भएका उप-जलाधार क्षेत्रहरूको संख्या | २१९ वटा |
| गल्छी/पहिरो संरक्षण | ४४८२ वटा |
| वायोइन्जिनियरिङ्गबाट खोला/खहरे किनार संरक्षण | १६७५.५८ कि.मि. |
| पानी मुहान संरक्षण | ३३४६ वटा |
| संरक्षण पोखरी/सर्विक्षेत्र/तालतलैया संरक्षण | १७२७ वटा |
| कृषि/वनमैत्री खेतवारी संरक्षण | ३२५० हेक्टर |
| क्षतिग्रस्त भूमि पुनरुत्थान | १४२४९ हेक्टर |
| वायोइन्जिनियरिङ्गबाट सडक पाखो संरक्षण | ४३१ कि.मि. |
| सिचाई कुलो संरक्षण | १५५६ कि.मि. |
| विपन्न वर्गका लागि आयमूलक संरक्षण कार्यक्रम | २५८७ घरधुरी |

श्रोत:-भू तथा जलाधार संरक्षण विभाग

८.६४ वन क्षेत्रबाट प्राप्त हुने राजस्व मुख्यतया वन पैदावार (काठ, दाउरा, जडिबुटी आदि) को उत्पादन र विक्रि एवं संरक्षण क्षेत्रमा भ्रमण गर्ने पर्यटकबाट उठेको प्रवेश दस्तुरमा निर्भर रहन्छ । वन पैदावार (काठ, दाउरा, जडिबुटी आदि) को उचित उत्पादन भै विक्रि वितरण भएतापनि संरक्षण क्षेत्रमा भ्रमण गर्ने पर्यटकको संख्यामा हुने घट-बढले राजस्व संकलनमा पनि घट्ने र बढ्ने प्रवृत्ति देखिएको छ । आर्थिक वर्ष २०६६/६७ को तुलनामा आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा वन क्षेत्रको राजस्व दोब्बर वढेको देखिन्छ भने आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा थोरै घटन गएको देखिन्छ ।

तालिका ८ (म) : बन क्षेत्रबाट प्राप्त राजस्व

| आर्थिक वर्ष | राजस्व (रु. हजारमा) |
|-------------|---------------------|
| २०७०/७१ | ११८२१६७ |
| २०६९/७० | १३९७७१९ |
| २०६८/६९ | १०७२८०१ |
| २०६७/६८ | ३६१४९७ |
| २०६६/६७ | ६९७२९६ |

श्रोत: वन तथा भू संरक्षण मन्त्रालय ।

भूमिसुधार तथा व्यवस्था

- ८.६५ सर्वसाधारण जनताको अचल सम्पत्तिको रुपमा रहेको जग्गाको स्वामित्वको संरक्षणका लागि जग्गा दर्ता गरी जग्गाधनी दर्ता प्रमाण पूर्जा उपलब्ध गराउने, भूमि तथा भूमिश्रोतको समुचित उपयोग सुनिश्चित हुने गरी दीगो विकासमा योगदान गर्न, विकास निर्माण तथा योजना तर्जुमाका लागि आवश्यक पर्ने नापनक्शा तथा भौगोलिक सूचनाको शुद्धता र विश्वसनीयता अभिवृद्धि गर्न, भूमिहीन किसानहरुको भूमिमा पहुँच अभिवृद्धि गर्न, सूचना प्रविधि अवम्बन गरी भूमि सम्बन्धी सेवा प्रवाहलाई सहज, सरल, पारदर्शी, एवं गुणस्तरीय तुल्याउन, नापनक्सा तथा भूमिव्यवस्थापनका क्षेत्रमा आवश्यक पर्ने दक्ष जनशक्ति विकास गर्न र राजश्व परिचालनमा योगदान गर्न भूमिको समुचित व्यवस्थापन गर्नुपर्दछ ।
- ८.६६ चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिना सम्ममा नापजाँच हुन बाँकी रहेका करीब २० हजार हेक्टर गाउँब्लक क्षेत्र मध्ये करीब १४ हजार हेक्टर नापजाँच सम्पन्न गरिएको छ । विभिन्न १७ नापी कार्यालयहरुमा पुनःनापी चालू रहेको र विगतमा नापजाँच हुन बाँकी रहेका क्षेत्रहरुको पहिचान गरी नापजाँचका लागि आवश्यक तयारी भैरहेको छ ।
- ८.६७ देशभरका २ सय ५४ वटा गाविस, ४ वटा नगरपालिका र द्वान्द्वबाट भूमिलगत क्षति भएको पाल्पा जिल्लामा चालू आर्थिक वर्षमा १ वटा नगरपालिका (रामपुर) को भू-उपयोग नक्शा/डाटा तयार गरिएको छ ।
- ८.६८ द्वान्द्वबाट भूमि लगत क्षति भएका जिल्लाहरु मध्ये अछाम जिल्लामा साविकका ७५ गाविस मध्ये २० गाविसको नापजाँच, अर्घाखाँची जिल्लामा साविकका ४३ गाविस मध्ये २१ गाविसमा फिल्ड कार्यका साथै १६ गाविसमा

उपयोगिताको आधारमा जग्गाको वर्गीकरण, १ सय ४३ गाविसको भू उपयोग नक्शा तयारी र ७९ गाविसको वर्गीकरण गर्ने कार्य सम्पन्न भएको छ ।

- ८.६९ हालसम्म २७ हजार ५ सय ७० मुक्त कर्मैया परिवार मध्ये २६ हजार १ सय १४ परिवारको पुनःस्थापना गरिएको र १९ हजार ५९ मुक्त हलिया परिवार मध्ये २ सय ५४ परिवारको पुनःस्थापना भएको छ ।
- ८.७० अछाम बाहेक सम्पूर्ण जिल्लाका नापी तथा मालपोत कार्यालयहरूमा रहेका नक्शा तथा श्रेस्तालाई डिजिटलाइज गर्ने कार्य सम्पन्न भएको छ । काठमाण्डौं उपत्यकाका ३ जिल्ला, काभ्रे, कास्की, कैलाली, पाल्पा लगायतका विभिन्न १७ नापी कार्यालयहरूमा कित्तानापी कार्यमा डिजिटल प्रविधि मार्फत नापजाँच गरी करिब ७ हजार हेक्टर क्षेत्रफल बराबरको डिजिटल भूमिलगत तयार गर्ने कार्य भैरहेको छ । डिल्लीबजार, चावहिल, कलंकी, भक्तपुर, ललितपुर, काभ्रे, सिन्धुपाल्चोक, कास्की, कैलाली, बिराटनगर, रुपन्देही, पर्सा, चन्द्रगढी, र दमक लगायतका १४ वटा मालपोत कार्यालयहरूबाट प्रदान गरिने सेवालाई अनलाइन मार्फत सेवा प्रवाह गर्ने व्यवस्थाका लागि प्रणाली विकास एवं अन्य पूर्वाधार तयार गरिएको छ ।
- ८.७१ भूमिसम्बन्धी गुणस्तरीय सेवा प्रवाहबाट पछिल्लो तीन आर्थिक वर्षमा १८ अर्ब ८० करोड २८ लाख ६९ हजार राजश्व संकलन गरी देशको कूल गार्हस्थ उत्पादन अभिवृद्धिमा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याएको छ । चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनामा ७ अर्ब ५९ करोड ७८ लाख ११ हजार राजश्व असुल भएको छ ।
- ८.७२ राष्ट्रिय भू-उपयोग नीति अनुरूप भू-उपयोग नक्शा तयार भएका जिल्लाहरू मध्ये चार विकास क्षेत्रका छानिएका ७७ गाविसको भू-उपयोग नक्शा तयार गरिएको छ । भू-उपयोग नक्शा तयार भएका गाविसहरू मध्ये नवलपरासी, बारा, झापा, बाँके र कैलाली जिल्लाका १२ वटा गाविसको वर्गीकरण सूचि तयार गरिएको छ ।
- ८.७३ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिना सम्ममा १ हजार ३३ मुक्त कर्मैया परिवारलाई जग्गा खरिद अनुदान र १ हजार १ सय ८८ परिवारलाई घर निर्माण अनुदान उपलब्ध गराईएको छ । त्यसैगरी, १ हजार ८ सय ६५ मुक्त हलिया परिवारको प्रमाणिकरण गरी परिचयपत्र वितरण गरिएको छ भने ११ वटा सीप विकास तालिम सम्पन्न गरिएको छ ।

- ८.७४ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फागुन मसान्त सम्ममा २८ वटा नापी कार्यालयहरूमा रहेका कित्ता नापी नक्शा डिजिटाइज, २१ वटा नापी कार्यालयहरूमा डिजिटल डाटा रुजु तथा ३१ वटा मालपोत कार्यालयहरूमा तथ्याङ्क ईन्ट्रि, रुजु एवं अद्यावधिक गर्ने कार्य सम्पन्न भएको छ ।
- ८.७५ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को अन्त्य सम्ममा जम्मा ३५ वटा कार्यालयहरूमा क्षतिपूर्ति सहितको नागरिक वडापत्र लागू गरिएको छ ।
- ८.७६ भूमिहीन, सुकुम्वासी, मुक्त कर्मैया तथा मुक्त हलियाको पुनर्स्थापन तथा वृत्ति विकास गर्ने कार्यक्रमले भूमि माथिको पहुँचमा वृद्धि भई समग्र रूपमा गरिबी निवारण र सामाजिक न्याय अभिवृद्धि गर्ने कार्यमा टेवा पुगेको छ । साथै, रजिष्ट्रेशन दस्तुर लगायत अन्य राजश्व असुलीबाट देशको राजश्व परिचालनमा महत्त्वपूर्ण योगदान पुगेको छ ।

समस्या तथा चुनौतीहरू

- ८.७७ युवा वर्ग खास गरी आर्थिक रूपले सक्रिय जनशक्ति विदेशिने क्रम बढदै जाँदा कृषि क्षेत्रमा आवश्यक श्रमशक्ति पूर्ति कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।
- ८.७८ जलवायु परिवर्तनको नकारात्मक प्रभावलाई न्यूनीकरण गरी कृषि क्षेत्रमा आशातीत उपलब्धि हासिल गर्न चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।
- ८.७९ कृषि बजार ऐनको अभावमा कृषि बजार केन्द्रहरूको सञ्चालन तथा नियमन कार्य समस्यापूर्ण रहेको छ ।
- ८.८० वैदेशिक सहयोगमा सञ्चालित आयोजना अन्तर्गतका कार्यक्रमहरूको आ-आफ्नै अनुदान (फरक फरक) दिने नीतिले कार्यक्रम सञ्चालनमा दोहोरोपना देखिनुका साथै कार्यक्रम संचालनमा समेत बाधा पुगेको छ ।
- ८.८१ कृषि पूर्वाधार: सडक, विद्युत, सिंचाई, मल तथा उन्नत वीउ वीजन पर्याप्त मात्रामा नभएको कारण कृषिको उत्पादकत्व वृद्धि कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।
- ८.८२ व्यवसायिक कृषि प्रणालीको विकास एवं विस्तार, कृषि उत्पादनको बजारीकरण तथा गुणस्तर कायम जस्ता कार्यहरू चुनौतीपूर्ण रहेका छन् ।
- ८.८३ सहकारी क्षेत्रको थप प्रवर्धन गर्दै राष्ट्र निर्माणमा योगदान बृद्धि गर्न सहकारी मूल्य मान्यता र सिद्धान्त बमोजिम सहकारी संघ संस्थाको गठन, संचालन र नियन्त्रण कार्यलाई व्यवस्थित गर्नु चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।

- ८.८४ बचत तथा ऋणको कारोबार गर्ने सहकारी संघ संस्थामा वित्तीय अनुशासन कायम गर्नु, बचत तथा लगानी रकमको सुरक्षण गर्नु, सहकारी व्यवसायमा लगानी अभिवृद्धि गरी उत्पादन, प्रशोधन लगायत बजारीकरणका कार्यलाई व्यवस्थित बनाउनु चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।
- ८.८५ नापनक्साको क्षेत्र पूर्ण प्राविधिक र विज्ञानमा आधारित रहेकोले नापनक्सा र भूमि प्रशासनका क्षेत्रमा कार्यरत कर्मचारीहरूको विशेषज्ञताको विकासका लागि भूमि प्रशासनलाई सक्षम सुदृढ सेवामूलक र जनउत्तरदायी बनाउने कार्य चुनौतीपूर्ण देखिएको छ।
- ८.८६ भूमिव्यवस्थापनसँग सम्बन्धित काम कारवाहीहरूलाई आधुनिक प्रविधिको माध्यमद्वारा चुस्त दुरुस्त र जनमैत्री एवं नयाँ प्रविधिमैत्री तुल्याई यस क्षेत्रप्रति आम सेवाग्राहीहरूको दृष्टिकोणमा सकारात्मक परिवर्तन ल्याउनु चुनौतीपूर्ण रहेको छ।
- ८.८७ जग्गा जमिनको मूल्यमा भएको वृद्धिसँगै भू-माफियाहरूको बढ्दो संजालीकरण र कानूनतः भूमिसुधार, गृह र स्थानीय निकायबीच Overlapping सहितको जिम्मेवारीका कारण सरकारी, सार्वजनिक र गूठी जग्गाको संरक्षण कार्य चुनौतीपूर्ण देखिएको छ।
- ८.८८ भूमिको कित्तागत अभिलेख तयार गर्न नसकिएकोले भूमिहीन, सुकुम्वासी र अव्यवस्थित बसोबासीहरूको पहिचान, सरकारी जग्गाको अभिलेखीकरण, दोहोरो भू-स्वामित्वको अन्त्य र हदबन्दीको कार्यान्वयनमा विविध समस्याहरू उत्पन्न भई समग्रमा भूमिसुधार कार्यक्रमको कार्यान्वयन प्रभावकारी हुन सकेको छैन।
- ८.८९ वन क्षेत्रको बिकास र ब्यबस्थापनको लागि वन अतिक्रमण, वातावरण, विकास र जनसंख्या वीचको सन्तुलन, वन पैदावार र वन्यजन्तुको अवैध व्यापार, भू-क्षय, अनियन्त्रित ढुंगा, गिट्टी र वालुवा संकलन, दिगो वन व्यवस्थापन, वन पैदावारको माग र आपूर्ति वीचको सन्तुलन, मानव र वन्यजन्तु वीचको द्वन्द्व व्यवस्थापन, जलवायु परिवर्तनको असरहरूको न्युनीकरण र अनुकूलन जस्ता कार्यहरू चुनौतिपूर्ण रहेका छन् ।

९. उद्योग क्षेत्र

- ९.१ विश्व बजारमा प्रतिस्पर्धी क्षमता अभिवृद्धि तथा स्वदेशी वस्तुको उपयोग बृद्धि गरी स्तरोन्नति गर्न औद्योगिक विकास निर्विकल्प भएकोले औद्योगिक विकासलाई गति दिनु आजको प्रमुख आवश्यकता रहेको छ । नेपाल विश्व व्यापार संगठनमा प्रवेश गरेसँगै कुल व्यापार बढेता पनि व्यापार घाटा झन बढ्दो छ । वैदेशिक रोजगारीको प्रभाव तथा संघ संस्थाको स्थापना र बस्तुको मागमा आएको बृद्धिले बजारको आकारमा बढोत्तरी भई अर्थतन्त्रको आकार बृद्धि भए पनि प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बृद्धि हुन नसक्दा औद्योगिक क्षेत्रले अपेक्षितरूपमा गति लिन सकेको छैन ।
- ९.२ उद्योग क्षेत्रमा लगानी बढाई मुलुकको औद्योगिक विकास गर्न विदेशी लगानी नीति बनेको छ भने औद्योगिक व्यवसाय ऐन, कम्पनी ऐन, विशेष आर्थिक क्षेत्र सम्बन्धमा व्यवस्था गर्न बनेको विधेयक, नेपाल एक्रिडिटेसन परिषद विधेयक बन्ने क्रममा छन् । त्यस्तै जनवादी गणतन्त्र चीन सरकारसँगको BIPPA सम्झौता अन्तिम चरणमा पुगेको छ ।
- ९.३ व्यवस्थित शहरी विकास र फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि भू-इन्जिनियरिङ्ग तथा भू-वातावरणीय अन्वेषण/सर्भेक्षण कार्य काठमाडौं उपत्यका लगायत पोखरा, वुटवल, भैरहवा, हेटौंडा, धरान, विराटनगर, सुर्खेत, नेपालगञ्ज, जनकपुर, धनगढी, महेन्द्रनगर र चितवनको सम्पन्न भएको छ । अन्वेषण कार्यबाट पत्ता लागेका पुर्व मेचीदेखि पश्चिम महाकाली एवं रुकुम र जाजरकोटसम्मको भूभागमा भएको खनिज आर्थिक रूपमा लाभप्रद र आँशिक लाभप्रद धातु खनिज: तामा, फलाम, शिशा, जस्ता, सुन तथा अधातु खनिज: चुनढुङ्गा, म्याग्नेसाइट, डोलोमाइट, खरी, ग्रावेल वोल्डर, कोइला तथा मार्बलजस्ता खनिजको अन्वेषणमा नीजि लगानी आशाप्रद रूपमा बढेको छ ।
- ९.४ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनासम्ममा ७ सय ५८ ठुला उद्योग, १ हजार ३ सय ८७ मझौला उद्योग, ३ हजार ८ सय ८ साना उद्योग र ३ लाख ८० हजार १ सय ८२ लघु उद्योग गरी कुल ३ लाख ८६ हजार १ सय ३५ उद्योगहरु दर्ता भएका छन् । यसरी दर्ता भएका उद्योगहरुबाट २७ लाख ७१ हजार ३ सय ९ जनालाई रोजगारी उपलब्ध भएको अनुमान छ ।

९.५ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ५६ वटा उत्पादनमूलक, ७९ वटा सेवामूलक, ७९ वटा पर्यटन, ५ वटा निर्माण, २१ वटा उर्जामूलक, ३७ वटा कृषिजन्य, ७ वटा खनिज उद्योग गरी जम्मा २ सय ८४ उद्योगहरूले सञ्चालनको स्वीकृति लिएका थिए । स्वीकृत प्राप्त उद्योगहरूमा कुल रु. ८२ अर्ब ८६ करोड २६ लाख लगानी भएको छ भने कुल १४ हजार ५ सय १ जनाले रोजगारी प्राप्त गरेका छन् ।

तालिका ९ (क) : सञ्चालनका लागि स्वीकृति प्राप्त उद्योगहरू

(रु. करोडमा)

| उद्योगको प्रकार | संख्या | | कुल परियोजना लागत | | कुल स्थीर पुँजी | | रोजगारी प्राप्त संख्या | |
|-----------------|--------------------------|---------------------|--------------------------|---------------------|--------------------------|---------------------|--------------------------|---------------------|
| | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्म | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्म | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्म | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्म | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ |
| उत्पादन मूलक | २,४७२ | ५६ | २१,१७७.०७ | १२११.१५ | १५,६६२.४१ | ९८४.०६ | २७८०६२ | ३४२५ |
| सेवा | १,६२९ | ७९ | ११,०२५.१२ | ६३५.३० | ७,५१९.४९ | ४४९.८४ | १०२३०५ | ३२४८ |
| पर्यटन | ११२१ | ७९ | ६,५००.३६ | १३३७.६१ | ५,७४१.५४ | ११०४.५६ | ४७२०६ | ४३२० |
| निर्माण | ४६ | ५ | ४२३३.२० | १११.३० | ४१४७.६८ | ८५.१७ | ३०६२ | २४४ |
| उर्जा | २४८ | २१ | ५४,१७८.०३ | ४८३८.५४ | ५२,७०८.५४ | ४७९५.७७ | २५२५८ | १२४९ |
| कृषिजन्य | ३५४ | ३७ | १,६२५.८७ | १२७.२६ | १,३७०.३३ | ११३.५९ | ३२११५ | १३३५ |
| खनिज | ६१ | ७ | ४३६.६९ | २५.१० | ३८४.७० | २२.३५ | ६३९९ | ६८० |
| जम्मा | ५,९३१ | २८४ | ९९,१७६.३४ | ८२८६.२६ | ८७,५३४.६९ | ७५५५.३४ | ४९४४०७ | १४५०१ |

स्रोत : उद्योग विभाग ।

९.६ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को अन्त्यसम्म विभिन्न प्रकृतिका गरी जम्मा ५ हजार ९ सय ३१ उद्योगहरूलाई सञ्चालन स्वीकृति प्रदान गरिएको थियो । स्वीकृति दिईएका प्रमुख उद्योगहरू मध्ये २ हजार ४ सय ७२ (४४.० प्रतिशत) उत्पादनमूलक, १ हजार ६ सय २९ (२७.५ प्रतिशत) सेवामूलक र १ हजार १ सय २१ (१८.२ प्रतिशत) पर्यटन रहेका छन् । स्वीकृति प्राप्त उद्योगहरूको कुल परियोजना लागत ९ खर्व ९१ अर्ब ७६ करोड ३४ लाख रहेको छ भने ४ लाख ९४ हजार ४ सय ७ रोजगारी सिर्जना भएको छ ।

९.७ आर्थिक वर्ष २०७०/०७१ मा परियोजना लागतका आधारमा ठूला उद्योग ६६, मझौला उद्योग ५३ तथा साना उद्योग १ सय ६५ गरी जम्मा २ सय ८४ उद्योगहरूले सञ्चालन स्वीकृति पाएका छन् । त्यसैगरी, सञ्चालन स्वीकृति प्राप्त उद्योगहरूमध्ये परियोजना लागतको ९०.७४ प्रतिशत ठूला उद्योगमा, ५.६७ प्रतिशत मझौला उद्योगमा र ३.५९ प्रतिशत साना उद्योगहरूमा लगानी भएको छ ।

**तालिका ९ (ख) : परियोजना लागतका आधारमा सञ्चालन प्राप्त उद्योगहरू
(आर्थिक वर्ष २०७०/०७१)**

(रु. करोडमा)

| उद्योगको प्रकार | उद्योगको संख्या | कुल परियोजना लागत | कुल स्थिर पुँजी | रोजगारीको संख्या |
|-----------------|-----------------|-------------------|-----------------|------------------|
| ठूला उद्योग | ६६ | ७५१९.०१ | ६९५८.२१ | ६१६१ |
| मझौला उद्योग | ५३ | ४६९.९३ | ३५५.५७ | २९४७ |
| साना उद्योग | १६५ | २९७.३१ | २४१.५५ | ५३९३ |
| जम्मा | २८४ | ८२८६.२५ | ७५५५.३३ | १४५०१ |

स्रोत : उद्योग विभाग ।

विदेशी लगानी

९.८ आर्थिक वर्ष २०७०/०७१ मा विदेशी लगानीमा जम्मा ३ सय ५ उद्योगहरूले स्वीकृति प्राप्त गरेका थिए जुन अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा ३.७८ प्रतिशतले घटी हो । यस अवधिमा सेवा उद्योगमा मात्र विदेशी लगानीबाट सञ्चालन हुने उद्योगको संख्या बढेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/०७१ मा खुलेका यस्ता उद्योगहरूमा रोजगारी प्राप्त गर्नेको संख्या ११ हजार ७ सय ३२ मात्र रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/०७१ को अन्त्यसम्म वैदेशिक लगानीका लागि ३ हजार १ सय ७२ उद्योगले स्वीकृति पाएका छन् भने २ लाख १ हजार ७ सय २० जनाले रोजगारी पाएका छन् । स्वीकृति प्राप्त उद्योगहरूमध्ये २८.५३ प्रतिशत उत्पादनमूलक, ३२.२८ प्रतिशत सेवामूलक र २७.५५ प्रतिशत पर्यटन

उद्योग छन् । साथै यी उद्योगहरूमा हालसम्म प्राप्त रोजगारीमध्ये उत्पादनमूलक उद्योगमा ४४.४३ प्रतिशत, सेवामूलक उद्योगमा २३.२१ प्रतिशत र पर्यटन उद्योगमा १७.९७ प्रतिशत रहेका छन् ।

**तालिका ९ (ग) : विदेशी लगानीका लागि स्वीकृति प्राप्त उद्योगहरू
(आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा)**

(रु. करोडमा)

| उद्योगको प्रकार | संख्या | | कुल परियोजना लागत | | कुल स्थीर पुँजी | | विदेशी लगानी | | रोजगारी प्राप्त संख्या | |
|-----------------|--------------|---------|-------------------|---------|-----------------|---------|--------------|---------|------------------------|---------|
| | २०७०/७१ सम्म | २०७०/७१ | २०७०/७१ सम्म | २०७०/७१ | २०७०/७१ सम्म | २०७०/७१ | २०७०/७१ सम्म | २०७०/७१ | २०७०/७१ सम्म | २०७०/७१ |
| उत्पादन मूलक | ९०५ | ४४ | १०६३८.८५ | १९५.३८ | ८८४६.८२ | १३८.५७ | ५३३६.३५ | १८५.२२ | ८९६३२ | २३३७ |
| सेवा | १०२४ | १०६ | ५२४४.०२ | ४९०.०६ | ३५२६.१४ | १६३.७० | ३१७८.४८ | ४४७.१७ | ४६८२७ | ३४९४ |
| पर्यटन | ८७४ | ८७ | ३२८२.५५ | २५९.६७ | ३०५०.३५ | २३५.६८ | १७९२.३४ | १३०.१६ | ३६२४३ | २६९६ |
| निर्माण | ४४ | ० | ३८०.५३ | ० | २८५.११ | ० | २९६.२८ | ० | ३१५१ | ० |
| उर्जा | ७० | १० | १२७४८.४९ | २९९०.१३ | १२४२६.६४ | २८४५.८४ | ६५२१.४९ | १११८.६७ | १०००९ | ९३९ |
| कृषिजन्य | १९० | ४७ | ४८६.७१ | १०५.११ | ३७४.१८ | ९४.११ | ३५०.७८ | १०१.३८ | ७८२८ | १३९९ |
| खनिज | ६५ | ११ | ६५०.८१ | ३०.८८ | ५१६.०१ | २४.७९ | ४१२.९३ | २८.१४ | ८०३० | ८६७ |
| जम्मा | ३१७२ | ३०५ | ३३४३१.९६ | ४०७१.२३ | २९०२५.२५ | ३५०२.६९ | १७८८८.६५ | २०१०.७४ | २०१७२० | ११७३२ |

स्रोत : उद्योग विभाग ।

९.९ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा विदेशी लगानीका २ सय १३ वटा उद्योगहरू सञ्चालनका लागि दर्ता भएका छन् जसबाट ८ हजार ८ सय ६९ जनाले रोजगारी पाउने अपेक्षा गरिएको छ । कुल परियोजना लागतको आधारमा विदेशी लगानी हुने प्रमुख उद्योगहरूमा उर्जामा ५४.४५ प्रतिशत, सेवामूलकमा ९.०३ प्रतिशत, पर्यटनमा ५.८२ प्रतिशत र उत्पादनमूलकमा २९.५७ प्रतिशत विदेशी लगानी रहेको छ ।

तालिका ९ (घ) : विदेशी लगानीका लागि स्वीकृति प्राप्त उद्योगहरू
(आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा)

(रु. करोडमा)

| उद्योगको प्रकार | संख्या | कुल परियोजना लागत | कुल स्थीर पुँजी | विदेशी लगानी | रोजगारी संख्या |
|--------------------|--------|-------------------|-----------------|--------------|----------------|
| उत्पादनमूलक उद्योग | ३४ | २२९१.४५ | २२३९६.५. | २१०३.१० | २०३८ |
| सेवा उद्योग | ७१ | ७००.४७ | ५५६.०८ | ४७७.१४ | २७२९ |
| पर्यटन उद्योग | ७३ | ४५१.५१ | ४१०.५९ | ३५१.१३ | २७४५ |
| उर्जा | ३ | ४२१९.६६ | ४१४६.१२ | ३३७५.६८ | १२५ |
| कृषिजन्य | २५ | ५२.९४ | ४७.८३ | ५२.४९ | ६७५ |
| खनिज | ६ | २३.१० | १९.८८ | १९.०० | ५३२ |
| निर्माण | १ | १०.०० | ९८०. | १०.०० | २५ |
| जम्मा | २१३ | ७७४९.१३ | ७४२९.९५ | ६३८८.५४ | ८८६९ |

स्रोत : उद्योग विभाग ।

९.१० आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को अन्त्यसम्ममा वैदेशिक लगानीको लागि स्वीकृति प्राप्त उद्योगहरू मध्ये परियोजना लागतका आधारमा २ सय ५२ (७.९४ प्रतिशत) ठूला, ३ सय ४८ (१०.९७ प्रतिशत) मझौला र २ हजार ५ सय ७२ (८१.०८ प्रतिशत) साना उद्योग रहेका छन् । साथै, यी उद्योगहरूबाट प्राप्त रोजगारी क्रमशः २५.२६ प्रतिशत, १९.०९ प्रतिशत र ५५.६४ प्रतिशत रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को अन्त्यसम्ममा रु. १ खर्ब ७८ अर्ब ८८ करोड बैदेशिक लगानी रहेकोमा ठूला उद्योगहरूमा गरिएको लगानी ६२.२० प्रतिशत छ भने साना र मझौला उद्योगमा क्रमशः १३.९७ प्रतिशत र २३.८३ प्रतिशत रहेको छ ।

तालिका ९ (ड) : परियोजना लागतका आधारमा वैदेशिक लगानीका लागि स्वीकृति प्राप्त उद्योगहरू (आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को अन्त्यसम्म)

(रु. करोडमा)

| उद्योगको प्रकार | उद्योगको संख्या | कुल परियोजना लागत | कुल स्थिर पुँजी | विदेशी लगानी | रोजगारी संख्या |
|-----------------|-----------------|-------------------|-----------------|--------------|----------------|
| ठूला उद्योग | २५२ | २४,३८९.२६ | २२,३७६.४२ | ११,१२६.६२ | ५०,९६१ |
| मझौला उद्योग | ३४८ | ५,७५१.८५ | ४,३४१.२४ | ४,२६२.९६ | ३८,५१९ |
| साना उद्योग | २५७२ | ३,२९०.८५ | २,३०७.५९ | २,४९९.०७ | ११२,२४० |
| जम्मा | ३१७२ | ३३,४३१.९६ | २९,०२५.२५ | १७,८८८.६५ | २०१,७२० |

स्रोत : उद्योग विभाग .

९.११ वैदेशिक लगानीमा उद्योग खोल्ने मुलुक मध्ये उद्योगको संख्याको आधारमा चीन सबैभन्दा बढी (६ सय ९५) रहेको छ भने दोस्रो स्थानमा भारत (५ सय ८८), तेस्रो स्थानमा संयुक्त राज्य अमेरिका (२ सय ५०), चौथोमा दक्षिण कोरिया (२ सय १६) र पांचौमा जापान (१ सय ९४) रहेको छ । विदेशी लगानीमा सञ्चालनका लागि स्वीकृति प्राप्त उद्योगको संख्या र यी उद्योगहरूबाट सिर्जित रोजगारीको संख्यामा भएको क्रमिक वृद्धिले समग्र औद्योगिक विकासमा सकारात्मक भूमिका खेल्ने संकेत गरेको छ ।

९.१२ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा २ हजार ४ वटा ट्रेडमार्क तथा एक डिजाइन दर्ता भएको थियो भने चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनामा १ हजार ४ सय ४ ट्रेडमार्क तथा ८ वटा डिजाइन दर्ता भएको छ ।

औद्योगिक क्षेत्रको वर्तमान स्थिति

९.१३ औद्योगिक प्रतिष्ठानहरूको स्थापना, सञ्चालन र प्रवर्धनको लागि आवश्यक पर्ने भौतिक पुर्वाधार एवं सूविधाहरू एकीकृतरूपमा उपलब्ध गराउने, औद्योगिक क्षेत्रहरूको सम्भाव्यता अध्ययन, विकास र प्रवर्धन गर्ने, औद्योगिक क्षेत्रभित्र स्थापित उद्योगहरूलाई लाभप्रद तरिकाबाट सञ्चालन गराउन परामर्श/सल्लाह र सूझाव दिने तथा निजी क्षेत्र एवं जनसहभागिता वा सहकारी अन्तर्गत स्थापना हुने औद्योगिक क्षेत्रहरूलाई प्रोत्साहन तथा सहयोग गर्ने कार्य गरिँदै आईएको छ ।

- ९.१४ बालाजु, हेटौडा, पाटन, नेपालगञ्ज, धरान, पोखरा, बुटवल, भक्तपुर, वीरेन्द्रनगर र गजेन्द्रनारायणसिंह तथा धनकुटा औद्योगिक क्षेत्र समेत गरी कूल ११ वटा औद्योगिक क्षेत्रहरु रहेकोमा चालु आर्थिक बर्षमा धनकुटा बाहेक १० वटा औद्योगिक क्षेत्रहरु सञ्चालनमा रहेका छन् ।
- ९.१५ हेटौडा कपडा उद्योगका भौतिक संरचनाहरु तथा २० विगाहा जमिन नेपाल सरकारले औद्योगिक क्षेत्रलाई हस्तान्तरण गरिसकेकोले उक्त भौतिक संरचनाहरुमा अन्य उद्योग प्रवर्धन गर्न व्यवसायिक योजना तयार भई विकास गर्ने कार्य भैरहेको छ ।
- ९.१६ आर्थिक वर्ष २०७१/०७२ को प्रथम आठ महिनामा मूलकभिन्न सञ्चालनमा रहेका १० वटा औद्योगिक क्षेत्रको ३ हजार ९ सय २७ रोपनी जग्गा उद्योगहरुलाई भाडामा लगाईएको छ । औद्योगिक क्षेत्रहरुमा ५ सय ३१ वटा उद्योगहरु सञ्चालनमा रहेका छन् भने ६३ वटा उद्योगहरु बन्द भएका छन् । साथै, चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनामा औद्योगिक क्षेत्रहरुमा ६५ उद्योगहरु निर्माणाधीन अवस्थामा रहेका छन् ।

घरेलु तथा साना उद्योग

- ९.१७ घरेलु तथा साना उद्योग व्यवसायको प्रवर्धन एवं विकासको लागि मागमा आधारित आवश्यक सीप विकास, उद्यमशिलता विकास तालिम, प्राविधिक परामर्श कर्जा प्रवाह एवं सूचना सम्प्रेषण कार्यक्रमहरु एकिकृत रुपमा संचालन कार्य थालनी भएको छ । त्यसैगरी, अपाङ्ग, पिछडिएका वर्ग, दलित, जनजाति, द्वन्द पिडित एवं महिलाको उत्थानका लागि बजार मागमा आधारित रोजगार एवं सिपमूलक तालिम, उद्यमशिलता विकास तालिमको माध्यमबाट त्यस्ता वर्ग र समुदायको सशक्तिकरणमा जोड दिईएको छ ।
- ९.१८ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा २२ हजार १ सय ५४ वटा घरेलु तथा साना उद्योगहरु दर्ता भएका छन् । दर्ता भएका घरेलु तथा साना उद्योगहरु मध्ये प्राइभेट फर्म १९ हजार २ सय २६, साझेदारी फर्म १ हजार ४ सय ३२ र प्राइभेट लिमिटेड १ हजार ४ सय ९६ वटा रहेका छन् । त्यसैगरी, दर्ता भएका उद्योगहरुमा रु. २१ अर्ब १६ करोड ९७ लाख कुल पुँजी लगानी रकम रहेको छ भने उद्योगहरुमा १७ हजार ७८ जनाले रोजगारी प्राप्त गरेका छन् ।

- ९.१९ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा दर्ता भएका कुल १२ हजार ८ सय ७८ उद्योगमध्ये उत्पादनमुलक ३ हजार १ सय ८५, उर्जा मुलक १४, कृषि तथा वनजन्य ३ हजार ५०, पर्यटन १ हजार ४ सय ८१, खनिजजन्य २, सेवा ४ हजार ९ सय ७७ तथा निर्माण २ सय १९ वटा रहेका छन् । यस्ता उद्योगहरूमा रु. १४ अर्ब ६९ करोड ८२ लाख कुल पुँजी लगानी भएको छ भने ६५ हजार ३ सय ९३ जनाले रोजगारी पाएका छन् ।
- ९.२० आर्थिक बर्ष २०७०/७१ को अन्त्यसम्ममा कुल २ लाख २० हजार ५ सय ६१ घरेलु तथा साना उद्योग दर्ता भएका छन् । दर्ता भएका यस्ता उद्योगहरूमा कुल पुँजी रु. २ खर्ब ३३ अर्ब ६९ करोड लगानी भई २१ लाख ७९ हजार ३ सय ७० जना रोजगारी सिर्जना भएको छ ।
- ९.२१ गरिवी निवारणका लागि लघु उद्यम विकास कार्यक्रम निर्देशिका, २०७० लागु गरिएको छ । कार्यक्रम लागु भएका २२ जिल्लामा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा २ हजार ९ सय ४७ जना लघु उद्यमी बनेका छन् ।
- ९.२२ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ५ हजार २ सय ४८ प्राइभेट फर्म, २ सय ९१ वटा साझेदारी फर्म एवं ६४ वटा प्राइभेट लिमिटेड गरी ५ हजार ६ सय ३ वटा उद्योग दर्ता भएका छन् । त्यसैगरी, दर्ता भएका उद्योगबाट ५ हजार ६ सय ६६ जना महिला एवं १२ हजार ६ सय ६३ जना पुरुष गरी १८ हजार ३ सय २९ जनालाई रोजगारी उपलब्ध भएको छ । साथै, दर्ता गरिएका उद्योगमा १६ अर्ब ७८ करोड ३२ लाख पुँजी लगानी भएको छ । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनाको अन्त्यसम्ममा ५ हजार ७ सय ५८ प्राइभेट फर्म ३ सय ७३ वटा साझेदारी फर्म एवं ५५ वटा प्राइभेट लिमिटेड दर्ता भई २ अर्ब २४ करोड १७ लाख लगानी भएको छ भने ४ हजार ५ सय १५ जना महिला एवं ४ हजार ५ सय २५ जना पुरुष गरी जम्मा ९ हजार ४० जनालाई रोजगारी उपलब्ध भएको छ ।
- ९.२३ अपाङ्ग, पिछडिएका वर्ग, दलित, जनजाति, दूवन्द पीडित एवं महिला उत्थान, बजार मागमा आधारित रोजगारी एवं सीपमूलक तालिम, घरेलु तथा साना उद्योग, व्यवसायको प्रबर्धन एवं विकास, तालिम, प्राविधिक परामर्श, कर्जा प्रवाह एवं सूचना सम्प्रेषण जस्ता कार्यक्रमहरू एकीकृत रूपमा संचालन गरिदै आएका छन् । आर्थिक बर्ष २०७०/७१ मा ३ हजार १ सय ३४ जना उद्यमी

विकास र ३ हजार ६ सय ७८ जना उद्योग प्रबर्धन गरि जम्मा ६ हजार ८ सय १२ जनालाई विभिन्न बिषयमा सिप विकास तालिम तथा प्रशिक्षण प्रदान गरिएको छ । जसमध्ये ३ हजार ७ सय १६ जना (५४.५५ प्रतिशत) ले प्रत्यक्ष रोजगारी प्राप्त गरेका छन् । चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनाको अवधिसम्ममा २ हजार ३ सय ३४ जनाले उद्यमी तयारी तथा रोजगारी सृजना र उद्योग प्रबर्धन तालिम प्राप्त गरेका छन् ।

- ९.२४ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा १० हजार ६ सय ७ प्राइभेट लिमिटेड, २७ पब्लिक लिमिटेड र ९८ मुनाफा रहित कम्पनी स्थापना भएका थिए भने चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनामा ८ हजार ८ सय ७३ प्राइभेट लिमिटेड, २२ पब्लिक लिमिटेड र ११९ मुनाफा रहित उदेश्यका कम्पनी स्थापना भएका छन् ।
- ९.२५ मुलुकमा रहेका खानीजन्य वस्तुहरुको उत्पादन र प्रशोधनलाई व्यवस्थित गरी खानी अन्वेषण तथा उत्खननको कार्य हुँदै आएको छ । आर्थिक बर्ष २०७०/७१ मा १०८ खानी उत्खनन गरिएको छ भने २९६ वर्ग किलोमिटर अन्वेषण, १५०० हेक्टर टोपोग्राफिकल सर्भे र ९५ खानी यकिन गरिएको छ । त्यस्तै, १०८ वटा उत्खनन र ६५० वटा खोजतलास कार्यले प्रमाणपत्र पाएका छन् । मूलुक भित्र विभिन्न क्षेत्रमा लगभग ५४ करोड टन प्रमाणित, ११ करोड टन अर्धप्रमाणित तथा ४२ करोड टन सम्भाव्य गरी लगभग कुल १.०७ अर्ब टन चुनढुङ्गा पत्ता लागेको छ । उक्त चुनढुङ्गालाई कच्चा पदार्थको रुपमा प्रयोग गरी ८ हजार ४ सय ५० टन/दिन क्षमताको १३ वटा सिमेन्ट उद्योगहरु स्थापना भई सञ्चालनमा रहेका छन् भने १० वटा सिमेन्ट उद्योगहरु निर्माणाधीन अवस्थामा छन् ।
- ९.२६ नेपाल सरकारले उद्योगको खानी क्षेत्र सम्मको पूर्वाधार (सडक तथा विद्युत प्रसारण लाइन) निर्माण गरेबाट सिमेन्ट उद्योगको विकास तथा सञ्चालनमा बढोत्तरी भई बार्षिक ४० लाख टन (मागको ८० प्रतिशत) सिमेन्ट स्वदेश मै उत्पादन गरी सिमेन्टको आयातमा कमी आएको छ । त्यसैगरी, ललितपुर फूलचोकीमा १ करोड टन फलाम खानी, रामेछाप ठोसेमा १ करोड टन फलाम खानी रहेको अन्वेषण गरिएको छ भने पर्वतमा फलाम खानी उद्योग

संचालनको क्रममा रहेको छ । साथै, नवलपरासी धौवाडि फलाम खानीको अन्वेषण अन्तिम चरणमा रहेको छ ।

- ९.२७ खनिज पदार्थको अन्वेषण एवं उत्पादनको लागि आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा १ सय ८ वटा उत्खनन् र ६ सय ५० वटा खोजतलास कार्यको प्रमाण पत्र प्रदान गरिएको छ ।
- ९.२८ हिमाली श्रृंखलाको भूकम्पीय अध्ययन गर्न साईस्मिक स्टेसन स्थापना गरी भूकम्पको निरन्तर निगरानी तथा रेकर्ड गरी डाटाहरु संकलन गर्ने र उक्त डाटाहरुको विश्लेषण गरी सोको आधारमा भविष्यमा आउन सक्ने भूकम्पहरुको पुनरावृत्ति समय र हिमालयको वनोटबारे ज्ञान हासिल गर्ने काम निरन्तर भईरहेको छ ।

औद्योगिक व्यवसाय विकास प्रतिष्ठान

- ९.२९ औद्योगिक विकासको लागि उद्यमशीलता विकास, व्यवसाय व्यवस्थापन, कार्यमूलक अनुसन्धान तथा उद्योग व्यवसायको विकासको लागि आवश्यक जनशक्तिको विकास गरी उद्योग क्षेत्रको विकासबाट अर्थ व्यवस्थालाई सबल तुल्याउन उद्योग व्यवसायको विकासमा संलग्न संघसंस्थाहरुको मागमा आधारित प्रशिक्षक प्रशिक्षण, गुणस्तर व्यवस्थापन, सम्भाव्यता अध्ययन र परामर्श सेवा कार्यहरु गरिँदै आइएको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा उद्यमशीलता विकास र व्यवस्थापन सुधार सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रममा १ सय २३ जना, उद्यमशीलता विकास तालिम फलोअप समेतमा १ सय ६२ जना, व्यवसाय व्यवस्थापन तालिम फलोअप समेतमा १ सय ५३ जना, एकल महिला, दलित र जनजाति समूहको लागि व्यवसाय विकास सम्बन्धी कार्यक्रममा १९ जना र आपूर्ति शृंखला व्यवस्थापन सचेतना कार्यक्रममा ३८ जना गरी जम्मा ४ सय ९५ जनाले तालिम प्राप्त गरेका छन् । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा उद्यमशीलता विकास तालिम फलोअप समेतमा ३ सय ६७ जना, व्यवसाय व्यवस्थापन तालिम फलोअप समेतमा १ सय ७८ जना र उद्यमशीलता विकास र व्यवस्थापन सुधार सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रममा २ सय ८९ जना गरी कुल ८ सय ३४ जनाले तालिम प्राप्त गरेका छन् ।

विशेष आर्थिक क्षेत्र

९.३० विश्व बजारको माग बमोजिम वस्तुहरूको उत्पादन गरी निर्यात प्रबर्द्धन गर्न विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापना गरिएको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा भैरहवामा SEZ (Special Economic Zone) सञ्चालनमा आएको छ भने अन्य 'सिमरा विशेष आर्थिक क्षेत्र', पाँचखाल विशेष आर्थिक क्षेत्र तथा विराटनगर आर्थिक क्षेत्र निर्माण कार्य प्रारम्भ भएको छ ।

लघु उद्यम विकास कार्यक्रम

९.३१ नेपालमा लघु उद्यमको माध्यमद्वारा गरिवी निवारणमा सन् १९९८ देखी सहयोग गरिरहेको लघुउद्यम विकास कार्यक्रम-(मेडेप) हाल चौथो चरणमा रहेको छ । न्यून आय भएका र सामाजिक वहिष्करणमा परेका समूह र व्यक्तिहरूको सामाजिक, आर्थिक अवस्थामा सुधार ३८ जिल्लामा लघु उद्यम कार्यक्रम संचालन गरिएको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा मेडेपबाट संचालनको १६ बर्षमा करिब ७१ हजार लघु उद्यमी बनेका छन् भने करिब ८० हजारले दीगो रोजगारीको अवसर प्राप्त गरेका छन् । सामाजिक तथा लैङ्गिक समावेशीकरण सिद्धान्तका सूचकहरू अनुसार ६९.० प्रतिशत महिला, २४.० प्रतिशत दलित, ३७.० प्रतिशत अदिवासी जनजाती र ५५.० प्रतिशत युवाहरूले लघु उद्यमी/रोजगारीका अवसर प्राप्त गरेका छन् ।

९.३२ आर्थिक बर्ष २०७०/७१ मा तालिम/ क्षमता अभिवृद्धिका ३ हजार ७ सय ६२ वटा, लघु उद्यमी सिर्जना सम्बन्धि ७ हजार ८ सय २२ वटा, रोजगारी सिर्जनामा ९ हजार २ सय ४३ र लघु उद्यमीहरूलाई उत्पादन ब्रान्डिङ्ग, प्याकेजिङ्ग, लेभलिङ्ग, दर्ता लाइसेन्स एवं प्रचार प्रसार १ हजार ५ सय ७८ कार्यक्रम सन्चालन गरी महिला, दलित, आदीबासी लाभान्वित भएका छन् ।

गुणस्तर तथा नापतौल

९.३३ आर्थिक बर्ष २०७०/७१ को अन्तसम्ममा विभिन्न बस्तु, पदार्थ तथा सेवाहरूमा नेपाल गुणस्तरको तर्जुमा पुनरिक्षण र अङ्गीकारको कुल संख्या ९७७ रहेको छ भने हालसम्म विभिन्न ६० वस्तुहरूमा कुल ३०८ गुणस्तर चिन्हहरू प्रदान गरिएको छ । त्यस्तै, विभिन्न ७ वटा उद्योग प्रतिष्ठानहरूलाई व्यवस्थापन

प्रणाली प्रमाणीकरण गरिएको छ भने बिभिन्न १० वटा प्रयोगशालाहरूलाई NEPLAS /ISO:17025:2005 अनुसार प्रमाणिकरण गरिएको छ । त्यसैगरी, बजार अनुगमन, ट्याक्सीको मिटर जाँच, पेट्रोल पम्पहरूको अनुगमन तथा नापतौलका उपकरणहरू (ढक, तराजु आदि) को चेक जाँच जस्ता कार्यहरू नियमितरूपमा गरिदै आइएको छ । यसबाट गुणस्तर चिन्ह प्राप्त वस्तुहरूमा सर्वसाधारणको विश्वसनियता कायम भई व्यापारिक कारोवार बृद्धि हुने, वस्तु तथा पदार्थको निर्यातमा दोहोरो परिक्षण गर्न नपर्ने हुंदा निकासी व्यापारमा प्राबिधिक अवरोध हटी व्यापार सहजीकरण हुने, नापतौल तथा नाप्ने तौलने यन्त्रहरूको विश्वसनियता बढी सर्वसाधारणलाई नापतौल सम्बन्धी ठगीबाट बचाउन मद्दत पुग्ने एवं वस्तु, सेवा तथा निर्माणको गुणस्तर कायम भई निर्माण हुने योजना परियोजनाको स्तरीयता हुने र नीजि प्रयोगशालाहरूको गुणस्तर एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ्ने अपेक्षा गरिएको छ ।

वाणिज्य तथा आपूर्ति

- ९.३४ अतिकम विकसित राष्ट्रहरूमा व्यापारमा सहूलियत, भन्सार र कोटा रहित बजार पहुँच, कृषि र विकासका मुद्दाहरू, व्यापार सहजीकरणको लागि भन्सार सुधार तथा सरलीकरण, पारवहन लगायतका विषयमा कार्यक्रमहरू संचालनमा ल्याइएको छ ।
- ९.३५ वस्तु र सेवाको विकास एवं निर्यात प्रवर्धन गरि व्यापार घाटा कम गर्न वाणिज्य नीति- २०६५ मा समसामयिक सुधार, परिमार्जन एवं अद्यावधिक गरि नयाँ नीतिको मस्यौदा तयार भइरहेको छ । नेपाल एकिकृत व्यापार रणनीति, २०१० मा समसामयिक सुधार गरि निर्यात हुने वस्तु तथा सेवाहरूको पहिचान, विकास, उत्पादन बृद्धि तथा गुणस्तर सुधारमा जोड दिन अद्यावधिक गर्ने कार्य अन्तिम चरणमा पुगेको छ ।
- ९.३६ नेपाल र चीन बीच द्वीपक्षीय व्यापारलाई अभिवृद्धि गर्न, दुई देश बीच हुने आयात/निर्यातलाई सहजीकरण र थप भौतिक सुविधायुक्त बनाउन चीनको स्वशासित क्षेत्र तिब्बतको केरुङ नाका र नेपाल तर्फको रसुवा गढी नाका २०१४ डिसेम्बर १ देखि संचालनमा आएको छ । यो नाका संचालन पश्चात नेपाल र चीन बीच हुने द्वीपक्षीय व्यापार अन्तराष्ट्रिय पोर्ट (Port) को आधारमा हुनुका

साथै नेपाल-चीन वीचको व्यापारका लागि वैकल्पिक नाकाको उपलब्धता भई दुई देश वीचको आयात/निर्यात प्रकृत्यामा थप सहजीकरण हुने अपेक्षा लीएको छ ।

मञ्जुषा ९ (क) :

निर्यात वृद्धि, व्यापार सहजीकरण तथा आपूर्ति व्यवस्थापनका लागि गरिएका मुख्य पहलहरू:

- केरुङ्ग नाकामा चीन सरकारको आर्थिक तथा प्राविधिक सहयोगमा रसुवामा आन्तरिक कन्टेनर डिपो निर्माणको सम्बन्धमा नेपाल सरकार र चीन सरकार बिच सम्झौता भई कार्य प्रारम्भ भएको ।
- पेट्रोलियम पदार्थमा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा हुने मूल्यको घट-बढलाई स्वचालित मूल्य प्रणाली अनुसार नेपालमा पनि समायोजन गर्ने प्रणाली लागु भई सो बमोजिम मूल्य समायोजन हुदै आएको ।
- चीनले दक्षिण एशियामा सिल्क रोड विस्तार गर्न गरेको Eurasian Transport Corridor मा सहभागी हुन नेपालले ४ बुँदे " Silk Road Economic Belt " दस्तावेजमा हस्ताक्षर गरेको र यसबाट नेपालको व्यापार अभिवृद्धि र Connectivity बढ्ने अपेक्षा लीएको ।
- चीनको बजारमा नेपाली उत्पादनका ८,०३० वटा वस्तुहरूको सहज निर्यातको लागि भन्सार मुक्त बजार पहुँच (Duty Free Market Access) सुविधा उपलब्ध गराउने सम्बन्धमा दुई देशबीच हस्ताक्षर सम्पन्न भएको ।
- तेस्रो मुलुकबाट आयात गरिएका वस्तुहरू पुनः तेस्रो मुलुकमा निर्यात सरलिकरण र कलकत्ता बन्दरगाह भएर आयात हुने गाडीहरू गुडाएर ल्याउन पाउने सम्बन्धी नेपाल र भारतबीच सहमति पत्रको आदन प्रदान (Letter of Exchange- LoE) सम्पन्न भएको ।
- विश्व व्यापार संगठन अन्तर्गतको विस्तारित एकीकृत संरचना (Enhanced Integrated Framework-EIF) को सहयोगमा वस्तु विकास र निर्यात प्रवर्धनको लागि पश्मिना, जडीबुटी र अदुवाको परियोजनाहरू सञ्चालन गरीएको ।
- जर्मन विकास सहयोग (GIZ) को सहायतामा वस्तु विकास, वस्तु विकास सम्बन्धी संघहरूको क्षमता विकास र निर्यात प्रवर्धन गर्न चाँदीका गरगहना र मह सम्बन्धी परियोजनाहरू सञ्चालनमा रहेका ।
- काठमाण्डौ उपत्यका लगायत विभिन्न जिल्लामा उपभोक्ता हक हितका लागि गरिने बजार अनुगमन कार्यले ब्यापकता पाएको । बजार अनुगमनबाट व्यवसायीहरूमा मूल्यसूची राख्न तथा अद्यावधिक गर्नुपर्छ भन्ने विषयमा सजगता बढेको ।

आपूर्ति

९.३७ काठमाण्डौ उपत्यका लगायत विभिन्न जिल्लामा उपभोक्ता हकहितका लागि बजार अनुगमनलाई ब्यापक बनाइएको छ । बजार अनुगमनबाट ब्यवसायीहरूमा मूल्यसूची राख्न तथा अद्यावधिक गर्नुपर्छ भन्ने विषयमा सजगता बढेको छ । साइनबोर्ड राख्ने, ब्यवसाय दर्ता गर्ने, नविकरण गर्ने, सरसफाईमा सुधार गर्ने, भ्याट वा प्यानमा दर्ता हुने कार्यमा वृद्धि भएको छ । म्याद नाघेका उपभोग्य वस्तुको बिक्री वितरण गर्न नदिई बिक्रीस्थलबाट हटाउने वा नष्ट गर्ने गरिएको छ । कानून विपरीत कार्य गर्ने व्यवसायीका व्यवसाय बन्द गरिएको छ । चालु आर्थिक वर्षको फाल्गुण मसान्तसम्म १ हजार ९ सय २८ बजार अनुगमन गरिएको छ भने बजार अनुगमनमा कैफियत भेटिएका मध्ये ७ सय ८७ फर्महरूलाई स्पष्टिकरण सोधिएको र १८ वटा व्यवसाय बन्द गरिएको छ । बजार अनुगमनको सघनताको कारणबाट व्यवसायी र उपभोक्ता दुवैतर्फ सचेतना अभिवृद्धि भएको छ ।

पर्यटन

९.३८ नेपालका प्राकृतिक, सांस्कृतिक, जैविक एवं मानव निर्मित सम्पदाहरूको संरक्षण तथा प्रबर्धन गर्दै नेपाललाई विश्व मानचित्रमा आकर्षक, रमणीय र सुरक्षित गन्तब्यस्थलको रूपमा विकास गर्न जरुरी छ । पर्यटन क्षेत्रको विकास र विस्तार गरी अर्थतन्त्रमा योगदान पुऱ्याउन पर्यटन क्रियाकलापको बिस्तार, पर्यटकलाई उपलब्ध गराउने सेवाको गुणस्तर वृद्धि, पर्यटकबाट बिदेशी मुद्रा आर्जन बढाउने तथा रोजगारीका अवसरको वृद्धि गर्नुपर्दछ ।

९.३९ २०७० पौष देखि २०७१ पौष सम्मको अबधिमा कूल ७ लाख ९० हजार १ सय १८ पर्यटक नेपाल भ्रमणमा आएका छन् । यो संख्या अघिल्लो बर्षको सोही अवधिको तुलनामा ०.९ प्रतिशतले कमि रहेको छ । त्यसैगरी, २०७० पौष देखि २०७१ पौषको अवधिमा नेपाल भ्रमणमा आएका पर्यटकहरूको औषत बसाइ अबधि १२.४ दिन भएको अनुमान गरिएको छ । नेपालमा आउने पर्यटकहरूको संख्या र प्रतिव्यक्ति खर्च बढाउन एवं औसत बसाई लम्ब्याउन सकेमा पर्यटन क्षेत्रबाट अपेक्षित लाभ लिन सकिन्छ ।

- ९.४० २०७० पौष देखि २०७१ पौषको अबधिमा आएका कुल पर्यटक मध्ये ५०.१ प्रतिशत मनोरञ्जन / बिदा / यात्रा, १२.५ प्रतिशत तीर्थयात्रा, १२.३ प्रतिशत पदयात्रा, ४.१ प्रतिशत औपचारिक / प्रशासकीय, ३.१ प्रतिशत ब्यापार, १.७ प्रतिशत सभा / सम्मेलन, तथा १६.२ प्रतिशत अन्य उद्देश्यले नेपाल भ्रमणमा आएका छन् । यात्रा उद्देश्यको आधारमा बिगत १० बर्षको पर्यटक आगमनको तथ्यांक विश्लेषण गर्दा बिदा/मनोरंजन/यात्रा, पदयात्रा / पर्वतारोहण तथा तीर्थयात्रा सम्बन्धि उद्देश्यले आउने पर्यटकको अनुपात करिव दुई तिहाइ भन्दा बढी रहेको छ ।
- ९.४१ २०७० पौष देखि २०७१ पौषको अवधिमा आएका पर्यटकहरु मध्ये सबैभन्दा बढी पर्यटक आउने पांच मुलुकहरुमा क्रमशः भारत (१७%), चीन (१६%), अमेरिका (६%), श्रीलंका (४.८%) र बेलायत (४.७%) रहेका छन् ।
- ९.४२ पर्यटन क्षेत्रको बिकाशको लागि आधारभूत तथा दक्ष तालिम प्राप्त जनशक्ति उत्पादन गर्न व्यवसायिक तथा रोजगारमूलक तालिमका साथै Hotel Management र Tourism and Travel Management बिषयमा स्नातक तथा Hospitality Management मा स्नातकोत्तर तहको कोर्ष संचालनमा रहेका छन् । आर्थिक वर्ष २०६८/६९ देखि २०७१/७२ को अबधिमा Bachelor of Hotel Management (BHM) मा ८ सय ६७ जना उत्तिर्ण भएका छन् भने ३ सय ७१ जना अध्ययनरत छन् । त्यसैगरी, Bachelor of Tourism and Travel Management (BTTM) मा ४ सय ५० जना उत्तिर्ण भएका छन् भने २ सय ८६ जना अध्ययनरत रहेका छन् । साथै, Master of Hospitality Management (MHM) मा ८ जना उत्तिर्ण भएका छन् र १ सय ७० जना अध्ययनरत रहेका छन् ।
- ९.४३ विगत ४ वर्षमा कुल ६ हजार ६ सय ४४ जनाले नेपाल पर्यटन तथा होटल व्यवस्थापन सम्बन्धि आधारभूत, मध्यमस्तरीय तथा सुपरभाइजर तहका तालिम लिएका छन् । जसमध्ये ४ सय १३ जना होटल, ५ सय ६० जना टुर एण्ड ट्राभल, ४ हजार ४५ जना ट्रेकिङ्ग रहेका छन् भने मोफसलमा ६ सय ७२ जना घुम्ती तथा होमस्टे र ९ सय ५४ जना अन्य पर्यटन सम्बन्धि तालिम प्राप्त गरेका छन् । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को पौष महिनासम्ममा विभिन्न स्तरका ३८ हजार २ सय १५ जना पर्यटन जनशक्ति उत्पादन भएका छन् ।

साथै ४ बर्षमा तारागाउँ विकास समिति मार्फत विभिन्न जिल्लाका ५ सय १८ जनाले होमस्टे संचालन सम्बन्धि तालिम प्राप्त गरेका छन् ।

- ९.४४ आर्थिक वर्ष २०६८/६९ मा कूल १ हजार ७ सय (शैक्षिक कोर्ष २२८ जना र तालिम १,४७२ जना), आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा कूल १ हजार ८ सय ४२ (शैक्षिक कोर्ष २२६ जना र तालिम १,६०६ जना), आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा कूल २ हजार ५ सय ३९ (शैक्षिक कोर्ष २४५ जना र तालिम २,५३९ जना) र आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा कूल १ हजार २७ (शैक्षिक कोर्ष २९४ जना र तालिम १,०२७ जना) गरी कुल जम्मा ३८ हजार २ सय १५ जनाले पर्यटन क्षेत्रको तालिम प्राप्त गरेका छन् ।

मञ्जुषा ९ (ख) : पर्यटन क्षेत्रको मुख्य उपलब्धिहरु

- शाक्य मुनि गौतम बुद्धको जन्मस्थल लुम्बिनीको विकासको लागि प्रो. केन्जो टांगे द्वारा निर्माण गरी सन् १९७८ मा स्वीकृत लुम्बिनी गुरु योजना अनुसारको कार्य आगामी ५ बर्ष भित्र सम्पन्न गर्ने लक्ष्य लिएकोमा हाल सम्म लुम्बिनी क्षेत्रको जग्गा अधिग्रहण, गुरुयोजना तयारी, लुम्बिनी क्षेत्रको संरचना प्रारूप, अन्तर्राष्ट्रिय बिहार क्षेत्रको निर्माण, पबित्र उद्यान निर्माण, सुरक्षा पर्खाल निर्माण तथा अन्तर्राष्ट्रिय बिहार क्षेत्रमा नहर निर्माण कार्य सम्पन्न भएका छन् ।
- गत आ.ब. २०७०/७१ देखि लुम्बिनी गुरु योजनालाई राष्ट्रिय गौरवको आयोजनाको रूपमा घोषणा गरी कार्यक्रम ल्याएकोमा गुरुयोजना भित्र सडक निर्माण, वाटर टावर निर्माण, पर्यटक सूचना केन्द्र निर्माण कार्य चालु रहनुका साथै कपिलबस्तुको पुरातात्विक क्षेत्रहरु, देवदह र रामग्राममा जग्गा खरिदको प्रक्रिया अघि बढाईएको तथा पुरातात्विक क्षेत्रको उत्खनन, संरक्षण र लुम्बिनीको पर्यटकीय महत्वको बारेमा जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने कार्यक्रमहरु संचालन गरिएका छन् ।
- गौतमबुद्ध अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल निर्माणको सिलान्यास सम्माननीय प्रधानमन्त्रीज्युबाट सम्पन्न भई अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिस्पर्धाको टेन्डर प्रक्रियाबाट छनोट भएको ठेकेदारसंग सम्झौता भई कार्य शुरु भएको छ ।
- सन् २०१४ मा लुम्बिनी क्षेत्रमा ९०२६२१ आन्तरिक पर्यटक, १५४२१६ भारतीय पर्यटक, र १३६९९१ तेश्रो मूलुकका पर्यटक गरी जम्मा ११९३८२८ जना तीर्थयात्रीले भ्रमण गरेका छन् । यो संख्या २०१३ को तुलनामा ४१% ले बढी रहेको छ ।
- चिनिया सहूलियतपूर्ण ऋण अन्तर्गत पोखरा क्षेत्रीय अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल निर्माणको लागि आवश्यक पर्ने रकमको व्यवस्था गर्ने निर्णय भई करीब ८० रोपनी जग्गा अधिग्रहणको लागि प्रक्रिया अघि बढेको छ ।
- आन्तरिक उडानका लागि चीन सरकारबाट २ वटा अनुदानमा र ४ वटा ऋण सहूलियतमा जहाज उपलब्ध गराउन नेपाल सरकार र चीन सरकार बीच द्विपक्षीय सम्झौता भएकोमा एम.ए. ६० बिमान प्राप्त भई उडान संचालनमा आइसकेको र अर्को Y12 जहाज पोखरा उडान सुरु गरेको छ ।
- अन्तर्राष्ट्रिय उडानको लागि A320-200 सिरिजका दुइ वटा न्यारो बिमान खरीद सम्झौता अनुसार पहिलो बिमानले उडान सुरु गरेको र दोश्रो बिमान समय मै प्राप्त हुने गरि कार्य अघि बढेको छ ।

- त्रिभुवन अन्तराष्ट्रिय विमानस्थललाई आधुनिकीकरण गरि सुबिधा सम्पन्न गराउने उद्देश्यले जापान सरकारको अनुदान सहयोगमा त्रिभुवन अन्तराष्ट्रिय विमानस्थल कार्यालयमा टर्मिनल मोनोपुल्स सेकेन्डरी सर्विलेन्स राडार र ललितपुरको भट्टेडाँडामा इनरुट मोनोपुल्स सेकेन्डरी सर्विलेन्स राडार जडान गर्ने काम भइरहेको छ ।
- ताप्लेजुड देखि दार्चुला सम्मको उच्च पहाडी ग्रामिण पर्यटन मार्गलाई पर्यटन पूर्वाधार कार्यक्रम अन्तर्गत द गेट हिमालयन ट्रेल अबधारणालाई प्राथमिकताकासाथ अगाडी बढाउन कार्यक्रम तर्जुमा कार्य सुरु गरेको छ ।
- देशका मूर्त-अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदाहरूको, खोज, संरक्षण, सम्बर्धन गर्दै ठूला र ऐतिहासिक धार्मिकस्थलहरूमा ट्रस्टको निर्माण गरी संचालन गरिने कार्यक्रम अनुसार विभिन्न जिल्लामा रहेका १३१ सम्पदाहरूको संरक्षण गर्ने, बुटवलस्थित जितगढि र पण्डिपुरको उत्खनन लगायत १० वटा पुरातात्विक स्थलहरूको उत्खनन कार्य भैरहेको छ ।

९.४५ २०६९ पौष देखि २०७० पौष सम्म (२०१३) मा पर्वतारोहण दलको संख्या २९६ रहेकोमा २०७० पौष देखि २०७१ पौष सम्म (२०१४) मा ३२० पुगेको छ भने पर्वतारोहीहरूको संख्या २२६६ बाट वृद्धि भई २५०० पुगेको छ । यसबाट अघिल्लो बर्षको तुलनामा २०७० पौष देखि २०७१ पौष सम्मको अबधिमा रु. ४ करोड ९३ लाख ५९ हजारले वृद्धि भई ३९ करोड १ लाख ८० हजार रोयल्टी प्राप्त भएको छ ।

९.४६ २०६९ पौष देखि २०७० पौषसम्मको अबधिमा तारा स्तरको होटल संख्या ११७ रहेकोमा २०७० पौष देखि २०७१ पौषसम्ममा एउटा होटल थप भै ११८ पुगेको छ । तारा स्तरको होटल बाहेकको पर्यटक स्तरीय होटल तथा रिसोर्टको अघिल्लो बर्षको ९०९ बाट वृद्धि भई २०७१ पौष सम्मको अबधिमा ९५७ पुगेको छ । यसै गरी तारा स्तरका होटलको शैया संख्या अघिल्लो बर्षको तुलनामा ४८ शैया थप भई ९ हजार ५ सय ५४ पुगेको छ भने तारा स्तर बाहेक पर्यटक स्तरीय होटल तथा रिसोर्टको शैया संख्या अघिल्लो बर्षको तुलनामा १ हजार ६ सय ८ शैया थप भई २०७१ पौषसम्ममा २६ हजार ६ सय २५ पुगेको छ ।

९.४७ आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा पर्यटन क्षेत्रबाट आर्जित बिदेशी मुद्रा रु. ३४ अर्ब २१ करोड १० लाख रहेको थियो । अघिल्लो वर्ष भन्दा रु. १२ अर्ब १६ करोड ४३ लाखले वृद्धि भई आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा रु. ४६ अर्ब ३७ करोड ५० लाख पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम ८ महिनामा पर्यटन क्षेत्रबाट आर्जित बिदेशी मूद्रा ३४ अर्ब ३१ करोड ३० लाख रहेको छ । त्यसैगरी, आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम ८ महिनामा पर्यटन क्षेत्रबाट आर्जित बिदेशी मूद्रा कुल

बिदेशी मूद्रा आर्जनको अनुपातमा ५.७ प्रतिशत, कुल वस्तु निर्यातबाट प्राप्त बिदेशी मूद्रा आर्जनको अनुपातमा २१.७ प्रतिशत र कुल ब्यापारबाट प्राप्त बिदेशी मूद्रा आर्जनको अनुपातमा ५३.० प्रतिशत रहेको छ ।

तालिका ९ (च) : पर्यटन क्षेत्रका प्रमुख परिसूचकहरू

| विवरण | २०७० पुससम्म | २०७१ पुससम्म |
|---|--------------|--------------|
| कुल पर्यटक आगमन संख्या | ७९७६१६ | ७९०११८ |
| पर्यटकको वसाइ अवधि (औषत दिन) | १२.५७ | १२.४४ |
| पर्यटनबाट प्राप्त आर्जन (रु. करोड) | ३४२११ | ४६३७५ |
| प्रति पर्यटक प्रतिदिन खर्च (अमेरिकी डलर) | ४२.८ | ४६.४ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा योगदान (प्रतिशत) | २.० | २.६ |
| नियमित उडानमा नेपाल आउने अन्तर्राष्ट्रिय वायु सेवा (संख्या) | २६ | २६ |

स्रोत: संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय र नेपाल राष्ट्र बैंक

चुनौतीहरू

- ९.४८ उत्पादनमा गुणस्तर कायम गरी आयात प्रतिस्थापन गर्नु, औद्योगिक रोजगारी सिर्जना गरी उच्च बेरोजगारी दरमा सुधार ल्याउनु, औद्योगिक उत्पादनहरूलाई अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गरी गुणस्तरीय बनाउनु तथा अपेक्षित औद्योगिक लगानी एवं व्यापारमैत्री वातावरण विकास गराउनु चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।
- ९.४९ उपभोक्ताहरूको हित संरक्षणका लागि मूल्य नियन्त्रण गर्न आपूर्ति व्यवस्थालाई नियमित गर्नु चुनौतीपूर्ण छ ।
- ९.५० पेट्रोलियम आपूर्तिमा सहजता ल्याउन पेट्रोलियम डिपोहरूको भण्डारण क्षमता (Storage Capacity) बढाउनु, बन्द, हडताल र चक्का जाम गर्ने प्रवृत्तिलाई निरुत्साहित गर्नु, ग्याँसको पर्याप्त मौज्जातको लागि नेपाल आयल निगमले आफ्नै बोटलिङ्गको स्थापना गर्नु, जलविद्युतको विकास र उपयोगमा जोड दिई पेट्रोलियम र ग्याँस प्रतिको निर्भरता कम गर्नु चुनौती रहेको छ ।

- ९.५१ पर्यटन सम्बन्धी प्रमुख सूचकहरूको गणना गर्न पर्यटन सूचना प्रणाली तथा सेटलाइट एकाउन्टको विकास गरी पर्यटन क्षेत्रले मुलुकको अर्थतन्त्रमा पुऱ्याएको योगदानबारे यथार्थरूपमा यकीन गर्दै पर्यटन क्षेत्रलाई राष्ट्रिय प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रको रूपमा स्थापित गर्नु चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।
- ९.५२ बिश्व सम्पदा सूचीमा सूचिकृत हुने सम्भावना भएका स्थलहरूमा आधुनिक निर्माण सामाग्रीहरू प्रयोग गरी नयाँ निर्माण तथा पुनर्निर्माण गर्दा ती स्थलहरूलाई विश्व सम्पदा सूचीमा सुचिकृत गर्न चुनौती रहेको छ ।

१०. शहरी विकास

शहरी विकास

- १०.१ नेपाल एशियाकै कम शहरीकरण भएको देशहरूमध्ये एक भएता पनि विगत केही दशकहरूमा देशको स्थलीय, जनसंख्या र आर्थिक क्षेत्रमा भइरहेको संक्रमणका कारणले शहरीकरणको गति तीव्र रहेको छ । २०६८ सालको जनगणना अनुसार नेपालका ५८ नगरपालिकामा देशको १९ प्रतिशत जनसंख्याको बसोबासको थियो । विगत दशकमा शहरी जनसंख्या वृद्धिदर ३.४३ प्रतिशत रहेको पाईएको छ ।
- १०.२ नेपालको शहरी जनसंख्या मध्ये २४ प्रतिशत काठमाडौं उपत्यकामा रहेको अनुमान गरिएको छ । शहरीकरणको प्रादेशिक स्तरमा ठूलो भिन्नता छ । प्रशस्त आर्थिक सम्भावना रहेको तराईका तुलनामा उपत्यकाहरू र भित्री मधेशमा शहरीकरणको स्तर उच्च छ । त्यसै गरी पहाडी क्षेत्रका केही ठूला र मध्यम शहरहरूमा शहरीकरण प्रबल देखिन्छ । सन २०११ सम्ममा ५८ नगरपालिकाहरूमध्ये एक लाखभन्दा बढी जनसंख्या रहेको १४ शहरी क्षेत्रहरूले राष्ट्रिय शहरी जनसंख्याको ४३.५१ प्रतिशत ओगट्छन् । आ.व. २०७१/०७२ मा १३३ नयाँ नगरपालिकाहरूको घोषणा भई नेपालमा नगरपालिकाको संख्या १९१ र शहरी (नगरपालिका) जनसंख्या ३८.२६ प्रतिशत पुग्न गयो ।
- १०.३ राष्ट्रको एक मात्र दश लाखभन्दा बढी जनसंख्या रहेको काठमाडौं महानगरमा राष्ट्रिय शहरी जनसंख्याको ९.७२ प्रतिशत जनसंख्या बसोबास गर्छन् । यसको तुलनामा देशको दोस्रो ठूलो नगरपालिका पोखरामा ३.९३ प्रतिशत शहरी जनसंख्या बसोबास गर्छन् । कूल जनघनत्व पनि धेरै नगरपालिकाहरूमा कम रहेको छ । ५८ नगरपालिकाहरूमध्ये ३१ नगरपालिकाहरूको र थपिएका १३३ नगरपालिकाहरू मध्ये ११३ नगरपालिकाको घनत्व १० व्यक्ति प्रति हेक्टर भन्दा कम रहेको छ, जुन राष्ट्रिय शहरी नीतिको न्यूनतम मापदण्ड भन्दा पनि कम हो । शहरी विकास उच्च (४ प्रतिशत भन्दा बढी) रहेका स्थानहरूमा काठमाडौं र

पोखरा उपत्यका, भित्री मधेश र प्रमुख राजमार्ग वरपरका क्षेत्रहरू पर्दछन् । पछिल्लो दशकमा मात्र ७ नगरपालिकाको (दमक, इटहरी, भरतपुर, थिमी, पोखरा, कीर्तिपुर, वीरेन्द्रनगर) वृद्धि दर ५.० प्रतिशत भन्दा माथि रहेको छ । यसरी हेर्दा भौगोलिक अवस्थिति, यातायात संजालसँगको नेटवर्क, पर्वाधार विकासको अवस्था र आर्थिक संभाव्यतानै शहरीकरणका महत्वपूर्ण निर्धारक देखिएका छन । अहिलेको शहरीकरणमा बढी योगदान गर्ने अर्को तत्व बसाइसराइ रहेको छ । शहरी जनसंख्यामा ३७.७ प्रतिशत अन्य जिल्लामा जन्मेका वा विदेशमा जन्मेका देखिन्छन् । शहर बसाइ सार्ने मध्ये ७७ प्रतिशत ग्रामीण भेगका रहेका छन् ।

१०.४ कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा शहरी क्षेत्रको योगदान ३३.१ प्रतिशत रहेको अनुमान गरिएको छ । कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा काठमाडौं उपत्यकाको योगदान २३.४ प्रतिशत रहेको अनुमान छ ।

१०.५ अनवरत भइरहेको शहरीकरण र शहरी विकासको असर नेपालका शहरी क्षेत्रहरूमा सकारात्मकरूपले परेको मान्न सकिदैन यद्यपि शहरी तथ्यांकको संकलन र उपलब्धता सीमित छ । शहरीकरणले शहरी क्षेत्रको आपूर्ति प्रणाली असन्तुलित गर्नुका साथै एकीकृत गर्न समेत बाधा गरिरहेको छ । शहरी पूर्वाधारमा ठूलो न्यूनता रहेको छ भने बनेका संरचनाहरू पनि स्वीकृत मापदण्ड अनुसारका छैनन् । शहरी वातावरण संकटापन्न छ। त्यसै गरी गैर कृषिजन्य रोजगारीका अवसरहरू अवरुद्ध छन् । शहरी क्षेत्रमा गरिबी बढ्दो छ र अझै बढ्ने आशंका गरिएको छ । शहरी योजनाको व्यवस्थापन र योजना कार्यान्वयन प्रकृत्यामा संस्थागत क्षमता कमजोर छ । लगानीका आवश्यकता, वित्तीय उपलब्धता र कार्यान्वयन क्षमताबीच ठूलो अन्तर रहेको छ ।

१०.६ यातायात, कृषि, उद्योग, भू-उपयोग लगायतका शहरी क्षेत्रसँग सम्बन्धित राष्ट्रिय नीतिहरू शहरी विकासकै पक्षमा हुदा हुदै पनि एकीकृत र आर्थिक

हिसाबले समुन्नत तथा सन्तुलित शहरीकरणको प्रक्रियाका निम्ति समन्वित नीतिगत प्रतिबद्धताको अभाव छ ।

वर्तमान अवस्था

- १०.७ खानेपानी आपूर्ति, सरसफाइ, फोहोर व्यवस्थापन, आवास, यातायात र उर्जाको स्थितिले शहरी पूर्वाधारको कमीलाई इडिगत गर्दछ । शहरी पूर्वाधारका सम्बन्धमा भौगोलिक प्रदेशका बीच पनि निकै असमानता छ। पहाडका शहरी क्षेत्रमा ८१.२ प्रतिशत घरधुरीको पाइपको पानी आपूर्तिमा पहुँच छ भने तराइका शहर क्षेत्रमा यो मात्रा ३२.९ प्रतिशत मात्र छ । पिउने पानीको गुणस्तर र मात्रा पनि सबै शहरी क्षेत्रमा अपर्याप्त छ । २०१७ सम्ममा सबैका लागि खानेपानीको सहस्राब्दि विकास लक्ष्य पूरा गर्न प्रतिवर्ष रु. ७.५ अर्ब लगानी गर्न आवश्यक छ । सरसफाइ र फोहोर व्यवस्थापनको स्थिति पनि नाजुक छ । शहरी घरपरिवारमा ५६.१ प्रतिशतको मात्र सरसफाइ प्रणालीमा पहुँच छ भने ८८.२ प्रतिशत घरपरिवारमा शौचालय रहेको तथ्यांक छ । त्यसै गरी १९१ वटा नगरपालिका मध्ये केवल ६ वटा नगरपालिकाको हकमा व्यवस्थित ल्याण्डफिल साइटहरु रहेको छ भने केवल ५ वटा नगरपालिकाले फोहोर नियन्त्रणको व्यवस्थापन गर्ने गरेका छन् ।
- १०.८ सुरक्षित, किफायती र भरपर्दो आवासको अभाव एवं सुकुम्बासी बस्तीमा भइरहेको वृद्धि शहरी आवास क्षेत्रका सरोकारका मुद्दाहरु हुन् । कूल शहरी जनसंख्यामा १० प्रतिशत सुकुम्बासीहरु रहेको अनुमान गरिएको छ ।
- १०.९ शहरी यातायातको एक महत्वपूर्ण विषय अपुग र अकुशल शहरी परिवहन हो । शहरी क्षेत्रमा औसत सडक घनत्व ३.२६ प्रतिवर्ग कि. मी. छ, जुन कुशल शहरी गतिशीलता र ग्रामीण-शहरी साझेदारी सम्बन्धहरुको प्रवर्द्धन गर्न एकदमै न्यून हो । त्यसै गरी उर्जा शक्तिको पर्याप्त आपूर्ति शहरी क्षेत्रमा अझै टड्कारो छ । विजुलीको माग शहरी र औद्योगिक करिडोरहरुमा उच्चतम छ । यस्तो माग ९ प्रतिशतको वार्षिक दरले वृद्धि भइरहेको अनुमान गरिएको छ ।

- १०.१० विभिन्न नगरपालिकाको पूर्वाधारको स्थिति आंकलन गर्न ५८ नगरपालिकाका लागि शहरी पूर्वाधार स्थिति सूचकांकको निर्माण गरिएको छ । यो सूचकांकले नगरपालिकाको बीच पूर्वाधारको अवस्था तुलना गर्न मद्दत गर्छ । काठमान्डौ महानगरपालिकामा शहरीपूर्वाधार सूचक मान सबैभन्दा उच्च छ भने गुलरियाको सबैभन्दा कम देखिएको छ ।
- १०.११ शहरी वातावरणीय अवस्थाको विश्लेषणले शहरी क्षेत्रहरूको भौतिक, प्राकृतिक र सामाजिक वातावरणीय क्षेत्रको नाजुक परिस्थितिलाई प्रष्ट पार्छ । शहरी वातावरणीय व्यवस्थापन अन्तर्गत विपद व्यवस्थापन, प्रकोपको उचित तवरले सामना गर्नु, सुरक्षा प्रदान गर्नु, सामाजिक सांस्कृतिक वातावरणको प्रबर्धन तथा खुला स्थानको संरक्षण जस्ता गतिविधिहरू पर्दछन् । तर नगरपालिकाहरूमा यी कार्यक्रमहरू अघि बढाउनका लागि चाहिने संस्थागत क्षमता, उचित योजना र आर्थिक स्रोतको अभाव छ । अनियन्त्रित भूमि अतिक्रमणले गर्दा शहरी क्षेत्रमा खुला क्षेत्र तीव्र गतिमा घट्दै र साँघुरिदै छ । खुला क्षेत्रको अनुपात काठमाडौंमा मात्र ०.४८ प्रतिशत र ललितपुरमा ०.०६ प्रतिशत छ । शहरी वातावरण व्यवस्थापन दिशानिर्देश (अर्बन इन्भायरन्मेन्ट म्यानेजमेन्ट गाइडलाइन्स) शहरी क्षेत्रमा विद्यमान वातावरणीय समस्याहरूको सम्बोधन गर्ने एक सशक्त माध्यम हुन सक्छ तर शहरी व्यवस्थापनका अन्य क्षेत्रमा जस्तै यसको पनि कार्यान्वयन स्तर न्यून रहेको देखिएको छ ।
- १०.१२ शहरी क्षेत्र आर्थिक विकासको मेरुदण्ड हुन भन्ने कुरा हालैको तथ्यांक अनुसार राष्ट्रिय कूल ग्राहस्थ्य उत्पादनमा ३३.१ प्रतिशत योगदान शहरी क्षेत्रहरूको रहेको छ भन्ने तथ्याङ्कले पुष्टि गर्छ । त्यस्तै शहरी निकट र शहरी क्षेत्रहरूको सेवा लिने गाविसहरूको कूल ग्राहस्थ्य उत्पादनमा योगदान ३० प्रतिशत हाराहारीमा रहेको छ । कूल ग्राहस्थ्य उत्पादनमा शहरी क्षेत्रहरूको यो योगदानले सो क्षेत्रका पूर्वाधारमा लगानीको बढ्दो उपादेयतालाई पनि स्थापित गर्छ । यस्तो लगानीले एकातिर पूँजी र रोजगारी सिर्जना गर्न मद्दत गर्छ भने अर्कोतिर आर्थिक वृद्धि दरलाई बढावा दिन्छ ।

- १०.१३ कृषि तथा संबद्ध गतिविधिहरूले शहरी क्षेत्रमा रोजगारीको एक तिहाइ भाग ओगटेको छ । थोक तथा खुद्रा व्यापार र उत्पादनले शहरी रोजगारीमा १७ प्रतिशत र १४ प्रतिशत योगदान दिएका छन् । तथापी शहरी रोजगारीको क्षेत्रगत संरचना शहर अनुसार भिन्न रहेको देखिन्छ ।
- १०.१४ शहरी क्षेत्रमा गरिबी बढेको छ । सन् २००३/०४ मा शहरी जनसंख्याको झण्डै १० प्रतिशत गरिबीको रेखामुनि रहेकोमा सन् २०१०/११ को तथ्यांक अनुसार सो प्रतिशत १५ प्रतिशत पुगेको अनुमान गरिएको छ । तर शहरी क्षेत्रहरूबीच भएको गरिबीको तथ्यांकमा ठूलो अन्तर रहेको छ, जबकी पोखरामा यो मात्र १.३ प्रतिशत छ । शहरी घरपरिवारले प्राप्त गर्ने विप्रेषण कूल विप्रेषण आयको करीब १५ प्रतिशत रहेको छ । काठमाडौं सबैभन्दा ठूलो विप्रेषण प्राप्त गर्ने क्षेत्र हो । रामग्राम, विराटनगर र जनकपुरले तराईमा सबैभन्दा बढी विप्रेषण प्राप्त गर्छन् ।
- १०.१५ उत्पादन मूलक उद्योग खास गरि तीन मुख्य शहरी क्षेत्र काठमाडौं उपत्यका, विराटनगर आसपासका सहर र सहर उन्मुख क्षेत्र तथा वीरगंज आसपास क्षेत्रमा एकत्र छन् । काठमाडौं उपत्यकाले शहरी उत्पादनले दिने रोजगारीमा ४० प्रतिशत योगदान गरेको छ भने विराटनगर तथा आसपासका क्षेत्र र वीरगंज तथा यस वरपरका क्षेत्रले क्रमश १७ प्रतिशत र १५ प्रतिशत रोजगारी प्रदान गरेका छन् । त्यसै गरी शहरी गैर कृषि रोजगारीका तीन मुख्य क्षेत्र छन्- काठमाडौं उपत्यका २५ प्रतिशत, पूर्वी तराईले १५ प्रतिशत र केन्द्रीय तराई १९ प्रतिशत सेवा क्षेत्रले शहरी गैर-कृषि रोजगारीको ७० प्रतिशत ओगटेको छ ।
- १०.१६ कूल उत्पादनमूलक रोजगारीमा झण्डै आधा जति गैर-नगरपालिका क्षेत्रमा पर्दछन् । कूल औद्योगिक उत्पादनको ६० प्रतिशत श्रममा आधारित उत्पादनले ओगटेको छ । शहरी उत्पादनले रोजगारीको संरचनामा यस प्रकारका योगदान छन्:

| औद्योगिक क्षेत्र | रोजगारी प्रतिशतमा |
|------------------------------|-------------------|
| कागज | ३० |
| खनिज, प्लाष्टिक, रसायन र काठ | १९ |
| कपडा(गार्मेन्ट) | १८ |
| कृषि प्रशोधन | १९ |
| मेशीनरी उपकरण | १४ |

१०.१७ काठमाडौं उपत्यकामा सापेक्षिक लाभ रेडियो, टेलिभिजन, सञ्चार उपकरण र प्रकाशन तथा मुद्रण रहेको बुझिन्छ । विराटनगर-धरान करिडोरको हकमा भने विद्युतीय मेशिनरी उपकरण र वस्त्र सापेक्षिक लाभका क्षेत्र अन्तर्गत पर्दछन् । त्यस्तै वीरगञ्ज करिडोरको हकमा छाला र छालाका उत्पादनहरु, आधारभूत धातु र रसायन उत्पादन तथा नेपालगञ्ज करिडोरका लागि रसायन र रासायनिक उत्पादन र धातुका उत्पादनहरुरहेको छन् । उत्पादन उद्योगमा सामान्यतया साना उद्योगहरुको बाहुल्य भएता पनि यी उद्योगको स्थिति मिर्दो छ ।

१०.१८ ५८ नगरपालिकाको पूर्वाधारमा रहेको न्यूनता पुर्ति गर्न रु ३७२ अर्बको लगानीको आवश्यकता रहेको अनुमान छ । आर्थिक वर्ष २०७१/०७२ मा सरकारले ५८ नगरपालिका बढाएर १९१ पुर्याएको अवस्थामा यो राशि अरु बढ्नेमा कुनै शंका रहेन । चालु आर्थिक वर्षमा पूर्वाधार विकासका लागि नेपाल सरकारले नगरपालिकालाई विनियोजन गरेको अनुमानित लगानी मात्र रु २०.०७ अर्ब छ, जुन राष्ट्रिय कूल ग्राहस्थ्य उत्पादनको मात्र १ प्रतिशत बराबर हुन आउँछ । शहरी क्षेत्रहरुले कूल ग्राहस्थ्य उत्पादनमा गर्ने योगदानको तुलनामा यो एकदमै न्यून रहेको छ ।

१०.१९ सुशासन नगरपालिकाको एकदमै महत्त्वपूर्ण सवालका रुपमा देखिन्छ । अहिले शहरी योजना र भौतिक पूर्वाधार विकासलाई शहरी विकास मन्त्रालय अन्तर्गत राखिएको छ जबकी शहरी सुशासन र प्रशासन संघीय मामिला तथा स्थानीय

विकास मन्त्रालय अन्तर्गत राखिएको छ । खण्डित संस्थागत व्यवस्था सहरी क्षेत्रको व्यवस्थित विकासका लागि सकारात्मक नहुन सक्छ ।

सहरीकरणको लागि संचालनमा रहेका कृयाकलाप

- १०.२० चालु आर्थिक वर्षमा सुकुम्वासी तथा सहरी गरीब एवं न्युन आय वर्गलाई व्यवस्थित वसोवासको लागि आवास निर्माण, दलित वर्ग एवं लोपोन्मुख जातिका लागि आवास व्यवस्था गर्ने उद्देश्यले जनता आवास कार्यक्रम, कर्मचारीहरूको लागि आवास व्यवस्था, प्राकृतिक प्रकोपबाट विस्थापित र जोखिममा परेका परिवारहरूलाई पुनर्वास गराउने उद्देश्यले संचालित आवास विकास कार्यक्रमबाट आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा २८ बजार केन्द्र, १७० वटा सामुदायिक भवन र १० वटा ठूला भवन/सभाहल निर्माणको कार्य चालु अवस्थामा रहेको छ ।
- १०.२१ गाउँ तथा शहर बीचको अन्तरसम्बन्ध अभिवृद्धि गरी साना शहरमा सहरी पूर्वाधारको विकास मार्फत सहरी सुविधामा वृद्धि गरी भविष्यमा नगरपालिकाको लागि आवश्यक पूर्वाधारको विकास गर्ने, सहरी क्षेत्रमा बसाईसराईको क्रम घटाउने, स्थानीय स्तरमा उत्पादित वस्तुहरूको बजार विनिमयद्वारा गरिवी घटाउन आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा २८ साना शहरको गुरुयोजना निर्माण तथा तत्सम्बन्धि भौतिक विकास योजना कार्यान्वयनमा ल्याइएको छ ।
- १०.२२ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा स्थानीय निकायहरूको लागत सहभागितामा डिजिटल अर्बन वेस म्याप, जि.आइ.एस.म्याप, बसपार्कको डि.पि.आर. तयार भएको छ । वुटवलमा सभाहलको संभाव्यता अध्ययन गरी डि.पि.आर. तयार गर्ने काम भैरहेको छ । नगरपालिकाको आवधिक योजना तर्जुमा निर्देशिका, २०५९ परिमार्जन गर्ने, सहरी वातावरणीय सूचना प्रणाली विकास गर्ने, यस्तै पर्सा पोखरीयाको सहरी योजना तर्जुमाको प्लानिङ नमर्स (Norms) तथा स्टान्डर्ड परिमार्जन गर्ने, सहरी वातावरण सम्बन्धि मापदण्ड तयार गर्ने, सहरी क्षेत्रहरूको लागि मोडेल विल्डिङ वाइ ल तयार गर्ने, नगर विकास समिति एवं बजार क्षेत्रको भौतिक पूर्वाधार विकास योजना तर्जुमा गर्ने काम चालु रहेका छन् ।
- १०.२३ राष्ट्रिय एवं स्थानीय स्तरमा महत्वपूर्ण रहेका, राष्ट्रिय एकतालाई मजबुत बनाउने र नेपालको पर्यटन क्षेत्रको विकास र विस्तारमा यथोचित योगदान गर्न सक्ने धार्मिक तथा साँस्कृतिक सम्पदा/क्षेत्रहरूको संरक्षण, सम्बर्धन तथा प्रबर्द्धन

गर्न आर्थिक बर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा ३७५ विविध किसिमका पूर्वाधारहरु, ४०५ वटा विशेष भौतिक पूर्वाधार र सामुदायिक तथा अन्य भवन ४२६ वटा समेत जम्मा १ हजार २ सय ६ विशेष स्थानहरुको भौतिक तथा पूर्वाधार निर्माणको कार्य भैरहेको छ ।

१०.२४ बनेपा, पनौती, धुलिखेल, विराटनगर, वीरगंज र बुटवल लगायतका छ वटा नगरपालिकाहरुमा वातावरण संरक्षण गर्ने, यस सम्बन्धि जनचेतना विस्तार गर्ने, वातावरणीय सचेतनाको लागि नगरपालिकाहरुलाई उत्तरदायी र जवाफदेही बनाउने उद्देश्य सहित आर्थिक वर्ष २०६८/६९ देखि संचालनमा रहेको मझौला शहर एकीकृत शहरी वातावरणीय सुधार आयोजनामा नेपाल सरकार, ए.डि.वि र ओपेक कोषको मुख्य लगानी रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा विराटनगर, बुटवल र विरगन्ज नगरपालिकाहरुमा ढल तथा ढल प्रशोधन केन्द्र, सडक सुधार, खानेपानी आपूर्ति र सामुदायिक विकास लगायतका एकीकृत पूर्वाधार विकासका कार्यहरु भएका छन । काभ्रे भ्याली एकीकृत खानेपानी आयोजनाका लागि निर्माण व्यवसायी छनौट भैसकेको, विराटनगर नगरपालिकामा सडक सुधार तथा प्रशोधनशाला सहितको ढल प्रणालीनिर्माण कार्य शुरू गरिएको, बुटवलको खानेपानी वितरण प्रणाली विस्तारको काम समेत अगाडि बढेको छ ।

१०.२५ भवन संहिता तयार गरी यसको कार्यान्वयन गर्ने, सरकारी भवन निर्माण गर्ने तथा मौजुदा सरकारी भवनहरुको अवस्था समेत देखिने गरी सरकारी भवनको अभिलेख संकलन गर्ने र वैकल्पिक निर्माण सामग्रीको पहिचान तथा प्राकृतिक प्रकोप एवं भूकम्पीय प्रभावबाट सुरक्षित, किफायती, दीगो र भरपर्दो भवनहरुको निर्माण गर्नु र तत्सम्बन्धि विषयमा जनचेतना फैलाउन भवन निर्माण तथा सहरी विकास विभाग कृयाशिल रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा १३ वटा सामुदायिक भवन र अन्य २ वटा सरकारी भवनको परिसर सुधार, राष्ट्रिय भुकम्प सुरक्षा दिवस, विश्व वसोवास दिवस मनाइएको, जनकपुर नगरपालिकालाई भवन संहिता लागू गर्न सक्षम गर्न On the Job तालिम गर्ने जस्ता कार्य सञ्चालन भएका थिए ।

१०.२६ विराटनगर उप-महानगरपालिकामा भईरहेको बढ्दो जनसंख्याको वृद्धिका कारणले सो उप-महानगरपालिका र आसपासका गाउँ विकास समितिहरुमा तीव्र रुपमा

वस्तीहरु बढनाले पैदल यात्री र सवारी साधनको चाप बढ्न गएको हुँदा जग्गा एकीकरण प्रकृयाको माध्यमबाट चक्रपथ अधिकार क्षेत्र (Right of Way) को लागि आवश्यक पर्ने जग्गाको व्यवस्था गरी करिव ३० किलोमिटर लम्वाइको चक्रपथको दुवै तर्फ गरी करिव १ सय ८२ मिटर क्षेत्रमा योजनावद्ध तथा व्यवस्थित नमूना सहरी विकास गर्ने विराटनगर चक्रपथ आयोजना संचालनमा रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा जग्गा विकासको माध्यमबाट करिव ४१ किलोमिटर लम्वाइको चक्रपथको विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन डि.पि.आर. तयार भई सकेको क्षेत्रभित्र करिव १ किलोमिटर लम्वाइमा नमूना जग्गा विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन तथा डि.पि.आर. बमोजिम पूर्वाधार निर्माण कार्य सञ्चालनमा रहेका छन् ।

१०.२७ नेपालको राष्ट्रिय एकता र अखण्डताको परिचायकको रूपमा तथा ऐतिहासिक जनआन्दोलनको उपलब्धिको प्रतिकको रूपमा एक राष्ट्रिय महत्वको चिन्ह निर्माण गर्ने निर्णय अनुरूप आर्थिक वर्ष २०७१/७२ गणतन्त्र स्मारक तर्फ मुख्य संरचनाको कार्य सम्पन्नभएको छ । चालु आ.व. को अन्त सम्ममा Electrical, sanitary र Furnishing को काम समेत सम्पन्न हुने अपेक्षा गरिएको छ भने गणतन्त्र स्तम्भ तर्फ Design को काम सम्पन्न भै स्तम्भको साइटमा Replica स्थापना गरिएको छ ।

१०.२८ विश्व बैंकको सहयोगमा सन् २०११ मा शुरू भइ सन् २०१६ को जुलाई सम्म रहने शहरी शासकीय क्षमता विकास कार्यक्रमको कार्यक्षेत्र मेचीनगर, इटहरी, धनकुटा, लेखनाथ, तानसेन र बाग्लुङ नगरपालिका रहेक छन् । यसको मुख्य उद्देश्य शहरी शासकीय क्षमता अभिवृद्धि मार्फत सुशासन प्रवर्धन गर्नु हो । निर्माण गर्न उप-आयोजना छनौट गरी उपरोक्त उद्देश्यको लागि आन्तरिक राजश्व बृद्धि गर्ने, योजना तर्जुमा प्रकृत्यामा सुधार गर्ने, जनसहभागिता परिचालन गर्ने जस्ता कार्य गरी उत्तरदायी र जवाफदेही नगरपालिकाको स्थापना र विकास गर्नु कार्यक्रमको मुख्य उद्देश्य रहेको यो कार्यक्रम शुरू भएको चौथो वर्ष आ.व. २०७१/७२ सम्ममा निम्न कार्यहरु भएको छः

- सामाजिक तथा आर्थिक पूर्वाधारको क्षेत्रमा उल्लेखित नगरपालिकाहरूमा १६ वटा उप-आयोजनाहरूको छनौट गरी खरिद प्रकृत्या शुरू भएको छ । धनकुटामा हाटबजार र लेखनाथमा मन्दारे पार्कको निर्माण कार्य सम्पन्न

भएको छ । उप-आयोजनाहरू मध्य हिले वस पार्क बाहेक अरु सबै परियोजना अवधि भित्र सम्पन्न हुने विश्वास गरिएको छ ।

- इटहरी, धनकुटा र तानसेन नगरपालिकाहरूसंग गत आर्थिक वर्षमै कार्य सम्पादन करार गरी राजश्व सुधार योजना, मर्मत सुधार योजना र लगानी योजनाको कार्यान्वयन भैरहेको छ । बाकी नगरपालिकाहरूसंग पनि यसै आ.व.मा कार्य सम्पादन करार गर्ने योजना रहेको छ ।
- GIZ को सहयोगमा संचालित MST परामर्शदाताको कार्य समाप्त भएकोले निज परामर्शदातालाई मिति २०६९/१०/८ मा पुनः नियुक्त गरिएको छ ।
- कार्य क्षेत्र भित्रको ६ वटा नगरपालिकाहरूको Urban Base Map तयार गर्न नगरपालिकाहरूबाट तथ्यांक संकलनको काम सम्पन्न गरिएको ।

१०.२९ ADB को ऋण तथा अनुदान सहयोगमा नेपालका तराइ भेगमा अव्यवस्थित शहरहरू जनकपुर, धरान, सिद्धार्थनगर र नेपालगञ्जमा शहरी वातावरण पूर्वाधारहरूको विकासका माध्यमबाट शहरवासीहरूको जीवनस्तरमा वृद्धि गर्ने उद्देश्यका साथ जुलाई २०१२ देखि एकीकृत शहरी विकास कार्यक्रम सञ्चालनमा रहेको छ । कार्यक्रमले हाल सम्म शहरी पूर्वाधार विकास सामुदायिक विकास, लैंगिक समानता र सामाजिक समावेशिकरणमा अभिवृद्धि जस्ता क्षेत्रमा काम गरिआएको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा धरान नगरपालिकामा खानेपानी पाइपलाइन निर्माण, सुधार र विस्तारको काम भएको छ भने जनकपुर, सिद्धार्थनगर र नेपालगञ्ज नगरपालिकामा नयां ढल निर्माण तथा विध्यमान ढल प्रणालिमा सुधार, सामुदायिक विकास कार्यक्रम संचालनमा रहेका छन् । त्यस्तै यो कार्यक्रमले लैंगिक समानता र सामाजिक समावेशिकरणको लागि कार्यक्रमले उल्लेखनीय काम गरेको छ ।

सहरी वातावरण तथा जलवायु परिवर्तन

- १०.३० समष्टिगत विकासमा वातावरणीय प्रभाव तथा जलवायु परिवर्तनका समस्या र चुनौतिको उपयुक्त व्यवस्थापन गर्न, वैकल्पिक नवीकरणीय ऊर्जा प्रविधिको दीगो विकास र विस्तार गरी नेपालको ग्रामीण क्षेत्रमा स्वच्छ ऊर्जाको सहज र सरल आपूर्ति गर्न, नवीकरणीय ऊर्जा प्रविधिबाट स-साना उद्योग, व्यवसायहरु सञ्चालन गरी आर्थिक सामाजिक स्थितिमा सुधार ल्याउन तथा हरित सहरी विकासका अवधारणा अनुरूप मानवीय क्रियाकलाप र विकास प्रक्रियालाई वातावरण मैत्री बनाउदै जलवायु परिवर्तनबाट सहरी जनजीवनमा पर्न जाने प्रतिकूल असर न्यून गर्दै स्थानीयस्तरमा जलवायु परिवर्तन सहयोगी कार्यक्रम संचालन हुँदै आएका छन् । जलवायु परिवर्तनबाट प्रतिकूल प्रभाव परेको क्षेत्रलाई ध्यान दिई नेपालले चाल्नु पर्ने कदमको विचार गरी आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा अनुकूल कार्यक्रमलाई प्रवर्द्धन गर्ने, प्रकोप तथा जोखिम न्यूनिकरण, न्युन कार्बन उत्सर्जन र जलवायु अनुकूलनका कार्यक्रमहरु संचालन हुँदै आएका छन् ।
- १०.३१ जलवायु परिवर्तन नीति, २०६७ ले निर्दिष्ट गरे बमोजिम मध्यपश्चिमाञ्चल र सुदुरपश्चिमाञ्चलका १४ जिल्लाका ९० वटा गा.वि.स. र ७ वटा नगरपालिकामा स्थानीय अनुकूलन कार्ययोजना तर्जुमा भइ कार्यान्वयन भइरहेको छ, जसबाट स्थानीय जनताको जलवायु परिवर्तनबाट पर्ने असरबाट बच्ने क्षमताको विकास भै उनीहरुको आर्थिक र सामाजिक स्थितिमा सुधार आउने अपेक्षा गरिएको छ । यस अवधिमा नेपाल सरकारबाट पूरक वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकन निर्देशिका, २०७१ स्वीकृत भई लागू गरिएको छ ।
- १०.३२ जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी संयुक्त राष्ट्रसंघीय संरचना महासन्धीको पक्ष राष्ट्रहरुको २० औं सम्मेलन २०७१ मंसीर १५ देखि २६ गतेसम्म पेरुको राजधानी लिमामा सम्पन्न भइ पहिलो पटक अति कम विकसित राष्ट्रहरुको समूहको २ बर्षे कार्यकालको अध्यक्षको भूमिका नेपालले कुशलतापूर्वक निभाएको छ । नेपालले सो सम्मेलन र महासन्धि अन्तर्गतका विभिन्न अंगहरुमा भएका

वार्ता प्रक्रियाहरूमा सशक्त सहभागिता जनाउँदै नेपालको तर्फबाट पर्वतीय मुद्दालाई उठाएको छ भने नेपाल Adaptation Fund Board मा वैकल्पिक सदस्यको रूपमा मनोनयन भएको छ ।

१०.३३ प्लाष्टिक झोलाले मानव स्वास्थ्य र वातावरणमा पार्ने नकारात्मक असर र प्रभावलाई न्यूनीकरण गर्दै जाने उद्देश्य अनुसार प्लाष्टिक झोला (नियमन तथा नियन्त्रण निर्देशिका), २०६८ मा संशोधन गरी नेपालभर ३० माइक्रोनभन्दा पातला प्लाष्टिक झोलाहरूको उत्पादन आयात, भण्डारण बिक्री वितरण तथा प्रयोगमा रोक लगाएको छ । यसै अवधिमा नेपाल सरकारका कार्यालय परिसर र निवास क्षेत्रलाई प्लाष्टिकको झोलामुक्त क्षेत्र घोषणा गरी यि क्षेत्रमा प्लाष्टिक झोलामाथि प्रतिबन्धित गरिएको छ ।

१०.३४ दिगो उपभोग र उत्पादन सम्बन्धी राष्ट्रिय नीतिको मस्यौदा, जोखिमपूर्ण पदार्थ व्यवस्थापन नीति, २०७१ र जोखिमपूर्ण पदार्थ व्यवस्थापन नियमावली, २०७१ मस्यौदा तयार गरि छलफलको क्रममा रहेका छन । ओजन तहलाई नष्ट गर्ने पदार्थको उत्पादन बिक्री वितरण र खपतमा क्रमिक रूपमा न्यूनीकरण गर्दै जाने राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रियस्तरमा नेपाल सरकारको प्रतिबद्धता अनुसार वातावरण मन्त्रालयले हाइड्रोक्लोफ्लोरो कार्बन विस्थापन कार्यको अनुगमन गरि आएको छ । अस्पतालजन्य फोहोरलाई वातावरण मैत्री तरिकाले उचित विसर्जन गर्न भष्मिकरण प्रविधि प्रयोग हुने इन्सिनिरेटरको सञ्चालन, धुँवा र चिम्लीको उचाइ सम्बन्धी मापदण्ड निर्धारण लगायतका काम यस अवधिमा सम्पन्न गरिएको छ ।

उर्जा खपत

१०.३५ नेपालमा ऊर्जाको माग र उपयोगमा मुलतः परम्परागत स्रोतकै बाहुल्यता रहेको छ । अपार जलसम्पदा र त्यसबाट ऊर्जा उत्पादनको प्रशस्त सम्भावना रहेको भएता पनि जलविद्युत नविकरणीय उर्जा उत्पादनमा उल्लेख्य प्रगति हासिल गर्न नसकेकोले ऊर्जा संकट बढ्दै गएको छ । विगत पाँच वर्षको उर्जाको स्रोत तथा उपयोगको स्थिति देहाय बमोजिम प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका १० (क) : उर्जा खपतको स्थिति

(टन तेल शक्ति बराबर)

| उर्जा स्रोत | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९** | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/०७२* |
|-------------------|---------|---------|---------|-----------|---------|---------|-----------|
| परम्परागत | ८१८५ | ८३४२ | ८५०० | ७०३३ | ८०१७ | ८९८३ | ५९८९ |
| दाउरा | ७३०१ | ७४६७ | ७६०६ | ६२७४ | ७१५३ | ८१५४ | ५४३६ |
| कृषिजन्य अवशेष | २४४ | ३२४ | ३३१ | ३१० | ३५३ | ४०३ | २६९ |
| गोवर, गुँडुठा | ५४० | ५५१ | ५६३ | ४४८ | ५११ | ४२६ | २८४ |
| व्यपारिक | ११३९ | १४६४ | १५८० | १६७८ | १८५५ | १९५८ | १५५६ |
| कोइला | १८१ | २८६ | २९३ | ३४८ | ४१५ | ३२० | ४२० |
| पेट्रोलियम पदार्थ | ७७५ | ९६५ | १०५८ | १०८३ | ११८२ | १२६४ | ८७८ |
| विद्युत | १८२ | २१३ | २२९ | २४८ | २५७ | ३७४ | २५८ |
| नवीकरणीय | ६४ | ७० | ७५ | १०९ | १६६ | २९१ | २३६ |
| जम्मा | ९३८८ | ९८७६ | १०१५५ | ८८२० | १००३८ | ११२३२ | ७७८१ |

* प्रथम आठ महिनाको

** सर्वे तथ्याङ्कमा आधारित

स्रोत: जल तथा उर्जा आयोगको सचिवालय ।

१०.३६ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा उर्जा खपत ७ हजार ७ सय ८१ टन तेल शक्ति बराबर पुगेको छ । परम्परागत, व्यपारिक र नवीकरणीय उर्जा खपतको अनुपात क्रमशः ७६.९७ प्रतिशत, २०.५२ प्रतिशत र ३.०३ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यो अनुपात क्रमशः ७९.९७ प्रतिशत, १७.४३ प्रतिशत र २.६ प्रतिशत रहेको थियो । यसबाट परम्परागत उर्जा माथिको नेपाली अर्थतन्त्रको उच्च निर्भरता यथावत कायम रहेको देखिन्छ ।

१०.३७ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा कुल उर्जाको खपत मध्ये दाउराबाट ७२.६० प्रतिशत, कृषिजन्य अवशेषबाट ३.५७ प्रतिशत र पशुजन्य अवशेषबाट ३.८० प्रतिशत खपत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनामा सो अनुपात दाउराबाट ६९.८७ प्रतिशत, कृषिजन्य अवशेषबाट ३.४६ प्रतिशत र पशुजन्य अवशेषबाट ३.६५ प्रतिशत रहन गएको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा कुल उर्जा खपत पेट्रोलियम पदार्थको अंश ११.२५ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा सो अनुपात ११.२८ पुगेको छ ।

कोइला खपत

१०.३८ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा काइला खपत ३ सय २० टन तेलशक्ति बराबर रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनामा ४ सय १९ टन तेलशक्ति बराबर पुगेको छ ।

विद्युत आपूर्ति

१०.३९ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा कूल विद्युत उत्पादन ७४६ मे.वा. रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनामा विद्युत उत्पादन ४.८९ प्रतिशतले बढेर ७८२.४५ मे.वा. पुगेको छ ।

१०.४० प्रसारण लाइन तर्फ समिक्षा अवधि सम्म १९८७.३६ कि.मि पुगेको छ । विद्युत उपयोग गर्ने ग्राहकको संख्या उल्लेख्य बढेर यस अवधिमा २७ लाख ८९ हजार ६ सय ७८ पुगेको छ । समिक्षा अवधिमा विद्युत वितरण लाइन १ लाख १६ हजार ९० किलोमिटर पुगेको छ । चालु आ.व.मा विद्युतको उच्चतम माग १२९१.१ मे.वा. रहे पनि उत्पादन मात्र ७८२.४५ मे.वा. रहदा आपूर्ति Gap ५०८.६५ मे.वा. रहेको छ जुन आवश्यक भन्दा ४० प्रतिशतले कम हो ।

तालिका १० (ख) : विद्युत माग, खपत, उत्पादन एवं भौतिक संरचना

| क्र.सं. | विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | |
|---------|-----------------------------|-------------|----------|-----------|-----------|-----------|
| | | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/०७२* |
| १ | उत्पादन (मे.वा.) | ६९७.८५ | ७०५.५७ | ७४६ | ७४६ | ७८२.४५ |
| २ | प्रसारण लाइन (किलोमिटर) | १९१७.६२ | १९८७.३६ | १९८७.३६ | १९८७.३६ | १९८७.३६ |
| ३ | ग्राहक संख्या | १८५४२७५ | २०५३२५९ | २५९९१५२ | २७१३८०४ | २७८९६७८ |
| ४ | वितरण लाइन (किलोमिटर) | ८९१०८.८६ | ९५८१५.९८ | ११४१६०.४० | ११६०६६.६४ | ११६०९०.६४ |
| ५ | उपलब्ध उर्जा (गि.वा.आ.) | ३३८९.२७ | ३८५८.३७ | ४२६०.४५ | ३०९२.४७ | ३२२८.९ |
| ६ | उच्चतम माग (मे.वा.) | ९४६.१ | १०२६.०० | १०९४ | १२००.९८ | १२९१.१ |
| ७ | माग-आपूर्ति Gap (मे.वा.) | २४८.२५ | (३२०.४३) | ३४८ | (४५४.९८) | ५०८.६५ |

* प्रथम आठ महिनाको

स्रोत: उर्जा मन्त्रालय ।

- १०.४१ चालु आ.व. २०७१/७२ को यस अवधिमा मा नेपाल विद्युत प्राधिकरण तथा निजी क्षेत्रका जलविद्युत कम्पनीहरूलाई थप १३४ मेगावाट जडित क्षमता बराबरको ६ वटा ठुला र साना जलविद्युत आयोजनाहरूको विद्युत उत्पादनको अनुमतिपत्र प्रदान गरिएको छ । सर्भेक्षणको लागि यस आ.व. मा साना ठुला गरी जम्मा २२९ मेगावाटको १२ वटा अनुमतिपत्र जारी गरिएको छ । साथै प्रशारणको लागि सर्भेक्षण अनुमतिपत्र १२ र उत्पादनको लागि ३ वटा अनुमतिपत्रहरू जारी गरिएका छन् ।
- १०.४२ विद्युत विकास विभागबाट सञ्चालित जल विद्युत आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन कार्यक्रम अन्तर्गत करिब १८ साना, ठुला, बहुउद्देशीय योजनाहरूको पहिचान, पूर्व सम्भाव्यता अध्ययन तथा बिस्तृत इन्जिनियरिंग डिजाइन, गर्ने कार्य चालु रहेको छ । यस अवधिमा वुढीगंगा जलविद्युत आयोजना निर्माणको लागि विस्तृत इन्जिनियरिङ तथा वातावरणीय अध्ययनको लागि अन्तराष्ट्रिय परामर्शदाता छनौट भई सकेको र पंचेश्वर बहुउद्देशीय आयोजना निर्माण गर्न पंचेश्वर विकास प्राधिकरणको विधान तयार गरि कार्यकारी समिति समेत गठन भै सकेको छ भने आयोजनाको विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन (DPR) अद्यावधिक गर्ने कार्य शुरू गरिएको छ । सप्तकोशी बहुउद्देशीय आयोजना अन्तर्गत नेपाल भारत संयुक्त कार्यालय स्थापना भइ Field Investigation कार्य सामान्यतः सञ्चालनमा रहेको छ ।
- १०.४३ "जनताको जलविद्युत जनताको लगानी"को अवधारणा अन्तर्गत आ.व. २०७१/७२ मा माडी जल विद्युत आयोजना र मौवा जल विद्युत आयोजना अगाडी बढाउन कम्पनी दर्ता गर्ने प्रकृत्यामा रहेको छ । यस अवधिमा नेपाल विद्युत प्राधिकरणलाई व्यवसायिक रूपमा सबल, सक्षम र चुस्त बनाउन प्राधिकरणको संरचनागत सुधारको कार्य पनि थालनी गरिएको छ । साथै आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा नेपाल विद्युत प्राधिकरण अन्तर्गत अध्ययन गर्ने कार्यक्रमहरूमा जलाशययुक्त आयोजनाहरूको अध्ययन कार्यलाई प्राथमिकतामा राखिएको छ । यस अवधिमा नेपालको राष्ट्रिय उर्जा खपत र आपूर्ति सर्वेक्षण, २०६८/६९ अनुसार नेपाल सरकार र विद्युत प्राधिकरणको संयुक्त प्रयासमा Energy Planning को काम भैरहेको छ ।

१०.४४ प्रशरण लाईन तर्फ १३२ के.भी तथा अन्य भोल्टेजस्तरका प्रशरण लाइन विस्तार आयोजनाहरुतर्फ ४७ वटा, वितरण आयोजनाहरु ८२ वटा र विविध आयोजनाहरु तर्फ २ वटा समेत जम्मा १९८७.३६ कि.मि. प्रशरण लाइन निर्माण आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा सम्पन्न गर्न सकिएको छ ।

पेट्रोलियम पदार्थ उपयोग

१०.४४ ऊर्जाको महत्वपूर्ण स्रोतको रूपमा रहेको पेट्रोलियम पदार्थको खपत दिनानुदिन बढ्दै गएको छ । तर पेट्रोलियम पदार्थ आपूर्ति सहज एवं सर्वसुलभ बनाउन सकिएको छैन । पेट्रोलियम पदार्थको आपूर्ति तथा वितरणलाई व्यवस्थित गरी उपभोक्तालाई सर्वसुलभ बनाउन नीतिगत र संस्थागत प्रयास गरिँदै आए तापनि यसको प्रभावकारी व्यवस्था गर्नु चुनौतीको रूपमा रहेको छ । पेट्रोलियम पदार्थको विगत वर्षहरुको खपत विवरण देहाय अनुसार रहेको छ ।

तालिका १० (ग) : पेट्रोलियम पदार्थको खपत विवरण

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | २०७१/०७२ मा कुल पेट्रोलियम पदार्थको खपत प्रतिशत* |
|-------------------------------------|-------------|---------|---------|---------|-----------|--|
| | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/०७२* | |
| पेट्रोल (कि.लि) | १८७६४० | १९९७४८ | २२१६७६ | १६१२९५ | १८४२३९ | १३.१० |
| डिजेल (कि.लि) | ६५५१२७ | ६४८५१३ | ७१६७४७ | ४८९४३८ | ९४९२७९ | ६७.५३ |
| मट्टीतेल (कि.लि) | ४९४९४ | ४१८०८ | २४७२१ | १२७०८ | १२१३४ | ०.८६ |
| लाइट डिजेल आयल (LDO) (कि.लि) | २२७ | - | २५८ | - | - | - |
| फर्नेस आयल (कि.लि) | १४१५ | ४३५ | २४५० | - | १८६ | ०.०१ |
| हवाई इन्धन (ATF) (कि.लि) | १०१३१४ | १०९८०८ | ११५७८६ | ८२७३५ | ९३७८८ | ६.७० |
| एल.पी. ग्यास (मे.टनमा) | १५९२८६ | १८१४४६ | २०७०३८ | १५१२११ | १६५९७५ | ११.८० |
| मिनेरल टरपेन्टाइन आयल (MTO) (कि.लि) | - | - | - | - | - | - |
| जम्मा | ११५२८६१ | ११८१३२३ | १२८८६७६ | ८९७३८७ | १३९५६०१ | १०० |

* प्रथम आठ महिनाको

स्रोत: नेपाल आयल निगम ।

- १०.४६ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा पेट्रोलियम पदार्थको खपत ५५.१२ प्रतिशतले वृद्धि भई १३ लाख ९५ हजार ६ सय १ किलो लिटर रह्यो भने एल.पी. ग्याँसको खपत ९.७६ प्रतिशतले वृद्धि भई १ लाख ६५ हजार ९ सय ७५ मेट्रिक टन पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रथम आठ महिनामा पेट्रोलियम पदार्थ र एल.पी. ग्याँस खपत क्रमशः ८ लाख ९७ हजार ३ सय ८७ किलोलिटर र १ लाख ५१ हजार २ सय ११ मेट्रिक टन रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा पेट्रोलियम पदार्थको खपत ५५.१२ प्रतिशतले वृद्धि भई १३ लाख ९५ हजार ६ सय १ किलो लिटर र एल.पी. ग्याँसको खपत ९.७६ प्रतिशतले वृद्धि भई १ लाख ६५ हजार ९ सय ७५ मेट्रिक टन पुगेको छ ।
- १०.४७ पेट्रोलियम पदार्थहरूको खपतको अधिकांश हिस्सा डिजेल, मट्टितेल, पेट्रोल र हवाई इन्धनले ओगटेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा एल.पि. ग्याँसबाहेक पेट्रोलियम पदार्थको खपतमा डिजेल, मट्टितेल, पेट्रोल र हवाई इन्धनको अंश क्रमशः ५४.५५ प्रतिशत, १.४२ प्रतिशत, १७.९८ प्रतिशत र ९.२२ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनाको खपतलाई हेर्दा सो अनुपात डिजेलको ६७.५३ प्रतिशत, पेट्रोलको १३.१० प्रतिशत, मट्टितेलको ०.८६ प्रतिशत र हवाई इन्धनको ६.७० प्रतिशत रहेको छ ।
- १०.४८ नेपाल आयल निगमले नेपाल राज्यभर कम्तिमा १ (एक) महिनालाई पुग्ने बराबरको पेट्रोलियम पदार्थको भण्डारण क्षमता विस्तार गरी भण्डारण गरी राख्ने, डिजलको शुद्धता कायम राख्न सोमा मूल्य अभिवृद्धि कर रहित मट्टितेलको मिसावट र अपचलन रोक्न डिजल र मट्टितेलको मूल्य समान राख्ने, ब्यवस्थालाई निरन्तरता दिएको छ। त्यसै गरी निगमले हालको एल.पी ग्यास लगायत पेट्रोलियम पदार्थ ढुवानी प्रक्रियालाई प्रतिस्पर्धात्मक बनाउन टेण्डर प्रक्रियाबाट पेट्रोलियम पदार्थ ढुवानी गराउने सम्बन्धी प्रक्रियालाई अगाडि बढाएको र व्यवसायिक प्रयोजनको लागि नीलो रङ्गको ग्याँस सिलिण्डर प्रचलनमा ल्याई दैनिक प्रयोगको लागि लागत मूल्यमा एल.पि. ग्याँस विक्रि वितरण गर्ने प्रक्रिया कार्यान्वयनमा ल्याएको छ ।
- १०.४९ पेट्रोलियम पदार्थ पाइपलाईन निर्माणसम्बन्धी कार्य अगाडि वढाउन र सोको प्रारूप र योजना तयार गरी यस क्षेत्रका विज्ञ, ईण्डियन आयल कर्पोरेशनसँग परामश गर्ने काम भइरहेको छ । नेपाल आयल निगमको वर्तमान भण्डारण

क्षमता वृद्धि तथा डिपो मर्मत सुधार आदिको कार्य गर्न हाल निगमसँग रहेको स्रोत र साधनहरू प्रयोग गरी उक्त कार्य अगाडि बढाइएको छ ।

व्यवस्थित शहरको विकासमा देखिएका चुनौति र समस्याहरू

- १०.५० संविधान निर्माणको काम चाडो सम्पन्न गरि संघीय शासनको मर्म र भावना अनुसार स्थानीय निर्वाचन मार्फत नगरपालिकाहरूमा जनप्रतिनिधिको चयन गरी निर्वाचित निकायलाई स्थानीय जनताप्रति उत्तरदायी र जवाफदेही बनाउदै नगरपालिकाहरूमा सुशासन प्रवर्द्धन गर्ने काम चुनौतिपूर्ण देखिएको छ ।
- १०.५१ नेपाल सरकारको कार्य विभाजन नियमावलीले नगरपालिकाहरूलाई सहरी विकास मन्त्रालयको कार्य क्षेत्र भित्र समेटेको भए पनि व्यवहारमा शहरी योजना र भौतिक पूर्वाधार विकासमा शहरी विकास मन्त्रालय तथा सुशासन र प्रशासन जस्ता क्षेत्रमा संघीय मामिला तथा स्थानीय विकास मन्त्रालय कृयाशिल रहदा काममा दोहोरोपना देखिएको छ ।
- १०.५२ प्राकृतिक हिसावले उच्च जोखिममा रहेको नेपालका सहरी क्षेत्रमा बन्ने पूर्वाधार संरचनालाई स्वीकृत मापदण्ड अनुसार जोखिम मुक्त बनाउन गरिने नियमनलाई अरु प्रभावकारी बनाउने विषय थप चुनौतिपूर्ण बन्दै गएको छ ।
- १०.५३ सहरी क्षेत्रमा भूउपयोग नीतिको पालना गराउन नसकिनु, सहरी पूर्वाधार प्राकृतिक प्रकोपको सामना गर्न सक्ने गरि मापदण्ड अनुकूल निर्माण नगरिनु, मानवीय आवश्यकता पुरा गर्दा वातावरणीय प्रतिकुलताप्रति सचेत, सजग र संवेदनशिल नबन्नु यस क्षेत्रका समस्याका रूपमा रहेका छन् ।
- १०.५४ मुलुकको उर्जा मागलाई संबोधन गर्ने विषय अत्यन्त चुनौतिपूर्ण र जटिल बनेको छ । परम्परागत उर्जाले वातावरण विनास गरेको छ भने पेट्रोलियम पदार्थको आयातले व्यपार घाटा उच्च बनाएको छ । अर्थतन्त्रको गतिशिलताको लागि यि विषयहरू सम्बोधन गर्न आवश्यक छ ।

११. यातायात तथा संचार

सडक यातायात

११.१ आर्थिक बर्ष २०७०/७१ मा ११ सय ८० किलोमिटर माटे सडक, ६ सय ८५ किलोमिटर खण्डास्मित तथा ४ सय ६७ किलोमिटर कालोपत्रे सडक स्तरोन्नती भएकोमा आर्थिक बर्ष २०७१/७२ को फागुनसम्ममा ३ सय ३४ किलोमिटर माटे सडक, १ सय ३६ किलोमिटर खण्डास्मित तथा १ सय ५१ किलोमिटर कालोपत्रे सडक स्तरोन्नती भएको छ । त्यस्तै, यस आर्थिक बर्षको फागुनसम्ममा ८ हजार २ सय किलोमिटर सडक नियमित तथा पटके मर्मत संभार सम्पन्न भएको छ ।

तालिका ११ (क) : सडक सुविधा विस्तारको स्थिति

| सि.नं. | बिबरण | ईकाई | आर्थिक बर्ष | | |
|--------|------------------------------|--------|-------------|---------|----------|
| | | | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| १ | नयाँ सडक निर्माण | कि.मी. | ८७६ | ११८० | २३१ |
| २. | खण्डास्मित स्तरमा स्तरोन्नति | कि.मी. | ६२० | ६८५ | १०६ |
| ३. | कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति | कि.मी. | ४६७ | ५३८ | १५२ |
| ४. | सडक मर्मत (नियमित तथा पटके) | कि.मी. | ७७५७ | ८२०० | ८९०० |
| ५. | आवधिक मर्मत | कि.मी. | ४२९ | ४०० | ६५ |
| ६. | पुल निर्माण | गोटा | ६३ | ७२ | २३ |
| ७. | जिल्ला सदरमुकाम जोड्ने | संख्या | १ (मुगु) | | |

श्रोत: सडक विभाग

* २०७१/७२ को प्रथम ८ महिनाको

११.२ आर्थिक बर्ष २०७०/७१ को अन्त्यसम्ममा सडक बिभाग मार्फत मुलुकभर सामरिक सडक संजाल र स्थानीय सडक संजाल गरी कालोपत्रे ११ हजार १ सय ९७ किलोमिटर, खण्डास्मित ६ हजार ८६ किलोमिटर र कच्ची सडक ९ हजार १ सय ६३ किलोमिटर गरी जम्मा २६ हजार ४ सय ४६ किलोमिटर सडक निर्माण भएकोमा आर्थिक बर्ष २०७१/७२ को फागुनसम्ममा कालोपत्रे ११ हजार ३ सय ४९ किलोमिटर, खण्डास्मित ६ हजार १ सय ९२ किलोमिटर र कच्ची सडक ९

हजार ३ सय ९४ किलोमिटर गरी कुल लम्बाई २६ हजार ९ सय ३५ किलोमिटर पुगेको छ ।

तालिका ११ (ख) : सडक विभागबाट बनाईएका सडक सुविधाको विस्तार

(किलोमिटरमा)

| सि.नं. | बिबरण | आर्थिक वर्ष | | | | |
|--------|------------|-------------|---------|----------|--------------|---------------|
| | | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | २०७१/७२ सम्म | |
| | | | | | जम्मा | अंश (प्रतिशत) |
| १. | कालोपत्रे | १०६५९ | १११९७ | १५२ | ११३४९ | ४२.१३ |
| २. | खण्डास्मित | ५९४० | ६०८६ | १०६ | ६१९२ | २२.९९ |
| ३. | कच्चि सडक | ८६६६ | ९१६३ | २३१ | ९३९४ | ३४.८८ |
| | जम्मा | २५२६५ | २६४४६ | ४८९ | २६९३५ | १०० |

श्रोत: सडक विभाग

* प्रथम आठ महिनाको ।

११.३ सडक विभाग अन्तर्गत वाहेक स्थानीयस्तरमा संचालन गरिने पूर्वाधार विकास निर्माण एवं संचालन र मर्मत सम्भार सम्बन्धी आयोजना, परियोजना तथा कार्यक्रमहरु अन्तर्गत स्थानीय निकायहरुबाट सडक सुविधा विस्तार र निर्माण कार्य समेत हुने गरेको छ ।

तालिका ११ (ग) : स्थानीय निकायबाट बनाइएका ग्रामीण सडकको विवरण

(किलोमिटरमा)

| सडकको विवरण | आर्थिक वर्ष | | |
|------------------|-------------|---------|-------|
| | २०७०/७१ | २०७१/७२ | जम्मा |
| धुले (कच्ची) सडक | ३८७६८ | १३० | ३८८९८ |
| ग्राभेल सडक | १२४२५ | १२३ | १२५४८ |
| कालोपत्रे सडक | १६९० | ७ | १६९७ |
| जम्मा | ५२८८३ | २६० | ५३१४३ |

जिल्ला र गाउँ जोड्ने सडकको समग्र विवरण

| विवरण | जम्मा | सर्व याम सडक (All Weather) | मौसमी सडक (Fair Weather) |
|--------------------------------|-------|----------------------------|--------------------------|
| जिल्ला सडक मुख्य संजाल | २३१९३ | ७२९० | १५९०२ |
| गाविस केन्द्र जोड्ने सडक संजाल | २९६९१ | ६८२५ | २२८६६ |
| जम्मा | ५२८८३ | १४११५ | ३८७६८ |
| प्रतिशत | १०० | २७ | ७३ |

स्रोत: सङ्घीय मामिला तथा स्थानीय विकास मन्त्रालय एवं स्थानीय पूर्वाधार विकास तथा कृषि सडक विभाग ।

सवारी साधन

११.४ आर्थिक वर्ष २०४६/४७ देखि २०७०/७१ को अन्त्यसम्ममा जम्मा १७ लाख ५५ हजार ८ सय २१ वटा सवारी साधन रहेकोमा चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिना सम्ममा १ लाख ६९ हजार ६ सय १३ नयाँ सवारी साधन दर्ता भई सवारी साधनहरूको कुल जम्मा संख्या १९ लाख २५ हजार ४ सय ३४ पुगेको छ । चालु आर्थिक वर्षमा गत आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनाको तुलनामा ३०.४७ प्रतिशतले सवारी साधनको संख्यामा बृद्धि आएको छ ।

तालिका ११ (घ) : सवारी साधनहरूको दर्ता संख्या

| किसिम | आर्थिक बर्ष | | | | |
|----------------------------|---------------------------|---------|---------|---------|-----------------------|
| | २०४६/४७ देखि २०७०/७१ सम्म | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ को फागुन सम्म |
| बस | ३२९१४ | २०८५ | ३२६३ | २७७६ | २३७५ |
| मिनिबस/मिनिट्रक | १४७१९ | ११७० | १३२८ | १४१२ | १२८८ |
| क्रेन/डोजर/ एस्काभेटर/ट्रक | ५२९८१ | १३३३ | ३३३२ | २७८९ | २४६७ |
| कार/जीप/भ्यान | १५०१०७ | ८७११ | ९५९५ | ११३७२ | ९०५४ |
| पिकअप | २३८३९ | २९८१ | ५४२२ | ५६६८ | ३७०३ |
| माइक्रो बस | २८१४ | १५५ | १५८ | १७८ | ६११ |
| टेम्पो | ७५२७ | १० | ५७ | १७ | ९१४ |
| मोटरसाईकल | १३७१२०६ | १४५१३५ | १७५३८१ | १६३९४५ | १४२२४१ |
| टेक्टर/पावर टिलर | ९३१७३ | ८४१३ | ९७९५ | १००७० | ६९११ |
| अन्य | ६५४३ | ९१ | १५२ | ११६ | ४९ |
| जम्मा | १७५५८२१ | १७००८४ | २०८४८३ | १९८३४३ | १६९६१३ |

| किसिम | आर्थिक बर्ष | | | | हाल सम्मको |
|-------------------------------|---------------------------|----------|----------|----------|------------|
| | २०४६।४७ देखि २०७०।७१ सम्म | २०६९।७०* | २०७०।७१* | २०७१।७२* | |
| बस | ३२९१४ | २०४० | १४५६ | २३७५ | ३५२८९ |
| मिनिबस/ मिनिट्रक | १४७१९ | ९३३ | ७१६ | १२८८ | १६००७ |
| क्रेन/डोजर/ एस्काभेटर/ट्रक | ५२९८१ | २२३४ | १६८२ | २४६७ | ५४४४८ |
| कार/जीप/भ्यान | १५०१०७ | ६२७९ | ७३८९ | ९०५४ | १५९१६१ |
| पिकअप | २३८३९ | ३४९४ | ३७७२ | ३७०३ | २७५४२ |
| माइक्रो बस | २८१४ | ९३ | ७३ | ६११ | ३४२५ |
| टेम्पो | ७५२७ | ५२ | ५ | ९१४ | ८४४१ |
| मोटरसाईकल | १३७१२०६ | १२११८२ | १०८९११ | १४२२४१ | १५१३४४७ |
| टेक्टर/पावर टिलर | ९३१७१ | ५९५४ | ५९३० | ६९११ | १०००८२ |
| अन्य | ६५४३ | १६६ | ६६ | ४९ | ६५९२ |
| जम्मा | १७५५८२१ | १४२४२७ | १३०००० | १६९६१३ | १९२५४३४ |

श्रोत: सडक विभाग

* विगत ३ आ.व. को प्रथम आठ महिनामा दर्ता भएका सवारी साधनको विवरण

- ११.५ सडक दुर्घटना न्यूनीकरण गर्न यातायात सुरक्षा कार्य योजनालाई उच्च प्राथमिकतामा राखी कार्य गरिएको छ। साथै, सवारी साधनको जाँचपास कार्यलाई वैज्ञानिक र व्यवस्थित बनाउन काठमाडौंको टेकुमा स्थापना गरिएको भेहीकल फिटनेस टेष्ट सेन्टर कार्य सञ्चालन प्रारम्भ हुने स्थितिमा रहेको छ ।
- ११.६ सवारी दर्ता प्रमाणपत्र र सवारी चालक अनुमतिपत्रलाई ईलेक्ट्रोनिक स्मार्ट कार्डमा परिवर्तन गर्न Data Migration का साथै १ लाख ६० हजार स्मार्ट कार्ड छपाईको कार्य प्रारम्भ भएको छ ।
- ११.७ सवारी साधनको नम्बर प्लेटलाई इम्बोस्ड नम्बर प्लेटमा परिणत गर्न प्लेटको डिजाइन, उपयुक्त प्रविधिको सिफारिस, लागत र प्रक्रियाका साथै प्रचलित कानूनमा गर्नुपर्ने संशोधन सम्बन्धि कार्य भैरहेको छ ।

- ११.८ चालकले पालना गर्नुपर्ने शर्तहरू ५ पटक भन्दा बढी उल्लंघन गरेको प्रमाणित भएमा अधिकार प्राप्त अधिकारीले त्यस्तो चालकको अनुमतिपत्र ६ महिनासम्मको लागि निलम्बन गर्न सक्ने, सवारी तथा यातायात व्यवस्था ऐन, २०४९ मा भएको व्यवस्था कार्यान्वयनमा ल्याइएको छ । यातायात व्यवस्था कार्यालय, अन्तर्गतका सवारी चालक अनुमतिपत्र कार्यालयमा सि.सि. क्यामेरा जडान तथा लेआउट निर्माण गरिएको छ । सवारी चालक अनुमतिपत्रको नतिजा वेवसाईड राख्ने व्यवस्था मिलाइएको छ ।
- ११.९ चालु आर्थिक वर्षको फागुन मसान्तसम्म ३६,२३८ सवारी चालक अनुमतिपत्र वितरण भई हालसम्म कूल २१,७३,३७९ सवारी चालक अनुमतिपत्र वितरण भएको छ । चालु आर्थिक वर्षको फागुन मसान्तसम्म १,४५,२५४ सवारी साधन दर्ता भई हालसम्म कूल १९,०१,०७५ सवारी दर्ता भएका छन् । यस आ.व.को फागुन मसान्तसम्म ७ अर्ब ५३ करोड ११ लाख ८३ हजार राजश्व संकलन भएको छ ।

नागरिक उड्डयन

- ११.१० सुलभ, सुरक्षित, भरपर्दो, र नियमित हवाई तथा स्थल यातायातको माध्यमद्वारा पर्यटन क्षेत्रको विकास, विस्तार र प्रवर्धन गर्ने तथा पर्यटन क्षेत्रको पूर्वाधार विकासमा अहम भुमिका खेल्ने हवाई सेवालाई सुरक्षित, नियमित र भरपर्दो बनाउने संस्कृति पर्यटन तथा नागरीक उड्डयन मन्त्रालयको नीति बमोजिम नागरिक उड्डयन क्षेत्रमा विभिन्न कार्यक्रमहरू संचालन गरिएका छन् ।
- ११.११ अन्तराष्ट्रिय नागरिक उड्डयन संघ (ICAO) द्वारा सन् २००९ मा नेपालमा गरिएको USOAP Audit का क्रममा औँल्याएका कमी कमजोरी सुधार गर्न तयार गरिएको कार्य योजनाको प्रगति मूल्याङ्कन गर्न आएको ICAO को ICVM Validation Mission ले AOC Revalidation Process मा समस्या भएको बताउँदै यस प्रति गम्भिर चासो व्यक्त गरी औँल्याएका AOC Validation को Deficiency लाई आधार मानेर European Commission ले नेपालका सम्पूर्ण वायुसेवा कम्पनीहरूलाई गत बर्ष लगाएको बन्देजको सम्बन्धमा उडान सुरक्षाको अभिवृद्धिका लागि आवश्यक ठानिएका Component of Capability (Primary Legislation, Working Regulation,

Organization, Skilled Manpower, Resource Authority, Sustainability and Enforcement) सम्बन्धी विषयहरू सन्तोषजनक रहेको कुरा स्वयं युरोपेली कमिशनका पदाधिकारीहरूले स्वीकार गरेका छन् ।

- ११.१२ हालसम्म नेपालमा ६ वटा निर्माणाधीन (कालिकोट, ओखलढुंगा खिजी चन्डेश्वरी, लम्जुङको शितलेस्वारा, गुल्मिको सिमिचौर, ईलामको सुकीलुम्बा र अर्घाखांचीको अर्धभगवती) समेत गरी ५६ वटा विमानस्थल रहेकोमा ३२ वटा विमानस्थलमा नियमित हवाई सेवा संचालन भएको छ ।
- ११.१३ मुलुकका विमानस्थलको स्तरोन्नती कार्यक्रम अन्तर्गत यस वर्ष रुकुमको सल्ले बाजुरा, दाङ्ग, फाप्लु, रुम्जाटार विमानस्थलको धावनमार्ग कालोपत्रे गर्ने कार्य सम्पन्न भइसकेको छ, भने ताप्लेजुङ मनमाया राई खानीडाँडाँ, डोल्पा जुफाल, रामेछाप, रुकुम चौरजहारी, मुगु रारा, भोजपुर, र ताप्लेजुङ विमानस्थलहरूको धावन मार्ग कालोपत्रे गर्ने कार्य हुनुका साथै ईलामको फाल्गुनानन्द विमानस्थलमा रनवे स्ट्रिप तयार भै टेस्ट ल्याण्डिङको तयारीमा रहेको छ।
- ११.१४ विमानस्थल सुरक्षा व्यवस्थालाई सुदृढ गर्न एअर कार्गो भवनमा Cargo x-ray Machine अन्तराष्ट्रिय टर्मिनल भवनमा Baggage x-ray Machine लगायत बायुयानबाट निस्कने फोहोरको समेत x-ray गरी बाहिर निकाल्ने व्यवस्थाका लागि x-ray Machine जडान गरिएको छ ।
- ११.१५ Air Traffic Service (ATS) सेवा सुविधामा सुदृढीकरण तथा स्तरोन्नती गर्नका लागि ATS Automatic Runway Visual Range(ARVA) र Ceilometers जडान गरी संचालनमा ल्याईएको छ ।
- ११.१६ त्रिभुवन अन्तराष्ट्रिय विमानस्थल बाहेक थप ४ विमानस्थललाई रात्री उडान योग्य बनाइनुका साथै सिमरा, गौतमबुद्ध र नेपालगंज विमानस्थलमा सन् १९९४ देखि संचालनमा राखिएका DVOR/DME पथप्रदर्शन प्रणाली सम्बन्धी उपकरणको स्तर बृद्धि गरी DVOR/DME पथप्रदर्शन सेवालाई थप सुदृढ र भरपर्दो बनाइएको छ ।
- ११.१७ अन्तराष्ट्रिय टर्मिनल भवनमा नयाँ स्टेराईल हल थप गर्ने तथा आगमन तर्फ थप व्यागेज कन्वेयर वेल्ड सहित भवन विस्तार गर्ने गरी त्रिभुवन अन्तराष्ट्रिय विमानस्थलको Air Side तथा Land Side को स्तरोन्नति गर्नुका साथै सिमिकोट र रारा विमानस्थलमा मौसमी उपकरण तथा हिँउ हटाउने उपकरण प्राप्त गर्ने

योजना अनुसार कार्य भैरहेको छ भने त्रिभुवन अन्तराष्ट्रिय विमानस्थलमा CNS/ATM प्रणालीको सुधार संचार तथा मौसमी उपकरणहरू जडान ATC Automation र लुकलामा Landing Aid जडान गर्ने कार्य सम्पन्न भएको छ ।

११.१८ त्रिभुवन अन्तराष्ट्रिय विमानस्थलमा Performance Based Navigation प्रणाली अन्तर्गतको Required Navigation Performance Authorization Required Approach Procedure २०१२ देखि लागु भएपछि कतार, कोरियन, सिल्क Druk तथा Turkish Air ले यस प्रणालीबाट अवतरण गराई रहेका र मलेसियन एअरलाईन्सले सो का लागि नागरिक उड्डयन प्राधीकरणबाट अनुमती पाईसकेको छ ।

तालिका ११ (ड) : नागरिक उड्डयन सम्बन्धी बिबरणहरू

| सूचकहरू | २०७० फागून सम्मको अवस्था | २०७१ फागून सम्मको अवस्था |
|---|--------------------------|--------------------------|
| अन्तर्राष्ट्रिय उडान गर्ने नेपाली वायुसेवाको संख्या | २ | २ |
| नेपालमा उडान गर्ने अन्तर्राष्ट्रिय वायुसेवाको संख्या | २९ | २६ |
| द्विपक्षिय हवाई सेवा सम्झौता भएका देशहरूको संख्या | ३६ | ३६ |
| द्वितर्फी हवाई सिट संख्या | ५८५०००० | ६५०००० |
| आन्तरिक उडान गर्ने वायुसेवा (Fixed wing + Rotor wing) को संख्या | १७ | १७ |
| अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थलको संख्या | १ | १ |
| आन्तरिक विमानस्थलको संख्या | ५४ | ५६ |
| सबै मौसममा संचालन हुने विमानस्थलको संख्या | २० | २० |
| संचालनमा रहेका कुल विमानस्थलको संख्या | ३५ | ३२ |

श्रोत: नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण

रेल यातायात

११.१९ नेपालमा रेलमार्ग तथा मेट्रो यातायातको पहिचान, विकास विस्तार एवं संचालनको लागि आर्थिक वर्ष २०६७/६८ मा रेल विभागको स्थापना भई रेल्वे तथा मेट्रो विकास आयोजना मार्फत मेची महाकाली विद्युतीय रेलमार्ग, भारतीय सहयोगको रेल परियोजना लगायतका कार्यक्रमहरु अघि बढाइएको छ। मेची महाकाली विद्युतीय रेलमार्ग अन्तर्गत सिमरा बर्दिबास खण्ड (१०८ कि.मी.), तम्सरिया बुटवल खण्ड (६५ कि.मी.), विरगंज सिमरा लिंक (२६ कि.मी.) र बुटवल भैरहवा लुम्बिनी लिंक (४२ कि.मी.) को विस्तृत अध्ययन प्रतिवेदन तयार गर्ने कार्य सम्पन्न भएको छ । यी आयोजनाहरुको कार्यान्वयन पश्चात सार्वजनिक यातायातमा सहजता आउने एवं रोजगारी सिर्जना हुने र आर्थिक क्रियाकलापमा वृद्धि भई राष्ट्रिय अर्थतन्त्रमा उल्लेखनीय योगदान पुग्ने अपेक्षा गरिएको छ।

सूचना तथा सञ्चार

११.२० सूचना तथा सञ्चार मन्त्रालय अन्तर्गत मूलतः हुलाक सेवा, दूरसञ्चार सेवा, मुद्रण सेवा, छापा तथा विद्युतीय सञ्चार र चलचित्र क्षेत्र पर्दछन् । राष्ट्रिय सूचना आयोगको सम्पर्क मन्त्रालयको रूपमा सूचना तथा सञ्चार मन्त्रालय रहेको छ । सूचना र प्रविधिको मेरुदण्डको रूपमा रहेका हुलाक, दूरसञ्चार, मुद्रण, छापा तथा विद्युतीय सञ्चार र चलचित्र क्षेत्र सञ्चालन गर्ने निकायहरुबाट यी क्षेत्रसँग सम्बन्धित राष्ट्रिय नीति, अन्तर्राष्ट्रिय मञ्चहरुमा व्यक्त गरेका प्रतिबद्धता, सङ्घीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्र नेपालको मर्म र भावनाअनुरूप नयाँ नेपालका लागि सूचना प्रवाहमा प्रभावकारीता ल्याउने एवं ग्रामीण क्षेत्रसम्म सूचना तथा सञ्चार क्षेत्रको विकास र विस्तार गर्ने उद्देश्य राखी वार्षिक कार्यक्रम तथा बजेट तयार गरी कार्यान्वयन गरिदै आएको छ ।

तालिका ११ (च) : सूचना तथा संचार क्षेत्रको अवस्था

| | आर्थिक वर्ष | | | | कैफियत |
|---------------------------------|-------------|---------|---------|----------|------------------|
| | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | |
| एफ.एम.रेडियो | ४७५ | ५१२ | ५६७ | ६०९ | इजाजत संख्या |
| एफ.एम.रेडियो नियमित प्रसारण | ३२८ | ३७२ | ४२३ | ५४० | „ |
| टेलिभिजन | | ४९ | ७८ | ८१ | „ |
| टेलिभिजन नियमित प्रसारण | १८ | २३ | २४ | २४ | |
| केबुल टेलिभिजन | ७४४ | ७७३ | ८२७ | ८४७ | „ |
| डिटिएच | १ | १ | १ | १ | „ |
| डाउनलिंकको इजाजत | १०६ | ८४ | ९३ | १२७ | २०७१/७२ को ईजाजत |
| VHF/UHF Transmitter | ३८ | १३७ | २०४ | १७६ | „ |
| रेडियो यन्त्र विक्री वितरण | २० | १७ | २३ | २५ | „ |
| कथानक चलचित्र जाँच पास संख्या | १८२ | १९५ | २२२ | १४६ | „ |
| विज्ञापन चलचित्र जाँचपास संख्या | १७५ | १४४ | १३२ | ५० | „ |
| विदेशी चलचित्र छायांकन | ६६ | ८२ | ८७ | ६५ | „ |

श्रोत: सूचना तथा संचार मन्त्रालय

* प्रथम आठ महिनाको

आ.व. २०७१/७२ को पहिलो आठ महिनाको अवधिमा सम्पन्न भएका कार्यहरू

यस मन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायहरूबाट कार्यान्वित विभिन्न प्रकारका संस्थागत, संरचनागत, कानूनी एवं नीतिगत सुधारसम्बन्धी कार्यक्रमहरू हुँदै आएको छ ।

११.२१ यस अवधिमा राष्ट्रिय चलचित्र नीति नेपाल सरकारबाट पारित भै कार्यान्वयनमा आएको छ । राष्ट्रिय प्रसारण नियमावली २०५२ को अनुसूचीमा सातौं संशोधन भएको छ । १०० वाट सम्मका एफ एम रेडियो सम्बन्धित जिल्लाबाटै गर्न नीतिगत व्यवस्था गरिएको छ ।

- ११.२२ सासेक (SASEC) सूचना राजमार्ग आयोजना अन्तर्गत नेपाल, भारत, बंगलादेश र भूटान बीच उप क्षेत्रीय सूचना हब निर्माण गरी टेलिसेन्टरमार्फत् सूचना आदानप्रदान गर्न १७० कि.मी. अप्टिकल फाइबर विछ्याउने र ३० वटा सामुदायिक सूचना केन्द्र (CeC) भवन निर्माण गर्ने कार्य सन् २०१५ को १५ जुलाईसम्म सम्पन्न गर्ने गरी काम अगाडी बढाइएको छ ।
- ११.२३ SAARC Development Fund (SDF) अन्तर्गत ५२ जिल्लाका विभिन्न ८१ वटा स्थानमा सामुदायिक सूचना केन्द्र स्थापना गर्ने, जस अन्तर्गत पाँच विकास क्षेत्रमा खोटाङ रामेछाप स्याङ्जा हुम्ला र अछाममा १-१ वटाका दरले ५ वटा नमूना सामुदायिक सूचना केन्द्र भवन निर्माण गर्ने कार्यक्रम रहेको छ । सन् २०१५ को ३० जुनसम्ममा कार्यसम्पन्न गर्ने लक्षका साथ काम अगाडी बढेको छ ।
- ११.२४ सूचना तथा सञ्चारको क्षेत्रमा सबैभन्दा पुरानो, जनसाधारणले अत्यधिक प्रयोग गर्ने र सुदूर ग्रामीण क्षेत्रसम्म आफ्नो संस्थागत सञ्जाल विस्तार भएको सेवा हुलाक सेवा हो । हुलाक सेवा विभाग र अन्तर्गतका कार्यालयहरूले चिठ्ठीपत्र, पुलिन्दा ओसार पसारका अतिरिक्त हुलाक टिकट प्रकाशन, हुलाक वचत बैंक सञ्चालन, धनादेश सेवा, Same Day Delivery सेवा, द्रुत डाँक सेवा र e-post, टेलिसेन्टर जस्ता विभिन्न सेवाहरू प्रदान गर्दै आएका छन् ।

तालिका ११ (छ) : हुलाकसेवा अन्तर्गत कार्यालयहरूको संख्या

| हुलाक सेवा | हिमाली | पहाडी | तराइ | जम्मा |
|---|--------|-------|------|-------|
| हुलाक सेवा विभाग | | | | १ |
| क्षेत्रीय हुलाक निर्देशनालय | | | | ५ |
| जिल्ला हुलाक कार्यालय | | | | ७० |
| इलाका हुलाक कार्यालय | १७० | ३७२ | ३०० | ८४२ |
| अतिरिक्त हुलाक कार्यालय | ४९२ | १५४१ | १०४१ | ३०७४ |
| हुलाक वचत बैंक सञ्चालन गर्ने हुलाक संख्या | | | | ११७ |
| धनादेश सेवा सञ्चालन गर्ने हुलाक संख्या | | | | ७९ |
| टेलिसेन्टरको संख्या | | | | ४०१ |

नोट: आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फागुण सम्ममा

श्रोत: हुलाक सेवा विभाग

दूरसञ्चार सेवा

११.२५ दूरसञ्चार सेवाप्रदायक तथा सेवाप्रयोक्ताहरूको संख्या वृद्धि हुनुका साथै नवीन, अत्याधुनिक प्रविधियुक्त दूरसञ्चार सेवाहरू उपलब्ध हुन थालेको कारणले यस क्षेत्रको सेवामा संख्यात्मक तथा गुणात्मक वृद्धि भै रहेको छ । २०७१ फागुन मसान्तसम्म जम्मा टेलिफोन ग्राहकसंख्या २ करोड ६२ लाख ६१ हजार १ सय ८ पुगी टेलिफोन घनत्व ९९.१२ प्रतिशत पुगेको छ ।

तालिका ११ (ज) : दूरसञ्चार सेवाको अवस्था

| सेवाको किसिम | आर्थिक वर्ष | | | |
|---------------------------|-------------|------------|------------|------------|
| | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| कुल टेलिफोन संख्या | १६,९७१,४७७ | २१,३३२,२७८ | २४,५५६,५७२ | २६,२६१,१०८ |
| पिएसटिएन | ६३३,२५८ | ६४७,४०५ | ८२९४१३ | ८३९६१९ |
| मोबाइल | १,५०,५६,१०९ | १७,९९६,१२५ | २२,०५२,६२० | २३,८४५,१५ |
| लिमिटेड मोविलिटी | १,०८०,४०५ | १५,४६,६९७ | १६७२८१५ | २०३५२३२ |
| जिएमपिसिएस | १,७४२ | १,७४२ | १७४२ | |
| टेलिफोन घनत्व | ६३.७६ | ८०.५१ | ९२.६८ | ९९.१२ |
| कुल इन्टरनेट ग्राहक | ४,९४४,४७९ | ६९,१६,१३८ | ८७८२९३६ | ११३००६०५ |
| इन्टरनेट घनत्व | १८.९४ | २६.१० | ३३.१५ | ३९.६८ |
| एडिएसएल इन्टरनेट | ९५,६२३ | ११४,५३४ | १२८३०७ | १३३७५२ |
| जिपिआरएस | ४,६८३,९२१ | ६४,७६,१३६ | ८३४११७६ | १००६९४३७ |
| सिडिएम आई एक्स ईभिडियो | १८८,२१९ | २३२,२४८ | १९३३१७ | १९३३१७ |
| डायल अप | १५,०७९ | १५,३८० | - | - |
| वायरलेस मोडम | ४६,६०२ | ५६,९०० | - | - |
| केवल मोडम | १७,९६८ | १८,३७४ | - | - |
| वाई म्याक्स | | २५६६ | ९२९९ | ११७१८ |

श्रोत: नेपाल दूरसञ्चार प्राधिकरण/नेपाल दूरसञ्चार कम्पनी लिमिटेड

* प्रथम आठ महिनाको

तालिका ११ (झ) : सेवा प्रदायक अनुसार वितरित कुल टेलिफोन संख्या

| सेवा प्रदायक | आर्थिक वर्ष | | | | प्रतिशत परिवर्तन (२०७०/७१ मा) |
|----------------------------------|-------------|----------|----------|----------|----------------------------------|
| | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | |
| नेपाल दूरसञ्चार कम्पनी लिमिटेड | ८५९५७७१ | ९१७६०६० | १०९०४४६२ | १२०३३२०२ | १८.८४ |
| युनाईटेड टेलिकम लिमिटेड | ६९८२९८ | ७१९,३४१ | ५०८८४१ | ५०८८४१ | -२९.२६ |
| एनसेल प्रा.लि. | ९५५३४०४ | १०५२६७९८ | ११९२४५५२ | १२१३७४८१ | १३.२९ |
| एस.टि.एम. टेलिकम सञ्चार प्रा.लि. | ५३६३ | ५३८५ | ३०९५ | २९८७ | -४२.५२ |
| नेपाल स्याटलाईट टेलिकम प्रा.लि. | १४९७०८ | १४९६९८ | १५०००० | २८६४५२ | ०.२० |
| स्मार्ट टेलिकम प्रा.लि. | ५७६५०३ | ७५३२५४ | १०६४९९८ | १२९१३०३ | ४१.३८ |
| अन्य | १७४२ | १७४२ | १७४२ | १७४२ | ० |

श्रोत: नेपाल दूरसञ्चार प्राधिकरण/नेपाल दूरसञ्चार कम्पनी लिमिटेड

* प्रथम आठ महिनाको

राष्ट्रिय सूचना आयोग

११.२६ नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३ को धारा २७ ले प्रत्येक नागरिकलाई आफ्नो वा सार्वजनिक सरोकारको कुनै पनि विषयको सूचना माग्ने वा पाउने हक हुनेछ भनि सूचनाको हकलाई मौलिक हकको रूपमा व्यवस्था गरी मानव अधिकारको रूपमा नागरिक हकको प्रत्यभूति गरेको छ । यसले सूचना संस्कृति निर्माण गर्न प्रवर्धनात्मक अभियान र कार्यक्रमको समन्वय र सञ्चालन गर्नुका साथै सूचना माग गर्ने पक्ष, सूचना प्रवाह गर्नुपर्ने पक्ष र सूचनाको हकका लागि वकालत गर्ने नागरिक संघ संस्था एवं सरकारका विभिन्न निकाय बीच सन्तुलनकारी र समन्वयकारी सम्बन्धका लागि नेतृत्वदायी भूमिका खेल्दै आइरहेको छ । यस अवधिमा सूचना अधिकारी तोक्ने काम बृद्धि भै ४००० पुगेको छ ।

छापा सञ्चार (सूचना सम्प्रेषण)

११.२७ सूचना तथा सञ्चार मन्त्रालय अन्तर्गत सूचना विभाग, गोरखापत्र संस्थान, राष्ट्रिय समाचार समिति (रासस) र प्रेस काउन्सिल नेपालले छापा सञ्चारमाध्यमबाट सूचना सम्प्रेषणको काम गरिरहेका छन् । गोरखापत्र

संस्थानले नयाँ नेपाल निर्माण अभियान अन्तर्गत विभिन्न २९ वटा राष्ट्रिय भाषामा समाचार लेख रचना आदि प्रकाशन गर्दै आएको छ ।

तालिका ११ (अ) : सूचना विभागबाट सम्पादित कार्यको तुलनात्मक तथ्याङ्क

| शीर्षक | आर्थिक वर्ष | | | | कैफियत |
|---|------------------|------------------|-------------------|------------------|---------|
| | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | |
| मिट द प्रेस | ४० पटक | ३४ | ३६ पटक | १९ पटक | |
| नेपाल द्वैमासिक | ५ पटक | ६ | ६ पटक | ४ पटक | प्रकाशन |
| नेपाल परिचय | ५०० प्रति | १००० प्रति | १००० प्रति | १००० प्रति | ,, |
| क्यालेण्डर | ५५०० प्रति | ५५०० प्रति | ६००० प्रति | ६००० प्रति | ,, |
| नेपाल विविधतामा एकता चित्रमय पुस्तक | | ५०० प्रति | १००० प्रति | १५०० प्रति | |
| डायरी | २५०० प्रति | २५०० प्रति | ३००० प्रति | ३००० प्रति | ,, |
| मिडिया डाइरेक्टरी | ३००० प्रति | ३००० प्रति | ३००० प्रति | ३००० प्रति | ,, |
| आधारभूत पत्रकार प्रशिक्षण | ६ पटक | ४ पटक | ६० जना | | |
| पत्रकार सेवाकालीन तालिम | २५ जना | ३० जना | ३० जना | ३० जना | |
| दृष्टिविहीनहरूका लागि रेडियो उद्घोषण तालिम | २५ जना | २५ जना | २५ जना | ३० जना | |
| फोटो पत्रकार तालिम | | ३० जना | | | |
| पत्रकार अन्तरक्रिया कार्यक्रम जिल्लामा | ६ | ५ पटक | ४ पटक | २ पटक | |
| औपचारिक समारोहको तस्वीर छायाङ्कन | २० पटक | ५४ पटक | १८९ पटक | ९७ पटक | |
| राष्ट्रिय पर्व तथा सरकारी कार्यक्रममा पत्रकार समन्वय | १३ पटक | १० पटक | १८ पटक | ५३ पटक | |
| लोककल्याणकारी विज्ञापन र सोको भुक्तानी | ९ करोड ९१ लाख | ९ करोड ९१ लाख | १० करोड ७८ लाख | १० करोड ४ लाख | |
| स्थायी पत्रपत्रिका दर्ता | १५६ | १८० | ८७ | ५६ | |
| अस्थायी पत्रपत्रिका दर्ता | ५५७ | ४५८ | ३३५ | २५६ | |
| प्रेस प्रतिनिधि प्रमाणपत्र वितरण | ९८७ | १९४ | ११३३ | ९७८ | |
| प्रेस प्रतिनिधि प्रमाणपत्र नवीकरण | २२३२ | २०९ | १८७६ | १९३० | |

श्रोत: सूचना विभाग

* २०७१ चैत्र मसान्तसम्म

तालिका ११ (ट) : विभिन्न जिल्लाहरूमा दर्ता भएका पत्रपत्रिकाहरूको विवरण

| किसिम | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१ फागुन मसान्त |
|-------------|---------|---------|---------|----------------------|
| दैनिक | ४२६ | ५८२ | ५९९ | ६२१ |
| अ.साप्ताहिक | २४ | ३३ | ३४ | ३२ |
| साप्ताहिक | २२१३ | २५३६ | २५९४ | २६५० |
| पाक्षिक | ४०८ | ४३२ | ४४२ | ४५० |
| मासिक | १९८१ | २०१४ | २०६१ | २१४४ |
| द्वैमासिक | २३७ | ३३७ | ३४१ | ३४८ |
| त्रैमासिक | ५१८ | ५६४ | ५७८ | ५८८ |
| चौमासिक | २९ | ३१ | ३१ | ३१ |
| अ.वार्षिक | ७२ | ७८ | ८० | ८३ |
| वार्षिक | ८३ | ८३ | ८७ | ८८ |
| जम्मा | ५९९१ | ६६९० | ६८४७ | ७००५ |

श्रोत: सूचना विभाग

तालिका ११ (ठ) : भाषागत रूपमा दर्ता भएका पत्रपत्रिकाको विवरण

| भाषा | आर्थिक वर्ष | | | |
|-----------------|-------------|---------|---------|----------|
| | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| नेपाली | ४२७५ | ४६१३ | ४६८५ | ४७८३ |
| अंग्रेजी | ४५७ | ४७० | ४८३ | ४८३ |
| नेपाली/अंग्रेजी | १०३० | ११५० | १२१० | १२४२ |
| नेवारी | ४३ | ४३ | ४३ | ४४ |
| संस्कृत | २ | ४ | ५ | ५ |
| हिन्दी | २४ | २८ | ३० | २४ |
| मैथिली | २७ | ४० | ४४ | ४५ |
| भोजपुरी | ८ | ९ | ९ | ६ |
| उर्दु | ४ | ७ | ८ | ८ |
| तिब्बती | २ | ३ | ३ | ३ |
| थारु | ९ | १२ | १३ | १३ |
| लिम्बु | २ | ३ | ४ | ४ |
| डोटेली | २ | ४ | ४ | ४ |
| तामाङ्ग | ८ | ९ | १० | १० |
| राई | ० | २ | २ | २ |
| अन्य | २८८ | २९३ | २९५ | ३३० |
| कुल | ६१८१ | ६६९० | ६८४७ | ७००५ |

स्रोत: सूचना तथा सञ्चार मन्त्रालय ।

* २०७१ फागुन मसान्तसम्म

विद्युतीय सञ्चारसेवाहरू

११.२८ **टेलिभिजन प्रसारण सेवा:** सरकारी सञ्चारमाध्यमको रूपमा रहेको नेपाल टेलिभिजनका तीनवटा च्यानलहरूबाट प्रसारण भईरहेको छ । तेस्रो च्यानलको प्रसारण २०७१ कार्तिकबाट शुरु भएको हो । नेपाल टेलिभिजनको प्रसारण पहुँच जनसंख्याको आधारमा ७२ प्रतिशत र भौगोलिक आधारमा ५२ प्रतिशत भू-भागमा प्रसारण पहुँच रहेको छ । नेपाल टेलिभिजन सेटलाईटमार्फत मुलुकभर र विश्वका ११६ मुलुकहरूमा हेर्न सकिन्छ ।

११.२९ **रेडियो नेपाल:** रेडियो नेपालको प्रसारण पहुँच जनसंख्याको आधारमा ८८ प्रतिशत र भौगोलिक आधारमा ७१ प्रतिशत पुगेको छ । त्यस्तै, रेडियो नेपालको एफ. एम. प्रसारणको पहुँच जनसंख्याको आधारमा ४५ प्रतिशत र भौगोलिक आधारमा ३५ प्रतिशत रहेको छ । रेडियो नेपालको सेवालाई सबै जिल्लामा पुग्ने गरी क्रमश विस्तार गर्ने क्रममा धनकुटाको भेडेटारमा ५ कि.वा.को एफ.एम. रेडियो स्थापना भएको छ ।

मुद्रण सेवा

११.३० **मुद्रण विभागबाट** नेपाल राजपत्र, अध्यागमन विभाग र वैदेशिक रोजगार विभागका स्टिकर, राष्ट्रिय योजना आयोग एवं अर्थ मन्त्रालयका विभिन्न पुस्तक र प्रतिवेदन लगायत अन्य कागजात छपाइ कार्य भै रहेको छ । वि.सं. २००८ सालदेखि २०६४ सालसम्म प्रकाशित राजपत्रहरूको विद्युतीय अभिलेखिकरण कार्य पूरा भएको छ ।

११.३१ **राष्ट्रिय समाचार समितिले** Intranet/Internet को माध्यमबाट र अझ सजिलोको लागि इमेल मार्फत समाचार आफ्ना सेवाग्राहीहरूलाई उपलब्ध गराउने नीति बनाएको छ । सेवालाई विविधीकरण गर्न फोटो सेवा, डेडिकेटेड फिडरको

व्यवस्थाका साथै एफ. एम. का सेवाग्राहीहरूलाई सहयोग गर्न भ्वाईस क्लिप सेवा उपलब्ध गराइएको छ । रा.स.स. को आय आर्जनमा वृद्धि गर्न भौतिक सम्पत्तिलाई लिजमा दिने गरिएको छ । १८ औं सार्क सम्मेलनदेखि अनलाईन सेवा शुरु भएको छ । दक्षिण एशियाली राष्ट्रहरूको विविध संगालो सार्क पुस्तक प्रकाशन गरेको छ ।

११.३२ **गोरखापत्र:** नेपालकै जेठो पत्रिकाको रूपमा रहेको यस पत्रिकाले नयां नेपाल पृष्ठमा समावेशी प्रकाशन अन्तर्गत २९ वटा राष्ट्रिय भाषामा समाचार लेख रचना आदि प्रकाशन गर्दै आएको छ । Four Hi प्रेस मेसिन जडान गरी परीक्षण संचालन गरिएको छ। अनलाईन सेवा शुरु गरेको छ ।

चलचित्र क्षेत्र

११.३३ यस क्षेत्रको मुख्य नीतिमा चलचित्रको विकास तथा प्रवर्द्धन गर्न आवश्यक अध्ययन अनुसन्धान गर्ने गराउने र निजी क्षेत्रलाई स्तरीय चलचित्र निर्माण तथा प्रदर्शनका लागि प्रोत्साहित गर्ने, चलचित्र व्यवसायीहरूबीच समन्वय कायम गर्ने, राष्ट्रको मौलिक कथा, कला, संस्कृति, भाषा, साहित्यलाई चलचित्रमार्फत प्रवर्द्धन गर्ने, चलचित्रको विकास तथा प्रवर्द्धन गर्न यसका स्रष्टा सर्जक तथा साधकहरूलाई पुरस्कृत एवं सम्मानित गर्नुका साथै नेपाललाई आकर्षक अन्तर्राष्ट्रिय चलचित्र केन्द्रको रूपमा विकास गर्ने रहेको छ ।

११.३४ दोलखा जिल्लाको डाड्डुङगे डाँडामा अन्तराष्ट्रिय स्तरको चलचित्र नगरी निर्माणको लागि जग्गाको भोगाधिकार लिन सम्पादन गर्नुपर्ने सम्भाव्यता अध्ययन र वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन सम्बन्धि कार्यका लागि परामर्शदाता छनौट गरी परामर्शदातसंग सम्झौता भएको छ ।

तालिका ११ (ड): चलचित्र क्षेत्रको स्थिति

| शीर्षक | आ.व. २०६८/६९ | आ.व. २०६९/७० | आ.व. २०७०/७१ | आ.व. २०७१/७२ | कैफियत |
|--|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|--------|
| नेपाली कथानक (सेल्युलाईड, डिजिटल र भिडियो) कथानक चलचित्र निर्माण इजाजत | १४२ | १२९ | १८३ | ८५ | |
| विज्ञापन चलचित्र निर्माण इजाजत | ९८ | ५० | ४२ | २४ | |
| स्वदेशी वृत्तचित्र निर्माण इजाजत | ७ | ८ | १८ | १० | |
| स्वदेशी चलचित्र जाँचका लागि सिफारिस | ७६ | ७६ | ९९ | ६६ | |
| चलचित्र निर्माणसम्बन्धी उद्योग दर्ता सिफारिस | २२ | २३ | २९ | ११ | |
| चलचित्र प्रदर्शन इजाजत नयाँ | ९ | ६ | ७ | ९ | |
| चलचित्र प्रदर्शन इजाजत नवीकरण | ८ | १५ | ४५ | १६ | |
| चलचित्र प्रदर्शनसम्बन्धी उद्योग दर्ता सहमति | ९ | २ | - | - | |
| विदेशी निर्माताले नेपालमा वृत्तचित्र तथा चलचित्र निर्माण गर्न उपकरण आयात गर्दा बोर्डको जमानतमा लगतमा राखी ल्याउन/लैजान सिफारिश | ४८ | ४५ | ५९ | ३७ | |
| विदेशी चलचित्र जाँचका लागि केन्द्रीय जाँच समितिमा सिफारिश | ८९ | ७७ | ११४ | ५५ | |
| चलचित्र प्रदर्शन सम्बन्धी उपकरण आयात सिफारिश | ९ | १६ | - | ११ | |
| च्यारिटी सो प्रदर्शन स्वीकृति | २० | १४ | ३४ | १७ | |
| चलचित्र वितरण इजाजत नयाँ जारी | ७ | ५ | १५ | ७ | |
| चलचित्र वितरण इजाजत नवीकरण | १ | १ | १ | - | |
| स्वदेशी चलचित्रको विदेश प्रदर्शन सिफारिश | ११ | ५ | ४ | ३ | |

श्रोत: चलचित्र विकास बोर्ड

विज्ञान तथा सूचना प्रविधि

- ११.३५ विज्ञान तथा प्रविधिको क्षेत्रमा देशभित्रै आनुवंशिक (डिएनए) परीक्षणको व्यवस्था, विधी विज्ञान सेवाको विस्तार, अनुसन्धानशालाहरुको सुदृढीकरण, वृक्षचक्रको अध्ययन प्रारम्भ, प्रतिभा पलायनको न्यूनीकरण जस्ता कार्यक्रमहरु कार्यान्वयन हुँदै आएका छन् । प्रवर्धनात्मक कार्यक्रमहरुमा अनुसन्धान, अनुदान, पुरस्कार, श्रव्यदृश्य, जर्नल प्रकाशन र विज्ञान प्रविधिको प्रचार प्रसार कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिई विज्ञान सम्बन्धी जनचेतनाको अभिवृद्धिका लागि विभिन्न जिल्लामा विज्ञान मेला आयोजना गरिने गरिएको छ साथै विभिन्न उद्योग तथा शैक्षिक एव अनुसन्धानात्मक संस्थाहरुलाई आवश्यक पर्ने प्रविधि सम्बन्धी सूचना प्रवाह र प्रविधि हस्तान्तरण सम्बन्धी कार्यहरु भइरहेका छन् । सूचना प्रविधि नीति, २०६७, राष्ट्रिय परमाणु नीति, २०६४, विद्युतीय कारोबार ऐन, २०६३ र नियमावली, २०६४ को प्रभावकारी कार्यान्वयन, राष्ट्रका वैज्ञानिक जनशक्तिलाई देश भित्रै काम गर्ने वातावरण निर्माण गर्दै नेपाली जनताको आर्थिक सामाजिक सुधार गर्ने कार्यमा विज्ञान, प्रविधि तथा वातावरण मन्त्रालय लागि परेको छ ।
- ११.३६ विज्ञान, प्रविधिलाई राष्ट्रिय जीवनको मूलप्रवाहमा ल्याउनको लागि नेपाल सरकारको मिति २०७१/०६/२७ को निर्णय अनुसार राष्ट्रिय जैविक प्रविधि, परमाणु प्रविधि, अन्तरिक्ष प्रविधि, सुक्ष्म प्रविधि तथा सूचना प्रविधि सम्बन्धी पाँच वटा राष्ट्रिय सल्लाहकार समिति गठन भई नियमित छलफल, परामर्श गरी कार्ययोजना तयार पार्ने कार्य भएको छ । यस अवधिमा China - South Asia Science & Technology Networking स्थापना भएको छ ।
- ११.३७ ई- भिलेज कार्यक्रम व्यवस्थापन तथा संचालनका लागि कार्यविधि तयार गरी माननीय मन्त्रीस्तरबाट स्वीकृत भई यस वर्षको वार्षिक कार्यक्रम वमोजिम देशभरबाट ८ वटा स्थानहरुमा संचालन हुने क्रममा छन्। उक्त ई- भिलेजको स्थापनाबाट ग्रामीण तहसम्म सूचना प्रविधिको पहुँच विस्तार गर्न र शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि जस्ता क्षेत्रहरुलाई स्थानीय स्तरमा सूचना प्रविधिमा आवद्ध गर्न सकिने अवसर प्राप्त भएको छ ।
- ११.३८ राष्ट्रिय सूचना प्रविधि मार्गचित्रको मस्यौदा तयार भएको छ । यस सम्बन्धमा पृष्ठपोषण लिन सरकारी तथा निजी क्षेत्रका सरोकारवालाहरु वीचको अन्तर्क्रिया

समेत सम्पन्न भई सकेको छ । अन्तरक्रियाका अवसरमा प्राप्त सुझावहरू सहितको यस मार्गचित्रको स्विकृति पश्चात सबै सरकारी निकायहरूले आ-आफ्ना क्षेत्रगत योजनाहरू तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने छन् । जसले आगामी ५ वर्षमा नेपाललाई सूचना प्रविधिको क्षेत्रमा फड्को मार्न मार्गदर्शक दस्तावेजको रूपमा काम गर्ने छ ।

११.३९ e-Governance Master Plan तर्जुमाको प्रारम्भिक कार्य सम्पन्न भएको छ । यसको तर्जुमा पश्चात् सरकारी काम कार्यवाही र सेवा प्रवाहलाई विद्युतीय माध्यमबाट व्यवस्थित गर्न सकिने छ ।

| मन्जुषा ११ (क) : राष्ट्रिय सूचना प्रविधि केन्द्रबाट भएका कार्यहरू | | |
|---|--|--------|
| क्र.स. | कार्यहरू | संख्या |
| १ | सरकारी निकायहरूको DNS रजिष्ट्रेशन गरिएको | ९६९ |
| २ | वेभ तथा एप्लिकेशन होस्ट गरिएको | ५०८ |
| ३ | सरकारी ईमेल प्रदान गरिएको | ९५ |
| ४ | सिंहदरवारभित्र ईन्टरनेट प्रदान गरिएको | ५२ |
| ५ | सरकारी निकायहरूको सर्भर कोलोकेशन गरिएको | ४७ |
| ६ | सिंहदरवारभित्रका निकायहरूलाई ईगेटपास सिस्टम प्रदान तथा सञ्चालन | ४७ |
| ७ | सूचना प्रविधि सम्बन्धी तालिम प्रदान | २३५० |

११.४० वेभ तथा एप्लिकेशन होस्टिङको वातावरण निर्माण गर्न GIDC Server Room को क्षमता अभिवृद्धि गरिएको तथा Server Room Expansion कार्य अगाडि बढाइएको छ । सरकारी सूचना तथा सेवाहरूलाई Single Portal मार्फत प्रदान गर्ने नेपाल सरकारको आधिकारीक वेभ पोर्टल (www.nepal.gov.np) सञ्चालन गरिदै आएको छ । एकद्वार प्रणालीबाट व्यावसायीहरूलाई सूचना तथा सेवा प्रदान गर्न विद्युतीय पोर्टल www.licenseportal.gov.np जारी गरी व्यवस्थापन गरिदै आएको छ ।

११.४१ नेशनल पोर्टल मार्फत जारी गरिने सेवा तथा सूचनाहरूलाई अध्यावधिक गर्न सबै सरकारी निकायका पदाधिकारीहरूलाई तालिम प्रदान गरी सम्बन्धित निकायबाटै सूचना अपलोड गर्न सकिने व्यवस्था गरिनुका साथै नेशनल पोर्टल सञ्चालन गर्न निर्देशिका तथा Government Interoperability Framework को निर्देशिका तयारी गरिएको छ ।

चुनौती र समस्याहरू

११.४२ मुलुकभर गुणस्तरिय, दीगो, सुरक्षित र भरपर्दो सडक संजालको विकास तथा विस्तार गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ । त्यसैगरी, बढ्दो सडक दुर्घटना न्यूनिकरण गर्ने कार्य पनि चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।

११.४३ राष्ट्रिय गौरवका आयोजना मध्ये पोखरा विमानस्थल र निजगढ विमानस्थल निर्माणको कार्यान्वयन प्रक्रियाले अझै गति लिन सकेको छैन । मुलुकमा रहेको एकमात्र अन्तराष्ट्रिय विमानस्थलमा बढ्दै गएको चाप र बैकल्पिक विमानस्थलको आवश्यकतालाई समेत ध्यान दिई अन्तराष्ट्रिय विमानस्थल निर्माणको कार्यलाई तिव्रता दिन जरुरी देखिएको छ ।

११.४४ विगतमा अन्तर्राष्ट्रिय उडानको निमित्त राष्ट्रिय ध्वजावाहक जहाजको अभावले नेपालको यात्रा लागत उच्च हुनुका साथै अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकीय बिन्दुहरूसम्म सिधा सम्पर्कको अभावमा पर्यटक संख्यामा गुणात्मक वृद्धि हुन नसकेको सन्दर्भमा २ वटा नयां खरिद गरिएका एअर बसहरूलाई पूर्ण रूपमा उपयोग गरी अन्तराष्ट्रिय बजार विस्तार गरी पर्यटक संख्यामा गुणात्मक बृद्धि गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण छ ।

११.४५ सञ्चार क्षेत्रमा उपलब्ध अत्याधुनिक प्रविधिको कारण हुलाक सेवामा पत्रको आदानप्रदानमा कमी आएपछि हुलाक सेवाको विविधीकरणमा ध्यान पुर्याउन सकिएको छैन। दूरसञ्चार र चलचित्र क्षेत्रमा उल्लेखनीयरूपमा संख्यात्मक वृद्धि भएतापनि गुणात्मक वृद्धि हुन सकेको छैन । राष्ट्रिय सञ्चारमाध्यमको रूपमा गोरखापत्र, नेपाल टेलिभिजन र रेडियो नेपालले राष्ट्रिय दायित्वको रूपमा विभिन्न भाषाभाषीको समाचार तथा कार्यक्रमहरू प्रकाशन/प्रसारण गर्नुपरेको कारणले यी संस्थाहरूको आर्थिक दायित्व बढेको छ । तर सरकारी कार्यक्रम र

विज्ञापनमा निजी एफ.एम., टेलिभिजन तथा छापामाध्यमहरूको समेत सहभागिता भएको कारणले राष्ट्रिय प्रसारण संस्थाहरू मर्कामा परेका छन् ।

११.४६ देशको विविधतापूर्ण भौगोलिक अवस्थितिका कारण नेपाल टेलिभिजनको राष्ट्रिय प्रसारण र एन्.टि.भी.प्लसको भू-सतही प्रसारण विस्तार कार्य चुनौतीपूर्ण बनेको छ । निजी क्षेत्रमा खुलेका टेलिभिजन च्यानलहरूसँग प्रतिस्पर्धा गर्दै राष्ट्रिय प्रसारणको भूमिका निर्वाह गर्दै अघि बढ्नु नेपाल टेलिभिजनका लागि थप चुनौती रहेको छ । नेपाल टेलिभिजनको कार्यक्रम उत्पादन, सम्पादन र प्रसारण Analog System लाई सन् २०१७ सम्ममा Digital System ले प्रतिस्थापन गर्नुपर्ने भएको हुँदा सो को लागि नेपाल टेलिभिजनले आन्तरिक स्रोतबाट एकैचोटि Digital Switch Over गर्न चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।

११.४७ गोरखापत्र संस्थान, रासस, रेडियो नेपाल जस्ता संस्थान/समितिहरूसँग विभिन्न स्थानमा रहेका जग्गाको व्यवसायिक प्रयोग गरी आय बढाउनु आवश्यक रहेको छ। रेडियो नेपाल, गोरखापत्र संस्थान, रासस, नेपाल टेलिभिजन जस्ता संस्थाका आ-आफ्नै स्ट्रीन्जर समाचारदाताहरू रहेकोले तिनीहरूलाई एकीकृत रूपमा कार्य गर्ने व्यवस्था मिलाई खर्च न्यूनीकरण गर्नु आवश्यक रहेको छ ।

११.४८ विज्ञान तथा सूचना प्रविधिको विकास विना राष्ट्रको विकास संभव छैन। सबै क्षेत्रमा विज्ञान तथा सूचना प्रविधिको विकासलाई आत्मसात गरिएको छैन । सूचना प्रविधिको विकासलाई आत्मसात गरी व्यवहारमा ल्याउने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ । विज्ञान र प्रविधिको क्षेत्रमा विज्ञानमा आधारित नविनतम र आविष्कारमूलक कार्यक्रममा बजेट व्यवस्थापन गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।

१२. सुशासन, सामान्य प्रशासन, शान्ति तथा पुनःनिर्माण

सुशासन

- १२.१ सार्वजनिक प्रशासनलाई समयानुकूल, गतिशिल, पारदर्शी, जनउत्तरदायी र परिणाममुखी बनाई सुशासन कायम गर्दै जनताको आकांक्षा अनुरूप सेवाको गुणस्तर र प्रभावकारीता अभिवृद्धि गर्ने सन्दर्भमा विभिन्न कानून तथा कार्यविधि समेत तर्जुमा गरि राज्य संयन्त्रका सबै तह र निकायमा संबद्ध क्षेत्रबाट विभिन्न कार्य सम्पादन गर्ने प्रयासहरु हुँदै आएका छन् ।
- १२.२ मुलुकमा सुशासन कायम गर्न प्रशासनिक व्यवस्थाको नेतृत्वदायी भूमिका निर्वाह गर्ने उद्देश्यका साथ सुधार योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयनमा ल्याइएको छ । सुधार योजनाले मूलतः भौतिक पूर्वाधारमा सुधार, मानव संसाधनको क्षमता अभिवृद्धि, विद्युतीय शासन प्रणालीको विकास, विद्युतीय कारोवारलाई प्रोत्साहन, नीति विश्लेषणलाई प्रभावकारी बनाउन डेस्क प्रणालीलाई सुदृढ गर्ने, नतीजामूलक व्यवस्थापन पद्धति लागू गर्ने, सार्वजनिक सेवा प्रवाह तथा आयोजना कार्यान्वयनको अनुगमन तथा मूल्याङ्कनलाई प्रभावकारी बनाउने सम्बन्धी नीति र कार्यक्रमहरु कार्यान्वयन हुँदै आएका छन् ।
- १२.३ नेपाल सरकारले प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषदको कार्यालयलाई सुशासनको नेतृत्वदायी भूमिका प्रदान गरेको छ । यसैगरी, संसदको सार्वजनिक लेखा समिति, महालेखा परिक्षकको कार्यालय, अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग, सर्वोच्च अदालत, राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग, राष्ट्रिय सतर्कता केन्द्र, राजस्व अनुसन्धान विभाग, सम्पत्ति शुद्धीकरण अनुसन्धान विभाग तथा नेपाल सरकारका अन्य विषयगत मन्त्रालय, विभाग र कार्यालयहरु शान्ति, सुशासन तथा सेवा प्रवाहलाई प्रभावकारी तुल्याउन क्रियाशील रहदै आएका छन् ।
- १२.४ प्रशासन पुनःसंरचना तथा सूचना प्रविधि सम्बन्धी कार्यक्रमहरुको संयोजन, मन्त्रिपरिषदका बैठक निर्णयहरुको विद्युतीय व्यवस्थापन, मानव अधिकारको प्रवर्द्धन र लैङ्गीक सशक्तिकरणका कार्यक्रमहरुको कार्यान्वयन गरिएका छन् । भ्रष्टाचार नियन्त्रणलाई प्रभावकारी बनाउन भ्रष्टाचार नियन्त्रणको निकायगत कार्ययोजनाको तर्जुमा तथा भ्रष्टाचार विरुद्धको एकाई गठन गरी भ्रष्टाचार

सम्बन्धी उजूरीहरूको शिघ्र अनुसन्धान र कारवाही गराउने व्यवस्था गरिएको छ ।

- १२.५ मुख्य-मुख्य चाडपर्वमा खाद्यान्नको आपूर्ति तथा वितरण व्यवस्था एवं यातायात क्षेत्रको प्रभावकारिता अभिवृद्धि गर्ने उद्देश्यले ४० बुँदे कार्ययोजना तयार गरी कार्यान्वयनमा ल्याईएको छ । मन्त्रालय र अन्तर्गतका विभिन्न ३१ वटा निकायहरूको कार्यसम्पादन सूचकहरू तयार गरी कार्यालयको पोर्टलमा Upload गरी Paperless अवधारणा लागु गरिएको छ। राष्ट्रिय गौरवको आयोजनाहरूको प्रगति विवरण समेत अनलाईन मार्फत लिने व्यवस्था गरिदै आएको छ ।
- १२.६ मन्त्रपरिषद् बैठकको निर्णय सार्वजनिक गर्न भिडियो कन्फरेन्सिङ प्रणाली सुचारु गरिएको छ । सूचनाको हकसम्बन्धी ऐन, २०६४ को दफा ३(३) अनुसार सूचनाको वर्गीकरणको मस्यौदा तयार भएको छ।नेपाल सरकारका सूचनाहरू एकीकृत रूपले प्रवाह गर्न National Portal को शुरुवात भएको छ ।
- १२.७ वार्षिक कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने निकायहरूले पुँजीगत खर्च परिचालन गर्न नसकेको अवस्थामा समस्या पहिचान तथा समन्वय गर्ने सन्दर्भमा यथार्थ वस्तुस्थिति पहिचान गर्न सहयोग पुग्ने प्रयोजनार्थ प्रमुख ९ र सहायक १९ वटा आधार मापन सूचक तयार भएको छ । रु. ६० लाख भन्दा बढी रकमका आयोजनाहरूको इ-विडिङ गर्ने कार्यको व्यवस्थापन गरिएको छ ।सार्वजनिक खरिद लाई विद्युतीय सरकारी खरीदको माध्यमबाट ब्यवस्थित गरिएको छ ।
- १२.८ गुनासो सुनुवाईलाई प्रभावकारी बनाउन २४ सै घण्टा विभिन्न माध्यमहरूबाट गुनासो संकलन गरी गुनासोको विद्युतीय पोर्टल मार्फत गुनासो व्यवस्थापन तथा संवोधनको कार्य गरिएको छ । हेलो सरकारमा २०७१ साउन देखि चैत्र महिनासम्म कुल गुनासो दर्ता संख्या तीनहजार सातसय एक र फर्छ्यौट संख्या तीन हजार पाँचसय बयालिस रहेको छ ।
- १२.९ अर्थमन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायहरूको कार्यसम्पादन सम्बन्धमा गुनासो सुनुवाइको लागी गुनासो सुनुवाइ कक्ष (विगुल) को ब्यवस्था गरिएको छ । भन्सार विभाग र अन्तर्गतका चार कार्यालयहरूमा सेवाग्राही सेवाकक्षको स्थापना गरि गुनासो ब्यवस्थापन तथा सूचना संप्रेषण गर्ने कार्य सञ्चालनमा रहेको छ ।

स्थानीय सुशासन

- १२.१० स्थानीय निकाय जनप्रतिनिधि विहिन अवस्थामा रहेता पनि अधिकाधिक जनताको सहभागितामा विकेन्द्रीत पद्धति अनुसार स्थानीय निकाय र शासनलाई जनमुखी ढंगले सञ्चालन गर्नको लागि नेपाल सरकार र विभिन्न दातृ निकायको संयुक्त प्रयासमा स्थानीय शासन तथा सामुदायिक विकास कार्यक्रम कार्यान्वयनमा रहेको छ ।
- १२.११ उत्तरदायी स्थानीय शासन, परिमार्जित सामाजिक परिचालन, सेवा प्रवाह र श्रोत परिचालनमा जोड, स्थानीय आर्थिक विकास र जीवीकोपार्जन कार्यक्रममा जोड, स्थानीय सार्वजनिक लेखा व्यवस्थापनमा सुधार तथा वित्तीय जोखिम न्यूनीकरण, वातावरण एवं बालमैत्री स्थानीय शासन र परिवर्तित सन्दर्भमा स्थानीय शासनको नयाँ पद्धतिमा कसरी आवद्ध हुने जस्ता बिषयहरु समेत समावेश गरी कार्यान्वयनमा रहेको छ ।
- १२.१२ स्थानीय शासनलाई सूचना प्रविधि मैत्री बनाउन साविकका सबै नगरपालिका तथा सबै जिल्ला विकास समितिमा इन्टरनेट, इमेल, नेटवर्किङ, सफ्टवेयर, लगायत इ-गभर्नेन्सका कार्यहरु गरी वेववेश पद्धति मार्फत सूचना प्रवाह, प्रतिवेदन व्यवस्था, र स्थानीय जनतामा यसको प्रयोगमा विश्वसनीयता जनाउने कार्य सन्चालन गरिएको छ ।
- १२.१३ स्थानीय शासनलाई उत्तरदायी बनाउन नागरिक संस्थाहरुद्वारा स्थानीय तहमा निगरानीको व्यवस्था गरिएको छ । यस कार्यमा ६६ जिल्लामा स्थानीय शासन र उत्तरदायी संयन्त्र मार्फत स्थानीय नागरिक संस्थाहरु प्रयोग गरी तथा ९ जिल्लामा स्वीस सरकारबाट सहयोग प्राप्त स्थानीय निकाय उत्तरदायीत्व सुदृढीकरण कार्यक्रम मार्फत तेश्रोपक्षबाट स्थानीय निकायका काम कारबाहीको निगरानी बढाइएको छ ।
- १२.१४ ६ हजार ७ सय १५ वटा वडा नागरिक मञ्चहरुले स्थानीय निकायबाट भए गरेका काम कारबाहीहरुको निगरानी गरेका छन् । चालू आर्थिक वर्षको ८ महिनामा ७ सय ४१ वटा सार्वजनिक सुनुवाईहरु भएका छन् । १० वटा जिल्लामा नयाँ गुणस्तर मापन प्रयोगशाला स्थापना गरिएको छ । साथै ११

वटा जिल्लामा साविकमा सन्चालनमा नरहेका यस्ता प्रयोगशालालाई क्षमता विकास गरी सन्चालनमा ल्याइएको छ ।

सामान्य प्रशासन तथा सेवा प्रवाह

- १२.१५ प्रभावकारी सेवा प्रवाहका लागि निजामती सेवालाई नैतिक, सक्षम, सुदृढ, उत्तरदायी र व्यवसायिक बनाउने, निजामती सेवाको क्षमता विकास गर्ने तथा निजामती सेवालाई प्रतिस्पर्धी, उत्तरदायी र जवाफदेही बनाउने जस्ता कार्यहरू सार्वजनिक प्रशासनको क्षेत्रमा हुँदै आएका छन् ।
- १२.१६ नागरिकहरूसंग प्रत्यक्ष सम्पर्क हुने प्रमुख सरोकारवाला कार्यालयहरूको सेवालाई प्रभावकारी बनाउन विहान ६.०० वजेदेखि बेलुका ६.०० बजेसम्म २०७१ पौष १ गते देखि नागरिकता, राहदानी सिफारिश, जन्म दर्ता, विवाह दर्ता, मृत्यु दर्ता, जग्गा रजिष्ट्रेशन, नापी, राहदानी वितरण, उधोग दर्ता, सवारी चालक अनुमति पत्र वितरण, वैदेशिक रोजगार अनुमति पत्र, विधुत महशुल, खानेपानी महशुल र टेलीफोन महशुल भुक्तानी सम्बन्धी सेवाहरूलाई दुई सिफ्टमा संचालन गर्ने व्यवस्था मिलाइएको छ । साथै सेवा प्रवाहलाई जनउत्तरदायी बनाउदै सरल, चुस्त र प्रभावकारी बनाउन क्षतिपूर्ति सहितको नागरिक बडापत्र लागू भएको छ ।
- १२.१७ सार्वजनिक सेवा प्रवाहलाई स्वच्छ, पारदर्शी र प्रभावकारी बनाउने र विद्युतीय शासन पद्धति तथा प्रक्रियालाई क्रमशः लागु गर्दै जाने तथा कर्मचारीहरूलाई कार्यसम्पादनका आधारमा पुरस्कृत गर्ने एवं कर्मचारीहरूको नियुक्ति, पदस्थापना, सरुवा, बढुवा तथा तलब सुविधालाई पूर्वानुमानयोग्य, विधिसम्मत र उत्प्रेरणाका आधारभूत मान्यता अनुरूप गर्ने तर्फ सम्बन्धित क्षेत्रमा कार्यहरू हुँदै आएका छन् ।
- १२.१८ निजामती कर्मचारी राष्ट्रिय तालिम नीति, २०७१ तयार भई सो अनुरूप सबै निजामती कर्मचारीहरूलाई कम्तीमा एउटा तालिम दिने उद्देश्यले सबैका लागि तालिम कार्यक्रम कार्यसंचालन निर्देशिका, २०७१ तयार भएको छ । निजामती आवासीय विद्यालय, धनकुटा गत वर्ष देखि नै संचालनमा आएको छ। विभिन्न १० जिल्लामा Persuasive Partnership Program संचालन गरिएको छ ।

नवनियुक्त शाखा अधिकृतहरूलाई ६ महिने आवासीय सेवा प्रवेश तालिमको शुरुवात भएको छ।

निजामती किताबखाना

१२.१९ निजामती कर्मचारीहरूको विवरण उपलब्ध गराउनुका साथै सेवाबाट अलग भएका कर्मचारीहरूलाई निवृत्तभरण तथा उपदान जस्ता सुविधाहरू प्रदान गर्ने कार्यहरू किताबखानाबाट हुँदै आएका छन् । कर्मचारीहरूको सम्पत्ति विवरण व्यवस्थित गर्न छुट्टै Pigeon Hole Rack बनाइ सम्पत्ति विवरण राख्ने कार्य हुँदै आईरहेको छ । हाल सम्म गत आर्थिक वर्षको ५१ हजार थान सम्पत्ति विवरण राख्ने कार्य सम्पन्न भैसकेको छ । केन्द्रीय फाइलिंगमा रहेका फाइलहरू वारकोड बाट लिने दिने कार्यको थालनी भएको छ । सम्पत्ती विवरण दर्ता, अनिवार्य अवकाश एवं सरुवा बढुवा लगायतका विवरणहरूको SMS बाट जानकारी दिने कार्य हुँदै आएको छ । PIS सफ्टवेयरमा थप व्यवस्था गरी २०७१ चैत्र १ गते देखी सेवा निवृत्त कर्मचारीहरूलाई औषधी उपचार सुविधा वापतको रकम किटानी गरी पठाउने कार्य शुरु भएको छ ।

तालिका १२ (क): निजामती कर्मचारी बिबरण

| क्र.सं. | विवरण | आर्थिक वर्ष २०६८/६९ | आर्थिक वर्ष २०६९/७० | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ | आर्थिक वर्ष २०७१/७२* |
|---------|---------------------------------|------------------------|------------------------|------------------------|-------------------------|
| १ | निजामती सेवामा कार्यरत कर्मचारी | ७९४७२ | ७९८०२ | ७९६५३ | ८१९४३ |
| | काठमाण्डौ उपत्यका भित्र | १९५०४ | १९६४४ | २१५५० | २०७४५ |
| | काठमाण्डौ उपत्यका बाहिर | ५९९६८ | ५९८८५ | ८०१३१ | ६११९८ |
| | अधिकृत | १५८८८ | १६७११ | १४५०१ | १९९९५ |
| | सहायक | ४२२३३ | ४१६९६ | २९११५ | ४१९१२ |
| | श्रेणी बिहीन | २१३५१ | २१०८२ | २०३१७ | २००३६ |
| २ | सिटरोल दर्ता | २२५२ | १८५१ | १५५५ | ३८२६ |
| ३ | सेवा निवृत्त कर्मचारी | २५१६ | १६१२ | १८२४ | २२०१ |
| ४ | उपदान | २१९ | १०१ | ९३ | १४८ |

*पहिलो आठ महिनासम्मको ।

स्रोत: निजामती किताबखाना ।

जनशक्ति विकास

१२.२० सरकारी सेवामा कार्यरत कर्मचारीहरूको ज्ञान, सीप, क्षमता र दक्षता अभिवृद्धि गर्न हाल करिब १९ वटा तालिम प्रदायक संस्थाहरू कार्यरत छन् । ती संस्थाहरूमा नेपाल प्रशासनिक प्रशिक्षण प्रतिष्ठान, कर्मचारी प्रशिक्षण प्रतिष्ठान, स्थानीय विकास प्रशिक्षण प्रतिष्ठान, राजस्व प्रशासन तालिम केन्द्र, हुलाक प्रशिक्षण केन्द्र, केन्द्रीय सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, परराष्ट्र मामिला अध्ययन प्रतिष्ठान, न्याय सेवा तालिम केन्द्र, राष्ट्रिय न्यायिक प्रतिष्ठान, नेपाल, राष्ट्रिय स्वास्थ्य तालिम केन्द्र, शैक्षिक जनशक्ति विकास केन्द्र, कृषि तालिम निर्देशनालय, पशु सेवा तालिम तथा प्रसार निर्देशनालय, पाँच वटा क्षेत्रीय वन तालिम केन्द्रहरू र भूमि व्यवस्थापन प्रशिक्षण केन्द्र रहेका छन् । यी संस्थाहरूले निरन्तर रूपमा आ-आफ्नो क्षेत्रगत वार्षिक कार्यक्रम अनुसार तालिम कार्यक्रमहरू संचालन गर्दै आईरहेका छन् । साथै, सबैको लागि तालिम (Training For All) कार्यक्रम लागू भएपछि यी निकायहरूले वार्षिक कार्यक्रममा समावेश कार्यक्रमको अलावा अन्य थप तालिम कार्यक्रम पनि संचालन गर्नुपर्ने अवस्था देखिन्छ ।

तालिका १२ (ख): नेपाल प्रशासनिक प्रशिक्षण प्रतिष्ठानबाट संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमहरूको विवरण

| आर्थिक वर्ष | कार्यक्रम | लक्ष्य | | प्रगति | |
|-------------|-----------|------------------|----------------------|------------------|----------------------|
| | | कार्यक्रम संख्या | प्रशिक्षार्थी संख्या | कार्यक्रम संख्या | प्रशिक्षार्थी संख्या |
| २०६८/६९ | नियमित | ५९ | १३९५ | ५४ | ११७७ |
| | सशुल्क | ४३ | ० | ४८ | ११३७ |
| | जम्मा | १०२ | १३९५ | १०२ | २३१४ |
| २०६९/७० | नियमित | ५० | १०९५ | ५० | १०८८ |
| | सशुल्क | ५० | १०३७ | २६ | ६९९ |
| | जम्मा | १०० | २१३२ | ७६ | १७८७ |
| २०७०/७१ | नियमित | ६१ | १४३५ | ५४ | ११८८ |
| | सशुल्क | ९२ | १८२३ | ५२ | १२१८ |
| | जम्मा | १५३ | ३२५८ | १०६ | २४०६ |
| २०७१/७२* | नियमित | ३६ | ८७० | २४ | ५९९ |
| | सशुल्क | १७ | ३४० | २२ | ४६३ |
| | जम्मा | ५३ | १२१० | ४६ | १०६२ |

* प्रथम आठ महिनाको

स्रोत : नेपाल प्रशासनिक प्रशिक्षण प्रतिष्ठान

शान्ति तथा पुनर्निर्माण

- १२.२१ विस्तृत शान्ति सम्झौतापछि शुरु गरिएको शान्ति प्रक्रियालाई सार्थक निष्कर्षमा पुऱ्याउने उद्देश्यले जनआन्दोलनका क्रममा जीवन उत्सर्ग गरेका शहिदहरुको सम्मान, बेपत्ता पारिएकाहरुको खोजी, द्वन्द्व पीडितहरुलाई राहत तथा पुनःस्थापना, पुन-एकीकरण र संक्रमणकालीन न्याय प्रदान एवं द्वन्द्वका क्रममा क्षतिग्रस्त भौतिक संरचनाहरुको पुनर्निर्माण जस्ता विषयहरुलाई प्राथमिकताका साथ अगाडि बढाइएको छ ।
- १२.२२ सशस्त्र द्वन्द्वका क्रममा भएका मानव अधिकारको गम्भीर उल्लङ्घन तथा मानवता विरुद्धको अपराध सम्बन्धी घटना र त्यस्तो घटनामा संलग्न व्यक्तिहरुको बारेमा सत्य अन्वेषण तथा छानविन गरी वास्तविक तथ्य जनसमक्ष ल्याउन र समाजमा मेलमिलाप गराई दिगो शान्ति निर्माण गर्न लगायत त्यस्ता घटनासँग सम्बन्धित गम्भीर अपराधमा संलग्न व्यक्तिलाई कानुनी कारवाहीको लागि सिफारिस गर्नको लागि बेपत्ता पारिएका व्यक्तिको छानविन आयोग र सत्य निरुपण तथा मेलमिलाप आयोगको गठन गरी दुवै आयोगहरुले आ-आफ्नो काम शुरु गरेका छन् ।
- १२.२३ मुलुकमा शान्ति, सुरक्षा, सुव्यवस्था कायम गर्न र पुनर्निर्माण कार्यलाई प्रभावकारी तुल्याउन नेपाल सरकारद्वारा चालिएका नीतिगत कदमहरुको रुपमा विभिन्न नीति, ऐन, नियम, निर्देशिका तथा कार्यविधिहरु कार्यान्वयनमा ल्याईएका छन् ।

तालिका १२ (ग): राहत, आर्थिक सहायता, पुनर्निर्माण तथा पुनर्स्थापनाको अवस्था

| कार्यक्रम | कुल सङ्ख्या | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | जम्मा |
|--|-------------|---------|---------|---------|---------|----------|-------|
| मृतकका नजिक हकदारलाई राहत (रु १ लाख) | १७८८६ | ३३२ | २२५ | १०० | १७४ | २२ | १४३९७ |
| मृतकका नजिक हकदारलाई राहत (थप रु २ लाख) | १४८३१ | - | १०२४१ | २४३ | १९९ | ३८ | १०७२१ |
| सर्वसाधारण मृतकका एकल महिलालाई राहत (रु २५ हजार) | ४७०० | ११९२ | १६५ | ५ | ८८ | ८२ | ४७२८ |
| बेपत्ता पारिएका व्यक्तिका हकदारलाई राहत (रु १ लाख) | १५३० | १०५ | १३८१ | ४२ | ४७ | १० | १५३० |
| बेपत्ता पारिएका व्यक्तिका हकदारलाई राहत (थप रु २ लाख) | १५३० | - | १२०५ | २६७ | २५ | ५ | १५०२ |
| बेपत्ता पारिएका व्यक्तिका एकल महिला (रु २५ हजार) | - | - | ५०० | १११ | ३८ | २ | ६५१ |
| विस्थापित भएकालाई आर्थिक सहायता | ७९५७१ | - | - | - | - | - | २५००० |
| व्यक्तिगत सम्पत्ति क्षति भएकालाई आर्थिक सहायता | १७४८४ | ८२५ | ३३४२ | १०४५ | १०९ | ९५ | ९२४९ |
| अङ्गभङ्ग अपाङ्ग भएकाहरूलाई आर्थिक सहायता | ८१९१ | १७९४ | १४२० | २९९६ | १८१० | ४६ | ८१९१ |
| अपहरणमा परेका व्यक्तिलाई राहत (रु २५ हजारका दरले) | ३१४२ | ९९८ | १०४४ | ९०५ | १८३ | १२ | ३१४२ |
| जनआन्दोलनका शहिदका परिवारलाई मासिक भत्ता | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ |
| जनआन्दोलनका घाइते मासिक जिवन निर्वाह भत्ता | ३० | ३० | ३० | ३० | २९ | २९ | ३० |
| जनआन्दोलनका घाइतेहरूका सन्तानलाई छात्रवृत्ति | ३८ | ३८ | ३८ | ३८ | ३८ | ३८ | ३८ |
| ५१% भन्दा माथि अङ्गभङ्ग भएकालाई जीवन निर्वाह भत्ता | ७४४ | - | - | ७३६ | ७४४ | ७४४ | ७४४ |
| आमाबाबु दुवै गुमाएका टुहुरा बालबालिकालाई राहत | ६२० | - | ५९२ | ६२० | ६२० | ६२० | ६२० |
| शान्ति सम्झौता पश्चातका घटनामा परी मृत्यु हुनेका हकदारलाई राहत | - | २५ | ३१ | २ | १ | - | ५९ |
| क्षतियस्त भौतिक संरचनाहरूको पुनर्निर्माण | ८९१६ | ४८७ | २८१ | १३ | २०७ | ६४ | २९०९ |
| शान्तिका लागि विकास कार्यक्रमबाट संचालित आयोजना | - | - | - | ६१ | ३९ | ४५ | १४५ |
| द्वन्द्व प्रभावित क्षेत्र विशेष कार्यक्रम | - | - | - | ४१३ | ८० | - | ४९३ |

*प्रथम आठ महिनाको ।

स्रोत: शान्ति तथा पुनर्निर्माण मन्त्रालय ।

- १२.२४ स्थानीयस्तरमा हुने द्वन्द्वलाई न्यूनीकरणका गरी समाजमा मेलमिलाप कायम गर्न एवं शान्ति निर्माण र प्रवर्द्धन कार्यहरू गर्न ७५ जिल्ला स्तरीय, ५५ नगरपालिकास्तरीय तथा २ हजार ५ सय १९ गाँउ विकास समितिस्तरीय शान्ति समितिहरू क्रियाशील रहेका छन् । स्थानीयस्तरमा द्वन्द्व रूपान्तरण, शान्ति तथा मेलमिलाप कायम गर्न समितिहरूले अग्रणी भूमिका निर्वाह गरिरहेका छन् ।
- १२.२५ नेपाल सरकारको स्वामित्व र व्यवस्थापनमा वि.सं. २०६३ माघमा सरकार र विकास साझेदारहरूको संयुक्त पहलमा विस्तृत शान्ति सम्झौता र अन्य शान्तिसम्बन्धी सम्झौताको कार्यान्वयनका लागि प्राविधिक तथा आर्थिक सहयोग पुऱ्याउने ध्येयले शान्ति कोषको स्थापना भै संचालन हुँदै आएको छ ।
- १२.२६ शिविर व्यवस्थापन तथा माओवादी लडाकूको समायोजन /पुनर्स्थापना, द्वन्द्व प्रभावित व्यक्ति र समुदायलाई सहयोग, सुरक्षा तथा संक्रमणकालीन न्याय प्रवर्द्धन, संविधानसभा निर्वाचन र राष्ट्रिय तथा स्थानीय स्तरको शान्ति निर्माण कार्यमा सहयोग जस्ता विषयहरूमा केन्द्रित भई शान्ति कोषबाट कार्य संचालन हुँदै आएका छन् ।

समस्या तथा चुनौतीहरू

- १२.२७ सुशासन ऐन तथा नियमावलीले सुशासन कायम गर्न गरेका व्यवस्थाहरू र त्यसमा भएका बिभिन्न प्रयासहरूको बावजूद कार्यान्वयनको अवस्था, विभिन्न पदाधिकारीहरूलाई प्रदान गरिएका अधिकारको प्रयोग र जिम्मेवारीहरू निर्वाहको स्थितिको विश्लेषण तथा पुनरावलोकन हुन सकेको छैन । फलत जवाफदेहिता र पारदर्शिता कायम गराउने चुनौती कायमै रहेको छ ।
- १२.२८ स्थानीय तहमा रहेको सुरक्षा सवाल, द्वन्द्व प्रभावित स्थानमा कर्मचारीको अभाव, निर्वाचित स्थानीय निकायको अभावले गर्दा समयानुकूल गुणस्तरीय सेवा प्रवाह आशातित रूपमा हुन सकेको छैन ।
- १२.२९ सेवा प्रदायक निकायमा कार्यरत व्यक्तिहरूमा सकारात्मक सोचको कमी र समस्या समाधान तर्फ उन्मुखताको कमी हुनु, परिलक्षित उद्देश्यहरूको नतीजामूलक तथा सहभागितामूलक अनुगमन र मूल्यांकन गर्न कठिन हुनु,

कार्यक्रमहरूको प्राथमिकीकरण नगरिनु एवं कार्यान्वयनको लागि पर्याप्त गृहकार्य हुन नसक्नु जस्ता प्रमुख समस्याहरू रहेका छन् ।

- १२.३० राजनीति र सरकारी प्रशासनबीच रहने ब्यवस्थापकीय तथा सुशासनका मुल्य र मान्यतामा आधारित आपसी सम्बन्धका सर्वमान्य सिद्धान्तहरूको अवलम्बनद्वारा सार्वजनिक नीति निर्माण र कार्यान्वयनमा तालमेल मिलाई कुशल र प्रभावकारी प्रशासनको माध्यमबाट मुलुकको आर्थिक, सामाजिक रुपान्तरण गर्नु चुनौती रहेको छ ।
- १२.३१ मनोबल उच्च पार्ने तथा उत्प्रेरणा अभिवृद्धि गर्ने प्रकृतिका कार्यहरूको न्युनताले गर्दा कर्मचारीहरूको स्व-उत्प्रेरणामा वृद्धि हुन नसक्नु, तथ्याङ्क अभिलेख प्रणाली को विकास हुन नसक्नु तथा सुचना प्रविधिको उपयोग गर्न सक्ने जनशक्तिको अपर्याप्तताले कर्मचारी प्रशासन सम्बन्धी निर्णय तथा कार्यसम्पादनमा चुस्तता आउन नसक्नु जस्ता समस्याहरू रहेका छन् ।
- १२.३२ संगठन तथा व्यवस्थापन सर्भेक्षण कार्यमा वस्तुनिष्ठ एवं कार्यालयको आवश्यकता विश्लेषण प्रभावकारी रुपमा हुन नसक्नुका साथै व्यवस्थापन परिक्षण गर्ने कार्यमा विषयगत मन्त्रालयहरूको चासो कम रहनु पनि समस्याको रुपमा रहेको छ ।
- १२.३३ दिगो शान्तिको प्राप्ती, भेदभाव रहित समतामुलक व्यवहार, राज्यका सबै तहमा समान अवसर उपलब्ध गराउनु, द्वन्द्वका कारणले क्षतिभएका सार्वजनिक भौतिक संरचनाहरूको पुनर्निर्माणका लागि विनियोजित रकम न्युन हुदाँ पुनर्निर्माण कार्य सुस्त गतिमा हुनु, संक्रमणकालीन अवस्थालाई सामान्यीकरण गर्नका लागि आयोगहरू गठन भैसकेको अवस्थामा राहत तथा पुनस्थापनाका कार्यक्रमहरूलाई संचालन गर्ने, मन्त्रालयको गठन पश्चात् विभिन्न समूह, संगठन, दलहरूसँग भएका सहमति सम्झौताहरूको कार्यान्वयन, वेपत्ता पारिएका व्यक्तिको छानविन आयोग र सत्य निरूपण तथा मेलमिलाप आयोगलाई आवश्यक साधन स्रोतको व्यवस्थापन तथा समन्वय गर्ने आदि समस्या र चुनौतिहरू रहेका छन् ।

सामाजिक क्षेत्र

शिक्षा

१३.१ मानव विकासको सुदृढीकरण मार्फत देशको सामाजिक तथा आर्थिक विकासको गतिलाई अभिवृद्धि गर्ने उदेश्यले राज्यले शिक्षाको क्षेत्रमा लगानी गर्दै आएको छ । चालु आर्थिक वर्षमा कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा शिक्षा क्षेत्रको योगदान ६.७० प्रतिशत रहने प्रारम्भिक अनुमान छ । गत वर्ष कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान ६.४० प्रतिशत रहेको थियो । गत आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रको वृद्धिदर ४.८१ प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रको वृद्धिदर ४.९७ प्रतिशत रहने प्रारम्भिक अनुमान रहेको छ । हरेक वर्ष शिक्षाको क्षेत्रमा समतामूलक पहुँच विस्तार, गुणस्तर सुधार, सक्षमता अभिवृद्धि गर्ने कार्यक्रमहरू सञ्चालन भई आएका छन् । पूर्वप्राथमिक शिक्षा, विद्यालय शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षाका कार्यक्रमहरू मार्फत शिक्षाको आधार मजबुत बनाउन तर्फ विशेष जोड दिइएको छ ।

१३.२ देशमा शैक्षिकस्तरको अभिवृद्धि गर्दै दक्ष जनशक्तिको उत्पादन गर्नुका साथै जनशक्ति विकासमा पिछडिएका, सीमान्तकृत एवं उत्पिडीत वर्गहरूलाई समेत मुलप्रवाहीकरणमा ल्याउदै क्षेत्रगत हिसावले सन्तुलित रूपमा कार्य गर्न आवश्यक देखिन्छ । त्यस्तै शिक्षा क्षेत्रको प्रभावकारिताका लागि साक्षरता प्रतिशत, कुल एवं खुद भर्नादर, लैङ्गिक समता सूचकांक, Retention Rate, Coefficient of Efficiency, विद्यालय-विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात जस्ता सूचकहरूको भूमिका महत्वपूर्ण हुने देखिन्छ ।

विद्यालय शिक्षा

१३.३ विद्यालय शिक्षामा पहुँच बढाउन, दिगो टिकाउ दर कायम गर्न र गुणस्तर अभिवृद्धि गर्न विगतका समय देखि नै विभिन्न कार्यक्रमहरू संचालन हुँदै आएका छन् । फलस्वरूप यस क्षेत्रमा क्रमिक सुधार हुँदै आएको छ । प्राथमिक तहको खुद भर्ना दर ९६.२ पुगेको छ । साक्षरता दर र खूद भर्नादरमा क्रमिक रूपमा सुधार भएको छ । राष्ट्रिय जनगणना, २०११ अनुसार नेपालमा ६ बर्ष भन्दा बढी उमेर समुहको कुल साक्षरता दर ६५.९ प्रतिशत पुगेको छ । त्यसैगरी

नेपाल जीवनस्तर सर्भेक्षण २०१०/११ अनुसार १५ वर्ष भन्दा बढी उमेर समुहको साक्षरता दर ५६.५ प्रतिशत पुगेको छ ।

तालिका १३ (क): शैक्षिक सूचकहरूको अवस्था (प्रतिशत)

| सूचकहरू | इकाई | उपलब्धी | | | | | | |
|--|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| | | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| १. कक्षा १ मा भर्ना | | | | | | | | |
| कक्षा १ नयाँ प्रवेश सहित पूर्व बाल्यावस्थाको शिक्षा विकास अनुभव | प्रतिशत | ३६.२ | ४९.९ | ५२.१ | ५४.३ | ५५.६ | ५६.९ | ५९.६ |
| कुल भर्नादर | प्रतिशत | १४७.७ | १४४.० | १४२.४ | १४०.७ | १३७.७ | १४१.८ | १३७ |
| खुद भर्नादर | प्रतिशत | ८१.० | ८६.४ | ८९.० | ९०.७ | ९१.२ | ९१.६ | ९३ |
| २. कुल भर्नादर (सहजै देखिने भर्ना दर) | | | | | | | | |
| पूर्व बाल्यावस्था शिक्षा विकास/पूर्व प्राथमिक | प्रतिशत | ६३.४ | ६६.२ | ७०.० | ७२.९ | ७३.७ | ७६.७ | ७७.७ |
| आधारभूत शिक्षा (१-८) | प्रतिशत | १२३.० | १२३.० | १२४.० | १२३.७ | १२०.१ | ११५.७ | ११७.१ |
| माध्यमिक शिक्षा | प्रतिशत | ४०.० | ४४.७ | ४६.२ | ४९.४ | ५१.७ | ५०.४ | ५१.६ |
| ३. खुद भर्नादर | | | | | | | | |
| प्राथमिक शिक्षा | प्रतिशत | ९१.९ | ९३.७ | ९४.५ | ९५.१ | ९५.३ | ९५.६ | ९६.२ |
| आधारभूत शिक्षा | प्रतिशत | ७३.० | ८३.२ | ८६.० | ८६.६ | ८७.५ | ८६.३ | ८७.६ |
| माध्यमिक शिक्षा | प्रतिशत | २१.० | २३.९ | २७.१ | ३०.६ | ३२.४ | ३३.२ | ३४.७ |
| ४. आवश्यक योग्यता र तालिम प्राप्त शिक्षक | | | | | | | | |
| आधारभूत शिक्षा | प्रतिशत | ६६.० | ७५.० | ७९.० | ९१.१ | ९१.५ | ९२.५ | ९३.७ |
| माध्यमिक शिक्षा | प्रतिशत | ७७.० | ८५.० | ८८.० | ९०.१ | ९०.७ | ९१.५ | ९३.० |
| ५. आवश्यक प्रमाणपत्र प्राप्त शिक्षक | | | | | | | | |
| आधारभूत शिक्षा | प्रतिशत | ९१.० | ९२.० | ९४.० | - | ९६.९ | ९८.१ | ९८.६ |
| माध्यमिक शिक्षा | प्रतिशत | ९१.० | ९२.० | ९४.० | - | ९८.० | ९८.७ | ९८.९ |
| ६. विद्यार्थी शिक्षक अनुपात (सामुदायिक विद्यालयको स्वीकृत शिक्षक दरवन्दी र राहत शिक्षक अनुदानमा कार्यरत शिक्षक सङ्ख्याका आधारमा) | | | | | | | | |
| आधारभूत शिक्षा | अनुपात | ४३:१ | ४४:१ | ४६:१ | ४४:१ | ४२:१ | ४१:१ | ४१:१ |
| माध्यमिक शिक्षा | अनुपात | ३९:१ | ३४:१ | ३५:१ | ३६:१ | ३१:१ | ३१:१ | ३०:१ |
| ७. दोहोर्‍याउने दर | | | | | | | | |
| कक्षा १ | प्रतिशत | २८.३ | २६.५ | २२.६ | २१.३ | १९.९ | १७.५ | १५.२ |
| कक्षा ८ | प्रतिशत | ११.० | ७.० | ६.६ | ६.० | ६.० | ४.९ | ४.५ |
| ८. कोहर्ट (Cohort) तरिका अनुसार कक्षा ५ र ८ सम्म पुग्ने दर | | | | | | | | |
| कक्षा ५ | प्रतिशत | ५८.० | ७७.९ | ८०.६ | ८२.८ | ८४.२ | ८५.४ | ८६.८ |

| सूचकहरू | इकाई | उपलब्धी | | | | | | |
|--|---------|----------|---------|---------|----------|--------------------|-------------------------------------|-------------------------------------|
| | | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| कक्षा ८ | प्रतिशत | ४१.० | ६२.० | ६६.० | ६७.५ | ६९.६ | ७२.१ | ७४.६ |
| ९. कोइफिसिएन्ट अफ इफिसिएन्सी (Coefficient of Efficiency) | | | | | | | | |
| आधारभूत शिक्षा | अनुपात | ०.५ | ०.६१ | ०.६५ | ०.६६ | ०.७७ | ०.७९ | ०.७३ |
| १०. सिकाई उपलब्धी | | | | | | | | |
| कक्षा ५ | प्रतिशत | ५३.० | - | - | - | - | गणित ५३ नेपाली ६० अंग्रेजी ५४ | गणित ५३ नेपाली ६० अंग्रेजी ५४ |
| कक्षा ८ | प्रतिशत | ४६.० | - | - | - | ४४** २ ६३*** | गणित ४३ नेपाली ४९ सामाजिक ४९ | गणित ३५ नेपाली ४८ सामाजिक ४९ |
| ११. उत्तीर्ण दर | | | | | | | | |
| प्रवेशिका | प्रतिशत | ६८.४७ | ६४.३१ | ५५.५ | ४७.६५ | ४१.५७ | ४३.९२ | ४७.४३ |
| उच्च माध्यमिक (कक्षा ११) | प्रतिशत | - | ४०.०५ | ३९.२६ | ३८.१५ | ३९.९४ | ३९.८० | - |
| उच्च माध्यमिक (कक्षा १२) | प्रतिशत | - | ४६.६८ | ४३.९० | ४७.५५ | ४३.३९ | ४४.२९ | - |
| १२. साक्षरता दर | | | | | | | | |
| उमेर समूह (१५-२४) | प्रतिशत | ७३.० | ७३.० | ७३.० | - | ८८.६ | - | - |
| उमेर समूह (६ वर्ष भन्दा बढी) | प्रतिशत | ५१ (a) | ५१ | ५१ | ६०.९ (b) | ६५.९ (c) | ६५.९ | ६५.९ |
| उमेर समूह (१५ वर्ष भन्दा बढी) | प्रतिशत | ४८ (a) | ४८ | ४८ | ५६.५ (b) | ५६.५ | ५६.५ | ५६.५ |
| १३. लैङ्गिक समता सूचक (GPI) को आधारमा साक्षरता (१५ वर्ष भन्दा बढी) | अनुपात | ०.५२ (a) | ०.५२ | ०.५२ | ०.६२ (b) | ०.६२ | ०.६२ | ०.६२ |

* प्रथम आठ महिनाको ।

** सामुदायिक विद्यालय

*** संस्थागत विद्यालय

(a) NLSS Report(2003/04), (b) NLSS Report(2010/11), (c) National Population Census Report(2011)

स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय/केन्द्रीय तथ्यांक विभाग ।

विद्यालय व्यवस्थापन

१३.४ सरोकारवाला समुदायहरूको प्रत्यक्ष सहभागितामा सामुदायिक विद्यालयहरूको व्यवस्थापन तथा सञ्चालनको अधिकार स्थानीय समुदायमा निक्षेपण गर्दै जाने नीति अनुरूप आर्थिक वर्ष २०५९/६० देखि चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनासम्म भएको उपलब्धी देहाय बमोजिम रहेको छ ।

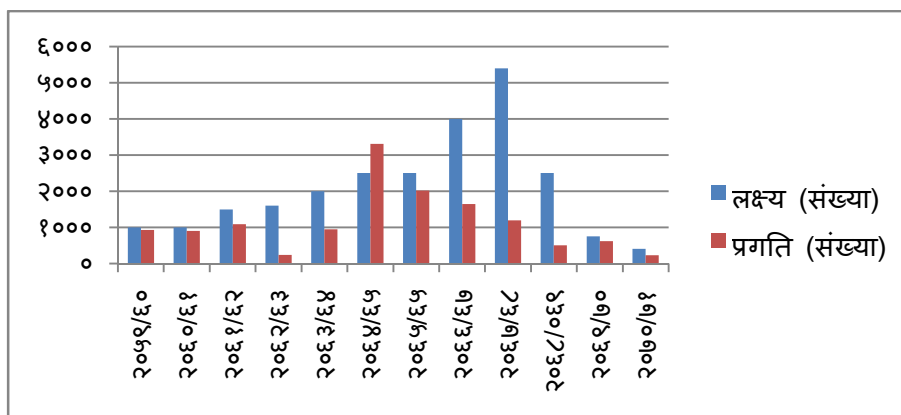
तालिका १३ (ख): विद्यालयको व्यवस्थापन समुदायमा हस्तान्तरण गरिएको विवरण

| आर्थिक वर्ष | लक्ष्य (संख्या) | प्रगति (संख्या) | प्रतिशत |
|-------------|-----------------|-----------------|---------|
| २०५९/६० | १००० | ९३० | ९३.० |
| २०६०/६१ | १००० | ९०७ | ९०.७ |
| २०६१/६२ | १५०० | १०९२ | ७२.८ |
| २०६२/६३ | १६०० | २४१ | १५.०६ |
| २०६३/६४ | २००० | ९४९ | ४७.४५ |
| २०६४/६५ | २५०० | ३३०८ | १३२.३२ |
| २०६५/६६ | २५०० | २०१७ | ८०.६८ |
| २०६६/६७ | ४००० | १६४७ | ४१.१८ |
| २०६७/६८ | ५४०० | ११९५ | २०.१९ |
| २०६८/०६९ | २५०० | ५०७ | २०.२८ |
| २०६९/७० | ७५० | ६१९ | ८२.५३ |
| २०७०/७१ | ४११ | २३२ | ५६.४५ |
| २०७१/७२ | - | - | - |
| जम्मा | | १३६४४ | |

*प्रथम आठ महिनाको ।

स्रोत: शिक्षा विभाग

चार्ट १३ (क): विद्यालयको व्यवस्थापन समुदायमा हस्तान्तरण गरिएको विवरण



१३.५ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्म १३ हजार ६ सय ४४ विद्यालयहरू समुदायलाई हस्तान्तरण गरिएको छ । सुरुका वर्षहरूमा उत्साहजनक रूपमा भएको हस्तान्तरण कार्य आर्थिक वर्ष २०६८/६९ सम्म आईपुग्दा निकै कम भएकोमा त्यसपछिका वर्षहरूमा भने सन्तोषप्रद देखिएको छ । चालु आर्थिक वर्षबाट

समुदायबाट माग भए अनुसारका विद्यालयहरूलाई समुदायमा हस्तान्तरण प्रक्रियामा लैजाने प्रावधानको थालनी भएको छ ।

पूर्व प्राथमिक शिक्षा तथा बालविकास कार्यक्रम

१३.६ बालबालिकाहरूको सर्वाङ्गीण विकासका लागि, उपर्युक्त हेरचाह तथा सामाजिकीकरणमा सहयोग गर्दै प्राथमिक तहको शिक्षाका लागि तयारी गर्ने लक्ष्यका साथ कक्षा १ को भर्ना, पढाइ निरन्तरता तथा सक्षमता समुह अभिवृद्धि गर्ने उद्देश्यले ३-४ वर्ष उमेर समुहका बालबालिकाहरूलाई लक्षित गरी पूर्वप्राथमिक तथा प्रारम्भिक बालविकास कार्यक्रमहरू सञ्चालन हुँदै आएका छन् । विशेषतः पिछडिएका समुदायका बालबालिकाहरूलाई लक्षित गरी समुदाय तथा विद्यालयमा आधारित बालविकास केन्द्रहरू विस्तार गर्ने नीतिअनुरूप आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनासम्ममा ३० हजार ५ सय ३५ वटा बालविकास केन्द्रहरू सञ्चालनमा रहेका छन् । यसको अतिरिक्त ५ हजार ८७ पूर्व प्राथमिक कक्षाहरू संस्थागत विद्यालयहरूमा समेत सञ्चालनमा रहेका छन् । गत शैक्षिक सत्रमा कक्षा १ मा भर्ना हुने बालबालिका मध्ये बालविकास केन्द्रको अनुभव लिएकाहरूको उपस्थिति संख्या ५६.९ प्रतिशत रहेकोमा यस शैक्षिक सत्रमा वृद्धि भई ५९.६ प्रतिशत पुगेको छ ।

तालिका १३ (ग) : पूर्वप्राथमिक शिक्षाको स्थिति

| आर्थिक वर्ष | थप भएका बालविकास केन्द्र (संख्या) | जम्मा बालविकास केन्द्र (संख्या) | लाभान्वित बालबालिका (संख्या) | प्रारम्भिक बालविकासको भर्नादर | कक्षा एकमा भर्ना हुने मध्ये बालविकास केन्द्रको अनुभव लिएका विद्यार्थीहरूको प्रतिशत |
|-------------|-----------------------------------|---------------------------------|------------------------------|-------------------------------|--|
| २०६६/६७ | २००० | २६७७२ | ९४७२७८ | ६६.०२ | ४९.९ |
| २०६७/६८ | २००० | २८७७५ | १०१८५४३ | ७०.० | ५२.१० |
| २०६८/६९ | ५०० | २९२७३ | १०५६४३० | ७२.९ | ५४.३० |
| २०६९/७० | २६२ | २९५३५ | १०५३०५४ | ७३.७ | ५५.६० |
| २०७०/७१ | ५०० | ३००३५ | १०४७१२३ | ७६.७ | ५६.९० |
| २०७१/७२* | ५०० | ३०५३५ | १०१४३३९ | ७७.७ | ५९.६० |

* प्रथम आठ महिनाको विवरणको आधारमा ।

स्रोत: शिक्षा विभाग ।

छात्रवृत्ति कार्यक्रम

१३.७ शिक्षाका विभिन्न तहमा विद्यार्थीहरूको समतामूलक पहुँच विस्तार, टिकाउदरमा सुधार र अर्थपूर्ण सिकाइको अवसर विस्तार गर्ने उद्देश्यले विद्यालय शिक्षाका विभिन्न तहमा विभिन्न छात्रवृत्तिहरू उपलब्ध गराइँदै आएको छ ।

तालिका १३ (घ): विद्यालयका छात्रछात्राहरूलाई उपलब्ध छात्रवृत्ति (संख्यामा)

| छात्रवृत्ति | आर्थिक वर्ष | | | | |
|---|-------------|---------|---------|---------|---------|
| | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | ०७०/७१ | ०७१/७२* |
| कक्षा १-८ मा अध्ययनरत सबै बालिका छात्रवृत्ति (कर्णाली प्याकेज १-१० समेत) | २२९३७४४ | २२७६४७९ | १९०७४६९ | १६८६४८० | १०४५६८४ |
| अपाड छात्रवृत्ति (१-८) | ६२१६३ | ६९९४४ | ५९०९८ | ५३९०३ | १३३९९ |
| अपाड छात्रवृत्ति (९-१०) | ४४९४ | ६१९३ | ४८४१ | ४०५५ | ७८८ |
| विशेष लक्षित समूहका लागि छात्रवृत्ति (२२ जनजातिहरू) (१-८) | १०४१५७ | ८६७१२ | १०६५१७ | ७७९०० | २७६७७ |
| दलित छात्रवृत्ति (१-८) | ११००३४९ | १२००८१६ | १०००७४१ | ८७०८८८ | ५३१५८१ |
| दलित छात्रवृत्ति (९-१०) | - | ७५५११ | ७९५८७ | ७५३८६ | ३९७५५ |
| सहिदका छोराछोरीका लागि छात्रवृत्ति | ३७ | ६२ | ८९ | ९९ | १२ |
| कम्लरीका लागि क्षमता विकास र छात्रवृत्ति | ७६७३ | ७८८६ | ६८८२ | ७६५५ | ३४७९ |
| द्वन्द्व पिडित छात्रवृत्ति | ३८०८ | ८०९७ | ७४१२ | ६८४६ | ५२३ |
| हिमाली छात्रावासका विद्यार्थीका लागि छात्रवृत्ति दुर्गम | ४१३ | ४०७ | ४३७ | ४८० | ४२८ |
| फिडर छात्रावासका विद्यार्थीका लागि छात्रवृत्ति | ४०० | ४०० | ३९९ | ३९१ | ३३० |
| नमुना विद्यालयका विद्यार्थीका लागि छात्रवृत्ति | १४८ | २२२ | ३८२ | ३०७ | ३५६ |
| हिमाली आवासिय विद्यालय छात्रावासका विद्यार्थीका लागि छात्रवृत्ति | २२० | १४० | १६० | १८० | १२८ |
| माध्यमिक शिक्षा छात्रवृत्ति | ५८८३६ | ५९०२३ | ५८४१२ | ५५८२६ | ३७२७० |
| लोपोन्मुख तथा अति सिमान्तकृत छात्रवृत्ति, मुक्त कमैया, हलिया, चरुवा र वादीका सन्तती समेत (९-१०) | १३५९५ | ३२७०३ | ९२५२ | ८५५२ | ११०० |
| लक्षित समूहलाई उमावि तहको विज्ञान विषय अध्यापन गर्नेहरूका लागि छात्रवृत्ति | ८० | ७६ | ६८ | ३९ | - |

*प्रथम आठ महिनाको ।

स्रोत: शिक्षा विभाग ।

शिक्षक व्यवस्थापन

१३.८ खुला परीक्षाबाट आर्थिक वर्ष २०७०।७१ मा प्राथमिक तर्फ ७ हजार ९ सय २० जना, निम्न माध्यमिक तर्फ २ हजार ६ सय ७० र माध्यमिक तर्फ २ हजार १ सय ४६ गरी जम्मा १२ हजार ७ सय ३६ जना शिक्षकहरु नियुक्तिको लागि सिफारिस गरिएकोमा चालु आर्थिक वर्षमा माध्यमिक तर्फ १ हजार ३ सय २६ र निम्न माध्यमिक तर्फ १ हजार ८ सय ६० गरी ३ हजार १ सय ८६ शिक्षकहरुको पदपूर्तिको लागि विज्ञापन गरिएको छ ।

शहीद तथा द्वन्द्व पीडित सन्तति शिक्षा

१३.९ शहीद एवं वेपत्ता, घाइते र अपाङ्गता भएका बालबालिकाहरुलाई विद्यालय शिक्षा दिने उद्देश्यले शहीद प्रतिष्ठान स्थापना भई देहायबमोजिम आवासीय सुविधा सहितको शिक्षा प्रदान गरिएको छ ।

तालिका १३ (ड): विद्यालय तथा लाभान्वित विद्यार्थीहरुको विवरण (संख्यामा)

| विद्यालय | शैक्षिक सत्र | | | | | |
|--|--------------|------|------|------|------|------|
| | २०६७ | २०६८ | २०६९ | २०७० | २०७१ | २०७२ |
| शहीद स्मृति आवासिय विद्यालय, सुनसरी | २३९ | २३४ | २६२ | ३०० | ३२८ | ३४२ |
| शहीद स्मृति आवासिय विद्यालय, जिरी, दोलखा | १८२ | २०० | २१७ | २४० | २०५ | २८७ |
| शहीद स्मृति प्राथमिक आवासिय विद्यालय, कास्की | २०८ | २१८ | २२८ | २४० | २९८ | २५९ |
| शहीद स्मृति आवासिय विद्यालय, मानपुर, दाङ्ग | २४४ | २८५ | ३५० | ४०० | ३८२ | ४२१ |
| शहीद स्मृति आवासिय विद्यालय, राजपुर, डोटी | १८५ | १६९ | १९५ | २२० | २०४ | २५० |
| जम्मा | १०५८ | ११०६ | १२५२ | १४०० | १४१७ | १५५९ |

स्रोत: शिक्षा विभाग ।

शिक्षाको लागि खाद्य कार्यक्रम

१३.१० प्राथमिक शिक्षाको पहुँचमा कमी भएका १७ जिल्लाका छनौटमा परेका गाँउ विकास समितिहरुका शुद्ध प्राथमिक तहमा अध्ययनरत बालबालिकाहरुको दैनिक उपस्थिति बढाउन, कक्षा छाड्ने दर घटाउन, सिकाई, उपलब्धि/क्षमता बढाउन साथै खाद्यान्न अभाव र शिक्षाको पहुँचमा अति न्यून देखिएका जिल्लाहरुका विद्यार्थीहरुको पोषण र स्वास्थ्य स्थितिमा सुधार ल्याउन दिवा खाजा कार्यक्रम सञ्चालन हुँदै आएको छ । हाल दिवा खाजा कार्यक्रम १०

जिल्ला (दैलेख, रुकुम, डोटी, डडेल्धुरा, अछाम, बैतडी, बझाङ्ग, बाजुरा, दार्चुला, जाजरकोट) मा मात्र सञ्चालन भइरहेको छ ।

तालिका १३ (च): शिक्षाको लागि खाद्य कार्यक्रमको विवरण

| आर्थिक वर्ष | कार्यक्रम | उपलब्धी (विद्यार्थी संख्या) |
|-------------|---|--------------------------------|
| २०६८/०६९ | दिवा खाजा कार्यक्रम | १,३२,००० |
| | छात्रा उत्प्रेरणा कार्यक्रम | ४०,१९७ |
| | मातृ तथा शिशु स्वास्थ्य स्याहार कार्यक्रम | १५,४९७ |
| २०६९/०७० | दिवा खाजा कार्यक्रम | १,५१,७०१ |
| | छात्रा उत्प्रेरणा कार्यक्रम | ५०,१८० |
| | मातृ तथा शिशु स्वास्थ्य स्याहार कार्यक्रम | १४,३२५ |
| २०७०/०७१ | दिवा खाजा दिवा खाजा कार्यक्रम | १,४१,४२३ |
| २०७१/०७२* | दिवा खाजा दिवा खाजा कार्यक्रम | १,५६,००० |

* प्रथम आठ महिनाको ।

स्रोत: शिक्षाको लागि खाद्य कार्यक्रम परियोजना ।

प्राविधिक तथा व्यावसायिक तालिम

१३.१ देशमा रोजगारमूलक मध्यमस्तरीय जनशक्ति उत्पादन गरी देश विकासमा सक्रिय योगदानको लागि प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिमले महत्वपूर्ण स्थान ओगटेको छ। यस अन्तर्गत चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनासम्ममा प्राविधिक एस.एल.सी (आङ्गिक) तर्फ कुल १ हजार १ सय ५० जना भर्ना भएका र यस अवधीमा ३ सय ७२ जनाले सो तालीम प्राप्त गरिसकेका छन् । त्यसैगरी, डिप्लोमा प्रमाणपत्र तह (आङ्गिक) तर्फ कुल १ हजार ५ सय ४९ जना भर्ना भएका र यस अवधीमा ५ सय ५ जनाले सो तालीम प्राप्त गरेका छन् । यस कार्यक्रम अन्तर्गत लक्षित वर्ग र समूहका लागि प्राविधिक एस.एल.सी. तह र डिप्लोमा/प्रमाणपत्र तहमा छात्रवृत्ति प्रदान हुँदै आएको छ । (विस्तृत विवरण अनुसूचि १३.१ मा)

१३.१२ व्यावसायिक शिक्षा तथा तालिम अभिवृद्धि परियोजनाबाट विभिन्न तालिम कार्यक्रमहरू सञ्चालन हुँदै आएका छन् । यस अन्तर्गत Skill Test Assessors

तालिम, Skill Test Manager तालिम, मुख्य प्रशिक्षक तालिम लगायतका कार्यक्रमहरु सञ्चालनमा रहेका छन् ।

तालिका १३ (छ): व्यावसायिक शिक्षा तथा तालिम अभिवृद्धिको विवरण

| कार्यक्रम | एकाई | आर्थिक वर्ष | | |
|---|------|-------------|---------|----------|
| | | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| Skill Test Assessors तालिम | जना | १४५६ | १३२४ | ९०० |
| Skill Test Manager तालिम | जना | १३१ | १०५ | ० |
| मुख्य प्रशिक्षक तालिम | जना | ४० | ४५ | २५ |
| प्रशिक्षक तथा सहायक प्रशिक्षक तालिम | जना | ३२० | ६७२ | ४२९ |
| डिप्लोमा तथा प्राविधिक एस्.एल्.सी. अध्ययन गर्ने विद्यार्थीका लागि छात्रवृत्ति | जना | ९०८ | ८४४ | १६६० |
| नतिजामा आधारित छोटो अवधिको तालिम | जना | ६९२४ | १४३३५ | १८९६० |
| भौचरमा आधारित छोटो अवधिको तालिम | जना | - | ४४९५ | १००८१ |

*प्रथम आठ महिनाको ।

स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय ।

अनौपचारिक शिक्षा तथा खुला विद्यालय

१३.१३ राष्ट्रिय साक्षरता अभियान अन्तर्गत निरक्षर प्रौढहरुका लागि आधारभुत साक्षरता कक्षा र सिप विकास तालिम, नवसाक्षरहरुका लागि प्रौढ साक्षरोत्तर र महिला शिक्षा दोस्रो, नवसाक्षर महिलाहरुको साक्षरता सिपलाई दिगो बनाउन र आयस्तर उकास्न समूह गठन गरी आयआर्जन तथा बचत तथा ऋण कार्यक्रम, विद्यालय बाहिर रहेका विद्यालय उमेर समुहका किशोर किशोरीहरुलाई शिक्षामा मूल प्रवाहीकरण गर्न वैकल्पिक, खुला तथा प्रौढ विद्यालय कार्यक्रमहरु संचालित हुँदै आएका छन् ।

तालिका १३ (ज): अनौपचारिक शिक्षा अन्तर्गत सन्चालित कार्यक्रमहरूको विवरण

| कार्यक्रम | एकाई | आर्थिक वर्ष | | |
|---|---------------|-------------|---------|----------|
| | | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| साक्षरता कक्षा | कक्षा | - | | - |
| | सहभागी संख्या | ११०५०६३ | १३४४८६६ | - |
| प्रौढ साक्षरोत्तर | कक्षा | १२००० | १२००० | - |
| | सहभागी संख्या | २४०००० | २४०००० | - |
| प्राथमिक शिक्षा विस्तार कार्यक्रम | कक्षा | २४८ | २४८ | - |
| अनौपचारिक प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम | कक्षा | ३५३ | ५२६ | ३४६ |
| खुला विद्यालय नि.मा.वि. | विद्यालय | ३७ | ३७ | ३७ |
| आयआर्जन समुह | समुह | ५,०५० | ५०५० | ५,०५० |
| विषयगत तालिम | संख्या | ३०९६२ | ३०९६२ | ३०९६२ |
| बचत तथा ऋण तालिम | जना | १०,१०० | १०१०० | १०,१०० |
| सामुदायिक अध्ययन केन्द्र स्थापना | केन्द्र | १७५ | २१२ | १९ |
| अनौपचारिक शिक्षा स्थापना र अनौपचारिक शिक्षा शाखा प्रमुखहरूको अभिमुखीकरण | क्षेत्र | ५ | ५ | ५ |
| | जना | ८० | ८० | ८० |
| कार्यक्रम कार्यान्वयन अभिमुखीकरण | क्षेत्र | ५ | ५ | ५ |
| | जना | १६० | १६० | १६० |
| समीक्षा तथा पृष्ठपोषण | क्षेत्र | ५ | ५ | ५ |

*प्रथम आठ महिनाको ।

स्रोत: अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र/शिक्षा मन्त्रालय।

१३.१४ विभिन्न कारणवस विद्यालयमा गई नियमित रूपमा अध्ययन गर्न असमर्थ रहेका जनसमुदायहरूलाई विद्यालय तहको शिक्षाको वैकल्पिक अवसर उपलब्ध गराउन निम्न माध्यमिक तहका ३७ वटा र माध्यमिक तहका ८४ वटा खुला विद्यालयहरूबाट लक्षित समुहहरूलाई सुविधा प्रदान गरिदै आईरहेको छ ।

भौतिक सुविधा विस्तार कार्यक्रम

१३.१५ यस अन्तर्गत विद्यालयमा थप कक्षाकोठाहरूको निर्माण, विद्यालय मर्मत, विद्यालय वरपरको वातावरणमा सुधार जस्तै शौचालय निर्माण, खानेपानी,

तारबार लगायतका कार्यहरु हुँदै आईरहेका छन् । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ५ हजार १ सय ३१ वटा कक्षाकोठाहरुको निर्माण भएको छ ।

तालिका १३ (झ): विद्यालय भौतिक सुविधा विस्तार कार्यक्रमको विवरण

| आर्थिक वर्ष | कक्षाकोठा (वटा) | बाह्य वातावरण(विद्यालय) | मर्मत(विद्यालय) |
|-------------|-----------------|-------------------------|-----------------|
| २०६६/०६७ | ६५५० | ४२८० | ४०११ |
| २०६७/६८ | ४९६७ | ४८८१ | ३०० |
| २०६८/६९ | ६०३७ | ४००९ | ४८६ |
| २०६९/७० | ३६९४ | १००० | १००० |
| २०७०/७१ | ५१३१ | २६३७ | ६३६ |

स्रोत: शिक्षा विभाग।

प्रति विद्यार्थी अनुदान कार्यक्रम

१३.१६ सामुदायिक विद्यालयहरुमा नतिजामुखी अनुदान प्रणालीलाई स्थापित गरी विद्यालयहरुमा विद्यार्थीहरुलाई टिकाउने र गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गरी तोकिए बमोजिमको स्तर कायम राख्न प्रेरित गर्ने मनसायले विगतका समय देखि नै विद्यालयहरुलाई प्रति विद्यार्थी अनुदान वितरण गर्ने व्यवस्था गरिएको छ ।

विद्यालय, विद्यार्थी र शिक्षकहरुको विवरण र अनुपात

१३.१७ शैक्षिक सत्र २०७१ मा नेपालमा प्राथमिक तहमा सञ्चालन भएका ३४ हजार ८ सय ६ विद्यालयहरुमध्ये भौगोलिक क्षेत्रअनुसार हिमाल, पहाड, काठमाडौं उपत्यका र तराईमा क्रमशः १२.१ प्रतिशत, ५०.५ प्रतिशत, ६.३ प्रतिशत र ३१.१ प्रतिशत, निम्नमाध्यमिक तहदर्फ १४ हजार ९ सय ५२ मध्ये हिमाल, पहाड, काठमाडौं उपत्यका र तराईमा क्रमशः १०.७ प्रतिशत, ४५.७ प्रतिशत, ११.३ प्रतिशत र ३२.३ प्रतिशत रहेको छ भने माध्यमिक तहदर्फ ८ हजार ८ सय २५ मध्ये हिमाल, पहाड, काठमाडौं उपत्यका र तराईमा क्रमशः ९.० प्रतिशत, ४३.६ प्रतिशत, १५.४ प्रतिशत र ३२.० प्रतिशत विद्यालयहरु रहेका छन्।

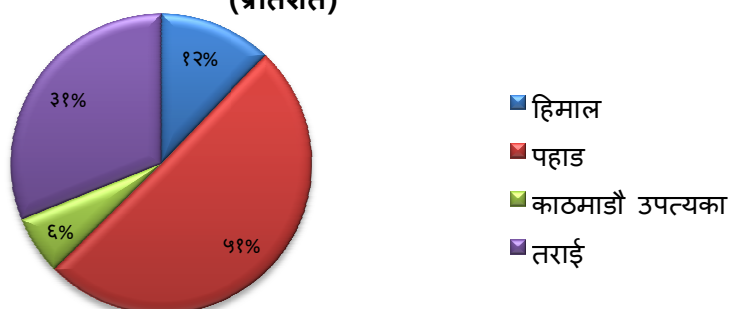
तालिका १३ (ज): भौगोलिक क्षेत्रअनुसार विभिन्न तहका विद्यालयहरूको विवरण

| भौगोलिक क्षेत्र | कुल विद्यालय (एकाइ) | प्राथमिक तह (कक्षा १-५) | निम्न माध्यमिक तह (कक्षा ६-८) | आधारभूत तह (कक्षा १-८) | माध्यमिक तह (कक्षा ९-१०) | उच्च माध्यमिक तह (कक्षा ११-१२) | उच्च माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) |
|------------------|---------------------|-------------------------|-------------------------------|------------------------|--------------------------|--------------------------------|-------------------------------|
| नेपाल | ३४८०६ | ३४३३५ | १४९५२ | ३४५०६ | ८८२५ | ३६५९ | ९१२० |
| हिमाल | ४२२५ | ४१८७ | १६०७ | ४२१८ | ७९४ | ३१९ | ८०१ |
| पहाड | १७५६६ | १७४२९ | ६८३० | १७५१४ | ३८४६ | १५९३ | ३८९७ |
| काठमाडौं उपत्यका | २२०६ | २०७० | १६८६ | २०८४ | १३६० | ४४८ | १४७९ |
| तराई | १०८०९ | १०६४९ | ४८२९ | १०६९० | २८२५ | १२९९ | २९४३ |

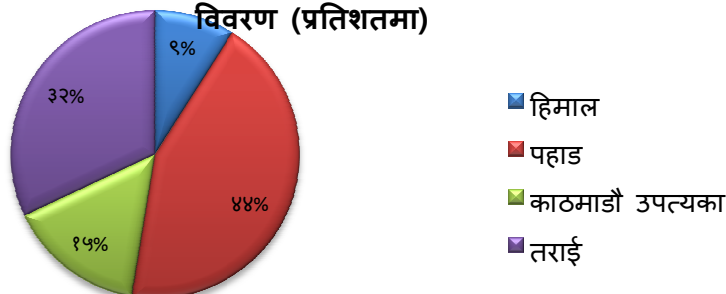
स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय।

विद्यालय क्षेत्र सुधार योजना (SSRP) ले ९-१२ लाई माध्यामिक शिक्षाको रूपमा परिभाषित गरेको।

चार्ट १३ (ख) : सबै तहका विद्यालयहरूको क्षेत्रगत विवरण (प्रतिशत)



चार्ट १३ (ग) : माध्यमिक तहका विद्यालयहरूको क्षेत्रगत विवरण (प्रतिशतमा)



१३.१८ शैक्षिक सत्र २०७१ मा प्रति विद्यालय विद्यार्थी अनुपात प्राथमिक, निम्न माध्यमिक र माध्यमिक (९-१०) तहमा क्रमशः १२६, १२३ र १०२ रहेको छ जुन अनुपात गत शैक्षिक सत्रमा क्रमशः १२६.७, १२०.० र ९७.४ रहेको थियो । त्यसैगरी, शैक्षिक सत्र २०७० मा प्रति विद्यालय शिक्षक अनुपात प्राथमिक, निम्न माध्यमिक र माध्यमिक (९-१०) तहमा क्रमशः ५.३, ३.४ र ४.२ रहेकोमा शैक्षिक सत्र २०७१ मा क्रमशः ५, ४ र ४ रहेको छ ।

तालिका १३ (ट) : तहगत विद्यालय, विद्यार्थी र शिक्षक अनुपात

| अनुपात | प्राथमिक कक्षा (१-५) | निम्न माध्यमिक कक्षा (६-८) | आधारभूत कक्षा (१-८) | माध्यमिक कक्षा (९-१०) | उच्च माध्यमिक कक्षा (११-१२) | माध्यमिक कक्षा (९-१२) |
|-----------------------|----------------------------|----------------------------------|---------------------------|-----------------------------|--------------------------------|-----------------------------|
| विद्यार्थी / विद्यालय | १२६ | १२३ | १७९ | १०२ | ११६ | १४४ |
| शिक्षक/ विद्यालय | ५ | ४ | ७ | ४ | ५ | ६ |
| विद्यार्थी/शिक्षक | २३ | ३५ | २६ | २३ | २२ | २३ |

स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय।

१३.१९ शैक्षिक सत्र २०७१ मा सामुदायिक (सरकारी) विद्यालय तर्फ प्राथमिक, निम्न माध्यमिक र माध्यमिक तहमा प्रति शिक्षक विद्यार्थी अनुपात क्रमशः २६, ४२ र ३० रहेकोमा निजी/सरकारी विद्यालय तर्फ क्रमशः २३, ३५ र २३ रहेको छ । यो अनुपात शैक्षिक सत्र २०७० मा सामुदायिक विद्यालय तर्फ प्राथमिक, निम्न माध्यमिक र माध्यमिक तहमा क्रमशः २७.२, ४२.६ र ३०.५ तथा निजी/सरकारी विद्यालय तर्फ क्रमशः २३.९, ३५.४ र २३.४ रहेको थियो । यो अनुपात पश्चिमाञ्चल विकास क्षेत्र अन्तर्गत हिमालमा रहेका सामुदायिक विद्यालय तर्फ प्राथमिक तहमा सबै भन्दा कम ४ र मध्यमाञ्चल विकास क्षेत्र अन्तर्गत तराईमा रहेका सामुदायिक विद्यालय तर्फ निम्न माध्यमिक तहमा सबै भन्दा बढी ७३ रहेको छ ।

तालिका १३ (ठ): प्रति शिक्षक विद्यार्थी अनुपात

| क्षेत्र | प्रति शिक्षक विद्यार्थी अनुपात | | | | | |
|--------------------|--------------------------------|---------------|----------|--|---------------|----------|
| | निजी/सरकारीको जम्मा | | | सरकारी मात्र (सामुदायिक विद्यालय सबैको) | | |
| | प्राथमिक | निम्नमाध्यमिक | माध्यमिक | प्राथमिक | निम्नमाध्यमिक | माध्यमिक |
| नेपाल | २३ | ३५ | २३ | २६ | ४२ | ३० |
| पूर्वाञ्चल क्षेत्र | २२ | ३६ | २७ | २४ | ४१ | ३१ |
| हिमाल | १८ | २८ | २१ | १९ | २९ | २१ |
| पहाड | १७ | ३१ | २५ | १७ | ३२ | २६ |
| तराई | २७ | ४३ | २९ | ३४ | ५७ | ४० |
| मध्यमाञ्चल | २७ | ३१ | १९ | ३३ | ४३ | २८ |
| हिमाल | १६ | ३१ | २३ | १७ | ३३ | २५ |
| पहाड | १७ | ३१ | २१ | १९ | ३५ | २८ |
| तराई | ५२ | ६० | ३७ | ५७ | ७३ | ४२ |
| उपत्यका | १६ | १८ | ११ | १५ | २० | १४ |
| पश्चिमाञ्चल | १६ | ३० | १९ | १८ | ३४ | २४ |
| हिमाल | ४ | ८ | ५ | ४ | ८ | ५ |
| पहाड | १३ | २७ | १९ | १४ | ३० | २२ |
| तराई | २४ | ३५ | २० | ३१ | ४८ | ३१ |
| मध्यपश्चिमाञ्चल | २९ | ५२ | ३६ | ३१ | ५६ | ४१ |
| हिमाल | २३ | ४३ | ३३ | २४ | ४५ | ३३ |
| पहाड | ३२ | ५५ | ४१ | ३३ | ५७ | ४२ |
| तराई | २८ | ५२ | ३३ | ३० | ५८ | ४५ |
| सुदूरपश्चिमाञ्चल | २५ | ४२ | ३६ | २७ | ४२ | ३५ |
| हिमाल | २० | ३० | २५ | २१ | ३१ | २५ |
| पहाड | २३ | ३५ | २६ | २५ | ३५ | २६ |
| तराई | ३१ | ६१ | ६१ | ३७ | ६० | ५७ |

स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय।

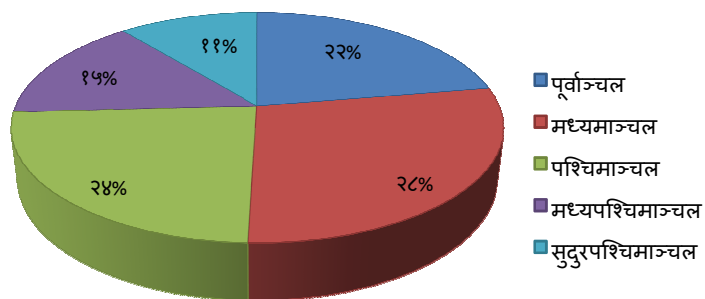
१३.२० विकासक्षेत्र अनुसार विद्यालयको संख्या मध्यमाञ्चलमा सबैभन्दा बढी रहेको छ । सामुदायिकस्तरमा सञ्चालित प्राथमिक विद्यालयहरूमध्ये पश्चिमाञ्चलको तुलनामा मध्यपश्चिमाञ्चल र सुदूरपश्चिमाञ्चलमा बढी भएको देखिन्छ । त्यसैगरी निजीस्तरबाट सञ्चालित माध्यमिक तहका विद्यालयहरू मध्ये मध्यमाञ्चलमा मात्र करीब ५० प्रतिशत विद्यालयहरू रहेकोमा सो अनुपात सुदूरपश्चिमाञ्चलमा जम्मा ५ प्रतिशतको हाराहारीमा रहेको देखिन्छ ।

तालिका १३ (ड): विभिन्न प्रकारका विद्यालयहरूको क्षेत्रगत विवरण

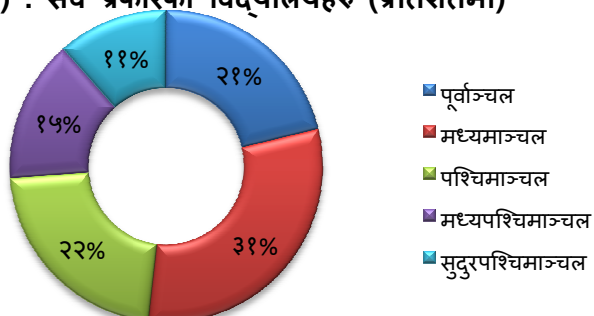
| विकास क्षेत्र | सरकारीस्तरमा सञ्चालित | | | सामुदायिकस्तरमा सञ्चालित | | | निजीस्तरमा सञ्चालित | | |
|------------------|-----------------------|-------------------|-------------|--------------------------|-------------------|-------------|---------------------|-------------------|-------------|
| | प्राथमिक तह | निम्न माध्यमिक तह | माध्यमिक तह | प्राथमिक तह | निम्न माध्यमिक तह | माध्यमिक तह | प्राथमिक तह | निम्न माध्यमिक तह | माध्यमिक तह |
| पूर्वाञ्चल | ५५७८ | १५७७ | ७९५ | ८२७ | ८५६ | ४६५ | १०६३ | ६८८ | ४४८ |
| मध्यमाञ्चल | ६७४३ | २१०५ | ११५५ | १०३१ | ८८९ | ५५८ | २१६४ | १७३८ | १४०९ |
| पश्चिमाञ्चल | ५८६७ | १५८९ | ९७४ | ४९९ | ७०३ | ३९६ | ११९७ | ९१० | ६४२ |
| मध्यपश्चिमाञ्चल | ३८३० | ९८१ | ४८७ | १०७५ | ८७० | ३९३ | ४८७ | २७८ | १८२ |
| सुदूरपश्चिमाञ्चल | २६६९ | ८३० | ३९१ | ८५५ | ७०६ | ३९७ | ४४४ | २३२ | १३३ |
| जम्मा | २४६८७ | ७०८२ | ३८०२ | ४२९३ | ४०२४ | २२०९ | ५३५५ | ३८४६ | २८१४ |

स्रोत: शिक्षा विभाग/शिक्षा मन्त्रालय /

चार्ट १३ (घ) : सरकारीस्तरमा संचालित विद्यालयहरू (प्रतिशतमा)



चार्ट १३ (ङ) : सबै प्रकारका विद्यालयहरू (प्रतिशतमा)



परम्परागत विद्यालय

१३.२१ शैक्षिक सत्र २०७१ मा मुलुकभर परम्परागत आश्रम/गुरुकुल, गुम्बा, विहार र मदरसातर्फका प्राथमिक तहका ८ सय ८२, निम्न माध्यमिक तहका ५०,

माध्यमिक तहका २१ तथा आधारभूत तहका कुल ८ सय ९५ विद्यालयहरू सञ्चालनमा रहेका छन् । गत शैक्षिक सत्रमा यो संख्यामा क्रमशः ८ सय ६७, ४७, २० र ८ सय ७९ रहेको थियो ।

तालिका १३ (ढ): परम्परागत विद्यालयहरूको विवरण (संख्यामा)

| परम्परागत विद्यालय | विद्यालय एकाइ | तहगत विद्यालय | | | |
|--------------------|---------------|---------------|----------------|----------|---------|
| | | प्राथमिक | निम्न माध्यमिक | माध्यमिक | आधारभूत |
| मदरसा | ७४५ | ७४४ | २७ | १३ | ७४५ |
| गुम्बा र विहार | ७८ | ७६ | ७ | १ | ७८ |
| आश्रम र गुरुकुल | ७२ | ६२ | १६ | ७ | ७२ |
| जम्मा | ८९५ | ८८२ | ५० | २१ | ८९५ |

स्रोत: शिक्षा विभाग ।

शिक्षक विवरण

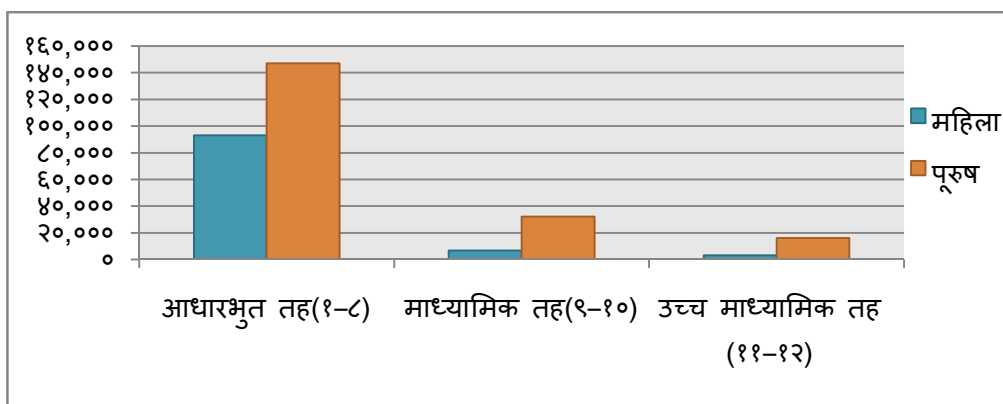
१३.२२ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को ८ महिनासम्ममा सामुदायिक र संस्थागत विद्यालयमा कार्यरत शिक्षकमध्ये सामुदायिकतर्फ महिला शिक्षकको संख्या ६६ हजार ८ सय ५४ र पुरुष १ लाख ४९ हजार ८४ गरी २ लाख १५ हजार ९ सय ३८ रहेकोमा संस्थागततर्फ महिला शिक्षकको संख्या ३६ हजार ४ र पुरुष शिक्षकको संख्या ४६ हजार १ सय २७ गरी जम्मा ८२ हजार १ सय ३१ रहेको छ । सबै तहका विद्यालयमा कार्यरत शिक्षकहरूको संख्या २ लाख ९८ हजार ६९ पुगेको छ । गत वर्षको यहि अवधीमा यो संख्या २ लाख ९२ हजार ८ सय ४५ रहेको थियो ।

तालिका १३ (ण): सामुदायिक र संस्थागत विद्यालयमा कार्यरत सबै किसिमका शिक्षक विवरण

| तह | सामुदायिक विद्यालय | | संस्थागत विद्यालय | | कुल | | |
|--------------------------|--------------------|---------|-------------------|--------|---------|---------|---------|
| | महिला | पुरुष | महिला | पुरुष | महिला | पुरुष | जम्मा |
| प्राथमिक तह(१-५) | ५३,३८१ | ८६,५४१ | २५,२४९ | २२,५१३ | ७८,६३० | १०९,०५४ | १८७,६८४ |
| नि.मा. तह(६-८) | ७,६३६ | २९,१३५ | ६,७९८ | ८,७७९ | १४,४३४ | ३७,९१४ | ५२,३४८ |
| आधारभूत तह(१-८) | ६१,०१७ | ११५,६७६ | ३२,०४७ | ३१,२९२ | ९३,०६४ | १४६,९६८ | २४०,०३२ |
| माध्यमिक तह(९-१०) | ३,३५६ | २०,७६९ | ३,४१९ | ११,३१४ | ६,७७५ | ३२,०८३ | ३८,८५८ |
| उच्च माध्यमिक तह (११-१२) | २,४८१ | १२,६३९ | ५३८ | ३,५२१ | ३,०१९ | १६,१६० | १९,१७९ |
| माध्यमिक तह(९-१२) | ५,८३७ | ३३,४०८ | ३,९५७ | १४,८३५ | ९,७९४ | ४८,२४३ | ५८,०३७ |
| कुल (१-१२) | ६६,८५४ | १४९,०८४ | ३६,००४ | ४६,१२७ | १०२,८५८ | १९५२११ | २९८,०६९ |

स्रोत: शिक्षा विभाग।

चाई १३ (च): सवै तहका विद्यालयमा महिला तथा पुरुष शिक्षकहरूको संख्या



१३.२३ आधारभूत तहका शिक्षकहरूमध्ये संस्थागत विद्यालयहरूमा पुरुषभन्दा महिला शिक्षक (५०.६ प्रतिशत) बढी रहेका छन् । सामुदायिक विद्यालयहरूमा एक तिहाई भन्दा पनि कम (३०.१ प्रतिशत) महिला शिक्षक रहेकोमा संस्थागत विद्यालयमा ४३.८४ प्रतिशत रहेका छन् ।

१३.२४ आधारभूत तहका सबै प्रकारका विद्यालयहरूमा शिक्षण पेशामा संलग्न महिला शिक्षकको अवस्था हेर्दा अझै सुधार गर्नु पर्ने अवस्था छ । यस तहमा लैङ्गिक समता सूचकाङ्क ०.६३ रहेको छ भने निम्न माध्यमिक र प्राथमिक तहमा यो सूचक क्रमशः ०.३८ र ०.७२ रहेको छ । तर संस्थागत विद्यालयमा यो सूचकाङ्क सामुदायिक विद्यालयको तुलनामा उत्तम देखिन्छ । सामुदायिक विद्यालय अन्तर्गत आधारभूत तहमा लैङ्गिक समता सूचकाङ्क ०.५३ रहेकोमा संस्थागत विद्यालयमा १.०२ रहेको छ ।

तालिका १३ (त): आधारभूत तहमा विद्यालयगत र तहगत शिक्षकहरूको लैङ्गिक विवरण

| विद्यालयको किसिम | प्राथमिक (१-५) | | | निम्नमाध्यमिक (६-८) | | | आधारभूत (१-८) | | |
|---|----------------|---------------|-----------------------|---------------------|---------------|-----------------------|---------------|---------------|-----------------------|
| | महिला प्रतिशत | पुरुष प्रतिशत | लैङ्गिक समता सूचकाङ्क | महिला प्रतिशत | पुरुष प्रतिशत | लैङ्गिक समता सूचकाङ्क | महिला प्रतिशत | पुरुष प्रतिशत | लैङ्गिक समता सूचकाङ्क |
| सबै प्रकारका विद्यालयमा कार्यरत कुल शिक्षक संख्यामा लैङ्गिक समता सूचकाङ्क | ४१.९ | ५८.१ | ०.७२ | २७.६ | ७२.४ | ०.३८ | ३८.८ | ६१.२ | ०.६३ |
| संस्थागत विद्यालयमा कार्यरत कुल शिक्षक संख्यामा लैङ्गिक समता सूचकाङ्क | ५२.९ | ४७.१ | १.१२ | ४३.६ | ५६.४ | ०.७७ | ५०.६ | ४९.४ | १.०२ |
| सामुदायिकविद्यालयमा कार्यरत सबै किसिमका जम्मा शिक्षक संख्यामा लैङ्गिक समता सूचकाङ्क | ३८.२ | ६१.८ | ०.६२ | २०.८ | ७९.२ | ०.२६ | ३४.५ | ६५.५ | ०.५३ |

स्रोत: शिक्षा विभाग ।

विद्यार्थी विवरण

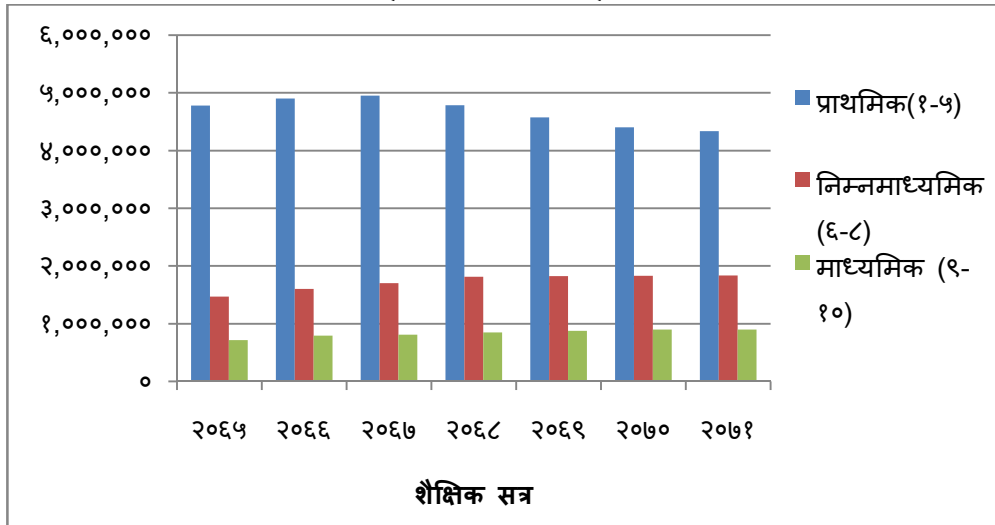
१३.२५ शैक्षिक सत्र २०७१ मा आधारभूत तहमा ६१ लाख ७० हजार ६ सय ६८ र माध्यमिक तहमा ९ लाख ५ सय ८५ विद्यार्थी भर्ना भएका छन् । गत शैक्षिक सत्रमा यो संख्या क्रमशः ६२ लाख ३० हजार १ सय ३१ र ८ लाख ९६ हजार ९ सय १९ रहेको थियो ।

तालिका १३ (थ): विद्यालय तहमा विद्यार्थी भर्नाको अवस्था

| तह | २०६५ | २०६६ | २०६७ | २०६८ | २०६९ | २०७० | २०७१ |
|------------------------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|
| प्राथमिक(१-५) | ४,७८२,३१३ | ४,९००,६६३ | ४,९५१,९५६ | ४,७८२,८८५ | ४,५७६,६९३ | ४,४०१,७८० | ४,३३५,३५५ |
| निम्नमाध्यमिक (६-८) | १,४६६,८६२ | १,६०४,४२२ | १,६९९,९२७ | १,८१२,६८० | १,८२३,१९२ | १,८२८,३५१ | १,८३५,३१३ |
| आधारभूत (१-८) | ६,२४९,१७५ | ६,५०५,०८५ | ६,६५१,८८३ | ६,५९५,५६५ | ६,३९९,८८५ | ६,२३०,१३१ | ६,१७०,६६८ |
| माध्यमिक (९-१०) | ७१५३७८ | ७९०३४८ | ८११९१० | ८४८५६९ | ८७८०४७ | ८९६,९१९ | ९००,५८५ |

स्रोत: शिक्षा विभाग।

चार्ट १३ (छ): विद्यालय तहमा विद्यार्थी भर्नाको अवस्था



१३.२६ चालु शैक्षिक सत्र २०७१ मा सामुदायिक तथा संस्थागत विद्यालयहरूमा कक्षा १ देखि १० र कक्षा १ देखि १२ सम्म अध्ययनरत कुल विद्यार्थी संख्या क्रमशः ७० लाख ७१ हजार २ सय ५३ र ७५ लाख २४ हजार ८ सय ५० पुगेको छ । कुल अध्ययनरत विद्यार्थी मध्ये छात्रको भन्दा छात्राहरूको संख्या कक्षा १ देखि

१० सम्म र कक्षा १ देखि १२ सम्म दुबैमा अधिक क्रमशः ५०.७९ प्रतिशत र ५०.५९ प्रतिशत रहेको तथ्याङ्कले देखाएको छ ।

तालिका १३ (द): तहगत विद्यार्थी भर्नाको अवस्था (शैक्षिक सत्र २०७१)

| तह | विद्यार्थी संख्या | | |
|--------------------------|-------------------|-----------|-----------|
| | छात्रा | छात्र | जम्मा |
| प्राथमिक तह (१-५) | २,२०१,३१३ | २,१३४,०४२ | ४,३३५,३५५ |
| नि.मा. तह (६-८) | ९३०,९४९ | ९०४,३६४ | १,८३५,३१३ |
| आधारभुत (१-८) | ३,१३२,२६२ | ३,०३८,४०६ | ६,१७०,६६८ |
| माध्यमिक तह (९-१०) | ४५८,९४९ | ४४१,६३६ | ९००,५८५ |
| उच्च माध्यमिक तह (११-१२) | २१५,९८१ | २३७,६१६ | ४५३,५९७ |
| माध्यमिक तह (९-१२) | ६७४,९३० | ६७९,२५२ | १,३५४,१८२ |
| कक्षा १-१० सम्मको जम्मा | ३,५९१,२११ | ३,४८०,०४२ | ७,०७१,२५३ |
| कक्षा १-१२ सम्मको जम्मा | ३८०७,१९२ | ३७१७६५८ | ७,५२४,८५० |

स्रोत: शिक्षा विभाग/उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद् ।

१३.२७ शैक्षिक सत्र २०७१ मा खुद भर्नादर प्राथमिक तथा (५ देखि ९ वर्ष उमेरसमूह) का बालबालिकाहरूको ९६.२ प्रतिशत, निम्नमाध्यमिक तथा (१० देखि १२ वर्ष उमेरसमूह) को ७४.६ प्रतिशत र माध्यमिक तह (१३ देखि १४ वर्ष उमेरसमूह) को ५६.१ प्रतिशत रहेको छ । यसैगरी कुल भर्नादर (उपरोक्त उमेर समूह बाहेकका समेतको) प्राथमिक तहमा १३४.४ प्रतिशत, निम्नमाध्यमिक तहमा ८९.७ प्रतिशत र माध्यमिक तहमा ७०.१ प्रतिशत रहेको छ ।

१३.२८ आधारभुत तह (१-८) तथा कक्षा (९-१०) मा लैंगिक समता सूचक क्रमशः १.०३ र १.०४ रहेको छ । यसले कक्षा १ देखि १० सम्म अध्ययन गर्ने छात्राहरूको संख्या छात्रहरूको भन्दा बढी रहेको देखिन्छ । तर उच्च माध्यमिक तह (११-१२) मा भने लैंगिक समता सूचक ०.९१ रहेको छ । एस.एल.सी मा छात्राहरूको उत्तीर्ण प्रतिशत छात्रहरूको तुलनामा कमी हुनु तथा उच्च माध्यमिक तहमा अध्ययन गर्ने जाने छात्राहरूको संख्या तुलनात्मक कम हुनुले उच्च माध्यमिक तहमा लैंगिक समता सूचक कम देखिएको हो ।

तालिका १३ (ध): तहगत विद्यार्थी भर्नादर (GER and NER) तथा लैंगिक समता सुचक (GPI)

| विद्यालय तह | कुल भर्ना दर | | | खुद भर्ना दर | | | लैंगिक समता सुचक |
|--------------------------|--------------|-------|-------|--------------|-------|-------|------------------|
| | छात्रा | छात्र | जम्मा | छात्रा | छात्र | जम्मा | |
| प्राथमिक तह (१-५) | १४०.३ | १२८.९ | १३४.४ | ९५.७ | ९६.६ | ९६.२ | १.०३ |
| निम्न माध्यामिक तह (६-८) | ९२.० | ८७.४ | ८९.७ | ७५.५ | ७३.८ | ७४.६ | १.०३ |
| आधारभूत (१-८) | १२१.४ | ११२.९ | ११७.१ | ८७.६ | ८७.७ | ८७.६ | १.०३ |
| माध्यामिक तह (९-१०) | ७०.१ | ७०.२ | ७०.१ | ५५.९ | ५६.३ | ५६.१ | १.०४ |
| उच्चमाध्यामिक तह (११-१२) | ३३.२ | ३२.६ | ३२.९ | १३.३ | १२.९ | १३.१ | ०.९१ |
| माध्यामिक तह (९-१२) | ५१.९ | ५१.४ | ५१.६ | ३४.७ | ३४.६ | ३४.७ | ०.९९ |

स्रोत: शिक्षा विभाग।

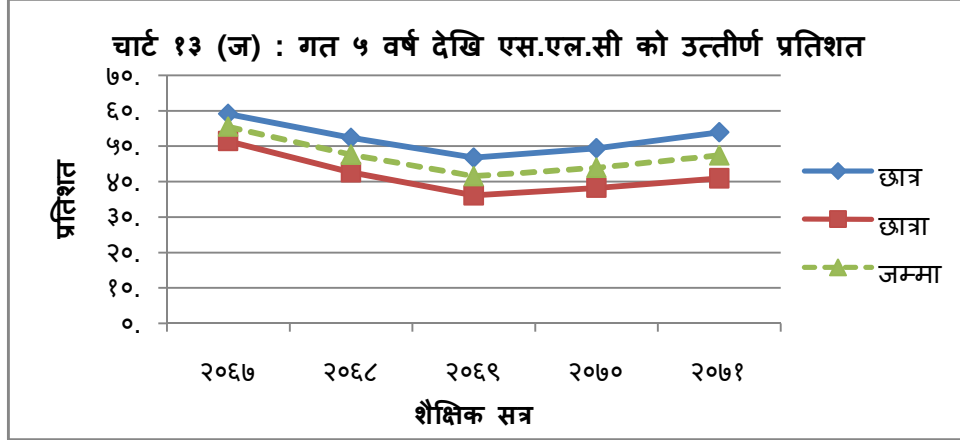
१३.२९ शैक्षिक बर्ष २०७० मा नियमित तर्फ एस.एल.सी मा सम्मिलित कुल विद्यार्थी संख्या जम्मा ३ लाख ९४ हजार ९ सय ३३ रहेकोमा शैक्षिक सत्र २०७१ मा सो संख्या ७ दशमलव ९२ प्रतिशतले बढेर जम्मा ४ लाख २६ हजार २ सय १४ रहेको छ।

तालिका १३ (न): एस.एल.सी. परीक्षामा सम्मिलित र उत्तीर्ण छात्र छात्राहरुको विवरण

(संख्यामा)

| वर्ष | सामेल | नियमित | | | एकजाम्टेड | | |
|------|----------|--------|--------|--------|-----------|--------|--------|
| | | छात्र | छात्रा | जम्मा | छात्र | छात्रा | जम्मा |
| २०६७ | सामेल | २१०२५३ | १८७५०६ | ३९७७५९ | २३८९४ | ३२३६९ | ५६२६३ |
| | उत्तीर्ण | १२४३०५ | ९६४६१ | २२०७६६ | ४४३१ | ५३०२ | ९७३३ |
| | प्रतिशत | ५९.१२ | ५१.४४ | ५५.५० | १८.५४ | १६.३८ | १७.३० |
| २०६८ | सामेल | २१५००८ | २०४११३ | ४१९१२१ | ३३५१९ | ४३४८१ | ७७००० |
| | उत्तीर्ण | ११२६२७ | ८७०८७ | १९९७१४ | ५१९५ | ५६१२ | १०८०७ |
| | प्रतिशत | ५२.३८ | ४२.६७ | ४७.६५ | १५.५० | १२.९१ | १४.०४ |
| २०६९ | सामेल | २०६१९० | १९७७४६ | ४०३९३६ | ४३७६४ | ६३४८३ | १०७२२९ |
| | उत्तीर्ण | ९६४५४ | ७१४८१ | १६७९३५ | ३८२१ | ४४९७ | ८३१८ |
| | प्रतिशत | ४६.७८ | ३६.१५ | ४१.५७ | ८.७३ | ७.०८ | ७.७६ |
| २०७० | सामेल | १९९८४६ | १९५०८७ | ३९४९३३ | ५४५०० | ७९१२६ | १३३६२६ |
| | उत्तीर्ण | ९८७७७ | ७४६५९ | १७३४३६ | ६५९३ | ७९९८ | १४५९१ |
| | प्रतिशत | ४९.४३ | ३८.२७ | ४३.९२ | १२.१० | १०.११ | १०.९२ |
| २०७१ | सामेल | २०२१६३ | २०३१७५ | ४०५३३८ | ५४७८५ | ८१२६६ | १३६०५१ |
| | उत्तीर्ण | १०९०४३ | ८३२२४ | १९२२६७ | ८७०० | १००७८ | १८७७८ |
| | प्रतिशत | ५३.९४ | ४०.९६ | ४७.४३ | १५.८८ | १२.४० | १३.८० |

स्रोत: परिक्षा नियन्त्रण कार्यालय।



१३.३० चालु शैक्षिक सत्र २०७१ देखि विभिन्न ५ वटा विधाहरूमा ९९ विद्यालयहरूका ३ हजार २ सय ८८ विद्यार्थीहरू प्राविधिकतर्फको एस.एल.सी परीक्षामा सामेल भएका छन् । उक्त परीक्षाको नतिजा ग्रेडीड प्रणालीमा प्रकाशित गर्ने व्यवस्था गरिएको छ ।

तालिका १३ (प): प्राविधिकतर्फको एस.एल.सी. परीक्षामा सम्मिलित विद्यार्थीहरू

| विधा | छात्र | छात्रा | जम्मा |
|------------------------|-------------|-------------|-------------|
| Computer Engineering | ३९२ | २६९ | ६६१ |
| Civil Engineering | ५४२ | २४० | ७८२ |
| Electrical Engineering | १०९ | ३२ | १४१ |
| Animal Science | २६३ | १७८ | ४४१ |
| Plant Science | ७३१ | ५३२ | १२६३ |
| Total | २०३७ | १२५१ | ३२८८ |

उच्च माध्यमिक शिक्षा

१३.३१ शैक्षिक सत्र २०७१ सम्म सामुदायिक, निजी, दशजोड दुई का विद्यालय र क्याम्पस गरी कुल ३ हजार ६ सय ५९ वटा शैक्षिक संस्थाहरूले उच्च माध्यमिक विद्यालय तहमा सम्बन्धन प्राप्त गरेका छन् । शैक्षिक सत्र २०७० मा कुनै पनि शैक्षिक संस्थाहरूलाई सम्बन्धन नदिईएकोमा चालु सत्रमा ६३ वटा शैक्षिक संस्थाहरूलाई उच्च माध्यमिक विद्यालय तहमा सम्बन्धन प्रदान गरिएको छ । (विस्तृत विवरण अनुसुची १३.२)

उच्च माध्यमिक विद्यालयमा छात्रछात्राको स्थिति

१३.३२ शैक्षिक सत्र २०७१ मा कक्षा ११ र १२ मा अध्ययन गर्ने कुल विद्यार्थी संख्या गत वर्षको तुलनामा १२.१२ प्रतिशतले घटेर कुल ४ लाख ५३ हजार ५ सय ९७ रहेको छ । शैक्षिक सत्र २०७१ मा यो संख्या ५ लाख १६ हजार १ सय ६६ रहेको थियो । शैक्षिक सत्र २०७१ मा कक्षा ११ र कक्षा १२ मा अध्ययन गर्ने विद्यार्थी संख्या क्रमशः २ लाख २५ हजार ३ सय ७३ र २ लाख २८ हजार २ सय २४ रहेको छ ।

सामुदायिक उच्च माध्यमिक विद्यालय र शिक्षक व्यवस्था

१३.३३ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ सम्म कुल सामुदायिक उच्च माध्यमिक विद्यालय २ हजार ६ सय ७९ मा प्रति विद्यालय न्यूनतम २ वटा थप दरवन्दी हुनुपर्ने र त्यसका लागि कुल ५ हजार ३ सय ५८ शिक्षकहरूको दरबन्दी थप हुनुपर्ने देखिन्छ । त्यस्तै, विज्ञान विषय सञ्चालनमा रहेका २ सय ८२ ओटा उच्च माध्यमिक विद्यालयका लागि थप १/१ दरबन्दी र कर्णाली अञ्चलका कुल ६२ उच्च माध्यमिक विद्यालयका लागि थप १/१ वटा गरी कुल जम्मा ५ हजार ७ सय २ न्यूनतम र कक्षा ११ मा २ सय भन्दा बढी विद्यार्थी संख्या भएका उच्च माध्यमिक विद्यालयलाई थप १ वटा शिक्षक उपलब्ध गराउने गरी कुल ५ हजार ९ सय २ शिक्षक दरवन्दी यस आर्थिक वर्षमा व्यवस्था गर्नुपर्ने देखिन्छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनासम्ममा सामुदायिक उच्च माध्यमिक विद्यालयमा शिक्षक व्यवस्थाका लागि २ हजार दरवन्दी कायम रहेको छ ।

उच्च प्राविधिक शिक्षामा छात्रवृत्ति

१३.३४ स्वदेशमा विभिन्न विश्वविद्यालयहरूसँग सम्बन्धन लिई निजी स्रोतमा सञ्चालन अनुमति प्राप्त गरी देशका विभिन्न स्थानमा सञ्चालित मेडिकल कलेजहरूबाट र विदेशबाट प्राप्त हुने छात्रवृत्तिमा अध्ययन गर्न सञ्चालन हुने परीक्षाबाट उत्तीर्ण विद्यार्थीहरूलाई निःशुल्क अध्ययनको लागि छनौट गरी चिकित्सा शास्त्रमा स्नातक, स्नातकोत्तर, नर्सिङमा स्नातक अध्ययनका लागि मनोनयन गरी पठाउने गरिएको छ ।

तालिका १३ (फ): विभिन्न तह र विषयमा अध्ययनार्थ मनोनयन भएका विद्यार्थीहरूको संख्या

| विषय | आर्थिक वर्ष | | | | | देश |
|----------------------|-------------|------------|------------|------------|------------|----------------------|
| | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | |
| एमविटिएस | २०२ | ७९ | २०३ | २०६ | २२५ | नेपाल |
| विडिएस | १० | ५७ | ५४ | ३६ | ५४ | नेपाल |
| वििएएमएस | ७ | ४ | १७ | ८ | ८ | नेपाल |
| वििएन | १२ | ११ | १५ | १९ | १२ | नेपाल |
| विपिएच | ४ | ८ | ६ | ४ | ४ | नेपाल |
| वी फर्मा | ४ | १३ | २० | २० | १९ | नेपाल |
| विएस्सी फरेस्ट | ४ | २ | ५ | ५ | ५ | नेपाल |
| विएस्सी नर्सिङ्ग | ४ | ५ | १७ | २२ | २३ | नेपाल |
| जम्मा | २४७ | १७९ | ३३७ | ३२० | ३५० | नेपाल |
| एमविटिएस | ८ | ३ | १२ | ११ | १५ | विदेश |
| विडिएस | १ | - | १ | - | १ | विदेश |
| पिजि मेडिसिन | - | - | १२ | - | - | विदेश |
| बि.एस्सी इन्जीनियरिङ | - | - | ६ | १ | - | विदेश |
| बि.फर्मा | - | - | १३ | १ | - | विदेश |
| जम्मा | ९ | ३ | ४४ | १३ | १६ | विदेश |
| कुल जम्मा | २५६ | १८२ | ३८१ | ३३३ | ३६६ | (नेपाल+विदेश) |

*प्रथम आठ महिनाको।

स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय।

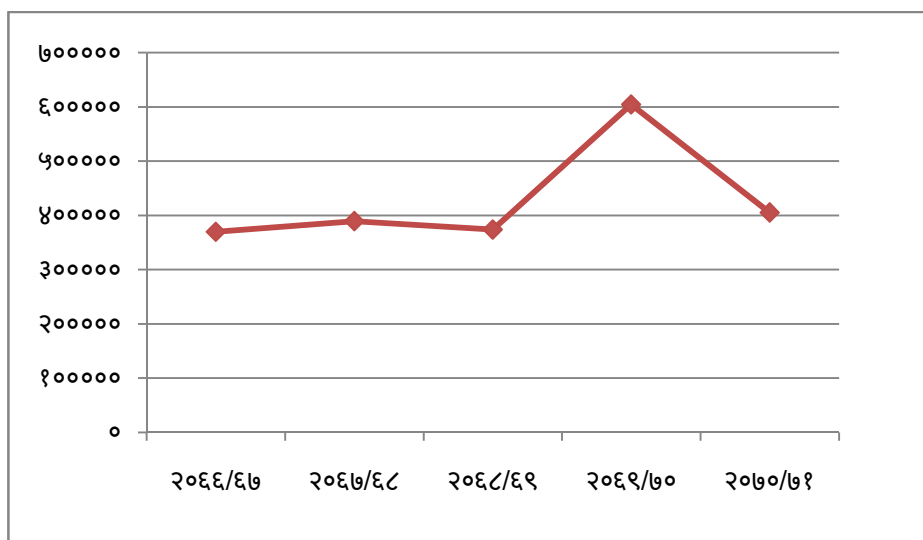
विश्वविद्यालयहरू

१३.३५ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्म मुलुक भित्र सञ्चालनमा रहेका विभिन्न विश्वविद्यालयहरू अन्तर्गतका क्याम्पसहरू र सो मा अध्ययन गरिरहेका विद्यार्थीहरूको संख्या अघिल्लो वर्षको तुलनामा २९ प्रतिशतले घटेर ४ लाख ८० हजार ८ सय ९१ पुगेको छ। अघिल्लो वर्ष यो संख्या ६ लाख ७८ हजार ४७ रहेको थियो। त्रिभुवन विश्वविद्यालयमा अध्ययन गर्ने विद्यार्थी संख्यामा व्यापक उतार चढाव भएको कारण आर्थिक वर्ष २०६९/७० देखि नै कुल विद्यार्थी संख्यामा उच्च परिवर्तन देखिन गएको हो। आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा त्रिभुवन विश्वविद्यालयमा मात्र अध्ययनरत विद्यार्थी को संख्या अघिल्लो वर्षको तुलनामा ३३ प्रतिशतले घटेको थियो।

तालिका १३ (ब): त्रिभुवन विश्वविद्यालयमा अध्ययन गर्ने विद्यार्थीको भर्ना अवस्था

| आर्थिक वर्ष | विद्यार्थी विवरण (जना) |
|-------------|------------------------|
| २०६६/६७ | ३६९८८० |
| २०६७/६८ | ३८९४६० |
| २०६८/६९ | ३७३८४६ |
| २०६९/७० | ६०४४३७ |
| २०७०/७१ | ४०५३४१ |

चाट १३ (झ): त्रिभुवन विश्वविद्यालयमा अध्ययन गर्ने विद्यार्थीको भर्ना अवस्था



१३.३६ आर्थिक वर्ष २०६८/६९ सम्म त्रिभुवन विश्वविद्यालयमा अध्ययनरत विद्यार्थीहरूको संख्याको प्रवृत्तिमा सामान्य मात्र परिवर्तन देखिए पनि त्यसपछिका वर्षहरूमा उच्च उतारचढाव (High Fluctuation) आएको देखिन्छ ।

तालिका १३ (भ): विभिन्न विश्वविद्यालय अन्तर्गतका क्याम्पसहरू तथा विद्यार्थी संख्या

| विश्वविद्यालय | क्याम्पसहरू | | आर्थिक वर्ष २०६९/७० | | | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ | | |
|---|-------------|------------------|---------------------|------------------|--------|---------------------|------------------|--------|
| | आङ्गिक | सम्बन्धन प्राप्त | आङ्गिक | सम्बन्धन प्राप्त | जम्मा | आङ्गिक | सम्बन्धन प्राप्त | जम्मा |
| त्रिभुवन विश्वविद्यालय | ६० | १०५३ | २७३३४९ | ३३१०८८ | ६०४४३७ | १४८१४१ | २५७२०० | ४०५३४१ |
| काठमाडौं विश्वविद्यालय | ६ | १५ | ५०४० | ८२८७ | १३३२७ | ५६३५ | ९०७४ | १४७०९ |
| पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय | ५ | १२६ | ८५४ | २४८६६ | २५७२० | ८८७ | २३५५४ | २४४४१ |
| नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय | १४ | ११ | ६१५ | ३४२४ | ४०३९ | ३३५३ | ५०९ | ३८६२ |
| पोखरा विश्वविद्यालय | ५ | ५८ | १७७४ | २३५०८ | २५२८२ | १७८२ | २३५०८ | २५२९० |
| लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय | १ | ५ | ११६ | - | ११६ | ५३ | २०३ | २५६ |
| कृषि तथा वन विज्ञान विश्वविद्यालय | १ | - | १८० | - | १८० | ४४६ | - | ४४६ |
| सुदुर पश्चिमाञ्चल विश्वविद्यालय | १ | - | ९५१ | - | ९५१ | २४६१ | - | २४६१ |
| मध्य पश्चिमाञ्चल विश्वविद्यालय | १ | - | २४७२ | - | २४७२ | १९४४ | - | १९४४ |
| विपी कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | १ | - | ११५५ | - | ११५५ | १४३५ | - | १४३५ |
| चित्तिसा विज्ञान राष्ट्रिय प्रतिष्ठान | १ | - | २९८ | - | २९८ | ४६५ | - | ४६५ |
| पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | १ | - | ६० | - | ६० | २४१ | - | २४१ |

स्रोत: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ।

१३.३७ आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा त्रिभुवन विश्वविद्यालय मा कूल ६ लाख ४ हजार ४ सय ३७ जना विद्यार्थी अध्ययनरत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यो संख्या झण्डै ३३ प्रतिशतले घटेर ४ लाख ५ हजार ३ सय ४१ पुगेको छ । जसमा आङ्गिक क्याम्पसमा १ लाख ४८ हजार १ सय ४१ जना र सम्बन्धन प्राप्त क्याम्पस/कलेजमा २ लाख ५७ हजार २ सय गरी कूल विद्यार्थी संख्या जम्मा ४ लाख ५ हजार ३ सय ४१ जना रहेको छ ।

१३.३८ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को ८ महिना सम्ममा उच्च शिक्षा प्रदान गर्नको लागि ९ वटा विश्वविद्यालयहरू र ३ मानित विश्वविद्यालयहरू (विपी कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान, चित्तिसा विज्ञान राष्ट्रिय प्रतिष्ठान र पाटन स्वास्थ्य विज्ञान

प्रतिष्ठान) स्थापना भै स्वायत्त रुपमा विभिन्न विषयहरूमा उच्च शिक्षामा अध्ययन अध्यापनका कार्यक्रमहरू संचालन गरी मुलुकलाई चाहिने तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने उच्चस्तरीय जनशक्ति उत्पादन गर्दै आइरहेका छन् ।

तालिका १३ (म): आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा विश्वविद्यालयका विभिन्न तहमा अध्ययनरत विद्यार्थी संख्या र उत्पादन विवरण

(संख्यामा)

| तह | विवरण | त्रिभुवन | काठमाडौं | पूर्वाञ्चल | पोखरा | लुम्बिनी बौद्ध | नेपाल संस्कृत | कुल |
|--|---------|----------|----------|------------|-------|----------------|---------------|--------|
| प्रमाणपत्र | भर्ना | ९९७ | १५९ | - | - | - | ९५३ | २१०९ |
| | उत्पादन | ९९० | | - | - | - | ३२१ | १३११ |
| स्नातक | भर्ना | ३३६१९० | १२४९८ | २१८२२ | २३१९७ | - | ११५६ | ३९४८६३ |
| | उत्पादन | ४०४७८ | १५९० | ७८१५ | २६९४ | - | ९१ | ५२६६८ |
| स्नातकोत्तर | भर्ना | ६०९३७ | १४८४ | २६१९ | २००९ | २३१ | ४१३ | ६७६९३ |
| | उत्पादन | १२४५० | ४०२ | १२७३ | ५९९ | ९१ | १०० | १४९१५ |
| पिजिडी | भर्ना | - | ९७ | - | - | - | - | ९७ |
| | उत्पादन | - | १८ | - | - | - | - | १८ |
| एम.फिल. | भर्ना | २४३ | ३३४ | - | ७६ | - | - | ६५३ |
| | उत्पादन | १६७ | ३० | - | - | - | - | १९७ |
| पि.एच.डी. | भर्ना | १८७४ | १३७ | - | ८ | २५ | २४७ | २२९१ |
| | उत्पादन | ६५ | १२ | - | - | २ | १७ | ९६ |
| अन्य | भर्ना | ५१०० | - | - | - | - | १०९३ | ६१९३ |
| | उत्पादन | ३२ | - | - | - | - | ४५६ | ४८८ |
| कुल | भर्ना | ४०५३४१ | १४७०९ | २४४४१ | २५२९० | २५६ | ३८६२ | ४७३८९९ |
| | उत्पादन | ५४१८२ | २०५२ | ९०८८ | ३२९३ | ९३ | ९८५ | ६९६९३ |
| कृषि तथा वन विश्वविद्यालय(अध्ययनरत) | | | | | | ४४६ | | |
| मध्य पश्चिमाञ्चल विश्वविद्यालय(अध्ययनरत) | | | | | | १९४४ | | |
| सुदुर पश्चिमाञ्चल विश्वविद्यालय(अध्ययनरत) | | | | | | २४६१ | | |
| वी.पी. कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान (अध्ययनरत) | | | | | | १४३५ | | |
| चिकित्सा विज्ञान राष्ट्रिय प्रतिष्ठान(अध्ययनरत) | | | | | | ४६५ | | |
| पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान(अध्ययनरत) | | | | | | २४१ | | |
| जम्मा अध्ययनरत | | | | | | ४८०८९१ | | |

स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय ।

नोट: उपर्युक्त तालिकामा त्रिभुवन विश्वविद्यालयको क्यारी ओभर विद्यार्थीहरू समावेश गरिएको।

जनकशिक्षा सामाग्री केन्द्र

१३.३९ एस.एल.सी. परीक्षा, उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद् र एम.बि.बि.एस छात्रवृत्ति परीक्षाका प्रश्नपत्रहरु छपाइ गर्ने कार्यहरु सुरक्षित तथा गोप्यरूपमा यस केन्द्रबाट हुदै आइरहेको छ ।

स्वास्थ्य क्षेत्र

१३.४० सहश्राव्दी विकास लक्ष्य मध्ये बाल तथा मातृ मृत्युदर न्युनिकरणमा उत्साहजनक उपलब्धि भएको छ । सन् २०१३ मा मातृ मृत्युदर (प्रति १ लाख जीवित जन्ममा) १७०, सन् २०१३ मा शिशु मृत्युदर (प्रति हजारमा) ४६ र सन् २०१४ मा ५ वर्ष मुनिको बाल मृत्युदर (प्रति हजारमा) ५४ पुगेको छ । त्यसैगरी, सन् २०१४ सम्ममा एच.आई.भी. संक्रमण दर (१५ देखि २४ वर्ष) ०.०३ प्रतिशत, क्षयरोगको उपस्थिति दर (प्रति १ लाखमा) २११ जना, वार्षिक औलो प्रभावित संख्या (प्रति हजारमा) ०.१५ जना रहेको छ । सन् २०१४ मा विश्व स्वास्थ्य संगठनवाट नेपालले पोलियो रोगको शुन्य प्रमाणिकरण प्रमाणपत्र प्राप्त गरेको छ । साथै सूर्तिजन्य पदार्थको प्याकेटमा चेतावनीमूलक सन्देश चित्र ९०.० प्रतिशत सम्म बढाए वापत "Global Bloomberg Award 2015" प्राप्त गरेको छ ।

स्वास्थ्य सेवा र सुविधामा विस्तार

१३.४१ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनासम्ममा १ सय १६ वटा अस्पताल, ३ हजार ७ सय ९० वटा स्वास्थ्य चौकी, ३ सय ८४ वटा आयुर्वेद अस्पताल तथा औषधालयहरु र २ सय १५ वटा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र समेत जम्मा ४ हजार ५ सय ५ स्वास्थ्य संस्थाहरु रहेका छन् । उक्त स्वास्थ्य संस्थाहरुमा ३५ हजार २ सय ९० जना प्राविधिक तथा अप्राविधिक कर्मचारी तथा करिव ५२ हजार जना महिला स्वास्थ्य स्वयं सेविका (नगर) समेत गरी जम्मा ८७ हजार २ सय ९० जनशक्ति कार्यरत रहेका छन् ।

तालिका १३ (य) : स्वास्थ्य संस्था शैया र जनशक्तिको बिबरण

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | |
|-------------------------------------|-------------------|--------|--------|--------|--------|-------------------|-------------------|
| | ०६५/६६ | ०६६/६७ | ०६७/६८ | ०६८/६९ | ०६९/७० | ०७०/७१ | ०७१/७२* |
| १. जम्मा स्वास्थ्य संस्थाहरु | ४३९२ | ४३९२ | ४३९३ | ४३९३ | ४३९३ | ४४८५ | ४५०५ |
| क) अस्पताल | १०२ | १०२ | १०२ | १०५ | १०७ | १०७ | ११६ |
| ख) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र | २१४ | २०७ | २०८ | २०५ | २०४ | २१५ | २१५ |
| ग) स्वास्थ्य चौकी | ६७६ | ११७६ | १६९८ | २१७५ | २१७५ | २१७५ | ३७९० |
| घ) आयुर्वेदिक औषधालय | २९३ | २९१ | २९१ | २९३ | २९३ | २९३ | ३८४ |
| ड) उपस्वास्थ्य चौकी | ३११४ | २६१७ | २०९५ | १६१५ | १६१५ | १६९५ | - |
| २. अस्पताल शैया | ६९४४ | ६९४४ | ७०४९ | ७०३५ | ७०८५ | ७५५० | ७६४० |
| ३. जम्मा जनशक्ति | ९२०१० | ९२१८१ | ८२९९४ | ९२१५० | ९३४९५ | ९३४९५ | ८७२९० |
| क) डाक्टर | १६२७ [#] | १७९८ | १७९८ | १६५४ | १६५४ | २१५४ [#] | २४५७ [#] |
| ख) नर्स/अ.न.मी. | ११६३७ | ११६३७ | १२६८१ | ११७५६ | १२५५० | ९५३५ | २०३४६ |
| ग) कविराज | ३९४ | ३९४ | ४०७ | ३९४ | ३९४ | ३९४ | ४८५ |
| घ) वैद्य | ३६० | ३६० | ३६० | ३६० | ३६० | ३६० | ४५१ |
| ड) स्वास्थ्य सहायक (हे.अ., अ.हे.ब.) | ७४९१ | ७४९१ | ८०१३ | ८०१३ | ८५६३ | ११५५१ | ११५५१ |
| च) महिला स्वास्थ्य स्वयं सेविका | ६३३२६ | ६३३२६ | ५२५६० | ६३३२६ | ६३३२६ | ६३३२६ | ५२०००* |

स्रोत : स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय

* सुडेनी संख्या घटेको

छात्रवृत्तिमा अध्ययन गरिआएका ३५० डाक्टर समेत ।

१३.४२ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनासम्ममा कुल ३५ लाख ६६ हजार ३ सय ९६ जनाले बहिरंग सेवा तथा ३ लाख २७ हजार ८ सय १ जनाले आकस्मिक सेवा प्राप्त गरेका छन् । चालु आर्थिक वर्षको ८ महिनामा नै बहिरंग सेवा लिनेको संख्या गत आर्थिक वर्षमा सो सेवा प्राप्त गर्ने सेवाग्राहीहरुको संख्या भन्दा बढी रहेको देखिन्छ ।

तालिका १३ (र) : विकास क्षेत्र अनुसार स्वास्थ्य सेवाबाट लाभान्वीत भएका जनसंख्या

| देश / विकास क्षेत्र अनुसार | आर्थिक वर्ष २०६९/७० | | | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ | | | आर्थिक वर्ष २०७१/७२* | | |
|----------------------------|---------------------|---------|---------|---------------------|---------|---------|----------------------|---------|---------|
| | भर्ना | बहिरंग | आकस्मिक | भर्ना | बहिरंग | आकस्मिक | भर्ना | बहिरंग | आकस्मिक |
| नेपाल / राष्ट्रिय | ४२७४३६ | ३४४९४२१ | ७८२६१४ | ३२२१९६ | ३४२८५८४ | ७८७०७६ | २०१०६२ | ३५६६३९६ | ३२७८०१ |
| पूर्वाञ्चल | १३५०६६ | ७८४८०६ | २०९५६३ | ११९३९४ | ७२८३८० | २०३८६३ | ३४००७ | ४२७२८१ | ४७१०८ |
| मध्यमाञ्चल | १३१३४१ | ११३९७३२ | २६५२७२ | १३४४०४ | ११४९९१९ | ७२२५६३ | ७५००३ | १८६०९११ | १५६४१२ |
| पश्चिमाञ्चल | ९७३७७ | ९१४५०६ | १६१३८० | ९७६३६ | ८६५४१९ | १५७५०९ | ६६६२५ | ८०४११४ | ७६६०९ |
| मध्य पश्चिमाञ्चल | ३०२९० | ३०८८२८ | ५७४४४ | ४७८७२ | ३०१८२७ | ६७०१९ | १६४८४ | २८८५११ | २७४२४ |
| सूदुर पश्चिमाञ्चल | ३३३६२ | ३०१५४९ | ८८९५५ | ३२८९० | २९३०३९ | ८६१२२ | ८९४३ | १८५५७९ | २०२४८ |

* प्रथम आठ महिनाको

श्रोत: HMIS, स्वास्थ्य सेवा विभाग ।

१३.४३ चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिना सम्ममा १ करोड ३ लाख ८० हजार ५ सय ८७ पटक बहिरंग स्वास्थ्य सेवा प्रवाह भएको छ ।

तालिका १३ (ल): विकास क्षेत्र अनुसार बहिरंग सेवा प्रवाह (पटक)

| देश /विकास क्षेत्र अनुसार | आर्थिक वर्ष २०६८/६९ | आर्थिक वर्ष २०६९/७० | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ | आर्थिक वर्ष २०७१/७२* |
|---------------------------|---------------------|---------------------|---------------------|----------------------|
| नेपाल / राष्ट्रिय | २१६७०५७२ | २४०५३८३६ | २१६६१८४९ | १०३८०५८७ |
| पूर्वाञ्चल | ४५२००२५ | ४८९२१२३ | ४५६४७४५ | १९५५६७३ |
| मध्यमाञ्चल | ६७८५७२१ | ८०९८७५० | ६९४७९९६ | ३०८८९३२ |
| पश्चिमाञ्चल | ४८९४१३४ | ५३२३३०२ | ४६९५१४७ | २५६८६४१ |
| मध्यपश्चिमाञ्चल | ३२२६६३० | ३३४१३५८ | ३२६७१९३ | १५६७९५८ |
| सूदुर पश्चिमाञ्चल | २२४४०६२ | २३९८३०३ | २१८६७६८ | ११९९३८३ |

* प्रथम आठ महिनाको

श्रोत: स्वास्थ्य सेवा विभाग

स्वास्थ्य सेवाका प्रमुख उपलब्धीहरू

१३.४४ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को ८ महिनामा २ लाख ८५ हजार ४ सय ७३ जनाले बि.सि.जि. भ्याक्सिन लिएका छन् । त्यसैगरी, २ लाख ८५ हजार ८ सय २० जनाले डि.पि.टि., हेपाटाईटिस बि (तेश्रो मात्रा) लिएका छन् भने २ लाख ८३ हजार ४ सय ९६ जनाले पोलियो (तेश्रो मात्रा) लिएका छन् । आगामी आर्थिक वर्षमा दादुरा रूबेला खोप अभियान सञ्चालन हुने भएको छ ।

तालिका १३ (व): विस्तारित खोप एवं राष्ट्रिय पोलियो खोप (संख्या)

| सि.नं. | सूचकांक | आर्थिक वर्ष २०६९/७० | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ | आर्थिक वर्ष २०७१/७२* |
|--------|---|------------------------|------------------------|--------------------------------|
| १. | बि.सि.जि. भ्याक्सिन | ६२३६५९ | ४०४२५९ | २८५४७३ |
| २. | डि.पि.टि., हेपाटाईटिस बि. (तेश्रो मात्रा) | ५८४७२७ | ३३६९६० | २८५८२० |
| ३. | पोलियो (तेश्रो मात्रा) | ५८४४२० | ३३५४२८ | २८३४९६ |
| ४. | दादुरा विरुद्ध खोप | ५५३७३६ | २२८९५२ | २६६४०७ |
| ५. | टिटानस खोप | ३०३४४३ | १८५७५१ | १२१८९१ |
| ६. | दादुरा रूबेला खोप अभियान | ९६८५०९९ | कार्यक्रम नभएको | आगामी आर्थिक वर्षमा हुने |
| ७. | आइरन चक्की पाएका महिलाहरू | ७६५००० | ५९५००० | ३६२६७० |
| ८. | झाडापखालाका रोगीहरू दर्ता | १८०९०३३ | ९५५००६ | ७५१७५९ |
| ९. | जिंक र जीवनजलवाट उपचार | १६७१६१० | ९२३११९ | ६९७८२८ |
| १०. | श्वप्रश्वास रोगको उपचार | २८२७८०४ | १७०११५१ | ५९६२५१ |

* प्रथम आठ महिनाको

श्रोत: स्वास्थ्य सेवा विभाग

परिवार नियोजन, सुरक्षित मातृत्व एवं महिला स्वास्थ्य

१३.४५ परिवार नियोजन कार्यक्रम अन्तर्गत चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनामा अस्थायी ३ लाख ४७ हजार ४२ र स्थायी १८ हजार २ सय ३ गरी जम्मा ३ लाख ६५ हजार २ सय ४५ परिवार नियोजनको सेवा प्रयोगकर्ता थपिएका छन् । गत आर्थिक वर्षमा सो संख्या क्रमश ६ लाख २३ हजार ६ सय ७६ र ३७ हजार

१ सय ७ रहेको थियो । हालसम्म सबै प्रकारका परिवार नियोजनका प्रयोगकर्ताहरूको संख्या १९ लाख ६७ हजार ४२ पुगेको छ ।

तालिका १३ (श): प्रजनन् स्वास्थ्यको विवरण

| सुचकहरू | एकाई | आर्थिक वर्ष २०६९/७० | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ | आर्थिक वर्ष २०७१/७२* |
|---|--------|------------------------|------------------------|-------------------------|
| परिवार नियोजनको नयाँ प्रयोगकर्ता (अस्थायी साधन) | जना | ५९९४२० | ६२३६७६ | ३४७०४२ |
| परिवार नियोजनको नयाँ प्रयोगकर्ता (स्थायी बन्ध्याकरण) | जना | ५२१८१ | ३७१०७ | १८२०३ |
| परिवार नियोजनको लगातार प्रयोगकर्ता | जना | २४७८००० | २५१४०४४ | १९६७०४२ |
| दुर्गम क्षेत्रबाट जटिलतायुक्त प्रसूति सेवाका लागि प्रेषण गरिएको | जना | ९९ | १९४ | १०० |
| आमा सुरक्षा कार्यक्रमबाट निःशुल्क प्रसूति सेवा प्रदान | जना | ३१७००० | ३१८२०८ | १८४८२६ |
| सुत्केरी सेवा प्रदान (PNC) | जना | ५५६५० | ३८७३९२ | १४०००० |
| चौविसै घण्टा अत्यावश्यक प्रसूति सेवा प्रदान गरिएका जिल्लाहरू | जिल्ला | २६ | ५६ | ६४ |
| पाठेघर खस्ने रोगको स्क्रिनिङ तथा रिङ्गपेशरी लगाउने र अप्रेशन गर्नुपर्नेको लगत तैयार गर्ने | जना | ४८०१७ | ९५० | ३८० |
| पाठेघर खस्ने रोगको उपचार तथा अप्रेशन | जना | ४७५१ | ४४४५ | ३५० |

* प्रथम आठ महिनाको

स्रोत: स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय ।

१३.४६ प्रजनन् स्वास्थ्य सेवाको महत्वपूर्ण अङ्गको रूपमा रहेको सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम अन्तर्गत कुल १ हजार ८ सय २ प्रसूती केन्द्रहरूबाट महिलाहरूले गर्भवती, प्रसूती र सुत्केरी सेवा प्राप्त गरेका छन् । हाल ६४ जिल्लामा जिल्लास्तर र सो भन्दा माथिका अस्पतालहरूबाट चौविसै घण्टा अत्यावश्यक प्रसूती सेवा प्रदान भएको छ । गत वर्ष ५६ वटा जिल्लामा मात्र यो सेवा प्रदान गरिएको थियो । चालु आर्थिक वर्षमा १ सय जना महिलाहरूलाई दुर्गम क्षेत्रबाट जटिलतायुक्त प्रसूती सेवाका लागि प्रेषण गरिएको छ । यसै गरी आमा सुरक्षा कार्यक्रम अन्तर्गत १ लाख ८४ हजार ८ सय २६ (४९ प्रतिशत अनुमानित गर्भवती) महिलाहरूले चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिना सम्ममा निःशुल्क प्रसूती सेवा प्राप्त गरेका छन् । गत वर्षको पूर्ण अवधिमा यो संख्या ३ लाख १८ हजार २ सय ८ रहेको थियो ।

१३.४७ महिलाहरुको दुखद प्रजनन समस्याको रूपमा रहेको पाठेघर खस्ने रोगको पहिचान र उपचारका लागि चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनामा ३ सय ८० वटा शिविरहरु सञ्चालन भएका छन् । शिविरमा सामान्य उपचार र रिडपेशरी (आइ खस्ने) को माध्यमबाट व्यवस्थापन भएका वाहेक ३ सय ५० जनाको शल्यक्रियाबाट उपचार गरिएको छ । गत आर्थिक वर्षमा ९ सय ५० वटा शिविर सञ्चालन भै ३९ हजार ५३ जना महिलाहरुमा समस्या पहिचान भएकोमा ५ हजार १ सय ७४ लाई रिडपेशरीको माध्यमबाट व्यवस्थापन गरी ४ हजार ४ सय ४५ जनाको शल्यक्रिया गरिएको थियो ।

क्षयरोग

१३.४८ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा २ लाख ३६ हजार ५ सय ४५ जना शंकास्पद विरामीको खकार परीक्षण र ४ लाख २५ हजार ७ सय ८१ वटा नयां खकारको स्लाइड परीक्षण गरिएकोमा आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनामा सो संख्या क्रमशः १ लाख ७० हजार ८ सय ९९ र ३ लाख ७ हजार ६ सय १८ रहेको छ । गत आर्थिक वर्षमा ८६ हजार १ सय २९ वटा फ्लोअप खकार परीक्षण गरिएकोमा चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनामा सो संख्या ४७ हजार ५ सय ४४ पुगेको छ । चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनामा २३ सय जना व्यक्तिहरु फस्टलाइन विरामीको रूपमा दर्ता भएका छन् । यो संख्या गत वर्ष ३७ हजार २५ रहेको थियो । गत आर्थिक वर्षमा जस्तै यस आर्थिक वर्षमा पनि MDR TB सम्बन्धि तालिम रोकथामका लागि विभिन्न माध्यमद्वारा सन्देशमुलक र चेतनामुलक सामग्रीहरु प्रसारण एवं MDR TB विरामीको लागि होस्टेलको स्थापना तथा संचालन गरिएको छ ।

इपिडिमियोलोजी, औलो तथा कालाजार नियन्त्रण र प्राकृतिक प्रकोप व्यवस्थापन

१३.४९ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा २७ पटक महामारी रोग तथा प्राकृतिक प्रकोपबाट पीडितहरुको लागि उपचारात्मक शिविरहरु संचालन गरिएकोमा चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनामा १० पटक महामारी प्रकोपबाट पीडित भएका स्थानहरुमा सवैप्रकोहरुको नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन गरिएको छ ।

१३.५० त्यसैगरी, आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा सरुवा रोगहरुको सर्भिलेन्स, हात्तीपाइले, औलो, कालाजार नियन्त्रणका लागि किटनाशक औषधि छर्ने, विषादीयुक्त झुल वितरण गर्ने, रेविज रोग नियन्त्रण र सर्पदंश पिडितहरुलाई ARV तथा ASV खोप उपलब्ध गराइएको थियो । देशका विभिन्न ४१ जिल्लाहरुमा करिव १ करोड ६५ लाख मानिसहरुलाई हात्तीपाइले रोग नियन्त्रण, रोकथाम र निवारणका लागी आम औषधि सेवन गराइएको, डेंगु भाइरसको निदानको लागि विशेष कार्यक्रम संचालन गरिएको तथा वर्ड फ्लुबाट हुने मानव संक्रमण रोगको रोकथामको लागि विषेश कार्यक्रम संचालन गरिएको थियो ।

१३.५१ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा चिकित्सक, नर्स तथा स्वास्थ्यकर्मीहरुलाई रेविज भ्याक्सिनको उचित प्रयोग तथा विषालु सर्पको टोकाई व्यवस्थापन सम्बन्धी अभिमुखीकरण तालिम दिइएको छ । साथै बौलाहा कुकुर तथा अन्य जनावरले टोकेका करीव ६० हजार जनालाई ARV खोप दिइएको, विषालु सर्पले टोकेको २ हजार जना विरामीहरुको उपचार गरिएको, हात्तीपाइले रोग निवारण अभियान संचालन भएका जिल्लाहरुमा माइक्रोफाइलेरिमिया फ्लोअप सर्भे तथा विभिन्न जिल्लाहरुमा पोष्ट MDA सर्भे गरिएको छ ।

कुष्ठरोग

१३.५२ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा कुष्ठरोग कार्यक्रम अन्तर्गत १ लाख ८४ हजार १ सय ३४ जना विरामी तथा छिमेकीको पारिवारिक परीक्षण गरिएको थियो । २ हजार ३ सय ३५ जना कुष्ठरोगका विरामीलाई प्रति व्यक्ति रु. १ हजार का दरले यातायात खर्च वितरण गरिएको र १६ पटक चर्मरोग शिविर संचालन गरिएको थियो ।

१३.५३ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा कुष्ठरोग प्रभावित जिल्लाहरुमा स्थलगत अध्ययन तथा स्थानीय स्तरमा व्यवस्थापन तथा प्रशिक्षण गरिएका विरामी तथा छिमेकीको पारिवारिक परीक्षण गरिएको छ । २ हजार ९६ जना नियमित उपचार गर्ने विरामीलाई रु १ हजार का दरले यातायात खर्च वितरण गरिएको छ । साथै, यस अवधीमा २ हजार ३ सय ९३ जना कुष्ठ रोगका

विरामी पत्ता लागेका छन् भने २ हजार १ सय ९५ जना विरामी उपचारको क्रममा रहेका छन् ।

राष्ट्रिय जनसङ्ख्या कार्यक्रम

१३.५४ पाटन अस्पताल, आयुर्वेद शिक्षण अस्पताल, त्रि.वि. शिक्षण अस्पताल, भरतपुर अस्पताल, पश्चिमाञ्चल क्षेत्रीय अस्पताल र वि.पी.कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठानमा जेष्ठ नागरिकको उपचारका लागि ज्यारियाट्रिक वार्डको स्थापना तथा सञ्चालन गरिएको छ । त्यसैगरी ८ वटा केन्द्रीय तथा अञ्चलस्तरका अस्पतालहरूमा सामाजिक सेवा इकाइ मार्फत सेवा प्रवाह गरिएको छ ।

१३.५५ सबै जिल्लाहरूमा “स्थानियस्तरको जनसंख्या कार्यक्रम” अन्तर्गत २२ वटा कार्यक्रमहरू निरन्तर रूपमा संचालन भईरहेका छन् । बसाइसराइ सम्बन्धी र ज्येष्ठ नागरिक सम्बन्धी राष्ट्रिय सर्भेक्षण कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिइएको छ । नेपालको जनसंख्या प्रतिवेदन २०६९ अनुरूप अन्य अनुसन्धानमूलक कार्यहरू संचालनमा ल्याइएको छ । राष्ट्रिय जनसंख्या नीति २०७१ स्वीकृत भएको छ ।

राष्ट्रिय स्वास्थ्य शिक्षा, सूचना तथा सञ्चार

१३.५६ आर्थिक वर्ष २०७०/०७१ मा आम नागरिकहरूले अधिक रुचाएको स्वास्थ्य सम्बन्धी टेलिभिजन कार्यक्रम जीवनचक्र, आमा र थोरै भए पुगिसरी टेलिभिजनबाट प्रसारण भएको थियो । त्यसका साथै नेपाल टेलिभिजनबाटै समाचार अघि विभिन्न स्वास्थ्य सन्देशहरू प्रसारण गरिएको थियो । रेडियो नेपालबाट जनस्वास्थ्य रेडियो कार्यक्रम, चेतनाका स्वरहरू, आमा र स्वास्थ्य सन्देशहरू प्रत्येक समाचार अघि प्रत्येक दिन प्रसारण गरिएको थियो ।

१३.५७ स्वास्थ्य सन्देशहरू प्रचार गर्न जिल्लाका विभिन्न एफ.एम. रेडियोहरूबाट ३ लाख १३ हजार ८ सय ८० पटक प्रसारण र ३ हजार ३ सय ४७ स्थानमा आम

नागरिक सहभागी गराई अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन गरिएको छ । १३ हजार ८ सय ३० पटक विद्यालय स्वास्थ्य शिक्षक कार्यक्रम सञ्चालन, ३ हजार ६ सय ८७ पटक निजी टेलिभिजनबाट स्वास्थ्य सन्देशहरु प्रसारण र साझाबसमा भिडियो मार्फत ७ हजार पटक स्वास्थ्य सन्देशहरु प्रसारण गरिएको थियो ।

१३.५८ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनामा स्वास्थ्य सम्बन्धी सन्देशहरु नेपाल टेलिभिजनबाट १ हजार ५ सय पटक र रेडियो नेपालबाट ९ सय पटक प्रसारण भईरहेका छन् भने समुदाय स्तरीय सचेतना कार्यक्रमहरु १ सय ४५ पटक संचालन भएको छ ।

सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम

१३.५९ गत आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा “सवैलाई निःशुल्क स्वास्थ्य” भन्ने अवधारणा अनुरूप उपस्वास्थ्य चौकिबाट २५, स्वास्थ्य चौकिबाट ३५ र प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र र जिल्ला अस्पतालबाट ४२ प्रकारका औषधिहरु निःशुल्क वितरण गरिएको थियो । साथै २५ शैयाको जिल्ला अस्पताल सम्मका स्वास्थ्य संस्थाबाट निशुल्क उपचार सेवा प्रदान गरिएको छ । सबै सरकारी स्वास्थ्य संस्थाबाट निशुल्क प्रसूति सेवा र सुत्केरी हुने महिलालाई तोकिए बमोजिम यातायात खर्च उपलब्ध गराइएको थियो ।

१३.६० चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनामा २ सय जना आर्थिक विपन्नता भएका विरामीको आँखाको उपचार गरिएको छ । कर्णाली, सुदूर तथा मध्यपश्चिमका जिल्लाहरुमा ५० वर्ष माथिका ३ हजार ८ सय जनालाई निःशुल्क चस्मा वितरण गरिएको छ । दुर्गम जिल्लाहरुमा मोतिविन्दु लागेका करिव ३५ सय जनाको शल्यक्रिया गरिएको छ ।

तालिका १३ (ष): सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम

| सि.नं. | सूचकांकहरू | आर्थिक वर्ष २०६९/७० | आर्थिक वर्ष २०७०/७१ | आर्थिक वर्ष २०७१/७२* |
|--------|--|------------------------|------------------------|-------------------------|
| १. | औषधि बितरण: उप स्वास्थ्य चौकी (प्रकार) | २५ | २५ | २५ |
| २. | स्वास्थ्य चौकी (प्रकार) | ३५ | ३५ | ३५ |
| ३. | प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (प्रकार) | ४२ | ४२ | ४२ |
| ४. | अस्पतालबाट वालावालिका, बृद्ध, लोपोन्मुख जाति, महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका समेतलाई निःशुल्क उपचार | ८५२१९९९ | १२७५७३०२ | १४६१४५ |
| ५. | अस्पतालबाट अति गरिव तथा गरिवहरूको निःशुल्क उपचार | १२५५७९७ | ९६८२५८८ | ५९८७० |
| ६. | अस्पतालबाट अपाङ्गहरूको निःशुल्क उपचार | ९७११ | ५०६० | २७९१ |
| ७. | अस्पतालबाट बृद्ध बृद्धाहरूको निःशुल्क उपचार | ५१५७२ | ३९३८८ | ३३९७९ |
| ८. | १५ वर्ष मुनिका बालकालिकाहरूको निःशुल्क मुटुरोगको शल्यक्रिया सहितको उपचार | ७७१ | ९२२ | ६०२ |
| ९. | ७५ वर्ष माथिका जेष्ठ नागरिकको निःशुल्क मुटुरोगको शल्यक्रिया सहितको उपचार | १९६ | ३१२ | २७० |
| १०. | ५० वर्ष माथिका नागरिकलाई निःशुल्क चस्मा वितरण | ५००० | ५००० | ३८०० |

* प्रथम आठ महिनाको

श्रोत: स्वास्थ्य सेवा विभाग

राष्ट्रिय एड्स तथा यौन रोग नियन्त्रण

१३.६१ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा २३ स्थानबाट CD4 सेवा दिइएको थियो । १० हजार जनालाई ART व्यवस्थापन प्रशिक्षक/प्रशिक्षण तथा तालिम प्रदान गरिएको थियो । २ सय पटक महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहरूलाई HIV/AIDS सम्बन्धी तालिम प्रदान गरिएको तथा १ सय ९६ स्थानबाट स्वास्थ्यकर्मीहरूलाई PMTCT तालिम प्रदान गरिएको थियो । साथै, एच.आइ.भी. एड्स तथा यौनजन्य संक्रमित रोग विरुद्ध चेतना फैलाउन विभिन्न (छापा र विद्युतीय माध्यम)

सञ्चार माध्यमको प्रयोग र स्वास्थ्यकर्मीहरूलाई सम्बन्धित विषयमा तालिम प्रदान गरिएको थियो । एच.आइ.भी. संक्रमित आमाबाट वच्चामा एच.आइ.भी. भाइरस नसरोस् भन्नका लागि निगरानी र एच.आइ.भी. संक्रमित भएकाहरूलाई एन्टीरेटोभाइरल उपचार गराइएको थियो ।

१३.६२ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा निशुल्क औषधिको उपलब्धता तथा समुदायमा आधारित CB PMTCT सेवामा विस्तार गरिएको थियो । ४ हजार २ सय पटक ARV औषधी सेवन गरिरहेका संक्रमित तथा PMTCT कार्यक्रममा आवद्ध गर्भवती महिला तथा ARV मा रहेका १५ वर्ष मुनिका बालबालिकाहरूलाई पौष्टिक आहार वितरण गरिएको थियो । माथिका कार्यक्रमहरूलाई चालु आर्थिक वर्षमा पनि निरन्तरता दिइएको छ ।

१३.६३ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा कैदीबन्दीहरूलाई HIV/AIDS सम्बन्धी Comprehensive कार्यक्रम संचालन गरिएको छ । पुरुष समलिङ्गीहरूको लागि पनि HIV/AIDS सम्बन्धी Comprehensive कार्यक्रम संचालन गरिएको छ । साथै यस वर्ष पुरुष समलिंगि, यौन व्यवसायी, सुइद्वारा लागु पदार्थ लिनेहरू र माइग्रेन्ट्सहरू तथा कैदी बन्दीहरूको लागि गैर सरकारी संस्थासँग सेवा करारमा लिइ थप कार्यक्रम पनि सञ्चालन गरिएको छ ।

जनशक्ति विकास, अध्ययन तथा अनुसन्धान

३.६४ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा ५ सय ५२ जना लाई सि.अ.हे.व. तथा अ.हे.व. स्तरवृद्धि तालिम, ९० जना अ.न.मी. तथा सि.अ.न.मी. लाई स्तरवृद्धि तालिम र १ हजार २ सय ३० जना नर्सलाई दक्ष प्रसूतिसेवा तालिम प्रदान गरिएको थियो । साथै १ हजार ५ सय जना एनेस्थेसिस्ट असिस्टेन्टलाई बायोमेडिकल टेक्निसियनहरू लगायत स्वास्थ्यकर्मी एवं १ हजार ५ सय जना महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहरूलाई आधारभूत तालिम प्रदान गरिएको थियो ।

१३.६५ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनामा ८ सय ५० जना नर्स तथा २ सय ५० जना चिकित्सकहरूलाई मेडिकोलिगल तालिम तथा इम्प्लान्ट सुरक्षित गर्भपतन सेवा तालिम प्रदान गरिएको छ । साथै २ हजार ५ सय जना स्वास्थ्यकर्मी र १ हजार ५ सय महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहरूलाई आधारभूत तालिम प्रदान गरिएको छ । त्यसैगरी यस अवधीमा ८ सय वटा नमूना संकलन गरी सिकलसेल इनिमियाको परीक्षण गरीएको छ । साथै २ सय २२ जना स्वास्थ्यकर्मीहरूलाई MDR TB व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम दिइएको छ । १ सय २० जना स्वास्थ्यकर्मीहरूलाई दाँत निकाल्ने आधारभूत तालिम प्रदान गरिएको तथा ६२ जना स्वास्थ्यकर्मीहरूलाई पञ्चकर्म, योगा, तथ्यांक सम्बन्धी तालिम दिइएको छ । स्वास्थ्य अनुसन्धानका लागि एक विकास क्षेत्रमा Pilot Study को रूपमा अध्ययन अनुसन्धान गरिएको छ ।

राष्ट्रिय जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला कार्यक्रम

१३.६६ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा विभिन्न जिल्ला, अञ्चल अस्पतालहरूमा ब्याक्टरोलोजी प्रयोगशाला सेवाको लागि औजार उपकरण खरिद गरिएको थियो । १ सय १० जना प्याथोलोजी सेवाका कर्मचारीलाई प्रयोगशाला सम्बन्धी तालिम प्रदान गरिएको थियो । ७ वटा जिल्लामा रक्त सञ्चार सेवा सञ्चालन गरिएको थियो ।

१३.६७ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनामा ४ जना कोरियन र १५ जना नेपाली समेत १९ जनालाइ इबोला समेत खतराजन्य भाइरसको परीक्षण तालिम प्रदान गरिएको छ । २४ वटा BSL3 ल्याब सेवा सञ्चालन तथा २५ वटा स्वास्थ्य चौकीमा प्रयोगशाला सेवा सञ्चालन गरिएको छ । ल्याव टेक्निसियन तथा ल्याव असिष्टेण्टहरूलाई HTC/STI सम्बन्धी तालिम दिइएको छ । ल्याव असिष्टेण्ट तथा ल्याव टेक्निसियनको लागि १५ दिने मलेरिया माइक्रोस्कोपिक पुनर्ताजगि तालिम दिइएका प्रयोगशालाको सवै शाखाहरूमा ल्यावरेटोरीको

निर्माण तथा संचालन गरिएको छ । ५० वटा स्वास्थ्य चौकीमा प्रयोगशाला तथा Bio Safety Level तेश्रो स्थापना तथा सञ्चालनमा आएका छन् । १५ वटा अस्पतालमा Electrolight मेशिन सञ्चालनमा आएको छ । १ सय ३५ वटा स्वास्थ्य संस्थामा कार्यरत प्याथोलोजी सेवाका कर्मचारीहरूलाई गुणस्तर सम्बन्धी तालिम प्रदान गरिएको छ ।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सेवा

१३.६८ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा १ सय २२ जनालाई आयुर्वेद तथा आधुनिक चिकित्सा सम्बन्धी विभिन्न प्रकारका अभिमुखीकरण तालिम प्रदान गरिएको छ। १० जना आयुर्वेद चिकित्सकहरूलाई आयुर्वेद सम्बन्धी विविध पञ्चकर्म/योगा सम्बन्धी तालिम प्रदान गरिएको छ । ६२ जिल्लामा जिल्लास्तरबाट १/१ पटक निःशुल्क आयुर्वेद शिविर संचालन गरिएको छ । केही जिल्लाहरूमा नमूना जडिवुटि उद्यान संचालन गरिएको छ । समुदायमा देखिने ढाड खुस्कने र गुदाजन्य रोगको लागि कटिस्नान, बस्ती तथा योग सम्बन्धी विशेषज्ञ शिविर संचालन गरिएको छ । ४५ जिल्लामा जेष्ठ नागरिकलाई निःशुल्क स्वास्थ्य संरक्षण, प्रवर्धनात्मक पञ्चकर्म रसायनयोग सम्बन्धी तालिम प्रदान गरिएको छ। नरदेवी आयुर्वेद चिकित्सालयबाट पञ्चकर्म सम्बन्धी सेवा विस्तार गरिएको छ ।

नेपाल मेडिकल काउन्सिल

१३.६९ काउन्सिलले स्वदेश तथा विदेशबाट चिकित्साशास्त्रमा डिप्लोमा/मास्टर गरेका चिकित्सकहरूको दर्ता गर्ने, मुलुकभित्र स्थापना हुने नयाँ मेडिकल/डेण्टल कलेजहरूको स्तर हेरी संचालनको मान्यता दिने र विद्यार्थी भर्नाको स्वीकृति तथा न्युनतम योग्यता निर्धारण गर्ने जस्ता कार्यहरू गर्दछ । त्यसैगरी, नियमित रूपमा दर्ता प्रमाणपत्र परिक्षा (Licensing Exam) संचालन, विभिन्न खालका स्वास्थ्य तथा चिकित्सा व्यवसायसँग सम्बन्धित उजुरीहरूमाथि

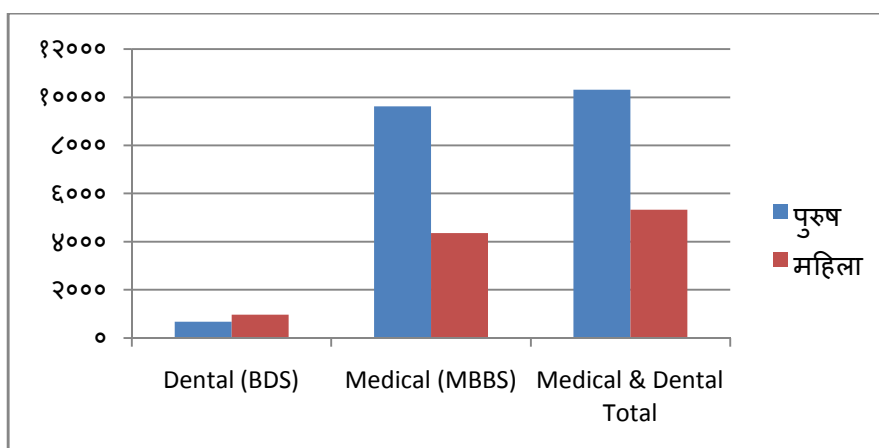
छानविन र विदेशी चिकित्सकहरुको योग्यता हेरी अस्थायी दर्ता गर्ने लगायतका कार्यहरु गर्दै आएको छ ।

तालिका १३ (स): मेडिकल काउन्सिलमा दर्ता भएका डाक्टरहरु

| बिषय | पुरुष | महिला | जम्मा |
|------------------------|-------|-------|-------|
| Dental (BDS) | ६७९ | ९७६ | १६५५ |
| Medical (MBBS) | ९६२७ | ४३५९ | १३९८६ |
| Medical & Dental Total | १०३०६ | ५३३५ | १५६४१ |

३१ डिसेम्बर २०१३, (२०७१/१९/१६) सम्म

चार्ट १३ (ज): मेडिकल काउन्सिलमा दर्ता भएका डाक्टरहरु



१३.७० विदेशमा एम.बि.बि.एस./बि.डि.एस. वा सो सरहको अध्ययन गर्न जानु अघि काउन्सिलबाट Eligibility Certificate अनिवार्य लिनुपर्ने व्यवस्था लागु भए पश्चात् २०७१ सालमा १ हजार ३ सय ७९ जना विद्यार्थीहरुलाई Under Graduate Eligibility Certificate (UGEC) र ५ सय ४४ जनालाई Post Graduate Eligibility Certificate (PGEC) प्रदान गरिएको छ ।

१३.७१ काउन्सिल अन्तर्गत २०७१ पौष १६ सम्ममा २ हजार ६ सय ९७ पुरुष तथा ९ सय ५२ महिला गरी जम्मा ३ हजार ६ सय ४९ विभिन्न क्षेत्रका विशेषज्ञ चिकित्सकहरु दर्ता भएका छन् ।

तालिका १३ (ह): नेपाल मेडिकल काउन्सिलमा दर्ता भएका विशेषज्ञ चिकित्सकहरू

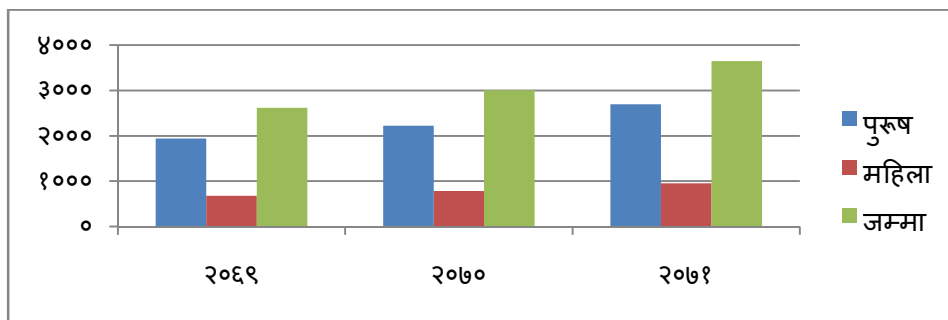
| सि.नं. | बिषय | पुरुष | महिला | जम्मा |
|--------|------------------------------------|-------|-------|-------|
| १ | General Practice | १४० | ३६ | १७६ |
| २ | E.N.T. | ९१ | ३० | १२१ |
| ३ | Psychiatry | ७५ | १४ | ८९ |
| ४ | Anaesthesiology | १६४ | ६४ | २२८ |
| ५ | Radiology & Imaging | १५७ | ३० | १८७ |
| ६ | Pediatrics | २३३ | ८९ | ३२२ |
| ७ | Nephrology | १० | ४ | १४ |
| ८ | M.D.S. | ११४ | ८७ | २०१ |
| ९ | T.B. & Respiratory | १५ | १ | १६ |
| १० | Community Medicine & Public Health | ६० | २६ | ८६ |
| ११ | Pharmacology | २० | ४ | २४ |
| १२ | Obst&gyne | १२४ | २७२ | ३९६ |
| १३ | M.S.(general surgery) | ३५८ | १९ | ३७७ |
| १४ | Orthopaedic | २८६ | ४ | २९० |
| १५ | Cardiology | ८७ | ५ | ९२ |
| १६ | Ophthalmology | १०६ | ९६ | २०२ |
| १७ | Internal Medicine | ३४३ | ३३ | ३७६ |
| १८ | Clinical Pathology | ६४ | ६७ | १३१ |
| १९ | Dermatology & venerology | ८३ | ४४ | १२७ |
| २० | Neurology | २० | ३ | २३ |
| २१ | Gastroenterology | २४ | ० | २४ |
| २२ | Urology | २५ | १ | २६ |
| २३ | Surgical Oncology | १७ | ० | १७ |
| २४ | Forensic Medicine | १६ | १ | १७ |
| २५ | Microbiology | १३ | ११ | २४ |
| २६ | Nuclear Medicine | ६ | ० | ६ |
| २७ | Physiology | ७ | ३ | १० |
| २८ | Family Medicine | ० | ० | ० |
| २९ | Anatomy | ९ | २ | ११ |

| सि.नं. | बिषय | पुरुष | महिला | जम्मा |
|--------|-----------------------|-------|-------|-------|
| ३० | Hepatology | १ | ० | १ |
| ३१ | Bio chemistry | ५ | २ | ७ |
| ३२ | Radio therapy | २ | २ | ४ |
| ३३ | Endocrinology | ६ | ० | ६ |
| ३४ | Neurosurgery | १० | ० | १० |
| ३५ | Ctvs | २ | १ | ३ |
| ३६ | Pediatrics Surgery | १ | ० | १ |
| ३७ | Emergency medicine | १ | ० | १ |
| ३८ | Hepatobiliary surgery | १ | ० | १ |
| ३९ | Plastic surgery | १ | ० | १ |
| ४० | Rheumatology | ० | १ | १ |
| जम्मा | | २६९७ | ९५२ | ३६४९ |

स्रोत: नेपाल मेडिकल काउन्सिल

नोट: २०७१ पौष १६ सम्मको

चार्ट १३ (ट): मेडिकल काउन्सिलमा दर्ता भएका विशेषज्ञ चिकित्सकहरू (संख्यामा)



निजामती कर्मचारी अस्पताल

१३.७२ निजामती कर्मचारी, तिनका परिवार एवं सर्वसाधारण समेतलाई छिटोछरितो, सुलभ र गुणस्तरीय सेवा प्रदान गर्ने उद्देश्य सहित स्थापित यस अस्पतालले विगतका वर्षहरू देखि नै ईमर्जेन्सी सेवा, फ्यामिली मेडीसिन, जनरल मेडीसिन, प्रसुती तथा स्त्री रोग, हाडजोर्नी, छालारोग, बालरोग, दन्तरोग, नाक, कान, घाटी रोग, एनेस्थेसिया, रेडियोलोजी एवं डाईग्नोस्टिक जस्ता सेवाहरू उपलब्ध हुँदै आएका छन् । त्यसैगरी मनोरोग, फिजियोथेरापी, परिवार नियोजन सेवा,

क्यान्सर रोग निदान सेवा, खोप सेवा, आखाँरोग सेवा, हेमाटोलोजी सेवा, कार्डीयोलोजी सेवा, डेकेयर सेवा, न्यूरोलोजी सेवा लगायतका सेवाहरु समेत अस्पतालबाट नियमित रुपमा सञ्चालन हुदै आएका छन् ।

१३.७३ चालु आर्थिक वर्षबाट मेडिकल आइ.सि.यु., एम.आर.आई., म्यामोग्राफी, फ्ल्युरोस्कोपी र डिजिटल रेडियोग्राफी जस्ता स्वास्थ्य सेवाहरु उपलब्ध हुँदै आएका छन् । अस्पतालबाट गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्नका लागि Extended Health Service (EHS) तथा दरवन्दी नभएका विभागहरुमा समेत विज्ञ चिकित्सकहरुबाट सेसन र पार्टटाइमको आधारमा कार्य हुँदै आएको छ ।

तालिका १३ (क्ष): निजामती कर्मचारी अस्पतालबाट प्रदान भएका सेवाहरुको विवरण

| विवरण | सेवाग्राही | आर्थिक वर्ष | | | |
|-------------------------------|------------------|-------------|---------|---------|----------|
| | | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| ओ.पि.डि. | निजामती कर्मचारी | ४५७३१ | ५९३१७ | ६१९२२ | ३५४०१ |
| | सर्वसाधारण | ९८६४४ | १२९८६७ | १५१११० | ८८४४९ |
| ल्याब टेस्ट | निजामती कर्मचारी | ८२३४७ | ११६७६१ | १५८१५६ | १४६७९५ |
| | सर्वसाधारण | १४५९८० | २३३६८२ | ३४६३२४ | ३०८४०६ |
| एक्सरे सेवा | निजामती कर्मचारी | ५३८८ | ७१४३ | ८७१६ | ८९१८ |
| | सर्वसाधारण | १३३५३ | १९९९५ | २५९४८ | २२७१० |
| यु.एस.जि. सेवा | निजामती कर्मचारी | ३३८० | ४८१० | ६३३५ | ६७३६ |
| | सर्वसाधारण | ६८२४ | १२०८८ | १८२२६ | १६५१७ |
| इण्डोसकोपी | निजामती कर्मचारी | ८ | १४२ | ४५७ | ३९१ |
| | सर्वसाधारण | १५ | ३३० | ९७२ | ९२९ |
| अप्रेसन | निजामती कर्मचारी | ५७६ | ९६९ | १२४५ | ९०० |
| | सर्वसाधारण | १४२७ | २७०४ | ३९५१ | २८९१ |
| सी.टी.स्क्र्यान | निजामती कर्मचारी | ४८० | ६०५ | ९२१ | ५६९ |
| | सर्वसाधारण | १९१८ | ३२६४ | ६९३४ | २६५३ |
| भर्ना भई उपचार गराउने | निजामती कर्मचारी | ७८४ | ११७० | १४५४ | १०३५ |
| | सर्वसाधारण | २२९५ | ३९९० | ५३७८ | ४१०० |
| एम.आर.आइ | निजामती कर्मचारी | - | - | - | ३५० |
| | सर्वसाधारण | - | - | - | १०१७ |
| कूल जम्मा (ओ पि डि र आकस्मिक) | निजामती कर्मचारी | ४६५७९ | ६०७१५ | ६३६७० | ३६६५८ |
| | सर्वसाधारण | १०४३०४ | १३९७८२ | १६४४१७ | ९८२९५ |

*प्रथम आठ महिनाको

स्रोत: निजामती कर्मचारी अस्पताल ।

औषधि व्यवस्था विभाग

१३.७४ स्वास्थ्य सेवामा समतामूलक पहुँच सुनिश्चित गर्न गुणस्तरीय औषधिको उपलब्धता र पहुँचमा सुधार गर्ने मुल नीतिका साथ कार्यहरु हुँदै आईरहेका छन् । औषधि व्यवस्था विभागको केन्द्रीय कार्यालय, राष्ट्रिय औषधि प्रयोगशाला, बिराटनगर, बिरगंज र नेपालगंज शाखाका काम कार्यवाही समेतलाई समेटी विभागबाट सेवा प्रवाह भैरहेको छ ।

तालिका १३ (त्र) : औषधि व्यवस्था विभागबाट प्रवाह भएको सेवा

| क्र. सं. | तथ्य एवं सूचकांक | आर्थिक वर्ष | | | | | | |
|----------|------------------------------|-------------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|----------|
| | | एकाई | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| १ | औषधि पसल निरिक्षण | पटक | १९६४ | २०११ | २००१ | २०७३ | २४५१ | १२१२ |
| २ | औषधि उद्योग निरिक्षण | पटक | १०८ | १०७ | ११० | १११ | ११७ | ४३ |
| ३ | बैदेशिक औषधि उद्योग निरिक्षण | पटक | ५ | ५ | ५ | ३ | ४ | ० |
| ४ | औषधि सूचना प्रवाह | पटक | ६८ | ६२ | ५७ | ५४ | ५५ | ३४ |
| ५ | ड्रग बुलेटिन प्रकाशन | पटक (प्रति) | ३ (१५०००) | ३ (१५०००) | ३ (१५०००) | ३ (१५०००) | ३ (१५०००) | २ |
| ६ | औषधि विश्लेषण | वटा | ६३४ | ७६० | ६६९ | ६०१ | ६८७ | ३०६ |
| ७ | औषधि प्रयोगशाला अडिट | वटा | २५ | २६ | ३३ | १४ | २१ | ५ |

*प्रथम आठ महिनाको

१३.७५ आर्थिक बर्ष २०७०/७१ को अन्त सम्ममा १९ हजार ३ सय ३८ फार्मसी, ४ सय ४५ औषधि उत्पादकका १५ हजार २ सय ४७ औषधि दर्ता भएका छन् । ४ सय ४५ उत्पादक मध्ये १ सय २० उद्योग स्वदेशी र ३ सय २५ विदेशी उद्योग रहेका छन् ।

स्वास्थ्य सम्बन्धित कार्यक्रम सञ्चालनबाट स्वास्थ्य क्षेत्रमा परेको प्रभाव विश्लेषण

१३.७६ परिवार नियोजन, सुरक्षित मातृत्व, बाल स्वास्थ्य, पोषण जस्ता कार्यक्रमहरुको सकारात्मक प्रभावले गर्दा आम जनताको औषत आयुमा वृद्धि तथा जन्मदरमा क्रमिक सुधार हुँदै गएको छ । त्यसैगरी, मातृ तथा बाल मृत्युदरमा कमि आई कार्यशक्तिमा वृद्धि हुनुका साथै पारिवारिक खर्चमा कमी आएकोले गार्हस्थ्य

उत्पादनमा वृद्धि हुन गै अर्थतन्त्रमा सकारात्मक प्रभाव पर्न जाने कुरामा विश्वस्त हुन सकिन्छ ।

- १३.७७ स्वस्थ जनशक्ति नै अर्थतन्त्रको मूल आधार हो भन्ने मान्यतालाई आत्मसात गर्नु पर्दा स्वास्थ्य सेवाको नियमित प्रवाहले निश्चय नै देशको आर्थिक विकासमा प्रत्यक्ष वा अप्रत्यक्ष रूपमा योगदान पुऱ्याएको छ । गुणस्तरयुक्त स्वास्थ्य जनशक्तिको उत्पादनका लागि उनीहरूको क्षमता विकासका विभिन्न कार्यक्रम एवं भौतिक पुर्वाधारको विकासले गर्दा भविश्यमा समेत देशको अर्थतन्त्रको सुदृढिकरणमा सकारात्मक प्रभाव पर्ने कुरामा विश्वास गर्न सकिन्छ ।
- १३.७८ सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम अन्तर्गत बाल, असाध्य, अपाङ्ग, जेष्ठ नागरिक, सिमान्तकृत र दुर्गम क्षेत्रमा पुर्‍याएको स्वास्थ्य सेवाको प्रवाह र सचेतना कार्यक्रमले गर्दा आमनागरिकको व्यक्तिगत खर्च न्यूनीकरण भई राज्यको दायित्व र जिम्मेवारी बोधको दुरी कम हुँदै गएको खण्डमा गरिवी न्यूनीकरण भई अर्थतन्त्रको सुदृढिकरण गर्नमा राम्रो सहयोग पुऱ्याउने देखिन्छ । साथै स्वास्थ्य क्षेत्रमा चालिएका नीतिगत एवं संस्थागत व्यवस्थाले समेत स्वास्थ्य क्षेत्रमा सकारात्मक उपलब्धीहरू हाँसिल भएका छन् ।

महिला, बालबालिका तथा समाजकल्याण

- १३.७९ राष्ट्रिय जनगणना २०६८ को तथ्यांक अनुसार ५१.५ प्रतिशत महिला, १६ बर्षभन्दा मुनिका ३९.८ प्रतिशत बालबालिका, ६० बर्ष माथिका ८.१३ प्रतिशत जेष्ठ नागरिकहरू तथा १.९४ प्रतिशतको हाराहारीमा अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको स्थितिमा सुधार ल्याउन विभिन्न प्रयासहरू हुँदै आएका छन् । यसै क्रममा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा गरेका प्रतिवद्धताहरू र राष्ट्रिय कार्ययोजनाहरूको कार्यान्वयनको लागि संस्थागत तथा कानुनी व्यवस्था गरी विविध कार्यक्रमको माध्यमबाट क्षमता अभिवृद्धि, सशक्तिकरण, संरक्षण जस्ता क्षेत्रहरूमा सुधारका प्रयासहरू भईरहेका छन् ।

महिला सशक्तिकरण

- १३.८० महिला सशक्तिकरणको लागि लैङ्गिक हिंसा न्यूनिकरण, महिला विकास, मानव वेचविखन तथा ओसारपसार नियन्त्रण जस्ता कार्यक्रमहरु अभियानकै रुपमा संचालन हुँदै आएका छन् । रेडियो नेपाल र नेपाल टेलिभिजन मार्फत लैङ्गिक हिंसा विरुद्धको जनचेतना कार्यक्रम संचालन भैरहेको छ । एकल महिला सुरक्षा कोष र लैङ्गिक हिंसा निवारण कोषको रकमवाट हिंसा पीडित तथा प्रभावितहरुलाई सेवा पुऱ्याईएको छ । निजामती सेवामा महिलाको प्रतिनिधित्व बढाउन तयारी कक्षा सञ्चालन भएका छन् ।
- १३.८१ सामाजिक कलंक र अपराधको रुपमा देखिएको लैङ्गिक हिंसा निवारणका लागि कानुनी व्यवस्था र राष्ट्रिय कार्य योजनाका साथै वार्षिक कार्यक्रमका आधारमा कार्यक्रमहरु संचालन भैरहेका छन् । कार्यस्थलमा हुने यौनजन्य दुर्व्यवहार अन्त्य गर्न कार्यस्थलमा हुने यौनजन्य दुर्व्यवहार (निवारण) ऐन, २०७१ लागु भएको छ ।
- १३.८२ घरेलु हिंसावाट प्रभावितका लागि जुम्ला, पाँचथर, डोटी, कंचनपुर, बाग्लुङ्ग, सुनसरी, सोलुखुम्बु, नवलपरासी काभ्रेपलाञ्चोक, मकवानपुर, दाङ्ग, सर्लाही, सप्तरी, तनहुँ, बर्दिया, प्युठान र रौतहट गरी १७ जिल्लामा सेवा केन्द्रहरु संचालनमा रहेका छन् । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्म जम्मा १० हजार १ सय ९३ जना सेवा लिन आएकोमा ८ हजार ८ सय ९६ जनाको कार्यवाही टुङ्गिएको छ ।

महिला विकास

- १३.८३ लैङ्गिक मूलप्रवाहीकरण तथा महिला सशक्तिकरणमा टेवा पुऱ्याउने काम गर्दै आईरहेको महिला विकास कार्यक्रमलाई यसै वर्ष देशका सबै गा.वि.स.मा पुऱ्याउने लक्ष्य लिइएको छ । कार्यक्रममा सहभागी महिलाको सङ्ख्या ८ लाख ९२ हजार नाघेको छ । यद्यपि लक्षित समुहको आकार हेरी यो करीव १७.० प्रतिशतमात्र रहेको छ । समुह सदस्यमा दलित समुदायका महिलाको उपस्थिति १६.० प्रतिशत रहेको छ जुन कार्यक्रमको लक्ष्तीकरणको जनाउ पनि हो ।

सीमान्तकृत अन्य समुदायका महिलाको सहभागिता पनि उल्लेखनीय रहेको छ ।

- १३.८४ निजामती सेवालाई समावेशी बनाउन लोक सेवा आयोगबाट लिइने नेपाल प्रशासन सेवा, राजपत्राङ्कित तृतीय श्रेणीको परीक्षामा सम्मिलित हुने ६ सय २ जना महिला उम्मेदवारहरूलाई विशेष तयारी कक्षा प्रदान गरिएको छ ।
- १३.८५ व्यक्तित्व विकासका प्रारम्भिक प्रशिक्षणतर्फ अनुशिक्षण ४२ हजार ३६ जनालाई, आधारभूत तालिम ४ हजार ३ सय १५ जनालाई र महिला/पुरुष समविकास तालिम ४ सय २० जनालाई दिइएको छ । संस्थागत विकास र सहभागितातर्फ नेतृत्व तथा संस्थागत विकास तालिम १ हजार ६ सय जनालाई, लेखापालन तालिम ७ सय ११ जनालाई र प्रस्तावना लेखन तालिम ४ सय १ जनालाई प्रदान गरिएको छ ।
- १३.८६ कार्ययोजना अनुसार सीप तथा व्यवसायिकता विकास तालिम ५ हजार ७ सय ६९ जनालाई दिएर ५ हजार ३ सय ६६ जनालाई व्यवसाय स्थापना खर्च अनुदान समेत प्रदान गरिएको छ । साथै ८ सय १० जनालाई सीप पुनर्ताजगी तालिममा सहभागी गराइएको छ । साझा व्यावसायिक सेवाका लागि ५१ वटा महिला संस्थालाई बहुउपयोगी अनुदान प्रदान गरिएको छ ।
- १३.८७ विद्यालयविमुख किशोरीको बहुआयामिक विकासको प्रयासमा जीवनोपयोगी तालिम २ हजार ७ सय ७१ जनालाई प्रदान गरिएको छ भने सीप तथा व्यवसायिकता विकास तालिममा १ हजार ८ सय ६० जनालाई सहभागी गराइएको छ । सीपप्राप्त सदस्यमध्ये व्यवसाय स्थापना खर्च अनुदान १ हजार ७ सय ७० जनालाई प्रदान गरिएको छ ।
- १३.८८ मुक्त कमलरीको सशक्तिकरण अन्तर्गत २४ वटा समूह गठन गरिएको छ । साथै ५ समूहमा सदस्यको अनुशिक्षण प्रदान गरिएको छ । ९० जनालाई सीप तथा व्यवसायिक विकास तालिम दिइएको छ । व्यवसाय स्थापना खर्च ९० जनालाई उपलब्ध गराइएको छ ।

तालिका १३ (अ) : महिला विकासमा भएका उपलब्धिहरू

| क्र.स. | क्रियाकलापको नाम | एकाइ | आर्थिक वर्ष | | |
|----------------|-------------------------------------|------------|---------------------|----------------------------|---------------------|
| | | | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ |
| फैलावट | | | | | |
| १. | कार्यक्रम सञ्चालित जिल्ला | संख्या | ७५ | ७५ | ७५ |
| २. | कार्यक्रम सञ्चालित गाउँ विकास समिति | संख्या | ३,५७० | ३,६३६ | ३७५९ |
| ३. | कार्यक्रम सञ्चालित नगरपालिका | संख्या | ४१ | ४३ | ७१ |
| ४. | कार्यक्रम सञ्चालित वडा | संख्या | २१,३६२ | २२,४२१ (नगरपालिका समेत) | - |
| संस्थागत विकास | | | | | |
| ५. | गठन भएका महिला समूह | संख्या | १२३,५७३ | १३२,९२८ | १५०८४२ |
| ६. | समूहमा सम्मिलित | जना | ७३६,०४६ | ८०७,९७६ | ८९२,४७४ |
| ६.१ | महिला | जना | १२४,५१६ | १३१,७३५ | १४२,९४७ |
| ६.२ | दलित | जना | (१६.९१%) | (१६.३०%) | (१६.००%) |
| ६.३ | जनजाति | जना | २५८,९१२ | २९२,६१५ | ३०२,१२५ |
| | अन्य | जना | (३५.१८%) | (३६.२२%) | (३३.९९%) |
| | | | ३५२,६१८ (४७.९१%) | ३८३,६२६ (४७.४८%) | ४४७,४०२ (५९.१०%) |
| ७. | गठन भएका महिला समिति | संख्या | १३,११६ | १५,२२१ | १६,६१२ |
| ८. | दर्ता भएका महिला संस्था | संख्या | १,४३९ | १,५६८ | १,६२२ |
| ९. | तदर्थ महिला संस्था | संख्या | २२९ | २०० | १४९ |
| स्रोत परिचालन | | | | | |
| १०. | महिलाहरूको सामूहिक बचत | रु. हजारमा | १६,८५,७०८ | २२,७०,९२१ | २६,१२,५९६ |
| ११. | जम्मा लगानीमा रहेको | रु. हजारमा | १५,७७,४७७ | २१,७५,१६८ | २५,१५,५२५ |
| १२. | चालुकोष | रु. हजारमा | १,२५,३४६ | १३०,७६७ | - |
| १२.१ | मूलधन | रु. हजारमा | १,१६५,२७ | ११८,८६४ | - |
| १२.२ | व्याज | रु. हजारमा | ८,८१९ | १२,४०५ | - |

स्रोत: महिला, बालकालिका तथा समाज कल्याण मन्त्रालय ।

मानव वेचविखन तथा ओसारपसार नियन्त्रण

१३.८९ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा वेचविखनमा परी उद्धार गरिएका महिलाहरूको सिन्धुपाल्चोक, काठमाडौं, रुपन्देही, झापा, कैलाली, बाँके, पर्सा र चितवन जिल्लाहरूमा संचालित पुनर्स्थापना गृहवाट ७ सय ४० जनालाई सेवा पुऱ्याईएकोमा चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनामा यो संख्या ३ सय २७ रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा कोलकत्ता स्थित महावाणिज्यदूतको कार्यालयवाट २५ जना पीडितको उद्धार गरी स्वदेश फिर्ता ल्याउने काम भएको छ ।

तालिका १३ (कक) : मानव वेचविखन भएका, उद्धार गरिएका र पुनर्स्थापना भएकाहरूको विवरण (जना)

| क्र.सं. | जिल्ला | आर्थिक वर्ष | |
|---------|---------------|-------------|----------|
| | | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| १. | चितवन | १०९ | ४६ |
| २. | रुपन्देही | १५७ | ८४ |
| ३. | सिन्धुपाल्चोक | २५ | ५ |
| ४. | कैलाली | २९ | ६ |
| ५. | पर्सा | ६८ | ७ |
| ६. | बाँके | १२६ | ४९ |
| ७. | काठमाण्डौ | १४ | ७ |
| ८. | झापा | २१२ | १२३ |
| | जम्मा | ७४० | ३२७ |

*प्रथम आठ महिनाको

स्रोत: महिला, बालबालिका तथा समाजकल्याण मन्त्रालय ।

बालबालिका र किशोरकिशोरी

१३.९० बालबालिका तथा किशोरकिशोरीको हक, हित तथा बालअधिकार संरक्षण र सम्बर्धनका निम्ति कानूनी, नीतिगत र संस्थागत संयन्त्रहरूको व्यवस्था भै राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय व्यवस्था र प्रतिवद्धता पूरा गर्ने कार्य हुँदै आएको छ ।

१३.९१ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/०७२ को आठ महिनासम्म ७५ जिल्लामा जिल्ला बालसंरक्षण समिति, २७ नगरपालिकामा नगर बालसंरक्षण समिति र १

हजार ६ सय ६१ गा.वि.स.मा गाउँ बालसंरक्षण समिति गठन गरी बालसंरक्षणको लागि परिचालन गरिएको छ । १९ हजार ४ सय ५४ वटा बालकलबहरू मध्ये ११ हजार ६ सय २५ बालकलवहरू जिल्ला बालकल्याण समितिहरू (७५ जिल्ला) मा आवद्ध रहेका छन् । ४ लाख ३३ हजार ८ सय ९१ बालबालिकाहरू बालकलबहरूमा आवद्ध रहेका छन् ।

१३.९२ सबै जिल्लामा बालबालिकासम्बन्धी सूचना तथा स्रोत केन्द्रको स्थापना गरिएको छ । हराएका, हराएर फेला परेका र बेवारीस फेला परेका बालबालिकाको उद्धार, संरक्षण, खोजतलास र पारिवारिक पुनर्मिलन, पुनर्एकीकरण तथा पुनर्स्थापनाका निम्ति नेपाल प्रहरीको एक अङ्गका रूपमा वि.सं. २०६३ साल देखि बालबालिका खोजतलास समन्वय केन्द्रको स्थापना गरी निःशुल्क टिलफोन नं. १०४ सञ्चालन गरिएको छ ।

तालिका १३ (कख): हराएका, हराएर फेला परेका र बेवारीसे फेला परेका बालबालिकाको विवरण

| आर्थिक वर्ष | हराएका तथा वेवारिसे फेला परेका | लाभान्वित बालबालिका |
|-------------|--------------------------------|---------------------|
| २०६८/६९ | १९०५ | १२०७ |
| २०६९/७० | १७३४ | ११०४ |
| २०७०/७१ | ११४५ | ७७१ |
| जम्मा | ४७८४ | ३०८२ |

स्रोत: केन्द्रीय बालकल्याण समिति

१३.९३ चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनासम्ममा हराएका, हराएर फेला परेका, बेवारिसे फेला परेका, पारिवारिक पुनर्मिलन भएका, घर ठेगाना पत्ता लाग्न नसकी संरक्षणका लागि बालगृहमा राखिएका र बालगृहबाट भागेका बालबालिकाको हरुको संख्या क्रमशः ३ सय ३३, १ सय ६४, २ सय ८, ८८, १ सय ७, र १३ रहेको छ ।

१३.९४ बाल हेल्पलाइन नं. १०९८ काठमाडौं, मकवानपुर, चितवन, कास्की, मोरङ, उदयपुर, लमजुङ, रूपन्देही, बाँके, बर्दिया, सुर्खेत, दैलेख र कैलाली गरी १३ जिल्लाहरूमा सञ्चालन गरिएको छ ।

तालिका १३ (कग): जोखिमपूर्ण अवस्थामा रहेका बालबालिकाको आपतकालीन उद्धार

| आर्थिक वर्ष | बालक (जना) | बालबालिका (जना) | जम्मा |
|-------------|------------|-----------------|-------|
| २०६८/६९ | ८८० | ७३५ | १६१५ |
| २०६९/७० | ९४३ | ५८० | १५२३ |
| २०७०/७१ | १२५३ | ९७३ | २२२६ |
| २०७१/७२ | ९६४ | ९०१ | १८६५ |
| कुल जम्मा | ३९४० | ३२८९ | ७२२९ |

*प्रथम आठ महिनाको

स्रोत: केन्द्रीय बालकल्याण समिति ।

१३.९५ चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनामा १३ जिल्लाका जोखिमपूर्ण अवस्थामा रहेका १ हजार ८ सय ६५ जना बालबालिकाको उद्धार गरिएको छ । उद्धार गरिए पश्चात् १ सय ५५ जनालाई राहत, ७ सय २७ लाई मनोविमर्श सेवा, ८ सय २७ लाई पारिवारिक पुनर्मिलन तथा सामाजिक पुनर्स्थापना, ५६ लाई बालगृहमा संरक्षण, ६ सय १४ लाई प्राथमिक उपचार, १ सय ४१ लाई कानूनी सेवा, १ सय १३ जना सडक बालबालिकाको उद्धार, २७ जनालाई बेचविखन र ओसारपसार हुनबाट बचाउ र ४ सय ४८ जना बालबालिकालाई शैक्षिक सहयोग प्रदान गरिएको छ ।

१३.९६ बाल विज्याईमा परेका किशोर किशोरीहरूलाई भक्तपुर, कास्की र मोरङ्गमा बालसुधार गृहमा राखि शिक्षा र सीप प्रदान गरी स्वनिर्भर बन्न प्रोत्साहन गरिएको छ भने बाँकेको नेपालगञ्जमा बालसुधार गृह निर्माणाधिन अवस्थामा रहेको छ ।

तालिका १३ (कघ) : बालसुधार गृहमा रहेका बालबालिकाहरूको विवरण (आर्थिक वर्ष २०७१/७२ सम्म)

| क्र.सं. | स्थान | क्षमता (जना) | | हाल रहेको संख्या | | |
|---------|---------|--------------|--------|------------------|--------|-------|
| | | बालक | बालिका | बालक | बालिका | जम्मा |
| १ | भक्तपुर | १०० | १० | ७९ | ३ | ८२ |
| २ | मोरङ्ग | ५० | ० | ४९ | ० | ४९ |
| ३ | कास्की | ५० | ० | ५७ | ० | ५७ |
| जम्मा | | २०० | १० | १८५ | ३ | १८८ |

स्रोत: केन्द्रीय बालकल्याण समिति ।

१३.९७ नेपाल सरकारबाट सञ्चालन गरिएका चारवटा बालकल्याण गृहहरू (बुटवल, बिरगञ्ज, राजविराज र विराटनगर) मा १ सय ८ जना बालबालिका संरक्षणमा राख्न सक्ने क्षमता रहेको छ भने गैरसरकारी संस्था वा अन्य व्यक्तिहरूबाट

सञ्चालनमा रहेका ६ सय बालगृहहरूमा झण्डै १७ हजार बालबालिका संरक्षणमा राख्ने क्षमता रहेको छ ।

अन्तरदेशीय धर्मपुत्र - धर्मपुत्री

१३.९८ अन्तरदेशीय धर्मपुत्र / धर्मपुत्री व्यवस्थापन विकास समिति मार्फत गत आर्थिक वर्षमा मा ३ जना धर्मपुत्री प्रदान भएको छ भने यस आर्थिक वर्ष को फागुन मसान्तसम्म १ जना धर्मपुत्री प्रदान भएको छ ।

१३.९९ स्वदेशमा धर्मपुत्र / धर्मपुत्री लिने व्यक्तिलाई आवश्यक जानकारी प्रदान गरी स्वदेशमा नै बालबालिकालाई धर्मपुत्र/धर्मपुत्री लिने कार्यलाई प्रबर्धन गरिएको कारणवाट आर्थिक वर्ष २०६६/६७ देखि २०७०/७१ सम्म देशभित्र २ सय ८१ जना बालबालिकालाई धर्मपुत्र / धर्मपुत्रीको रूपमा ग्रहण गरिएको छ ।

ज्येष्ठ नागरिक

१३.१०० ज्येष्ठ नागरिकहरूको संरक्षणका लागि ५ विकास क्षेत्रमा वृद्धाश्रम संचालनमा सहयोग पुऱ्याइएको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को प्रथम आठ महिनासम्ममा २ सय २१ जना महिला र १ सय ६९ पुरुष गरी जम्मा ३ सय ९० जनाले सेवा प्राप्त गरिरहेका छन् ।

तालिका १३ (कड) : पाँच विकास क्षेत्रमा संचालित वृद्धाश्रमहरूको विवरण

| क्र.सं. | स्थान | हाल बसेको संख्या (जना) |
|---------|--|------------------------|
| १ | पूर्वाञ्चल - विश्रान्ति मन्दिर मुलघाट धनकुटा | ३८ |
| २ | मध्यमाञ्चल- समाज कल्याण केन्द्र वृद्धाश्रम पशुपति | २३० |
| ३ | पश्चिमाञ्चल- पोखरा वृद्धाश्रम, पोखरा | ५९ |
| ४ | मध्यपश्चिमाञ्चल- भेरी वृद्ध तथा असहाय सेवा केन्द्र | १२ |
| ५ | सुदुर पश्चिमाञ्चल- महिला तथा वृद्ध सेवा केन्द्र | ५१ |

स्रोत: महिला, बालबालिका तथा समाजकल्याण मन्त्रालय

१३.१०१ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिना सम्ममा विभिन्न जिल्लामा साझेदारीमा ४८ वटा ज्येष्ठ नागरिक आश्रमहरू र विभिन्न ८ वटा स्थानहरूमा ज्येष्ठ नागरिक दिवा सेवा केन्द्र संचालन गरिएका छन् । ज्येष्ठ नागरिकहरूलाई यातायातका साधनमा आरक्षण र छूट सम्बन्धी प्रावधानको प्रभावकारी कार्यान्वयनको लागि प्रयास भएको छ ।

तालिका १३ (कच) : सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्राप्त गर्ने ज्येष्ठ नागरिकहरूको विवरण

| आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को अनुमानित विवरण | | |
|---------------------------------------|--|--------|
| क्र.सं | लक्षित वर्ग | संख्या |
| १ | ज्येष्ठ नागरिक अन्य (७० वर्ष भन्दा माथि) | ६८८९३० |
| २ | ज्येष्ठ नागरिक दलित (६० वर्ष भन्दा माथि) | २३४६३४ |
| ३ | ज्येष्ठ नागरिक कर्णाली (६० वर्ष भन्दा माथि) | २७८५५ |
| ४ | बार्षिक रु. २०००। उपचार खर्च पाउने ७० वर्ष नाघेका ज्येष्ठ नागरिक (एकल, विधवा, पूर्ण अपांग र लोपोन्मुख आदिवासी जनजाति सहित) | ८८१४७४ |

स्रोत: संघीय, मामिला तथा स्थानीय विकास मन्त्रालय

अपाङ्गता भएका व्यक्ति

१३.१०२ हालसम्म सबै जिल्लामा अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूका लागि समुदायमा आधारित पुनर्स्थापना, कार्यक्रम, रेडियो/टी.भीबाट सचेतनामूलक कार्यक्रम, संस्थाहरूको साझेदारीमा दिवा सेवा तथा आवासीय पुनर्स्थापना कार्यक्रम र १४ वटा महिला तथा वालवालिका कार्यालयमा अपाङ्गता सम्बन्धी हेल्पडेस्क संचालनमा आएको छ । साथै अपाङ्गता भएका महिलाहरूका लागि पुनर्स्थापना एवं छात्रावासको व्यवस्था समेत गरिएको छ ।

१३.१०३ हाल विभिन्न सात किसिमका अपाङ्गताका क्षेत्रका व्यक्तिहरूलाई पूर्ण अशक्त, अति अशक्त, मध्यम अपाङ्गता र सामान्य अपाङ्गतासंबन्धी परिचय पत्र वितरण गरिएको र पूर्ण अशक्त, अति अशक्त भएका व्यक्तिहरूलाई क्रमशः मासिक रु. १ हजार र रु. ३ सयका दरले भत्ता उपलब्ध गराइएको छ ।

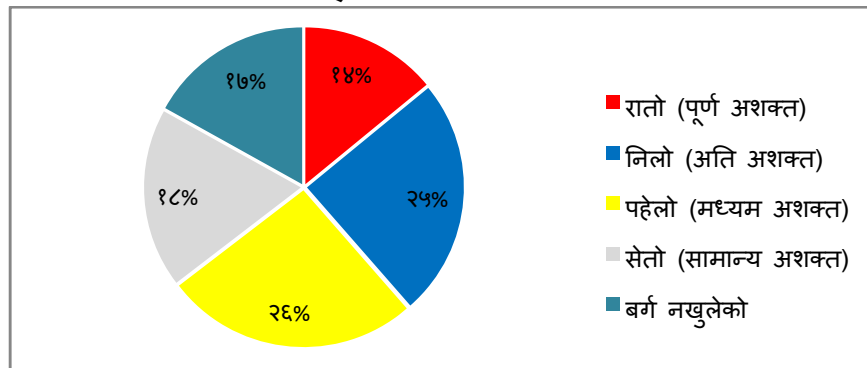
तालिका १३ (कछ) : अपाङ्गता परिचय पत्र वितरण

| क्र.सं. | परिचय पत्रको प्रकार | आर्थिक वर्ष २०७०/७१* | | |
|---------|----------------------|----------------------|-------|--------|
| | | महिला | पुरुष | जम्मा |
| १ | रातो (पूर्ण अशक्त) | ११५९२ | १४८६५ | २६४५७ |
| २ | निलो (अति अशक्त) | १७५६१ | २८५५६ | ४६११७ |
| ३ | पहेलो (मध्यम अशक्त) | १९०६४ | २९९३८ | ४९००२ |
| ४ | सेतो (सामान्य अशक्त) | १३३०९ | २१४९० | ३४७९९ |
| ५ | बर्ग नखुलेको | - | - | ३१८५० |
| | जम्मा | ६१५२६ | ९४८४९ | १८८२३५ |

*प्रथम आठ महिनासम्म

स्रोत: महिला, वालवालिका तथा समाज कल्याण मन्त्रालय ।

चाई १३ (ठ) : अडडडडडड डरररर डड डडडडड (डडडडडड)



सडडड डडडडड (गडड सरकारी संसुथड)

१३.१०ॡ आरुथरक वरुष २०ॡ१/ॡ२ को आठ डडडडड गडर-सरकारी संसुथडड ॡ सड ॢ वतड तथड अन्तररररुषुडरुड गडर सरकारी संसुथडडड ॡ१ वतड करुडडडडडडरु सडडडडडडडड डररररडडडड डुवुीकृत डडडड डडडड ।

तडडडड १३ (कऑ) : सडडड डडडडड डररररडड डरुतड डडडड संसुथड र डुवुीकृत करुडडडड

| डडडडड | डरररु | आरुथरक वरुष | | |
|---------------------------------------|---------|-------------|------------|-----------|
| | | २०ॡ१/ॡ० | २०ॡ०/ॡ१ | २०ॡ१/ॡ२* |
| गडर सरकारी संसुथड | वतड | ॡॡ३ | ॡॡॡ | ॡ०० |
| अन्तररररुषुडरुड गडर सरकारी संसुथड | वतड | ॡॡ | ॡ३ | ॡ१ |
| डुवुीकृत करुडडडड | | | | |
| (क) गडर सरकारी संसुथड | वतड | ११३ॢ | १३१२ | ॡ०ॢ |
| (ख) अन्तररररुषुडरुड गडर सरकारी संसुथड | | ॡॡ | ॡ३ | ॡ१ |
| डुवुीकृत रकड | | | | |
| (क) गडर सरकारी संसुथड | रु. | ॢॡ,३ॡ,११० | ११०,२२,०ॢॡ | ॡॡ,ॡ१,३३ॡ |
| (ख) अन्तररररुषुडरुड गडर सरकारी संसुथड | डररररडड | २ॡ,०१,ॡॡ३ | ३ॡ,ॢ३,ॢॡॡ | २ॢ,११,ॡ१० |

* डुरथड आठ डडडडडडड ।

सुत: डडडड, डडडडडडड तथड सडडड डडडडड डडडडड ।

खानेपानी तथा सरसफाई

१३.१०५ खानेपानी तथा सरसफाई कार्यक्रम अन्तर्गत क्रमागत १ हजार ४ सय ४५ र नयाँ १ हजार ४८ सहित कूल २ हजार ४ सय ९३ आयोजनाहरू कार्यान्वयनमा रहेका छन् । चालु आर्थिक बर्षमा करिब ३ लाख ५० हजारलाई आधारभूत स्तरको खानेपानी तथा सरसफाई सुविधा उपलब्ध गराउने लक्ष्य छ । चालु आर्थिक बर्षको आठ महिनामा ३० हजार उपभोक्ताहरू लाभान्वित भएका छन् ।

१३.१०६ वातावरणीय सरसफाई आयोजना अन्तर्गत सरसफाई गुरुयोजना र जिल्लागत रणनीतिक कार्ययोजना अनुरूप सबै जिल्लामा पूर्ण सरसफाई कार्यक्रम सञ्चालनमा रहेको छ । चालु आर्थिक बर्षमा ४९ गा.वि.स., ४९ नगरपालिका, ८ जिल्लाहरू (बाजुरा, अर्घाखाँची, रुकुम, गोर्खा, जाजरकोट, धनकुटा, लम्जुङ्ग, ईलाम) तथा एक अञ्चल खुला दिशामुक्त (ODF) घोषणा भएका छन् ।

तालिका १३ (कङ्ग): आधारभूत खानेपानी तथा सरसफाईको स्थिति

| सूचकहरू | राष्ट्रिय जल योजना २००५ ले निर्धारण गरेको लक्ष्य | | | हालसम्मको उपलब्धि (प्रतिशत - कुल जनसंख्याको) |
|---|--|----------|----------|--|
| | सन् २०१२ | सन् २०१७ | सन् २०२७ | |
| आधारभूत खानेपानी सेवा (कुल लाभान्वित जनसंख्याको प्रतिशत) | ९० | १०० | - | ८३.५९ |
| आधारभूत सरसफाई (कुल लाभान्वित जनसंख्याको प्रतिशत) | ९० | १०० | - | ७०.२८ |
| उच्च/मध्यमस्तरको खानेपानी सेवा (कुल लाभान्वित जनसंख्याको प्रतिशत) | १५ | २७ | ५० | १५.३ |

स्रोत: खानेपानी तथा ढल निकास विभाग ।

१३.१०७ खानेपानी गुणस्तर सुधार कार्यक्रम अन्तर्गत विभिन्न ३२ वटा पानी प्रशोधन प्रणालीको निर्माण भएका छन् । चालु आर्थिक वर्षको आठ महिना सम्ममा ५ सय ८९ वटा आयोजनाहरूमा Water Safety Plan सञ्चालन भई २१ लाख ४ हजार सेवाग्राही लाभान्वित भएका छन् ।

१३.१०८ ढल निर्माण तथा प्रशोधन कार्यक्रम अन्तर्गत स्थानीय निकाय तथा उपभोक्ता समुदायको सक्रिय सहभागिता र आर्थिक साझेदारीमा प्रशोधन केन्द्र सहितको ढल प्रणाली निर्माण कार्य सञ्चालन गरिएको छ । ७ वटा आयोजनाहरू (ठैंब, हरिसिद्धि, गोठाटार, मुर्गीया, बालकोट, कटुन्जे, हस्तिनपुर) निर्माणधिन र ३ वटा आयोजनाहरू (फेवाताल, मन्थली, बेतीनी) को Detail Project Report तयारीको क्रममा रहेको छ ।

तालिका १३ (कञ): खानेपानी तथा सरसफाई, ग्रामीण एवं शहरी खानेपानीको स्थिति

| क्र. सं. | विवरण | इकाई | आर्थिक वर्ष | | |
|----------|---|------|-------------------------------|--|----------|
| | | | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| १ | खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना | वटा | ११२ | १३७ | - |
| | लाभान्वित संख्या | जना | २,८६,००० | १९३,४८१ | |
| २ | क्रमागत आयोजनाका सम्पन्न भएका स्कीम | वटा | १९६ | २३९ | - |
| | लाभान्वित संख्या | जना | ५३,००० | १,२२,२९३ | ३०,००० |
| ३ | खानेपानी तथा सरसफाई सुधार विस्तार आयोजना (लाभान्वित संख्या) | जना | - | ७०,४६३ | - |
| ४ | खानेपानी प्रशोधन प्रणाली सम्पन्न | वटा | ७ | ९ | - |
| | लाभान्वित संख्या | जना | ६३,७४६ | ७६,३०० | - |
| ५ | बर्षातको पानी संकलन आयोजना | वटा | आयोजना ४ र सरकारी विद्यालय २० | सामुदायिक वर्षातको पानी संकलन योजना ४ र सरकारी विद्यालय १६ | - |
| | लाभान्वित संख्या (विद्यार्थी र तिर्थालुसमेत) | जना | ९,४९६ | १२,८३९ | - |
| ६ | खुला दिसामुक्त क्षेत्र घोषणा | | | - | |
| | (क) गाउँ विकास समिति | वटा | ४५२ | ५२८** | ४९ |
| | (ख) नगरपालिका | वटा | २ | ७ | ४९ |
| | (ग) जिल्ला | वटा | ५ | ७ | ८ |

** तत्कालिन गा.वि.स. संरचना सँग सम्बन्धित ।

* प्रथम आठ महिनाको ।

स्रोत: शहरी विकास मन्त्रालय/खानेपानी तथा ढल विकास विभाग ।

शहरी खानेपानी प्रणाली

१३.१०९ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा उत्पादन वृद्धि कार्यक्रम अन्तर्गत जम्मा १० वटा ट्युबवेलहरू संचालनमा ल्याइएको छ । यसबाट करिब १ करोड लिटर थप पानी उत्पादन गरिएकोले करिब ४० हजार थप जनसंख्या लाभान्वित भएका छन् । खानेपानी प्रणालीमा भएका पुराना वेलहरूलाई समेत मर्मत गरी संचालनमा ल्याई पुरकको रूपमा प्रयोग भएका छन् । चालु आर्थिक बर्ष २०७१/७२ मा सम्पन्न हुने आयोजनाहरूबाट थप १ करोड ७० लाख लिटर खानेपानी आपूर्ति भई ८५ हजार जनसंख्या खानेपानी आपूर्तिबाट लाभान्वित हुनेछन् भने खानेपानीको आपूर्तिको व्यवस्था पनि सुदृढ हुनेछ ।

युवा तथा खेलकुद

१३.११० युवा, खेलकुद तथा स्काउट सम्बन्धी विषयमा अध्ययन, अनुसन्धान, अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्धको विकास लगायतका कार्यहरू सम्पादन हुँदै आएको छ । राष्ट्रिय खेलकुद परिषद् र नेपाल स्काउटसंगको सहयोग तथा समन्वयमा खेलकुद तथा स्काउटसंग सम्बन्धित विभिन्न क्रियाकलापहरू सञ्चालन हुँदै आएका छन् ।

राष्ट्रिय युवा परिचालन

१३.१११ राष्ट्रिय युवा परिचालन विगतका वर्षदेखि नै सञ्चालन हुँदै आएको छ। युवा सूचना केन्द्र ७५ वटै जिल्लामा स्थापना गरिएको छ र सबै युवा सूचना केन्द्रहरूलाई क्रमिक रूपमा सुदृढीकरण गर्ने कार्यक्रम अनुसार चालु आर्थिक वर्षमा ५ वटा सूचना केन्द्रलाई स्तरोन्नति गर्ने कार्य भई रहेको छ । रेडियो नेपालबाट प्रत्येक हप्ताको मंगलवार विहान ८:१५ देखि ८:४० सम्म युवा सञ्चार रेडियो कार्यक्रम सञ्चालन भइरहेको छ । साथै टेलिभिजनबाट युवासंग सम्बन्धित जिङ्गल प्रसारण हुँदै आएको छ ।

तालिका १३ (कट) : राष्ट्रिय युवा परिचालन कार्यक्रमको विवरण

| क्र.सं | कार्यक्रम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | |
|---|--|--------|-------------|---------|---|
| | | | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| (क) युवा परिचालन सम्बन्धी कार्यक्रमहरू | | | | | |
| १ | स्थानीय युवा साझेदारी कार्यक्रम | संख्या | ६५३ | ७१५ | — |
| २ | अन्तर्राष्ट्रिय युवा दिवस | पटक | १ | १ | १ |
| ३ | क) दक्षिणसहयुग सम्झौता अन्तर्गत सञ्चालन हुने युवा अनुभव आदानप्रदान कार्यक्रम | जना | ५० | ५० | — |
| | ख) आन्तरिक युवा अनुभव आदानप्रदान कार्यक्रम | जना | ३२ | ४८ | — |
| ४ | युवा सम्पर्क विन्दुहरूको कार्यशाला गोष्ठी | पटक | २ | २ | १ |
| ५ | युवा सूचना केन्द्र सञ्चालनका लागि अनुदान | जिल्ला | ७५ | ७१ | - |
| ६ | युवा सूचना केन्द्र सुदृढीकरण | जिल्ला | ५ | १५ | ५ |
| ७ | युवा बुलेटिन/मन्त्रालयको गतिविधी प्रकाशन | पटक | १ | १ | — |
| (ख) युवा सशक्तिकरण तथा क्षमता अभिवृद्धि सम्बन्धी कार्यक्रमहरू | | | | | |
| १ | युवाहरूको क्षमता तथा रोजगार अभिवृद्धिका लागि सीपमूलक तालिम | जना | ५७ | ६६१ | — |
| २ | युवा प्रतिभा सम्मान तथा सहयोग कार्यक्रम | पटक | ३ | ५ | ५ |
| ३ | युवा सञ्चार रेडियो तथा टेलिभिजन कार्यक्रम | पटक | १ | १ | रेडियो नेपालबाट कार्यक्रम प्रसारण भैरहेको |

* प्रथम आठ महिनाको ।

स्रोत: युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय ।

खेलकुद विकास

१३.११२ बालबालिकाहरू भोलिका कर्णधार भएको हुँदा खेलकुदको माध्यमबाट उनीहरूको शारीरिक, मानसिक, सामाजिक र संवेगात्मक विकास गर्दै लैजाने अभिप्रायले विद्यालयस्तरका बालबालिकाहरूका लागि खेलकुद प्रतियोगिताहरू सञ्चालन हुँदै आएको छ । खेलकुदको विकासका लागि विद्यालयस्तरबाटै प्रतिभाको खोजी, पहिचान, सम्मान र संरक्षण गर्नुपर्ने भएकोले एथलेटिक्स, भलिबल, उस्तु, तेक्वान्डो र कराँते खेल समावेश भएको जिल्ला, क्षेत्र र केन्द्रस्तरीय राष्ट्रपति रनिङ्गशिल्ड प्रतियोगिता, माध्यमिक विद्यालयस्तरीय छात्र/छात्रा फुटबल र क्रिकेट प्रतियोगिताहरू सञ्चालन हुँदै आएको छ ।

१३.११३ खेलाडी तथा प्रशिक्षकहरूलाई खेलकुदमा प्रतिवन्धित औषधि सेवन विरुद्धको सचेतना जगाउन र प्रतिवन्धित औषधिको प्रयोगलाई निरुत्साहित गर्न पाँच

विकास क्षेत्रमा सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन हुँदै आएको छ । फरक क्षमता भएका व्यक्तिहरुलाई खेलप्रति आकर्षित गरी उनीहरुलाई स्वस्थ बनाउने तथा सबैका लागि खेलकुदको अवधारणालाई आत्मसात गर्ने अभिप्रायले पारा र स्पेशल खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन हुँदै आएको छ ।

१३.११४ नेपाल स्काउटका कार्यक्रमहरुलाई प्रभावकारी बनाउन र स्काउट सम्बन्धी क्रियाकलापहरु सञ्चालन गर्नका लागि केन्द्र तथा जिल्लास्थित कार्यालयहरुलाई नियमित रुपमा आर्थिक अनुदान प्रदान गरिएको छ । आफ्नो जग्गा भएका जिल्लाहरुमा स्काउट भवन निर्माण र स्काउट भवन तथा प्रशिक्षण केन्द्रहरुको मर्मत सुधार गर्नका लागि नेपाल स्काउटलाई आर्थिक सहयोग प्रदान गरिदै आएको छ ।

तालिका १३ (कठ) : खेलकुद तथा अतिरिक्त क्रियाकलाप

| क्र सं | कार्यक्रम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | कैफियत |
|--|---|---------|-------------|---------|----------|--|
| | | | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | |
| १. विद्यालय खेलकुद विकास प्रतियोगिता (छात्र/छात्रा) | | | | | | |
| १.१ | राष्ट्रपति रनिङ्ग शिल्ड प्रतियोगिता | | | | | |
| | क) जिल्लास्तरीय | जिल्ला | ६८ | ७० | ५६ | |
| | ख) क्षेत्रस्तरीय | क्षेत्र | ५ | ५ | - | वैशाखमा सञ्चालन हुने |
| | ग) केन्द्रस्तरीय | केन्द्र | १ | १ | - | |
| १.२ | मा.वि. स्तरीय फुटवल प्रतियोगिता (छात्र/छात्रा) | पटक | १ | १ | - | |
| १.३ | मा.वि. स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता (छात्र/छात्रा) | पटक | १ | १ | - | |
| २. खेलकुद सहयोग तथा विकास कार्यक्रम | | | | | | |
| २.१ | खेलकुद सम्बन्धी राष्ट्रिय प्रतिभा सम्मान | जना | ३ | ५ | ९ | |
| २.२ | पारा खेलकुद सहयोग कार्यक्रम (पारा ओलम्पिक, नेत्रहिन क्रिकेट, बहिरा क्रिकेट, अपांग फुटवल, एथलेटिक्स, बास्केटवल र टेवलटेनिस सहित) | केन्द्र | १ | १ | - | |
| २.३ | स्पेशल ओलम्पिक कार्यक्रम | केन्द्र | १ | - | - | सञ्चालन हुने क्रममा रहेको । |
| ३. तालिम, सचेतना तथा अन्य कार्यक्रम | | | | | | |
| ३.१ | खेलकुदमा प्रतिबन्धित औषधि सेवन विरुद्धको सचेतना कार्यक्रम | जना | ३२ | १४४ | ७१ | बाँकेका लागि कार्यक्रम सञ्चालन हुने क्रममा रहेको । |
| ३.१ | नेपाल स्काउटको दोश्रो राष्ट्रिय ज्याम्बोरी कार्यक्रम | केन्द्र | १ | - | - | |
| ३.३ | नेपाल स्काउट सञ्चालन अनुदान | पटक | १ | १ | १ | |

* प्रथम आठ महिनाको ।

स्रोत: युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय ।

१३.११५ खेलकुदको पूर्वाधार निर्माण तथा सुधार, राष्ट्रिय/अन्तर्राष्ट्रिय प्रतियोगिताहरूको आयोजना तथा सहभागिता, खेलाडीहरूलाई नियमित रूपमा प्रशिक्षण प्रदान र प्रोत्साहनका कार्यक्रमहरू सञ्चालन हुँदै आएका छन् । खेलाडीहरूलाई आजीवन भत्ता, वीमा तथा दुर्घटनामा परेका खेलाडीको उपचारमा सहयोग पुऱ्याउने जस्ता कार्यहरूसमेत सञ्चालन हुँदै आएका छन् ।

तालिका १३ (कड) : राष्ट्रिय खेलकुद परिषद अन्तर्गत सञ्चालित कार्यक्रमहरू

| क्र सं | कार्यक्रम | एकाइ | आर्थिक वर्ष | | |
|--------|--|------------|-------------|---------|----------|
| | | | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| १ | खेलकुद प्रतिष्ठानबाट खेलाडी, प्रशिक्षक तथा अन्य खेलसम्बद्ध जनशक्तिलाई प्रशिक्षण तथा पुनर्ताजगी तालिम | केन्द्र | १९१५ | १८१० | ४८५ |
| २ | खेलकुद चिकित्सा तथा अनुसन्धान केन्द्र सञ्चालन | केन्द्र | १ | १ | १ |
| ३ | वैदेशिक तालिम, सेमिनार, गोष्ठी र टिम आदानप्रदान | जना | ६० | २०० | १०६ |
| ४ | खेलाडी आजीवन भत्ता | जना | २ | ५ | ५ |
| ५ | क्षेत्रस्तरीय खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन | क्षेत्र | ५ | ५ | १ |
| ६ | जिल्लास्तरीय खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन | जि ल्ला | ७५ | ७५ | २५ |
| ७ | विभिन्न खेलका राष्ट्रिय टिमका खेलाडीहरूको लागि विशेष प्रशिक्षण | जना | २०० | १७० | २३५ |
| ८ | खेलाडी उपचार तथा आकस्मिक दुर्घटना सहयोग | जना | २० | १६ | १२ |
| ९ | राष्ट्रिय संघहरूलाई खेलकुद गतिविधि सञ्चालन गर्न अनुदान | वटा | ४५ | ५० | ४४ |
| १० | आदिवासी, परम्परागत खेलकुद आयोजनाका लागि आयोजकलाई सहयोग | संस्था | १५ | १५ | ७ |
| ११ | अन्तर्राष्ट्रिय खेलकुद प्रतियोगिताको आयोजना तथा सहभागिता | पटक | १५ | ६ | ४ |
| १२ | माउन्टेनियरिङ्ग खेलकुद प्रतियोगिता आयोजना | खेल | ४ | १० | ६ |
| १३ | रङ्गशालाहरूमा थप भौतिक निर्माण र मर्मत सुधार | वटा | ७ | ९ | ६ |
| १४ | खेलाडीलाई प्रोत्साहनका लागि नगद पुरस्कार वितरण | जना | ७७ | ३० | १० |
| १५ | कभर्ड हल निर्माण तथा मर्मत सुधार | वटा | ९ | ५ | ३३ |
| १६ | खेल मैदान निर्माण | वटा | ५४ | ४५ | २८२ |
| १७ | क्रिकेट मैदान निर्माण तथा सुधार | वटा | ३ | ४ | २० |
| १८ | विभिन्न खेलका एकेडेमीहरूको निर्माण (चालू) | वटा | २ | ३ | ३ |

*प्रथम आठ महिनाको

स्रोत: राष्ट्रिय खेलकुद परिषद।

संस्कृति

१३.११६ देशभिन्न रहेका सांस्कृतिक सम्पदाहरूको संरक्षण एवं संवर्द्धन गर्दै देशको सांस्कृतिक पहिचानलाई राष्ट्रिय रूपमा उजागर गरी पर्यटन प्रवर्द्धन मार्फत देशको आर्थिक आय आर्जनमा योगदान पु-याउने लक्ष्य बमोजिम दिगो व्यवस्थापन गर्ने कार्य अगाडी बढाइएको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा देशभिन्न रहेका मठमन्दिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वार, गुम्बा र विहार लगायत मूर्त तथा अमूर्त सम्पदाहरूको संरक्षण गर्नमा लागिपरेका विभिन्न संघ संस्था प्रतिष्ठान लगायत करिब १ हजार २ सय संघसंस्थाहरूलाई अनुदान रकम उपलब्ध गराईएको छ ।

१३.११७ लोपोन्मुख, सीमान्तकृत, अति सीमान्तकृत र सुविधाबाट वञ्चित जाति / समुदायहरू मध्ये एक/एक जाति समुदायका अमूर्त सांस्कृतिक सम्पदाको ५ वटा विधाहरू क्रमशः क) अमूर्त सांस्कृतिक सम्पदाको संम्वाहकको रूपमा भाषा सहितका मौखिक परम्पराहरू तथा अभिव्यक्तिहरू, ख) अभिनय कलाहरू, ग) सामाजिक व्यवहारहरू, घ) अनुष्ठानहरू तथा चाडपर्वका उत्सवहरू र ङ) प्रकृति र ब्रह्माण्डसँग सम्बन्धित ज्ञान तथा व्यवहारहरूको विवरण संकलन एवं सूचीकरण गरिएको छ ।

१३.११८ जाति/समुदायले आ-आफ्नो ज्ञान, सिप र प्रविधिबाट सिर्जना गरेका विभिन्न सांस्कृतिक उत्पादनहरूको व्यापार व्यवसायबाट सम्बद्ध समुदायको जीवनस्तरमा सुधार हुनुका साथै राजस्व संकलन वृद्धिदरमा समेत टेवा पुग्न गएको छ । वातावरणमा कम नोक्सान पुग्ने सांस्कृतिक उत्पादनसँग सम्बन्धित उद्योगहरूबाट उत्पादन भएका सामानहरूको व्यापारबाट व्यापार घाटा कम गर्नमा सहयोग पुगेको छ भने युवा वर्गलाई यस किसिमको उद्योगबाट केहि हदसम्म स्वःरोजगार सिर्जना भएको छ ।

स्थानीय निकायबाट सामाजिक विकासमा भएका कार्यहरू

१३.११९ समाजका जेष्ठ नागरिक, एकल महिला, दलित वर्ग, लोपोन्मुख आदिवासी जनजाति एवं अशक्त अपाङ्गता भएका नागरिकहरूको सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी व्यवस्थालाई सुनिश्चित गर्न तथा सहज जीवन यापनका लागि

सहयोग पुऱ्याउने लक्ष्य लिई सामाजिक विकासका कार्यक्रमहरू संचालन भएका छन् ।

पञ्जिकरण कार्यक्रम

१३.१२० चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनासम्ममा कुल ३ लाख ६४ हजार ६ सय ४५ जन्म दर्ता भएको छ जुन गत वर्ष १० लाख २९ हजार ६ सय ८१ रहेको थियो । सामान्यतया जन्म दर्ता भन्दा मृत्यु दर्ता कम हुने भएता पनि विगतका वर्षहरू देखिनै जन्म दर्ताको तुलनामा मृत्यु दर्ता निकै नै कम देखिन्छ । चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनासम्ममा कुल ५१ हजार ४ सय ५७ मृत्यु दर्ता भएकोमा गत वर्षको पुर्ण अवधीमा यो संख्या १ लाख २१ हजार ८ सय ४९ रहेको थियो । यसबाट मृत्यु दर्ता गर्ने परिपाटी देशभित्र पूर्णरूपमा व्यवस्थित भएको देखिदैन ।

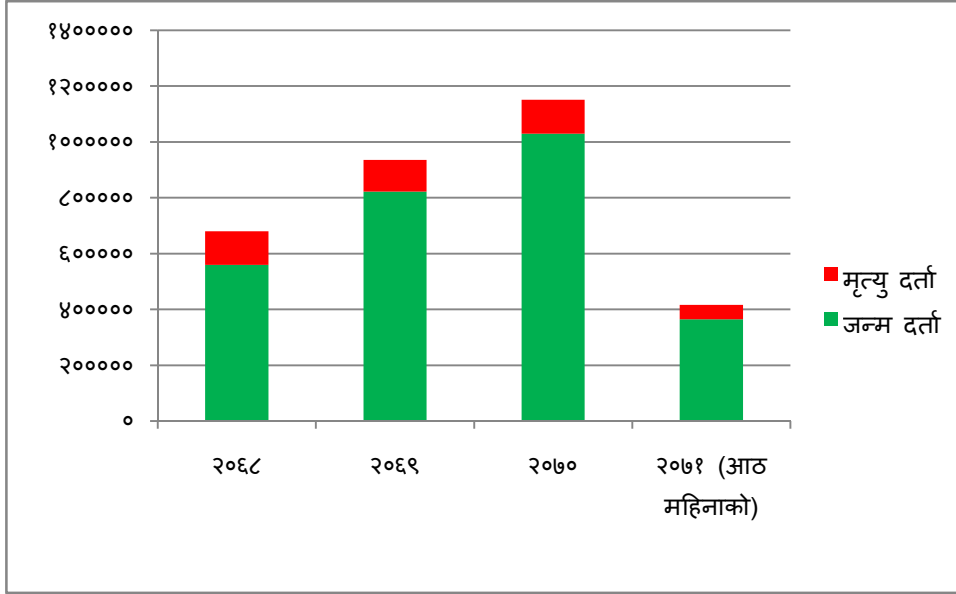
तालिका १३ (कढ) : व्यक्तिगत घटना दर्ता

| क्र.सं. | व्यक्तिगत घटना | विवरण | वि.सं. २०६८ | वि.सं. २०६९ | वि.सं. २०७० | २०७१/७२* |
|---------|------------------------------|-------|-------------|-------------|-------------|----------|
| १ | जन्म दर्ता | महिला | २५८०८९ | ३८५५३६ | ४८८८०२ | १७२६२७ |
| | | पुरुष | २९७८५७ | ४२९४८५ | ५४०८७९ | १९२०१८ |
| | | जम्मा | ५५९४४० | ८२२४२९ | १०२९६८१ | ३६४६४५ |
| २ | मृत्यु दर्ता | महिला | ३४०९७ | ४३०४५ | ४८२७० | १७३९४ |
| | | पुरुष | ८५३९६ | ६९८२३ | ७४०८७ | ३४०६३ |
| | | जम्मा | १२०३९४ | ११३३६८ | १२१८४९ | ५१४५७ |
| ३ | विवाह दर्ता | | १७८१९६ | २०८२११ | १३७३१६ | ८४१५६ |
| ४ | सम्बन्ध विच्छेद दर्ता | | ४०७ | ५५७ | ११०४ | ४३८ |
| ५ | बसाइ सराइ दर्ता | | ९०५५८ | ८१९४६ | ९४६१३ | ५२९६७ |
| ६ | बसाइ सरी गएको संख्या | | १५२८१२ | १३७४९९ | १४१८७१ | ८२६८८ |
| | बसाइ सरी आएको संख्या | | १७१५६० | १५८९०१ | १६७०३४ | ११३६०५ |
| | बसाइ सराई गर्ने जम्मा संख्या | | ३२४८८९ | २९६२५१ | ३०८९८१ | १९६१७० |

*प्रथम आठ महिनाको

स्रोत: संघीय मामिला तथा स्थानीय विकास मन्त्रालय ।

चाई १३ (ड) : जन्म तथा मृत्यु दर्ता



सामाजिक सुरक्षा

१३.१२१ चालु आर्थिक वर्षको आठ महिनासम्ममा जेष्ट नागरिक ९ लाख ५१ हजार ४ सय १९ जना, विधवा तथा ६० वर्ष माथिका एकल महिला ६ लाख ४८ हजार ५ सय ५३ जना, लोपोन्मुख आदिवासी जनजाति २० हजार ३ सय ८ जना, पूर्ण अशक्त अपांग २७ हजार २ सय ३ जना, आंशिक अशक्त अपांग ६ हजार ३ सय ७५ र कर्णाली अञ्चल तथा दलित परिवारका ५ वर्ष मुनिका विपन्न दलित परिवारका तथा कर्णाली अञ्चलका बालबालिका ५ लाख ६ हजार ७ सय १८ जना समेत जम्मा २१ लाख ६० हजार ५ सय ७६ जनाले सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्राप्त गरेका छन् । गत आर्थिक वर्षको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षमा सामाजिक सुरक्षा प्राप्त गर्ने संख्यामा १२ हजार १९ ले कमी आएको छ ।

तालिका १३ (कण) : सामाजिक सुरक्षा भत्ता वितरण

| लक्षित समूह | मासिक दर (रु) | आर्थिक वर्ष | | |
|----------------------------------|---------------|-------------|----------|-----------|
| | | २०६९/०७० | २०७०/०७१ | २०७१/०७२* |
| | | संख्या | संख्या | संख्या |
| जेष्ठ नागरिक | ५०० | ६६३६९३ | ६५५७३७ | ६८८९३० |
| जेष्ठ नागरिक (दलित) | ५०० | १७०८२५ | २४४६४६ | २३४६३४ |
| जेष्ठ नागरिक (कर्णाली) | ५०० | २९६२६ | २८७९७ | २७८५५ |
| ६० वर्ष माथिका एकल महिला | ५०० | ३६१३५० | ३४११०६ | २३१३५२ |
| ६० वर्ष मुनिका एकल महिला (विधवा) | ५०० | २१९९३३ | ३१३६१३ | ४१७२०१ |
| पुर्ण अपाङ्गता भएका व्यक्ति | १००० | २२१३८ | २५४९२ | २७२०३ |
| आशिक अपाङ्गता भएका व्यक्ति | ३०० | ६७७४ | ६८६३ | ६३७५ |
| लोपोन्मुख आदिवासी/जनजाती | १००० | १८८२५ | १९२२३ | २०३०८ |
| बलबालिका | २०० | ५५१९१६ | ५३७११८ | ५०६७१८ |
| कुल जम्मा | | २०४५०८० | २१७२५९५ | २१६०५७६ |

*प्रथम आठ महिनाको ।

स्रोत: संघीय मामिला तथा स्थानीय विकास मन्त्रालय ।

१३.१२२ चालु आर्थिक वर्ष देखि अति अशक्तताको परिचय पत्र (निलो कार्ड) प्राप्त गरेका 'ख' वर्गका अपाङ्गता भएका नागरिकहरूलाई मासिक रु ३ सय र ७० वर्ष उमेर पूरा गरेका जेष्ठ नागरिकहरूलाई उपचार खर्च वापत वार्षिक रु २ हजार प्रदान गर्ने कार्य प्रारम्भ गरिएको छ । यो व्यवस्थाबाट ७० वर्ष नाघेका तथा अति अशक्तताको परिचयपत्र प्राप्त गरेका नागरिकहरू लाभान्वित भएका छन् ।

१३.१२३ सामाजिक सुरक्षा तथा व्यक्तिगत घटना व्यवस्थापन सूचना प्रणाली (MIS) मा १२ जिल्लाका भत्ता पाउने लाभग्राहीहरूको विवरण प्रविष्टि गरी सोही प्रणालीबाट प्राप्त तथ्यांक अनुसार अख्तियारी पठाउने कार्य प्रारम्भ गरिएको छ । यस प्रणालीले लाभग्राहीको विवरण यथार्थपरक बनाउन सहयोग पुगेको छ । परम्परागत पद्धति भन्दा यस पद्धतिको प्रयोगबाट यथार्थपरक बजेट विनियोजन गर्न र अख्तियारी पठाउन सहयोग पुगेको छ । साथै सो सम्बन्धी अतिरिक्त व्ययभार घटेको छ ।

बहुक्षेत्रीय पोषण र सुनौला हजार दिन

१३.१२४ पोषण लक्षित/पोषण प्रति सम्बेदनशिल सेवाहरूको उच्चतम प्रयोग गर्ने बानी व्यवहारमा सुधार ल्याई मातृशिशु पोषणको स्थितिमा सुधार ल्याउने, समाजका सबै स्तरमा मातृशिशु पोषणको स्थितिमा सुधार ल्याउन बहुक्षेत्रीय पोषण कार्यक्रमको तर्जुमा कार्यान्वयन गर्न आर्थिक वर्ष २०७१/७२ देखि सालवसाली रूपमा "बहुक्षेत्रीय पोषण कार्यक्रम" सञ्चालनमा आएको छ । अछाम, वाजुरा, जुम्ला, कपिलवस्तु, नवलपरासी, पर्सा जिल्लाहरूमा यो कार्यक्रम सञ्चालनमा रहेको छ । त्यसैगरी, प्रजनन उमेर समुहका महिला र २ वर्ष मुनिका बालबालिकाहरूमा पोषण सम्बन्धी बानी व्यवहार, धारणामा सुधार गर्ने लक्ष्य लिई १५ जिल्लाहरूका २५ प्रतिशत (कुल २ सय ९२) गाँउ विकास समितिहरूमा "सुनौला हजार दिन आयोजना" विगत वर्ष देखि नै कार्यान्वयनमा आएको छ ।

वातावरण व्यवस्थापन

१३.१२५ वातावरण र विकासबीचको अन्योन्याश्रित सम्बन्धलाई मध्यनजर गरी वातावरणीय सन्तुलन कायम राख्दै विकास क्रियाकलापलाई वातावरणमैत्री ढंगले अगाडि बढाउन फोहरमैला व्यवस्थापन कार्यक्रम, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कार्यक्रम, विकास आयोजना संचालन गर्नु अघि प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण, स्थानीय निकायबाट संचालन गरिने कार्यक्रमहरूलाई वातावरणमैत्री तुल्याउन ऐन, नियमावलीमा वातावरण संरक्षणका विषयहरूलाई स्पष्ट गरिएको छ ।

१३.१२६ स्थानीय निकायहरूबाट संचालित विभिन्न विकास आयोजना तथा कार्यक्रमहरूको आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा ३२ वटा प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण प्रतिवेदन (IEE) र ७४ वटा कार्यसूची (TOR) स्वीकृत गरिएको छ । हालसम्म विभिन्न आयोजनाको गरी कूल ४ सय ७७ वटा प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण प्रतिवेदन स्वीकृत भै कार्यान्वयनमा ल्याईएका छन् ।

१३.१२७ चालु आर्थिक वर्ष देखि गण्डकी जलाधार क्षेत्रका कास्की, लमजुङ्ग, गोरखा, चितवन र नवलपरासी जिल्ला र कोशी जलाधार क्षेत्रका उदयपुर, सिन्धुली,

सप्तरी, सिराहा, सर्लाही, धनुषा, र रौतहट जिल्लाका ३३ वटा नगरपालिका एवं ६० वटा गा.वि.स.मा वातावरण मैत्री स्थानीय शासन कार्यक्रम प्रारम्भ गरिएको छ । यस कार्यक्रमले हरियाली तथा सहरी सौन्दर्य, पानीको संरक्षण तथा पोखरी निर्माण, फोहरलाई श्रोतमै बर्गिकरण गरी सरसफाई प्रवर्द्धन, नविकरणीय उर्जा आदी क्षेत्रलाई उच्च प्राथमिकता दिईएको छ ।

समावेशी विकास

१३.१२८ समावेशी विकासको अवधारणा अनुरूप आदिवासी र जनजाति, उपेक्षित, उत्पीडित र दलित, मधेशी, मुश्लिम, पिछडा बर्गका अतिरिक्त दुर्गम एवं विशेष क्षेत्र, गुम्बा व्यवस्था विकास कार्यक्रम र महिला तथा बालबालिकाका लागि विकेन्द्रित कार्ययोजना जस्ता कार्यक्रमहरू विगतका वर्षहरू देखिनै संचालनमा आएका छन् ।

१३.१२९ समावेशी विकास अन्तर्गत "लोपोन्मुख आदिवासी/जनजाति उत्थान र चेपाङ विकास कार्यक्रम", "उपेक्षित, उत्पीडित र दलित वर्ग उत्थान विकास कार्यक्रम", "पिछडिएको समुदाय उत्थान विकास कार्यक्रम", "दुर्गम एवं विशेष क्षेत्र विकास कार्यक्रम", "बौद्ध दर्शन प्रवर्द्धन तथा गुम्बा विकास कार्यक्रम", र "बादी समुदाय उत्थान विकास" सम्बन्धी कार्यक्रमहरू सञ्चालन भै रहेका छन् । यसबाट जनजाति, उपेक्षित, उत्पीडित र दलित, मधेशी, मुश्लिम, पिछडा लगायत सीमान्तकृत वर्गका नागरिकहरूको क्षमता अभिवृद्धि तथा सामाजिक मुलप्रवाहिकरणमा टेवा पुग्ने अपेक्षा गरिएको छ । यसैगरी, महिलाको विकास बिना राज्यको समग्र विकास हुन नसक्ने भएकोले हरेक योजना तथा कार्यक्रममा महिलामैत्री र लैंगिक समानतामुखी कार्यक्रमहरूलाई अनिवार्य गरिएको छ ।

१३.१३० नेपालको उत्तरी भू-भागका सीमावर्ती जिल्लाहरू र भौगोलिक दृष्टिकोणले अत्यन्त विकट एवं आर्थिक दृष्टिकोणले पिछडिएका २२ जिल्लाहरूमा गरिवी निवारणलाई सघाउ पुऱ्याउने गरी लक्षित कार्यक्रमको रूपमा दुर्गम क्षेत्र विकास कार्यक्रम सञ्चालनमा रहेको छ । यस कार्यक्रम अन्तर्गत आर्थिक वर्ष

२०७०/७१ मा १८ वटा झोलुङ्गेपुल निर्माण, ७ वटा सिंचाइ आयोजना र ३८ कि.मि. घोडेढो बाटो निर्माण भएको थियो । त्यसैगरी, १६ वटा खानेपानी आयोजना, ११ वटा विद्युतीकरण आयोजना र २१ वटा विभिन्न सामुदायिक पूर्वाधार (विद्यालय भवन, पुस्तकालय, तटवन्धन, आधुनिक घट्ट, जडिवुटी विकास आदि) सम्पन्न भएका थिए ।

१३.१३१ यसैगरी, दूर्गम क्षेत्र विकास कार्यक्रम अन्तर्गत आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को आठ महिनामा ६ वटा झोलुङ्गेपुल निर्माण, १ वटा विद्युतीकरण आयोजना, २ वटा सिंचाइ आयोजना, २ वटा खानेपानी आयोजना, १८ कि.मी. वाटो / सडक र अन्य सामुदायिक पूर्वाधार तर्फ ४ वटा आयोजना सम्पन्न भएका छन् ।

स्थानीय शासन तथा सामुदायिक विकास

१३.१३२ स्थानीय शासन तथा सामुदायिक विकास कार्यक्रमको दोश्रो चरण सन् २०१३/०१४ देखि २०१६/१७ सम्मको लागि उत्तरदायी स्थानीय शासन, परिमार्जित सामाजिक परिचालन, सेवा प्रवाह र श्रोत परिचालनमा जोड, स्थानीय आर्थिक विकास र जीविकोपार्जन कार्यक्रममा जोड, स्थानीय सार्वजनिक लेखा व्यवस्थापनमा सुधार तथा वित्तीय जोखिम न्यूनीकरण, वातावरण एवं बालमैत्री स्थानीय शासन र परिवर्तित सन्दर्भमा स्थानीय शासनको नयाँ पद्धतिमा कसरी संक्रमण गर्ने विषयहरु समेत समावेश गरी कार्यान्वयनमा रहेको छ ।

१३.१३३ चालू आर्थिक वर्षको प्रथम ८ महिनासम्ममा स्थानीय शासनमा सबै तह र वर्गका नागरिकहरुको प्रत्यक्ष सहभागिता गराई सामेली विकास प्रयासलाई सार्थक बनाउन मुलुकभरका सबै गा.वि.स. तथा नगरपालिकाका सबै वडामा गठन गरिएका वडा नागरिक मञ्चलाई स्थानीय योजना तर्जुमा, प्राथमिकीकरण, योजना कार्यान्वयन, अनुगमन, निगरानी जस्ता कार्यमा संलग्न गराईएको छ ।

तालिका १३ (कत): सामाजिक परिचालनको स्थिति

| विवरण | जम्मा/संख्या |
|---|--------------|
| वडा नागरिक मंच | ३२,२११ |
| गाविस | २९,४८४ |
| नगरपालिका | २,७२७ |
| वडा नारिक मंचमा आवद्ध पदाधिकारी | ८४४००५ |
| नागरिक सचेतना केन्द्र (गरिवीको रेखाभन्दा तल रहेका समुदाय लक्षित) | ४६०० |
| गाविस र न.पा.मा कार्यरत सामाजिक परिचालक कार्यरत (गै.स.स.मार्फ) -संख्या) | ४६०० |
| रिफेलक्ट कक्षा संचालन | १,५६,४०० |
| वडा नागरिक मंचका सदस्यहरुलाई विभिन्न विषयमा तालिम/अभिमुखिकरण (संख्या) | १,१०,९५३ |
| सामाजिक परिचालनका लागि गैर सरकारी संस्था छनौट र परिचालन | ५४० |
| सर्वजनिक सुनुवाई | ७४१ |
| गुणस्तर परीक्षण प्रयोगशाला स्थापना | १० जिल्ला |

स्रोत: संघीय मामिला तथा स्थानीय विकास मन्त्रालय ।

समस्या तथा चुनौतीहरु

- १३.१३४ हाल स्थानीय जनप्रतिनिधी नहुनुको कारणले समुदायलाई विद्यालय हस्तान्तरण गर्ने कार्यमा समस्या रहेको छ ।
- १३.१३५ नतीजामा आधारित अनुदान प्रणाली कायम गरी सामुदायिक विद्यालयहरुमा अपेक्षित विद्यार्थी टिकाउ दर तथा गुणस्तरीय शिक्षाको स्तर कायम गर्ने चुनौती रहेको छ ।
- १३.१३६ शिक्षा क्षेत्रमा संलग्न जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि गर्दै विद्यालयहरुमा कायम हुनुपर्ने न्युनतम शिक्षक विद्यार्थी अनुपात हासिल गर्ने कार्य चुनौतिपूर्ण छ ।
- १३.१३७ समयसापेक्ष उच्च शिक्षामा नीतिगत तथा व्यवस्थापकीय सुधार, पाठ्यक्रममा सुधार र गुणस्तर अभिवृद्धि गर्न चुनौती रहेको छ ।
- १३.१३८ जलवायु परिवर्तन, बढ्दो खाद्य असुरक्षा तथा प्राकृतिक विपदले सृजना हुने मानवीय स्वास्थ्य समस्या बढ्दो छ ।
- १३.१३९ अति संक्रामक रोग (जस्तै बर्डफ्लु) वा नयाँ देखा पर्ने सक्ने रोगहरुको यथासमय व्यवस्थापन, समय-समयमा देखा पर्ने महामारीको व्यवस्थापन जस्ता विषयहरुमा सधै तयारी अवस्थामा रहिरहनु आफैमा एउटा चुनौतीको रूपमा रहिरहेको छ ।

- १३.१४० राज्यले स्थानीय स्तरसम्मका स्वास्थ्य संस्थाहरूलाई सक्षम बनाउँदै उपयुक्त स्वास्थ्य बीमा प्रणाली स्थापना गरी सबै नागरिकलाई समान रूपमा स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा र सूचना उपलब्ध हुने अवसर सिर्जना गराउनु अहिलेको चुनौती रहेको छ ।
- १३.१४१ स्वास्थ्य क्षेत्रमा निजी क्षेत्रको लगानी बढ्दो क्रममा रहेको अवस्थामा सो लगानीलाई आम नागरिकको हितमा प्रभावकारी बनाउन र उपयुक्त ठाउँमा लगानी वृद्धि गर्न प्रभावकारी नियमनको चुनौती रहेको छ ।
- १३.१४२ महिला तथा बालबालिकाको क्षेत्रमा कार्यरत गैर सरकारी निकायहरूमा सुशासन कायम गर्न र वैदेशिक सहायतालाई सरकारको प्राथमिकता क्षेत्रमा प्रयोग गर्न चुनौती रहेको छ ।
- १३.१४३ बालबालिका अपहरण, वेचविखन तथा ओसारपसार, हत्या, लैङ्गिक हिंसा, बलात्कार दुर्व्यवहार तथा यौन शोषणका घटनाहरूको प्रभावकारी न्यूनीकरणको विषय चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।
- १३.१४४ महिलाविरुद्धका सबै प्रकारका भेदभाव उन्मूलन गर्ने संयुक्त राष्ट्रसङ्घीय महासन्धि, १९७९ का साथै बेईजिङ्ग कार्यमञ्च, १९९५ लगायतका अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलनहरूबाट पारित कार्यसूचीहरूको कार्यान्वयनमा व्यक्त राष्ट्रिय वचनबद्धता पूरा गर्ने विषयलाई गम्भीरताकासाथ लिनुपर्ने देखिन्छ ।
- १३.१४५ अन्तर्राष्ट्रियस्तरको खेल मैदान तथा खेलस्थलको अभावमा अन्तर्राष्ट्रियस्तरका खेलकुद प्रतियोगिताहरू आयोजना गर्न कठिनाई रहेको छ ।
- १३.१४६ स्थानीय तथा ग्रामिणस्तरसम्म खेलकुदको पहुँचलाई विस्तार गरी खेलकुदका प्रतिभाहरू प्रष्फुटन गराउने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।
- १३.१४७ औषधिको उपलब्धता र बजार अनुगमन एवं परीक्षणको स्तरमा ठुलो अन्तर रहनुले यस विषयलाई प्रभावकारी तुल्याउनु चुनौती रहेको छ ।
- १३.१४८ चार-पाँच दशक पुराना पाइपलाइन, मेशिन तथा औजारहरू विस्थापन गरी शुद्ध पानी वितरण प्रणाली कायम राख्न चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।

१४. सार्वजनिक संस्थानहरु

- १४.१ उपभोक्तालाई आधारभूत वस्तु/सेवा सर्वसुलभ र सुपथमूल्यमा बिक्रीवितरण गर्ने, विकासको आधारभूत संरचना निर्माण गर्ने, वस्तु/सेवा उत्पादन तथा बिक्रीको क्षेत्रमा व्यावसायिक सिद्धान्त अवलम्बन गरी ती कार्यमा दक्षता एवम् प्रभावकारिता बढाई नाफासमेत आर्जन गरेर आर्थिक रूपले आत्मनिर्भर रहने, पूर्वाधार निर्माण एवम् आर्थिक वृद्धिमा योगदान पुऱ्याउने र सामाजिक न्याय प्रवर्द्धन गर्ने उद्देश्यले नेपालमा सार्वजनिक संस्थानहरुको स्थापना भएको हो ।
- १४.२ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा नेपाल सरकारको पूर्ण वा अधिकांश स्वामित्वमा संचालित ३७ वटा सार्वजनिक संस्थानहरुको कुल सञ्चालन आय रु.२ खर्ब ५७ अर्ब ८१ करोड ७३ लाख पुगेको छ । यो रकम अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा १५.४८ प्रतिशतले वृद्धि हो । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा यी संस्थानहरुको कुल सञ्चालन आय रु.२ खर्ब २३ अर्ब २६ करोड ३९ लाख रहेको थियो । संस्थानहरुको वित्तीय कार्यकुशलता मापन गर्ने विभिन्न परिसूचकहरु मध्ये सञ्चालन आय पनि एक हो जुन अघिल्लो वर्षभन्दा उल्लेख्य वृद्धि भएकाले समग्रमा सार्वजनिक संस्थानहरुको वित्तीय कार्यकुशलतामा सुधार भएको सङ्केत देखिन्छ । यद्यपि प्रत्येक संस्थानको छुट्टाछुट्टै विश्लेषण गर्ने हो भने केही संस्थानहरुको सञ्चालन आयको योगदानको कारण समग्र अवस्था सुदृढ देखिएको हो । अधिकांश सार्वजनिक संस्थानहरुको अवस्था भने सन्तोषजनक छैन ।
- १४.३ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा सञ्चालनमा रहेका ३७ वटा सार्वजनिक संस्थानहरु मध्ये १८ वटा खुद नाफामा र १५ वटा खुद नोकसानीमा सञ्चालित छन् । नेपाल इन्जिनियरिङ कन्सल्टेन्सी सेवा केन्द्र लि. र नेशनल कन्स्ट्रक्सन कम्पनी नेपाल लि. का कर्मचारीहरुको अवकाश भई विवरण प्राप्त हुन नसकेको तथा राष्ट्रिय आवास कम्पनी लि. ले भूकम्पबाट कार्यालयमा भएको क्षतिको कारण तथ्याङ्क उपलब्ध गराउन नसकेको एवम् जनकपुर चुरोट कारखाना लि.का कर्मचारीहरुको अवकाश भई सीमित तथ्याङ्क प्राप्त भएको स्थिति छ । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा संस्थानहरुको खुद नाफा रु.११ अर्ब ४० करोड ५ लाख रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा रु.५ अर्ब ५ करोड ३ लाख मात्र खुद नाफा हुन गएको देखिन्छ । सार्वजनिक संस्थानहरु प्रत्येकका आफ्नै विशिष्ट समस्या

भएका कारण अघिल्लो आर्थिक वर्षभन्दा यो आर्थिक वर्षमा खुद नाफा घट्न गएको देखिन्छ ।

- १४.४ महालेखा नियन्त्रक कार्यालयबाट प्राप्त तथ्याङ्कअनुसार आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा ३७ वटा सार्वजनिक संस्थानहरूमा नेपाल सरकारको कुल सेयर लगानी रु.१ खर्ब १५ अर्ब ८१ करोड ४५ लाख पुगेको छ भने सोही अवधिसम्ममा कुल ऋण लगानी रु.१ खर्ब ११ अर्ब ६८ करोड १७ लाख पुगेको छ । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा यी संस्थानहरूमा सेयर लगानी रु.१ खर्ब ७ अर्ब ६६ करोड ३८ लाख र ऋण लगानी रु.१ खर्ब ६ अर्ब ५० करोड १७ लाख रहेको थियो । यसरी संस्थानहरूमा सरकारको सेयर लगानी ७.५७ प्रतिशत र ऋण लगानी ४.८६ प्रतिशतले बढेको देखिन्छ ।
- १४.५ ३७ वटा सार्वजनिक संस्थानहरूको कुल सेयरधनी कोष आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा कुल रु.१ खर्ब ५ अर्ब ९८ करोड ९५ लाख रहेको छ । अघिल्लो आर्थिक वर्षमा उक्त सेयरधनी कोष रु.९७ अर्ब ८४ करोड १५ लाख रहेको थियो । आर्थिक वर्ष २०६९/७० को तुलनामा पछिल्लो आर्थिक वर्षमा संस्थानहरूको सेयरधनी कोष ८.३३ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ ।
- १४.६ नेपाल सरकारलाई सार्वजनिक संस्थानहरूबाट आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा रु.६ अर्ब ९९ करोड २ लाख लाभांश प्राप्त भएकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा केही कम भई रु.६ अर्ब ६९ करोड ८७ लाख प्राप्त भएको छ जुन सेयर लगानी (रु.१ खर्ब १५ अर्ब ८१ करोड ४५ लाख) को ५.७१ प्रतिशत हुन आउँछ । यस अवधिमा नेपाल दूर सञ्चार कम्पनी लि., कृषि विकास बैङ्क लि., जलविद्युत लगानी तथा विकास कम्पनी लि., औद्योगिक क्षेत्र व्यवस्थापन लि. र नागरिक लगानी कोषबाट नेपाल सरकारलाई लाभांश प्राप्त भएको देखिन्छ ।
- १४.७ सार्वजनिक संस्थानमा कार्यरत कर्मचारीहरूलाई सेवा निवृत्त भएपछि उपदान, निवृत्तभरण, औषधीउपचार, बीमा, विदाको रकम जस्ता विभिन्न शीर्षकहरूबाट दिइने सुविधाको कारण हरेक संस्थानहरूको कोषमा व्यवस्था नगरिएको दायित्वमा वर्षेनी वृद्धि भइरहेको देखिन्छ । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा सार्वजनिक संस्थानहरूको कोषमा व्यवस्था नगरिएको दायित्व रु.२६ अर्ब ९६ करोड ९६ लाख रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा उक्त रकममा ०.१८ प्रतिशतले बढ्न गई रु.२७ अर्ब १ करोड ९९ लाख हुनपुगेको छ । संस्थानहरूको

कोषमा व्यवस्था नगरिएको दायित्वमा वर्षेनी वृद्धि भइरहेको स्थितिले अन्ततोगत्वा लगानीकर्तालाई (सरकारउपर) नै भार पर्ने हुँदा यसलाई समयमै नियन्त्रण गर्न जरुरी देखिन्छ ।

१४.८ आर्थिक वर्ष २०६९/७० सम्ममा ३७ वटा सार्वजनिक संस्थानहरूको खुद सञ्चित नोक्सान रु.२० अर्ब ६१ करोड ९४ लाख रहेकोमा यो आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा ३७ वटा सार्वजनिक संस्थानहरूको खुद सञ्चित नोक्सान रु.२६ अर्ब ९२ करोड २७ लाख पुगेको देखिन्छ । सञ्चित नोक्सान रु.१ अर्बभन्दा बढी भएका संस्थानहरूमा नेपाल आयल निगम रु.३२ अर्ब ८४ करोड, नेपाल विद्युत प्राधिकरण रु.१७ अर्ब ९४ करोड, राष्ट्रिय वाणिज्य बैङ्क रु.९ अर्ब ९८ करोड, नेपाल ओरिण्ड म्याग्नासाइट प्रा.लि. रु.४ अर्ब, उदयपुर सिमेन्ट उद्योग लि. रु.३ अर्ब ४४ करोड, नेपाल वायुसेवा निगम रु.१ अर्ब ७५ करोड र नेपाल खाद्य संस्थान रु.१ अर्ब १४ करोड गरी ७ वटा रहेका छन् । सञ्चित नाफा रु.१ अर्बभन्दा बढी भएका संस्थानहरूमा नेपाल दूरसञ्चार कम्पनी लि. रु.४२ अर्ब ४८ करोड, नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण रु.३ अर्ब ७ करोड, कृषि विकास बैङ्क रु.१ अर्ब ४७ करोड र एन.आ.ई.डी.सी. डेभलपमेन्ट बैङ्क लि. रु.१ अर्ब ३६ करोड गरी ४ वटा रहेको पाइयो ।

राजस्व र कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सार्वजनिक संस्थानको योगदान

१४.९ नेपाल सरकारले आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा संकलन गरेको कुल राजस्व रु. ३ खर्ब ५६ अर्ब ८५ करोडमा सार्वजनिक संस्थानहरूबाट प्राप्त लाभांश (रु.६ अर्ब ६२ करोड) को अंश १.४६ प्रतिशत रहेको छ । नेपाल सरकारले संस्थानमा गरेको सेयर लगानीको अनुपातमा सरकारलाई प्राप्त प्रतिफल अर्थात लाभांश ५.७१ प्रतिशत मात्र भएकाले यो प्रतिफल दर प्रचलित ब्याज दरभन्दा न्यून हुने भए पनि आयकर, मूल्य अभिवृद्धि कर र गैह्रकर संकलनमा सार्वजनिक संस्थानहरूको भूमिका उल्लेख्य रहँदै आएको छ ।

१४.१० आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को प्रचलित मूल्यको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन रु. १९ खर्ब ४१ अर्ब ६२ करोड रहेकोमा सार्वजनिक संस्थानहरूको कुल सञ्चालन आयको योगदान १३.३ प्रतिशत (रु.२ खर्ब ५८ अर्ब) रहेको छ । सार्वजनिक संस्थानहरू मध्ये सबैभन्दा बढी व्यापारिक क्षेत्रको सञ्चालन आय कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको

७.५ प्रतिशत (रु.१ खर्ब ४६ अर्ब) छ भने सबैभन्दा न्यून सामाजिक क्षेत्रको रहेको छ जुन ०.०६ प्रतिशत (रु.१ अर्ब २१ करोड) मात्र छ ।

१४.११ सरकारले सार्वजनिक संस्थानहरूमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा प्रवाह गरेको ऋण (रु.१६ अर्ब २१ करोड) को हिस्सा यसै वर्ष २०७०/७१ को कुल सरकारी खर्च रु. ५ खर्ब १७ अर्ब २४ करोडमा ३.१३ प्रतिशत रहेको छ भने पूँजीगत खर्च रु. ८५ अर्ब १० करोडमा सार्वजनिक संस्थानहरूमा प्रवाह भएको ऋणको हिस्सा १९.०५ प्रतिशत रहेको देखिन्छ ।

सार्वजनिक संस्थानहरूको क्षेत्रगत विश्लेषण

औद्योगिक क्षेत्र

१४.१२ औद्योगिक क्षेत्रमा ७ वटा संस्थानहरू सञ्चालनमा रहेकोमा जनकपुर चुरोट कारखाना लि.का कर्मचारीहरूलाई सुविधासहित अवकाश गरेपश्चात उक्त संस्थानबाट कुनै कारोबार नभएको स्थिति रहेको र हालको व्यवस्थापनबाट सीमित विवरणमात्र उपलब्ध भएकाले सोही विवरण समावेश गरिएको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा औद्योगिक क्षेत्रअन्तर्गत सञ्चालित सार्वजनिक संस्थानहरूले रु.६ अर्ब १४ करोड ९२ लाख बराबरको सञ्चालन आय आर्जन गरेका छन् । जुन आर्थिक वर्ष २०६९/७० को तुलनामा ७.०६ प्रतिशत वृद्धि हुन गएको छ । जनकपुर चुरोट कारखाना लि. बन्द अवस्थामा रहेको र नेपाल ओरिण्ड म्याग्नेसाइट प्रा.लि. सञ्चालन नै हुनसकेको तथा नेपाल औषधी लि.ले सीमित उत्पादनमात्र गरेको स्थिति छ । जडिबुटी उत्पादन तथा प्रशोधन कम्पनी लि., दुग्ध विकास संस्थान र उदयपुर सिमेन्ट उद्योग लि. ले क्रमशः ४५.११ प्रतिशत, ९.६७ प्रतिशत र ५.१० प्रतिशत सञ्चालन आय वृद्धि गर्न सफल भएका छन् ।

१४.१३ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यस क्षेत्रका संस्थानहरूको खुद नोक्सान गत वर्षको तुलनामा ३५.९६ प्रतिशतले बढ्न गई रु.७७ करोड ४६ लाख पुग्न गएको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा यो क्षेत्रको कुल सञ्चित नोक्सान रु. ९ अर्ब ९० करोड २० लाख पुगेको छ । यसरी ठूलो रकम अझै पनि सञ्चित नोक्सानी रहेको आधारमा औद्योगिक क्षेत्रका संस्थानहरू समस्याग्रस्त नै रहेको निष्कर्ष निकाल्न सकिन्छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा औद्योगिक क्षेत्रका

संस्थानहरूको खुद स्थिर सम्पत्ति गत वर्षको रु.३ अर्ब ६१ करोड ५६ लाख बाट रु.२४ करोड ९० लाख क्षयीकरण भई रु.३ अर्ब ३६ करोड ६६ लाख पुग्न गएको छ ।

१४.१४ यस क्षेत्रमा सञ्चालित संस्थानहरूले नेपाल सरकारलाई तिर्न बाँकी ऋण आर्थिक वर्ष २०६९/७० को तुलनामा यो आर्थिक वर्षमा रु.१ अर्ब ६० करोड ८८ लाखले वृद्धि भै रु.५ अर्ब ८५ करोड २७ लाख पुगेको छ । नेपाल सरकारसँग ठूलो रकम ऋण लिनेमा उदयपुर सिमेण्ट उद्योग लिमिटेड रु.२ अर्ब २१ करोड, जनकपुर चुरोट कारखाना लि. रु.२ अर्ब १७ करोड र नेपाल ओरिण्ड म्याग्नेसाइट प्रा.लि. रु.७४ करोड रहेको पाइयो । त्यस्तै सेयरधनी कोष रु.४ अर्ब ६ करोड ९९ लाख ऋणात्मक भई गत वर्षको तुलनामा रु.२७ करोड ३६ लाखले ऋणात्मक वृद्धि भएको छ ।

१४.१५ ७ वटा संस्थानहरूमध्ये ३ वटा संस्थानहरू (दुग्ध विकास संस्थान, हेटौडा सिमेण्ट उद्योग लिमिटेड र उदयपुर सिमेण्ट उद्योग लिमिटेड) ले आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्मको लेखापरीक्षण गराएका छन् भने अन्यको समयमै लेखापरीक्षण सम्पन्न हुनसकेको छैन । औद्योगिक क्षेत्रका संस्थानहरूमा जम्मा २५७८ जना कर्मचारीहरू कार्यरत रहेका छन् भने कुल प्रशासनिक खर्च वार्षिक रु.६२ करोड ५४ लाख तथा कर्मचारी अवकाशको निमित्त कोषमा व्यवस्था नगरेको दायित्व रु.१ अर्ब ९१ करोड १० लाख रहेको देखिन्छ । औद्योगिक क्षेत्रका संस्थानहरूमा सरकारले आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा सेयर लगानी रु.५ अर्ब ४२ करोड ५६ लाख गरेको तर लाभांश प्राप्त गर्न सकेको छैन ।

व्यापारिक क्षेत्र

१४.१६ व्यापारिक क्षेत्रमा कृषि सामग्री कम्पनी लि., राष्ट्रिय विउ विजन कम्पनी लि., नेशनल ट्रेडिङ लिमिटेड, नेपाल खाद्य संस्थान, नेपाल आयल निगम लि. र दि टिम्बर कर्पोरेशन अफ नेपाल लि. गरी जम्मा ६ वटा संस्थानहरू सञ्चालित छन् । यस क्षेत्रका संस्थानहरूले आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा रु.१ खर्ब ४५ अर्ब ९५ करोड ९७ लाख सञ्चालन आय आर्जन गरेका छन् भने खुद नोक्सान रु.८ अर्ब ५९ करोड ३ लाख रहेको देखिन्छ । गत वर्ष सञ्चालन आय रु.१ खर्ब २० अर्ब ३६ करोड ४७ लाख र खुद नोक्सान रु.१ अर्ब ५५ करोड ३४ लाख रहेको थियो । त्यस्तै गत आर्थिक वर्षमा नेपाल आयल निगमको रु.२ अर्ब ५ करोड खुद

नोक्सान भएकोमा यो आर्थिक वर्षमा रु. ८ अर्ब ३० करोड खुद नोक्सान भएको पाइयो । यो आर्थिक वर्षमा अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा कच्चा तेलको मूल्य बढ्न गएको र आन्तरिक बजारमा पेट्रोलियम पदार्थको मूल्य सो अनुसार समायोजन नगर्नाले खुद नोक्सान ठूलो अङ्कले बढ्न गएको देखियो ।

१४.१७ गत आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा यस क्षेत्रमा सञ्चालित संस्थानहरूको कुल ऋण रु.२६ अर्ब ५० करोड ६१ लाख भएकोमा उक्त रकममा उल्लेख्य वृद्धि भै यस आर्थिक वर्षमा रु.३४ अर्ब ६९ करोड ६० लाख पुगेको छ । यस क्षेत्रका संस्थानहरूमध्ये नेपाल आयल निगमले सबैभन्दा बढी रु.३३ अर्ब ९२ करोड १० लाख ऋण लिएको देखिन्छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा नेपाल आयल निगम लि.लाई नेपाल सरकारको जमानतमा कर्मचारी सञ्चयकोष तथा नागरिक लगानी कोषबाट रु.२० अर्ब २८ करोड ऋण प्रवाह भएको पाइयो ।

१४.१८ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा यस क्षेत्रका संस्थानहरूको खुद स्थिर सम्पत्ति रु.२ अर्ब ८ करोड १३ लाख रहेको छ । खुद सम्पत्ति सबैभन्दा बढी कृषि सामग्री कम्पनीको रु.७९ करोड ७१ लाख रहेको छ भने सबैभन्दा न्यून राष्ट्रिय बीउविजन कम्पनी लि.को रु.६ करोड ७२ लाख रहेको छ । यस क्षेत्रमा संचालित संस्थानहरूको समग्र सेयरधनी कोष रु.३१ अर्ब ६० करोड ४० लाख ऋणात्मक रहेको देखिन्छ । यो कोष ऋणात्मक रहनुमा मुख्य भुमिका नेपाल आयल निगमले खेलेको छ जसको यस्तो कोष रु.३२ अर्ब ५४ करोड ७४ लाख ऋणात्मक रहेको छ ।

१४.१९ यस क्षेत्रका ६ वटा संस्थानहरूमध्ये ४ वटाले आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्मको लेखापरीक्षण गराएका छन् भने नेपाल खाद्य संस्थानले आर्थिक वर्ष २०६६/६७ र नेशनल ट्रेडिङ्ग लि.ले आर्थिक वर्ष २०६८/६९ सम्मको मात्र लेखापरीक्षण गराएका छन् । १७८४ जना कर्मचारी कार्यरत रहेको यस क्षेत्रका संस्थानहरूमा कोषमा व्यवस्था नगरिएको दायित्व रु.७० करोड ३३ लाख रहेको छ । त्यस्तै प्रशासनिक खर्च वार्षिक रु.१ अर्ब ७१ करोड २४ लाख रहेको छ । यस क्षेत्रका संस्थानहरूमा नेपाल सरकारले आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा ऋण लगानी रु.१२ अर्ब ९८ करोड ३५ लाख तथा सेयर लगानी रु.१ अर्ब ९९ करोड ९३ लाख गरेको तर लाभांश भने शून्य रहेको अवस्था पाइयो ।

सेवा क्षेत्र

१४.२० सेवा क्षेत्रमा विगतमा ७ (नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण, नेपाल वायुसेवा निगम, औद्योगिक क्षेत्र व्यवस्थापन लि., नेपाल पारवहन तथा गोदाम व्यवस्था कं.लि., राष्ट्रिय उत्पादकत्व तथा आर्थिक विकास केन्द्र लि., नेपाल ईन्जिनियरिङ्ग कन्सल्टेन्सी सेवा केन्द्र लि. र नेशनल कन्स्ट्रक्सन कम्पनी नेपाल लि.) वटा संस्थानहरु सञ्चालनमा रहेकोमा नेशनल कन्स्ट्रक्सन कम्पनी नेपाल लि. र नेपाल ईन्जिनियरिङ्ग कन्सल्टेन्सी सेवा केन्द्रका कर्मचारीहरुलाई सुविधासहित अवकाश गरेपश्चात उक्त संस्थानबाट कुनै कारोबार नभएको स्थिति रहेको हुँदा उक्त संस्थानको विवरण समावेश गरिएको छैन । यस क्षेत्रका संस्थानहरुको सञ्चालन आय आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा रु.१० अर्ब ६८ करोड ८९ लाख रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा उक्त आयमा १५.२१ प्रतिशतले वृद्धि भई कुल सञ्चालन आय रु.१२ अर्ब ३१ करोड ५० लाख पुगेको छ । सबैभन्दा बढी नेपाल वायुसेवा निगम र नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरणले क्रमशः रु.७ अर्ब ८२ करोड १६ लाख र रु.३ अर्ब ७७ करोड ७२ लाख सञ्चालन आय गरेका छन् ।

१४.२१ सेवा क्षेत्रका संस्थानहरुको खुद नाफा/नोक्सान विवेचना गर्दा आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा रु.१ अर्ब ४४ करोड ३० लाख खुद नाफा रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा घट्न गई रु.१ अर्ब ३४ करोड ४८ लाख पुगेको छ । नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण, नेपाल वायुसेवा निगम, औद्योगिक क्षेत्र व्यवस्थापन लि., नेपाल पारवहन तथा गोदाम व्यवस्था कं.लि.ले खुद मुनाफा आर्जन गरेका छन् भने राष्ट्रिय उत्पादकत्व तथा आर्थिक विकास केन्द्र लि.घाटामा सञ्चालित रहेको तथा नेपाल ईन्जिनियरिङ्ग कन्सल्टेन्सी सेवा केन्द्र लि. र नेशनल कन्स्ट्रक्सन कम्पनी नेपाल लि.को कारोबार नभएको स्थिति देखिन्छ ।

१४.२२ सेवा क्षेत्रका संस्थानहरुको खुद स्थिर सम्पत्ति आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा कुल रु. १२ अर्ब ५२ करोड ८७ लाख पुगेको छ । यस क्षेत्रका संस्थानहरुको सेयरधनी कोष रु. १८ अर्ब ४१ करोड १८ लाख रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा सेवा क्षेत्रको ऋण दायित्व रु. ७ अर्ब ६० करोड ४५ लाख पुगेको छ । उक्त ऋणमध्ये नेपाल वायुसेवा निगमको रु. ५ अर्ब ६९ करोड ५३

लाख, नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरणको रु. १ अर्ब ७८ करोड ६७ लाख र नेपाल पारवहन तथा गोदाम व्यवस्था कं.लि.को रु. १२ करोड २५ लाख रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा यस क्षेत्रका संस्थानहरूको कोषमा व्यवस्था नभएको दायित्व रु. ८५ करोड ६२ लाख पुगेको छ । यीमध्ये सबैभन्दा बढी नेपाल वायुसेवा निगमको रु. ८३ करोड ४१ लाख रहेको छ । यो आर्थिक वर्षमा नेपाल वायुसेवा निगमलाई दुईवटा न्यारोबडी एयरबस जहाज खरिद गर्नका लागि नेपाल सरकारको जमानतमा कर्मचारी सञ्चयकोषबाट रु. १० अर्ब ऋण प्रवाह भएको र निगमले जहाजसमेत भित्र्याइसकेको छ ।

१४.२३ यस क्षेत्रका संस्थानहरूमा कार्यरत कर्मचारीहरूको संख्या आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा कुल २३३४ पुगेको छ । साथै कुल प्रशासनिक खर्च वार्षिक रु. २ अर्ब १९ करोड ८८ लाख भएको देखिन्छ । लेखापरीक्षण स्थिति विवेचना गर्दा औद्योगिक क्षेत्र व्यवस्थापन लि.ले मात्र आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्मको लेखापरीक्षण सम्पन्न गरेको नेपाल वायुसेवा निगम, नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण र नेपाल पारवहन तथा गोदाम व्यवस्था कं.लि. ले आर्थिक वर्ष २०६९/७० सम्मको लेखापरीक्षण सम्पन्न गरेको तथा राष्ट्रिय उत्पादकत्व तथा आर्थिक विकास केन्द्र लि.ले आर्थिक वर्ष २०६४/६५ सम्मको मात्र लेखापरीक्षण सम्पन्न गरेको पाइयो ।

१४.२४ यस क्षेत्रका संस्थानहरूमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा नेपाल सरकारले रु.१५ अर्ब ४१ करोड २२ लाख सेयर लगानी तथा रु.२ अर्ब ४८ करोड ७ लाख ऋण लगानी गरेको छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा औद्योगिक क्षेत्र व्यवस्थापन लि. वाहेक यस क्षेत्रका अन्य संस्थानहरूबाट नेपाल सरकारलाई लाभांश प्राप्त भएको छैन ।

सामाजिक क्षेत्र

१४.२५ सामाजिक क्षेत्रमा ५ वटा संस्थानहरू (सांस्कृतिक संस्थान, गोरखापत्र संस्थान, जनक शिक्षा सामग्री केन्द्र लि., नेपाल टेलिभिजन र राष्ट्रिय आवास कम्पनी लि.) सञ्चालित छन् । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा यस क्षेत्रका संस्थानहरूको रु.१८ करोड ५६ लाख खुद नोक्सान रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ खुद नोक्सान रु.२ लाखमात्र रहेको पाइयो । यस क्षेत्रका संस्थानहरूको आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा सञ्चालन आय रु.१ अर्ब ४३ करोड ३६ लाख र खुद स्थिर

सम्पत्ति रु. ८७ करोड ९६ लाख रहेको छ, जुन अघिल्लो आर्थिक वर्षमा क्रमशः रु. १ अर्ब २१ करोड ६ लाख र रु. ८० करोड ९ लाख रहेको थियो ।

१४.२६ नेपाल सरकारले आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा यस क्षेत्रका संस्थानहरूमा कुल रु. २ अर्ब ६० करोड २० लाख सेयर लगानी तथा रु.५० करोड ७५ लाख ऋण लगानी गरेकोमा नेपाल सरकारलाई यस क्षेत्रका कुनै पनि संस्थानहरूबाट लाभांश प्राप्त भएको छैन । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा सामाजिक क्षेत्रका संस्थानहरूको कुल सेयरधनी कोष रु. ८९ करोड २२ लाख रहेको छ, जुन अघिल्लो आर्थिक वर्षमा रु. ७६ करोड ७ लाख रहेको थियो ।

१४.२७ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा १६५१ जना कर्मचारी कार्यरत रहेको तथा कोषमा व्यवस्था नगरेको दायित्व आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा रु. ८७ करोड २९ लाख पुगेको छ जसमा सबैभन्दा बढी गोरखापत्र संस्थानको रु. ४८ करोड रहेको छ । सांस्कृतिक संस्थान र नेपाल टेलिभिजन आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्मको लेखापरीक्षण सम्पन्न गरेकोमा अन्यले लेखापरीक्षण समयमै सम्पन्न गरेको पाइएन ।

जनोपयोगी क्षेत्र

१४.२८ जनोपयोगी क्षेत्र अन्तर्गत संचालित ३ वटा संस्थानहरू (नेपाल दूर सञ्चार कम्पनी लि., नेपाल विद्युत प्राधिकरण र नेपाल खानेपानी संस्थान) को कुल सञ्चालन आय आर्थिक वर्ष २०६९/७० को रु. ६१ अर्ब २९ करोड ८५ लाखमा रु. २ अर्ब ८७ करोड ६७ लाखले वृद्धि भई आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा रु. ६४ अर्ब १७ करोड ५२ लाख पुगेको छ । सबैभन्दा बढी नेपाल दूर सञ्चार कम्पनी लि.ले रु. ३५ अर्ब ९९ करोड ५८ लाख सञ्चालन आय प्राप्त गरेको छ । यस क्षेत्रका संस्थानहरूको खुद स्थिर सम्पत्ति आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा रु. १ खर्ब ४ अर्ब ५८ करोड २९ लाख रहेको छ भने सेयरधनी कोष रु. ८५ अर्ब ८६ करोड ११ लाखले धनात्मक रहेको छ ।

१४.२९ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा सबैभन्दा बढी नेपाल दूर सञ्चार कम्पनी लि.ले रु. ११ अर्ब ५५ करोड ३७ लाख खुद नाफा आर्जन गर्न सफल भएको छ । नेपाल विद्युत प्राधिकरणको खुद नोक्सान रु. ४ अर्ब ७० करोड २० लाख (जुन गत वर्ष रु.४ अर्ब ६३ करोड ३६ लाख रहेको) र नेपाल खानेपानी संस्थानको खुद नोक्सान रु. १४ करोड ९७ लाख (जुन गत वर्षमा रु. १५ करोड ५० लाख रहेको)

कायम भई यस क्षेत्रका संस्थानहरूको समग्रमा खुद नाफा रु. ६ अर्ब ७० करोड २० लाख रहन गएको छ । आर्थिक वर्ष २०६७/६८ मा नेपाल विद्युत प्राधिकरणको सञ्चित नोक्सानी रु. २७ अर्ब ५३ करोड अपलेखन गरिएकोमा पछिल्लो तीन वर्षमा सञ्चित नोक्सान रु. १७ अर्ब ९४ करोड पुग्नुले प्राधिकरणको समस्या जटिल रहेको पुष्टि हुन्छ । ठूलो रकम सञ्चित नोक्सानमा सञ्चालित नेपाल विद्युत प्राधिकरणको बक्यौता मात्र करीब रु.९ अर्ब पुग्न गएकोले प्राधिकरणको कमजोर व्यवस्थापनको विडम्बनापूर्ण अवस्था चित्रण गर्दछ ।

१४.३० जनपयोगी क्षेत्रका संस्थानहरूको कुल ऋण दायित्व आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा रु. ८५ अर्ब ३६ करोड ७० लाख पुगेको छ । जुन अघिल्लो आर्थिक वर्षमा रु. ७६ अर्ब १६ करोड ७५ लाख रहेको थियो । सबैभन्दा बढी नेपाल विद्युत प्राधिकरणको रु. ८३ अर्ब ६६ करोड ४४ लाख ऋण दायित्व रहेको छ भने नेपाल दूर सञ्चार कम्पनी लि.ले कुनै ऋण लिएको छैन । यस क्षेत्रका संस्थानहरूमा कार्यरत कुल कर्मचारी संख्या आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को अन्त्यसम्ममा जम्मा १४,८१४ जना रहेका छन् । सबैभन्दा बढी नेपाल विद्युत प्राधिकरणमा ८,६९९ जना कर्मचारीहरू कार्यरत रहेका छन् । यस क्षेत्रका संस्थानहरूको कुल प्रशासकीय खर्च रु. २० अर्ब ४० करोड १८ लाख रहेको देखिन्छ ।

१४.३१ जनपयोगी क्षेत्रका तीनवटा संस्थानहरूको मात्रै कोषमा व्यवस्था नगरिएको दायित्व आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा रु. २१ अर्ब ४२ करोड ९७ लाख पुगेको छ जसमा नेपाल विद्युत प्राधिकरणको रु. १४ अर्ब ७० करोड ४५ लाख, नेपाल दूर सञ्चार कम्पनी लि.को रु. ६ अर्ब २३ करोड ४७ लाख र नेपाल खानेपानी संस्थानको रु.४९ करोड ५ लाख रहेको देखिन्छ । यसप्रकार संस्थानहरूको कोषमा व्यवस्था नगरिएको दायित्वमा अत्यधिक वृद्धि हुँदै जाँदा लगानीकर्ताको हैसियतमा अन्ततोगत्वा सरकारी कोषमा नै क्रमशः दायित्व बढ्नजाने कारणले यो समस्या विकराल देखिएको छ । जनपयोगी क्षेत्रका संस्थानहरूमा नेपाल सरकारले आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा कुल रु. ६९ अर्ब ८० करोड ७४ लाख सेयर लगानी र रु. ८७ अर्ब ३ करोड ८६ लाख ऋण लगानी गरेको देखिन्छ । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा नेपाल दूर सञ्चार कम्पनी लि.बाट रु. ६ अर्ब ३१ करोड ३० लाख नेपाल सरकारलाई लाभांश प्राप्त भएको छ ।

वित्तीय क्षेत्र

- १४.३२ वित्तीय क्षेत्र अन्तर्गत ९ वटा संस्थानहरु सञ्चालनमा रहेका छन् । आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यस क्षेत्रको कुल सञ्चालन आय रु. २७ अर्ब ७८ करोड ४६ लाख पुगेको छ, जुन अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा १५.९८ प्रतिशतले वृद्धि हो । विभिन्न परिसूचकहरुका आधारमा वित्तीय क्षेत्रका संस्थानहरु सुधारोन्मुख रहेको देखिन्छ । वित्तीय क्षेत्रका ९ वटै संस्थानहरुले आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा खुद नाफा आर्जन गरेका छन् । आर्थिक वर्ष २०६९/७० मा यी क्षेत्रका संस्थानहरुको खुद नाफा रु. ५ अर्ब ७५ करोड ५८ लाख रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा उल्लेख्य वृद्धि भई रु. ६ अर्ब ३६ करोड ८७ लाख पुगेको छ । यस क्षेत्रका रु. १ अर्बभन्दा बढी नाफा आर्जन गर्नेमा राष्ट्रिय वाणिज्य बैङ्क रु. १ अर्ब ८३ करोड ६७ लाख, कृषि विकास बैङ्क रु. १ अर्ब ४९ करोड १८ लाख र एन.आई.डि.सी. डेभलपमेण्ट बैङ्क रु. १ अर्ब २५ लाख रहेको पाइयो ।
- १४.३३ आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा यस क्षेत्रका संस्थानहरुको खुद स्थिर सम्पत्ति रु. २ अर्ब ८३ करोड १२ लाख र सेयरधनी कोष रु. ३६ अर्ब ४९ करोड ८३ लाख धनात्मक भई सबै संस्थानहरुको सेयरधनी कोष धनात्मक रहेको पाइयो । साथै वित्तीय क्षेत्रका संस्थानहरुको कर्जा/लगानी रकम वृद्धि भई आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा रु. २ खर्ब २५ अर्ब ६९ करोड २१ लाख पुगेको छ जुन अघिल्लो आर्थिक वर्षमा रु. १ खर्ब ९३ अर्ब ९९ करोड ८९ लाख रहेको थियो । यस आर्थिक वर्षमा कृषि विकास बैङ्क, राष्ट्रिय वाणिज्य बैङ्क, एन.आई.डि.सी. डेभलपमेण्ट बैङ्क, नागरिक लगानी कोष र निक्षेप तथा कर्जा सुरक्षण निगम लि.को कर्जा/लगानीमा अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा अत्यधिक वृद्धि भएको देखिन्छ ।
- १४.३४ वित्तीय क्षेत्रका संस्थानहरुमा नेपाल सरकारले आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्ममा कुल रु. २० अर्ब ५६ करोड ७९ लाख सेयर लगानी र रु. २ अर्ब ८१ करोड ८७ लाख ऋण लगानी गरेको देखिन्छ । सेयर लगानीवापत आर्थिक वर्ष २०७०/७१ मा वित्तीय क्षेत्रका संस्थानहरुमध्ये कृषि विकास बैङ्कबाट रु. १९ करोड ९४ लाख, जलविद्युत लगानी तथा विकास कम्पनीबाट रु. १० करोड र नागरिक लगानी कोषबाट रु. ४ लाख गरी जम्मा रु. २९ करोड ९८ लाख लाभांश प्राप्त भएको छ । निक्षेप तथा कर्जा सुरक्षण निगम लि.को पूँजी वृद्धि गर्न रु. १ अर्ब थप सेयर लगानी गरिएको छ । साना निक्षेपकर्ताको निश्चित रकमसम्मको

निक्षेप सुरक्षित रहने व्यवस्था गरिएकोले वित्तीय क्षेत्रमा सर्वसाधारणको विश्वास बढ्न गएको महसुस गरिएको छ ।

१४.३५ वित्तीय क्षेत्रका संस्थानहरूमा कुल ६४१८ जना कर्मचारीहरू कार्यरत रहेका छन् जसमा सबैभन्दा बढी कृषि विकास बैङ्क र राष्ट्रिय वाणिज्य बैङ्कमा क्रमशः ३२९२ र २६७८ रहेको देखिन्छ । यस क्षेत्रका संस्थानहरूको कुल प्रशासकीय खर्च वार्षिक रु. ७ अर्ब ४४ करोड ९१ लाख रहेको देखिन्छ । यस क्षेत्रका संस्थानहरूमध्येमा राष्ट्रिय बीमा संस्थानले आर्थिक वर्ष २०६४/६५ सम्मको तथा कृषि विकास बैङ्क र नागरिक लगानी कोषले आर्थिक वर्ष २०६९/० सम्मको लेखापरीक्षण सम्पन्न गरेका छन् भने अन्य सबै संस्थानहरूले आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्मकै लेखापरीक्षण सम्पन्न गरेका छन् ।

१४.३६ राष्ट्रिय वाणिज्य बैङ्कको कोषमा व्यवस्था नभएको दायित्व रु. १ अर्ब २३ करोड ८० लाख र संभावित दायित्व रु. ६ अर्ब २१ करोड ८३ लाख गरी जम्मा रु. ७ अर्ब ४५ करोड ६३ लाख दायित्व रहेको पाइयो । नेपाल स्टक एक्सचेञ्जको कोषमा व्यवस्था नभएको दायित्व रु.७१ लाख र संभावित दायित्व रु.३४ लाख गरी जम्मा रु. १ करोड ५ लाख दायित्व रहेको पाइयो । निक्षेप तथा कर्जा सुरक्षण निगमको कोषमा व्यवस्था नभएको दायित्व रु. ८ लाख रहेको छ भने अन्य संस्थानहरूको कोषमा व्यवस्था नगरिएको दायित्व रहेको पाइएन ।

चुनौती र समस्याहरू

१४.३७ नेपाल सरकारको पूर्ण वा अधिकांश स्वामित्वमा संचालित ३७ वटा सार्वजनिक संस्थानहरू विभिन्न पाँच प्रकारका ऐनद्वारा गठित छन् । यी संस्थानहरूका संस्थापनासम्बन्धी ऐन बेग्लाबेग्लै भएको हुँदा संस्थानहरूको सञ्चालनका आधार पनि छुट्टाछुट्टै देखिन्छन् । फरकफरक ऐनद्वारा संस्थापित यी संस्थानहरूको कार्यसञ्चालन/ व्यवस्थापनका लागि निर्माण गरिएका नियमावली / विनियमावलीहरूमा पनि एकरूपता नभएकाले सार्वजनिक संस्थानहरूमा हुने नियुक्ति प्रक्रियादेखि संस्थानहरूका जनशक्तिलाई उपलब्ध गराउने सेवासुविधाका विषयहरूमासमेत एकरूपता कायम हुन सक्ने अवस्था छैन।

१४.३८ २०६८ साल माघमा सार्वजनिक संस्थान निर्देशन बोर्डको गठन भई उक्त बोर्डले विभिन्न संस्थानहरूमा खुला प्रतिस्पर्धाको माध्यमबाट छनौट गरी सिफारिश

गरेका ब्यक्तिहरुमध्येबाट नेपाल सरकारले कार्यकारी प्रमुख नियुक्ति गरी निजको कार्यसम्पादन मूल्याङ्कनको आधारमा तलबसुविधा एवम् पुरस्कार दिने प्रणालीको सुरुवात गरिएको छ । सक्षम व्यवस्थापकीय नेतृत्व चयन गरी संस्थानलाई नतिजामुखी, प्रतिस्पर्धी र व्यावसायिक बनाउन शुरु गरिएको प्रस्तुत पद्धति सकारात्मक भए तापनि नियुक्त भएका कार्यकारी प्रमुखहरुलाई लक्ष्य हासिल हेतु निर्बाधढङ्गले काम गर्ने व्यावसायिक वातावरण निर्माण नहुनाले आशा अनुरूपको सफलता प्राप्त भएको अवस्था छैन ।

१४.३९ अधिकांश सार्वजनिक संस्थानहरु जनशक्ति योजना तथा व्यवस्थापनको सिद्धान्तअनुसार सञ्चालित भएका छैनन्। प्रायशः संस्थानमा जनशक्तिलाई उत्पादनशक्तिमा रूपान्तरण गर्ने चुनौति अझै पनि रहेको र यसो हुनुको प्रमुख कारणमा गुणात्मक तथा दक्षतायुक्त जनशक्तिको अभाव तथा जागिरे प्रवृत्तिका कर्मचारीहरुको बाहुल्य हुनु हो। त्यस्तै प्रकृतिको निजी क्षेत्रको व्यावसायिक संस्थासँग तुलना गर्ने हो भने सार्वजनिक संस्थानमा अत्यधिक बढी कर्मचारी रहेको देखिन्छ ।

साथै विनाप्रतिस्पर्धा आफ्ना मान्छेलाई जागीर खुवाउन आवश्यकभन्दा बढी संख्यामा अस्थायी एवम् करार सेवाका पदहरुमा कर्मचारीहरु नियुक्त गर्ने प्रवृत्तिले गर्दा संस्थानहरुको प्रशासकीय शिरोभार खर्च बढ्दै गएको अवस्था छ । अधिकांश संस्थानहरुमा जनशक्तिको प्रक्षेपण र जनशक्ति विकास योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिएको अवस्था छैन ।

१४.४० लोकतान्त्रिक शासनप्रणालीमा कर्मचारीको हकहितका लागि ट्रेड युनियनको भूमिकालाई अस्वीकार गर्न सकिदैन तर हाम्रा सार्वजनिक संस्थानहरुमा भने आफू कार्यरत निकायको वित्तीय स्वास्थ्यको विचारै नगरी बढी सुविधा लिने प्रवृत्ति मौलाउँदै गएको कारणले संस्थानहरुको आर्थिक कमजोर हुँदै गएको अवस्था छ । सम्बन्धित निकायको पूर्वसहमतिविना सेवासुविधाहरु बढाउने प्रवृत्ति र संस्थानको आर्थिक क्षमताले धान्नै मुस्किल पर्ने खालका यस्ता मागहरुको दवावका कारण संस्थानको कोषमा व्यवस्था नगरिएको दायित्वमा निरन्तर वृद्धि हुँदै गएको अवस्था छ । सरकारी संस्थानहरुका यस प्रकारका क्रियाकलापले अन्ततोगत्वा सरकारको राज्यकोषमा ठूलो दवाव सृजना गराउने निश्चित छ । संस्थानसम्बद्ध तालुक मन्त्रालय र सञ्चालक समिति ट्रेड युनियनको मागमा वार्ता र सहमतिबाट टुङ्गोमा नपुगी त्यसलाई खुर्कक

अनुमोदन गरी स्वीकृतिका लागि अर्थ मन्त्रालयमा पठाउने प्रवृत्तिले गर्दा अर्थ मन्त्रालयमा अनावश्यक कार्यचाप र दवाव बढिरहेको छ ।

१४.४१ सार्वजनिक संस्थानहरूले प्रत्येक आर्थिक वर्षको समाप्तिपछि निश्चित समयवधि भित्र लेखापरीक्षण गराउनुपर्ने व्यवस्था कानूनले तोकेको छ । जसअनुसार संस्थानहरूको लेखापरीक्षणको अवस्था हेर्दा कुल ३७ मध्ये १९ वटा संस्थानहरूले मात्र आर्थिक वर्ष २०७०/७१ सम्मको लेखापरीक्षण सम्पन्न गरेका छन् ।

लेखापरीक्षणबिना वित्तीय अनुशासन कायम गर्न सकिदैन । समयमै लेखापरीक्षण गराई सोको प्रतिवेदन सार्वजनिक नगर्ने संस्थानका प्रमुखहरूले वित्तीय उत्तरदायित्व बहन गरेको देखिएन । लेखापरीक्षण नभएका संस्थानमा पनि थप ऋण लगानी हुने, सुविधा वृद्धि हुने र त्यसका प्रमुख पुरस्कृत हुने वा थप जिम्मेवारी पाउने अवस्थाले सार्वजनिक संस्थानको वित्तीय अनुशासन झन कमजोर बन्दैगएको छ ।

१४.४२ सार्वजनिक संस्थानहरूले आफ्नो संस्थानको उद्देश्य, दृष्टिकोण, रणनीति र कार्यनीतिअनुरूप स्पष्टरूपले व्यावसायिक कार्ययोजना तर्जुमा गरी लागू गनुपर्नेमा अधिकांशले सोअनुरूप गरेको देखिएन। व्यावसायिक योजना भएका केही संस्थानहरूको योजनाको कार्यान्वयन अवस्था पनि कमजोर छ । जनशक्ति व्यवस्थापन, पूँजीको परिचालन, माग र आपूर्तिको अनुमान, मूल्यनिर्धारण, बजार व्यवस्थापन, खरिद व्यवस्था लगायत महत्वपूर्ण पक्षहरूको सञ्चालन कार्ययोजना बनाई सोको कार्यान्वयन अनिवार्य देखिन्छ ।

१४.४३ बजारमा निजी क्षेत्रको प्रवेशसँगै सार्वजनिक संस्थानले आफ्नो दक्षता बढाएर प्रतिस्पर्धा गर्न सक्षम हुनुपर्नेमा त्यसो हुन सकेन । निजी क्षेत्र फस्टाउँदै गयो तर सार्वजनिक संस्थान धराशायी बन्दै गए । पूँजी, कच्चा पदार्थ, सरकारी संरक्षण र बजार हुँदाहुँदै पनि सरकारी उद्योग टिक्न सकेनन् । सेवा क्षेत्रमा पनि निजी क्षेत्र आक्रामक ढङ्गले अगाडी बढेको छ तर सार्वजनिक संस्थानसँग निजी क्षेत्रसँग प्रतिस्पर्धा गर्ने रणनीति छैन । व्यापारिक क्षेत्रको अवस्था झन दयनीय हुँदै गएको छ । सरकारी अनुदान पाएर पनि व्यापारिक संस्थानको नोक्सानी बढ्दै जानुको कारण कमजोर व्यवस्थापन नै हो ।

१५. भूकम्प पछिको पुननिर्माण र नवनिर्माण

- १५.१ २०७२ साल वैशाख १२ गतेको विनाशकारी भूकम्प र त्यसपछिको पराकम्पनहरूबाट मानवीय, भौतिक संरचना एवं प्राकृतिक स्रोतको ठूलो क्षति हुन गएको छ । विनाशकारी भूकम्पमा परि अहिले सम्म ८ हजार ७ सय ९० जनाको मृत्यु भएको छ, २२ हजार ३ सय जना घाइते भएका छन् भने करिब ३०० जना अझै वेपत्ता रहेको अनुमान छ । ग्रामीण भेगमा आय आर्जनका लागि पालिएका करिव १७ हजार भन्दा बढी ठुला चौपायहरु र करिव ४० हजार साना चौपायहरु मरेका छन् । त्यसैगरी, ५ लाख ७ हजार १७ घर पूर्ण रुपमा ध्वस्त भएका छन् । २ लाख ६९ हजार १९० घरमा आंशिक क्षति पुगेको छ । कुल जनसंख्याको करिव एक तिहाई (८० लाख) जनसंख्या भूकम्पबाट प्रभावित भएको अनुमान छ । भूकम्पबाट ७५ जिल्लाहरु मध्ये ३१ जिल्लामा प्रभाव पारेको छ । त्यसमध्ये १४ जिल्लाहरु पूर्ण प्रभावित भएका छन् भने अन्य १७ जिल्लाहरुमा आंशिक प्रभाव परेको छ । भूकम्पबाट सबैभन्दा बढी प्रभावित जिल्ला सिन्धुपाल्चोकमा अधिकांश घर भत्किएका छन् भने बाँकी घरमा पनि क्षति पुगेको छ । भूकम्प पछिको उद्धार र राहत कार्यको प्राथमिकीकरण गरी बढी प्रभावित १४ जिल्लाहरुमा खोजी र उद्धार, राहत र पुनःस्थापना कार्य भएका छन् ।
- १५.२ भूकम्पका कारण ठूलो मात्रामा भौतिक संरचना खासगरी निजी तथा सरकारी भवन, साँस्कृतिक सम्पदा, विद्यालय र स्वास्थ्य संस्थाका भवन, ग्रामीण सडक, पुल, खानेपानी, विद्युत उत्पादन गृह र खेलकुदका संरचनाहरुमा क्षति पुगेको छ । त्यसैगरी, प्राकृतिक स्रोतहरु, कृषि जमिन, पर्यटकीय पदमार्गमा समेत ठूलो क्षति भएको छ ।
- १५.३ भूकम्प प्रभावित क्षेत्रमा सरकार अहिले पुननिर्माण अभियानमा जुटेको छ । यस्तो विषय र विशिष्ट परिस्थितिमा भूकम्प पछिको राहत, पुनर्स्थापना र पुननिर्माणका लागि सरकारले आफ्नो सम्पूर्ण प्रयास केन्द्रित गर्ने गरी आगामी वर्षको लागि नीति तर्जुमा गर्नुपर्ने अवस्था छ । पुनःस्थापना, पुननिर्माण र नवनिर्माणका लागि सरकारले रु. २०० अर्बको राष्ट्रिय पुननिर्माण कोष स्थापना गरी सो कोषको लागि रु. २० अर्ब रकम छुट्टयाएको छ ।

- १५.४ विनासकारी भूकम्पले गर्दा रु. ५१७.५ अर्ब बराबरको क्षति र रु. १८९.० अर्ब बराबरको नोक्सानी गरी जम्मा रु. ७०६.५ अर्ब बराबरको क्षति तथा नोक्सानी भएको अनुमान छ । यो क्षति तथा नोक्सानी कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको झण्डै एक तिहाई हुन आउँछ । त्यसैगरी, कुल स्थिर पुँजी निर्माणको शतप्रतिशत क्षति भएको अनुमान छ । भूकम्पको जोखिमले राजधानी र यसको वरीपरी बढी प्रभाव पर्न गएकोले पनि यसले अर्थतन्त्रलाई दूरगामी असर पार्न सक्छ । खासगरी ग्रामीण बस्तीहरूमा न्यून आय भएका परिवारका ढुंगा, माटो र काठले बनेका घरहरू मध्ये करीब ८०-९० प्रतिशत ध्वस्त हुनु र मुख्य पेशाको रूपमा रहेको कृषि र पशुपालनमा भएको क्षतिको कारण गरिवी बढ्ने अनुमान छ ।
- १५.५ विश्व बैंकका अनुसार भूकम्पको प्रभावबाट आर्थिक बर्ष २०७२/७३ मा थप २.५ प्रतिशत देखि ३.५ प्रतिशत नेपालीलाई गरिवीमा धकेल्ने र ७ लाख गरिवको संख्या बढ्ने (थपिने) अनुमान छ । त्यसैगरी, खानेपानी तथा सरसफाई सेवा, विद्यालय तथा स्वास्थ्य सेवामा पुगेको अवरोध र बढ्दो खाद्य असुरक्षा आदिका कारण बहुआयामिक गरिवी (Multidimensional Poverty) मा गहिरो प्रभाव पर्ने अनुमान छ ।
- १५.६ विनाशकारी भूकम्पका कारण आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को कूल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धिदर ३.० प्रतिशतमा सिमित भएको अनुमान छ । भूकम्प पूर्व आर्थिक वृद्धि ४.६ प्रतिशत हुने अनुमान थियो । भूकम्पका कारण रु. ५२ अर्बको उत्पादन क्षति भएको कारण आर्थिक वृद्धिदरमा कमी आएको हो । भूकम्पले समग्र अर्थतन्त्रमा प्रभाव पारेको भएपनि रियल स्टेटमा बढी असर परेको अनुमान छ । चालु आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा भूकम्प पूर्व यस क्षेत्रको उत्पादन ४.८ प्रतिशतले बढ्ने अनुमान रहेकोमा भूकम्पको कारण ०.८ प्रतिशतमा सिमित हुने अनुमान छ । त्यसैगरी, वीमा क्षेत्रमा रु. १६ अर्ब भन्दा बढीको दावी परेको छ भने बैंक तथा वित्तिय संस्थाहरूबाट प्रवाह भएको कर्जाको गुणस्तरमा समेत असर पुग्ने अनुमान छ । ग्रामीण क्षेत्रमा सञ्चय गरेको खाद्य पदार्थ नष्ट भएको र पुशजन्य उत्पादन र पशुपालनमा ठूलो क्षति भएको छ । विश्व सम्पदा क्षेत्रको सूचिमा रहेका काठमाण्डौ उपत्यकाका १० वटा सांस्कृतिक

सम्पदाहरु मध्ये ७ वटामा क्षति भएको र पर्यटक पदमार्ग (Trekking Route) मा अवरोध आएको कारण पर्यटन क्षेत्रमा प्रत्यक्ष असर पर्ने अनुमान छ ।

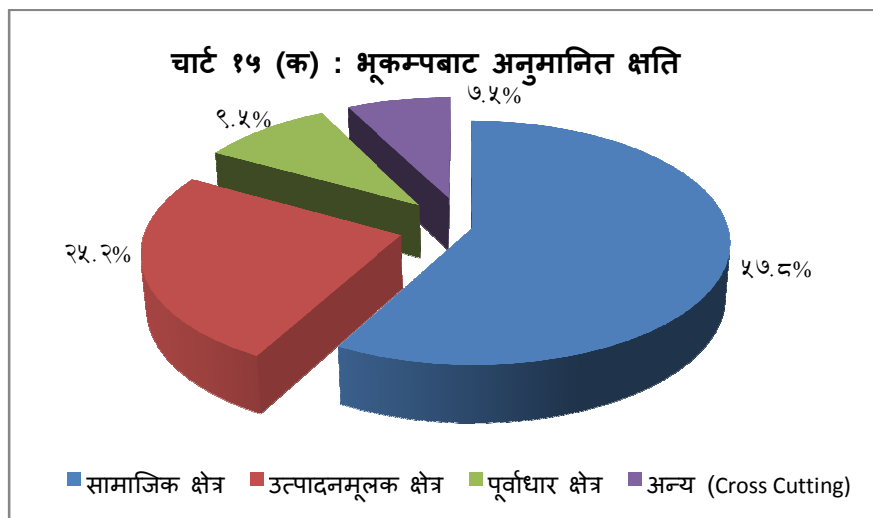
१५.७ आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा रु. ४२३ अर्ब राजस्व उठ्ने अनुमान रहेकोमा भूकम्प पश्चात ८.० प्रतिशतले कमी भै रु. ३९० अर्ब मात्र उठ्ने अनुमान रहेको छ । साथै, कुल सरकारी खर्चमा पनि केही कमी आई रु. ४९४ अर्बमा सीमित रहने अनुमान छ । त्यसैगरी, निर्यात घट्ने र आयातको वृद्धिदरमा केही कमी भएतापनि व्यापार घाटा बढ्ने अनुमान छ ।

तालिका १५ (क) : भूकम्पबाट भएको क्षति

| क्षेत्र | क्षति (रु. करोडमा) | नोक्सानी (रु. करोडमा) | जम्मा (रु. करोडमा) |
|----------------------------------|--------------------|-----------------------|--------------------|
| सामाजिक क्षेत्र | ३५५०२.८ | ५३५९.७ | ४०८६२.५ |
| आवास तथा मानव वस्ती | ३०३६३.२ | ४६९०.८ | ३५०५४.० |
| स्वास्थ्य | ६४२.२ | ११२.२ | ७५४.४ |
| शिक्षा | २८०६.४ | ३२५.४ | ३१३१.८ |
| सांस्कृतिक सम्पदा | १६९१.० | २३१.३ | १९२२.३ |
| उत्पादनमूलक क्षेत्र | ५८०७.४ | १२००४.६ | १७८१२.० |
| कृषि | १६४०.५ | ११९६.२ | २८३६.७ |
| सिंचाई | ३८.३ | - | ३८.३ |
| वाणिज्य | ९०१.५ | ७९३.८ | १६९५.३ |
| उद्योग | ८३९.४ | १०८७.७ | १९२७.१ |
| पर्यटन | १८८६.३ | ६२३७.९ | ८१२४.२ |
| वित्त | ५०१.५ | २६८९.० | ३१९०.५ |
| पूर्वाधार क्षेत्र | ५२४६.० | १४३२.३ | ६६७८.३ |
| विद्युत | १७८०.७ | ३४३.५ | २१२४.२ |
| संचार | ३६१.० | ५०८.५ | ८६९.५ |
| सामुदायिक पूर्वाधार | ३३४.९ | - | ३३४.९ |
| यातायात | १७१८.८ | ४९३.० | २२११.८ |
| पानी तथा ढल निकास | १०५०.६ | ८७.३ | ११३७.९ |
| अन्य (Cross Cutting) | ५१८७.२ | १०६.१ | ५२९३.३ |
| सुशासन | १८७५.७ | - | १८७५.७ |
| प्राकृतिक प्रकोप जोखिम न्यूनिकरण | १५.५ | - | १५.५ |
| वन तथा वातावरण | ३२९६.० | १०६.१ | ३४०२.१ |
| कुल जम्मा | ५१७४३.४ | १८९०२.७ | ७०६४६.१ |

स्रोत: पि.डि.एन.ए. रिपोर्ट, राष्ट्रिय योजना आयोग

१५.८ विनाशकारी भूकम्पबाट करिव रु. ७०६.५ अर्बको क्षति भएको अनुमान छ । यसमध्ये सामाजिक क्षेत्रमा ५७.८ प्रतिशत, उत्पादनमूलक क्षेत्रमा २५.२ प्रतिशत, पूर्वाधार क्षेत्रमा ९.५ प्रतिशत र अन्य क्षेत्र (Cross Cutting) मा ७.५ प्रतिशत असर परेको छ । त्यसैगरी, नीजि क्षेत्रमा रु. ५४० अर्ब (७६.० प्रतिशत) र सरकारी क्षेत्रमा रु. १६६.१ अर्ब (२४.० प्रतिशत) को क्षति र नोक्सानी भएको अनुमान छ ।



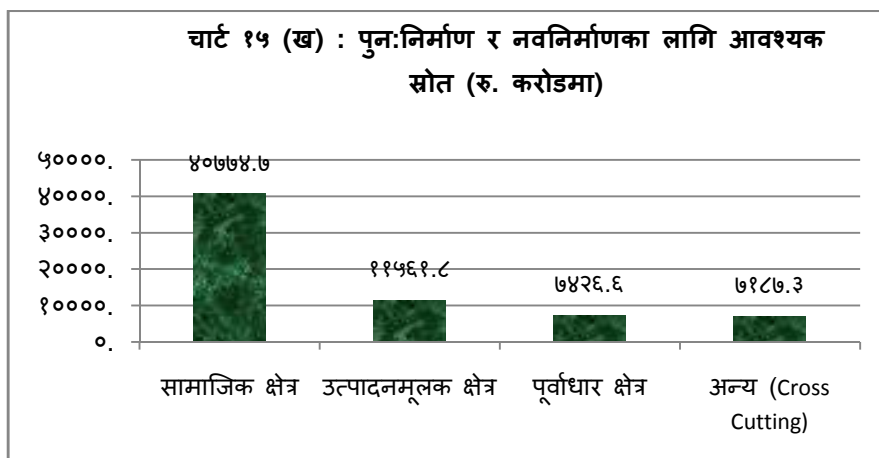
१५.९ न्यून आर्थिक वृद्धि, उच्च माग, विस्तारकारी बजेट, आपूर्तिजन्य अवरोध र शासकीय क्षमता कमजोर हुँदा आगामी दिनमा मुद्रास्फीतिमा थप चाप पर्न सक्छ । आगामी दिनमा पुनर्निर्माणका लागि नीजि र सरकारी क्षेत्रबाट ठूलो रकम अर्थतन्त्रमा प्रवाहित हुने हुनाले उपभोक्ता मूल्यमा चाप पर्नेछ । निर्माण सामाग्री र श्रमशक्तिको उच्च माग सिर्जना हुने हुँदा गैरकृषि क्षेत्र र सेवा क्षेत्रमा समेत उच्च मूल्य वृद्धिको चाप पर्न सक्छ । अर्कोतर्फ, मौसमको प्रतिकूलताका कारण कृषि क्षेत्र प्रभावित भईसकेको अवस्थामा कृषिजन्य वस्तुहरुको मूल्यमा पनि चाप पर्ने अवस्था छ । निर्माण क्षेत्रमा श्रमशक्तिको उच्च मागले गर्दा श्रमशक्तीको अभाव भई ज्यालादर बढ्न गई वस्तु र सेवाको मूल्य बढ्ने हुँदा लागत प्रभावी मूद्रास्फीति (Cost Push Inflation) हुने अनुमान छ ।

१५.१० खासगरी निर्माण सामाग्रीहरु (स्टिल, फिटिंगका सामान, सिमेण्ट, ईट्टा, टिम्बर आदि) को उच्च माग स्वदेशी उत्पादनले धान्न नसक्ने हुनाले आयात बढ्ने तर

निर्यात बृद्धि हुन नसक्नुले भुक्तानी सन्तुलनमा प्रतिकूल अवस्था आउने अनुमान छ ।

१५.११ भूकम्पको प्रभावले पर्यटन क्षेत्रमा आउनसक्ने सुस्तता, तत्काल बैक कर्जामा हुन सक्ने न्यूनता र घर जग्गा (Real Estate and Housing) क्षेत्रमा भएको क्षतिले बैंकिंग क्षेत्रमा जोखिम बढ्न सक्ने भएतापनि कृषि क्षेत्रमा मुख्य योगदान दिने बालीको उत्पादनमा मौसम प्रतिकूल नहुने, देशको ठूलो औद्योगिक क्षेत्र तराईमा भूकम्पको असर नपरेको, ठूला जलविद्युत आयोजनाहरूमा खासै असर नपरेको, पुनर्निर्माण र नवनिर्माणको क्रममा निर्माण क्षेत्रको गतिविधि बढ्ने तथा थोक र खुद्रा व्यापार क्षेत्रमा थप बढोत्तरी हुने जस्ता कारणहरूले आगामी वर्षमा आर्थिक वृद्धिदरमा सकारात्मक असर पर्ने अनुमान छ ।

१५.१२ भूकम्पबाट भएको क्षतिको प्रारम्भिक अनुमान अनुसार पुनर्निर्माण र नवनिर्माणका लागि रु. ६६९.५ अर्ब लाग्ने अनुमान छ । यस मध्ये सबै भन्दा बढी सामाजिक क्षेत्रमा रु. ४०७.७ अर्ब (६०.९ प्रतिशत) लाग्ने अनुमान छ । त्यसैगरी, उत्पादनमूलक क्षेत्रमा रु. ११५.६ अर्ब (१७.३ प्रतिशत), पूर्वाधार क्षेत्रमा रु. ७४.३ अर्ब (११.१ प्रतिशत) र अन्यमा रु. ७१.९ अर्ब (१०.७ प्रतिशत) लाग्ने अनुमान छ । भूकम्पको कारणबाट नीजि भवन, सरकारी भवन र विद्यालय भवनहरूमा भएको ठूलो क्षतिको कारण पुनर्निर्माण र नवनिर्माणमा आवास क्षेत्रको अंश सबै भन्दा बढी (४९.० प्रतिशत) रहेको हो ।



तालिका १५ (ख) : पुनर्निर्माण र नवनिर्माणको लागि स्रोत आवश्यकता

| क्षेत्र | आवश्यक रकम (रु. करोडमा) | अंश (प्रतिशत) |
|----------------------------------|-------------------------|---------------|
| सामाजिक क्षेत्र | ४०७७४.७ | ६०.९ |
| आवास | ३२७७६.२ | ४९.० |
| स्वास्थ्य | १४६९.० | २.२ |
| पोषण | ५०३.६ | ०.८ |
| शिक्षा | ३९७०.६ | ५.९ |
| सांस्कृतिक सम्पदा | २०५५.३ | ३.१ |
| उत्पादनमूलक क्षेत्र | ११५६१.८ | १७.३ |
| कृषि | १५५६.१ | २.३ |
| सिंचाई | ४६.७ | ०.१ |
| वाणिज्य | २००५.१ | ३.० |
| उद्योग | ७३५.७ | १.१ |
| पर्यटन | ३८७१.० | ५.८ |
| वित्त | ३३४७.२ | ५.० |
| पूर्वाधार क्षेत्र | ७४२६.६ | ११.१ |
| विद्युत | १८५८.६ | २.८ |
| संचार | ४९३.९ | ०.७ |
| सामुदायिक पूर्वाधार | ४४५.० | ०.७ |
| यातायात | २८१८.५ | ४.२ |
| पानी तथा ढल निकास | १८१०.६ | २.७ |
| अन्य (Cross Cutting) | ७१८७.३ | १०.७ |
| सुशासन | १८४४.२ | २.८ |
| प्राकृतिक प्रकोप जोखिम न्यूनीकरण | ८२०.४ | १.२ |
| वन तथा वातावरण | २५१९.७ | ३.८ |
| रोजगारी तथा जीवनस्तर | १२५४.७ | १.९ |
| सामाजिक सुरक्षा | ६३९.८ | १.० |
| लैंगिक तथा सामाजिक समावेशी | १०८.६ | ०.२ |
| जम्मा | ६६९५०.५ | १०० |

स्रोत: पि.डि.एन.ए. रिपोर्ट, राष्ट्रिय योजना आयोग

तालिकाहरु

तालिका सूची

| तालिका नं. | विषय | पृष्ठ |
|-----------------------------|---|-------|
| १. आर्थिक गतिविधि | | |
| १.१ | कुल मूल्य अभिवृद्धि (औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार-प्रचलित मूल्यमा) | १ |
| १.२ | कुल मूल्य अभिवृद्धि (औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार-स्थिर मूल्यमा) | २ |
| १.३ | कुल उत्पादन (औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार-प्रचलित मूल्यमा) | ३ |
| १.४ | कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको वार्षिक वृद्धिदर (औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार-स्थिर मूल्यमा) | ४ |
| १.५ | कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको संरचना (औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार-प्रचलित मूल्यमा) | ५ |
| १.६ | कुल गार्हस्थ्य उत्पादन, कुल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धिदर तथा मूल्य सूचकाङ्क (वृहत् औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार) | ६ |
| १.७ | कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (व्यय विधि अनुसार-प्रचलित मूल्यमा) | ७ |
| १.८ | कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (व्यय विधि अनुसार-स्थिर मूल्यमा) | ८ |
| १.९ | मध्यवर्ती उपभोग (औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार-प्रचलित मूल्यमा) | ९ |
| १.१० | कुल राष्ट्रिय खर्चयोग्य आम्दानी र बचत -प्रचलित मूल्यमा | १० |
| १.११ | कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको मूल्य सूचकाङ्क (इम्प्लिसिट) | ११ |
| १.१२ | समष्टिगत आर्थिक परिसूचकहरू | १२ |
| २. सार्वजनिक वित्त | | |
| २.१ | सरकारी खर्च र साधनको स्रोत | १३ |
| २.२ | कर राजस्व | १४ |
| २.३ | गैहकर राजस्व | १५ |
| २.४ | चालु खर्चको सेवा तथा कार्यगत विवरण | १७ |
| २.५ | पूँजीगत खर्चको सेवा तथा कार्यगत विवरण | १८ |
| २.६ | ऋणको साँवा भुक्तानी, संस्थानहरूमा ऋण तथा शेयर लगानी | २० |
| २.७ | स्वीकृत वैदेशिक सहायता रकम (स्रोत अनुसार) | २१ |
| २.८ | वैदेशिक सहायता उपयोग (स्रोत अनुसार) | २१ |
| २.९ | प्राप्त वैदेशिक अनुदानको सेवा तथा कार्यगत विवरण | २२ |
| २.१० | प्राप्त वैदेशिक ऋणको विवरण | २४ |
| २.११ | खुद वैदेशिक ऋण | २६ |
| २.१२ | सरकारी ऋणपत्रहरू र ट्रेजरी बिलहरूको स्वामित्वको विवरण | २७ |
| ३. मूल्य तथा आपूर्ति | | |
| ३.१ | शहरी क्षेत्रको समग्र उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क | २८ |
| ३.२(क) | समूहगत उपभोग्य वस्तुहरूको राष्ट्रिय उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क, वार्षिक | २९ |

| | | |
|-------------------------------|--|----|
| ३.२(ख) | समूहगत उपभोग्य वस्तुहरूको राष्ट्रिय उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क (प्रथम आठ महिना) | ३० |
| ३.२(ग) | समूहगत उपभोग्य वस्तुहरूको उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क (काठमाण्डौं), प्रथम आठ महिना | ३१ |
| ३.२(घ) | समूहगत उपभोग्य वस्तुहरूको उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क (तराई), प्रथम आठ महिना | ३२ |
| ३.२(ङ) | समूहगत उपभोग्य वस्तुहरूको उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क (पहाड), प्रथम आठ महिना | ३३ |
| ३.३(क) | राष्ट्रिय थोक मूल्य सूचकाङ्क (वार्षिक) | ३४ |
| ३.३(ख) | राष्ट्रिय थोक मूल्य सूचकाङ्क (प्रथम आठ महिना) | ३५ |
| ३.३(ग) | राष्ट्रिय थोक मूल्य सूचकाङ्क (वार्षिक औषत) | ३६ |
| ३.४(क) | राष्ट्रिय तलब तथा ज्यालादर सूचकाङ्क (वार्षिक) | ३७ |
| ३.४(ख) | राष्ट्रिय तलब तथा ज्यालादर सूचकाङ्क (प्रथम आठ महिना) | ३८ |
| ३.४(ग) | राष्ट्रिय तलब तथा ज्यालादर सूचकाङ्क (वार्षिक औषत) | ३९ |
| ३.५ | केही प्रमुख वस्तुहरूको सरदर खुद्रा बजार मूल्य | ४० |
| ३.६(क) | पेट्रोलियम पदार्थको मुल्य स्थिति (थोक विक्रि मुल्य) मु.अ.कर सहित | ४१ |
| ३.६(ख) | पेट्रोलियम पदार्थको मूल्य स्थिति (काठमाण्डौं उपत्यका) | ४२ |
| ३.७ | पेट्रोलियम पदार्थको आपूर्ति स्थिति | ४२ |
| ४. मुद्रा तथा बैकिङ | | |
| ४.१ | मौद्रिक सर्वेक्षण | ४३ |
| ४.२(क) | मुद्रा प्रदायमा प्रभाव पार्ने कारकहरू (वार्षिक परिवर्तन, रकममा) | ४४ |
| ४.२(ख) | मुद्रा प्रदायमा प्रभाव पार्ने कारकहरू (वार्षिक परिवर्तन, प्रतिशतमा) | ४५ |
| ४.३ | बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको साधनको स्रोत र उपयोग | ४६ |
| ४.४ | वाणिज्य बैंकहरूको साधनको स्रोत र उपयोग | ४७ |
| ४.५ | वाणिज्य बैंकहरूबाट असुल हुन बाँकी कर्जाको क्षेत्रगत विवरण | ४८ |
| ४.६ | विकास बैंक ("ख" वर्गका वित्तीय संस्था) हरूको साधनको स्रोत र उपयोगको विवरण | ४९ |
| ४.७ | वित्त कम्पनी ("ग" वर्गका वित्तीय संस्था) को वित्तीय साधन तथा उपयोगको विवरण | ५० |
| ४.८ | लघु वित्त विकास बैंकहरू (ग्रामीण विकास बैंक समेत) को साधनको स्रोत र उपयोग | ५१ |
| ४.९ | नेपाल राष्ट्र बैंकबाट स्वीकृति प्राप्त वित्तीय सहकारी संस्थाहरूको साधनको स्रोत र उपयोग | ५२ |
| ४.१० | कर्मचारी संचय कोषको साधनको स्रोत र उपयोग | ५३ |
| ४.११ | नागरिक लगानी कोषको साधनको स्रोत र उपयोग | ५४ |
| ५. पुँजी बजार तथा बीमा | | |
| ५.१ | प्राथमिक बजार प्रवृत्तिको स्थिति | ५५ |
| ५.२ | दोस्रो बजार प्रवृत्तिको स्थिति | ५६ |
| ५.३ | जीवन तथा निर्जीवन बीमा कम्पनीहरूको स्रोत तथा उपयोग | ५७ |

| | | |
|----------------------------------|---|----|
| ६. बाह्य क्षेत्र | | |
| ६.१ | बैदेशिक व्यापारको स्थिति | ५८ |
| ६.२ | वस्तुगत व्यापार (एस.आइ.टि.सी. समूह) | ५९ |
| ६.३ | भारत निर्यात भएका केही प्रमुख वस्तुहरू | ६० |
| ६.४ | अन्य मुलुकतर्फ निर्यात भएका केही प्रमुख वस्तुहरू | ६१ |
| ६.५ | भारतबाट आयात भएका केही प्रमुख वस्तुहरू | ६२ |
| ६.६ | अन्य मुलुकबाट आयात भएका केही प्रमुख वस्तुहरू | ६३ |
| ६.७ | परिवर्त्य विदेशी विनिमयको आय व्यय | ६४ |
| ६.८ | बैंकहरूसँग रहेको कुल वैदेशिक सम्पत्ति | ६५ |
| ६.९ | शोधनान्तर स्थिति | ६६ |
| ७. गरिबी निवारण र रोजगारी | | |
| ७.१ | देशगत बैदेशिक रोजगारीको स्थिति | ६८ |
| ८. कृषि, भूमिसुधार तथा वन | | |
| ८.१ | प्रमुख खाद्यान्न बाली लगाएको क्षेत्रफल, उत्पादन र उत्पादकत्व | ६९ |
| ८.२ | प्रमुख नगदे बाली लगाएको क्षेत्रफल, उत्पादन र उत्पादकत्व | ७० |
| ८.३ | अन्य बाली उत्पादन स्थिति | ७१ |
| ८.४ | पशुजन्य उत्पादन स्थिति | ७१ |
| ८.५ | कृषिजन्य वस्तुहरूको परिमाणात्मक सूचकाङ्क | ७२ |
| ८.६ | रासायनिक मलको बिक्री वितरण र प्रयोगदर | ७३ |
| ८.७ | थप सिंचाई विस्तार | ७३ |
| ८.८ | रासायनिक मलको मूल्य | ७४ |
| ९. उद्योग क्षेत्र | | |
| ९.१ | दर्ता भएका घरेलु तथा साना उद्योगको संख्या र स्थिर पुँजी लगानी | ७५ |
| ९.२(क) | औद्योगिक क्षेत्रहरूको वर्तमान स्थिति (आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को असार मसान्त सम्म) | ७६ |
| ९.२(क१) | औद्योगिक क्षेत्रको वर्तमान स्थिति (आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को असार मसान्त सम्म) | ७७ |
| ९.२(ख) | औद्योगिक क्षेत्रहरूको वर्तमान स्थिति (आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को फागुन मसान्त सम्म) | ७८ |
| ९.२(ख१) | औद्योगिक क्षेत्रको वर्तमान स्थिति (आर्थिक वर्ष २०७०/७१ को फागुन मसान्त सम्म) | ७९ |
| ९.३ | पर्यटक संख्या वृद्धिदर तथा बसाइँ अवधि | ८० |
| ९.४ | भ्रमणको उद्देश्यअनुसार पर्यटक आगमन संख्या | ८१ |
| ९.५ | प्रमुख मुलुकगत पर्यटक आगमन संख्या | ८२ |
| ९.६ | पर्यटन क्षेत्रबाट आर्जित विदेशी मुद्रा | ८३ |
| ९.७ | होटल र होटल शैया संख्या | ८३ |
| ९.८ | पर्वतारोहण दल र संख्या | ८४ |

| | | |
|-------------------------------|--|-----|
| १९.९ | होमस्टे, होटल व्यवस्थापन तथा पर्यटन सम्बन्धी तालीम | ८५ |
| १०. भौतिक पूर्वाधार | | |
| १०.१ | ऊर्जा खपतको स्थिति | ८६ |
| १०.२ | विद्युत उत्पादन तथा खपतको स्थिति | ८७ |
| १०.३ | पेट्रोलियम पदार्थको खपत विवरण | ८८ |
| ११. यातायात तथा सञ्चार | | |
| ११.१ | सडक सुविधाको विस्तार | ८९ |
| ११.२(क) | थप सवारी साधन संख्या | ८९ |
| ११.२(ख) | सवारी दर्ताको विवरण (आर्थिक वर्ष २०७१/७२ को फागुन मसान्तसम्म) | ९० |
| १३. सामाजिक क्षेत्र | | |
| १३.१ | प्राविधिक तथा व्यावसायिक तालिम कार्यक्रमहरू | ९१ |
| १३.२ | सम्बन्धनप्राप्त उच्च माध्यमिक विद्यालयहरूको क्षेत्रगत विवरण | ९२ |
| १३.३ (क) | आधारभूत तहमा शिक्षक तालिम सम्बन्धी संख्यात्मक विवरण | ९३ |
| १३.३ (ख) | माध्यमिक तहमा शिक्षक तालिम सम्बन्धी संख्यात्मक विवरण | ९३ |
| १३.४ | प्राथमिक, निम्न माध्यमिक र माध्यमिक शिक्षक संख्या | ९४ |
| १३.५ | प्राथमिक, निम्न माध्यमिक र माध्यमिक विद्यालय तथा विद्यार्थीहरूको संख्या | ९५ |
| १३.६ (क) | सरकारी तथा निजीस्तरमा सञ्चालित विद्यालय, विद्यार्थी तथा शिक्षकहरूको विकास क्षेत्र अनुसार प्राथमिक (१-५) तहको संख्या | ९६ |
| १३.६ (ख) | सरकारी तथा निजीस्तरमा सञ्चालित विद्यालय, विद्यार्थी तथा शिक्षकहरूको विकास क्षेत्र अनुसार निम्नमाध्यमिक (६-८) तहको संख्या | ९७ |
| १३.६ (ग) | सरकारी तथा निजीस्तरमा सञ्चालित विद्यालय, विद्यार्थी तथा शिक्षकहरूको विकास क्षेत्र अनुसार माध्यमिक (९-१०) तहको संख्या | ९८ |
| १३.७ | एस.एल.सी. नियमित परीक्षामा सम्मिलित र उत्तीर्ण विद्यार्थीहरूको विवरण | ९९ |
| १३.८ | उच्च शिक्षामा अध्ययन गर्ने विद्यार्थी संख्या | १०० |
| १३.९ | त्रिभुवन विश्वविद्यालयको विद्यार्थी उत्पादन विवरण | १०१ |
| १३.१० | प्रमुख स्वास्थ्य सूचक र उपलब्धि | १०२ |
| १३.११ | खानेपानी तथा ढल निकास सुविधाको विस्तार | १०३ |
| १४. सार्वजनिक संस्थान | | |
| १४.१ | सार्वजनिक संस्थानहरूको वित्तीय कार्यकुशलता | १०४ |

तालिका १.१ : कुल मूल्य अभिवृद्धि (औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार)

(प्रचलित मूल्यमा)

(रु. करोडमा)

| औद्योगिक वर्गीकरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | |
|---|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|
| | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१सं | २०७१/७२ प्रा. |
| कृषि तथा वन | १९६८.६ | २०८५९.१ | २२३५३.६ | २४३३२.३ | ३०५४७.७ | ३९१५१.९ | ४७३२७.० | ५००४६.५ | ५२७८६.९ | ५७६२८.० | ६११७०.५ |
| मत्स्यपालन | २६८.२ | ३११.३ | ३२८.७ | ३८६.८ | ४०७.६ | ४२३.६ | ४८७.९ | ५८१.९ | ६६४.६ | ८६५.९ | ९२६.१ |
| खानी तथा उत्खनन | २७४.८ | ३१३.४ | ३४१.७ | ४३७.५ | ५०८.४ | ५९२.६ | ६९५.६ | ८१६.६ | ९५६.९ | ११००.३ | ११९६.१ |
| उद्योग | ४४८८.५ | ४७८४.० | ५२१७.२ | ५७१८.५ | ६५४४.७ | ७०९२.४ | ८०५३.१ | ९११६.४ | १००३१.२ | ११२९९.५ | १२३३०.२ |
| विद्युत, ग्याँस तथा पानी | १२७८.२ | १३१७.२ | १४८४.१ | १५२१.९ | १४६२.९ | १५२४.४ | १६००.२ | १७५१.८ | २०५५.३ | २१४१.० | २१७०.० |
| निर्माण | ३६६४.४ | ४०९५.२ | ४५०९.९ | ५४१३.४ | ६३७४.१ | ७७२८.९ | ८९३५.६ | ९८५३.९ | १०९४८.८ | १२५८४.६ | १३९७०.१ |
| शोक तथा खुद्रा व्यापार | ७९८३.९ | ९०२१.४ | ९२६४.८ | १०५३०.६ | १२४१२.१ | १६१०६.७ | १७९३०.६ | १९८१६.४ | २२९८७.२ | २६६९९.९ | २९०३६.८ |
| होटल तथा रेष्टुराँ | ८८९.५ | ९३९.८ | १००४.३ | ११५०.३ | १३९४.३ | १७३५.७ | २१०५.७ | २५३०.७ | २९८८.६ | ३५३०.९ | ४०५९.५ |
| यातायात, संचार तथा भण्डारण | ५१३३.६ | ६१२५.० | ६९५५.५ | ७६८१.८ | ९२६१.८ | ९५३०.४ | १०५८३.४ | १२२३५.४ | १४०७३.५ | १५८८५.१ | १६७४२.१ |
| वित्तीय मध्यस्थता | १७३४.२ | २१९७.९ | २८४६.७ | ३३५३.९ | ३९१०.० | ४६०८.३ | ५०११.१ | ५८५२.९ | ६२१८.३ | ६८२७.६ | ७२७२.८ |
| रियल इष्टेट, भाडा तथा व्यावसायिक सेवाहरू | ४९२४.२ | ६००४.२ | ७०७९.१ | ७३६३.६ | ८१६२.५ | ९३७४.७ | १०६२३.६ | १२३२१.३ | १३९१५.७ | १५२९८.४ | १७३९७.३ |
| सार्वजनिक प्रशासन र रक्षा | ९५४.८ | १०९६.७ | १२२२.७ | १४३५.२ | १८५५.६ | २१६९.५ | २४८३.० | ३०५४.७ | ३२३३.६ | ४४३२.४ | ५१५९.३ |
| शिक्षा | ३१६७.१ | ३४९९.६ | ४०९३.९ | ४८७२.२ | ६२६४.२ | ६१३८.४ | ६७७३.९ | ८१७९.७ | ९१५६.६ | ११५२५.४ | १३१२०.७ |
| स्वास्थ्य र सामाजिक कार्य | ७०१.७ | ७८४.२ | ८५६.८ | १०९६.३ | १३७४.४ | १५३८.२ | १७०८.७ | २०४३.१ | २२३२.७ | २७७२.५ | ३३३८.६ |
| अन्य सामुदायिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सेवाहरू | १५२६.२ | १६८४.० | २१७७.४ | २६५०.० | ३४०८.९ | ४१४२.३ | ४६९४.७ | ५५४६.१ | ५८०२.६ | ७३५४.१ | ७९९५.४ |
| कुल मूल्य अभिवृद्धि (अप्रत्यक्ष वित्तीय मध्यस्थता समेत) | ५६६५७.९ | ६३०३३.० | ६९७३६.६ | ७७९४४.२ | ९३८८९.० | १११८५७.१ | १२९०१४.२ | १४३७४४.४ | १५८०४२.६ | १७९९४५.६ | १९५८८५.५ |
| अप्रत्यक्ष वित्तीय मध्यस्थता | १८०९.४ | १९२१.२ | २१५०.५ | २४१८.५ | २९३६.२ | ३५१५.६ | ४१६६.० | ४९९९.२ | ५५२०.५ | ६३४३.५ | ६४८६.१ |
| कुल मूल्य अभिवृद्धि (Gross Value Added), (आधारभूत मूल्यमा) | ५४८४८.५ | ६११११.८ | ६७५८५.९ | ७५५२५.७ | ९०९५२.८ | १०८३४१.५ | १२४८४८.२ | १३८७४८.२ | १५२५२२.१ | १७३६०२.२ | १८९३९९.४ |
| उत्पादित वस्तुहरूमा खुद कर | ४०९२.७ | ४२९६.६ | ५१९६.८ | ६०४०.१ | ७८७४.४ | १०९३५.८ | ११८४७.२ | १३९८६.२ | १६९७९.० | २०५६०.२ | २३०६५.६ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (उत्पादकको मूल्यमा) | ५८९४१.२ | ६५४०८.४ | ७२७८२.७ | ८१५६५.८ | ९८८२७.२ | ११९२७७.४ | १३६६९५.४ | १५२७३४.४ | १६९५०१.१ | १९४१६२.४ | २१२४६५.० |

टिप्पणी Nepal Standards Industrial Classification (NSIC), प्रमुख खण्ड १६ र १७ को अंश नगण्य भएकोले प्रमुख खण्ड १५ मै गाभिएको छ ।

सं. = संशोधित, प्रा. = प्रारम्भिक

स्रोत : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग

तालिका १.२ : कुल मूल्य अभिवृद्धि (औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार)

आधार वर्ष २०१७/१८ को मूल्यमा

(रु. करोडमा)

| औद्योगिक वर्गीकरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | |
|--|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|
| | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१सं | २०७१/७२ प्रा. |
| कृषि तथा वन | १७७३०.४ | १८०२६.० | १८१९५.८ | १९२५१.४ | १९८२५.७ | २०२१९.६ | २११२७.१ | २२०९५.० | २२३३१.० | २२९६४.३ | २३३७४.६ |
| मत्स्यपालन | २५०.७ | २७५.५ | २८३.८ | ३०४.५ | ३२०.७ | ३३२.१ | ३५१.६ | ३७८.१ | ३८८.३ | ४०७.४ | ४३३.१ |
| खानी तथा उत्खनन् | २१६.९ | २३४.८ | २३८.३ | २५१.३ | २५३.१ | २५८.५ | २६३.७ | २७७.० | २८२.५ | २९७.६ | ३००.२ |
| उद्योग | ३८१३.६ | ३८८९.८ | ३९८९.१ | ३९५४.५ | ३९१३.२ | ४०२९.१ | ४१९२.३ | ४३४४.५ | ४५०५.९ | ४७८८.८ | ४९०१.५ |
| विद्युत्, ग्याँस तथा पानी | ११११.७ | ११५६.२ | १३०६.५ | १३२०.४ | १२७५.० | १२९८.९ | १३५६.४ | १४६९.० | १४७३.१ | १५२४.८ | १५४२.५ |
| निर्माण | २८५०.३ | ३०६९.० | ३१४५.३ | ३३०४.३ | ३३३७.१ | ३५४३.० | ३७१२.६ | ३७२०.७ | ३८११.९ | ४०८३.७ | ४२२९.३ |
| धोक तथा खुद्रा व्यापार | ६५६९.४ | ६८०९.९ | ६४२९.२ | ६६९६.२ | ७०४८.१ | ७५२३.७ | ७६२९.८ | ७८९६.७ | ८४६९.३ | ९२३२.७ | ९५४९.१ |
| होटल तथा रेस्टुरा | ७५२.५ | ८००.१ | ८२७.८ | ८८५.१ | ९०५.६ | ९६४.६ | १०२४.४ | ११००.० | ११६०.५ | १२३९.१ | १२८८.४ |
| यातायात, संचार तथा भण्डारण | ४०९८.५ | ४२००.१ | ४४०९.४ | ४८२२.६ | ५१५८.५ | ५४६५.७ | ५७५०.४ | ६२१६.० | ६६९१.५ | ७२४६.० | ७६२५.१ |
| वित्तीय मध्यस्थता | १५९५.७ | १९८४.३ | २२१०.३ | २४१४.२ | २४६३.२ | २५३२.७ | २६१६.३ | २७०७.१ | २६८२.५ | २७८१.८ | २८१९.८ |
| रियल इष्टेट, भाडा तथा व्यावसायिक सेवाहरू | ३४७०.० | ३६९०.० | ४१२४.० | ४५५४.४ | ४६४२.१ | ४७८१.८ | ४८८९.४ | ५०३४.६ | ५२९६.१ | ५४८८.९ | ५५३१.३ |
| सार्वजनिक प्रशासन र रक्षा | ८५५.१ | ९१३.९ | ९२६.२ | ९३१.९ | १००१.२ | १०४०.५ | १०८०.६ | ११२०.३ | ११८२.२ | १२४१.८ | १३१३.४ |
| शिक्षा | २७६०.६ | २८६४.० | ३०७३.८ | ३२७१.६ | ३६२३.३ | ३८६३.८ | ३९७९.९ | ४२०१.९ | ४४५०.५ | ४६६४.६ | ४८९६.३ |
| स्वास्थ्य र सामाजिक कार्य | ६१०.९ | ६४७.० | ६८८.८ | ७४७.४ | ८१९.१ | ८५८.१ | ९०१.२ | ९५९.१ | १००२.१ | १०४७.२ | ११५२.३ |
| अन्य सामुदायिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सेवाहरू | १३४८.३ | १३३९.३ | १६६४.३ | १८२०.४ | २०५२.० | २२९६.६ | २४५९.९ | २६१६.३ | २७४१.६ | २८७२.२ | ३०२५.२ |
| कृषि | १७९८१.० | १८३०१.५ | १८४७९.६ | १९५५५.९ | २०१४६.४ | २०५५१.७ | २१४७८.६ | २२४७३.० | २२७१९.३ | २३३७१.७ | २३८०७.७ |
| गैह्र कृषि | ३००५३.५ | ३१६५२.५ | ३३०३३.१ | ३४९७४.४ | ३६५९१.४ | ३८४५७.० | ३९८५६.९ | ४१६६३.१ | ४३७४६.६ | ४६५०९.३ | ४८१७४.६ |
| कुल मूल्य अभिवृद्धि (अप्रत्यक्ष वित्तीय मध्यस्थतासमेत) | ४८०३४.५ | ४९९५४.० | ५१५१२.७ | ५४५३०.३ | ५६६३७.७ | ५९००८.६ | ६१३३५.५ | ६४१३६.२ | ६६४६९.० | ६९८८१.० | ७१९८२.३ |
| अप्रत्यक्ष वित्तीय मध्यस्थता | १७१८.० | १९१०.५ | २१४७.६ | २३०४.३ | २३७२.५ | २४३२.७ | २५८२.१ | २६७२.५ | २६९१.९ | २८८३.० | २९४७.४ |
| कुल मूल्य अभिवृद्धि (आधारभूत मूल्यमा) | ४६३१६.५ | ४८०४३.५ | ४९३६५.१ | ५२२२६.० | ५४२६५.२ | ५६५७५.९ | ५८७५३.४ | ६१४६३.७ | ६३७७७.१ | ६६९९८.० | ६९०३४.९ |
| उत्पादित वस्तुहरूमा खुद कर | ३४५७.४ | ३५०५.१ | ३८८८.८ | ४२२५.७ | ४७४५.५ | ५२७७.० | ५२१६.० | ५५६४.३ | ६०१.३ | ६५५२.८ | ६९८९.४ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (उत्पादकको मूल्यमा) | ४९७७३.९ | ५१५४८.६ | ५३२०३.८ | ५६४५१.७ | ५९०१०.७ | ६१८५२.९ | ६३९६९.४ | ६७०२७.९ | ६९७९५.४ | ७३५५०.८ | ७६०२४.३ |

सं. = संशोधित, प्रा. = प्रारम्भिक

स्रोत : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग

तालिका १.३ : कुल उत्पादन (औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार)

(प्रचलित मूल्यमा)

(रु. करोडमा)

| औद्योगिक वर्गीकरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | |
|---|----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|
| | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१सं | २०७१/७२ प्रा. |
| कृषि तथा वन | २६२२७.७ | २७८०५.६ | २९९३८.५ | ३२९४०.१ | ४०९९८.७ | ५१४८७.१ | ६२३३०.३ | ६६५७४.७ | ७०२१३.२ | ७७१०६.६ | ८१७१२.७ |
| मत्स्यपालन | ३१८.१ | ३६१.४ | ३७९.० | ४३७.३ | ४५८.३ | ४७४.६ | ५४६.६ | ६५१.९ | ७४४.६ | ९७०.१ | १०३७.५ |
| खानी तथा उत्खनन् | ३४५.६ | ३९४.३ | ४२९.६ | ५५०.८ | ६३९.७ | ७४६.१ | ८७५.१ | १०२६.४ | १२०६.९ | १३८८.९ | १५१०.५ |
| उद्योग | १६०१८.६ | १७०८७.५ | १८६४९.६ | २०४१०.७ | २३३४०.८ | २५२८६.९ | २८९००.४ | ३२७५०.० | ३६००८.१ | ४०५६६.७ | ४४२८९.१ |
| विद्युत, ग्याँस तथा पानी | २१११.९ | २२६३.७ | २५१०.६ | २६४१.८ | २६२७.३ | २९४७.८ | ३१४९.२ | ३४९१.९ | ४०९५.१ | ४३७०.० | ४४२४.३ |
| निर्माण | ७४१६.६ | ८३१४.७ | ९१७४.६ | १११६३.९ | १३१२७.८ | १५८७२.८ | १८२६१.४ | १९९३४.९ | २२०३२.१ | २५४५७.० | २८२३३.१ |
| थोक तथा खुद्रा व्यापार | ९५०६.१ | १०७३६.५ | ११०३२.५ | १२५७०.२ | १४८७५.९ | १९३०३.६ | २१४९०.७ | २३७५०.२ | २७५४६.२ | ३१९९२.७ | ३४७९४.१ |
| होटल तथा रेष्टुराँ | २८०५.१ | २९४७.७ | ३२४२.२ | ३७५३.६ | ४५३१.१ | ५६०४.१ | ६८३७.६ | ८२६३.४ | ९५०८.० | १०८९४.३ | १२०६३.९ |
| यातायात, संचार तथा भण्डारण | ९०३२.९ | १०७३४.८ | १२१७९.९ | १३३२२.५ | १५९२४.५ | १६४०२.४ | १८२७०.६ | २०९८७.० | २३७५६.९ | २६५६३.५ | २७८३३.८ |
| वित्तीय मध्यस्थता | २३०३.९ | २७९३.९ | ३६८९.७ | ४३९०.७ | ५१११.० | ५९९९.५ | ७१३९.५ | ८६६८.८ | ९७११.४ | १०४९५.३ | ११४४४.५ |
| रियल इष्टेट, भाडा तथा व्यावसायिक सेवाहरू | ६७६९.० | ८५६९.८ | १००५७.५ | १०७८८.७ | १२१२९.३ | १३९५८.१ | १५७२०.३ | १८०५०.१ | २०१४२.९ | २१९७९.३ | २४२४४.८ |
| सार्वजनिक प्रशासन र रक्षा | १२८४.४ | १४२८.८ | १६५२.४ | १९२२.४ | २४०३.० | २८८७.९ | ३३०७.० | ३९९२.८ | ४७७३.२ | ५१२४.५ | ५८६१.० |
| शिक्षा | ४११४.२ | ४४५७.९ | ५३३२.८ | ६३२६.३ | ८०८८.९ | ८२४९.५ | ९२७४.१ | १०९५०.२ | १२१३८.४ | १४३७८.७ | १५९९२.४ |
| स्वास्थ्य र सामाजिक कार्य | ९८२.६ | १०९३.० | १२६५.२ | १५३५.७ | १९००.९ | २१८६.३ | २४७२.७ | २८९५.५ | ३११६.९ | ३७४१.१ | ४४२२.५ |
| अन्य सामुदायिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सेवाहरू | २१७२.२ | २३६८.० | ३०९५.९ | ३७४५.३ | ४७२७.८ | ५८६२.९ | ६६४७.३ | ७८३७.२ | ८२९४.७ | १०६८३.२ | ११२७४.१ |
| मौद्रिक कुल उत्पादन (आधारभूत मूल्यमा) | ९१४०८.८ | १०१३९७.७ | ११२६३०.० | १२६४६०.१ | १५०८८५.० | १७७२६९.४ | २०५२२२.८ | २२९८२४.८ | २५२५८८.६ | २८५७१२.० | ३०९४८८.३ |

सं. = संशोधित, प्रा. = प्रारम्भिक

स्रोत : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग

तालिका १.४ : कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको वार्षिक वृद्धिदर (औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार)

(स्थिर मूल्यमा)

(प्रतिशत)

| औद्योगिक वर्गीकरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | |
|--|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|---------------|
| | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१सं | २०७१/७२ प्रा. |
| कृषि तथा वन | ३.४५ | १.६७ | ०.९४ | ५.८० | २.९८ | १.९९ | ४.४९ | ४.५८ | १.०७ | २.८४ | १.७९ |
| मत्स्यपालन | ७.१३ | ९.९१ | ३.०१ | ७.२९ | ५.३१ | ३.५५ | ५.८८ | ७.५३ | २.७१ | ४.९० | ६.३१ |
| खानी तथा उत्खनन | ६.८० | ८.२६ | १.४८ | ५.४६ | ०.७२ | २.१४ | २.०१ | ५.०३ | १.९८ | ५.३८ | ०.८६ |
| उद्योग | २.६२ | २.०० | २.५५ | -०.८७ | -१.०५ | २.९६ | ४.०५ | ३.६३ | ३.७२ | ६.२८ | २.३५ |
| विद्युत्, ग्याँस तथा पानी | ३.९७ | ४.०१ | १३.०० | १.०६ | -३.४४ | १.८७ | ४.४३ | ८.३० | ०.२८ | ३.५१ | १.१६ |
| निर्माण | २.९० | ७.६७ | २.४९ | ५.०६ | ०.९९ | ६.१७ | ४.७९ | ०.२२ | २.४५ | ७.१३ | ३.५६ |
| शोक तथा खुद्रा व्यापार | -६.२४ | ३.६६ | -५.५९ | ४.१५ | ५.२५ | ६.७५ | १.४१ | ३.५० | ७.२५ | ९.०१ | ३.४३ |
| होटल तथा रेष्टुराँ | -५.४१ | ६.३३ | ३.४६ | ६.९२ | २.३१ | ६.५२ | ६.२० | ७.३८ | ५.५० | ६.७७ | ३.९८ |
| यातायात, संचार तथा भण्डारण | ६.४३ | २.४८ | ४.९८ | ९.३७ | ६.९७ | ५.९५ | ५.२१ | ८.१० | ७.६५ | ८.२९ | ५.२३ |
| वित्तीय मध्यस्थता | २४.३० | २४.३५ | ११.३९ | ९.२३ | २.०३ | २.८२ | ३.३० | ३.४७ | -०.९१ | ३.७० | १.३७ |
| रियल इष्टेट, भाडा तथा व्यावसायिक सेवाहरू | १०.०३ | ६.३४ | ११.७६ | १०.४४ | १.९३ | ३.०१ | २.२५ | २.९७ | ५.१९ | ३.६४ | ०.७७ |
| सार्वजनिक प्रशासन र रक्षा | ६.६४ | ६.८८ | १.३५ | ०.६२ | ७.४३ | ३.९३ | ३.८५ | ३.६७ | ५.५३ | ५.०४ | ५.७६ |
| शिक्षा | ९.८२ | ३.७५ | ७.३३ | ६.४४ | १०.७५ | ६.६४ | ३.०१ | ५.५८ | ५.९२ | ४.८१ | ४.९७ |
| स्वास्थ्य र सामाजिक कार्य | ११.३३ | ५.९१ | ६.४६ | ८.५१ | ९.५९ | ४.७७ | ५.०२ | ६.४३ | ४.४८ | ४.५० | १०.०४ |
| अन्य सामुदायिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सेवाहरू | -३.३८ | ३.३४ | १९.४५ | ९.३८ | १२.७२ | ११.९२ | ७.११ | ६.३६ | ४.७९ | ४.७७ | ५.३३ |
| कृषि | ३.५० | १.७८ | ०.९७ | ५.८२ | ३.०२ | २.०१ | ४.५१ | ४.६३ | १.१० | २.८७ | १.८७ |
| गैह्र कृषि | ३.२४ | ५.३२ | ४.३६ | ५.८८ | ४.३४ | ५.३९ | ३.६४ | ४.५३ | ५.०१ | ६.३१ | ३.५८ |
| कुल मूल्य अभिवृद्धि (अप्रत्यक्ष वित्तीय मध्यस्थतासमेत) | ३.३४ | ४.०० | ३.१२ | ५.८६ | ३.८६ | ४.१९ | ३.९४ | ४.५७ | ३.६४ | ५.१३ | ३.०१ |
| अप्रत्यक्ष वित्तीय मध्यस्थता | ६.२३ | ११.२० | १२.४१ | ७.३० | २.९६ | २.५४ | ६.१४ | ३.५० | ०.७२ | ७.१० | २.२३ |
| कुल मूल्य अभिवृद्धि (आधारभूत मूल्यमा) | ३.२३ | ३.७३ | २.७५ | ५.८० | ३.९० | ४.२६ | ३.८५ | ४.६१ | ३.७६ | ५.०५ | ३.०४ |
| उत्पादित वस्तुहरूमा खुद कर | ६.८७ | -१.५१ | १२.७४ | १०.०८ | १२.३० | ११.२० | -१.१६ | ६.६८ | ८.१६ | ८.८८ | ६.६६ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (उत्पादकको मूल्यमा) | ३.४८ | ३.३६ | ३.४१ | ६.१० | ४.५३ | ४.८२ | ३.४२ | ४.७८ | ४.१३ | ५.३८ | ३.३६ |

सं. = संशोधित, प्रा. = प्रारम्भिक

स्रोत : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग

तालिका १.५ : कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको संरचना (औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार)
(प्रचलित मूल्यमा)

(प्रतिशतमा)

| औद्योगिक वर्गीकरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | |
|---|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|-----------|---------------|
| | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१सं | २०७१/७२ प्रा. |
| कृषि तथा वन | ३४.७ | ३३.१ | ३२.१ | ३१.२ | ३२.५ | ३५.० | ३६.७ | ३४.८ | ३३.४ | ३२.० | ३१.२ |
| मत्स्यपालन | ०.५ | ०.५ | ०.५ | ०.५ | ०.४ | ०.४ | ०.४ | ०.४ | ०.४ | ०.५ | ०.५ |
| खानी तथा उत्खनन् | ०.५ | ०.५ | ०.५ | ०.६ | ०.५ | ०.५ | ०.५ | ०.६ | ०.६ | ०.६ | ०.६ |
| उद्योग | ७.९ | ७.६ | ७.५ | ७.३ | ७.० | ६.३ | ६.२ | ६.३ | ६.३ | ६.३ | ६.३ |
| विद्युत, ग्याँस तथा पानी | २.३ | २.१ | २.१ | २.० | १.६ | १.४ | १.२ | १.२ | १.३ | १.२ | १.१ |
| निर्माण | ६.५ | ६.५ | ६.५ | ७.० | ६.८ | ६.९ | ६.९ | ६.९ | ६.९ | ७.० | ७.१ |
| थोक तथा खुद्रा व्यापार | १४.१ | १४.३ | १३.३ | १३.५ | १३.२ | १४.४ | १३.९ | १३.८ | १४.५ | १४.८ | १४.८ |
| होटल तथा रेष्टुराँ | १.६ | १.५ | १.४ | १.५ | १.५ | १.६ | १.६ | १.८ | १.९ | २.० | २.१ |
| यातायात, संचार तथा भण्डारण | ९.१ | ९.७ | १०.० | ९.९ | ९.९ | ८.५ | ८.२ | ८.५ | ८.९ | ८.८ | ८.५ |
| वित्तीय मध्यस्थता | ३.१ | ३.५ | ४.१ | ४.३ | ४.२ | ४.१ | ३.९ | ४.१ | ३.९ | ३.८ | ३.७ |
| रियल इष्टेट, भाडा तथा व्यावसायिक सेवाहरू | ८.७ | ९.५ | १०.२ | ९.५ | ८.७ | ८.४ | ८.२ | ८.६ | ८.८ | ८.५ | ८.९ |
| सार्वजनिक प्रशासन र रक्षा | १.७ | १.७ | १.८ | १.८ | २.० | १.९ | १.९ | २.१ | २.० | २.५ | २.६ |
| शिक्षा | ५.६ | ५.६ | ५.९ | ६.३ | ६.७ | ५.५ | ५.३ | ५.७ | ५.८ | ६.४ | ६.७ |
| स्वास्थ्य र सामाजिक कार्य | १.२ | १.२ | १.२ | १.४ | १.५ | १.४ | १.३ | १.४ | १.४ | १.५ | १.७ |
| अन्य सामुदायिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सेवाहरू | २.७ | २.७ | ३.१ | ३.४ | ३.६ | ३.७ | ३.६ | ३.९ | ३.७ | ४.१ | ४.१ |

सं. = संशोधित, प्रा. = प्रारम्भिक

स्रोत : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग

तालिका १.६ : कुल गार्हस्थ्य उत्पादन, कुल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धिदर तथा मूल्य सूचकाङ्क (वृहत् औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार)

(रु. करोडमा)

| वर्गीकरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | |
|---|-------------|---------|---------|---------|---------|----------|----------|----------|----------|-----------|---------------|
| | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१सं | २०७१/७२ प्रा. |
| आधारभूत मूल्यमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (प्रचलित मूल्यमा) | ५४८४.५ | ६१११.८ | ६७५८.९ | ७५५२.७ | ९०९५२.८ | १०८३४१.५ | १२४८४८.२ | १३८७४८.२ | १५२५२२.१ | १७३६०२.२ | १८९३९९.४ |
| प्राथमिक क्षेत्र | २०२११.६ | २१४८३.८ | २३०२४.० | २५१५६.६ | ३१४६३.७ | ४०१६८.१ | ४८५१०.५ | ५१४४५.० | ५४४४५.० | ५९५९४.२ | ६३२९२.६ |
| द्वितीय क्षेत्र | ९४३१.१ | १०१९६.४ | ११२११.२ | १२६५३.८ | १४३८१.६ | १६३४५.७ | १८५८८.९ | २०७२२.१ | २३०३५.३ | २६०२५.१ | २८४७०.३ |
| तृतीय क्षेत्र | २७०१५.२ | ३१३५२.८ | ३५५०१.२ | ४०१३३.८ | ४८०४३.६ | ५५३४३.३ | ६१९१४.८ | ७१५८०.३ | ८०५९८.९ | ९४३२६.४ | १०४१२२.६ |
| आधारभूत मूल्यमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादन(स्थिरमूल्यमा) | ४६३१६.५ | ४८०४३.५ | ४९३६५.१ | ५२२२६.० | ५४२६५.२ | ५६५७५.९ | ५८७५३.४ | ६१४६३.७ | ६३७७७.१ | ६६९९८.० | ६९०३४.९ |
| प्राथमिक क्षेत्र | १८१९७.९ | १८५३६.३ | १८७१७.९ | १९८०७.२ | २०३९९.५ | २०८१०.२ | २१७४२.४ | २२७५०.० | २३००१.८ | २३६६९.३ | २४१०७.९ |
| द्वितीय क्षेत्र | ७७७५.६ | ८११५.० | ८४४०.९ | ८५७९.२ | ८५२५.३ | ८८७१.० | ९२६१.३ | ९५३४.२ | ९७९०.९ | १०३९७.४ | १०६७३.३ |
| तृतीय क्षेत्र | २२०६०.९ | २३३०२.६ | २४३५३.९ | २६१४३.८ | २७७१३.० | २९३२७.५ | ३०३३१.९ | ३१८५२.० | ३३६७६.३ | ३५८१४.३ | ३७१९८.२ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको वार्षिक वृद्धि दर (आधारभूत मूल्यमा) (प्रतिशतमा) | ३.२ | ३.७ | २.८ | ५.८ | ३.९ | ४.३ | ३.८ | ४.६ | ३.८ | ५.१ | ३.० |
| यातायात, संचार तथा भण्डारण | ३.५ | १.९ | १.० | ५.८ | ३.० | २.० | ४.५ | ४.६ | १.१ | २.९ | १.९ |
| द्वितीय क्षेत्र | २.९ | ४.४ | ४.० | १.६ | -०.६ | ४.१ | ४.४ | २.९ | २.७ | ६.२ | २.७ |
| तृतीय क्षेत्र | ३.३ | ५.६ | ४.५ | ७.४ | ६.० | ५.८ | ३.४ | ५.० | ५.७ | ६.३ | ३.९ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको इम्प्लिसिट मूल्य सूचकाङ्क | ११८.० | १२६.२ | १३५.४ | १४२.९ | १६५.८ | १८९.६ | २१०.३ | २२४.१ | २३७.८ | २५७.५ | २७२.१ |
| प्राथमिक क्षेत्र | १११.१ | ११५.९ | १२३.० | १२७.० | १५४.२ | १९३.० | २२३.१ | २२६.१ | २३६.५ | २५१.८ | २६२.५ |
| द्वितीय क्षेत्र | १२१.३ | १२५.७ | १३२.८ | १४७.५ | १६८.७ | १८४.३ | २००.७ | २१७.३ | २३५.३ | २५०.३ | २६६.७ |
| तृतीय क्षेत्र | १२२.५ | १३४.६ | १४५.८ | १५३.५ | १७३.४ | १८८.७ | २०४.१ | २२४.७ | २३९.३ | २६३.४ | २७९.९ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको संरचना (प्रतिशतमा) | | | | | | | | | | | |
| प्राथमिक क्षेत्र | ३५.७ | ३४.१ | ३३.० | ३२.३ | ३३.५ | ३५.९ | ३७.६ | ३५.८ | ३४.४ | ३३.१ | ३२.३ |
| द्वितीय क्षेत्र | १६.६ | १६.२ | १६.१ | १६.२ | १५.३ | १४.६ | १४.४ | १४.४ | १४.६ | १४.५ | १४.५ |
| तृतीय क्षेत्र | ४७.७ | ४९.७ | ५०.९ | ५१.५ | ५१.२ | ४९.५ | ४८.० | ४९.८ | ५१.० | ५२.४ | ५३.२ |

सं. = संशोधित, प्रा. = प्रारम्भिक

स्रोत : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग

तालिका १.७ : कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (व्यय विधि अनुसार)

(प्रचलित मूल्यमा)

(रु. करोडमा)

| खर्चको वर्गीकरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | |
|---|-------------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|-----------|
| | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१सं |
| उत्पादको मूल्यमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादन | ५८९४१.२ | ६५४०८.० | ७२७८३.० | ८१५६६.० | ९८८२७.० | ११९२७७.० | १३६६९५.० | १५२७३४.० | १६९५०१.१ | १९४१६२.४ |
| कुल उपभोग | ५२१३०.१ | ५९५३३.० | ६५६३७.० | ७३५४७.० | ८९५०४.० | १०५६१९.० | ११७६०३.० | १३५९५४.० | १५१६१२.९ | १७३०३१.२ |
| सरकारी उपभोग | ५२४५.३ | ५६७९.० | ६६९५.० | ८०६६.० | १०६५३.० | ११९१९.० | १३०९२.० | १६४३७.० | १६८४०.७ | २०१९१.५ |
| सामुहिक उपभोग | ३४६२.५ | ३७११.० | ४३७४.० | ५५००.० | ६९८४.० | ७७४७.० | ८६०७.० | १०९५७.० | ११२२८.७ | १४२०५.२ |
| व्यक्तिगत उपभोग | १७८२.८ | १९६९.० | २३११.० | २५६७.० | ३६६९.० | ४१७२.० | ४४८४.० | ५४८०.० | ५५४२.० | ५९८६.३ |
| निजी उपभोग | ४५९५३.० | ५२७८१.० | ५७६९१.० | ६४१०९.० | ७७२७६.० | ९१६९९.० | १०२२१३.० | ११६७८६.० | १३१८५६.१ | १४९३३७.५ |
| खाद्य | २७११२.३ | ३११४१.० | ३४०३८.० | ३८५०४.० | ४८४५५.० | ५७४९९.० | ६५०७९.० | ७५४१६.० | ८५०५५.३ | ९७६१३.२ |
| गैर-खाद्य | १३१८८.५ | १५५४८.० | १६५५७.० | १८०००.० | २०३२३.० | २४११६.० | २५६७२.० | २८५२९.० | ३२२३३.३ | ३५६८३.५ |
| सेवा | ५६५२.२ | ६४९२.० | ७०९६.० | ७६०५.० | ८४९८.० | १००८४.० | ११४६२.० | १२८४२.० | १४५३७.६ | १६०३९.९ |
| नाफा नकमाउने संस्थाहरु | ९३१.९ | १०७२.० | १२५२.० | १३७२.० | १५७५.० | २०००.० | २२९९.० | २७३१.० | २९१६.१ | ३५०२.२ |
| घरपरिवारको वास्तविक उपभोग | ४८६६६.६ | ५५८२२.० | ६१२६४.० | ६८०४७.० | ८२५२०.० | ९७८७१.० | १०८९९६.० | १२४९९७.० | १४०३१४.२ | १५८८२६.० |
| कुल पुँजी निर्माण | १५५९०.७ | १७५६३.० | २०८७८.० | २४७२७.० | ३१३०३.० | ४५६४९.० | ५१९२७.० | ५२६८९.० | ६३२६०.१ | ७८५८४.२ |
| कुल स्थिर पुँजी निर्माण | ११७५३.९ | १३५५३.० | १५३३४.० | १७८४५.० | २११०४.० | २६४८९.० | २९२७३.० | ३१७१८.० | ३८२९७.२ | ४६२०१.३ |
| सरकारी | १७२१.३ | १७५१.० | २४६५.० | ३२९९.० | ४४२८.० | ५३६७.० | ६३८१.० | ७१५६.० | ७५३८.६ | ९४९७.९ |
| निजी | १००३२.६ | ११८०२.० | १२८६९.० | १४५४५.० | १६६७६.० | २११२२.० | २२८९२.० | २४५६३.० | ३०७५८.६ | ३६७०३.४ |
| स्टकमा परिवर्तन* | ३८३६.८ | ४०१०.० | ५५४४.० | ६८८३.० | १०१९९.० | १९१६०.० | २२६५४.० | २०९७०.० | २४५२२.९ | ३२३८२.९ |
| वस्तु तथा सेवाहरुको खुद निर्यात | -८७७९.६ | -११६८८.० | -१३७३३.० | -१६७०८.० | -२१९८०.० | -३१९९०.० | -३२८३४.० | -३५९०८.० | -४५३७१.९ | -५७४५३.१ |
| आयात | १७३७५.४ | २०४८३.० | २३०८९.० | २७१२९.० | ३४२५४.० | ४३४२०.० | ४५००६.० | ५१२९५.० | ६३४८९.९ | ८००५५.२ |
| वस्तु | १४५७१.८ | १७१५४.० | १९०४४.० | २१७९६.० | २७९२३.० | ३६६६९.० | ३८८३७.० | ४५४५५.० | ५४७२९.४ | ६९६३७.३ |
| सेवा | २८०३.६ | ३३२९.० | ४०४६.० | ५३३३.० | ६३३१.० | ६७५१.० | ६१६९.० | ५८२९.० | ८७६०.५ | १०४१७.९ |
| निर्यात | ८५९५.८ | ८७९५.० | ९३५७.० | १०४२१.० | १२२७४.० | ११४३०.० | १२१७१.० | १५३८६.० | १८११८.० | २२६०२.२ |
| वस्तु | ५९९५.६ | ६१४८.० | ६१४९.० | ६१९७.० | ६९९१.० | ६३१८.० | ६८७०.० | ८१५१.० | ८५९९.० | १००९६.१ |
| सेवा | २६००.२ | २६४७.० | ३२०८.० | ४२२४.० | ५२८३.० | ५११२.० | ५३०१.० | ७२३५.० | ९५१९.१ | १२५०६.१ |

* लेखाको शेष (residual) को रुपमा प्रस्तुत गरिएको । यसमा statistical discrepancy /error समेत समावेश गरिएको छ ।

सं. = संशोधित, प्रा. = प्रारम्भिक

स्रोत : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग

तालिका १.८ : कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (व्यय विधि अनुसार)

आधार वर्ष २०५७/५८

(स्थिर मूल्यमा)

(रु. करोडमा)

| खर्चको वर्गीकरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | |
|--|-------------|---------|---------|---------|----------|----------|----------|----------|----------|-----------|
| | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१सं |
| उत्पादकको मूल्यमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादन | ४९७७३.९ | ५१४४८.६ | ५३२०३.८ | ५६४५१.७ | ५९०१०.७ | ६१८५२.९ | ६३९६९.४ | ६७०२७.९ | ६९७९५.४ | ७३५५०.८ |
| कुल उपभोग | ४४६९५.७ | ४६८९२.१ | ४८५६५.७ | ४९२८४.९ | ५२२९१.० | ५५२६७.६ | ५६३१३.८ | ६५२६४.६ | ६६२८९.४ | ६८७७८.६ |
| सरकारी उपभोग | ४६९७.३ | ४७३२.८ | ५०७१.९ | ५२३७.८ | ५७४६.२ | ५८२२.० | ६५८५.२ | ७६३५.३ | ७११९.६ | ७८२८.३ |
| सामुहिक उपभोग | ३१००.८ | ३०९२.० | ३३१३.६ | ३५७१.१ | ३७६७.१ | ३७८४.३ | ४३२९.५ | ५०८९.१ | ४७७६.६ | ५५०७.४ |
| व्यक्तिगत उपभोग | १५९६.५ | १६४०.८ | १७५८.३ | १६६६.७ | १९७९.१ | २०३७.७ | २२५५.७ | २५५५.२ | २३४२.९ | २३२०.९ |
| निजी उपभोग | ३९२२१.९ | ४१३२१.७ | ४२५४१.९ | ४३०७६.३ | ४५५४६.८ | ४८२९८.४ | ४८५२४.९ | ५६३२७.५ | ५७९३७.० | ५९५९२.५ |
| खाद्य | २३३०९.२ | २४८३०.७ | २५०९९.७ | २५१३५.१ | २७११४.५ | २७८८९.३ | २७५२०.२ | ३०६३९.९ | ३१५१५.४ | ३२४१६.० |
| गैह्र खाद्य | ११०००.२ | ११३५९.० | १२२०९.५ | १२५४९.९ | १२९२०.१ | १४२१९.६ | १४३६१.४ | १७४७१.३ | १७९७०.५ | १८४८४.० |
| सेवा | ४९१२.५ | ५१३२.० | ५२३२.७ | ५३९१.४ | ५५१२.२ | ६१८९.५ | ६६४३.३ | ८२१६.३ | ८४५१.१ | ८६९२.६ |
| नाफा नकमाउने संस्थाहरु | ७७६.५ | ८३७.७ | ९५१.९ | ९७०.७ | ९९८.० | ११४७.३ | १२०३.६ | १३०२.७ | १३३२.८ | १३५७.८ |
| घरपरिवारको वास्तविक उपभोग | ४१५९५.० | ४३८००.१ | ४५२५२.१ | ४५७१३.८ | ४८५२३.९ | ५१४८३.३ | ५१९८३.३ | ६०१७५.५ | ६१५१२.८ | ६३२७१.२ |
| कुल पूँजी निर्माण | ११६०८.४ | १२१२३.३ | १२७३२.६ | १६५०३.५ | १७९२०.५ | २४०९१.९ | २४१५५.४ | १८९२७.३ | २३३७२.३ | २८९९१.७ |
| कुल स्थिर पूँजी निर्माण | ९१४२.७ | १०१५७.० | १०६९४.० | १०८९२.२ | १०९४५.९ | १२७६४.७ | १२६७२.३ | ११९७६.५ | १३९४२.५ | १५५३१.० |
| सरकारी | १३३८.९ | १३१२.१ | १७१८.८ | २०१३.८ | २२१५.२ | २४२०.५ | २७६२.२ | २७०१.८ | २७४४.५ | ३१९२.८ |
| निजी | ७८०३.८ | ८८४४.८ | ८९७५.२ | ८८७८.३ | ८७३०.७ | १०३४४.२ | ९९१०.१ | ९२७४.६ | १११९८.० | १२३३८.२ |
| स्टकमा परिवर्तन* | २४६५.७ | १९६६.४ | २०३८.६ | ५६११.३ | ६९७४.६ | ११३२७.३ | ११४८३.१ | ६९५०.८ | ९४२९.८ | १३४६०.७ |
| वस्तु तथा सेवाहरुको खुद निर्यात | -६५३०.२ | -७५६६.९ | -८०९४.५ | -९३३६.७ | -११२००.७ | -१७५०६.७ | -१६४९९.८ | -१७६३९.९ | -१९८६६.३ | -२४२१९.६ |
| आयात | १४४६४.७ | १५३९८.७ | १५८५२.३ | १७१५०.९ | १९३१७.५ | २४७७६.२ | २३६१५.६ | २४४१६.१ | २७८६७.३ | ३३७२१.९ |
| वस्तु | १२१३०.७ | १२९९६.२ | १३०७४.७ | १३७७९.५ | १५७७४.२ | २०९२४.२ | २०३७८.० | २१६४१.३ | २४०२२.१ | २९३३३.६ |
| सेवा | २३३३.९ | २५०२.६ | २७७७.६ | ३३७१.४ | ३५७०.३ | ३८५२.० | ३२३७.७ | २७७४.८ | ३८४५.२ | ४३८८.४ |
| निर्यात | ७९३४.४ | ७८३१.८ | ७७७७.८ | ७८१४.२ | ८११६.८ | ७२६९.५ | ७११५.८ | ७२५२.२ | ८००१.० | ९५०२.४ |
| वस्तु | ५५३४.३ | ५४७७.८ | ५०९८.१ | ४६४७.० | ४६२३.१ | ३८४८.९ | ३८४७.७ | ३८०८.३ | ३८२२.९ | ४२३४.४ |
| सेवा | २४००.१ | २३५४.० | २६७९.७ | ३१६७.२ | ३४९३.७ | ३४२०.६ | ३२६८.२ | ३४४३.९ | ४१७८.२ | ५२६८.० |

* लेखाको शेष (residual) को रूपमा प्रस्तुत गरिएको । यसमा statistical discrepancy /error समेत समावेश गरिएको छ ।

सं. = संशोधित, प्रा. = प्रारम्भिक

स्रोत : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग

तालिका १.९ : मध्यवर्ती उपभोग (औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार)

(प्रचलित मूल्यमा)

(रु. करोडमा)

| औद्योगिक वर्गीकरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | |
|---|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|-----------------|-----------------|
| | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१सं | २०७१/७२ प्रा. |
| कृषि तथा वन | ६५५९.१ | ६९४६.५ | ७५८४.९ | ८६०७.८ | १०४५१.० | १२३३५.२ | १५००३.३ | १६५२८.२ | १७४२६.४ | १९४७८.६ | २०५४२.३ |
| मत्स्यपालन | ४९.९ | ५०.१ | ५०.३ | ५०.५ | ५०.७ | ५०.९ | ५८.७ | ७०.० | ८०.० | १०४.२ | १११.४ |
| खानी तथा उत्खनन् | ७०.८ | ८१.० | ८७.९ | ११३.३ | १३१.३ | १५३.५ | १७९.५ | २०९.८ | २५०.० | २८८.६ | ३१४.५ |
| उद्योग | ११५३०.१ | १२३०३.५ | १३४३२.४ | १४६९२.२ | १६७९६.१ | १८१९४.५ | २०८४७.३ | २३६३३.६ | २५९७६.८ | २९२६७.२ | ३१९५८.९ |
| विद्युत, ग्याँस तथा पानी | ८३३.८ | ९४६.५ | १०२६.५ | १११९.९ | ११६४.४ | १४२३.४ | १५४९.१ | १७४०.१ | २०३९.८ | २२२९.१ | २५५४.३ |
| निर्माण | ३७५२.१ | ४२१९.५ | ४६६४.७ | ५७५०.५ | ६७५३.७ | ८१४३.९ | ९३२५.८ | १००८१.० | ११०८३.३ | १२८७२.४ | १४३०३.० |
| शोक तथा खुद्रा व्यापार | १५२२.२ | १७१५.१ | १७६७.७ | २००९.६ | २४६३.९ | ३१९६.९ | ३५६०.० | ३९३३.८ | ४५५९.० | ५२९२.८ | ५७५७.३ |
| होटल तथा रेष्टुराँ | १९१५.६ | २००७.९ | २२३७.९ | २६०३.४ | ३१३६.७ | ३८६९.४ | ४७३१.९ | ५७३२.७ | ६५१९.४ | ७३६३.४ | ८०५.३ |
| यातायात, संचार तथा भण्डारण | ३८९९.२ | ४६०९.९ | ५२२४.४ | ५६३०.७ | ६६६२.८ | ६८७१.९ | ७६८७.२ | ८७५१.६ | ९६८३.३ | १०६७८.४ | ११०९१.७ |
| वित्तीय मध्यस्थता | ५६९.७ | ५९६.० | ८४३.० | १०३६.९ | १२०१.० | १३९१.१ | २१२८.४ | २८१५.९ | ३४९३.० | ३६६७.७ | ४१७१.६ |
| रियल इष्टेट, भाडा तथा व्यावसायिक सेवाहरू | १८४४.८ | २५६५.६ | २९७८.४ | ३४२५.२ | ३९६६.८ | ४५८३.४ | ५०९६.७ | ५७२८.७ | ६२२७.२ | ६६८०.९ | ६८५७.४ |
| सार्वजनिक प्रशासन र रक्षा | ३२९.६ | ३३२.१ | ४२९.७ | ४८७.२ | ५४७.४ | ७१८.४ | ८२४.० | ९३८.१ | ८४९.६ | ६९२.१ | ७०१.७ |
| शिक्षा | ९४७.१ | ९९८.३ | १२३८.९ | १४५४.१ | १८२४.७ | २१११.१ | २५००.२ | २७७०.५ | २९८१.८ | २८५३.४ | २८७१.७ |
| स्वास्थ्य र सामाजिक कार्य | २८०.८ | ३०८.८ | ४०८.४ | ४३९.४ | ५२६.५ | ६४८.१ | ७६३.९ | ८५२.४ | ८८४.२ | ९६८.६ | १०८३.९ |
| अन्य सामुदायिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सेवाहरू | ६४६.० | ६८४.० | ९१८.५ | १०९५.३ | १३१८.९ | १७२०.५ | १९५२.६ | २२९१.० | २४९२.१ | ३३२९.० | ३२७८.७ |
| मौद्रिक मध्यवर्ती उपभोग (उपभोक्ताको मूल्यमा) | ३४७५०.९ | ३८३६४.७ | ४२८९३.६ | ४८५१५.९ | ५६९९६.० | ६५४१२.२ | ७६२०८.६ | ८६०७७.४ | ९४५४५.९ | १०५७६६.४ | ११३६०२.८ |

टिप्पणी : NSIC प्रमुख खण्ड १६ र १७ को अंश नगण्य भएकोले प्रमुख खण्ड १५ मै गाभिएको छ ।

सं. = संशोधित, प्रा. = प्रारम्भिक

स्रोत : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग

तालिका १.१० : कुल राष्ट्रिय खर्च योग्य आम्दानी र बचत

(प्रचलित मूल्यमा)

(रु. करोडमा)

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | |
|--|-------------|---------|---------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|-----------|
| | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१सं |
| कामदारको तलब भत्ता | २४८८९.२ | २६२८८.९ | २८५१६.८ | ३१७१९.५ | ३६५८३.९ | ४२८७६.३ | ५०५९४.० | ६४४५२.२ | ७०४०६.० | ८००५८.६ |
| खुद उत्पादन कर | ११.६ | ३२.० | ३६.१ | ४३.७ | ७१.२ | ८६.२ | ११९१४.५ | १४०७०.३ | १७०९०.० | २०६८९.६ |
| उत्पादित वस्तुमा लाग्ने खुद कर | ४०९२.७ | ४२९६.६ | ५१९६.८ | ६०४०.१ | ७८७४.४ | १०९३५.८ | ११८४७.२ | १३९८६.२ | १११.० | १२९.४ |
| कुल नाफा / मिश्रित आय | २९९४७.७ | ३४७९०.९ | ३९०३३.० | ४३७६२.५ | ५४२९७.७ | ६५३७९.१ | ७४१८६.९ | ७४२११.८ | १६९७९.० | २०५६०.२ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (उत्पादकको मूल्यमा) | ५८९४१.२ | ६५४०८.४ | ७२७८२.७ | ८१५६५.८ | ९८८२७.२ | ११९२७७.४ | १३६६९५.४ | १५२७३४.४ | ८२००५.१ | ९३४१४.२ |
| खुद फ्याक्टर आय | १६३.७ | ४९५.६ | ७४३.२ | ७९४.७ | ११७५.० | ९११.७ | ७५४.९ | १२२९.१ | १३०७.९ | ३२८७.५ |
| कुल राष्ट्रिय आय (GNI) | ५९१०४.८ | ६५९०४.० | ७३५२५.९ | ८२३६०.५ | १००००२.१ | १२०१८९.१ | १३७४५०.३ | १५३९६३.५ | १७०८०९.० | १९७४४९.९ |
| सामाजिक योगदान तथा अन्य चालु ट्रान्सफर | ९७७०.४ | १२६१४.६ | १२८९९.२ | १८२८१.७ | २४९४८.७ | २८२६४.८ | ३०७८५.९ | ४२२७७.२ | ४९७७०.१ | ६३१५०.० |
| कुल राष्ट्रिय खर्च योग्य आम्दानी (GNDI) | ६८८७५.३ | ७८५१८.५ | ८६४२५.१ | १००६४२.२ | १२४९५०.८ | १४८४५३.९ | १६८२३६.२ | १९६२४०.७ | २२०५७९.१ | २६०५९९.९ |
| अन्तिम उपभोग खर्च | ५२१३०.१ | ५९५३२.७ | ६५६३७.४ | ७३५४७.० | ८९५०४.२ | १०५६१८.५ | ११७६०३.० | १३५९५३.९ | १५१६१२.९ | १७३०३१.२ |
| कुल गार्हस्थ्य बचत | ६८११.० | ५८७५.७ | ७१४५.३ | ८०१८.८ | ९३२३.० | १३६५८.९ | १९०९२.४ | १६७८०.५ | १७८८८.२ | २११३१.२ |
| कुल राष्ट्रिय बचत | १६७४५.१ | १८९८५.८ | २०७८७.६ | २७०९५.२ | ३५४४६.६ | ४२८३५.४ | ५०६३३.२ | ६०२८६.८ | ६८९६६.२ | ८७५६८.७ |
| कुल पुँजी निर्माण | १५५९०.७ | १७५६३.३ | २०८७७.९ | २४७२७.२ | ३१३०२.९ | ४५६४८.९ | ५१९२६.८ | ५२६८८.९ | ६३२६०.१ | ७८५८४.२ |
| साधन र श्रोतको बचत (+) / घाटा (-) | ११५४.५ | १४२२.५ | -९०.२ | २३६८.० | ४१४३.७ | -२८१३.५ | -१२९३.६ | ७५९७.९ | ५७०६.० | ८९८४.५ |

सं. = संशोधित, प्रा. = प्रारम्भिक

स्रोत : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग

तालिका १.११ : कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको मूल्य सूचकाङ्क (इम्प्लिसिट्)

| औद्योगिक वर्गीकरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | |
|---|--------------|--------------|--------------|--------------|--------------|--------------|--------------|--------------|--------------|--------------|
| | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१सं |
| कृषि तथा वन | १.१०९ | १.१५७ | १.२२९ | १.२६४ | १.५४१ | १.९३६ | २.२४० | २.२६५ | २.३६४ | २.५०९ |
| मत्स्यपालन | १.०७० | १.१३० | १.१५८ | १.२७० | १.२७१ | १.२७६ | १.३८८ | १.५३९ | १.७११ | २.१२६ |
| खानी तथा उत्खनन् | १.२६७ | १.३३४ | १.४३४ | १.७४१ | २.००९ | २.२९२ | २.६३८ | २.९४८ | ३.३८८ | ३.६९७ |
| उद्योग | १.१७७ | १.२३० | १.३०८ | १.४४६ | १.६७३ | १.७६० | १.९२१ | २.०९८ | २.२२६ | २.३६० |
| विद्युत, ग्याँस तथा पानी | १.१५० | १.१३९ | १.१३६ | १.१५३ | १.१४७ | १.१७४ | १.१८० | १.१९३ | १.३५५ | १.४०४ |
| निर्माण | १.२८६ | १.३३४ | १.४३४ | १.६३८ | १.९१० | २.१८२ | २.४०७ | २.६४८ | २.८७२ | ३.०८२ |
| थोक तथा खुद्रा व्यापार | १.२१५ | १.३२५ | १.४४१ | १.५७३ | १.७६१ | २.१४१ | २.३५० | २.५०९ | २.७१४ | २.८९२ |
| होटल तथा रेष्टुराँ | १.१८२ | १.१७५ | १.२१३ | १.३०० | १.५४० | १.७९८ | २.०५६ | २.३०० | २.५७५ | २.८५० |
| यातायात, सञ्चार तथा भण्डारण | १.२५३ | १.४५८ | १.५७७ | १.५९३ | १.७९५ | १.७४४ | १.८४० | १.९६८ | २.१०३ | २.१९२ |
| वित्तीय मध्यस्थता | १.०८७ | १.१०८ | १.२८८ | १.३८९ | १.५८७ | १.८२० | १.९१५ | २.१६२ | २.३१८ | २.४५४ |
| रियल इष्टेट, भाडा तथा व्यावसायिक सेवाहरू | १.४१९ | १.६२७ | १.७१७ | १.६१७ | १.७५८ | १.९६१ | २.१७३ | २.४४७ | २.६२८ | २.७८७ |
| सार्वजनिक प्रशासन र रक्षा | १.११७ | १.२०० | १.३२० | १.५४० | १.८५४ | २.०८५ | २.२९८ | २.७२७ | २.७२७ | ३.५६९ |
| शिक्षा | १.१४७ | १.२२२ | १.३३२ | १.४८९ | १.७२९ | १.५८९ | १.७०२ | १.९४७ | २.०५७ | २.४७१ |
| स्वास्थ्य र सामाजिक कार्य | १.१४९ | १.२१२ | १.२४४ | १.४६७ | १.६७८ | १.७९३ | १.८९६ | २.१३० | २.२२८ | २.६४८ |
| अन्य सामुदायिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सेवाहरू | १.१३२ | १.२०९ | १.३०८ | १.४५६ | १.६६१ | १.८०४ | १.९०८ | २.१२० | २.११७ | २.५६० |
| समग्र मूल्य सूचकाङ्क | १.१८० | १.२६२ | १.३५४ | १.४२९ | १.६५८ | १.८९६ | २.१०३ | २.२४१ | २.३७८ | २.५७५ |

सं. = संशोधित, प्रा. = प्रारम्भिक

स्रोत : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग

तालिका १.१२ : समष्टिगत आर्थिक परिसूचकहरु

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | |
|---|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|-----------|---------------|
| | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१सं | २०७१/७२ प्रा. |
| प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (रु.) | २३३०० | २५२७९ | २८९०५ | ३१९४६ | ३८१७२ | ४५४३५ | ५१५९४ | ५६८८० | ६२२८३ | ७०३९४ | ७४९८५ |
| प्रति व्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय (रु.) | २३३६५ | २५४७१ | २९२०० | ३२२५७ | ३८६२६ | ४५७८२ | ५१८७९ | ५७३३७ | ६२७६४ | ७१५८६ | ७६०६५ |
| प्रति व्यक्ति कुल खर्चयोग्य राष्ट्रिय आय (रु.) | २७२२७ | ३०३४६ | ३४३२३ | ३९४१७ | ४८२६२ | ५६५४९ | ६३४९९ | ७३०८२ | ८१०५१ | ९४४८२ | ९९८६५ |
| प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (स्थिर मूल्यमा) | १९६७६ | १९८८४ | २११२९ | २२११० | २२७९३ | २३५६१ | २४१४४ | २४९६२ | २५६४६ | २६६६६ | २६८३० |
| प्रति व्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय (स्थिर मूल्यमा) | १९८०९ | २०१८६ | २१५६९ | २२५६७ | २३३०१ | २४१५२ | २४६६४ | २५५८२ | २६३९७ | २७८०० | २७९१६ |
| प्रति व्यक्ति कुल खर्चयोग्य राष्ट्रिय आय (स्थिर मूल्यमा) | २३०८३ | २४०५० | २५३५४ | २७५७७ | २९११४ | २९८३१ | ३०१८८ | ३२६०७ | ३४०८८ | ३६६९१ | ३६६५१ |
| प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धिदर (प्रचलित मूल्यमा) | ७.४१ | ८.५३ | १४.३४ | १०.५२ | १९.४९ | १९.०३ | १३.५६ | १०.२५ | ९.०५ | १३.०२ | ६.५३ |
| प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धिदर (स्थिर मूल्यमा) | १.२१ | १.०९ | ६.२६ | ४.६४ | ३.०९ | ३.३७ | २.४८ | ३.३९ | २.७४ | ३.९८ | ०.६३ |
| प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (अमेरिकी डलर) | ३२८ | ३५० | ४१० | ४९१ | ४९७ | ६१० | ७१४ | ७०२ | ७०८ | ७१७ | ७६२ |
| प्रति व्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय (अमेरिकी डलर) | ३२९ | ३५२ | ४१४ | ४९६ | ५०२ | ६१४ | ७१८ | ७०८ | ७१४ | ७२९ | ७७२ |
| प्रति व्यक्ति कुल खर्चयोग्य राष्ट्रिय आय (अमेरिकी डलर) | ३८३ | ४२० | ४८७ | ६०६ | ६२८ | ७५९ | ८७९ | ९०२ | ९२१ | ९६२ | १०१४ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कुल गार्हस्थ्य वचत (प्रतिशतमा) | ११.५६ | ८.९८ | ९.८२ | ९.८३ | ९.४३ | ११.४५ | १३.९७ | १०.९९ | १०.५५ | १०.८८ | ११.३९ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कुल राष्ट्रिय वचत (प्रतिशतमा) | २८.४१ | २९.०३ | २८.५६ | ३३.२२ | ३५.८७ | ३५.९१ | ३७.०४ | ३९.४७ | ४०.६९ | ४५.१० | ४४.५७ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा वस्तु तथा सेवाको निर्यात (प्रतिशतमा) | १४.५८ | १३.४५ | १२.८६ | १२.७८ | १२.४२ | ९.५८ | ८.९० | १०.०७ | १०.६९ | ११.६४ | १०.४७ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा वस्तु तथा सेवाको आयात (प्रतिशतमा) | २९.४८ | ३१.३२ | ३१.७२ | ३३.२६ | ३४.६६ | ३६.४० | ३२.९२ | ३३.५८ | ३७.४६ | ४१.२३ | ४१.४१ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा श्रौत अन्तर (प्रतिशतमा) | १.९६ | २.१७ | -०.१२ | २.९० | ४.१९ | -२.३६ | -०.९५ | ४.९७ | ३.३७ | ४.६३ | - |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कुल स्थिर पुँजी निर्माण (प्रतिशतमा) | १९.९४ | २०.७२ | २१.०७ | २१.८८ | २१.३५ | २२.२१ | २१.४१ | २०.७७ | २२.५९ | २३.८० | - |

सं. = संशोधित, प्रा. = प्रारम्भिक

स्रोत : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग

तालिका २.१ : सरकारी खर्च र साधनको स्रोत

(रु. हजारमा)

| शीर्षक | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
|------------------------------------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|
| | को यथार्थ | को यथार्थ | को यथार्थ | को यथार्थ | को अनुमान |
| राजस्व र अनुदान | २४४२९८४९६ | २८७७९६८०१ | ३३३१७२१५१ | ३९६३१५१६४ | ५१४८२१२३० |
| राजस्व | १९८३७६३२० | २४४३७७०९९ | २९६०२११५३ | ३५६६२०७७९ | ४२२९००००० |
| कर | १७७२२७१६४ | २११७२२६११ | २५९२१४९३७ | ३१२४४१२६३ | ३७७७०९९८८ |
| अन्य राजस्व | २११४९१५६ | ३२६५४८८८ | ३६८०६२१७ | ४४१७९५१६ | ४८१९४००२ |
| बैरजू | - | २६१२४२० | १९२११९२ | ५७३४२२० | १८५३५३०६ |
| अनुदान | ४५५९२२१७६ | ४०८१०२८२ | ३५२२९८०५ | ३३९६०१६५ | ७३८५९२४ |
| बैदेशिक अनुदान | ४५५९२२१७६ | ४०८१०२८२ | ३५२२९८०५ | ३३९६०१६५ | ७३८५९२४ |
| खर्च | २५७४९५४०८ | २९४८५०७२४ | ३०२०५३८९७ | ३७०२२६४७३ | ५१५७०६२३७ |
| चालु खर्च | २१०१६७७२७ | २४३४६०००७ | २४४४५५४७२ | ३०३५३१७४६ | ३९८९५११९५ |
| पारिश्रमिक+सुविधा | ५७१०९२२७ | ६५९६५५३० | ६६०४६००४ | ८४३५६६७१ | १०४९१२४६१ |
| मालसामान तथा सेवाको उपयोग | २२३०००४१ | २३७५१००४ | २३२८५३२६ | २९९५०३३८ | ६३१०६२३० |
| व्याज र सेवा खर्च | १२७३७१४२ | १५१६०८२७ | १३७३६६९९ | १२०३७८८८ | २३३५४७३ |
| सहायक (सब्सिडी) | ५९८८०७१ | ४६४०४५९ | ४२२७३३७ | ११४५५३० | २६१५१६२ |
| अनुदान (ग्रान्ट्स) | ९०७७३२५४ | १०३६७९९६६ | १०२४८९८९० | १३४९४१०४० | १४६३४९६०३ |
| सामाजिक सुरक्षा | २१३६११२० | ३०१४०२८१ | ३७५४४२५२ | ४०८०३२९१ | ५८२४३७७७ |
| अन्य खर्च | ९८८७२ | १२१९९० | १२५९६३ | २९७९०७ | ३६९३९९ |
| पूँजीगत खर्च | ४७३२७६८१ | ५१३९०७१७ | ५४५९८४२५ | ६६६९४७२७ | ११६७५५०४२ |
| पूँजीगत खर्च | ४७३२७६८१ | ५१३९०७१७ | ५४५९८४२५ | ६६६९४७२७ | ११६७५५०४२ |
| बजेट बचत (-) न्यून (+) | १३१९६९१२ | ७०५३९२३ | ३१११८२५३ | -२६०८८६९१ | ८८५००७ |
| वित्तीय व्यवस्था | -१८१६६०५५ | -३३७१९६७ | २४८१६४७७ | २३१४०७३८ | -८८५००७ |
| खुद ऋण लगानी | ९२६११६३ | ११८७६६८८ | ११७९६७९२ | १२९२७९०९ | ३४६७८५७१ |
| आन्तरिक ऋण लगानी | १०७०३८५७ | १२०६३६९३ | १२५५२०९९ | १३४९७७२० | ३५६७८५७१ |
| आन्तरिक ऋण लगानीको फिर्ता (घटाउने) | १४४२६९४ | १८७००५ | ७५५३०७ | ५६९८११ | १००००० |
| खुद शेरर लगानी | ९९४३६४३ | १२०९३८०५ | ८९०१८१३ | ९४५१००३ | १३८९३६०८ |
| आन्तरिक शेरर लगानी | ९९४३६४३ | १२०९३८०५ | ५३५६५४५ | ९४१२२६५ | १३८९३६०८ |
| बैदेशिक शेरर लगानी | ० | ० | ३५४५२६८ | ३८७३८ | ० |
| खुद बैदेशिक ऋण | -८५७४७७ | २४४९३५५ | २२२०६३५ | -४४०७७३० | -२९२५२०८६ |
| बैदेशिक ऋणको साँवा भुक्तानी | ११२१८१२८ | १३५३२४२७ | १४१९००७९ | १६७२४६३७ | २०२७६६८४ |
| बैदेशिक ऋण प्राप्त (घटाउने) | १२०७५६०५ | ११०८३०७२ | ११९६९४४४ | २११३२३६७ | ४९५२८७७० |
| खुद आन्तरिक ऋण | -३६५१३३८४ | -२९७९१८१५ | १८९७२३७ | ५१६९५५६ | -२०२०५१०० |
| आन्तरिक ऋणको साँवा भुक्तानी | ६००२३९१ | ६६२६८३६ | २०९४००९२ | २५१५२४५१ | ३२४४४९०० |
| आन्तरिक ऋण प्राप्त (घटाउने) | ४२५१५७७५ | ३६४१८६५१ | १९०४२८५५ | १९९८२८९५ | ५२७५०००० |
| बचत (-) न्यून (+) | -४९६६९१४३ | ३६८१९५६ | ६३०१७७६ | -२९४७९५३ | ० |

नोट:- नेपाल सरकारले आर्थिक वर्ष २०६८/६९ देखि Government Financial Statistic (GFS) २०११ अनुसार आय तथा खर्चको लेखाइकन गरेकोले सो अगाडिको तथ्याइक फरक देखिन सक्ने छ ।

स्रोत : महालेखा नियन्त्रक कार्यालय

तालिक २.२ : कर राजश्व

रु. करोडमा

| राजश्व शिर्षक | आर्थिक वर्ष | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|---|-------------|----------|----------|----------|----------|----------------|----------|
| | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| १११०० आय, मुनाफा तथा पूँजीगत लाभमा लाग्ने कर | ४१३५.०३ | ५१३०.३० | ६४१८.६७ | ७५६१.३६ | ९१०१.८३ | ३७५४.३६ | २४४४.६२ |
| ११११० एकलौटी फर्म तथा व्यक्तिगत आयमा लाग्ने कर | १०९१.८९ | १२२९.२८ | १५५४.१५ | १९५३.४० | २३८७.६६ | ११११.५४ | १०२५.३० |
| १११२० निकायको आयमा लाग्ने कर | २३९३.११ | ३०४९.४४ | ३७०६.७२ | ४५४२.३० | ५०९०.८१ | २०४५.७० | ९७८.२१ |
| १११३० लगानीको आय तथा अन्य आयमा लाग्ने कर | ६५०.०३ | ८५१.५८ | ११५७.८० | १०७५.६६ | १६२३.३६ | ५९७.१२ | ४४१.११ |
| ११२०० पारिश्रमिकमा आधारित कर | ७०.९८ | १५५.५० | १८८.०६ | २४४.९९ | २९९.९१ | १२५.५० | १४८.८१ |
| ११२१० पारिश्रमिकमा आधारित सामाजिक सुरक्षा कर | ७०.९८ | १५५.५० | १८८.०६ | २४४.९९ | २९९.९१ | १२५.५० | १४८.८१ |
| ११३०० सम्पत्ति कर | ३५७.२५ | ३५८.८४ | ५३४.०२ | ६६७.११ | ५४२.२५ | २४९.२० | ३६२.८७ |
| ११३१० अचल सम्पत्तिमा लाग्ने कर | ०.०० | २.९४ | ०.३७ | २.८५ | ५.३७ | २.५१ | ०.८८ |
| ११३४० वित्तीय र पूँजीगत कारोबारमा लाग्ने कर | ३५७.२५ | ३५५.९० | ५३३.६४ | ६६४.२६ | ५३६.८८ | २४६.६९ | ३६१.९९ |
| ११४०० वस्तु तथा सेवामा आधारित कर | ९४७९.३४ | ११०५६.१० | १२९२७.०५ | १५७७१.८४ | १९२०२.८२ | ८९१४.७० | १०६१४.२१ |
| ११४१० मूल्य अभिवृद्धि कर (मू.अ.क.) | ६१६६.३६ | ७०९३.०४ | ८३४१.८४ | १०११०.४६ | १२१७३.०७ | ५७१२.४३ | ६४७३.५० |
| ११४२० अन्तः शुल्क | २६३३.८५ | ३००१.६१ | ३६२३.४७ | ४५४१.२६ | ५५३३.१२ | २५०२.५५ | ३२९४.६६ |
| ११४४० विशेष सेवामा लाग्ने कर | ४०.८९ | ४९.०२ | ६५.५३ | ८७.३५ | १०१.१४ | ४४.७५ | ६०.७३ |
| ११४५० पूर्वाधार सेवाको उपयोग तथा सवारी साधनमा लाग्ने कर | ६३८.२४ | ९१२.४३ | ८९६.२१ | १०३२.७७ | १३९५.४९ | ६५४.९७ | ७८५.३२ |
| ११५०० वैदेशिक व्यापारमा आधारित कर | ३५७१.३५ | ४३३९.०६ | ५६९३.१८ | ६७९८.०५ | ८०६६.९३ | ३८७६.६४ | ४८१५.७१ |
| ११५१० आयातमा लाग्ने भंसार महसुल | ३४३१.४० | ४०९०.५९ | ५४३२.७९ | ६४१२.५४ | ७६६१.९५ | ३६४३.५८ | ४५४०.३४ |
| ११५२० भंसार महसुल -निर्यात | ३५.८१ | ८६.१५ | ४३९.११ | १०६.६५ | ८७.८६ | ६५.६७ | २१.०९ |
| ११५६० वैदेशिक व्यापारमा आधारित अन्य कर | १०४.१४ | १६२.३२ | २१६.४८ | २७८.८६ | ३१७.१२ | १६७.३९ | २५४.२८ |
| ११६०० अन्य कर | १०८.७७ | १३२.३८ | १६०.५२ | २००.७७ | २५६.८७ | ११५.१४ | १२९.२० |
| ११६१० व्यवसायले भुक्तानी गर्ने | ४२.७० | ५२.६७ | ६२.३४ | ८७.२२ | १००.१० | | ४७.१७ |
| ११६२० व्यवसाय बाहेक अन्यले भुक्तानी गर्ने | ६६.०७ | ७९.७१ | ९८.१८ | ११३.५५ | १५६.७८ | | ८२.०३ |
| कुल जम्मा | १७७२२.७२ | २११७२.१८ | २५९२१.४९ | ३१२४४.१३ | ३७४७०.६० | १७०३५.५४ | १८५१५.४१ |

* अनुमानित

नोट:- नेपाल सरकारले आर्थिक वर्ष २०६८/६९ देखि Government Financial Statistic (GFS) २००१ अनुसार आय तथा खर्चको लेखाङ्कन गरेकोले सो अगाडिको तथ्याङ्क फरक देखिन सक्ने छ ।

स्रोत : महालेखा नियन्त्रक कार्यालय

तालिका २.३ : गैहकर राजस्व

रु. करोडमा

| राजश्व शिर्षक | | आर्थिक वर्ष | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|---------------|--------------------------------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|
| | | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| १४१०० | सम्पत्तिबाट प्राप्त आय | १२९६.४२ | १७६५.२४ | १७६०.८४ | २०६७.५२ | २३०४.९५ | ९७१.३५ | ४९१.९२ |
| १४११० | व्याज | ११९.०२ | १७५.०२ | ५२.७९ | १६५.५५ | ६९.१३ | ८०.४८ | ०.३२ |
| १४१२० | लाभांश | ८६.२४ | ९४.९७ | १०८.३७ | १२९९.२१ | १४१७.११ | ५००.१९ | २०.०२ |
| १४१५० | भाडा र रोयल्टी | ३१४.९४ | ६४७.२५ | ६२३.६९ | ६०२.७५ | ८१८.७२ | ३९०.६८ | ४७१.५८ |
| १४२०० | वस्तु तथा सेवा विक्रीबाट प्राप्त रकम | २४४.८२ | ६९१.३२ | ११२४.७० | ११६४.५३ | १४७२.३४ | ६७५.३० | ४९६.९३ |
| १४२१० | वस्तु तथा विक्रीबाट प्राप्त रकम | ८६.८७ | ४६०.४४ | ५३७.४१ | ६२९.७९ | ७०२.८५ | ३४९.०४ | १७४.६८ |
| १४२२० | प्रशासनिक सेवा शुल्क | १५७.९५ | २३०.८८ | ५८७.२९ | ५३४.७५ | ७६९.४८ | ३२६.२६ | ३२२.२५ |
| १४३०० | दण्ड जरिवाना र जफत | १३.३८ | ३१.५६ | ३३.८२ | ४५.२८ | ४४.३४ | २०.२३ | २६.३३ |
| १४३१० | दण्ड,जरिवाना र जफत | १३.३८ | ३१.५६ | ३३.८२ | ४५.२८ | ४४.३४ | २०.२३ | २६.३३ |
| १४४०० | अनुदान बाहेक स्वेच्छिक हस्तान्तरण | ०.१५ | ०.०८ | ०.५१ | ०.२४ | ०.२४ | ०.२१ | ०.३६ |
| १४४१० | अनुदान बाहेक स्वेच्छिक हस्तान्तरण | ०.१५ | ०.०८ | ०.५१ | ०.२४ | ०.२४ | ०.२१ | ०.३६ |
| १४५०० | विविध राजस्व | ५६०.१० | ७७६.९२ | ७६०.७० | ११४०.३९ | ९९७.५३ | ४६८.५५ | ६८८.०५ |
| १४५१० | प्रशासनिक शुल्क - भ्रमण तथा पर्यटन | ४०३.०६ | ५४८.१९ | ६७६.४२ | १०५२.७९ | ८८७.९२ | ४२८.२४ | ६१४.२२ |
| १४५२० | अन्य राजस्व | १३१.९६ | २२८.०१ | ८३.२३ | ८७.०६ | १०८.९५ | ४०.०९ | ७३.५९ |
| १४५३० | पूँजीगत राजस्व | २५.०८ | ०.७२ | १.०९ | ०.५४ | ०.६६ | ०.२१ | ०.२४ |
| | कुल जम्मा | २११४.८७ | ३२६५.१२ | ३६८०.६२ | ४४१७.९५ | ४८१९.४० | २१३५.६५ | १७०३.५९ |

* अनुमानित

नोट:- नेपाल सरकारले आर्थिक वर्ष २०६८/६९ देखि Government Financial Statistic (GFS) २००१ अनुसार आय तथा खर्चको लेखाङ्कन गरेकोले सो अगाडिको

तथ्याङ्क फरक देखिन सक्ने छ ।

स्रोत : महालेखा नियन्त्रक कार्यालय

तालिका २.४ : चालु खर्चको सेवा तथा कार्यगत विवरण

रु. करोड

| सि.नं. | विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|--------|---|-------------|---------|---------|---------|----------|----------------|---------|
| | | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| १ | सामान्य सार्वजनिक सेवा | ४६२६.६६ | ५४५५.०४ | ६०५२.३६ | ६२६८.५५ | ६३७७.०७ | ३३५७.६१ | ५७३१.७० |
| १.१ | कार्यकारी र विधायिकाको निकाय, वित्तिय र वैदेशिक मामिला | २१३३.५१ | २६६७.१७ | ३७५५.८८ | ३७२०.४१ | ८८८२.२९ | २०५५.६१ | ३११६.१९ |
| १.२ | बाह्य आर्थिक सहायता | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ८८.८९ | ०.०० |
| १.३ | सामान्य सेवा | २१७.०० | १७४.६१ | १६२.४४ | १८८.०६ | ११८९.६१ | ०.०० | ८७३.६० |
| १.४ | सामान्य आधारभूत सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १.५ | सामान्य अनुसन्धान तथा विकास सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | १.८६ | १.६८ | १.१९ | ०.९२ |
| १.६ | सामान्य सेवा - अन्य वर्गिकृत नभएको | १०१.९५ | ३७.१६ | ३८.४२ | ३९.६२ | ३५४.९४ | २४.४१ | २५१.५३ |
| १.७ | सार्वजनिक ऋण कारोवार | १०४१.५२ | १२३३.०० | १०७३.३५ | ८६७.२७ | १८५०.७६ | ४८३.९२ | ४२०.३३ |
| १.८ | विभिन्न तहका सरकारहरु बीच हुने सामान्य प्रकृतिको हस्तान्तरण | ११३२.६८ | १३४३.१० | १०३२.२७ | १४५१.३३ | १४९७.७९ | ७०३.५९ | १०६९.१२ |
| २ | रक्षा | १७५४.७४ | २०७७.९८ | १८४७.६९ | २५७७.८२ | २५८१.७३ | १७४०.८६ | २०८४.९८ |
| २.१ | सैनिक सुरक्षा | १७५४.६२ | २०७७.९१ | १८४६.७२ | २५७७.४९ | २५७६.३३ | १७४०.८५ | २०८४.८१ |
| २.२ | नागरिक सुरक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ४.७० | ०.०० | ०.०० |
| २.३ | वैदेशिक सैनिक सहयोग | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| २.४ | अनुसन्धान तथा विकास रक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| २.५ | रक्षा - अन्य वर्गिकृत नभएको | ०.१२ | ०.०७ | ०.९६ | ०.३३ | ०.७० | ०.०१ | ०.१८ |
| ३ | सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा | २५५८.९२ | ३६०७.५३ | ३४८३.२० | ३९८५.४१ | २९४५.२४ | २६२५.५४ | २५४९.९६ |
| ३.१ | प्रहरी सेवा | १८३२.६४ | २१६९.४३ | १९६९.९५ | ३१३३.१७ | २०४०.६१ | २१३१.२७ | १६०२.९१ |
| ३.२ | अग्नि नियन्त्रण सेवा | ०.३९ | ०.४१ | ०.४४ | ०.५३ | ०.५८ | ०.२८ | ०.९८ |
| ३.३ | न्यायालय | १३८.०६ | १७४.९३ | १८०.७२ | २६६.२४ | ३२४.६० | १५२.३६ | १९५.८६ |
| ३.४ | कारागार | ४९.८७ | ६४.२७ | ६९.७० | ८२.७९ | ८६.५३ | ५५.२३ | ७१.११ |
| ३.५ | सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ३.६ | सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा-अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ५३७.९६ | १२००.४९ | १२६२.३९ | ४६२.६९ | ४९२.९३ | २८६.३९ | १७५.१० |
| ४ | आर्थिक मामिला | ३४६५.२४ | ३४७३.६८ | ३५९६.४९ | ५०६८.०८ | ६०५९.९३ | २७७५.०८ | ३१९५.४३ |
| ४.१ | सामान्य आर्थिक, व्यापारिक र श्रम | ९२६.४९ | ६७०.५२ | ७२१.१७ | ८१५.७६ | ९५६.०७ | ४२७.४४ | ४७९.५७ |
| ४.२ | कृषि, वन, मत्स्यपालन तथा शिकार | १३५६.१४ | १६०४.५१ | १७१८.३८ | २५४९.९१ | ३२३४.३३ | १५४३.२३ | १८६३.९५ |
| ४.३ | इन्धन तथा उर्जा | २२१.७८ | १७१.७५ | १७५.१२ | ३३५.२७ | ४१३.०९ | १२१.२० | १०४.३६ |
| ४.४ | खानी, उत्पादन तथा निर्माण | ४.१५ | ५.१६ | ४.६१ | ६.१९ | ६.३९ | ४.१८ | ५.२५ |
| ४.५ | यातायात | ६१५.५३ | ६२३.६३ | ५८०.०५ | ८१०.७४ | ६९१.४९ | ३९०.७२ | २९९.०४ |
| ४.६ | सञ्चार | २१०.७४ | २६७.१६ | २४१.९५ | ३१४.७६ | ३४६.४४ | १९२.१० | २४७.२७ |
| ४.७ | अन्य उद्योगहरु | १०१.१९ | ९१.४० | १२१.५६ | १८१.७४ | २५८.५७ | ८९.८८ | १०७.९४ |
| ४.८ | अनुसन्धान तथा विकास- आर्थिक मामिला | २९.२२ | ३७.६३ | ३२.०८ | ५०.५७ | १४३.९९ | ४.९६ | ८५.२८ |
| ४.९ | आर्थिक मामिला- अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | १.९३ | १.५७ | ३.१३ | ९.५६ | १.३८ | २.७७ |
| ५ | वातावरण संरक्षण | ६३.७० | ४६.५१ | २९.१६ | १५२.१४ | ३८२.५५ | १२६.०५ | १७९.३४ |
| ५.१ | फोहर मैला व्यवस्थापन | ०.६५ | ०.५४ | १.५६ | ८.७१ | ४.८५ | ८.४७ | ०.५६ |
| ५.२ | ढल व्यवस्थापन | ०.१२ | ०.३२ | ०.३३ | १.८५ | १३.८३ | ४.७९ | ४.८८ |
| ५.३ | प्रदुषण न्यूनीकरण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ५.४ | जैविक विविधता र भु-संरक्षण | ०.०० | ०.०२ | ०.६१ | २.६३ | १.५३ | ०.०० | ०.०० |
| ५.५ | अनुसन्धान तथा विकास पर्यावरण संरक्षण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ५.६ | वातावरण संरक्षण - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ६२.९३ | ४५.६२ | २६.६६ | १३८.९५ | ३६२.३५ | ११२.७९ | १७३.९० |

तालिका २.४ : चालु खर्चको सेवा तथा कार्यगत विवरण

रु. करोड

| सि.नं. | विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|--------|--|-------------|----------|----------|----------|----------|----------------|----------|
| | | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| ६ | आवास तथा सामुदायिक सुविधा | २८९.८० | ३२३.४१ | २३०.६५ | ६०४.६४ | ३२२.१८ | १९८.८१ | १०८.२४ |
| ६.१ | आवास विकास | १२.८० | २४.५४ | १६.२९ | ११०.६८ | ११८.७० | ४५.९६ | ३३.४५ |
| ६.२ | सामुदायिक विकास | ०.०० | ६.२१ | ९.६० | ० | ६९.७७ | ०.०० | ४.९० |
| ६.३ | खानेपानी | २३७.३७ | २६१.८४ | १७४.५२ | ४६५.९४ | १२४.७७ | १४३.१६ | ६४.६१ |
| ६.४ | सडक विद्युतीकरण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ६.५ | आवास तथा सामुदायिक सुविधा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ६.६ | आवास तथा सामुदायिक सुविधा - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ३९.६३ | ३०.८२ | ३०.२४ | २८.०२ | ८.९४ | ९.६८ | ५.२८ |
| ७ | स्वास्थ्य | १६७३.२३ | १९४९.५४ | १८९१.८३ | २३३६.२२ | ३३०९.०१ | १२६३.२० | १७१०.०२ |
| ७.१ | औषधि उत्पादन, उपकरण तथा औजार | ७१.८७ | ४९.९२ | ५९.१६ | ४७.८ | ४६.८४ | २३.०३ | ७.२२ |
| ७.२ | वहिरंग सेवा | २२०.८२ | २२६.३२ | २५१.७५ | १८९.९२ | ५०९.०० | ६५.८५ | ५७.८४ |
| ७.३ | अस्पताल सेवा | ५०८.०६ | ६३६.८८ | ६२४.३५ | ८५९.४७ | १०४६.५९ | ५०३.२५ | ७८५.४५ |
| ७.४ | सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा | ७२४.९४ | ८७५.२२ | ७७८.२१ | १०१०.६५ | १२२५.७७ | ५६२.३२ | ६९९.७२ |
| ७.५ | अनुसन्धान सेवा | १४७.५४ | १६१.२१ | १७८.३५ | २२८.३६ | ४८०.८२ | १०८.७५ | १५९.७९ |
| ७.६ | स्वास्थ्य - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८ | मनोरञ्जन, संस्कृति तथा धर्म | १२७.८९ | १८६.४२ | २२५.५९ | ३६०.६४ | ३३९.३८ | १५१.४६ | २५१.५० |
| ८.१ | मनोरञ्जनात्मक र खेलकुद सेवाहरु | ४८.८२ | ८१.८५ | ६५.५२ | ११८.२५ | १४७.७७ | ६८.४६ | १३२.०५ |
| ८.२ | सांस्कृतिक सेवा | ६०.७७ | ८५.६१ | १४३.०९ | २२१.३१ | १६५.३२ | ७०.६२ | १००.६७ |
| ८.३ | प्रसारण तथा प्रकाशन सेवा | १८.३० | १८.९५ | १६.९९ | २१.०८ | २६.२९ | १२.३९ | १८.७९ |
| ८.४ | धार्मिक तथा अन्य सामुदायिक सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८.५ | अनुसन्धान तथा विकास, संस्कृतिक र धार्मिक | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८.६ | मनोरञ्जन, संस्कृति र धर्म - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९ | शिक्षा | ५४८१.५८ | ६१९१.४२ | ६२२९.०७ | ७७६९.९३ | ८५८६.०१ | ४७४३.२८ | ५०५४.७३ |
| ९.१ | पुर्व प्राथमिक र प्राथमिक शिक्षा | १७६९.१९ | २०८५.५७ | २१८१.३४ | २५४०.०६ | २९४२.३० | १६७६.५५ | १९३७.०२ |
| ९.२ | माध्यमिक शिक्षा | ८७५.०३ | १०३४.६९ | १०८१.७३ | १२९६.७९ | १५४०.७० | ८७६.३८ | ९६८.९० |
| ९.३ | | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९.४ | स्नातक तहको शिक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९.५ | तहमा वर्गिकृत नहुने शिक्षा/अनौपचारिक शिक्षा | १८५८.१९ | १९७३.३६ | १६९७.९९ | २१६८.९१ | २४१८.७० | १३००.१३ | ८८८.९८ |
| ९.६ | शिक्षाको लागि सहायक सेवाहरु | ९७९.१७ | १०८७.८९ | १२३९.५६ | १६७६.१३ | १५११.२६ | ८६३.८१ | १२०१.६८ |
| ९.७ | शिक्षा अनुसन्धान विकास | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९.८ | शिक्षा - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ९.९२ | २८.४५ | ८८.०४ | १७३.०५ | २६.४२ | ५८.१४ |
| १० | सामाजिक सुरक्षा | ९७४.९० | १०३४.४७ | ११५९.५० | १२२९.७७ | १५९२.०० | ७४९.०६ | १०३५.०० |
| १०.१ | अशक्त तथा बिरामी | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०.२ | वृद्ध | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०.३ | उत्तर जिवी | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०.४ | परिवार र शिशु कल्याण | ९१.३८ | ७२.४४ | १४.७२ | ३३.८१ | ११३.२८ | १२.६५ | ४९.६७ |
| १०.५ | बेरोजगार | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०.६ | आवास | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०.७ | सामाजिक समावेशी | ८०२.५९ | ८६१.६२ | १०४६.८१ | १०६३.४६ | १२९९.४६ | ६६६.६९ | ८८८.१७ |
| १०.८ | सामाजिक सुरक्षा - अनुसन्धान तथा विकाश | ०.०० | १०.७५ | २६.२१ | ६.५ | १०.८२ | ५.८५ | ५.०१ |
| १०.९ | सामाजिक सुरक्षा - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ८०.९३ | ८९.६७ | ७१.७६ | १२५.९९ | १६८.४५ | ६३.८७ | ९२.१४ |
| | जम्मा | २१०१६.६६ | २४३४६.०० | २४७४५.५४ | ३०३५३.१७ | ३९८९५.१२ | १७७३०.९६ | २१३९६.९२ |

* अनुमानित

नोट:- नेपाल सरकारले आर्थिक वर्ष २०६८/६९ देखि Government Financial Statistic (GFS) २००१ अनुसार आय तथा खर्चको लेखाङ्कन गरेकोले सो

अगाडिको तथ्याङ्क फरक देखिन सक्ने छ ।

स्रोत : महालेखा नियन्त्रक कार्यालय

तालिका २.५ : पुँजीगत खर्चको सेवा तथा कार्यगत विवरण

रु. करोडमा

| सि.नं. | विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|--------|---|-------------|---------|---------|---------|----------|----------------|---------|
| | | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| १ | सामान्य सार्वजनिक सेवा | १२०.४७ | १२५.४४ | २०९.६३ | ४६८.५८ | ६७१०.७५ | ५८.८० | ४०६०.६९ |
| १.१ | कार्यकारी र विधायिकाको निकाय, वित्तिय र वैदेशिक मामिला | ९४.२० | ८४.४० | १६९.३२ | २१३५.०४ | २९९२.५८ | ४६.८७ | १२०१.१३ |
| १.२ | बाह्य आर्थिक सहायता | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| १.३ | सामान्य सेवा | १७.७४ | १८.९१ | ९.५३ | ११.५३ | १३५.९१ | २.८३ | ३३.४३ |
| १.४ | सामान्य आधारभूत सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| १.५ | सामान्य अनुसन्धान तथा विकास सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.३७ | ०.०१ | ०.१६ | ०.०१ |
| १.६ | सामान्य सेवा - अन्य वर्गिकृत नभएको | ७.७५ | २२.०३ | ३०.६९ | २२.३८ | ९०.१८ | ८.९३ | २०.७४ |
| १.७ | सार्वजनिक ऋण कारोबार | ०.०० | ०.०० | ०.०० | २५१५.२५ | ३४५४.४९ | ०.०० | २७९१.५६ |
| १.८ | विभिन्न तहका सरकारहरु बीच हुने सामान्य प्रकृतिको हस्तान्तरण | ०.७८ | ०.१० | ०.०९ | ०.०१ | ३७.५७ | ०.०० | १३.८४ |
| २ | रक्षा | १४४.६३ | १८७.७७ | २४२.२३ | ६५८.८० | ५५४.१३ | १२०.०९ | १४२.४६ |
| २.१ | सैनिक सुरक्षा | १४४.१७ | १७४.४२ | २३०.४० | ५२०.५८ | २९५.७८ | ११६.५९ | १४१.७७ |
| २.२ | नागरिक सुरक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | १३२.४३ | २५५.१८ | ०.०० | ०.०० |
| २.३ | वैदेशिक सैनिक सहयोग | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| २.४ | अनुसन्धान तथा विकास रक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| २.५ | रक्षा - अन्य वर्गिकृत नभएको | ०.४६ | १३.३५ | ११.८४ | ५.७९ | ३.१७ | ३.५० | ०.७० |
| ३ | सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा | ३५४.७५ | ३१९.०४ | २९३.०९ | ५११.४२ | ५०१.६३ | १६१.१६ | १८४.४६ |
| ३.१ | प्रहरी सेवा | १०६.०२ | १३९.१५ | ११९.६० | २२६.०८ | ९२.१४ | ९३.७१ | ९०.११ |
| ३.२ | अग्नि नियन्त्रण सेवा | ०.०० | ०.०२ | ०.०० | ०.०३ | ०.०२ | ०.०३ | ०.०२ |
| ३.३ | न्यायालय | ३७.२२ | ४४.८४ | ४०.२९ | ८१.३९ | १०३.१७ | ११.०० | २०.३९ |
| ३.४ | कारागार | १०.९२ | १२.१२ | ८.९१ | ११.८६ | १५.१५ | ५.८७ | ५.६९ |
| ३.५ | सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ३.६ | सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा - अन्य वर्गिकृत नभएको | २००.५९ | १२२.९० | १२४.२९ | १९२.०५ | २९१.१५ | ५०.५४ | ६८.२४ |
| ४ | आर्थिक मामिला | ३१४१.७१ | ३३८७.९२ | ३६२९.१० | ५९८६.८२ | १०९५९.९ | १३२८.०४ | ३३४१.६८ |
| ४.१ | सामान्य आर्थिक, व्यापारिक र श्रम | ३१३.९७ | ३०.६७ | २५.६२ | ४३.५० | २८३.३८ | २३.१९ | १०२.३१ |
| ४.२ | कृषि, वन, मत्स्यपालन तथा शिकार | ८९५.०८ | १०५६.२२ | ११६७.०१ | १४९६.३७ | २१६२.४६ | ४६३.९५ | ८०३.७४ |
| ४.३ | इन्धन तथा उर्जा | १०.४८ | १८.२३ | २२.४४ | १४८.६९ | ३३०९.१६ | २१.१० | ९१७.२४ |
| ४.४ | खानी, उत्पादन तथा निर्माण | ०.०९ | ०.८३ | १४८.०२ | १३६.५८ | २६१.६३ | ४०.३६ | ८४.४६ |
| ४.५ | यातायात | १८३५.३७ | २१८४.७६ | २१७९.४९ | २६४३.७९ | ४४२३.९४ | ७३५.४३ | १३६४.२२ |
| ४.६ | सञ्चार | २६.३७ | २५.७४ | २८.९२ | ५१.७३ | ७९.१३ | ९.५० | २१.३७ |
| ४.७ | अन्य उद्योगहरु | ६०.३२ | ७०.४१ | ५३.६७ | ९९.५० | ३७९.१२ | २९.९० | २९.४४ |
| ४.८ | अनुसन्धान तथा विकास- आर्थिक मामिला | ०.०३ | ०.०३ | ३.६४ | ११.८० | २६.९७ | ४.३१ | २.१३ |
| ४.९ | आर्थिक मामिला- अन्य वर्गिकृत नभएको | ०.०० | १.०२ | ०.२९ | १७.३६ | ३४.११ | ०.२८ | १६.७५ |
| ५ | वातावरण संरक्षण | ४५.९९ | ४५.२१ | ३२.५४ | १०५.०८ | ६९६.५८ | ११.१७ | १०७.६८ |
| ५.१ | फोहर मैला व्यवस्थापन | ४.७० | ५.५४ | ३.४३ | ५३.९४ | २६३.१६ | १.१० | २.०१ |
| ५.२ | ढल व्यवस्थापन | २.५९ | ६.९३ | ५.०० | ४.७८ | १९३.६१ | ०.३१ | ९१.०१ |
| ५.३ | प्रदूषण न्यूनिकरण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ५.४ | जैविक विविधता र भू-संरक्षण | ०.०० | ०.०० | ०.१४ | ०.१८ | ०.२२ | ०.०० | ०.०० |
| ५.५ | अनुसन्धान तथा विकास पर्यावरण संरक्षण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | १२.०० | ८०.५० | ०.०० | ०.०० |
| ५.६ | वातावरण संरक्षण - अन्य वर्गिकृत नभएको | ३८.७० | ३२.७४ | २४.३८ | ३४.१८ | १५९.११ | ९.७६ | १४.६६ |

तालिका २.५ : पुँजीगत खर्चको सेवा तथा कार्यगत विवरण

रु. करोडमा

| सि.नं. | विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|--------|--|-------------|---------|---------|---------|----------|----------------|---------|
| | | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| ६ | आवाश तथा सामुदायिक सुविधा | ५५८.२८ | ६७८.४५ | ७०८.५१ | ८२२.८२ | १९१२.०६ | १७४.८२ | ५१२.८५ |
| ६.१ | आवास विकास | ८८.८४ | ११३.०१ | ९४.०४ | १६७.५९ | २८५.७७ | ३२.६५ | १०५.४३ |
| ६.२ | सामुदायिक विकास | ०.०० | ०.६६ | ०.०० | ०.०० | १३०.८ | ०.०० | ०.०० |
| ६.३ | खानेपानी | २८२.५७ | २९०.१० | ३६२.४६ | ५८७.९९ | १४०१.२७ | १२१.१५ | ३९१.३४ |
| ६.४ | सडक विदयुतीकरण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ६.५ | आवास तथा सामुदायिक सुविधा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ६.६ | आवाश तथा सामुदायिक सुविधा - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | १८६.८७ | २७४.६९ | २५२.०० | ६७.२३ | ९४.२२ | २१.०३ | १६.०७ |
| ७ | स्वास्थ्य | ३१४.२६ | ३३७.४७ | २९५.३४ | ३१५.६४ | ४६७.६४ | ९०.७९ | १३२.८९ |
| ७.१ | औषधि उत्पादन, उपकरण तथा औजार | १६.७३ | ४.१२ | २९.७२ | ३०.४० | ४३.४५ | ९.२७ | २२.३१ |
| ७.२ | वहिरंग सेवा | १२.२७ | ४.२२ | ४.४६ | १३.७२ | ४४.५८ | ५.४४ | ४.३५ |
| ७.३ | अस्पताल सेवा | २१.७३ | २५.०४ | ३०.८१ | ३९.७८ | ४६.७५ | ८.७५ | १२.५६ |
| ७.४ | सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा | २५५.०८ | २९४.०९ | २२४.८३ | २०४.५१ | ३१७.६७ | ६५.०० | ९२.६१ |
| ७.५ | अनुसन्धान सेवा | ८.४५ | १०.०१ | ५.५१ | २७.२४ | १५.१८ | २.३३ | १.०६ |
| ७.६ | स्वास्थ्य - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ८ | मनोरञ्जन, संस्कृति तथा धर्म | १४.३१ | २०.१९ | १५.६० | ३०.५९ | ५८.७८ | ६.२२ | ९.५३ |
| ८.१ | मनोरञ्जनात्मक र खेलकुद सेवाहरू | ०.४५ | ४.९९ | ०.०८ | ०.२५ | ०.६१ | ०.०१ | ०.०९ |
| ८.२ | सांस्कृतिक सेवा | ७.४८ | १२.२४ | १०.५५ | १७.८६ | २८.४४ | ५.९१ | ५.५७ |
| ८.३ | प्रशारण तथा प्रकाशन सेवा | ६.३८ | २.९६ | ४.९७ | १२.४८ | २९.७४ | ०.३० | ३.८७ |
| ८.४ | धार्मिक तथा अन्य सामुदायिक सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ८.५ | अनुसन्धान तथा विकास, संस्कृतिक र धार्मिक | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ८.६ | मनोरञ्जन, संस्कृती र धर्म - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ९ | शिक्षा | १७.०८ | १३.८८ | १३.९१ | १२.६४ | १७.३९ | ३.६६ | ३.६२ |
| ९.१ | पूर्व प्राथमिक र प्राथमिक शिक्षा | ०.०५ | ०.०९ | ०.२२ | ०.१५ | ०.१६ | ०.०१ | ०.०५ |
| ९.२ | माध्यमिक शिक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ९.३ | उच्च माध्यमिक शिक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ९.४ | स्नातक तहको शिक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ९.५ | तहमा वर्गिकृत नहुने शिक्षा अनौपचारिक शिक्षा | ११.५१ | ८.०३ | ८.८८ | १०.२८ | ८.२५ | ३.१८ | १.७१ |
| ९.६ | शिक्षाको लागि सहायक सेवाहरू | ५.५२ | ४.२६ | ३.४५ | १.८८ | ५.४६ | ०.३२ | १.३९ |
| ९.७ | शिक्षा अनुसन्धान विकास | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ९.८ | शिक्षा- अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | १.५१ | १.३५ | ०.३३ | ३.५२ | ०.१५ | ०.४६ |
| १० | सामाजिक सुरक्षा | २१.०८ | २३.६९ | १९.५० | २३.६५ | ३६.०२ | ६.६७ | ७.३४ |
| १०.१ | अशक्त तथा बिरामी | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| १०.२ | वृद्ध | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| १०.३ | उत्तर जिबी | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| १०.४ | परिवार र शिशु कल्याण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | २.५६ | ४.०५ | ०.०१ | ०.०० |
| १०.५ | बेरोजगार | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| १०.६ | आवास | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| १०.७ | सामाजिक समावेशी | ०.०६ | ०.०० | ०.०० | १.१४ | ६.१२ | ०.११ | २.६० |
| १०.८ | सामाजिक सुरक्षा- अनुसन्धान तथा विकास | ०.०० | ०.२९ | ०.२८ | १.९३ | १.७८ | ०.४९ | ०.५१ |
| १०.९ | सामाजिक सुरक्षा- अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | २१.०२ | २३.४० | १९.२२ | १८.०२ | २४.०७ | ६.०७ | ४.२२ |
| | जम्मा | ४७३२.५६ | ५१३९.०७ | ५४५९.८४ | ६३५२.०५ | २१९१४.८८ | १९६१.४२ | ८५०३.२० |

* अनुमानित

नोट:- नेपाल सरकारले आर्थिक वर्ष २०६८/६९ देखि Government Financial Statistic (GFS) २००१ अनुसार आय तथा खर्चको लेखाङ्कन गरेकोले सो अगडिको तथ्याङ्क फरक देखिन सक्ने छ ।

स्रोत : महालेखा नियन्त्रक कार्यालय

तालिका २.६ : ऋणको साँवा भुक्तानी, संस्थानहरुमा ऋण तथा शेयर लगानी

रु. करोडमा

| खर्च शिर्षक नं. | शिर्षक | आर्थिक वर्ष | | | | | प्रथम आठ महिना | | |
|-----------------|--------|-----------------------------|---------|---------|---------|----------|----------------|---------|---------|
| | | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | २०७०/७१ | २०७१/७२ | |
| ३११११ | ७ | संस्थानमा ऋण लगानी | १०७०.३८ | १२०६.३७ | ८१३.०० | १३६०.३२२ | ३५६७.८६ | ३३९.७२ | ९५२.७२ |
| ३१२११ | ७ | संस्थानमा शेयर लगानी | ९९४.३६ | १२०९.३८ | ८८०.१८ | ९३४.५५ | १३८९.३६ | १७९.५४ | २३९.०६ |
| | | | २०६४.७४ | २४१५.७५ | १६९३.१८ | २२९४.८७ | ४९५७.२२ | ५१९.२६ | ११९१.७८ |
| ३२१११ | १० | बैदेशिक ऋणको साँवा भुक्तानी | ११२१.८१ | १३५३.२४ | ३९.८७ | १६७२.४६४ | २०३१.८६ | ७.८७ | ९४९.०० |
| ३२२११ | १० | आन्तरिक ऋणको साँवा भुक्तानी | ६००.२३ | ६६२.६८ | ३४.९४ | २५१५.२४५ | ४२५४.४९ | २०.३० | २६२७.८१ |
| | | | १७२२.०४ | २०१५.९२ | ७४.८१ | ४१८७.७०९ | ६२८६.३५ | २८.१७ | ३५७६.८१ |

* अनुमानित

स्रोत : महालेखा नियन्त्रक कार्यालय

तालिका २.७ : स्वीकृत वैदेशिक सहायता रकम (स्रोत अनुसार)

रु. करोडमा

| शीर्षक | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | प्रथम आठ महिना* | |
|----------------------|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|---------|----------|----------|-----------------|----------|
| | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| १. द्विपक्षीय | २१२२.५४ | १४७५.५५ | १७७०.६१ | १३१०.६४ | २७१९.६५ | ३६९०.०० | ३१८२.०० | ५२९१.३० | ३८५१.९९ | ५५२७.२० | ४२७४.२९ | १५८९५.२४ |
| अनुदान | २१२२.५४ | १४७५.५५ | १७७०.६१ | ५६२.०९ | २३६५.५० | ३६९०.०० | २४८२.०० | ३१४६.०० | २३३०.९९ | ४८६८.५० | ३९०१.४९ | ५८५१.३४ |
| ऋण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ७४८.५५ | ३५४.१५ | ०.०० | ७००.०० | २१४५.३० | १५२१.०० | ६५८.७० | ३७२.८० | १००४३.९० |
| २. बहुपक्षीय | १६९२.६९ | ६१६.८७ | १९३१.६८ | ३६०७.९८ | २०७७.८८ | ५९७०.९० | ७४२७.६७ | ४५२६.५७ | ७६६३.६९ | ७८१७.२० | २७६०.४० | ८०६९.२५ |
| अनुदान | ४१६.७३ | ३५०.८८ | १३१५.४१ | ३५४४.३३ | १९४४.०८ | ३३३५.७८ | ३९९१.३८ | २६८७.६८ | ३०५९.११ | २४२३.३० | १०९५.४० | ५४९९.८३ |
| ऋण | १२७५.९६ | २६५.९९ | ६१६.२७ | ६३.६५ | १३३.८० | २६३५.१२ | ३४३६.२९ | १८३८.८९ | ४६०४.५८ | ५३९३.९० | १६६५.०० | २५६९.४२ |
| ३. जम्मा | ३८१५.२३ | २०९२.४२ | ३७०२.२९ | ४९१८.६२ | ४७९७.५२ | ९६६०.९० | १०६०९.६७ | ९८१७.८७ | ११५१५.६८ | १३३४४.५० | ७०३४.७० | २३९६४.४९ |
| अनुदान | २५३९.२७ | १८२६.४३ | ३०८६.०२ | ४१०६.४२ | ४३०९.५७ | ७०२५.७८ | ६४७३.३८ | ५८३३.६८ | ५३९०.१० | ७२९१.८० | ४९९६.८९ | ११३५१.१७ |
| ऋण | १२७५.९६ | २६५.९९ | ६१६.२७ | ८१२.२० | ४८७.९५ | २६३५.१२ | ४१३६.२९ | ३९८४.१९ | ६१२५.५८ | ७९५०.५० | २०३७.८० | १२६१३.३२ |

* अपरिष्कृत

स्रोत : अर्थ मन्त्रालय

तालिका २.८ : वैदेशिक सहायता उपयोग (स्रोत अनुसार)

रु. करोडमा

| सि.नं. | शीर्षक | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | |
|----------|-------------------|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|--|--|
| | | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | | |
| १ | द्विपक्षीय | १६४०.६४ | १०२०.७७ | ९३३.३१ | २२९०.१५ | २५८५.०४ | ३२०८.७७ | २६००.९७ | २९४०.७२ | | |
| | अनुदान | ७४०.१८ | ९५७.५६ | ८७२.०२ | १८३५.०९ | २१७३.८० | २८८३.३३ | २३४३.५२ | २६१६.६७ | | |
| | ऋण | ९००.४६ | ६३.२१ | ६१.२९ | ४५५.०६ | ४११.२४ | ३२५.४४ | २५७.४५ | ३२४.०५ | | |
| २ | बहुपक्षीय | ९४४.७९ | १९०९.२९ | २७०१.८६ | २६८६.७९ | ३२१४.७३ | १९८०.५७ | २११८.९६ | ३०७९.७४ | | |
| | अनुदान | ८३९.९० | १०७४.५१ | १७६६.२६ | २०१९.५१ | २४१८.४१ | ११९७.७० | ११७९.४६ | १६०३.९१ | | |
| | ऋण | १०४.८९ | ८३४.७८ | ९३५.६० | ६६७.२८ | ७९६.३२ | ७८२.८७ | ९३९.५० | १४७५.८३ | | |
| ३ | जम्मा | २५८५.४४ | २९३०.०६ | ३६३५.१७ | ४९७६.९४ | ५७९९.७८ | ५१८९.३४ | ४७१९.९२ | ६०२०.४६ | | |
| | अनुदान | १५८०.०८ | २०३२.०७ | २६३८.२८ | ३८५४.६० | ४५९२.२२ | ४०८१.०३ | ३५२२.९८ | ४२२०.५८ | | |
| | ऋण | १००५.३५ | ८९७.९९ | ९९६.८९ | ११२२.३४ | १२०७.५६ | ११०८.३१ | ११९६.९४ | १७९९.८८ | | |

स्रोत : महालेखा नियन्त्रकको कार्यालय

तालिका २.९ : प्राप्त वैदेशिक अनुदानको सेवा तथा कार्यगत विवरण

रु. करोडमा

| सि.नं. | शीर्षक | आर्थिक वर्ष | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|--------|---|-------------|---------|---------|---------|----------|----------------|---------|
| | | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| १ | सामान्य सार्वजनिक सेवा | ७२३.७६ | ५८९.४५ | ३००.९४ | ३६०.३७ | ७३६.६८ | ११७.२५ | ३४७.४६ |
| १।१ | कार्यकारी र विधायिकाको निकाय, वित्तिय र वैदेशिक मामिला | ३७४.३८ | ३८०.२८ | २७९.१२ | ३०४.०७ | ४९१.२४ | १०७.३८ | २७३.२५ |
| १।२ | बाह्य आर्थिक सहायता | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १।३ | सामान्य सेवा | १.०० | १४.१७ | २१.७५ | १८.६७ | १२९.२४ | ५.५९ | २८.८९ |
| १।४ | सामान्य आधारभूत सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १।५ | सामान्य अनुसन्धान तथा विकास सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १।६ | सामान्य सेवा - अन्य वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १।७ | सार्वजनिक ऋण कारोवार | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १।८ | विभिन्न तहका सरकारहरू बीच हुने सामान्य प्रकृतिको हस्तान्तरण | ३४७.३८ | १९५.०० | ०.०७ | ३७.६३ | ११६.२० | ४.२८ | ४५.३२ |
| २ | रक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | १९.२२ | २२.९८ | ०.०० | ०.०० |
| २।१ | सैनिक सुरक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| २।२ | नागरिक सुरक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | १९.२२ | २२.९८ | ०.०० | ०.०० |
| २।३ | वैदेशिक सैनिक सहयोग | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| २।४ | अनुसन्धान तथा विकास रक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| २।५ | रक्षा - अन्य वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ३ | सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा | ९६.३० | २६१.०० | २३०.२५ | २०९.८२ | २६०.०० | १४४.५८ | ०.०० |
| ३।१ | प्रहरी सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ३।२ | अग्नि नियन्त्रण सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ३।३ | न्यायालय | ४.४७ | ३.०५ | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ३।४ | कारागार | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ३।५ | सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ३।६ | सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा-अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ९१.८३ | २५७.९५ | २३०.२५ | २०९.८२ | २६०.०० | १४४.५८ | ०.०० |
| ४ | आर्थिक मामिला | १८४३.२७ | ११४०.११ | १०७३.१६ | १५४२.०४ | ३४०१.०५ | ३५५.८१ | ४५६.९४ |
| ४।१ | सामान्य आर्थिक, व्यापारिक र श्रम | ५१७.२१ | २७०.११ | २५४.४६ | १८३.१२ | ५७०.१८ | ५७.६१ | १६४.१७ |
| ४।२ | कृषि, वन, मत्स्यपालन तथा शिकार | २२१.९० | २४८.२९ | २७०.५६ | ४८१.८१ | ९०८.४६ | १६४.४१ | १४६.९६ |
| ४।३ | इन्धन तथा उर्जा | २१९.८४ | १८०.२० | २१५.७९ | ३१२.४९ | ५८३.७६ | २७.४८ | ९०.४० |
| ४।४ | खानी, उत्पादन तथा निर्यात | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ८५.०० | ०.०० | ०.०० |
| ४।५ | यातायात | ८८४.३२ | ४४१.५१ | ३२९.१९ | ५५३.०३ | १११३.१७ | १०२.४५ | ४३.३८ |
| ४।६ | सञ्चार | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.७९ | १६.२३ | ०.२९ | ८.६३ |
| ४।७ | अन्य उद्योगहरू | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ९८.०८ | ०.०० | ०.०० |
| ४।८ | अनुसन्धान तथा विकास- आर्थिक मामिला | ०.०० | ०.०० | ३.१७ | १०.८१ | २६.१२ | ३.५६ | २.६७ |
| ४।९ | आर्थिक मामिला- अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०५ | ०.०० | ०.०० |
| ५ | वातावरण संरक्षण | २९.८२ | ४.०५ | १.८३ | ४६.६२ | २१७.१६ | २२.७३ | ४२.८८ |
| ५।१ | फोहर मैला व्यवस्थापन | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ५।२ | ढल व्यवस्थापन | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.९८ | १२.७५ | ४.२८ | ४.२५ |
| ५।३ | प्रदूषण न्यूनिकरण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ५।४ | जैविक विविधता र भू-संरक्षण | ०.०० | ०.०२ | ०.७५ | २.८१ | १.७५ | ०.०० | ०.०० |
| ५।५ | अनुसन्धान तथा विकास पर्यावरण संरक्षण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ५।६ | वातावरण संरक्षण - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | २९.८२ | ४.०३ | १.०९ | ४२.८३ | २०२.६६ | १८.४५ | ३८.६३ |
| ६ | आवास तथा सामुदायिक सुविधा | २७८.६४ | २९१.२८ | २०५.११ | २१८.०१ | ४९१.७१ | ५५.५६ | ४३.८७ |
| ६।१ | आवास विकास | ०.०० | १०.४८ | ८.८९ | १६.१६ | ८७.४९ | १०.१२ | १८.६७ |
| ६।२ | सामुदायिक विकास | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | १७६.६१ | ०.०० | ०.०० |
| ६।३ | खानेपानी | १२८.७८ | १०२.४० | ६१.९९ | १३८.४८ | १६२.९१ | २६.२० | २५.२० |
| ६।४ | सडक विद्युतीकरण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ६।५ | आवास तथा सामुदायिक सुविधा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ६।६ | आवास तथा सामुदायिक सुविधा - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | १४९.८६ | १७८.४० | १३४.२३ | ६३.३७ | ६४.६९ | १९.२४ | ०.०० |

| सि.नं. | शीर्षक | आर्थिक वर्ष | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|--------|--|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|
| | | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| ७ | स्वास्थ्य | ५५९.५० | ५७०.०२ | ५६८.२८ | ५०३.७२ | ९४६.६९ | १९३.०८ | १५२.७३ |
| ७।१ | औषधि उत्पादन, उपकरण तथा औजार | ३५.३५ | ४५.१२ | २५.९० | ५६.०९ | ४६.०५ | २७.३५ | ३.८६ |
| ७।२ | वहिरा सेवा | १९०.६९ | १५५.४८ | १४८.०१ | १०८.१५ | ३९९.२२ | १४.९३ | १६.०० |
| ७।३ | अस्पताल सेवा | २२.१८ | ३६.१४ | ५२.०५ | २५.२७ | ६२.८१ | १९.९४ | १४.०३ |
| ७।४ | सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा | २७३.८३ | ३०१.६० | ३२५.०२ | २९०.१४ | ३९९.५२ | १२६.३२ | ११२.२२ |
| ७।५ | अनुसन्धान सेवा | ३७.४५ | ३१.६८ | १७.२९ | २४.०७ | ३९.०८ | ४.५५ | ६.६२ |
| ७।६ | स्वास्थ्य - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८ | मनोरञ्जन, संस्कृति तथा धर्म | १.८१ | १.२४ | ४.४५ | १२.३७ | २७.७० | ०.९२ | ४.६८ |
| ८।१ | मनोरञ्जनात्मक र खेलकुद सेवाहरू | ०.४८ | ०.२५ | ०.०२ | ०.४६ | १.२३ | ०.२७ | ०.२१ |
| ८।२ | सांस्कृतिक सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८।३ | प्रशारण तथा प्रकाशन सेवा | १.३३ | ०.९९ | ४.४३ | ११.९१ | २६.४७ | ०.६५ | ४.४७ |
| ८।४ | धार्मिक तथा अन्य सामुदायिक सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८।५ | अनुसन्धान तथा विकास, संस्कृतिक र धार्मिक | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८।६ | मनोरञ्जन, संस्कृति र धर्म - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९ | शिक्षा | १०३२.६० | १२२३.६० | ११३७.२८ | १२८५.४३ | ११२२.५५ | ८२०.३५ | ३५३.२४ |
| ९।१ | पुर्व प्राथमिक र प्राथमिक शिक्षा | ३२.३१ | ४.६५ | ३३.५६ | १८.४१ | ४१.७६ | ३.१२ | २.७३ |
| ९।२ | माध्यमिक शिक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९।३ | | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९।४ | स्नातक तहको शिक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९।५ | तहमा वर्गिकृत नहुने शिक्षा अनौपचारिक शिक्षा | ९६५.४९ | १११९.४५ | ९४७.८३ | ९७३.५३ | ९९१.७६ | ७०१.६५ | ३३७.६८ |
| ९।६ | शिक्षाको लागि सहायक सेवाहरू | ३४.८० | ८८.२८ | १२६.२३ | २१०.९१ | २६.२२ | ८९.२१ | ६.१० |
| ९।७ | शिक्षा अनुसन्धान विकास | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९।८ | शिक्षा- अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ११.२२ | २९.६५ | ८२.५८ | ६३.११ | २६.३६ | ६.७२ |
| १० | सामाजिक सुरक्षा | २६.४० | ०.२८ | १.६९ | २२.९८ | १११.७७ | १.२२ | २८.४७ |
| १०।१ | अशक्त तथा बिरामी | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०।२ | वृद्ध | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०।३ | उत्तर जिवी | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०।४ | परिवार र शिशु कल्याण | २०.९५ | ०.०० | ०.०५ | १५.५५ | ७०.५४ | ०.६९ | २७.३४ |
| १०।५ | बेरोजगार | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०।६ | आवास | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०।७ | सामाजिक समावेशी | ०.०० | ०.०० | ०.४३ | १.३५ | ९.७० | ०.०० | ०.०० |
| १०।८ | सामाजिक सुरक्षा- अनुसन्धान तथा विकास | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०।९ | सामाजिक सुरक्षा- अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ५.४५ | ०.२८ | १.२० | ६.०८ | ३१.५३ | ०.५३ | १.१३ |
| | जम्मा | ४५९२.१० | ४८८१.०३ | ३५२२.९८ | ४२२०.५८ | ७३३८.५९ | १७११.५० | १४३०.२८ |

* अनुमानित

नोट:- नेपाल सरकारले आर्थिक वर्ष २०६८/६९ देखि Government Financial Statistic (GFS) २००१ अनुसार आय तथा खर्चको लेखाङ्कन गरेकोले सो अगाडिको तथ्याङ्क फरक देखिन सक्ने छ ।

स्रोत : महालेखा नियन्त्रक कार्यालय

तालिका २.१० : प्राप्त वैदेशिक ऋणको विवरण

रु. करोडमा

| सि.नं. | शीर्षक | आर्थिक वर्ष | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|--------|---|-------------|---------|---------|---------|---------|----------------|---------|
| | | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| १ | सामान्य सार्वजनिक सेवा | १००.८२ | ९३.४२ | ३.६२ | ५.६९ | २३.९७ | २.८१ | ५.०१ |
| १.१ | कार्यकारी र विधायिकाको निकाय, वित्तिय र | १००.८२ | ८९.९२ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १.२ | बाह्य आर्थिक सहायता | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | २.८१ | ०.२२ |
| १.३ | सामान्य सेवा | ०.०० | ३.५० | २.४२ | ५.६९ | ६.१३ | ०.०० | ४.७९ |
| १.४ | सामान्य आधारभूत सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १.५ | सामान्य अनुसन्धान तथा विकास सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १.६ | सामान्य सेवा - अन्य वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | १.१९ | ०.०० | १७.८४ | ०.०० | ०.०० |
| १.७ | सार्वजनिक ऋण कारोवार | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १.८ | विभिन्न तहका सरकारहरू बीच हुने सामान्य | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| २ | रक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ११३.२१ | २३६.९० | ०.०० | ०.०० |
| २.१ | सैनिक सुरक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| २.२ | नागरिक सुरक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ११३.२१ | २३६.९० | ०.०० | ०.०० |
| २.३ | वैदेशिक सैनिक सहयोग | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| २.४ | अनुसन्धान तथा विकास रक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| २.५ | रक्षा - अन्य वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ३ | सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ३.१ | प्रहरी सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ३.२ | अग्नि नियन्त्रण सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ३.३ | न्यायालय | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ३.४ | कारागार | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ३.५ | सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ३.६ | सार्वजनिक शान्ति सुरक्षा-अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ४ | आर्थिक मामिला | ८४३.१४ | ७६६.४६ | ८९३.१० | १२६६.०८ | ३१९७.०४ | ३२५.३७ | ३७५.५६ |
| ४.१ | सामान्य आर्थिक, व्यापारिक र श्रम | २०७.३७ | ५०.५८ | १४५.८४ | २११.१२ | १८५.९२ | १३९.४५ | ६६.९७ |
| ४.२ | कृषि, वन, मत्स्यपालन तथा शिकार | ७२.२५ | १०६.२५ | ७६.६४ | १७५.३२ | ३७०.५७ | ६३.०५ | ७४.०४ |
| ४.३ | इन्धन तथा उर्जा | ५०५.०२ | ५०१.०३ | ४२३.१९ | ३७६.९ | १७२२.९८ | ०.०० | १००.०० |
| ४.४ | खानी, उत्पादन तथा निर्माण | ०.०० | ०.०० | ५३.३१ | ४०.३४ | ०.०० | ६.४६ | १७.१८ |
| ४.५ | यातायात | ५८.५० | १०८.६० | १८५.६२ | ४४६.३१ | ६८८.६० | ११६.४० | १००.८९ |
| ४.६ | सञ्चार | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ४.७ | अन्य उद्योगहरू | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | १९५.९७ | ०.०० | ०.०० |
| ४.८ | अनुसन्धान तथा विकास- आर्थिक मामिला | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ४.९ | आर्थिक मामिला- अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ८.५० | १६.०८ | ३३.०० | ०.०० | १६.५० |
| ५ | वातावरण संरक्षण | २७.५१ | २६.९४ | ८८.०७ | ७२.५७ | ५६९.२९ | ६३.९९ | १८३.१४ |
| ५.१ | फोहर मैला व्यवस्थापन | ०.०० | १२.०० | ७९.४७ | ०.०० | १५५.४२ | ०.०० | ०.०० |
| ५.२ | ढल व्यवस्थापन | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | १५०.०० | ०.०० | ८७.२२ |
| ५.३ | प्रदूषण न्यूनिकरण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ५.४ | जैविक विविधता र भु-संरक्षण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ५.५ | अनुसन्धान तथा विकास पर्यावरण संरक्षण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | १०.०० | ५९.८५ | ०.०० | ०.०० |
| ५.६ | वातावरण संरक्षण - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | २७.५१ | १४.९४ | ८.६० | ६२.५७ | २०४.०२ | ६३.९९ | ९५.९२ |
| ६ | आवास तथा सामुदायिक सुविधा | १११.६७ | ८०.६० | १०८.१९ | २३८.४८ | ५८५.६२ | ११.२५ | ३५.४७ |
| ६.१ | आवास विकास | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.३३ | १०.१३ | ०.०० | ०.०० |
| ६.२ | सामुदायिक विकास | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ६.३ | खानेपानी | ९०.१९ | ४५.४० | ९०.०० | २३८.१५ | ५७५.४९ | ११.२५ | ३५.४७ |
| ६.४ | सडक विद्युतीकरण | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ६.५ | आवास तथा सामुदायिक सुविधा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ६.६ | आवास तथा सामुदायिक सुविधा - अन्यत्र | २१.४८ | ३५.२० | १८.१९ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |

| सि.नं. | शीर्षक | आर्थिक वर्ष | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|--------|---|-------------|---------|---------|---------|----------|----------------|---------|
| | | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| ७ | स्वास्थ्य | ६७.६४ | ७२.३९ | ९८.१४ | ७१.३६ | २०४.६८ | ६.८९ | ८०.६७ |
| ७.१ | औषधि उत्पादन, उपकरण तथा औजार | १५.३१ | ३.७० | ४२.५६ | १२.३९ | ३०.०० | ०.०० | २२.०० |
| ७.२ | वहिरंग सेवा | २.७८ | ४१.१६ | ४२.२९ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ७.३ | अस्पताल सेवा | १५.९१ | १४.६८ | ०.०२ | ९.१७ | ०.०० | १.६३ | ०.०० |
| ७.४ | सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा | ३३.६४ | १२.८५ | १३.२८ | ४९.८ | १७४.६८ | ५.२६ | ५८.६७ |
| ७.५ | अनुसन्धान सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ७.६ | स्वास्थ्य - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८ | मनोरञ्जन, सस्कृति तथा धर्म | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८.१ | मनोरञ्जनात्मक र खेलकुद सेवाहरू | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८.२ | सांस्कृतिक सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८.३ | प्रशारण तथा प्रकाशन सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८.४ | धार्मिक तथा अन्य सामुदायिक सेवा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८.५ | अनुसन्धान तथा विकास ,सांस्कृतिक र धार्मिक | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८.६ | मनोरंजन, संस्कृती र धर्म - अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९ | शिक्षा | ४३.२२ | ५६.१८ | ०.०० | २९.७४ | ११२.९७ | १६.९१ | ५१.४५ |
| ९.१ | पुर्व प्राथमिक र प्राथमिक शिक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९.२ | माध्यमिक शिक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९.३ | | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९.४ | स्नातक तहको शिक्षा | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९.५ | तहमा वर्गिकृत नहुने शिक्षा अनौपचारिक शिक्षा | ४३.२२ | ५६.१८ | ०.०० | २४.२९ | ०.०० | १६.४० | ०.०० |
| ९.६ | शिक्षाको लागि सहायक सेवाहरू | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०२ | ०.०० | ०.५१ | ०.०० |
| ९.७ | शिक्षा अनुसन्धान विकास | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९.८ | शिक्षा- अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ५.४३ | ११२.९७ | ०.०० | ५१.४५ |
| १० | सामाजिक सुरक्षा | १३.४२ | १२.२२ | ५.८२ | २.७६ | २२.४१ | ०.०७ | ४.७१ |
| १०.१ | अशक्त तथा विरामी | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०.२ | वृद्ध | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०.३ | उत्तर जिवी | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०.४ | परिवार र शिशु कल्याण | ०.०० | ०.०० | ०.०१ | २.७६ | २२.४१ | ०.०७ | ४.७१ |
| १०.५ | बैरोजगार | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०.६ | आवास | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०.७ | सामाजिक समावेशी | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०.८ | सामाजिक सुरक्षा- अनुसन्धान तथा विकाश | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १०.९ | सामाजिक सुरक्षा- अन्यत्र वर्गिकृत नभएको | १३.४२ | १२.२२ | ५.८१ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| | जम्मा | १२०७.४२ | ११०८.२१ | ११९६.९४ | १७९९.८८ | ४९५२.८८ | ४२७.२९ | ७३६.०२ |

* अनुमानित

नोट:- नेपाल सरकारले आर्थिक वर्ष २०६८-६९ देखि Government Financial Statistic (GFS) २००१ अनुसार आय तथा खर्चको लेखाइकन गरेकोले सो अगाडिको तथ्याइक फरक देखिन सक्ने छ ।

स्रोत:- महालेखा नियन्त्रक कार्यालय

तालिका २.११ : खुद वैदेशिक ऋण

रु. करोडमा

| सि.न | शीर्षक | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | प्रथम आठ महिना | | |
|-------------------------|------------------------------|-------------|----------|----------|----------|----------|-----------|----------|----------|----------|----------------|----------|----------|
| | | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| १ | अघिल्लो वर्षसम्मको बाँकी | २१७८५.०९ | २१९६४.१९ | २३३९६.८६ | २१६६२.८९ | २४९९६.५४ | २७७०४.०४ | २५६२४.३३ | २५९५५.१८ | ३०९२८.७१ | ३३३४४.१५ | ३३३४४.१५ | ३४६८१.९१ |
| २ | विनिमय दरको फरकले घट/बढ भएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ३२६३.२० | २९४३.११ | (१७३०.८१) | ६७.७४ | ४७५६.६९ | २१७६.५० | ८९६.९८ | १६४३.३४ | -२४४२.७० |
| ३ | यो वर्ष प्राप्त भएको | ७७४.३७ | ३७३.२८ | ११८५.६८ | ८५७.३९ | ७७६.४२ | ७२५.४० | १३८४.९२ | १५७०.०८ | १६५७.९५ | २११३.२४ | १३४५.६३ | १४२१.१८ |
| ४ | यो वर्ष साँवा तिरेको | ५९५.३२ | ६९८.७० | ७५३.८८ | ७८६.९४ | १०१२.०३ | १०७४.३० | १२२१.८१ | १३५३.२४ | १४१९.०१ | १६७२.४६ | ८९०.०० | ९४९.०० |
| ५ | यो वर्ष व्याज तिरेको | २१४.६७ | २१६.३८ | २०५.५७ | २१४.५३ | २३७.३७ | २४५.८१ | २३२.१९ | २८३.०८ | ३००.३२ | ३३६.५२ | १७०.१३ | १७४.९६ |
| ६ | खूद तिर्न बाँकी ऋण | २१९६४.१४ | २३३९६.८६ | २१६६२.८९ | २४९९६.५४ | २७७०४.०४ | २५६२४.३३ | २५९५५.१८ | ३०९२८.७१ | ३३३४४.१५ | ३४६८१.९१ | ३५४४३.१२ | ३२७११.३९ |
| अप्रत्यक्ष | | | | | | | | | | | | | |
| १ | अघिल्लो वर्षसम्मको बाँकी | ०.१८ | ०.०५ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| २ | यो वर्ष प्राप्त भएको | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ३ | यो वर्ष साँवा तिरेको | ०.१३ | ०.०५ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ४ | यो वर्ष व्याज तिरेको | ०.०१ | ०.०१ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| ५ | खूद तिर्न बाँकी ऋण | ०.०५ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० |
| जम्मा वैदेशिक ऋण | | | | | | | | | | | | | |
| १ | अघिल्लो वर्षसम्मको बाँकी | २१७८५.२७ | २३७२२.३३ | २१२३१.०९ | २१६६२.८९ | २४९९६.५४ | २७७०४.०४ | २५६२४.३३ | २५९५५.१८ | ३०९२८.७१ | ३३३४४.१५ | ३३३४४.१५ | ३४६८१.९१ |
| २ | विनिमय दरको फरकले घट/बढ भएको | ०.०० | | | ३२६३.२० | २९४३.११ | (१७३०.८१) | ६७.७४ | ४७५६.६९ | २१७६.५० | ८९६.९८ | १६४३.३४ | -२४४२.७० |
| ३ | यो वर्ष प्राप्त भएको | ७७४.३७ | ३७३.२८ | ११८५.६८ | ८५७.३९ | ७७६.४२ | ७२५.४० | १३८४.९२ | १५७०.०८ | १६५७.९५ | २११३.२४ | १३४५.६३ | १४२१.१८ |
| ४ | यो वर्ष साँवा तिरेको | ५९५.४५ | ६९८.७५ | ७५३.८८ | ७८६.९४ | १०१२.०३ | १०७४.३० | ११२१.८१ | १३५३.२४ | १४१९.०१ | १६७२.४६ | ८९०.०० | ९४९.०० |
| ५ | यो वर्ष व्याज तिरेको | २१४.६८ | २१६.३९ | २०५.५७ | २१४.५३ | २३७.३७ | २४५.८१ | २३२.१९ | २८३.०८ | ३००.३२ | ३३६.५२ | १७०.१३ | १७४.९६ |
| ६ | खूद तिर्न बाँकी ऋण | २१९६४.१९ | २३३९६.८६ | २१६६२.८९ | २४९९६.५४ | २७७०४.०४ | २५६२४.३३ | २५९५५.१८ | ३०९२८.७१ | ३३३४४.१५ | ३४६८१.९१ | ३५४४३.१२ | ३२७११.३९ |

टिप्पणी : विदेशी विनिमय दरको फरकले गर्दा प्रत्येक आर्थिक वर्षको तिर्न बाँकी ऋण रकममा फरक पर्न सक्दछ ।

स्रोत : महालेखा नियन्त्रक कार्यालय

तालिका २.१२ : सरकारी ऋणपत्रहरू र ट्रेजरी बिलहरूको स्वामित्वको विवरण

रु. करोडमा

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | प्रथम आठ महिना | | |
|---|----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|--|
| | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ | |
| १. ट्रेजरी बिल | | | | | | | | | | | | | |
| क. नेपाल राष्ट्र बैंक | ९२०.९३ | १३७६.८८ | १७५७.९० | २२५७.८६ | ३०४७.७५ | २८१७.८९ | २५७७.२९ | १२९६.८९ | २२०४.८९ | १७७२.४४ | २१४६.८९ | २४४६.८९ | |
| ख. वाणिज्य बैंकहरू | ५१६४.५८ | ५८६१.१५ | ६४९६.६३ | ६१०५.४८ | ६८१०.९५ | ८६४६.११ | १०२०४.९२ | १२१४९.१४ | ११३३६.०३ | ११०५४.४२ | ११३७४.३९ | १०२६६.७७ | |
| ग. अन्य | २११.५२ | २०६.५० | २४८.७७ | २९१.१७ | ३४५.६८ | ५७०.०७ | ४५०.२० | २००.७८ | १०५.८९ | ३३५.५५ | १२५.५३ | ८३.१५ | |
| जम्मा | ६२९७.०३ | ७४४४.५३ | ८५०३.३० | ८६५४.५१ | १०२०४.३७ | १२०३४.०७ | १३१६२.४१ | १३६४६.८१ | १३६४६.८१ | १३१६२.४१ | १३६४६.८१ | १२४९६.८१ | |
| २. विकास ऋणपत्र | | | | | | | | | | | | | |
| क. नेपाल राष्ट्र बैंक | १५१.८६ | १५१.८६ | २९.६५ | ३०.२३ | ३०.९१ | ३४.८२ | ३८.२० | ३९.९२ | ० | ३८.३२ | ३९.९२ | ०.०० | |
| ख. वाणिज्य बैंकहरू | ६२७.१० | ६२८.०३ | ७०१.६७ | १०७३.६७ | १४७२.८७ | १९३२.२२ | २६७८.०६ | २५७३.८७ | २३००.६८ | २६३९.०६ | २८०९.४७ | २२०६.१८ | |
| ग. वित्तीय संस्थाहरू | ४३३.१८ | ४६३.६५ | ६६०.८१ | ७८४.२४ | ८९८.२९ | १२२७.९७ | १६०२.१५ | १३३६.२६ | १२७१.६६ | १५४१.४५ | १५२९.६४ | १२२२.९० | |
| ड. कर्मचारी संचय कोष | २६३.५१ | ४०५.६४ | ४९६.५४ | ६३६.५२ | ६५३.९१ | ६५३.९१ | ७८१.९८ | ६६६.९८ | ७९९.०९ | ७७१.९८ | ८२७.९५ | ६७६.०७ | |
| इ. सरकारी व्यावसायिक संस्थानहरू | १.२५ | १.२५ | ९.१० | ०.०० | १८८.३३ | १८८.३३ | २४०.३८ | २३९.१३ | १५७.९१ | २४०.३८ | २१२.०१ | १५७.९१ | |
| च. निजी क्षेत्रका व्यावसायिक संस्थाहरू | २८.९५ | ३४.२५ | २१८.९८ | ०.०० | ५२.६८ | २६२.१६ | २६२.१६ | १८५.७५ | १६६.९१ | २५२.१६ | १८५.७५ | १५३.२० | |
| छ. निजी क्षेत्र | २१४.३० | ५९.४५ | १०.७५ | ५६.८६ | ०.०० | ९.६६ | ९.६६ | १.४७ | ०.३१ | ९.२४ | १.४७ | ०.३१ | |
| ज. सेवामुलक संस्थाहरू | ९५.७७ | १७३.५९ | ४६.०५ | ३६६.३३ | २५४.९६ | ४२.८८ | १३९.३६ | १२५.७२ | ९४.५३ | १३९.३६ | ११२.८९ | ९४.५३ | |
| जम्मा | १७९५.९२ | १९१७.७१ | २१७३.५४ | २९४७.८५ | ३५५१.९४ | ४३५१.९४ | ५७५१.९५ | ५१६१.०९ | ४७११.०९ | ५६०१.९४ | ५७११.०९ | ४५११.०९ | |
| ३. राष्ट्रिय बचत पत्र | | | | | | | | | | | | | |
| क. नेपाल राष्ट्र बैंक | २६.६० | २७.९५ | ४४.७२ | ७.६९ | ०.०० | ०.७६ | १.५० | १.७४ | १.८७ | १.६८ | १.८४ | २.१४ | |
| ख. वाणिज्य बैंकहरू | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | |
| ग. वित्तीय संस्थाहरू | २०.७५ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | |
| ड. राष्ट्रिय वीमा संस्थान | ३२.०७ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | |
| इ. कर्मचारी संचय कोष | १२.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | |
| च. सरकारी व्यावसायिक संस्थानहरू | २३.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | |
| छ. निजी क्षेत्रका व्यावसायिक संस्थाहरू | १२.९० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | |
| ज. सेवामुलक संस्थाहरू | १९.५६ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | १००२.०६ | १४७१.६३ | १४७१.६३ | १४७१.६३ | १४७१.६३ | १४७१.६३ | १४७१.६३ | |
| झ. निजी क्षेत्र | २२०.८० | १२३.७४ | ६६.९८ | १४.०० | ०.०० | ६५.१८ | ९४.८८ | ९४.६४ | ६५.६६ | ९४.७० | ६५.६६ | ६५.८९ | |
| जम्मा | ३८७.६८ | १९१.६९ | १११.६९ | २१.६९ | ०.०० | १०६८.०० | १५६८.०१ | १५६८.०१ | १५६८.०१ | १५६८.०१ | १५६८.०१ | १५६८.०१ | |
| ४. नागरिक बचत पत्र | | | | | | | | | | | | | |
| क. नेपाल राष्ट्र बैंक (दोस्रो बजार) | ५.५३ | ६.२७ | ५६.२७ | ११५.५१ | २६३.५० | ३१३.५५ | २७५.३३ | २४१.१२ | १२६.५४ | २४९.११ | १८६.४० | ५०.७६ | |
| ख. निजी क्षेत्र | १६२.३६ | १३२.८३ | २४५.१६ | ३२७.८५ | २४८.७९ | १४९.३६ | १३६.९७ | ७७.२६ | २५.१४ | १०३.१९ | ६१.९८ | २०.९१ | |
| ग. वैदेशिक रोजगार ऋणपत्र | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.४० | ०.७४ | १.६० | ५.८९ | १३.५३ | १.६० | ८.५३ | १३.५३ | |
| जम्मा | १६७.८९ | १३९.१० | ३०१.४४ | ४४३.३६ | ५१२.६९ | ४६३.६५ | ४१३.९० | ३२४.२७ | १६५.२ | ३५३.९१ | २५६.९१ | ७१.६७ | |
| ५. विशेष ऋणपत्र | | | | | | | | | | | | | |
| क. २५ वर्ष विशेष ऋणपत्र (ने.रा.बैंक) | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | |
| ख. आई एम.एफ. प्रमिसरी नोट (ने.रा.बैंक) | ४७५.५८ | ४७५.२२ | ४८०.०४ | ४८०.०४ | ५२०.०० | ४८७.११ | ४८७.११ | १३३४.५५ | ४८७.११ | ४८७.११ | १३३४.५५ | ४८७.११ | |
| ग. अन्य ऋणपत्र * | ३४६.९८ | २७७.३५ | ३३.९४ | २२.९६ | १६.९७ | १५.८० | १५.७६ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | |
| १. नेपाल राष्ट्र बैंक | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | |
| २. वाणिज्य बैंकहरू | ९४.४६ | ९४.४६ | १५.७६ | १५.७६ | १५.७६ | १५.७६ | १५.७६ | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | |
| ३. कर्मचारी संचय कोष | १४७.३५ | १४७.३५ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | |
| ४. ब्यक्ति | १०५.१७ | ३५.५४ | १८.१८ | ७.२० | १.२१ | ०.०४ | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | |
| जम्मा | ८२२.५६ | ७२४.५७ | ५१३.९८ | ५०३.०० | ५३६.९७ | ५०२.९१ | ५०२.८७ | १३३४.५५ | ४८७.११ | ४८७.११ | १३३४.५५ | ४८७.११ | |
| ६. कुल ट्रेजरी बिल तथा ऋणपत्रहरू | | | | | | | | | | | | | |
| नेपाल राष्ट्र बैंक | १५८०.५० | २०१०.१९ | २३६८.५८ | २८८८.३३ | ३८६२.१५ | ३६५४.१३ | ३३०९.४३ | २९०६.२२ | २८२०.४ | २५४८.६६ | ३७०१.६० | २६८६.८९ | |
| वाणिज्य बैंकहरू | ५८८६.१४ | ६५८३.६४ | ७२१४.०६ | ७१९४.९१ | ८२९९.५८ | १०५५.०९ | १२९८.७४ | १४७२३.०२ | १३६३६.७ | १३६३६.४८ | १४१८३.८६ | १२४७२.९९ | |
| अन्य | २०४.४४ | १७८३.७८ | २०२१.३१ | २४८४.१७ | २४४४.२५ | ४१७२.३६ | ५१९०.९६ | ४७०५.४८ | ४२११.७५ | ४९३१.२३ | ४७२२.५५ | ४७०९.०१ | |
| कुल जम्मा | ९४७१.०८ | १०३७७.६० | ११६०३.९५ | १२९४६.४१ | १४८०५.९७ | १८५२०.५७ | २१३९९.१३ | २२२०३.७२ | २०६६८.७६ | २११७३.३७ | २२६०८.०१ | १९२३८.८६ | |

* सि.वि.पास, २० वर्ष विशेष ऋणपत्र र वन क्षतिपूर्ति विशेष ऋणपत्र समावेश छ ।

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ३.१ : शहरी क्षेत्रको समग्र उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क

(आधार वर्ष २०६२/६३ = १००)

| महिना | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | | |
|----------------------------|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| साउन | ९१.० | ९३.२ | १००.० | १०४.५ | ११०.४ | १२३.५ | १३५.९ | १४८.९ | १६०.३ | १७९.३ | १९३.४ | २०७.९ |
| भदौ | ९०.१ | ९२.४ | १००.० | १०५.५ | १११.९ | १२५.८ | १३७.३ | १४९.२ | १६१.९ | १८०.१ | १९४.४ | २०९.१ |
| असोज | ९०.४ | ९२.८ | १००.० | १०६.५ | ११२.३ | १२७.२ | १३८.० | १५०.२ | १६३.६ | १८०.८ | १९६.० | २१०.७ |
| कार्तिक | ८९.७ | ९२.१ | १००.० | १०६.४ | ११२.० | १२७.४ | १३८.९ | १५०.७ | १६३.४ | १८०.५ | १९८.५ | २१२.७ |
| मंसिर | ८९.१ | ९१.९ | १००.० | १०५.८ | ११०.७ | १२५.५ | १३८.४ | १५१.६ | १६३.० | १७९.९ | १९८.४ | २१२.४ |
| पुस | ८९.४ | ९३.५ | १००.० | १०४.६ | १०९.६ | १२४.७ | १३८.० | १५३.६ | १६४.० | १८०.१ | १९७.६ | २११.२ |
| माघ | ८९.४ | ९४.५ | १००.० | १०५.१ | ११०.६ | १२५.२ | १३८.९ | १५३.० | १६३.८ | १८०.३ | १९६.१ | २०९.८ |
| फागुन | ८७.८ | ९२.९ | १००.० | १०५.४ | १११.७ | १२६.१ | १३८.६ | १५३.३ | १६४.१ | १८०.९ | १९६.९ | २१०.७ |
| चैत | ८७.६ | ९२.७ | १००.० | १०५.६ | ११४.० | १२७.२ | १३९.६ | १५४.४ | १६६.० | १८१.७ | १९८.९ | - |
| वैशाख | ८६.१ | ९१.६ | १००.० | १०६.६ | ११५.४ | १२९.८ | १४१.२ | १५४.५ | १६८.० | १८२.६ | २००.४ | - |
| जेठ | ८६.३ | ९१.६ | १००.० | १०६.७ | ११७.५ | १३१.६ | १४२.३ | १५४.८ | १७०.२ | १८४.२ | २०१.६ | - |
| असार | ८६.६ | ९२.४ | १००.० | १०८.० | ११९.५ | १३२.८ | १४४.६ | १५८.६ | १७६.८ | १९०.५ | २०५.९ | - |
| वार्षिक | ८८.६ | ९२.६ | १००.० | १०५.९ | ११३.० | १२७.२ | १३९.३ | १५२.५ | १६५.४ | १८१.७ | १९३.४ | - |
| वार्षिक वृद्धिदर (प्रतिशत) | ४.० | ४.५ | ८.० | ५.९ | ६.७ | १२.६ | ९.६ | ९.६ | ८.३ | ९.९ | ९.१ | - |

* अपरिष्कृत

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ३.२ (क) : समूहगत उपभोग्य वस्तुहरूको राष्ट्रिय उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क, वार्षिक

(आधार वर्ष २०६२/६३ = १००)

| उपभोग्य वस्तुहरू | भार प्रतिशत | २०६४/६५ | २०६५/६६ | ०६६/६७ | ०६७/६८ | ०६८/६९ | ०६९/७० | ०७०/७१ | प्रथम आठ महिनाको औषत | | |
|-------------------------------|-------------|---------|---------|--------|--------|--------|--------|--------|----------------------|----------|------------------|
| | | | | | | | | | २०७०/७१ | २०७१/७२* | प्रतिशत परिवर्तन |
| कुल सूचकाङ्क | १००.०० | ११३.० | १२७.२ | १३९.४ | १५२.५ | १६५.४ | १८१.७ | १९८.२ | १९६.९ | २१०.७ | ७.० |
| खाद्य तथा पेय पदार्थ | ४६.८२ | ११७.० | १३७.३ | १५८.१ | १८१.३ | १९५.२ | २१४.० | २३८.८ | २३३.६ | २५५.७ | ९.५ |
| अन्न तथा अन्नबाट बनेका परिकार | १४.८१ | १२१.७ | १३९.६ | १५३.७ | १७५.१ | १७५.७ | १९१.६ | २१२.९ | २१६.२ | २३३.० | ७.८ |
| दाल | २.०१ | १३३.२ | १६५.७ | २०८.८ | १९३.० | १९२.९ | २१७.० | २२७.६ | २२८.५ | २६६.८ | १६.७ |
| तरकारी | ५.६५ | ११९.९ | १३३.४ | १६०.७ | २१७.० | २६९.६ | २८५.० | ३४३.४ | २७३.१ | २८६.२ | ४.८ |
| मासु तथा माछा | ५.७० | ११५.० | १४१.८ | १७१.५ | १८६.३ | २००.३ | २२९.२ | २७०.९ | २६९.६ | २९६.२ | ९.९ |
| दुग्ध पदार्थ तथा अण्डा | ५.०१ | ११६.१ | १३३.१ | १४९.० | १७०.७ | १९३.९ | २१०.६ | २२५.७ | २२६.२ | २६४.१ | १६.८ |
| घ्यू तथा तेल | २.७० | १२८.८ | १५०.० | १४३.१ | १४६.७ | १६७.९ | १९१.० | १९२.८ | १९३.३ | १९२.४ | -०.४ |
| फलफूल | २.२३ | ११०.६ | १२८.४ | १५४.७ | १८४.७ | २१६.० | २२९.५ | २६०.९ | २४७.७ | २७३.३ | १०.४ |
| चिनी तथा मिठाई | १.३६ | ८३.५ | १२२.२ | १७७.६ | २१२.३ | २३१.९ | २६३.७ | २५३.७ | २४९.० | २४८.७ | -०.१ |
| मसला | १.४६ | १२२.६ | १३७.४ | १७५.१ | २१५.७ | १९६.० | २०५.८ | २२५.५ | २२४.४ | २५१.३ | १२.० |
| हल्का पेय पदार्थ | ०.९६ | १०७.८ | १२८.६ | १५२.६ | १६८.५ | १७६.० | १९५.४ | २००.३ | २०१.१ | २०९.६ | ४.२ |
| मदिरा | १.७२ | १०६.८ | ११९.१ | १३३.५ | १४२.१ | १४८.६ | १६०.५ | १८७.५ | १९४.१ | २३५.० | २१.१ |
| सुतिजन्य पदार्थ | ०.८५ | ११६.१ | १३५.२ | १५२.१ | १७२.७ | १९१.४ | २१७.८ | २५८.८ | २७२.९ | ३४५.६ | २६.६ |
| रेष्टुरा तथा होटल | २.३५ | ११०.६ | १३६.५ | १६४.२ | १८९.७ | २१२.३ | २३७.५ | २६२.६ | २६४.२ | २९४.२ | ११.३ |
| गैर खाद्य बस्तु तथा सेवा | ५३.१८ | १०९.२ | ११९.० | १२४.८ | १३१.५ | १४३.४ | १५७.८ | १६८.५ | १६९.६ | १७८.० | ४.९ |
| लत्ता कपडा तथा जुत्ता | ८.४९ | १०७.० | ११६.० | १२४.८ | १४१.४ | १६२.३ | १८२.० | २०२.२ | २०५.७ | २२६.३ | १०.० |
| घरायसी सामान तथा सेवा | १०.८७ | १११.७ | १२१.० | १२४.९ | १३४.१ | १४२.३ | १५७.४ | १६५.४ | १६५.७ | १६७.१ | ०.९ |
| फर्निचर तथा घरायसी उपकरण | ४.८९ | ११२.९ | १२७.८ | १३५.७ | १४३.४ | १६२.६ | १८४.२ | २०१.१ | २०३.७ | २२१.८ | ८.९ |
| स्वास्थ्य | ३.२५ | १०८.६ | ११४.० | ११७.८ | १२२.७ | १२८.३ | १३७.० | १४७.१ | १४९.८ | १५६.२ | ४.३ |
| यातायात | ६.०१ | १११.२ | १२९.७ | १२३.६ | १३६.१ | १५७.३ | १७४.४ | १८३.९ | १८४.२ | १८५.१ | ०.५ |
| संचार | ३.६४ | १००.० | १००.१ | १००.१ | ८९.५ | ८२.२ | ८०.५ | ८०.९ | ८०.८ | ८१.० | ०.३ |
| मनोरंजन तथा संस्कृति | ५.३९ | १०७.२ | ११४.६ | १२३.० | १२०.१ | १२९.४ | १४०.१ | १४९.४ | १५०.९ | १६०.३ | ६.२ |
| शिक्षा | ८.४६ | ११२.१ | १२१.५ | १३५.३ | १४२.७ | १५६.६ | १७५.६ | १८२.१ | १८८.१ | १९८.४ | ५.५ |
| अन्य वस्तु तथा सेवाहरू | २.१७ | १०३.६ | ११६.० | १२४.७ | १३२.१ | १४५.२ | १५९.८ | १७१.४ | १७२.५ | १८६.८ | ८.३ |

* अपरिष्कृत

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ३.२ (ख) : समूहगत उपभोग्य वस्तुहरूको राष्ट्रिय उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क (प्रथम आठ महिना)

| (आधार वर्ष २०६२/६३ = १००) | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|--------------------|---------|--|
| उपभोग्य वस्तुहरू | भार | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७०/७१ | २०७१/७२ | प्रतिशत परिवर्तन** | | |
| | प्रतिशत | असार | फागुन | असार | फागुन | असार | फागुन | असार | फागुन | असार | फागुन | असार | फागुन | २०७०/७१ | २०७१/७२ | |
| कुल सूचकाङ्क | १००.०० | १३२.७ | १३८.६ | १४४.७ | १५३.३ | १५८.६ | १६४.१ | १६६.८ | १८०.९ | १९०.५ | २०५.९ | २०५.९ | २१०.७ | ८.९ | ७.० | |
| खाद्य तथा पेय पदार्थ | ४६.८२ | १४९.६ | १५५.० | १६६.१ | १८१.८ | १८६.३ | १८९.५ | २०८.४ | २१०.९ | २२५.९ | २५१.० | २५१.० | २५५.७ | १०.८ | ९.५ | |
| अन्न तथा अन्नबाट बनेका परिकार | १४.८१ | १४२.४ | १५५.० | १६३.५ | १७५.८ | १७३.२ | १७९.५ | १८०.६ | १९३.६ | २०१.९ | २१६.३ | २१६.३ | २३३.० | ११.७ | ७.८ | |
| दाल | २.०१ | १८०.८ | २१०.४ | २०३.५ | १९३.४ | १८६.७ | १९०.० | २०५.६ | २१४.० | २२१.७ | २३४.७ | २३४.७ | २६६.८ | ६.८ | १६.७ | |
| तरकारी | ५.६५ | १७६.३ | १२०.३ | १६०.४ | २०८.४ | २३२.७ | २१९.१ | ३२०.२ | ३३९.८ | ३०९.५ | ३७४.९ | ३७४.९ | २८६.२ | १३.९ | ४.८ | |
| मासु तथा माछा | ५.७० | १६१.० | १७८.० | १८०.४ | १९१.८ | १८९.८ | २०२.९ | २१२.२ | २३७.५ | २४५.३ | २८४.३ | २८४.३ | २९६.२ | १३.५ | ९.९ | |
| दुग्ध पदार्थ तथा अण्डा | ५.०१ | १३६.६ | १५२.४ | १६२.६ | १६८.३ | १८४.९ | १९७.७ | २०४.२ | २१२.० | २१५.६ | २३९.२ | २३९.२ | २६६.१ | ६.७ | १६.८ | |
| च्यू तथा तेल | २.७० | १४३.२ | १४४.८ | १४२.१ | १४५.४ | १५४.६ | १६९.२ | १८४.७ | १९२.७ | १९१.१ | १९१.६ | १९१.६ | १९२.४ | ०.३ | -०.४ | |
| फलफूल | २.२३ | १५६.६ | १४०.९ | १६५.८ | १८७.९ | २०९.७ | २०६.३ | २४०.६ | २१७.१ | २५९.९ | ३२६.१ | ३२६.१ | ३७३.३ | १४.१ | १०.४ | |
| चिनी तथा मिठाई | १.३६ | १४४.० | २०३.२ | १७१.४ | २१७.५ | २१३.२ | २३०.३ | २४२.८ | २५७.९ | २५५.४ | २५३.२ | २५३.२ | २४८.७ | -३.५ | -०.१ | |
| मसला | १.४६ | १४७.५ | १७९.३ | २११.३ | २१९.० | २१०.३ | १९२.५ | १९७.० | २०३.१ | २२१.५ | २३२.९ | २३२.९ | २५१.३ | १०.५ | १२.० | |
| हल्का पेय पदार्थ | ०.९६ | १४१.५ | १५२.० | १५७.९ | १६५.५ | १७०.० | १७५.५ | १८२.६ | १९६.५ | १९५.९ | २०२.६ | २०२.६ | २०९.६ | २.३ | ४.२ | |
| मदिरा | १.७२ | १२३.४ | १३६.१ | १३६.८ | १३९.० | १४२.६ | १५१.८ | १५९.९ | १५८.५ | १७५.३ | २०९.४ | २०९.४ | २३५.१ | २२.५ | २१.१ | |
| सुतिजन्य पदार्थ | ०.८५ | १४१.७ | १५३.३ | १५५.७ | १७५.५ | १८१.८ | १९५.६ | २१४.३ | २१७.८ | २३५.४ | २९०.९ | २९०.९ | ३४५.६ | २५.३ | २६.६ | |
| रेष्टुरा तथा होटल | २.३५ | १४९.० | १६६.९ | १७३.७ | १९३.० | १९८.७ | २१५.० | २२३.९ | २४१.४ | २४९.१ | २६९.४ | २६९.४ | २९४.२ | ९.४ | ११.३ | |
| गैर खाद्य वस्तु तथा सेवा | ५३.१८ | ११९.४ | १२५.७ | १२८.२ | १३२.४ | १३८.० | १४४.९ | १५३.४ | १५८.३ | १६४.५ | १७३.२ | १७३.२ | १७८.८ | ७.१ | ४.९ | |
| लत्ता कपडा तथा जुत्ता | ८.४९ | ११९.४ | १२५.७ | १२९.० | १४२.६ | १५१.३ | १६४.३ | १७४.२ | १८३.३ | १९१.३ | २०७.८ | २०७.८ | २२६.३ | १२.२ | १०.० | |
| घरायसी सामान तथा सेवा | १०.८७ | ११९.१ | १२७.१ | १३२.७ | १३५.२ | १३७.९ | १४३.७ | १५३.७ | १५७.७ | १६३.५ | १६९.४ | १६९.४ | १६७.१ | ५.१ | ०.९ | |
| फर्निचर तथा घरायसी उपकरण | ४.८९ | १३०.९ | १३५.६ | १४०.६ | १४५.६ | १५३.९ | १६५.१ | १७४.२ | १८६.२ | १९४.४ | २०५.७ | २०५.७ | २२१.८ | ९.४ | ८.९ | |
| स्वास्थ्य | ३.२५ | ११५.४ | ११७.८ | ११९.१ | १२१.२ | १२४.२ | १२९.० | १३४.२ | १३७.३ | १४२.८ | १५०.६ | १५०.६ | १५६.२ | ९.१ | ४.३ | |
| यातायात | ६.०१ | १२५.७ | १२४.४ | १२५.८ | १३८.५ | १४८.६ | १६२.० | १७०.५ | १७५.६ | १८१.० | १८८.५ | १८८.५ | १८५.१ | ४.९ | ०.५ | |
| संचार | ३.६४ | १००.१ | १००.१ | १००.१ | ८९.७ | ८३.८ | ८२.४ | ८०.५ | ८०.७ | ८१.२ | ८१.० | ८१.० | ८१.० | ०.१ | ०.३ | |
| मनोरंजन तथा संस्कृति | ५.३९ | ११७.४ | १२३.९ | १२४.६ | १२१.४ | १२३.८ | १३२.२ | १३४.४ | १४०.३ | १४४.३ | १५२.५ | १५२.५ | १६०.३ | ७.५ | ६.२ | |
| शिक्षा | ८.४६ | १२१.६ | १३६.० | १३६.० | १४२.४ | १५५.० | १५५.० | १७४.५ | १७४.५ | १८८.१ | १९८.४ | १९८.४ | १९८.४ | ७.८ | ५.५ | |
| अन्य वस्तु तथा सेवाहरू | २.१७ | ११७.३ | १२६.२ | १२२.९ | १३३.० | १४०.२ | १४६.१ | १५२.० | १६२.० | १६४.८ | १७४.८ | १७४.८ | १६६.८ | ६.५ | ८.३ | |

* अपरिष्कृत

** फागुन-फागुनको विन्दुगत परिवर्तन

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ३.२ (ग) : समूहगत उपभोग्य वस्तुहरूको उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क (काठमाडौं), प्रथम आठ

महिना

(आधार वर्ष २०६२।६३ = १००)

| उपभोग्य वस्तुहरू | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ | प्रतिशत परिवर्तन** | |
|-------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|--------------------|---------|
| | फागुन | फागुन | फागुन | फागुन | फागुन | फागुन* | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| कुल सूचकाङ्क | १३९.८ | १५९.२ | १६८.२ | १८६.४ | २०२.६ | २१६.९ | ८.७ | ७.१ |
| खाद्य तथा पेय पदार्थ | १५४.७ | १८७.४ | १९३.९ | २१७.७ | २४३.९ | २६९.० | १२.० | १०.३ |
| अन्न तथा अन्नबाट बनेका परिकार | १५३.० | १७४.३ | १७३.५ | १९६.७ | २२१.८ | २४३.१ | १२.७ | ९.६ |
| दाल | २११.० | १७७.९ | १७९.३ | १९९.२ | २१४.९ | २४७.१ | ७.९ | १५.० |
| तरकारी | ११५.० | २३४.६ | २३३.४ | २६१.५ | ३०५.५ | ३३९.३ | १६.८ | ११.१ |
| मासु तथा माछा | १८६.४ | १९८.९ | २०८.४ | २४१.६ | २८०.७ | ३०१.१ | १६.२ | ७.२ |
| दुग्ध पदार्थ तथा अन्डा | १५४.९ | १६६.८ | १९७.० | २१०.० | २२१.० | २५८.२ | ५.२ | १६.९ |
| घ्यू तथा तेल | १४५.९ | १५६.१ | १७४.५ | १९७.२ | १९४.४ | १९३.४ | -१.४ | -०.५ |
| फलफूल | १४५.३ | १८४.७ | १९८.९ | २१०.३ | २६४.९ | २९५.५ | २६.० | ११.५ |
| चिनी तथा मिठाई | २०३.२ | ३३२.४ | ३४५.२ | ३८५.४ | ३७९.८ | ३८९. | -१.४ | २.४ |
| मसला | १८०.३ | २३९.० | १९९.९ | २२४.३ | २४३.७ | २७२.६ | ८.६ | ११.९ |
| हल्का पेय पदार्थ | १५२.३ | १४२.४ | १४९.९ | १७२.८ | १७५.८ | १८२.२ | १.८ | ३.६ |
| मदिरा | १२९.१ | ११६.८ | १२८.५ | १४०.० | १५४.० | १८७.६ | १०.० | २१.८ |
| सुर्तिजन्य पदार्थ | १६३.४ | १७४.१ | १८३.० | २१८.७ | २७९.७ | ३२१.४ | २७.९ | १४.९ |
| रैष्टुरा तथा होटल | १७१.३ | १९७.८ | २१७.१ | २३९.२ | २६३.१ | २९६.८ | १०.० | १२.८ |
| गैर खाद्य बस्तु तथा सेवा | १२६.५ | १३६.३ | १४६.९ | १६०.४ | १६९.१ | १७६.० | ५.४ | ४.१ |
| लत्ता कपडा तथा जुत्ता | १२२.६ | १३८.६ | १५५.० | १७४.७ | १९२.५ | २०८.३ | १०.२ | ८.२ |
| घरायसी सामान तथा सेवा | १२२.८ | १३२.४ | १३६.३ | १५५.९ | १६४.३ | १७०.३ | ५.४ | ३.७ |
| फर्निचर तथा घरायसी उपकरण | १३७.३ | १५४.४ | १७०.२ | १९५.६ | २०९.४ | २२५.३ | ७.० | ७.६ |
| स्वास्थ्य | ११२.९ | १२६.१ | १३२.७ | १४०.३ | १५६.३ | १६४.९ | ११.४ | ५.५ |
| यातायात | १२७.० | १२५.४ | १४४.३ | १५७.० | १४९.५ | १४४.२ | -४.७ | -३.५ |
| संचार | १००.० | ९०.० | ८३.९ | ८३.० | ८२.६ | ८३.७ | -०.५ | १.३ |
| मनोरंजन तथा संस्कृति | १२७.० | १४६.८ | १६४.८ | १७३.६ | १८८.६ | १९७.१ | ८.६ | ४.५ |
| शिक्षा | १४८.७ | १६२.४ | १७३.२ | १८०.४ | १९२.६ | २००.९ | ६.७ | ४.३ |
| अन्य वस्तु तथा सेवाहरू | १२७.४ | १३६.३ | १४९.६ | १६८.७ | १७३.४ | १८५.० | २.८ | ६.६ |

* अपरिष्कृत

** फागुन-फागुनको विन्दुगत परिवर्तन

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ३.२ (घ) : समूहगत उपभोग्य वस्तुहरूको उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क (तराई), प्रथम आठ

महिना

(आधार वर्ष २०६२/६३ = १००)

| उपभोग्य वस्तुहरू | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ | प्रतिशत परिवर्तन** | |
|-------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|--------------------|---------|
| | फागुन | फागुन | फागुन | फागुन | फागुन | फागुन* | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| कुल सूचकाङ्क | १३७.३ | १४८.१ | १५८.६ | १७४.७ | १९१.४ | २०४.५ | ९.५ | ६.९ |
| खाद्य तथा पेय पदार्थ | १५४.८ | १७६.० | १८२.७ | २०२.८ | २२५.५ | २४८. | ११.२ | १०.० |
| अन्न तथा अन्नबाट बनेका परिकार | १५७.० | १७६.४ | १६८.३ | १९०.५ | २१५.८ | २३०.९ | १३.३ | ७.० |
| दाल | २१७.२ | २०६.५ | १९८.१ | २२६.४ | २४३.४ | २८६.६ | ७.५ | १७.७ |
| तरकारी | १२५.१ | १८५.२ | १९९.० | २१२.१ | २३९.५ | २४९.३ | १२.९ | ४.१ |
| मासु तथा माछा | १७१.३ | १८३.१ | १९२.६ | २३०.५ | २५७.८ | २८७.५ | ११.८ | ११.५ |
| दुग्ध पदार्थ तथा अन्डा | १४९.२ | १६०.५ | १८९.७ | २०३.५ | २१९.१ | २६५.७ | ७.७ | २१.२ |
| घ्यू तथा तेल | १४३.७ | १४४.० | १६६.० | १८९.३ | १९१.३ | १८९. | १.० | -१.२ |
| फलफूल | १३७.७ | १९५.७ | २१५.५ | २२७.७ | २४९.३ | २७१.८ | ९.५ | ९.० |
| चिनी तथा मिठाई | २०२.३ | १७६.८ | १८९.९ | २१३.९ | २०५.३ | २०७. | -४.० | ०.८ |
| मसला | १७५.५ | २०६.१ | १८४.० | १८७.४ | २१२.६ | २३४.५ | १३.५ | १०.३ |
| हल्का पेय पदार्थ | १५२.४ | १८२.७ | १९२.२ | २१३.६ | २१७.१ | २३१.५ | १.७ | ६.६ |
| मदिरा | १३६.१ | १४३.५ | १५३.४ | १५७.० | २१३.६ | २५२.६ | ३६.१ | १८.३ |
| सुर्तिजन्य पदार्थ | १४६.८ | १८८.० | २०७.७ | २२५.२ | २६६.१ | ३४९.९ | १८.२ | ३१.५ |
| रेष्टुरा तथा होटल | १६०.४ | १८७.६ | २०४.७ | २२८.१ | २५६.३ | २९१.४ | १२.३ | १३.७ |
| गैर खाद्य बस्तु तथा सेवा | १२४.९ | १२९.४ | १४१.८ | १५५.५ | १६८.२ | १७६.१ | ८.२ | ४.७ |
| लत्ता कपडा तथा जुत्ता | १२५.९ | १४२.० | १६१.८ | १७९.९ | २०५.५ | २२७.५ | १४.२ | १०.७ |
| घरायसी सामान तथा सेवा | १३०.० | १३६.९ | १४८.९ | १६०.४ | १६६.३ | १६१.७ | ३.७ | -२.८ |
| फर्निचर तथा घरायसी उपकरण | १२९.१ | १४०.६ | १६०.५ | १८०.७ | १९४.६ | २१२. | ७.७ | ९.० |
| स्वास्थ्य | ११७.५ | ११९.३ | १२४.१ | १३३.४ | १४४.२ | १४८.४ | ८.१ | २.९ |
| यातायात | १२१.३ | १४३.७ | १६८.८ | १८२.५ | २०४.१ | २०९.७ | ११.८ | २.७ |
| संचार | १००.० | ८८.२ | ८३.५ | ८१.६ | ८१.९ | ८१.७ | ०.४ | -०.२ |
| मनोरंजन तथा संस्कृति | १२६.६ | १०८.५ | ११७.६ | १२७.३ | १३९.१ | १४८.८ | ९.३ | ७.० |
| शिक्षा | १३१.० | १३३.२ | १४३.७ | १६८.२ | १८५.३ | १९५.७ | १०.२ | ५.६ |
| अन्य वस्तु तथा सेवाहरू | १२७.० | १३३.८ | १४६.८ | १६२.० | १७०.७ | १८७.३ | ५.३ | ९.८ |

* अपरिष्कृत

** फागुन-फागुनको विन्दुगत परिवर्तन

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ३.२ (ड) : समूहगत उपभोग्य वस्तुहरूको उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क (पहाड), प्रथम आठ महिना

(आधार वर्ष २०६२।६३ = १००)

| उपभोग्य वस्तुहरू | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ | प्रतिशत परिवर्तन** | |
|-------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|--------------------|---------|
| | फागुन | फागुन | फागुन | फागुन | फागुन | फागुन* | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| कुल सूचकाङ्क | १३९.२ | १५५.३ | १६८.६ | १८४.८ | १९९.५ | २१३.७ | ७.९ | ७.१ |
| खाद्य तथा पेय पदार्थ | १५५.५ | १८५.१ | १९५.९ | २१६.६ | २३५.१ | २५३.१ | ८.६ | ७.६ |
| अन्न तथा अन्नबाट बनेका परिकार | १५४.३ | १७६.४ | १७४.७ | १९५.२ | २१०.४ | २२४.७ | ७.८ | ६.८ |
| दाल | १९९.१ | १९१.९ | १९०.० | २१२.५ | २२१.६ | २५९.८ | ४.३ | १७.२ |
| तरकारी | ११९.२ | २१९.६ | २२८.० | २६४.६ | २९६.३ | २९३.१ | १२.० | -१.१ |
| मासु तथा माछा | १७९.५ | १९८.३ | २१४.० | २४४.६ | २७६.५ | ३०५.२ | १३.१ | १०.४ |
| दुग्ध पदार्थ तथा अन्डा | १५४.६ | १८४.० | २१२.४ | २२९.४ | २४५.३ | २६८.८ | ६.९ | ९.६ |
| घ्यू तथा तेल | १४५.३ | १५०.५ | १६८.२ | १९२.९ | १९५.२ | १९६.९ | १.२ | ०.९ |
| फलफूल | १४१.० | १७९.३ | २००.६ | २०८.६ | २२६.० | २५१.२ | ८.४ | ११.१ |
| चिनी तथा मिठाई | २०४.७ | १८४.१ | १९४.९ | २१७.१ | २०६.१ | १९७.७ | -५.० | -४.४ |
| मसला | १८४.७ | २१७.९ | १९८.२ | २०५.८ | २२२.१ | २५५.३ | ७.९ | १५.० |
| हल्का पेय पदार्थ | १५०.७ | १६८.२ | १८२.३ | १९९.८ | २०८.३ | २१०.५ | ४.३ | १.० |
| मदिरा | १४४.९ | १६२.४ | १८२.२ | १८६.७ | २१९.० | २७३.५ | १७.३ | २४.९ |
| सुर्तिजन्य पदार्थ | १५२.५ | १७२.५ | १९२.० | २०५.२ | २७६.४ | ३६९.४ | ३४.७ | ३३.७ |
| रेष्टुरा तथा होटल | १७३.४ | १९६.३ | २३०.५ | २६७.८ | २७९.२ | २९५.५ | ४.२ | ५.९ |
| गैर खाद्य बस्तु तथा सेवा | १२६.१ | १३२.७ | १४७.५ | १६०.५ | १७२.५ | १८३.५ | ७.५ | ६.४ |
| लत्ता कपडा तथा जुत्ता | १२८.१ | १४८.५ | १८०.८ | २००.२ | २२३.१ | २४७.७ | ११.४ | ११.१ |
| घरायसी सामान तथा सेवा | १२७.४ | १३५.९ | १४४.५ | १५५.६ | १६६.४ | १७२.६ | ६.९ | ३.७ |
| फर्निचर तथा घरायसी उपकरण | १४५.० | १४३.८ | १६७.० | १८४.३ | २१२.५ | २३४.४ | १५.३ | १०.३ |
| स्वास्थ्य | १२४.४ | ११८.६ | १३२.८ | १४०.४ | १५१.७ | १५९.२ | ८.१ | ४.९ |
| यातायात | १२६.४ | १४६.८ | १७४.२ | १८८.५ | १९९.६ | २०३.४ | ५.९ | १.९ |
| संचार | १००.४ | ९१.९ | ७८.९ | ७६.६ | ७६.९ | ७६.८ | ०.४ | -०.१ |
| मनोरंजन तथा संस्कृति | ११५.९ | ११६.३ | १२३.० | १२७.८ | १३२.२ | १४१.४ | ३.५ | ७.० |
| शिक्षा | १२९.९ | १३५.८ | १५३.८ | १७८.१ | १८७.४ | १९९.८ | ५.२ | ६.६ |
| अन्य वस्तु तथा सेवाहरू | १२३.४ | १२७.७ | १४१.१ | १५४.१ | १७४.३ | १८८.२ | १३.१ | ८.० |

* अपरिष्कृत

** फागुन-फागुनको विन्दुगत परिवर्तन

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ३.३(क) : राष्ट्रिय थोक मूल्य सूचकाङ्क (वार्षिक)

(आधार वर्ष २०५६/५७ = १००)

| महिना | २०५९/६० | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
|-------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| साउन | ११०.९ | ११४.४ | १२२.१ | १३३.५ | १४२.४ | १६०.० | १७७.९ | २०१.४ | २१८.४ | २३०.७ | २५७.९ | २७३.२ | २९३.५ |
| भदौ | ११२.४ | ११६.० | १२३.१ | १३४.८ | १४७.१ | १६३.५ | १८०.३ | २०३.० | २१९.६ | २३५.२ | २५९.१ | २७८.८ | २९९.२ |
| असोज | ११२.५ | ११६.४ | १२३.४ | १३५.० | १४९.० | १६४.३ | १७९.६ | २०६.१ | २२२.५ | २३६.० | २६०.१ | २७९.७ | २९९.८ |
| कार्तिक | ११२.६ | ११७.२ | १२२.६ | १३६.४ | १५०.५ | १६१.३ | १७६.१ | २०८.७ | २२४.१ | २३५.३ | २५८.५ | २८१.८ | ३००.८ |
| मंसिर | १०७.५ | ११३.९ | ११९.० | १३४.३ | १४६.३ | १५५.२ | १७०.९ | २०३.२ | २२६.० | २३५.७ | २५५.२ | २७८.८ | २९७.२ |
| पुस | १०४.६ | ११२.० | ११९.७ | १२९.५ | १४३.० | १५०.८ | १७२.९ | २००.६ | २२६.४ | २३३.७ | २५५.० | २७७.७ | २९२.८ |
| माघ | १०७.३ | ११२.९ | १२१.० | १२८.९ | १४५.१ | १५१.३ | १७४.० | १९८.७ | २२२.२ | २३२.६ | २५४.६ | २७५.१ | २९०.२ |
| फागुन | १०९.६ | ११३.५ | १२३.२ | १३०.८ | १४६.७ | १५६.४ | १७५.६ | १९७.० | २२१.४ | २३५.४ | २५६.६ | २७७.९ | २९३.१ |
| चैत | १११.३ | ११४.२ | १२३.७ | १३३.१ | १४३.२ | १५६.६ | १७८.१ | १९७.६ | २२०.३ | २३४.८ | २५४.५ | २७७.४ | - |
| वैशाख | ११२.३ | ११४.३ | १२५.२ | १३६.९ | १४५.४ | १६०.१ | १८४.९ | २००.४ | २२१.९ | २३९.७ | २५९.२ | २८२.८ | - |
| जेठ | १११.२ | ११६.२ | १२६.५ | १३८.२ | १४६.० | १६४.९ | १९३.० | २०५.२ | २२३.४ | २४४.० | २६०.४ | २८४.२ | - |
| असार | ११२.७ | ११८.१ | १२९.९ | १३९.९ | १५१.८ | १७१.८ | १९८.० | २११.८ | २२७.२ | २५१.० | २६७.९ | २८८.९ | - |
| वार्षिक | ११०.४ | ११४.९ | १२३.३ | १३४.३ | १४६.४ | १५९.७ | १८०.१ | २०२.८ | २२२.७ | २३७.० | २५८.३ | २७९.७ | - |
| वार्षिक वृद्धिदर (प्रतिशत) | ३.७ | ४.१ | ७.३ | ८.९ | ९.० | ९.१ | १२.८ | १२.६ | ९.८ | ६.४ | ९.० | ८.३ | - |

* अपरिष्कृत

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ३.३(ख) : राष्ट्रिय थोक मूल्य सूचकाङ्क (प्रथम आठ महिना)

(आधार वर्ष २०५६/५७ = १००)

| समूह / उपसमूह | भार प्रतिशत | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७०/७१ | २०७१/७२ | प्रतिशत परिवर्तन** | |
|--------------------------------------|----------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|--------------------|---------|
| | | असार | फागुन | असार | फागुन | असार | फागुन | असार | फागुन | असार | फागुन* | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| कूल सूचकाङ्क | १००.०० | २११.८ | २२१.४ | २२७.२ | २३५.४ | २५१.० | २५६.६ | २६७.९ | २८८.९ | २८८.९ | २९३.१ | ८.३ | ५.५ |
| कृषिसम्बन्धी वस्तुहरू | ४९.५९ | २३३.९ | २४१.१ | २४४.३ | २४५.३ | २७१.६ | २७५.५ | २९७.१ | ३२३.४ | ३२३.४ | ३३२.७ | ११.३ | ८.४ |
| खाद्यान्न वस्तुहरू | १६.५९ | २०७.५ | २१९.३ | २०२.३ | २०६.२ | २०५.८ | २२५.५ | २३४.७ | २४८.८ | २४८.८ | २७१.७ | १२.५ | ७.१ |
| नगदे वाली | ६.०९ | २४१.८ | २२१.८ | २५१.४ | २४३.७ | ३४०.३ | ३२३.८ | ३४९.१ | ३६९.१ | ३६९.१ | ३७६.७ | ३.१ | १२.८ |
| दलहन | ३.७७ | २८९.४ | २८१.२ | २४८.२ | २७१.५ | २७८.२ | २९३.७ | २९२.५ | ३०५.६ | ३०५.६ | ३३१.० | ०.१ | १२.६ |
| फलफूल तथा तरकारी | ११.१८ | १९५.१ | २०२.० | २४१.० | २२९.९ | २७५.६ | २४९.१ | २८६.६ | ३००.८ | ३००.८ | २९३.७ | ०.० | १७.९ |
| मसलाहरू | १.९५ | २४५.४ | २८१.१ | २५८.१ | २२६.५ | २१६.३ | २३४.१ | २८२.८ | ३१४.३ | ३१४.३ | ३२१.२ | ३२.५ | ३.६ |
| पशुजन्य उत्पादन | १०.०२ | २९३.१ | ३०९.७ | ३०९.२ | ३२२.० | ३४२.९ | ३५९.५ | ३८५.२ | ४५२.५ | ४५२.५ | ४५३.१ | २४.२ | १.५ |
| स्वदेशमा उत्पादित औद्योगिक वस्तुहरू | २०.३७ | १८४.२ | १९८.० | २०५.३ | २१६.९ | २२१.० | २२४.४ | २२७.१ | २४५.५ | २४५.५ | २५४.० | ६.७ | ६.० |
| खाद्यजन्य वस्तुहरू | ६.१२ | १८०.० | १८०.६ | १८९.७ | २०६.४ | २११.३ | २१९.५ | २२२.७ | २३६.९ | २३६.९ | २३४.६ | ५.२ | १.६ |
| पेय तथा सुतीजन्य वस्तुहरू | ५.६९ | १८२.८ | २११.१ | २२०.२ | २३१.७ | २३५.६ | २३७.० | २४१.२ | २६९.३ | २६९.३ | २९०.६ | १०.१ | ११.४ |
| निर्माण सामग्री | ४.५० | २३७.७ | २४१.२ | २४६.३ | २५७.२ | २६३.१ | २६०.३ | २६२.४ | २८४.७ | २८४.७ | २९०.४ | ७.७ | ३.६ |
| अन्य | ४.०७ | १३३.२ | १५८.१ | १६२.५ | १६७.३ | १६८.४ | १७४.६ | १७५.० | १८१.७ | १८१.७ | १९१.६ | १.८ | ७.८ |
| आयातित वस्तुहरू | ३०.०३ | १९४.१ | २०४.९ | २१३.७ | २३१.६ | २३७.२ | २४७.० | २४७.३ | २६१.४ | २६१.४ | २५४.२ | ३.७ | -०.८ |
| पेट्रोलियम वस्तुहरू तथा कोईला | ५.४० | ३४७.४ | ३७२.३ | ३९८.६ | ४५८.६ | ४९०.० | ५२९.७ | ५२९.७ | ५७४.२ | ५७४.२ | ४९२.२ | ५.३ | -११.७ |
| रासायनिक मल तथा रासायनिक वस्तुहरू | २.४६ | १८७.३ | १९७.९ | २०४.२ | २०६.९ | २०६.९ | २२८.१ | २२८.१ | २३२.६ | २३२.६ | २५०.९ | २.० | ७.९ |
| यातायातका साधन तथा मेशिनरी वस्तुहरू | ६.९७ | १६४.५ | १७५.८ | १८०.३ | १८८.२ | १८८.४ | १८८.५ | १८८.५ | १८८.६ | १८८.६ | १९०.१ | -१.३ | २.१ |
| इलेक्ट्रिक तथा इलेक्ट्रोनिक वस्तुहरू | १.८७ | १००.५ | ९८.७ | ९९.१ | ११०.८ | ११०.८ | ११०.८ | ११०.८ | १२४.६ | १२४.६ | १२४.३ | १२.५ | -०.२ |
| औषधि | २.७३ | १३१.५ | १३७.२ | १३७.४ | १४१.७ | १४६.१ | १४६.१ | १४६.१ | १४७.७ | १४७.७ | १५४.७ | -४.६ | १०.५ |
| कपडाजन्य वस्तुहरू | ३.१० | १३४.२ | १३६.५ | १४१.८ | १७०.६ | १७०.५ | १७१.३ | १७१.३ | १७७.० | १७७.० | १९१.८ | ३.३ | ८.४ |
| अन्य वस्तुहरू | ७.४५ | १८४.३ | १९३.० | २००.७ | २०४.७ | २०२.८ | २०६.२ | २०७.१ | २२३.७ | २२३.७ | २३८.३ | ६.७ | ८.३ |

* अपरिष्कृत

** फागुन-फागुनको विन्दुगत परिवर्तन

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ३.३ (ग) : राष्ट्रिय थोक मूल्य सूचकाङ्क, (वार्षिक औषत)

(आधार वर्ष २०५६/५७ = १००)

| समूह / उपसमूह | भार प्रतिशत | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | प्रतिशत परिवर्तन | |
|--------------------------------------|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|------------------|---------|
| | | | | | | | | | २०६९/७० | २०७०/७१ |
| कूल सूचकाङ्क | १००.०० | १५९.७ | १८०.१ | २०२.८ | २२२.८ | २३७.० | २५८.३ | २७९.७ | ९.० | ८.३ |
| कृषिसम्बन्धी वस्तुहरू | ४९.५९ | १५९.१ | १८१.३ | २२२.७ | २४६.७ | २५२.८ | २७९.६ | ३११.१ | १०.६ | ११.३ |
| खाद्यान्न वस्तुहरू | १६.५९ | १४८.९ | १६१.५ | १८९.३ | २१४.० | २०३.७ | २२२.७ | २४४.५ | ९.३ | ९.८ |
| नगदे वाली | ६.०९ | १९१.८ | १९९.६ | २७५.४ | २४५.४ | २७९.७ | ३५१.३ | ३५३.४ | २५.६ | ०.६ |
| दलहन | ३.७७ | १८६.१ | २२६.६ | २७८.६ | २७५.६ | २६६.२ | २९९.७ | २९१.६ | १२.६ | -२.७ |
| फलफूल तथा तरकारी | ११.१८ | १४६.७ | १६६.७ | १८२.४ | २२५.४ | २५१.४ | २५३.३ | २८५.७ | ०.८ | १२.८ |
| मसलाहरू | १.९५ | १२९.२ | १४३.९ | १९८.० | २७३.४ | २२९.७ | २३७.१ | ३०७.५ | ३.२ | २९.७ |
| पशुजन्य उत्पादन | १०.०२ | १६५.९ | २०९.६ | २७४.५ | ३०९.३ | ३१८.७ | ३६०.३ | ४३२.१ | १३.० | १९.९ |
| स्वदेशमा उत्पादित औद्योगिक वस्तुहरू | २०.३७ | १४८.७ | १६४.९ | १७९.० | १९५.२ | २१३.९ | २२४.९ | २३८.४ | ५.२ | ६.० |
| खाद्यजन्य वस्तुहरू | ६.१२ | १३८.० | १५३.८ | १७३.१ | १८३.० | २०२.७ | २१९.८ | २३०.५ | ८.४ | ४.९ |
| पेय तथा सुतीजन्य वस्तुहरू | ५.६९ | १४३.३ | १६०.० | १८१.५ | २०७.४ | २३१.४ | २३८.४ | २५८.९ | ३.० | ८.६ |
| निर्माण सामग्री | ४.५० | १९६.१ | २१७.९ | २२६.६ | १३८.३ | २५०.९ | २६१.७ | २७६.३ | ४.३ | ५.६ |
| अन्य | ४.०७ | १२०.२ | १२९.९ | १३१.८ | १४८.८ | १६५.३ | १७३.१ | १७९.६ | ४.७ | ३.७ |
| आयातित वस्तुहरू | ३०.०३ | १६८.० | १८८.४ | १८६.२ | २०२.१ | २२६.६ | २४५.६ | २५५.९ | ८.४ | ४.२ |
| पेट्रोलियम वस्तुहरू तथा कोईला | ५.४० | २९८.९ | ३३०.० | ३१४.२ | ३६४.० | ४४१.२ | ५२३.६ | ५५७.९ | १८.७ | ६.५ |
| रासायनिक मल तथा रासायनिक | २.४६ | १९४.६ | २०९.९ | १८९.१ | १९८.३ | २०६.७ | २२३.० | २३२.४ | ७.९ | ४.२ |
| यातायातका साधन तथा मेशिनरी | ६.९७ | १३८.१ | १६५.४ | १६३.० | १७२.४ | १८५.९ | १८८.४ | १८८.२ | १.४ | -०.१ |
| इलेक्ट्रिक तथा इलेक्ट्रोनिक वस्तुहरू | १.८७ | ९५.२ | १००.१ | ९७.० | ९९.९ | १११.२ | ११०.८ | १२०.३ | -०.४ | ८.६ |
| औषधि | २.७३ | ११६.२ | १२३.० | १३२.२ | १३४.४ | १३८.१ | १४६.१ | १४४.५ | ५.८ | -१.४ |
| कपडाजन्य वस्तुहरू | ३.१० | १०८.१ | १२५.० | १२८.८ | १३५.७ | १६७.३ | १७१.३ | १७६.५ | २.४ | ३.१ |
| अन्य वस्तुहरू | ७.४५ | १५४.६ | १७३.० | १८०.१ | १९२.० | २०२.१ | २०६.४ | २१६.५ | २.१ | ४.९ |

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ३.४ (क) : राष्ट्रिय तलब तथा ज्यालादर सूचकाङ्क (वार्षिक)

(आधार वर्ष २०६१/६२ = १००)

| महिना | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
|----------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| साउन | १०९.३ | १२२.८ | १३२.८ | १६२.३ | १८५.४ | २४१.९ | २७१.४ | २९६.३ | ३३३.७ |
| भदौ | १०९.६ | १२३.३ | १३४.६ | १६२.६ | १८७.९ | २४५.३ | २७३.७ | ३०५.३ | ३३३.९ |
| असोज | ११०.४ | १२३.५ | १३४.७ | १६४.५ | १९०.२ | २४७.० | २७४.३ | ३०५.३ | ३३४.० |
| कार्तिक | ११२.२ | १२३.५ | १३५.८ | १६५.९ | १९०.६ | २४७.० | २७५.८ | ३०५.३ | ३३४.० |
| मंसिर | ११४.२ | १२३.३ | १४१.३ | १६५.९ | १९०.६ | २४९.७ | २७५.८ | ३०८.२ | ३४०.१ |
| पुस | ११४.४ | १२४.८ | १४४.० | १६९.५ | १९०.६ | २५१.७ | २७७.५ | ३२३.७ | ३४६.५ |
| माघ | ११४.६ | १२४.७ | १४५.३ | १६९.५ | १९७.५ | २५६.९ | २७७.५ | ३२४.५ | ३४६.५ |
| फागुन | ११४.८ | १२५.१ | १४९.२ | १६९.६ | २०२.० | २५७.७ | २७७.७ | ३२४.५ | ३४६.५ |
| चैत | ११४.८ | १२५.४ | १५०.८ | १७१.७ | २१४.३ | २५९.९ | २७९.० | ३२४.५ | - |
| वैशाख | ११७.३ | १२५.५ | १५२.० | १७१.७ | २१४.३ | २६२.८ | २८१.३ | ३२४.५ | - |
| जेठ | ११८.० | १२७.६ | १५५.० | १७५.७ | २१६.६ | २६२.८ | २८२.१ | ३२४.५ | - |
| असार | ११९.३ | १३२.६ | १५७.० | १८१.८ | २१६.६ | २७०.४ | २८७.७ | ३२४.९ | - |
| वार्षिक | ११४.१ | १२५.२ | १४४.४ | १६९.२ | १९९.७ | २५४.४ | २७७.९ | ३१६.० | - |
| वार्षिक वृद्धिदर (प्रतिशत) | ९.७ | ९.७ | १५.३ | १७.२ | १८.० | २७.४ | ९.२ | १३.८ | - |

* अपरिष्कृत

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ३.४ (ख) : राष्ट्रिय तलब तथा ज्यालादर सूचकाङ्क (प्रथम आठ महिना)

(आधार वर्ष २०६१/६२ = १००)

| सि.नं. | समूह / उपसमूह | भार प्रतिशत | २०६६/६७ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ | प्रतिशत परिवर्तन** | |
|--------|----------------------------|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|--------------------|-------|
| | | | फागुन | असार | फागुन | असार | फागुन | असार | फागुन | असार | फागुन | असार | फागुन | फागुन |
| | कूल सूचकाङ्क | १००.०० | १६९.६ | १८१.८ | २०२.० | २१६.६ | २५७.७ | २७०.५ | २७७.७ | २८७.७ | ३२५.९ | ३५६.५ | १६.९ | ६.८ |
| १ | तलब सूचकाङ्क | २६.९७ | १५७.० | १५७.० | १५७.० | १५७.० | १८७.३ | १८७.३ | १८७.३ | १८७.३ | २३६.९ | २५५.७ | २६.५ | ७.६ |
| १.१ | निजामती सेवा | २.८२ | १९९.३ | १९९.३ | १९९.३ | १९९.३ | २३६.५ | २३६.५ | २३६.५ | २३६.५ | ३१०.६ | ३५०.७ | ३१.३ | ९.७ |
| १.२ | सार्वजनिक संस्थानहरू | १.१४ | १६४.१ | १६४.१ | १६४.१ | १६४.१ | २१०.० | २१०.० | २१०.० | २१०.० | २६८.९ | २८८.१ | २७.६ | ७.५ |
| १.३ | बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरू | ०.५५ | २०४.१ | २०४.१ | २०४.१ | २०४.१ | २९०.६ | २९०.६ | २९०.६ | २९०.६ | ४२९.१ | ४४७.५ | ४७.७ | ५.३ |
| १.४ | सैनिक तथा प्रहरी सेवा | ४.०१ | १८०.२ | १८०.२ | १८०.२ | १८०.२ | २२७.९ | २२७.९ | २२७.९ | २२७.९ | ३०६.५ | ३३२.५ | ३४.५ | ८.५ |
| १.५ | शिक्षा | १०.५५ | १७४.५ | १७४.५ | १७४.५ | १७४.५ | २०७.८ | २०७.८ | २०७.८ | २०७.८ | २७१.२ | २९५.८ | ३०.५ | ९.१ |
| १.६ | निजी संगठनहरू | ७.९० | १०२.५ | १०२.५ | १०२.५ | १०२.५ | १११.३ | १११.३ | १११.३ | १११.३ | १११.३ | १११.३ | ०.० | ०.० |
| २ | ज्यालादर सूचकाङ्क | ७३.०३ | १७४.२ | १९१.० | २१८.६ | २३८.६ | २८३.७ | ३०१.१ | ३११.० | ३२५.८ | ३५५.५ | ३८०.५ | १५.८ | ६.६ |
| २.१ | कृषि मजदूर | ३९.४९ | १८७.२ | २१५.० | २५१.९ | २७९.८ | ३२०.१ | ३४५.८ | ३६०.२ | ३८०.५ | ४००.१ | ४३१.८ | ११.१ | ७.९ |
| | पुरुष | २०.४९ | १८९.१ | २१६.७ | २५८.८ | २८०.५ | ३२१.२ | ३४४.८ | ३५३.६ | ३६६.७ | ३८४.४ | ४३०.५ | ८.७ | १२.० |
| | महिला | १९.०० | १८५.१ | २१३.१ | २४४.४ | २७९.० | ३१९.२ | ३४६.२ | ३६७.२ | ३९५.३ | ४१७.० | ४३३.३ | १३.६ | ३.९ |
| २.२ | औद्योगिक मजदूर | २५.२५ | १५९.९ | १६०.६ | १७६.५ | १८२.४ | २३७.१ | २४३.१ | २४८.३ | २५५.१ | ३०९.८ | ३१८.२ | २४.८ | २.७ |
| | उच्च दक्ष | ६.३१ | १४७.२ | १४६.१ | १७४.३ | १७९.५ | २२२.४ | २२९.८ | २३३.३ | २४१.३ | २८९.० | ३०१.९ | २३.९ | ४.५ |
| | दक्ष | ६.३१ | १५७.४ | १५८.० | १७१.४ | १७८.३ | २३२.६ | २३७.२ | २४१.५ | २५१.८ | ३०६.८ | ३१४.५ | २७.० | २.५ |
| | अर्धदक्ष | ६.३१ | १६२.८ | १६३.५ | १७१.५ | १७६.९ | २३६.७ | २४२.३ | २४७.७ | २५९.३ | ३०७.० | ३१५.९ | २३.९ | २.९ |
| | अदक्ष | ६.३२ | १७२.२ | १७४.७ | १८८.९ | १९५.९ | २५६.६ | २६३.१ | २७०.७ | २७८.१ | ३३६.२ | ३४०.५ | २४.२ | १.२ |
| २.३ | निर्माण मजदूर | ८.२९ | १५६.१ | १६९.३ | १८७.९ | २१३.७ | २५१.९ | २६६.८ | २६८.८ | २७१.९ | २९९.३ | ३२५.५ | १०.० | १०.४ |
| | उकर्मि | २.७६ | १५१.४ | १६२.० | १७७.८ | २०१.८ | २३८.२ | २४५.५ | २४८.४ | २५०.३ | २७८.५ | ३०२.८ | ९.८ | ११.० |
| | दक्ष | १.३८ | १४९.५ | १६०.९ | १७६.० | १९७.३ | २२७.६ | २३५.५ | २३९.७ | २४३.४ | २६७.५ | २९३.७ | ९.८ | ११.६ |
| | अदक्ष | १.३८ | १५३.४ | १६३.१ | १७९.५ | २०६.३ | २४८.७ | २५५.४ | २५७.१ | २५७.१ | २८९.४ | ३११.९ | ९.८ | १०.५ |
| | सिकर्मी | २.७६ | १४४.३ | १५३.९ | १७०.३ | १८९.९ | २२९.५ | २४५.५ | २४३.६ | २४४.३ | २६२.० | २८५.९ | ५.५ | ११.२ |
| | दक्ष | १.३८ | १४१.८ | १५२.० | १६८.५ | १८५.७ | २१८.४ | २३६.२ | २३५.१ | २३६.४ | २५३.३ | २७९.१ | ५.४ | १२.६ |
| | अदक्ष | १.३८ | १४६.९ | १५५.८ | १७२.१ | १९५.२ | २४०.७ | २५२.९ | २५२.२ | २५२.२ | २७०.७ | २९२.६ | ५.६ | ९.९ |
| | ज्यामी | २.७७ | १७२.५ | १९२.१ | २१५.७ | २४९.३ | २८८.० | ३०९.२ | ३११.३ | ३२१.० | ३५७.४ | ३८६.५ | १३.५ | ९.२ |
| | पुरुष | १.३८ | १७०.३ | १८९.३ | २१७.६ | २५१.६ | २९३.० | ३१२.७ | ३१४.५ | ३२५.९ | ३५९.९ | ३९६.५ | १३.६ | ११.० |
| | महिला | १.३९ | १७४.७ | १९४.९ | २१३.८ | २४७.० | २८३.० | ३०५.७ | ३०८.१ | ३१६.२ | ३५५.० | ३७५.८ | १३.५ | ७.५ |

* अपरिष्कृत

** फागुन-फागुनको विन्दुगत परिवर्तन

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ३.४(ग) : राष्ट्रिय तलब तथा ज्यालादर सूचकाङ्क (वार्षिक औषत)

(आधार वर्ष २०६१/६२ = १००)

| सि.नं. | समूह / उपसमूह | भार प्रतिशत | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | प्रतिशत परिवर्तन | |
|--------|----------------------------|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|------------------|---------|
| | | | | | | | | | | २०६९/७० | २०७०/७१ |
| | कुल सूचकाङ्क | १००.०० | १२५.२ | १४४.४ | १६९.२ | १९९.७ | २५४.४ | २७७.९ | ३१६.० | ९.२ | १३.७ |
| १ | तलब सूचकाङ्क | २६.९७ | ११८.२ | १३०.६ | १५७.० | १५७.० | १८७.३ | १८७.३ | २३४.८ | ०.० | २५.४ |
| १.१ | निजामती सेवा | २.८२ | १३५.८ | १६१.२ | १९९.३ | १९९.३ | २३६.५ | २३६.५ | ३०९.६ | ०.० | ३०.९ |
| १.२ | सार्वजनिक संस्थानहरु | १.१४ | १२१.२ | १३८.४ | १६४.१ | १६४.१ | २०८.६ | २१०.० | २६३.४ | ०.७ | २५.४ |
| १.३ | बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरु | ०.५५ | १७०.५ | १८६.० | २०४.१ | २०४.१ | २९०.६ | २९०.६ | ४१७.६ | ०.० | ४३.७ |
| १.४ | सैनिक तथा प्रहरी सेवा | ४.०१ | १२१.८ | १४६.९ | १८०.२ | १८०.२ | २२७.९ | २२७.९ | ३०५.९ | ०.० | ३३.८ |
| १.५ | शिक्षा | १०.५५ | १२२.८ | १३४.५ | १७४.५ | १७४.५ | २०७.८ | २०७.८ | २६८.१ | ०.० | २९.० |
| १.६ | निजी संगठनहरु | ७.९० | ९९.८ | १०१.२ | १०२.५ | १०२.५ | १११.३ | १११.३ | १११.३ | ०.० | ०.० |
| २ | ज्यालादर सूचकाङ्क | ७३.०३ | १२७.८ | १४९.४ | १७३.८ | २१५.५ | २७९.२ | ३११.४ | ३४५.९ | ११.५ | ११.१ |
| २.१ | कृषि मजदूर | ३९.४९ | १२६.७ | १५५.९ | १८७.३ | २४७.८ | ३२०.० | ३६०.९ | ३९२.४ | १२.८ | ८.७ |
| | पुरुष | २०.४९ | १२५.१ | १५५.६ | १९०.३ | २५१.८ | ३२२.४ | ३५४.५ | ३७७.८ | १०.० | ६.६ |
| | महिला | १९.०० | १२८.६ | १५६.३ | १८४.० | २४३.४ | ३१७.४ | ३६७.६ | ४०८.१ | १५.८ | ११.० |
| २.२ | औद्योगिक मजदूर | २५.२५ | १३१.८ | १४२.८ | १५८.३ | १५८.३ | २२५.० | २४८.२ | २९३.१ | १०.३ | १८.१ |
| | उच्च दक्ष | ६.३१ | १२२.४ | १३१.४ | १४४.८ | १६९.५ | २१४.० | २३३.८ | २७२.६ | ९.३ | १६.६ |
| | दक्ष | ६.३१ | १२९.३ | १४०.१ | १५५.१ | १६८.६ | २२०.४ | २४२.२ | २९०.० | ९.९ | १९.७ |
| | अर्धदक्ष | ६.३१ | १३३.५ | १४५.६ | १६१.५ | १६९.५ | २२१.८ | २४६.९ | २९०.१ | ११.३ | १७.५ |
| | अदक्ष | ६.३२ | १४२.२ | १५४.२ | १७१.७ | १८५.६ | २४३.७ | २६९.८ | ३१९.७ | १०.७ | १८.५ |
| २.३ | निर्माण मजदूर | ८.२९ | १२०.२ | १३८.६ | १५६.६ | १८९.९ | २५०.३ | २६८.२ | २८५.९ | ७.२ | ६.६ |
| | इकमी | २.७६ | ११९.३ | १३४.४ | १५१.३ | १७९.२ | २३५.३ | २४८.९ | २६४.१ | ५.८ | ६.१ |
| | दक्ष | १.३८ | ११८.२ | १३२.२ | १४९.९ | १७७.० | २२६.१ | २४०.६ | २५५.७ | ६.४ | ६.३ |
| | अदक्ष | १.३८ | १२०.४ | १३६.६ | १५२.८ | १८१.३ | २४४.५ | २५७.१ | २७२.६ | ५.२ | ६.० |
| | सिकमी | २.७६ | ११४.९ | १३०.१ | १४४.६ | १६९.८ | २२७.५ | २४३.६ | २५२.६ | ७.१ | ३.७ |
| | दक्ष | १.३८ | ११४.७ | १२६.७ | १४१.४ | १६७.० | २१७.७ | २३५.० | २४४.२ | ७.९ | ३.९ |
| | अदक्ष | १.३८ | ११५.१ | १३३.४ | १४७.७ | १७२.० | २३७.२ | २५२.२ | २६१.१ | ६.३ | ३.५ |
| | ज्यामी | २.७७ | १२६.५ | १५१.३ | १७३.८ | २२०.० | २८८.१ | ३१२.० | ३४०.७ | ८.३ | ९.२ |
| | पुरुष | १.३८ | १२४.२ | १४९.७ | १७१.६ | २२१.७ | २९२.२ | ३१५.३ | ३४५.६ | ७.९ | ९.६ |
| | महिला | १.३९ | १२८.८ | १५२.९ | १७६.० | २१९.५ | २८३.९ | ३०८.७ | ३३५.८ | ८.७ | ८.८ |

स्रोत : नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ३.५ : केही प्रमुख वस्तुहरूको सरदर खुद्रा बजार मूल्य

मूल्य रु. प्रति किलो ग्राममा
तोरीको तेल रु. प्रति लिटरमा

| क्र.स. | बस्तुको नाम | २०७०/७१ | | | | | | २०७१/७२* | | | | | |
|--------|--------------|---------|-------|--------|-------|--------|-------|----------|-------|--------|-------|--------|-------|
| | | पहाड | | तराई | | नेपाल | | पहाड | | तराई | | नेपाल | |
| | | श्रावण | फागुन | श्रावण | फागुन | श्रावण | फागुन | श्रावण | फागुन | श्रावण | फागुन | श्रावण | फागुन |
| १ | चामल मोटो | ३८.३ | ४१.१ | ४९.५ | ३७.३ | ४३.९ | ३९.२ | ३०.५ | ४६.१ | २४.२ | २७.९ | २७.४ | ३७.० |
| २ | गहुँको पीठो | ४३.६ | ४५.२ | ३४.० | ३७.३ | ३८.८ | ४१.२ | ३१.९ | ४९.६ | २२.८ | ३२.८ | २७.४ | ४१.२ |
| ३ | मासको दाल | ११५.९ | १२५.० | ११५.५ | १०३.३ | ११५.७ | ११४.१ | ८९.८ | १४२.३ | ६५.४ | १०५.२ | ७७.६ | १२३.७ |
| ४ | रहरको दाल | १३१.४ | १३३.२ | १३१.८ | १३३.० | १३१.६ | १३३.१ | ६९.१ | १३७.१ | ५५.६ | ११५.२ | ६२.४ | १२६.२ |
| ५ | तोरीको तेल | १७१.८ | १६५.३ | १७४.८ | १६८.८ | १७३.३ | १६७.० | ११६.३ | १७९.३ | ११०.० | १४६.२ | ११३.१ | १६२.७ |
| ६ | ध्यू खारेको | ६३५.८ | ६८७.५ | ७७०.० | ७७५.० | ७०२.९ | ७३१.३ | २९३.८ | ६५५.० | ४८०.० | ४९२.० | ३८६.९ | ५७३.५ |
| ७ | खसीको मासु | ५६८.६ | ६२८.६ | ५२०.० | ५५५.० | ५४४.३ | ५९१.८ | ३५६.३ | ६०९.४ | ३९०.० | ५००.० | ३७३.१ | ५५४.७ |
| ८ | आलु | ३४.४ | ३२.० | ३१.० | २३.३ | ३२.७ | २७.६ | २८.३ | ३७.३ | २७.४ | १५.६ | २७.८ | २६.४ |
| ९ | सुकेको प्याज | ६१.५ | ४२.० | ६८.८ | ३६.३ | ६५.१ | ३९.१ | ३८.३ | ७३.३ | ३५.० | ३७.४ | ३६.७ | ५५.३ |
| १० | अदुवा | १५९.१ | १३१.६ | १८०.० | १२७.५ | १६९.६ | १२९.५ | ११७.० | ९७.१ | १२८.० | ८०.३ | १२२.५ | ८८.७ |

* प्रारम्भिक तथ्याङ्क

स्रोत: कृषि विभाग, कृषि ब्यवसाय प्रवर्धन तथा बजार बिकास निर्देशनालय, हरिहरभवन ।

तालिका ३.६ (क) : पेट्रोलियम पदार्थको मूल्य स्थिति (थोक विक्रि मूल्य, मू.अ.कर सहित)

(आर्थिक वर्ष २०७१/७२)

| क्र.सं. | निगमको डिपो वा भन्सार विन्दु | पेट्रोल | डिजेल | महिलेल | हवाई इन्धन (इयुटी पेड) | एल. पी. ग्याँस | एफ. ओ. |
|---------|--|------------------|------------------|------------------|------------------------|--------------------------------|------------------|
| | | रु. प्रति कि.लि. | रु. प्रति कि.लि. | रु. प्रति कि.लि. | रु. प्रति कि.लि. | रु. प्रति मे.टन.(मु.अ कर सहित) | रु. प्रति कि.लि. |
| १ | बिराटनगर | १०३४६८.५९ | ८२२३१.९४ | ८२२३२.३६ | १३३०००.०० | | ६३५५३.८६ |
| २ | विरगञ्ज | १०३४६८.५९ | ८२२३१.९४ | ८२२३२.३६ | | | |
| ३ | अमलेखगञ्ज | १०३४६८.५९ | ८२२३१.९४ | ८२२३२.३६ | | | ६५०७९.६४ |
| ४ | काठमाडौं | १०४९१५.३५ | ८३२०३.३४ | ८३२०२.४५ | १३३०००.०० | | |
| ५ | पोखरा | १०४४३३.१० | ८३६८९.०४ | ८३६८७.४९ | १३३०००.०० | | |
| ६ | भैरहवा | १०३४६८.५९ | ८२२३१.९४ | ८२२३२.३६ | १३३०००.०० | | |
| ७ | नेपालगञ्ज | १०३४६८.५९ | ८२२३१.९४ | ८२२३२.३६ | १३३०००.०० | | |
| ८ | सुर्खेत | १०३४६८.५९ | ८२२३१.९४ | ८२२३२.३६ | १३३०००.०० | | |
| ९ | दाङ्ग | १०४४३३.१० | ८३६८९.०४ | ८३६८७.४९ | | | |
| १० | धनगढी | १०३४६८.५९ | ८२२३१.९४ | ८२२३२.३६ | १३३०००.०० | | |
| ११ | दिपायल | १०३४६८.५९ | ८२२३१.९४ | ८२२३२.३६ | | | |
| १२ | नेपालगञ्ज | १०३४६८.५९ | ८२२३१.९४ | ८२२३२.३६ | | | |
| १३ | महेन्द्रनगर, जनकपुर | | | | १३६,०००.०० | | |
| १४ | मन्थली | | | | | ७९,०४९.४२ | |
| १५ | बरोनी | | | | | ७५४५०.९९ | |
| १६ | हल्दिया | | | | | ७५४४४.१५ | |
| १७ | मथुरा | | | | | | |
| | काठमाडौं उपत्यकाको सरदर खुद्रा विक्री मूल्य (प्रति लि. रु. मा) | १०९.०० | ८६.५० | ८६.५० | १३३.०० | १४७० (प्रति सिलिण्डर) | |

स्रोत : नेपाल आयल निगम

३.६ (ख) : पेट्रोलियम पदार्थको मूल्य स्थिति (काठमाडौं उपत्यका)

मूल्य रु. मा

| शीर्षक | इकाई | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ ^१ | २०६५/६६ ^{१*} | २०६६/६७ ^{१*} | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ ^{१*} | २०७१/७२ ^{१*} |
|--------------------------------|------------------|----------------------|----------------------|-----------------------|-----------------------|----------------------|-----------------------|-----------------------|---------|---------|-----------|-----------------------|-----------------------|
| पेट्रोल | प्रति लिटर | ५४.० | ६२.० ^६ | ६७.० ^६ | ६७.३ ^६ | १००.० | ७७.५ ^{१*} | ८०.० | ९७.० | १२०.० | १२३.० | १३४.५ | १०९.० |
| डिजेल | प्रति लिटर | ३१.० | ४१.० ^६ | ४६.० ^६ | ५३.२ | ७०.० | ५५.० ^{१*} | ६१.० | ६८.५ | ८९.० | ९९.० | १०५.५ | ८६.५ |
| मिट्टितेल (खुला) | प्रति लिटर | २४.० | ३४.० ^६ | ३९.० ^६ | ४७.७ | ६५.० | ५५.० ^{१*} | ६१.० | ६८.५ | ८९.० | ९९.० | १०५.५ | ८६.५ |
| मिट्टितेल (सहूलियत) | प्रति लिटर | २०.० | ३०.० ^६ | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| हवाई इन्धन (ATF) | प्रति लिटर | ३३.० | ४८.० ^६ | ५५.० ^६ | ६८.० | १००.० ^{१*} | ७०.० ^{१*} | ७५.० | ९०.० | १०९.० | १२०.० | १३३.० | १३३.० |
| लाइट डिजेल आयल (LDO) | प्रति किलो लिटर | २८०९४.८ | - | ४५५१५.८ | ४६८८९.५ ^{१*} | ६१५८५.९ | ५३४५६.४ | ५९४८८.० | ७०८३०.५ | ८९०२९.७ | ९५४०२.६ | - | - |
| फर्नेस आयल (FO) डिजेल रेट | प्रति किलो लिटर | २३६१५.६ | २३६१५.६ | ४६०८०.८ ^{१*} | ४३६६६.८ ^{१*} | ७२९३५.७ | ५०५२५.३ | ६०४४९.५ | ७१९९४.८ | ९६०५०.७ | ८२८४७.८ | - | ६४,९४१.०० |
| एल.पी.ग्यास (PDO) विक्री मूल्य | प्रति मेट्रिक टन | ३७४८७.७ ^६ | ४३५७०.३ ^६ | ५०६१२.३ ^६ | ४९३८९.८ ^६ | ६९२१५.८ | ६३२८१.५ | ७१३१५.१ | ७६६०६.४ | ९९६४४.० | ६८०८८.५** | - | ७९,८५६.६० |

^१२०६०/४/२ देखिको मूल्य, ^६ २०६१/९/२६ देखिको मूल्य, ^७ २०६१/११/१ देखिको मूल्य, ^८२०६२/५/२ देखिको मूल्य, ^९२०६२/११/५ देखिको सरदर मूल्य, ^{१*}२०६३/१/१९ देखिको मूल्य,

^{१*}२०६३/२/२ देखिको मूल्य, ^{१२} २०६५/०२/२२ देखि, ^{१३} २०६५ जेठको मूल्य वृद्धि पछि, ^{१४} २०६५/१०/२० देखिको मूल्य, ^{१५} २०६५/११/२२ देखिको मूल्य ^{१६} २०६५/१२/०१ देखिको मूल्य

^{१७}२०७०/१२/६ देखिको मूल्य, ^{१८}२०७०/११/३० देखिको मूल्य ** वरीनी मूल्य

स्रोत : नेपाल आयल निगम

तालिका ३.७ : पेट्रोलियम पदार्थको आपूर्ति स्थिति

| केही प्रमुख पेट्रोलियम पदार्थहरू | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | प्रथम आठ महिना | | | |
|----------------------------------|--------|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|---------|----------------|---------|-----------|---------|
| | | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| पेट्रोल | कि.लि. | ६७२६५ | ७५८२७ | ८१८१७ | ९८४३५ | १०१६२४ | १२८३७२ | १६२२७६ | १८८०८२ | २०२४६७ | २२३०८७ | १३१८१७ | १४१२२४ | १६८१८७ | १८००२७ |
| डिजेल | कि.लि. | ३०२६४४ | ३०६८२६ | २९२३८१ | २९९४१९ | ३०३२१४ | ४८९२१९ | ६१२५०४ | ६५२७६४ | ६५३५६० | ७२१२०३ | ४१५७७६ | ४४७८८८ | ५०३२५७ | ५४९३२४ |
| मिट्टितेल | कि.लि. | ३१३१२७ | २३२५६२ | २२५००७ | १९२५७६ | १५२१६६ | ७७७९९ | ५५७८२२ | ४३३९९ | ४१६०९ | २४०६५ | २८१९८ | १८०९१ | १३५७३ | १२१४० |
| लाइट डिजेल आयल (LDO) | कि.लि. | ५९० | १०० | २९२ | १८० | ३०८ | ३८० | ३१७ | २२८ | - | २६० | - | - | - | - |
| फर्नेस आयल (FO) | कि.लि. | १२६७२ | २५९२ | ३७५४ | ४६२४ | २९४० | २१८८ | २५८९ | १४३४ | ४४० | २४५६ | ३४० | - | १५३०.८३** | ३०४ |
| हवाई इन्धन (ATF) | कि.लि. | ६४३९४ | ६७९९५ | ६६१०० | ६३६५० | ६८५३४ | ७४३०६ | ८२६३१ | ९९९९० | १०९९०४ | ११५८९६ | ७५१३६ | ७८३३० | ८६९२२ | ९२७६९ |
| एल.पी.ग्यास | मे.ट. | ६६१४२ | ७७५७५ | ८१००५ | ९३५६२ | ९६८३७ | ११५८१३ | १४११७१ | १५९२८६ | १८१४४६ | २०७०२८ | ११३६९३ | १३३२७१ | १५१२१० | १६५९७५ |
| कुल जम्मा | | ८२७५३४ | ७६३४७७ | ७५०३५६ | ७५२४४६ | ७२५६२३ | ८८८०७७ | १०५७२७० | ११४५१८३ | ११८९,४२४ | १२९४००५ | ७६,४९६० | ८१९५०३ | ९१८०४१ | १००५३९ |

स्रोत : नेपाल आयल निगम

** मेट्रिक टनमा

तालिका ४.१ : मौद्रिक सर्वेक्षण

(रु. करोडमा)

| क्र.सं. | शीर्षक | असार मसान्त | | | | | | | | | | प्रथम आठ महिना | | | |
|---------|--|-------------|----------|-------------------|----------|----------|----------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|----------------------|----------------------|----------------------|
| | | २०६२ | २०६३ | २०६३ ^१ | २०६४ | २०६५ | २०६६ | २०६७ ^१ | २०६८ ^१ | २०६९ ^१ | २०७० ^१ | २०७१ ^१ | २०६९/७० ^१ | २०७०/७१ ^१ | २०७१/७२ ^१ |
| १ | खुद बैदेशिक सम्पत्ति | १०७७४.२० | १३९४३.९१ | १३९४३.९० | १३९४०.९० | १७१४५.६० | २२४५६.२० | २१६५२.५ | २२१२६.६० | ३८३७७.२० | ४६८२३.८० | ५९९२२.०० | ३९१७५.४० | ५८०१८.३० | ६३५३५.५० |
| २ | खुद आन्तरिक सम्पत्ति | १९२६९.८० | २०७९८.२५ | २०७३८.५० | २६३६०.९० | ३२३९२.२० | ४०५५५.९० | ६०४४६.२ | ७००७७.८० | ७४७१९.७० | ८४७१३.८० | ९६६७४.७० | ८०८२६.३० | ८७७३४.७० | १०५८२३.२० |
| ३ | कुल आन्तरिक कर्जा | २८०२४.०४ | ३०२०६.९९ | ३२२६८.३८ | ३६०५५.८० | ४३७२७.०० | ५९५६७.६० | ७९६५९.८ | ९१२५७.६० | ९९४५४.७० | ११६५८६.६० | १३२९६१.०० | १०८३२०.२० | १२०२१०.२० | १३९८२९.७० |
| ४ | कुल आन्तरिक कर्जा # | ३१३११.६५ | ३२२६८.४० | ३२२६८.४० | ३७६५८.२० | | १२०७६.३० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ५ | सरकारलाई गएको खुद कर्जा | ६३८९.४५ | ७०५६.८० | ७०९७.१० | ७८३४.४० | ८७०८.०० | १०४८६.८० | १३६५२.३ | १६३४३.९० | १६२८८.२० | १६७७८.८० | ११७२९.५० | १२२४९.२० | ८९३३.१० | ७१२०.२० |
| क. | सरकारमाथिको दावी | ६३८९.४५ | ७०५६.८० | ७०९७.१० | ८१४६.६० | ९१०२.६० | १०४८६.८० | १३६५२.३ | १६३४३.९० | १६५२५.५० | १६७९७.३० | १६५७७.२० | १६४०५.२० | १७१६७.८० | १५२२२.९० |
| ख. | सरकारी बचत | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ३१२.३० | ३९४.६० | ०.०० | ० | ०.०० | २३७.३० | १८.५० | ४८१७.७० | ४१५६.१० | ८२३४.७० | ८१०२.७० |
| ६ | सरकारी संस्थानलाई गएको कर्जा | १९२९.७० | १७१२.१९ | ६३६.९० | ६८२.८० | ७३१.७० | ६४६.८० | ८४७.३ | ११७७.४० | १२०६.०० | १२७०.६० | २१४९.१० | १२३९.०० | १२९७.१० | १३०१.२० |
| (क) | वित्तीय | १२७३.१० | १२६६.१० | १८०.८० | १७१.३० | १६७.०० | १३७.६० | २५९.७ | ५४२.७० | १९९.०० | १३१.७० | ११०७.४० | १५८.९० | १२२.३० | २६७.४० |
| (ख) | गैर-वित्तीय | ६५६.६० | ४४६.०९ | ४५६.१० | ५११.५० | ५६४.०० | ५०९.२० | ५८७.६ | ६३४.८० | १००७.१० | ११३८.९० | १०४१.७० | १०८०.१० | ११६४.८० | १०३३.८० |
| ७ | गैर-सरकारी वित्तीय संस्थालाई गएको कर्जा | ३.२० | ५.९३ | १७७.४० | १९०.९० | ३०३.९० | ५९८.५० | १३०५.२ | १००४.०० | ९७७.९० | १२३४.५० | ९५८.६० | १२२३.०० | १८९१.७० | २०२५.८० |
| ८ | निजी क्षेत्रलाई गएको कर्जा | १९७०१.७० | २१४३२.१३ | २४३५७.०० | २७३४७.७० | ३३९८३.४० | ४३८३५.४० | ६३८५५. | ७२७३२.२० | ८०९८२.६० | ९७३०२.६० | ११५०८२.५० | ९३६०९.१० | १०८०८८.४० | १२९३८२.४० |
| | निजी क्षेत्रलाई गएको कर्जा # | १९७०१.७० | २२५३६.७० | २४३५७.०० | २८९५०.१० | ३४४.२० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९ | खुद अमौद्रिक दायित्व | ८७५४.२५ | ९४०८.७३ | ११५२९.९० | ९६९४.९० | ११३३४.८० | १४९७१.७० | १९२१३.६ | २१७७९.८० | २४७३५.०० | ३१८७२.८० | ३२२८६.३० | २७४९३.९० | ३२४७५.५० | ३४००६.५० |
| | खुद अमौद्रिक दायित्व # | ८७५४.२५ | १०५१३.३९ | ११५२९.९० | १०६६२.४० | | १४९७१.७० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| १० | विस्तृत मुद्रा प्रदाय, एम _२ (११+१२) | ३००४४.०० | ३४७४२.१६ | ३४६८२.४० | ३९५९१.८० | ४९५४७.७० | ६३०५२.१० | ८२०९८.७ | ९२२०४.३० | ११३०९७.०० | १३१५३७.६० | १५६५९६.७० | १२०००१.७० | १४५७५३.१० | १६९३५८.७० |
| ११ | मुद्रा प्रदाय, एम, (क+ख) | १००२०.६० | ११४३८.८६ | ११३०६.१० | १२६८८.८० | १५४३४.४० | १९६५५.९० | २१२०९.७ | २२३०७.५० | २६४३७.३० | ३०१५९.०० | ३५४८३.०० | २६७८३.१० | ३३४४६.५० | ३७९६०.७० |
| (क) | मुद्रा | ६८७८.४० | ७७९२.६३ | ७७७८.०० | ८३५५.३० | १००१७.५० | १२५७५.८० | १३९२८.१ | १४१९३.१० | १७०४९.२० | १९५८७.४० | २२७५३.७० | १८४६६.९० | २२६१९.०० | २५४८१.९० |
| (ख) | चलनी निक्षेप | ३१४२.२० | ३६४६.२३ | ३५२८.०० | ४३३३.४० | ५४१६.९० | ७०७०.१० | ७२८१.६ | ८११४.३० | ९३८८.१० | १०५७१.६० | १२७२९.३० | ८३१६.२० | १०८२७.५० | १२४७८.८० |
| १२ | मुद्रा र बचत निक्षेप ++ | २००२३.४० | २३३०३.३० | २३३७६.३० | २६८६३.०० | ३४१०३.३० | ४३४०६.२० | ६०८८९. | ६९८९६.९० | ८६६५९.७० | १०१३७८.६० | १२१११३.७० | ९३२१८.६० | ११२३०६.५० | १३१३९८.०० |

* अपरिष्कृत

२०६३ असारको तथ्यांकमा नेपाल बैंक लिमिटेडले गरेको कर्जा अपलेखन रु. ११ अर्ब ५ करोड समायोजन गरिएको । त्यस्तै, नेपाल बैंक लिमिटेडले २०६३ असोज महिनामा अपलेखन गरेको साँवा रु ८२ करोड १७ लाख तथा ब्याज रकम रु. २ अर्ब ४ करोड ७६ लाख र राष्ट्रिय वाणिज्य बैंकले मंसिर महिनामा अपलेखन गरेको साँवा रु. ४ अर्ब ५ करोड ५२ लाख तथा ब्याज र. ९ करोड ९३ लाखलाई समायोजन गर्दा ।

@ यस वर्षदेखि कृषि विकास बैंकको एकीकृत वासालात समावेश गरिएको

+ + मासिज निक्षेप समेत

*1 'क' वर्गका बैंकको साथै 'ख' र 'ग' वर्गका वित्तीय संस्थाहरु समेत समावेश गरिएको

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ४.२ (क) : मुद्रा प्रदायमा प्रभाव पार्ने कारकहरू

(वार्षिक परिवर्तन, रकममा)

(रु. करोडमा)

| क्र.सं. | शीर्षक | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९* | २०६९/७०* | २०७०/७१* | प्रथम आठ महिना | | |
|---------|---|---------|---------|---------|----------|---------|----------|---------|----------|----------|----------|----------|----------------|----------|----------|
| | | | | | | | | | | | | | २०६९/७०* | २०७०/७१* | २०७१/७२* |
| १ | खुद बैदेशिक सम्पत्ति @ | १६००.५५ | ५७४.१८ | २५५९.७६ | ५९०.४२ | २९६७.७७ | ४४७५.८४ | -३११.० | ४०९.०० | १३१६२.७० | ६८५३.९६ | १२७१२.७१ | ११७७.७० | १०२८१.३७ | ३५७७.१४ |
| २ | खुद आन्तरिक सम्पत्ति @ | १५३८.९४ | १७३९.२२ | २१३८.४० | ४२७८.९९ | ७०१८.४३ | ९०३८.५६ | १२०५५.२ | ९६९६.७० | ७७३०.०० | ११६१३.४४ | १२३४६.३८ | ५७९३.८१ | ३९३४.०६ | ९२५४.८२ |
| ३ | कुल आन्तरिक कर्जा | २२०९.४५ | ३४०६.८६ | २१८२.९५ | ३७८७.४३ | ७६७१.१७ | ११८४०.५८ | १३००२.६ | ११५९७.८० | ८१९७.१० | १७११७.४८ | १२३७४.३९ | ८८५१.०७ | ३६२३.६१ | ८३९९.२१ |
| | कुल आन्तरिक कर्जा # | | | ३२८७.६१ | ५३८९.८१ | | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ४ | सरकारलाई गएको खुद कर्जा | -१०६.२० | ६४९.७९ | ६६७.३५ | ७३७.३० | ८७३.६० | १७७८.८१ | २९८७.३ | २६९१.६० | -५५.७० | ४९०.६० | -५०४९.४० | -४०३९.०० | -७८४५.७० | -७०७८.७० |
| | क. सरकारमाथिको दावी | -७७.०६ | ५७४.४९ | ६६७.३५ | १०४९.५६ | ९५५.९९ | १३८४.१७ | २९८७.३ | २६९१.६० | १८१.५० | २७१.७९ | -२५०.११ | -१२०.२४ | ३७०.५५ | -१३२६.१० |
| | ख. सरकारी बचत | २९.१३ | -७५.३० | ०.०० | ३१२.२५ | ८२.३९ | -३९४.६४ | ० | ०.०० | २३७.३० | -२१८.८३ | ४७९९.२४ | ३९१८.८१ | ८२१६.२८ | ५७५२.६० |
| ५ | संस्थानतर्फ गएको कर्जा | १५९.६९ | ३०३.८२ | -२१७.६० | ४५.९० | ४८.९० | -८४.८० | ६४२.२ | ३३०.२० | २८.६० | १३३.१० | -८०.२० | १०१.५० | २६.५० | ११०.७० |
| | (क) वित्तीय | १५९.५२ | -६१.२९ | -७.०० | -९.५० | -४.३० | -२९.४० | ३३१. | २८३.०० | -३४३.७० | ४.१४ | १७.०२ | ३१.२६ | ०.५२ | ११८.६९ |
| | (ख) गैर-वित्तीय | ८.१७ | ३६५.११ | -२१०.५० | ५५.४० | ५३.२० | -५५.४० | ३११.१ | ४७.१० | ३७२.३० | १२८.९७ | -९७.१८ | ७०.२० | २५.९३ | -७.९५ |
| ६ | गैर सरकारी वित्तीय संस्थालाई गएको कर्जा | | | २.७० | १३.६० | ११३.०० | २९४.६० | -१९.९ | -३०१.२० | -२६.१० | १७३.७३ | -२७५.९५ | १६२.१९ | ६५७.११ | ११८५.९२ |
| ७ | निजी क्षेत्रलाई गएको कर्जा | २१५६.०५ | २४४९.९६ | १७३०.४० | २९९०.७० | ६६३५.७० | ९८५२.०० | ९६८५.६ | ८८७७.२० | ८२५०.३० | १६३२०.०२ | १७७७९.८५ | १२६२६.४७ | १०७८५.७७ | १४२९९.९४ |
| | निजी क्षेत्रलाई गएको कर्जा # | | ०.०० | २८३५.१० | ४५९३.१० | | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८ | खुद अर्गैण्डिक दायित्व @ | ६७०.४८ | १६६७.६७ | ४४.५० | -४९१.६० | ६५२.७० | २८०२.०० | ९४७.५ | १९०१.१० | ४६७.१० | ५५०४.०४ | २८.०१ | ३०५७.२६ | -३१०.४५ | -८५५.६१ |
| | खुद अर्गैण्डिक दायित्व # | | | ११४९.२० | १११०.८० | | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९ | मुद्रा प्रदाय, एम ३ (११+१२) | ३१३९.४९ | २३१३.४० | ४६९८.२० | ४८६९.४० | ९९८५.९० | १३५१४.४० | ११७४४.१ | १०१०५.६० | २०८९२.६० | १८५०७.४० | २५०५९.०९ | ६९७१.५१ | १४२१५.४३ | १२७६१.९५ |
| १० | मुद्रा प्रदाय, एम १ (क+ख) | १०२१.५७ | ६२३.६४ | १४१८.३० | १३८२.७० | २७४५.६० | ४२११.५० | २६२४.३ | १०९७.८० | ४१२९.८० | ३७८८.५० | ५३२४.०० | ४१२.६० | ३२८७.५० | २७७७.७० |
| | (क) मुद्रा | ६३३.३२ | ५५६.५१ | ११४.२० | ५७७.३० | १६६२.२० | २५५८.३० | १०१८१.१ | २६५.०० | २८५६.०० | २५३८.२५ | ३१६६.३२ | १४१६.७४ | ३०३१.५६ | २७२८.१४ |
| | (ख) चलनी निक्षेप | ३८८.२५ | ६७.१३ | ५०४.१० | ८०५.४० | १०८३.४० | १६५३.२० | १०६१.३ | ८३२.७० | १२७३.८० | १२५०.१९ | २१५७.६७ | -१००५.१८ | २५५.९४ | -२५०.४५ |
| ११ | मुदती र बचत निक्षेप + | २११७.९२ | १६८९.७६ | ३२७९.९० | ३४८६.७० | ७२४०.३० | ९३०२.९० | ९११९.८ | ९००७.९० | १६७६२.८० | १४७१८.९५ | १९७३५.१० | ६५५८.९५ | १०९२७.९३ | १०२८४.२९ |
| १२ | विदेशी विनिमय नाफा (+) नोक्सान (-) | १३९.२५ | -६८०.४८ | ६०९.९० | -१३४३.४० | ९८७.१० | ८३४.८० | -७८९.२ | ६५.१० | ३०८८.०० | १५५२.६३ | ३८५.४६ | -३७९.५२ | ९१३.१६ | १०६.३८ |

* अपरिष्कृत + माजिन निक्षेप समेत

@ विनिमय नाफा+नोक्सान समायोजन गरिएको

२०६३ असारको तथ्यांकमा नेपाल बैंक लिमिटेडले गरेको कर्जा अपलेखन रु. ११ अर्ब ५ करोड समायोजन गरिएको। त्यस्तै, नेपाल बैंक लिमिटेडले २०६३ असोज महिनामा अपलेखन गरेको साँवा रु. ८२ करोड १७ लाख तथा व्याज रकम रु. २ अर्ब

४ करोड ७६ लाख र राष्ट्रिय वाणिज्य बैंकले मंसिर महिनामा अपलेखन गरेको साँवा रु. ४ अर्ब ५ करोड ५२ लाख तथा व्याज रकम रु. ९ अर्ब ९ करोड ९३ लाखलाई समायोजन गर्दा।

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ४.२ (ख) : मुद्रा प्रदायमा प्रभाव पार्ने कारकहरू
(वार्षिक परिवर्तन, प्रतिशतमा)

| क्र.सं. | शीर्षक | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८* | २०६८/६९* | २०६९/७०* | २०७०/७१* | प्रथम आठ महिना | | |
|---------|---|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|----------|----------|----------|----------------|-----------|-----------|
| | | | | | | | | | | | | | २०६९/७०** | २०७०/७१** | २०७१/७२** |
| १ | खुद बैदेशिक सम्पत्ति @ | १७.५ | ५.३ | २३.८ | ४.२ | २२.५ | २६.१ | -१.६ | १.९ | ५९.५ | १८.० | २७.२ | ३.१ | २२.० | ५.९ |
| २ | खुद आन्तरिक सम्पत्ति @ | १०.० | १०.३ | ११.१ | २०.६ | २६.६ | २७.९ | २२.८ | १६.० | ११.० | १५.६ | १४.६ | ७.८ | ४.६ | ९.६ |
| ३ | कुल आन्तरिक कर्जा | ९.९ | १३.८ | ७.८ | ११.७ | २१.३ | २७.१ | १७.२ | १४.६ | ९.० | १७.२ | १०.६ | ८.९ | ३.१ | ६.५ |
| ४ | कुल आन्तरिक कर्जा # | | | | १६.७ | ०.० | ०.० | ० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| ५ | सरकारलाई गएको खुद कर्जा | -१.८ | ११.३ | १०.४ | १०.४ | ११.२ | २०.४ | २६.९ | ११.७ | -०.३ | ३.० | -३०.१ | -२४.८ | -४६.८ | -४९.९ |
| | क. सरकारमाथिको दावी | -१.३ | ९.९ | १०.४ | १४.८ | ११.७ | १५.२ | २६.९ | १९.७ | १.१ | १.६ | -१.५ | -०.७ | २.२ | -८.० |
| | ख. सरकारी बचत | ६३.१ | | | ०.० | २६.४ | ०.० | ० | - | - | -२२.२ | २६०१०.० | १६५१.६ | ४४५२९.० | २४४.८ |
| ६ | संस्थानतर्फ गएको कर्जा | १०.९ | १८.७ | -११.३ | १२.१ | ७.२ | -११.६ | २३. | १९.७ | २.४ | ११.७ | ६९.१ | ८.९ | २.१ | -३९.५ |
| | (क) वित्तीय | १२.८ | -४.६ | | १.१ | -२.५ | -१७.६ | ८२.८ | १०९.० | -६३.३ | ३.२ | १२.९ | २४.५ | ०.४ | ७९.८ |
| | (ख) गैर-वित्तीय | २.९ | १२५.३ | -२२.१ | -५.३ | १०.४ | -९.८ | ६.९ | ८.० | ५८.७ | १२.८ | -८.५ | ७.० | २.३ | -०.८ |
| ७ | गैर सरकारी वित्तीय संस्थालाई गएको कर्जा | | | ८५.३ | ७.६ | ५९.२ | ९६.९ | ५४.५ | -२३.१ | -२.६ | १६.४ | २२.४ | १५.० | ५३.२ | १११.३ |
| ८ | निजी क्षेत्रलाई गएको कर्जा | १४.३ | १४.२ | ८.८ | १२.३ | २४.३ | २९.० | १४.२ | १३.९ | ११.३ | २०.२ | १८.३ | १५.६ | ११.१ | १२.४ |
| | निजी क्षेत्रलाई गएको कर्जा # | | | १४.४ | १८.९ | ०.० | ०.० | ० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| ९ | खुद अमौद्रिक दायित्व @ | ९.६ | २१.५ | ०.५ | -४.३ | ६.७ | २४.७ | १.७ | ९.९ | २.२ | २२.२ | ७.८ | १२.३ | -१.० | ५.३ |
| | खुद अमौद्रिक दायित्व # | | | ३.१ | ९.६ | ०.० | ०.० | ० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| १० | मुद्रा प्रदाय, एम २ (११+१२) | १२.८ | ८.३ | १५.६ | १४.० | २५.२ | २७.३ | १४.१ | १२.३ | २२.७ | १६.४ | १९.१ | ६.२ | १०.८ | ८.१ |
| ११ | मुद्रा प्रदाय, एम १ (क+ख) | १२.२ | ६.६ | १४.२ | १२.२ | २१.६ | २७.३ | ११. | ५.२ | १८.५ | १४.४ | १७.७ | १.६ | १०.९ | ७.० |
| | (क) मुद्रा | ११.१ | ८.८ | १३.३ | ७.४ | १९.९ | २५.५ | १३. | १.९ | २०.१ | १४.९ | १६.२ | ८.३ | १५.५ | १२.० |
| | (ख) चलनी निक्षेप | १४.५ | २.२ | १६.० | २२.८ | २५.० | ३०.५ | ७.६ | ११.४ | १५.७ | १३.५ | २०.४ | -१०.५ | २.४ | -२.० |
| १२ | मुद्रती र बचत निक्षेप + | १३.१ | ९.२ | १६.४ | १४.९ | २७.० | २७.३ | १५.५ | १४.८ | २४.० | १७.० | १९.५ | ७.६ | १०.८ | ८.५ |

* अपरिष्कृत

+ माजिन निक्षेप समेत

@ विनिमय नाफा/नोक्सान समायोजन गरिएको

२०६३ असारको तथ्यांकमा नेपाल बैंक लिमिटेडले गरेको कर्जा अपलेखन रु. ११ अर्ब ५ करोड समायोजन गरिएको । त्यस्तै, नेपाल बैंक लिमिटेडले २०६३ असोज महिनामा अपलेखन गरेको साँवा रु. ८२ करोड १७ लाख तथा व्याज रकम रु. २ अर्ब ४ करोड ७६ लाख र राष्ट्रिय वाणिज्य बैंकले मंसिर महिनामा अपलेखन गरेको साँवा रु. ४ अर्ब ५ करोड ५२ लाख तथा व्याज रकम रु ९ अर्ब ९ करोड ९३ लाखलाई समायोजन गर्दा ।

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ४.३ : बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको साधनको स्रोत र उपयोग^१

(रु. करोडमा)

| क्र.सं. | शीर्षक | २०६९* | २०७०* | २०७१* | प्रथम आठ महिना | | |
|---------|---|-----------|-----------|-----------|----------------|-----------|-----------|
| | | | | | २०६९/७०* | २०७०/७१* | २०७१/७२* |
| १ | कुल निक्षेप | १०१८२.२९ | ११८८०९.०२ | १४०६७६.९५ | १०८०४३.८२ | १३०३५५.५९ | १५१३३९.०७ |
| २ | चलती | ९४९०.०३ | ११३६९.३० | १२९६८.९२ | ९२७२.४४ | ११३००.९३ | १२८९८.९६ |
| ३ | बचत | ३९७१६.८६ | ४६९४८.५२ | ५८९७०.५९ | ४५२३०.१७ | ५४१८०.६३ | ६४५३०.५८ |
| ४ | मुदती | ३६८२२.३५ | ४२०९९.४६ | ४५२९४.१९ | ३७४७८.५० | ४३९३७.४३ | ४८२४२.९८ |
| ५ | कल | १४४७२.९९ | १७४७६.०६ | २२३३८.१४ | १५३२३.०० | १९७४२.१३ | २४४४४.४२ |
| ६ | माजिन | ६८०.०७ | ९१५.६९ | ११०५.११ | ७३९.७१ | ११९५.२६ | १२१९.९३ |
| ७ | नेपाल राष्ट्र बैंकबाट सापटी | ४७.३३ | २७५.७६ | १९३.३ | ९१.७५ | १३०.२२ | २२७.५४ |
| ८ | अन्य वैदेशिक दायित्व | २५०.७९ | २९५.४३ | ०.४१ | २११.५३ | ३११.५३ | ०.०० |
| ९ | खुद अन्य साधनहरू | १५४०३.८९ | १८४५६.८४ | १९१४५.३१ | १९५११.१५ | १८८७८.६५ | १९६४५.६६ |
| १० | कुल साधनको स्रोत = उपयोग | ११६८८४.३१ | १३७८३७.०५ | १६००१५.९७ | १२७८५८.२६ | १४९६७५.९८ | १७१२१२.२६ |
| ११ | नगद मौज्जात र बैंक ब्यालेन्स | २०११८.८८ | २३०५१.६२ | २८६८२.६३ | १७७४२.२८ | २३७४५.०० | २५६१९.०१ |
| १२ | नगद मौज्जात | ३०७२.२८ | ३४८७.२१ | ४११२.९९ | २९३०.५५ | ३१७१.७७ | ३८५५.७८ |
| १३ | राष्ट्र बैंकमा रहेको मौज्जात | ११००२.४३ | ११७७२.९८ | १५६२१.४ | ६८७६.२९ | १०५९१.३३ | ११०२३.२७ |
| १४ | विदेशी मुद्रा मौज्जात | ६८.८१ | ८५.२१ | ७८.८७ | ८३.४२ | ९६.४३ | १५५.८४ |
| १५ | विदेशमा रहेको मौज्जात | ५९७५.३७ | ७७०६.२२ | ८८६९.३८ | ७८५२.०१ | ९८८५.४८ | १०५४.११ |
| १६ | कर्जा तथा सापटी | ९६७६५.४२ | ११४७८५.४४ | १३१३३३.३४ | ११०११५.९७ | १२५९३०.९८ | १४५५९३.२५ |
| १७ | सरकारमाथिको दावी | १३७०३.१६ | १५२२५.६० | १४२१५.७७ | १४३४३.८० | १४८००.७७ | १३०२३.१४ |
| १८ | सरकारी संस्थानहरूमाथिको दावी | ११२३.२६ | १२४४.१६ | ११३८.३ | १२२५.०४ | १२७०.६२ | १११९.४४ |
| | वित्तीय | ११६.२० | १०८.३५ | ९९.६६ | १४७.७९ | १०८.८७ | ८८.२६ |
| | गैर-वित्तीय | १०७.०६ | ११३५.८१ | १०३८.६३ | १०७७.२५ | ११६१.७४ | १०३०.६८ |
| १९ | गैर सरकारी वित्तीय संस्थानहरूमाथिको दावी | १०५९.२२ | १२३२.९५ | ९५६.९९ | १२२१.४१ | १८९०.०६ | २०२४.२२ |
| २० | निजी क्षेत्रमाथिको दावी | ८०५३०.७५ | ९६८४३.९१ | ११४६६९.९२ | ९३१३३.५६ | १०७६५१.९१ | १२८८९९.०२ |
| २१ | विदेशी विल खरिद | ३४९.०४ | २३८.८२ | ३५२.३६ | १९२.१७ | ३१७.६२ | ५२७.९३ |
| २२ | कर्जा तथा सापटी/निक्षेप अनुपात (%) [#] | ८२.१० | ८३.८० | ८३.३ | ८८.६० | ८५.३० | ८७.६० |

& 'क' वर्गका बैंकको साथै 'ख' र 'ग' वर्गका वित्तीय संस्थाहरू समेत समावेश गरिएको

* अपरिष्कृत

सरकारमाथि दावी समावेश नभएको

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ४.४ : वाणिज्य बैंकहरूको साधनको स्रोत र उपयोग

(रु. करोडमा)

| क्र.सं. | शीर्षक | असार मसान्त | | | | | | | | | | प्रथम आठ महिना | | | |
|---------|---|-------------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|-----------|----------------|-----------|-----------|-----------|
| | | २०६१ | २०६२ | २०६३ | २०६४ | २०६५ | २०६६ | २०६७* | २०६८* | २०६९* | २०७०* | २०७१* | २०६९/७०* | २०७०/७१* | २०७१/७२* |
| १ | कुल निक्षेप | २३२७७.६३ | २५०७६.५० | २८९९७.६० | ३३४४५.३० | ४२१५२.४० | ५१०६७.७० | ६२०६०.८५ | ६८०२३.०१ | ८६१६९.०० | १०१५७७.८० | ११९६४७.९४ | ९११२२.२२ | १११२२१.३८ | १३०१००.४१ |
| २ | चाल्ती | ३३०३.८७ | ३४१२.०० | ३७७१.६० | ४२६९.२० | ५४१२.४० | ६९५९.०० | ७९१५. | ७८२०.३६ | ९११३.५२ | १०७३०.९८ | १२२५४.४८ | ८६७५.९३ | १०६७९.२८ | १२२६१.१४ |
| ३ | बचत तथा कल | ११४१०.६३ | १३००१.४० | १५१७१.१० | १७४६३.४० | २११४०.६० | २५९८७.२० | ३३७७५.४७ | ३४४७५.१८ | ४६६३४.९२ | ५९०७६.९१ | ७४८४२.०४ | ४४४९८.०६ | ५०६२१.२५ | |
| ४ | मुद्दती | ८३२६.८२ | ८४१३.७० | १०००६.८० | ११४०३.२० | १५२३६.४० | २१६८५.५० | २००६६.२ | २२५१३.७३ | २९७६२.५७ | ५४०७७.५४ | ६१२४३.४१ | ४६८९०.४६ | ५७८७८.०३ | ६६०२८.६७ |
| ५ | मार्जिन | २१६.३१ | २१९.४० | २४८.१० | ३०९.५० | ३६२.९० | ४४६.०० | ५०४.१८ | ५१३.७४ | ६५७.९८ | ८८८.८३ | १०७३.१३ | ७१३.८० | ११६६.०० | ११८९.०६ |
| ६ | नेपाल राष्ट्र बैंकबाट सापटी | ४७.७९ | १७२.४० | ३२.९० | १८७.१० | ६६.१० | ०.०० | ३९६.५३ | ५२४.६५ | ४७.३३ | २१८.७६ | १९३.३० | ९०.८३ | १३०.२२ | २२७.५४ |
| ७ | अन्य बैदेशिक दायित्व | ५२.१४ | २.८० | ०.८० | १६२.८० | १९१.२० | १६७.१० | १९३.३३ | १८६.८१ | २१७.५८ | २९५.४३ | ०.४१ | २११.५३ | ३११.५३ | ०.०० |
| ८ | सुद अन्य साधनहरु | ४५०४.४४ | ५८८७.४० | ७९०८.९० | ६७३३.३० | ७५१५.७० | ९०९४.६० | ९९९१.९२ | ११७२८.५२ | १०९५९.१३ | १३२१०.५९ | १३५५३.४६ | १३९१२.०९ | १२९५७.६१ | १३०९५.८९ |
| ९ | कुल साधनको श्रोत = उपयोग | २७८६२.०० | ३११०९.०० | ३६९४०.१० | ४०५२८.५० | ४९९२५.३० | ६४३२९.३० | ७२६४२.६३ | ८०४६२.९९ | ९७३९३.०४ | ११५२२.५९ | १३३३९५.११ | १०५३३६.६७ | १२४६२०.७४ | १४३४३३.८४ |
| १० | नगद मौज्जात र बैंक बैलेन्स | ५०३८.४६ | ५०२२.२८ | ६१८१.७३ | ६४९३.०३ | ७९०१.०५ | १२२६९.८९ | १३०८६.३२ | १३१९१.८७ | १८६१८.२७ | २१४७२.३३ | २६७०२.४६ | १६२०३.३० | २१९९१.६२ | २३५४८.७७ |
| ११ | नगद मौज्जात | ४२८.३८ | ४७७.३० | ६०५.४० | ७३६.०० | १२६५.२० | १९०१.६० | १६८६.३७ | १९७८.६४ | २५७६.२१ | २९२९.२८ | ३३९४.२२ | २४१९.८९ | २५७२.७४ | ३१७४.०७ |
| १२ | राष्ट्र बैंकमा रहेको मौज्जात | २४८६.७१ | २१०३.०० | २३९६.२० | २३१८.४० | २४८९.९० | ४६८५.९० | ५१३९.३३ | ५४४३.७२ | १००१३.७८ | १०७३५.५७ | १४३४८.१४ | ५८७१.९२ | ९४०२.१४ | ९६७५.४४ |
| १३ | बिदेशी मुद्रा मौज्जात | ४३.५१ | ३७.५० | ३९.९० | ४५.४० | ३५.९० | ६२.३० | ४३.७३ | ५०.०३ | ६२.८९ | ८०.०९ | ६९.९९ | ७८.९५ | ९०.९२ | १४१.६८ |
| १४ | बिदेशमा रहेको मौज्जात | २०७९.८६ | २४०४.५० | ३१४०.२० | ३३९३.३० | ४११०.१० | ५९९६.१० | ६२१६.८९ | ६७७९.४८ | ५९६५.३८ | ७७२७.३९ | ८८९०.११ | ७८३२.५४ | ९२२५.८२ | १०५७७.५६ |
| १५ | कर्जा तथा सापटी | २२८२३.४९ | २६०८६.७३ | ३०७५८.३९ | ३४०५९.४९ | ४२०५४.३६ | ५२०६३.४६ | ५९५५६.३१ | ६७३११.१२ | ७८७७४.७७ | ९३८१०.२६ | १०६६९२.६५ | ८९१३३.३७ | १०२६२९.१२ | ११९८७५.७७ |
| १६ | सरकारमाथि दाबी + | ४३७९.६३ | ४८५९.१० | ५८६६.२० | ६५८५.०० | ७२१०.०० | ७१९४.९० | ८२९९.५८ | १०५९४.०९ | १२८९८.७४ | १४७२३.०२ | १३६३६.७१ | १३६९३.४८ | १४१८३.६६ | १२४७२.९५ |
| १७ | सरकारी संस्थानहरूमाथि दाबी | १४६९.०७ | १७९९.४० | ५३८.१० | ६१६.१० | ६२७.४० | ६२९.५० | ७२६.५५ | ८३३.५५ | १०९२.४८ | १२१५.७६ | ११०४.३९ | ११९४.३७ | १२२६.७० | १०६८.८१ |
| १८ | गैर सरकारी बित्तीय संस्थाहरूमाथिको दाबी | ०.०० | ०.०० | १७१.४० | १८७.०० | ३००.७० | ५९५.३० | १५७८.२५ | १२८४.८५ | १०९८.४४ | १०००.४० | ९१४.०० | १०६०.९१ | १८३५.०५ | २२८.६८ |
| १९ | निजी क्षेत्रमाथि दाबी | १६८६९.२८ | १९३२७.०० | २४०३६.२० | २६५३६.१० | ३३६७८.१० | ४३४९१.३० | ४८८७७.०१ | ५४४२५.१७ | ६३३३६.०८ | ७६६३२.७२ | ९०६८५.१९ | ७२९९२.९१ | ८५०६५.८९ | १०३५३६.७१ |
| | निजी क्षेत्रमाथि दाबी + | | १९३२७.०० | २४०३६.२० | २६५३६.१० | ३३६७८.१० | ४३४९१.३० | ४८८७७.०१ | ५४४२५.१७ | ६३३३६.०८ | ७६६३२.७२ | ९०६८५.१९ | ७२९९२.९१ | ८५०६५.८९ | १०३५३६.७१ |
| २० | बिदेशी विल खरीद | १०५.५१ | १०५.३० | १२६.४० | १११.३० | १४८.०० | १५६.१० | ७४.१३ | १७३.४६ | ३४९.०४ | २३८.३७ | ३५२.३६ | १९१.७१ | ३१७.६२ | ५२७.९३ |
| २१ | कर्जा तथा सापटी / निक्षेपअनुपात (%) # | ७९.३० | ८४.८० | ८५.८० | ८२.१० | ८२.६० | ८१.५० | ८२.५९ | ८३.३८ | ८३.३८ | ७७.९० | ७७.८० | ८२.८० | ७९.५० | ८२.५० |

* अपरिष्कृत

सरकारमाथि दाबी समावेश नभएको

* २०६३ असारको तथ्यांकमा नेपाल बैंक लिमिटेडले गरेको कर्जा अपलेखन रु ११ अर्ब ५ करोड समायोजन गरिएको। त्यस्तै, नेपाल बैंक लिमिटेडले २०६३ असोज महिनामा अपलेखन गरेको साँवा रु ८२ करोड १७ लाख तथा व्याज रकम रु

२ अर्ब ४ करोड ७६ लाख र राष्ट्रिय वाणिज्य बैंकले मंसिर महिनामा अपलेखन गरेको साँवा रु ४ अर्ब ५ करोड ५२ लाख तथा व्याज रकम रु ९ अर्ब ९ करोड ९३ लाखलाई समायोजन गर्दा

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ४.५ : वाणिज्य बैंकहरूबाट असुल हुन बाँकी कर्जाको क्षेत्रगत विवरण

(रु. करोडमा)

| क्षेत्र | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | प्रथम आठ महिना | | | |
|--|-------------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|---------|-----------|----------|----------------|----------|----------|----------|
| | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९* | २०६९/७०* | २०७०/७१* | २०६९/७०* | २०७०/७१* | २०७१/७२* |
| कृषि** | ४९०.१९ | ४४१.५५ | ४५७.२० | १३८८.२० | १३८८.०० | १३३७.६३ | १४२९.०९ | १४१९.२ | २३४०७.३० | ३१५३.१० | ४०२७. | ३०११.६० | ३७१८.८० | ४७३६.७ |
| खानी | ३३.६६ | ५२.०३ | ४७.७७ | १३१.५० | १९५.५० | १७०.९४ | २०१.९८ | २२०.५ | २३५८.७० | ३४८.७० | ३२५.५ | ३८३.७० | ३८२.४० | ३४२.१ |
| उत्पादन क्षेत्र | ४७१८.१५ | ५३७४.४२ | ५६४७.५० | ६२३७.०० | ७४८८.९८ | ८७८७.८० | ९४७१.३७ | ११५१८.६ | १४३९७२.२० | १७६६६.२० | २०७४२.८ | १६६३६.७० | २०१२६.९० | २३८९१.५ |
| निर्माण | ४९८.६७ | ८७२.३० | १३४२.८० | १९७७.०० | ३२३६.८८ | ४४८६.७० | ४९५६.८० | ५१५९.१ | ६१३१२.२० | ७१७१.३० | ८८७४.१ | ६६१९.९० | ८२५१.४० | १०८२६.७ |
| धातु उत्पादन, मेसिनरी र विद्युतीय उपकरण तथा जडान | - | १७९.७५ | १५९.०९ | २९१.९० | ५०६.९४ | ६५३.४६ | ५८७.७८ | ६४१.९ | ८४०१.६० | १००४.४० | १०२२.९ | ९१०.२० | ११४०.०० | १२४३.६ |
| यातायात, उपकरण उत्पादन तथा जडान | २७७.६७ | ३१५.६३ | २६५.८७ | ३२४.३० | ४३४.०२ | ६९७.७७ | १०५४.६४ | १२०१.४ | १२७८४.०० | १२६६.६० | १५४८.९ | ११९०.७० | १४३८.३० | १३६४. |
| संचार र सार्वजनिक सेवा | ७९६.३६ | ८९९.७२ | ११६९.४५ | १३१३.०० | १६१२.९० | १८४३.२८ | २२२७.६० | १९८१.२ | २५१७४.७० | ३०१५.२० | ३१४१.१ | २८२६.१० | ३०२८.३० | ३७६९.४ |
| शोक विक्रेता र खुदा विक्रेता | ३१७२.८९ | ३४४१.२७ | ३५१०.३३ | ४५६३.६० | ५९७३.२० | ६८८०.८३ | ८८५८.४१ | १०९२१.२ | १२९२४९.१० | १६१५८.८० | २०५४१.५ | १५२१४.९० | १८९८८.१० | २४५१५.४ |
| वित्त, बीमा र स्थिर सम्पत्ति | ४८५.७० | ६३९.१० | १००२.४० | १३९१.८० | २४९१.३५ | ३८८८.२७ | ५४०९.३३ | ५७९३.४ | ६२१८४.८० | ६६०८.०० | ७२८१.४ | ६३५९.१० | ६८७७.८० | ७९६५.६ |
| सेवा उद्योग | १४२१.६९ | १४९८.४८ | १४१६.३० | १८३६.७० | २११६.३३ | २३३५.७८ | २९६०.५४ | ३६५०.५ | ४५८११.०० | ५६८५.५० | ६८६३. | ५२६०.९० | ६३३१.०० | ८२७८.९ |
| उपभोग्य कर्जा | ४४०.०० | ३५८.८० | ५८४.८० | ८१२.०० | ९४३.७१ | १४७१.६२ | २२६९.४९ | २२३६. | २७०४७.५० | ३३४८.४० | ३९३६.६ | ३१५१.२० | ३४१४.१० | ४१२८.७ |
| स्थानीय सरकार | ०.२३ | ०.०१ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | १९७.२४ | ३०८.७७ | ११०.७ | १२७१.७० | ११७.६० | १०९.६ | ७६.६० | १०९.६० | १४६.८ |
| अन्य | १२२७.८१ | १८५९.२६ | २०५४.३० | २९१७.३० | ४६६५.६० | ७४२६.४८ | ७१९७.३९ | ७७७१.१ | ७९५६२.८० | १०६५.२० | ११६१६.५ | ९२०७.२० | १०२६३.७० | १४१०१.१ |
| जम्मा | १३५६३.०२ | १५९३२.३२ | १७६५७.८१ | २३१८४.३० | ३०६५३.४१ | ४०१७७.८० | ४६९३३.१८ | ५२६२४.६ | ६२२५३७.४० | ७७७०९.१० | ९०१००.९ | ७०८४८.७० | ८४०००.३० | १०५३१०.३ |

* अपरिष्कृत

** २०६३ असार देखि कृषि विकास बैंक समेत ।

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ४.६ : विकास बैंक ("ख" वर्गका वित्तीय संस्था) हरूको साधनको स्रोत र उपयोगको विवरण

(रु. करोडमा)

| क्र.सं. | शीर्षक | २०६९* | २०७०* | २०७१* | प्रथम आठ महिना | | |
|---------|--|----------|----------|----------|----------------|----------|----------|
| | | | | | २०६९/७०* | २०७०/७१* | २०७१/७२* |
| १ | कुल निक्षेप | १२२१२.८० | १५५२२.५९ | २००३२.८९ | १३२५८.०१ | १७६५५.६८ | १९८३९.२६ |
| २ | चल्ती | ३२५.०९ | ३०८.३७ | ४२२.८३ | ३८०.३४ | ३३३.१६ | ३९८.३१ |
| ३ | बचत | ६०७६.७३ | ८२९४.५६ | १०८३५.७५ | ६८८८.७४ | ९६०१.६७ | १०६३४.०८ |
| ४ | मुद्दती | ३७१७.८४ | ४५०२.८३ | ५५३९.५१ | ४०१६.६१ | ५१६८.५१ | ५५९१.०८ |
| ५ | कल | २०७५.३४ | २३९१.३८ | ३२०४.०५ | १९४०.५० | २५२४.५३ | ३१८६.२९ |
| ६ | मार्जिन | १७.७९ | २५.३४ | ३०.७५ | २१.८२ | २७.८० | २९.५ |
| ७ | ने.रा.बैंकबाट सापटी | ०.०० | ५७.०० | ० | ०.९२ | ०.०० | ० |
| ८ | अन्य वैदेशिक दायित्व | ३३.२१ | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ० |
| ९ | खुद अन्य साधनहरू | ३००८.६२ | ३१९२.९४ | ३७६५.२४ | ३२५१.९१ | ३८२७.८६ | ४३४२.५३ |
| १० | कुल साधनको स्रोत = उपयोग | १५२५४.६२ | १८७७२.५३ | २३७९८.१४ | १६५००.८४ | २१४८३.५४ | २४१८१.७९ |
| ११ | नगद मौज्जात र बैंक बैलेन्स | ९८५.०३ | ११८३.०४ | १४६४.१७ | १०२३.६६ | १२७९.९९ | १४६३.४१ |
| १२ | नगद मौज्जात | ३६०.८५ | ४७८.७१ | ६१२.५७ | ३८२.९५ | ५०२.४९ | ५७८.४५ |
| १३ | राष्ट्र बैंकमा रहेको मौज्जात | ५९९.१० | ६७७.३२ | ८२२.१४ | ६२१.४० | ७५०.७१ | ८४४.३१ |
| १४ | विदेशी मुद्रा मौज्जात | ३.७१ | ५.०९ | ८.८४ | ४.४४ | ५.४८ | १४.१४ |
| १५ | विदेशमा रहेको मौज्जात | २१.३८ | २१.९३ | २०.६१ | १४.८८ | २१.३१ | २६.५२ |
| १६ | कर्जा तथा सापटी | १४२६९.५९ | १७५८९.३८ | २२३३३.९७ | १५४७७.१८ | २०२०३.५४ | २२७१८.३८ |
| १७ | सरकारमाथिको दावी | ४५०.७२ | २९०.९६ | २७४.४३ | ३३४.०१ | ३११.२७ | २६३.९४ |
| १८ | सरकारी संस्थानहरूमाथिको दावी | २८.१७ | २४.२३ | २७.३७ | २५.११ | २५.३० | ३२.८५ |
| | वित्तीय | ०.०० | ०.०० | ० | ०.०० | ०.०० | ० |
| | गैर-वित्तीय | २८.१७ | २४.२३ | २७.३७ | २५.११ | २५.३० | ३२.८५ |
| १९ | गैर सरकारी वित्तीय संस्थानहरूमाथिको दावी | ३४५७.६३ | ४११६.१० | ५०५१.४५ | ३०११.९४ | ४६११.१५ | ४५३३.८६ |
| २० | निजी क्षेत्रमाथिको दावी | १०३३३.०७ | १३१५७.६४ | १६९८०.७१ | १२१०५.६६ | १५२५५.८२ | १७८८७.७३ |
| २१ | विदेशी विल खरिद | ०.०० | ०.४५ | ० | ०.४६ | ०.०० | ० |
| २२ | कर्जा तथा सापटी/निक्षेप अनुपात (%) | ११३.२० | १११.४० | ११०.१ | ११४.३० | ११२.७० | ११२.७ |

* अपरिष्कृत

सरकारमाथी दावी समावेश नभएको

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ४.७ : वित्त कम्पनी ("ग" वर्गका वित्तीय संस्था) को वित्तीय साधन तथा उपयोगको विवरण

(रु. करोडमा)

| क्र.सं. | शीर्षक | २०६९* | २०७०* | २०७१* | प्रथम आठ महिना | | |
|---------|---|----------|---------|---------|----------------|----------|----------|
| | | | | | २०६९/७०* | २०७०/७१* | २०७१/७२* |
| १ | कुल निक्षेप | ७५३९.८९ | ६८१६.५१ | ७२०८.०८ | ७८९५.०६ | ७३२६.१० | ७३३९.३२ |
| २ | चल्ती | ४४८.५२ | ५४१.०२ | ५८२.४९ | ४९५.७७ | ५२९.९६ | ५३९.३८ |
| ३ | बचत | ३४१५.८९ | २८९३.०३ | ३११८.४७ | ३६१७.२१ | ३२०१.७७ | ३३४०.०९ |
| ४ | मुद्दती | ३६०६.६१ | ३२८९.६२ | ३३९५.२७ | ३६९३.१६ | ३४९२.१० | ३३७०.१५ |
| ५ | कल | ६४.५८ | ९१.३२ | ११०.६३ | ८४.८३ | १००.८१ | ८८.३४ |
| ६ | मार्जिन | ४.२९ | १.५२ | १.२३ | ४.०९ | १.४६ | १.३७ |
| ७ | ने.रा.बैंकबाट सापटी | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ८ | अन्य वैदेशिक दायित्व | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ९ | खुद अन्य साधनहरू | २४९१.५४ | २५९१.८० | २६८८.७ | २७४८.४८ | २७८०.७२ | ३१७०.९ |
| १० | कुल साधनको स्रोत = उपयोग | १००३१.४३ | ९४०८.३१ | ९८९६.७८ | १०६४३.५४ | १०१०६.८२ | १०५१०.२२ |
| ११ | नगद मौज्जात र बैंक बैलेन्स | ५२८.८१ | ४५७.४३ | ५५७.३७ | ५१५.३२ | ५३५.०७ | ६०६.८३ |
| १२ | नगद मौज्जात | १३५.२१ | ९७.२८ | १०६.१९ | १२७.७१ | ९६.५४ | १०३.२६ |
| १३ | राष्ट्र बैंकमा रहेको मौज्जात | ३८९.५४ | ३६०.१० | ४५१.११ | ३८८.९८ | ४३८.४८ | ५०३.५२ |
| १४ | विदेशी मुद्रा मौज्जात | २.२१ | ०.०३ | ०.०४ | ०.०४ | ०.०३ | ०.०२ |
| १५ | विदेशमा रहेको मौज्जात | १.८४ | ०.०३ | ०.०३ | ४.६० | ०.०३ | ०.०३ |
| १६ | कर्जा तथा सापटी | ९५०२.६२ | ८९५०.८८ | ९३३९.२७ | १०१२८.२२ | ९५७१.७५ | ९९०३.३४ |
| १७ | सरकारमाथिको दावी | ३५३.७० | २११.६३ | ३०४.६३ | ३१६.३१ | ३०५.६४ | २८६.२५ |
| १८ | सरकारी संस्थानहरूमाथिको दावी | २.६० | ४.१८ | ६.५३ | ५.५६ | १८.६१ | १७.२८ |
| | वित्तीय | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| | गैर-वित्तीय | २.६० | ४.१८ | ६.५३ | ५.५६ | १८.६१ | १७.२८ |
| १९ | गैर सरकारी वित्तीय संस्थानहरूमाथिको दावी | २२८४.७१ | १६८१.५२ | २०२४.०९ | १७७१.३७ | १९१७.२९ | २१२५.२३ |
| २० | निजी क्षेत्रमाथिको दावी | ६८६१.६१ | ७०५३.५५ | ७००४.०२ | ८०३४.९९ | ७३३०.२० | ७४७४.५८ |
| २१ | विदेशी विल खरिद | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| २२ | कर्जा तथा सापटी/निक्षेप अनुपात (%) [#] | १२१.३० | १२८.२० | १२५.३ | १२४.३० | १२६.५० | १३१.०० |

* अपरिष्कृत

सरकारमाथी दावी समावेश नभएको

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ४.८ : लघु वित्त विकास बैंकहरु (ग्रामीण विकास बैंक समेत) को साधनको स्रोत र उपयोग

(रु. करोडमा)

| विवरण | असार मसान्त | | | | | | | | | | | फागुन मसान्त | |
|---------------------------|---------------|---------------|---------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|---------------|----------------|--------------|
| | २०६१ | २०६२ | २०६३ | २०६४ | २०६५ | २०६६ | २०६७ | २०६८ | २०६९ | २०७० | २०७१ | २०७०* | २०७१* |
| दायित्व | | | | | | | | | | | | | |
| पूँजी कोष | ५४.१० | ७४.०० | ८३.०० | १११.९० | १६२.७० | १९४.०० | २१७.४० | २४३.७० | २८१.१० | ३८०.१० | ४९६.२ | ५८२.०० | १७.३० |
| निकोप | ७०.०० | ७४.९० | ९३.३० | ११०.३० | १५४.०० | २००.१० | २५७.४० | ३५३.४० | ५१२.८० | ७२२.५० | ११०५.५ | १३६९.८० | २३.९१ |
| ऋण / सापटी | २८३.३० | ३४०.३० | ५३२.५० | ६९४.४० | ८४०.१० | ८९७.३० | १०७५.४० | १३०३.८० | १६५७.५० | २०२१.४० | २८१६ | ३३०५.८० | १७.३९ |
| अन्य दायित्व | ८९.०० | १३१.९० | ९९.०० | १०४.२० | १०१.६० | २३३.२० | ३१४.२० | ३७६.८० | ४७२.४० | ३६६.१० | ३८०.६ | ७४३.३० | ९५.३३ |
| नाफा नोक्सान हिसाव | | ९.१० | १२.०० | ७.३० | | १९.३० | २६.७० | ५०.१० | ५७.८० | ८४.९० | १४१.३ | १६३.१० | १५.३७ |
| सम्पत्ति = दायित्व | ४९६.४० | ६३०.०० | ८१९.७० | १०२८.१० | १२५८.३० | १५४३.८० | १८९१.१० | २३२७.८० | २९८१.५० | ३५७५.१० | ४९३९.६ | ६१६४.०० | २४.७९ |
| सम्पत्ति | | | | | | | | | | | | | |
| तरल सम्पत्ति | ६२.१० | ६४.८० | १३२.२० | १७४.७० | ११६.३० | २८५.५० | २१६.९० | ३३३.९० | ५६४.९० | ६३३.०० | ७३९.३ | ५६५.०० | -२३.५७ |
| लगानी | १२३.१० | १५१.६० | १६७.३० | २३५.१० | ३५०.४० | २०६.८० | २५१.५० | १६५.९० | २१९.१० | ३०८.०० | ३०१ | २४०.५० | -२०.१० |
| कर्जा तथा सापटी | २८२.२० | ३५३.८० | ४३०.३० | ५५७.९० | ७०७.८० | ८२२.३० | ११११.६० | १४६५.०० | १७७०.०० | २३३९.२० | ३५८०.४ | ४८००.५० | ३४.०८ |
| अन्य सम्पत्ति | २९.०० | ३८.९० | ६७.९० | ४२.८० | ६८.१० | २०१.३० | २८७.१० | ३५५.२० | ४१५.९० | २८१.७० | ३१२.८ | ५५६.२० | ७७.८४ |
| नाफा नोक्सान हिसाव | ०.०० | २०.९० | २२.१० | १७.८० | १५.७० | २७.९० | २४.०० | ७.८० | ११.८० | १३.२० | ६.२ | १.८० | -७०.६२ |

* अपरिष्कृत

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ४.९ : नेपाल राष्ट्र बैंकबाट स्वीकृति प्राप्त वित्तीय सहकारी संस्थाहरुको साधनको स्रोत र उपयोग

(रु. करोडमा)

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | फागुन मसान्त | | |
|---------------------------|--------------|--------------|--------------|--------------|--------------|--------------|--------------|--------------|---------------|---------------|---------------|---------------|-------------|
| | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७०* | २०७१* |
| दायित्व | | | | | | | | | | | | | |
| पुँजी कोष | २०.५ | २७.८ | ३२.५ | ३५.५ | ४०.१ | ४४.७ | ५८.० | ६४.७ | ८०.९ | ११७.७ | १४०.१५ | १५६.९ | ११.९ |
| निक्षेप | १६६.७ | १७२.४ | २०१.२ | २५४.५ | ३०१.८ | ३५१.३ | ३७२.७ | ५४६.७ | ८७२.८ | ११४०.३ | १५८७.३५ | १४८७.८ | -६.३ |
| ऋण / सापटी | ४.१ | ४.६ | ७.१ | १४.० | २०.७ | २५.८ | २२.७ | ३१.२ | ४८.४ | ९३.८ | १३५.५६ | १४८.५ | ९.६ |
| अन्य दायित्व | ४२.८ | ३६.७ | ४०.७ | ४८.१ | ६८.० | ६६.७ | ८७.९ | १४४.५ | १२५.० | १४५.८ | २०३.०९ | २३०.७ | १३.६ |
| नाफा नोक्सान हिसाव | ०.० | -०.५ | ६.३ | ७.० | ५.५ | ८.० | ११.६ | २०.५ | ३८.१ | ४४.० | ३६.८५ | ४३.२ | १७.१ |
| सम्पत्ति = दायित्व | २३४.१ | २४१.० | २८७.७ | ३५९.१ | ४३६.१ | ४९६.५ | ५५२.९ | ८०७.६ | ११६५.२ | १५४१.५ | २१०३.० | २०६७.० | -१.७ |
| सम्पत्ति | | | | | | | | | | | | | |
| तरल सम्पत्ति | ४१.३ | ४२.४ | ४९.३ | ४९.० | ७६.० | ७७.६ | ८३.५ | १५४.२ | ३३३.३ | ३७४.३ | ६५८.७ | ३८२.२ | -४२ |
| लगानी | १८.२ | १४.२ | १६.२ | १७.८ | २२.३ | २७.६ | २६.० | २४.७ | ७७.५ | ११४.७ | १२५.९२ | १८१.८ | ४४.४ |
| कर्जा तथा सापटी | १२९.८ | १४३.१ | १६६.५ | २२३.० | २६६.२ | ३१२.७ | ३६२.४ | ५०९.२ | ६५५.८ | ९४५.८ | ११८२.३८ | १३४२.७ | १३.६ |
| अन्य सम्पत्ति | ४४.८ | ४१.३ | ५५.७ | ६९.३ | ७१.५ | ७८.६ | ८१.० | ११९.४ | ९१.९ | १०६.७ | १२५.८३ | १४३.५ | १४.१ |

* अपरिष्कृत

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ४.१० : कर्मचारी संचय कोषको साधनको स्रोत र उपयोग

(रु. करोडमा)

| विवरण | फागुन मसान्त | | | | | | | | | | |
|----------------------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|----------------|----------------|----------------|-----------------|----------------|----------------|
| | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७०/७१* | २०७१/७२* |
| स्रोत | | | | | | | | | | | |
| संचयकोष | ४८१४.५ | ५४५०.१ | ६२७९.४ | ७२६५.० | ८६७०.५ | १०२३२.८ | १२१४४.० | १४०७१.० | १६३५४.८६ | १५४६०.८ | १७९३८.६ |
| जगेडा कोष | २९४.१ | ३१९.४ | ३७१.५ | ४५२.५ | ३१७.५ | ३१५.१ | २९७.१ | ३४७.८ | ४२०.२९ | ४१६.५ | ४८५.८ |
| अन्य दायित्व तथा व्यवस्था | १२४.४ | १५३.१ | १८२.५ | १९४.५ | ५१.० | ११०.५ | १३४.२ | १५१.५ | १९३.८९ | १५५.४ | २०५.७ |
| जम्मा स्रोत = उपयोग | ५२३३.१ | ५९२२.६ | ६८३३.४ | ७९११.९ | ९०३९.० | १०६५८.४ | १२५७५.३ | १४५७०.३ | १६९६९.०४ | १६०३२.७ | १८६३०.१ |
| बैंक तथा नगद मौज्जात | १६३.१ | १३८.० | १८६.३ | ३१२.५ | २०७.३ | २३७.५ | ४७३.९ | ३८९.० | ७३८.१ | ४५४.५ | ४९४.९ |
| ऋण तथा लगानी | ४८२३.६ | ५४८०.० | ६२२४.२ | ७२३८.२ | ८६३५.० | १०१९४.४ | ११८३९.९ | १३९००.८ | १५९४४.७ | १५२९१.५ | १७८७४.४ |
| संचयकर्ता सापटी | २१४२.१ | २५१७.८ | २९७८.७ | ३५९०.४ | ४३७८.७ | ५५०४.० | ६६६३.२ | ७९७६.६ | ९१५७.६ | ८९८५.१ | १०१३४.६ |
| बैंक मुद्दती निक्षेप | १८५१.८ | २०८९.५ | २४१४.४ | २५४५.० | ३०९१.० | २५९८.० | २३८८.० | २७८०.० | २६६६.० | २३६७.० | ३२४९.० |
| सरकारी ऋणपत्र | ४२२.९ | ५५१.० | ४९६.५ | ६६२.१ | ७०२.८ | १३४७.० | १४९५.० | १३७०.४ | १४१३.० | १५०३.० | १३७०.० |
| परियोजना कर्जा | ३६७.८ | २७८.४ | ३३४.६ | ०.१ | ३६२.५ | ६३३.५ | १०७३.८ | १५५६.४ | २४८६.० | २२१९.० | २८९८.८ |
| शेयर लगानी | ३९.८ | ४३.४ | ८७.० | ९०.६ | १००.० | १११.९ | २१९.८ | २१७.४ | २२२.१ | २१७.४ | २२२.१ |
| स्थिर सम्पत्ती | | | | ८२.४ | ४९.८ | ५२.१ | ४७.८ | ४८.१ | ३२.९ | ४५.० | ३०.७ |
| अन्य सम्पत्ति | २४६.४ | ३०४.६ | ३३५.९ | २७८.९ | १४६.९ | १७४.४ | २१३.७ | २३२.५ | २५३.४ | २४१.६ | २३०.२ |

*अपरिष्कृत

स्रोत: कर्मचारी संचय कोष

तालिका ४.११ : नागरिक लगानी कोषको साधनको स्रोत र उपयोग

(रु. करोडमा)

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | | फागुन मसान्त | |
|---------------------------|--------------|--------------|--------------|--------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|
| | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७०/७१* | २०७१/७२* |
| दायित्व | | | | | | | | | | | | | |
| चुक्तापूँजी तथा जगेडा कोष | ८.१ | ८.६ | १०.९ | १३.६ | १६.० | २५.५ | ६६.२ | ९३.१ | १०६.२ | १३५.२ | २१३.५ | १४२.९ | २२१.४ |
| निक्षेप | ४०३.९ | ५२६.९ | ६७१.६ | ८५७.४ | १२३६.६ | १६४६.५ | २०१४.२ | २५०८.३ | ३२८५.६ | ४०३२.५ | ५१७८.४ | ४६०१.७ | ५९२५.२ |
| सापटी | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| अन्य दायित्व | ६९.३ | ४७.७ | ४३.३ | ८३.२ | ११४.९ | ३४१.२ | १८४.४ | २४२.० | १७८.५ | १०७.७ | ७०.२ | ११७.९ | ९७.५ |
| सम्पत्ति = दायित्व | ४८१.३ | ५८३.२ | ७२५.८ | ९५४.१ | १३६७.६ | २०१३.३ | २२६४.८ | २८४३.४ | ३५७०.३ | ४२७५.४ | ५४६२.१ | ४८६२.५ | ६२४४.१ |
| सम्पत्ति | | | | | | | | | | | | | |
| तरल सम्पत्ति | ११६.६ | ६९.२ | ८६.६ | १०४.३ | ४५.७ | ५०.० | ८०.० | ७०.० | ४७.५ | ११८.५ | ७५६.२ | २०७.२ | ३६५.९ |
| लगानी | २८६.६ | ३६१.६ | ५१३.६ | ६६०.१ | ९५८.६ | १६१५.० | १६९०.५ | २०५३.५ | २१५९.७ | २७२९.३ | २६३१.४ | २८७८.४ | ३९३४.९ |
| कर्जा तथा सापटी | ४८.८ | १०१.४ | ७४.३ | १०१.६ | २५९.३ | १८१.२ | ३५४.१ | ३१४.१ | ११०३.४ | ११७४.१ | १७९०.५ | १४६०.८ | १६०९.८ |
| अन्य सम्पत्ति | २९.३ | ५१.० | ५१.२ | ८८.२ | १०४.० | १६७.१ | १४०.२ | ४०५.८ | २५९.७ | २५३.४ | २८४.१ | ३१६.१ | ३३३.५ |

*अपरिष्कृत

स्रोत: नागरिक लगानी कोष

तालिका ५.१ : प्राथमिक बजार प्रवृत्तिको स्थिति

(रकम रु. करोडमा)

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|--|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------------|---------|
| | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| १ पूँजी परिचालन | २४४.३३ | २२९.५५ | ९९६.८२ | १६८२.८५ | १०८२.२४ | ६८५.४० | २९५.०१ | १०६८.५२ | ७२६.६८ | ५०९.८९ | ८८९.३१ |
| क) साधारण सेयर | ५७.९८ | ३८.०२ | ९२.४८ | १८१.५७ | २६४.९३ | १७२.८८ | १२९.८५ | ३१८.७४ | १५७.३५ | १३६.९० | ४००.६२ |
| ख) हकप्रद सेयर | १०१.३५ | १२६.५३ | ६०९.३४ | १४२६.२८ | ८१७.३० | ५०७.५२ | ४५.१६ | ३९३.५२ | ४२४.३३ | ३७२.९९ | २८८.६९ |
| ग) अग्राधिकार सेयर | - | ४०.०० | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| घ) डिवेन्चर | ८५.०० | २५.०० | २९५.०० | ७५.०० | - | ५.०० | १२०.०० | ३५५.०० | १४५.०० | - | १००.०० |
| ङ) नागरिक एकांक योजना | १४८.६३ | १७०.२३ | ९८.०० | ९५.३४ | १००.८८ | ३१.५४ | ३२.७० | - | - | - | - |
| च) म्यूच्युअल फण्ड | - | - | - | - | - | - | - | - | ८०.०० | ८०.०० | १००.०० |
| २ पूँजी परिचालनकर्ता संगठित संस्थाहरूको संख्या | २९.०० | ३४.०० | ६४.०० | ६४.०० | ६१.०० | ४७.०० | २५.०० | ३४.०० | ४५.०० | ३२.०० | ३०.०० |

* आधार वर्ष २०५०, विन्द १००

स्रोत: नेपाल धितोपत्र बोर्ड, नेपाल स्टक एक्सचेञ्ज लि. तथा केन्द्रीय तथ्यांक विभाग ।

तालिका ५.२ : दोस्रो बजार प्रवृत्तिको स्थिति

(रकम रु. करोडमा)

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|--|-------------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|----------------|--|
| | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७०/७१ | २०७१/७२ | |
| धितोपत्र कारोवार रकम | ३४५.१४ | ८३६.०१ | २२८२.०८ | २१६८.११ | ११८५.११ | ६६६.५३ | १०२७.२८ | २२०४.८८ | ७७२९.८८ | ४०३९.९० | ५०४३.१२ | |
| कारोवार भएको धितोपत्रको संख्या (हजारमा) | १२२२२.०० | १८१४७.०० | २८५९९.७७ | ३०५४७.१७ | २६२३१.३५ | २६२४०.३९ | ४१८७८.९० | ८१५७१.७० | २१४१४३.५६ | ११९३३४.०० | १२११७८.०० | |
| कारोवार संख्या | ९७३७४.०० | १२०५१०.०० | १५०८००.०० | २०९०९१.०० | २१३७३३.०० | ३०२३६४.०० | २९३४८९.०० | २९२३६६.०० | ५६६३८९.०० | ३३५४६०.०० | ३७५१९२.०० | |
| बजार पुँजीकरण | ९६८१.३७ | १८६३०.१३ | ३६६२४.७५ | ५१२९३.९० | ३७६८७.१३ | ३२३४८.४३ | ३६८२६.२१ | ५१४४९.२१ | १०५७१६.०० | ७९८०९.०० | १००४०३.०० | |
| बजार पुँजीकरणमा कारोवारको प्रतिशत | ३.५६ | ४.४८ | ६.२३ | ४.२३ | ३.१४ | २.०६ | २.७९ | १.५९ | ७.३१ | ५.०६ | ५.०२ | |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा बजार पुँजीकरणको प्रतिशत | १४.८० | २५.६० | ४४.९० | ५१.९१ | ३२.१५ | १९.४८ | २३.४१ | ३०.२४ | ४०.०० | ४६.८४ | | |
| सूचीकृत धितोपत्रको चुक्ता मूल्य | २०००.८६ | २१७९.८८ | २९४६.५० | ६११४.०० | ७९३५.६० | १००२३.८० | ११०६१.०० | १२६४८.९० | १४७५३.९९ | १४४३६.७८ | १५६५७.१३ | |
| सूचीकृत संगठित संस्थाहरूको संख्या | १३५.०० | १३५.०० | १४२.०० | १५९.०० | १७६.०० | २०९.०० | २१६.०० | २३०.०० | २३३.०० | २३५.०० | २३२.०० | |
| धितोपत्र कारोवारको प्रकार (Script Traded) | ११०.०० | ११६.०० | १३६.०० | १७०.०० | १९८.०० | २२२.०० | २३०.०० | २३०.०० | २६९.०० | २३४.०० | २५४.०० | |
| नेप्से परिसूचक (विन्दुमा)* | ३८६.८६ | ६८३.९५ | ९६३.३६ | ७४९.१० | ४७७.७३ | ३६२.८५ | ३८९.७४ | ५१८.३३ | १०३६.११ | ७८३.७९ | ९७८.४४ | |

* आधार वर्ष २०५०, विन्दु १००

स्रोत: नेपाल धितोपत्र बोर्ड, नेपाल स्टक एक्सचेञ्ज लि. तथा केन्द्रीय तथ्यांक विभाग ।

तालिका ५.३ : जीवन तथा निर्जीवन बीमा कम्पनीहरूको स्रोत तथा उपयोग

(रकम रु. करोडमा)

| स्रोत | २०६७/६८ | | २०६८/६९ | | २०६९/७० | | २०७०/७१ | | २०७१/७२* | |
|-------------------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|
| | जीवन | निर्जीवन | जीवन | निर्जीवन | जीवन | निर्जीवन | जीवन | निर्जीवन | जीवन | निर्जीवन |
| क) चुक्ता पूजा | २३७.३५ | १६६.६७ | २५३.८१ | १८०.४७ | २७९.०८ | १८०.४७ | ४६६.४६ | ३२३.८८ | ४६६.४६ | ३४७.७५ |
| ख) जगेडा कोष | २६१२.७१ | २८४.१३ | ३११०.७६ | ३६७.३८ | ३४५३.७६ | ४०५.४२ | ७५४५.४३ | ९३५.९४ | ८३१८.३८ | १००५.२१ |
| ग) अन्य दायित्व | २००२.०२ | ८८०.८८ | २४९५.३५ | ९७४.७२ | २७४९.४५ | १०४६.८८ | ६७६.८३ | ७०७.९६ | ६८२.०० | ७८०.०० |
| कुल स्रोत | ४८५२.०९ | १३३१.६८ | ५८५९.९३ | १५२२.५७ | ६४८२.२९ | १६३२.७६ | ८६८८.७२ | १९६७.७८ | ९४६६.८४ | २१३२.९६ |
| उपयोग | | | | | | | | | | |
| क) बैंक तथा नगद मौज्दात | ११९.५९ | ८७.३३ | १७०.४८ | १००.१६ | १७७.०१ | १४४.७६ | ११९.४९ | १३०.२४ | १३५.९४ | १४७.३१ |
| ख) लगानी | ४३६२.७३ | ८२८.१० | ५१५१.६४ | ९३४.९८ | ५७१०.९९ | ९८८.५१ | ७९१४.५९ | १२५५.८० | ८५९२.९० | १३८०.६५ |
| ग) स्थिर सम्पत्ति | १०५.६८ | ९८.०२ | १३७.५३ | १०७.८४ | १४४.३४ | १११.२४ | १४४.२४ | १०५.६३ | १५४.०० | ११५.०० |
| ३) अन्य सम्पत्ति | २६४.०८ | ३१८.२२ | ४००.२७ | ३७९.६० | ४४९.९४ | ३८८.२५ | ५१०.४० | ४७६.१४ | ५८४.०० | ४९०.०० |
| कुल उपयोग | ४८५२.०९ | १३३१.६८ | ५८५९.९३ | १५२२.५७ | ६४८२.२९ | १६३२.७६ | ८६८८.७२ | १९६७.७८ | ९४६६.८४ | २१३२.९६ |

* प्रथम आठ महिनाको तथ्याङ्कमा आधारीत

तालिका ६.१ : बैदेशिक व्यापारको स्थिति

(रु. करोडमा)

| विवरण | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | प्रथम आठ महिना | | |
|------------------------------------|---------|---------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------------|----------|----------|
| | | | | | | | | | | | | २०७०/७१ | २०७१/७२* | |
| निर्यात एफ.ओ.बी. | ५३९१.१ | ५८७०.६ | ६०२३.४ | ५९३८.३ | ५९२६.७ | ६७६९.८ | ६०८२.४ | ६४३३.९ | ७४२६.१ | ७६९१.७ | ९१९९.१ | ९१९९.१ | ६०८९.६ | ५६८६.८ |
| भारत | ३०७७.७ | ३८९१.७ | ४०७१.५ | ४१७२.९ | ३८५५.६ | ४१००.६ | ३९९९.४ | ४३३६.० | ४९६१.६ | ५१००.० | ५९६१.४ | ५९६१.४ | ४०५२.४ | ३६५०.९ |
| अन्य मुलुकहरू | २३१३.४ | १९७८.९ | १९५१.९ | १७६५.४ | २०७१.१ | २६६९.२ | २०८३.० | २०९७.८ | २४६४.५ | २५९१.७ | ३२३७.८ | ३२३७.८ | २०३७.२ | २०३५.९ |
| आयात सी.आइ.एफ. | १३६२७.७ | १४९४७.४ | १७३७८.० | १९५६९.५ | २२१९३.८ | २८४४७.० | ३७४३३.५ | ३९६१७.६ | ४६१६६.८ | ५५६७४.० | ७१४३६.६ | ७१४३६.६ | ४५७८५.३ | ५०५९१.९ |
| भारत | ७८७४.० | ८८६७.६ | १०७१४.३ | ११५८७.२ | १४२३७.७ | १६२४३.८ | २१७११.४ | २६१९२.५ | २९९३९.० | ३६७०३.१ | ४७७९४.७ | ४७७९४.७ | ३०४४१.२ | ३१९९२.२ |
| अन्य मुलुकहरू | ५७५३.८ | ६०७९.८ | ६६६३.७ | ७८८२.२ | ७९५६.१ | १२२०३.२ | १५७२२.१ | १३४२५.० | १६२२७.८ | १८९७०.९ | २३६४१.९ | २३६४१.९ | १५३४४.१ | १८५९९.७ |
| व्यापार सन्तुलन | -८२३६.६ | -९०७६.८ | -११३५४.६ | -१३५३१.२ | -१६२६७.१ | -२१६७७.२ | -३१३५१.१ | -३३१८३.७ | -३८७४०.७ | -४७९८२.३ | -६२२३७.५ | -६२२३७.५ | -३९६९५.७ | -४४५०५.१ |
| भारत | -४७९६.२ | -४९७५.९ | -६६४२.८ | -७४१४.४ | -१०३८२.१ | -१२१४३.२ | -१७७१२.१ | -२१८५६.५ | -२४९७७.३ | -३१६०३.२ | -४१८३३.३ | -४१८३३.३ | -२६३८८.८ | -२८३४१.३ |
| अन्य मुलुकहरू | -३४४०.४ | -४१००.९ | -४७११.८ | -६११६.८ | -५८८५.० | -९५३४.० | -१३६३९.१ | -११३२७.२ | -१३७६३.३ | -१६३७९.२ | -२०४०४.१ | -२०४०४.१ | -१३३०६.९ | -१६५६३.८ |
| कुल व्यापार | १९०१८.८ | २०८१७.९ | २३४०१.४ | २५४०७.८ | २८१२०.४ | ३५२१६.६ | ४३५१५.९ | ४६०५१.४ | ५३५९२.९ | ६३३६५.७ | ८०६३५.७ | ८०६३५.७ | ५१८७४.९ | ५६२७८.६ |
| भारत | १०९५१.७ | १२७५९.२ | १४७८५.८ | १५७६०.१ | १८०९३.२ | २०३४४.४ | २५७१०.८ | ३०५२८.६ | ३४९००.६ | ४१८०३.१ | ५३७५६.१ | ५३७५६.१ | ३४४९३.६ | ३५६४३.० |
| अन्य मुलुकहरू | ८०६७.१ | ८०५८.७ | ८६१५.७ | ९६४४.७ | १००२७.२ | १४८७२.४ | १७८०५.१ | १५५२२.८ | १८६९२.३ | २१५६२.६ | २६८७९.६ | २६८७९.६ | १७३८१.२ | २०६३५.६ |
| कुल व्यापारमा अंश (प्रतिशत) | १००.० | १००.० | १००.० | १००.० | १००.० | १००.० | १००.० | १००.० | १००.० | १००.० | १००.० | १००.० | १००.० | १००.० |
| भारत | ५७.६ | ६१.३ | ६३.२ | ६२.० | ६४.३ | ५७.८ | ५९.१ | ६६.३ | ६५.१ | ६६.० | ६६.७ | ६६.७ | ६६.५ | ६३.३ |
| अन्य मुलुकहरू | ४२.४ | ३८.७ | ३६.८ | ३८.० | ३५.७ | ४२.२ | ४०.९ | ३३.७ | ३४.९ | ३४.० | ३३.३ | ३३.३ | ३३.५ | ३६.७ |

* अपरिष्कृत

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ६.२ : वस्तुगत व्यापार (एस.आइ.टी.सी. समूह)

(रु. करोडमा)

| एस.आइ.टी.सी. समूह | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | प्रथम आठ महिना | |
|-------------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------------|-----------|
| | | | | | | | | | | | | '२०७०/७१' | '२०७१/७२' |
| निर्यात | ५३९१.१ | ५८७०.६ | ६०२३.४ | ५९३८.३ | ५९२६.७ | ६७६९.८ | ६०८२.४ | ६४३३.९ | ७४२६.१ | ७६९१.७ | ९१९९.१ | ६०८९.६ | ५६८६.७ |
| खाद्य वस्तु तथा जीवजन्तु | ६२७.७ | ६९९.४ | ७१९.२ | ७०५.६ | ६३१६.५ | १९१४.५ | १३१५.५ | १४५३.२ | १५९३.० | १८०८.९ | २१६६.७ | १५३९.२ | १२५६.४ |
| सुर्ति तथा पेय पदार्थ | ५.५ | ३.२ | २.५ | २.३ | २.४ | ३५.४ | १.८ | ०.२ | १०.२ | २१.४ | १९९.१ | १४९.४ | १८०.१ |
| अप्रशोधित पदार्थ र अखाद्य वस्तुहरू | ७१.४ | ८८.२ | १२२.३ | १३६.८ | १३५.१ | १९७.३ | २४७.० | १९२.३ | २५८.७ | ३२७.९ | ४९९.२ | २५२.९ | २१४.६ |
| खनिज इन्धन र चिल्लो पदार्थहरू | १.५ | ०.४ | ०.३ | ०.० | ०.० | ४.२ | ०.० | ०.० | ०.० | ०.८ | ०.६ | ०.४ | ०.० |
| जीवजन्तु तथा वनस्पतिको तेल तथा बोसो | ३३७.६ | ५०७.० | ४२८.५ | ४४५.५ | २०६.२ | ३६.३ | २६.७ | ४०.९ | ३३.२ | १५.६ | २४.३ | १९.५ | ४.५ |
| रसायन तथा औषधि | ३८६.६ | ३६७.८ | ३६८.७ | ४०९.२ | २८२.४ | ३०८.७ | १६७.७ | २६८.० | २७३.७ | ३८५.२ | ४६९.१ | २८२.७ | २९६.८ |
| वर्गिकृत तयारी वस्तुहरू | २३६०.२ | २८५९.१ | २८५३.३ | ३०४१.२ | २९६४.३ | २८२४.२ | ३३३९.५ | ३३४९.७ | ३९००.९ | ३९८५.८ | ४३७७.३ | २९३७.३ | २८१४.८ |
| यातायात तथा यान्त्रिक उपकरण | ६२.० | २०.८ | १२०.२ | १२४.१ | ९१.३ | ६२.५ | ७२.५ | ३८.० | २७.८ | ५१.९ | ६८.१ | ५५.९ | १३.६ |
| विविध तयारी वस्तुहरू | १५३८.० | १३२४.० | १४०८.२ | १०७३.७ | ९२८.२ | १३८६.० | ९११.७ | १०९१.१ | १३२८.४ | १०९३.८ | १३९४.३ | ८५१.७ | ९०६.० |
| वर्गीकृत नभएका वस्तुहरू | ०.७ | ०.९ | ०.३ | ०.० | ०.३ | ०.६ | ०.० | ०.६ | ०.३ | ०.३ | ०.४ | ०.४ | ०.० |
| आयात | १३६२७.७ | १४९४७.४ | १७३७८.० | १९४६९.५ | २२१९३.८ | २८४४७.० | ३७४३३.५ | ३९६१७.६ | ४६१६६.८ | ५५६७४.० | ७१४३६.६ | ४५७८५.३ | ५०५९१.९ |
| खाद्य वस्तु तथा जीवजन्तु | ८५५.४ | ९८२.१ | १३२९.९ | १२८९.६ | १५८३.८ | २०४७.१ | २३७६.६ | २९२६.३ | ४०७८.३ | ६१११.९ | ८९६५.४ | ५३६४.७ | ६२३०.८ |
| सुर्ति तथा पेय पदार्थ | १०२.७ | १०१.६ | ११६.२ | ९५.८ | १२३.८ | १४१.३ | २८५.५ | २१६.७ | ३०८.२ | ४४४.९ | ४८३.० | ३०९.१ | ३१०.५ |
| अप्रशोधित पदार्थ र अखाद्य वस्तुहरू | १०५५.१ | ११२०.७ | १०५६.२ | ८८२.९ | ८३६.५ | १२५४.३ | १९८८.९ | १९४८.० | १७७७.३ | २१३६.५ | ३१८१.० | २०७१.६ | २२४७.३ |
| खनिज इन्धन र चिल्लो पदार्थहरू | २१९०.४ | २९९२.७ | ३६४४.७ | ३६३६.२ | ४३९६.९ | ४५२९.४ | ५६७८.१ | ८१२३.५ | १०२७७.१ | ११९४७.१ | १४७८२.७ | ९६७२.४ | ८४९६.० |
| जीवजन्तु तथा वनस्पतिको तेल तथा बोसो | ८६३.४ | ६०१.६ | १०१९.७ | १२१३.८ | ९३९.९ | ९००.४ | ९३२.१ | १४७३.४ | १७९१.८ | १७५५.२ | २२३३.७ | १५३४.० | १५१६.३ |
| रसायन तथा औषधि | १६५४.५ | १९१८.० | २४७५.० | २६९९.६ | २६८६.३ | ३१५८.० | ३९६७.० | ४५२७.२ | ४९०१.७ | ६४२४.३ | ८४१८.१ | ५५३७.३ | ५९११.१ |
| वर्गिकृत तयारी वस्तुहरू | ३६५१.१ | ३७०४.७ | ४०६०.१ | ४८१४.५ | ५७४४.८ | ७६०७.० | ११६१३.० | ९१३३.८ | ११४७८.२ | १०९५६.६ | १४००३.८ | ८५८३.८ | ११७७४.५ |
| यातायात तथा यान्त्रिक उपकरण | २५६९.४ | २६२६.२ | २६१९.५ | ३६३५.७ | ४८००.६ | ६८०१.० | ८४५१.७ | ८५३३.२ | ८२४१.४ | १००२०.३ | १२४९०.१ | ७९८६.३ | १०८७९.६ |
| विविध तयारी वस्तुहरू | ५१०.४ | ७५५.२ | १०४१.८ | ११७५.५ | १०७२.६ | १९९७.७ | २१३६.७ | २७२३.५ | ३२९७.२ | ३२६५.९ | ४३९९.४ | ३०२५.४ | २८६४.५ |
| वर्गीकृत नभएका वस्तुहरू | १७५.४ | १४४.६ | १५.१ | २५.८ | ८.४ | १०.८ | ४.१ | १२.० | १५.५ | २६११.४ | २४७९.४ | १७०८.७ | ३६१.२ |

* अपरिष्कृत

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ६.३ : भारत निर्यात भएका केही प्रमुख वस्तुहरू

(रु. करोडमा)

| विवरण | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | प्रथम आठ महिना | |
|----------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------------|-----------|
| | | | | | | | | | | | | '२०७०/७१' | '२०७१/७२' |
| चामल | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.२ | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| मकै | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| तोरी र सस्यु | ३.८ | ४.४ | ४.८ | २.३ | ३.५ | २.२ | १.१ | २.६ | ०.६ | ०.३ | १.७ | १.८ | ४.१ |
| जडीबुटी | ९.२ | १३.२ | १३.४ | १०.६ | १४.९ | २०.७ | २३.९ | १७.२ | ९.० | ३१.३ | २४.५ | १३.८ | ३८.० |
| घ्यू | ७.७ | ८.३ | १०.३ | ११.१ | १०.२ | १०.६ | १२.७ | ३२.२ | ३७.१ | १३.६ | १५.६ | १०.० | ०.० |
| सुठो | ७.८ | ८.० | ६.२ | ५.० | ५.४ | ६.८ | ९.१ | ०.३ | ०.२ | १.२ | ०.४ | ०.४ | ०.० |
| दाल | ५७.९ | ६६.७ | ६४.३ | ३०.७ | ३१.५ | ३८.२ | २.८ | ०.९ | २०.३ | ०.१ | ०.४ | ०.४ | १२.६ |
| जीवित जनावर | ५.५ | ५.६ | ५.८ | २.२ | ५.२ | २.४ | ३.७ | ६.६ | २४.९ | ४१.० | २३.४ | १६.२ | १२.३ |
| मैदा | ३.२ | ०.० | ०.० | ०.० | ०.४ | ८.२ | ४.१ | १.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| अदुवा | २८.७ | १६.१ | २७.५ | ५४.१ | ५४.३ | ३३.५ | ३५.४ | ३०.२ | ३८.७ | १३१.२ | ४६.९ | ३३.९ | २५.६ |
| पीना | ३२.४ | ३१.७ | २९.२ | ३१.८ | ४०.५ | ५३.३ | ४९.८ | ५१.० | ६४.३ | ६३.८ | ७०.६ | ४६.१ | ३५.० |
| खयर | १६.३ | ४३.९ | ३८.२ | ५४.३ | ५४.४ | १२१.७ | १६८.२ | १११.४ | १००.३ | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| चामलको ढुटोको तेल | १९.५ | १९.९ | ११.३ | १७.८ | १९.७ | १४.३ | ११.२ | ७.७ | १९.१ | १३.४ | १९.५ | १७.५ | २.५ |
| कच्चा जुट | ०.१ | ०.० | ०.१ | ०.२ | ३.१ | १४.६ | ६.५ | ०.० | ०.० | ४.४ | ४.४ | ४.१ | ०.२ |
| जुट काटिङ्ग | ०.० | ०.१ | ४.८ | ०.० | १.१ | ५.७ | ६.२ | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| जुटका सामान | १८८.३ | २६९.४ | २६३.७ | २७५.७ | २५८.३ | १२८.३ | २८९.७ | ३९९.८ | ४०६.५ | ४१०.८ | ४३०.२ | २९०.९ | २६७.३ |
| क. चट्टी | १४.४ | १८.६ | ४६.५ | ३७.५ | ५२.९ | २०.७ | ३६.४ | ८९.४ | १०९.५ | ०.० | ०.६ | ०.० | ०.८ |
| ख. बोरा | १०५.७ | १४५.६ | १२६.५ | १४०.९ | १२२.० | ४५.९ | २०१.७ | १८६.६ | २१०.२ | ३६७.३ | ३५७.९ | २४७.७ | २३६.९ |
| ग. डोरी | ६८.३ | १०५.१ | ९०.७ | ९७.३ | ८३.४ | ६१.७ | ५१.६ | १२३.८ | ८६.८ | ४३.५ | ७१.८ | ४३.२ | २९.६ |
| अलैंची | ४५.१ | ६०.७ | ६०.८ | ८४.८ | १०३.५ | १२१.६ | १३१.६ | १९१.५ | ३२७.६ | ३८५.० | ४२७.७ | ३३३.८ | २१०.५ |
| चाउचाउ | २६.० | ३६.९ | ४१.५ | २३.७ | ५२.३ | ८०.३ | ५७.६ | ५१.८ | ४५.८ | ३५.७ | ५२.२ | ३३.३ | ४०.९ |
| गाइवस्तुको दाना | ५५.१ | ५४.७ | ४५.५ | ८.१ | १७.७ | ३५.१ | १४.४ | ६.४ | ८.३ | २.७ | २६.७ | १५.२ | ३६.१ |
| टुयपेष्ट | १४७.९ | १२८.३ | ७३.१ | ६६.३ | ४७.६ | ८१.३ | ६७.३ | ९७.३ | १०९.९ | ९३.६ | ११३.३ | ६६.३ | ५५.८ |
| पोलिष्टर धागो | १०.९ | १८९.६ | ३४७.६ | २२४.१ | २६१.८ | २५०.० | ३३९.८ | २६४.१ | ३६५.७ | ४४४.२ | ५१५.३ | ३३४.३ | ३२५.९ |
| च्यवनप्राश र हाजमोला | २९.० | १९.८ | ३०.१ | १५.६ | १३.२ | १६.३ | १३.९ | ५७.६ | ८४.८ | ६७.१ | ८९.५ | ५७.२ | ५९.४ |
| साबुन | ५४.० | ३६.८ | ३६.४ | ५०.३ | ४२.४ | ५९.१ | ४०.४ | ३७.२ | २४.४ | ६.२ | २.६ | १.८ | १.६ |
| बनस्पति घ्यू | २९५.९ | ४६३.६ | ३८६.२ | ४१३.७ | २१३.२ | ०.९ | ०.५ | १.९ | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| पश्मिना | ३७.३ | ३४.२ | २१.१ | ४.८ | ४.४ | ६.६ | ६.१ | ४.७ | ४.२ | ५.५ | ६.८ | ३.९ | ३.९ |
| धागो | १६३.७ | २२१.४ | १८९.८ | ४०५.६ | ४१३.५ | २५२.५ | २७७.२ | ३३५.१ | २६२.८ | १०.५ | १८.० | १०.६ | ७.१ |
| कपर वायर, रड | २०.१ | ५३.० | ३०.६ | २०.६ | ६१.७ | ५७.२ | ६४.४ | ३०.३ | १२१.३ | ११८.४ | १४२.७ | १०१.८ | ८१.२ |
| एम.एस. पाइप | ८५.२ | ३१.७ | १०.६ | ७६.२ | ९८.० | ५७.१ | ६९.५ | ९४.३ | ७९.८ | ०.० | २१.३ | १५.१ | १२.४ |
| फ्लाष्टिकका सामान | ११९.२ | १३६.२ | ८०.८ | ४१.५ | ३०.३ | ५१.३ | १८.२ | ६१.० | ७२.१ | ९८.६ | ३५.८ | २६.३ | २३.५ |
| कर्कटपाता | २७८.५ | ३०७.० | २४०.९ | ३५८.० | ४४१.७ | २८२.२ | १७९.५ | ३८९.५ | ३३४.३ | ४९४.८ | ६१७.७ | ४८४.२ | ३७७.८ |
| जी.आई. पाइप | ५५.६ | ४२.४ | ५१.९ | १२.८ | २४.३ | १०९.८ | ५६.८ | ८०.७ | १५९.३ | ३५६.३ | ३०३.१ | १७३.६ | १९२.८ |
| कपडा | १७८.१ | २९९.७ | २१५.५ | ३०५.७ | २११.५ | ३१९.४ | ३३६.२ | ३७३.४ | ५१३.० | ५६१.८ | ५७७.९ | ३८८.३ | ३५३.१ |
| जुस | ७८.७ | १०९.१ | ११४.० | १५९.१ | १८३.६ | १९५.२ | १७५.० | २३६.३ | ३०२.७ | ३८०.२ | ४४३.२ | २८५.९ | २६६.८ |
| रसायन | ६१.० | १४०.८ | १०५.८ | ९५.० | २७.६ | २९.० | १५.२ | १४.८ | ०.९ | ०.० | ०.० | ०.० | १.३ |
| क. जम्मा | २१२२.७ | २८५४.६ | २५६५.७ | २८६२.३ | २७५१.३ | २४७०.५ | २५४६.६ | ३०२०.९ | ३५३७.९ | ३८०१.६ | ४४६०.८ | ३०५७.३ | २७१५.० |
| ख. अन्य | ९५५.० | १०३७.१ | १५०५.८ | १३१०.६ | ११०४.३ | १६३०.० | १४५२.८ | १३१५.१ | १४२३.७ | १२९८.४ | १५००.६ | ९९५.१ | ९३५.८ |
| जम्मा (क + ख) | ३०७७.७ | ३८९१.७ | ४०७१.५ | ४१७२.९ | ३८५५.६ | ४१००.६ | ३९९९.४ | ४३३६.० | ४९६१.६ | ५१००.० | ५९६१.४ | ४०५२.४ | ३६५०.९ |

* अपरिष्कृत

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ६.४ : अन्य मुलुकतर्फ निर्यात भएका केही प्रमुख वस्तुहरू

(रु. करोडमा)

| विवरण | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | प्रथम आठ महिना | |
|-------------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------------|----------|
| | | | | | | | | | | | | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| १ दाल | २८.१ | १०.७ | १९.२ | ४८.९ | १४५.८ | ६२४.७ | ३९५.२ | ३३५.८ | २४९.७ | २६७.१ | २०४.४ | १३२.६ | ९३.२ |
| २ अलैंची | २३.१ | २०.५ | १०.९ | १३.० | ६.५ | ६.४ | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| ३ जडीबुटी | ४.८ | ५.५ | १.९ | ४.४ | ९.८ | ४१.२ | २३.९ | १२.६ | १९.८ | ०.९ | १३१.० | ६५.७ | २.९ |
| ४ खयर | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| ५ ऊनीका कपडा | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| ६ नेपाली कागज र कागजबाट बनेका सामान | २८.० | २४.० | २५.७ | १९.१ | ३४.७ | ३६.१ | ५५.३ | ३९.९ | ५८.७ | २४.४ | २९.० | १७.३ | १६.५ |
| ७ छात्रा | ३०.९ | २३.६ | ३१.० | २७.९ | २४.९ | ५.८ | ३०.७ | ४३.४ | ७२.४ | १००.६ | १११.९ | ७८.८ | ४१.८ |
| ८ ऊनी कार्पेट | ५६७.८ | ५८६.९ | ५८३.९ | ५६०.० | ५०४.८ | ५७३.६ | ४०७.९ | ४८६.० | ६९३.८ | ६०७.५ | ७४०.० | ४८१.६ | ४५०.५ |
| ९ तयारी पोशाक | ९५५.० | ६१२.५ | ६२०.४ | ५२१.३ | ४७५.६ | ४९०.५ | ३८९.१ | ३०६.३ | ४००.६ | ३०८.३ | ४२४.५ | २७१.३ | २६५.२ |
| १० हस्तकलाका सामान | ६२.६ | ६४.४ | ४३.१ | २५.० | १९.४ | १०७.८ | १०८.३ | ४५.८ | ५१.० | २१.४ | ३८.० | २७.६ | ६.० |
| ११ गरगहना | ३६.९ | ३६.३ | २८.२ | ३२.५ | २६.९ | २६.२ | १२.७ | ९.१ | ११.० | ७.६ | २८.४ | ७.१ | ६.६ |
| १२ पशिमना | १०६.४ | १०५.० | १५७.८ | ९३.१ | ६४.३ | १५२.७ | १२६.८ | २२७.३ | ३२३.० | १६५.५ | २७६.४ | १४२.७ | १५०.० |
| जम्मा | १८४३.६ | १४८९.३ | १५२२.१ | १३४५.१ | १३१२.८ | २०६५.० | १५४९.८ | १५०६.१ | १८८०.० | १५०३.४ | १९८३.६ | १२२४.७ | १०३२.६ |
| अन्य | ४६९.८ | ४८९.६ | ४२९.८ | ४२०.३ | ७५८.३ | ६०४.२ | ५३३.२ | ५९१.७ | ५८४.५ | १०८८.३ | १२५४.१ | ८१२.५ | ८१५.६ |
| कुल जम्मा | २३१३.४ | १९७८.९ | १९५१.९ | १७६५.४ | २०७१.१ | २६६९.२ | २०८३.० | २०९७.८ | २४६४.५ | २५९१.८ | ३२३७.८ | २०३७.२ | १८४८.२ |

* अपरिष्कृत

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ६.५ : भारतबाट आयात भएका केही प्रमुख वस्तुहरू

(रु. करोडमा)

| क्र.स | विवरण | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | प्रथम आठ महिना | |
|-------|--------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------------|----------|
| | | | | | | | | | | | | | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| १ | इलेक्ट्रीकल सामान | ११०.६ | ११३.० | १५६.१ | २३६.५ | ३५८.७ | ३९५.३ | ६०९.० | ७२२.५ | ७०१.० | ६५७.५ | ७६६.६ | ५५५.७ | ६१३.७ |
| २ | धामो | १००.५ | ११०.६ | २१६.७ | ३१५.९ | ३०५.६ | २५९.७ | ३०२.३ | २८५.५ | ५१३.३ | ३८८.८ | ९५९.५ | ६८१.२ | ५३५.७ |
| ३ | सुती | ६६.० | ५९.१ | ६०.० | ६४.६ | ७३.२ | १०६.२ | १८१.७ | १८५.७ | १९१.७ | २०६.८ | २१३.५ | १४०.९ | १३२.९ |
| ४ | यातायातका सामान | ५९५.८ | ५१३.३ | ५२१.५ | ९७९.९ | ११८७.५ | १६१५.९ | २३७७.७ | २०६८.१ | १७०५.१ | २६२९.८ | ३२९८.३ | २२२५.९ | २८४८.७ |
| ५ | औषधि | ३३४.१ | ३६९.२ | ५३८.९ | ५४५.३ | ५४३.५ | ६५५.८ | ७९६.३ | ९८०.८ | १०३८.३ | १३३३.७ | १५२९.६ | ९६९.० | ११३८.५ |
| ६ | रसायनिक मल | ५६.३ | ३८.९ | १०५.२ | ६२.५ | ३१.६ | १३.० | २९५.१ | ३०७.३ | ५५०.७ | ८४८.६ | ८०३.५ | ६३९.२ | ३६७.५ |
| ७ | कपडा (सुती तथा अन्य) | ३२७.६ | २१९.५ | २०५.२ | १७५.५ | १६६.५ | २४६.२ | २४५.१ | १९६.६ | २४१.१ | २९०.० | ३८१.० | २४१.५ | २६३.० |
| ८ | तरकारी | ७३.८ | ९४.९ | ११४.० | १०३.६ | १४५.७ | १२९.१ | २०७.९ | २०९.७ | २५९.० | ४५५.९ | ६९६.९ | ४३७.७ | ४४१.५ |
| ९ | सिमेन्ट | २३१.९ | १४१.० | १९३.५ | २५२.० | २३३.७ | ४२२.७ | ४४१.५ | ४३७.३ | ३३०.० | ९४२.५ | ९७१.८ | ५१०.८ | ६७६.८ |
| १० | कागज | ४१.० | ४०.७ | ६०.३ | ८०.७ | ७२.९ | ११३.९ | १३९.० | २०७.५ | २२७.८ | ३६७.८ | ४८१.८ | २८२.३ | ३५३.१ |
| ११ | हल्लिक्स र दुग्ध पदार्थ | ४२.८ | ३६.१ | ५७.२ | १०७.३ | ४४.५ | ८६.० | ७०.९ | ९९.९ | ९७.९ | ३६०.० | ४८३.३ | २८९.७ | ३२७.२ |
| १२ | रसायनिक पदार्थ | २५६.५ | ३४०.२ | ३२८.१ | २५९.१ | २७२.० | २७८.५ | ३१३.३ | ३१२.५ | ४०७.३ | २५५.९ | ३०२.३ | १९५.१ | २०३.९ |
| १३ | कृषियन्त्र तथा पार्टस् | ४९.८ | ५२.७ | ६७.२ | १०७.३ | १४८.५ | २४९.१ | ३३७.३ | ३१६.२ | ४१४.६ | ७३८.० | ८५८.३ | ५४५.७ | ६०८.५ |
| १४ | एम.एस. वायर रड | १३३.९ | १४८.० | १०६.५ | १४१.९ | २५९.५ | २४८.७ | ६१०.८ | ५००.५ | ६७६.१ | ४०९.० | ६४८.० | ४५४.८ | २७४.९ |
| १५ | एम.एस. विलेट | ४२०.२ | ३३९.५ | ३८८.३ | ४३८.५ | ८१४.५ | ६४५.७ | १३७२.१ | १८३३.७ | १९४३.७ | २२३०.५ | २४६७.५ | १४४८.२ | १७६५.८ |
| १६ | स्टील पाता | ०.६ | ४६.० | २.० | ०.३ | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.९ | २.० | ४.५ | २.२ | १.८ |
| १७ | एल्मुनियम इन्गोट | ५४.० | ४४.३ | २६.० | ४२.५ | ६५.५ | ५२.० | १०८.७ | ११८.२ | १२९.० | १६१.६ | १९६.० | ११७.३ | १९८.३ |
| १८ | हट रोल शिट (क्वाइलमा) | २०६.० | ५६.९ | ११४.५ | २०५.३ | ३५७.६ | २८२.५ | ४११.१ | ५४५.९ | ५४५.३ | ५६८.९ | ११६८.२ | ६५९.२ | ८५१.२ |
| १९ | कोल्ड रोल शिट (क्वाइलमा) | ३३३.३ | ४०८.५ | ७९.८ | २०८.० | ४००.६ | ७०३.९ | ६८०.३ | ८२३.६ | ७४६.८ | २६९.२ | ६५२.५ | ४४१.८ | ४२२.९ |
| २० | अन्य मेसिनरी तथा पार्टस् | ३२९.५ | ३०१.१ | ३८८.३ | ३५५.६ | ४६८.२ | ७२६.५ | ८४१.७ | ९७९.३ | ८३४.२ | १२०१.५ | १५९६.७ | १००५.६ | ११७६.३ |
| २१ | ट्रोलीयम पदार्थ | २०१७.० | २६६५.५ | ३३६५.७ | ३३५६.८ | ४०८१.६ | ४१३५.७ | ५१६१.० | ७५०८.१ | ९२२५.६ | १०७१३.९ | १३१७३.७ | ८६६५.७ | ७४१९.७ |
| २२ | अन्य | २१९४.१ | २७२८.९ | ३७१९.६ | ३६४९.७ | ४२०६.५ | ४८७८.८ | ६२६९.९ | ७५५५.१ | ९३५०.९ | ११६७२.७ | १६१४१.६ | १००४२.० | ११३१०.५ |
| | जम्मा | ७८७४.० | ८८६७.६ | १०७१४.३ | ११५८७.२ | १४२३७.७ | १६२४३.८ | २१७७१.५ | २६१९२.५ | २९९३९.० | ३६७०३.१ | ४७७९५.७ | ३०४४१.२ | ३१९९२.२ |

* अपरिष्कृत

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ६.६ : अन्य मुलुकबाट आयात भएका केही प्रमुख वस्तुहरू

(रु. करोडमा)

| क्र.सं. | विवरण | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | प्रथम आठ महिना | |
|---------|----------------------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|
| | | | | | | | | | | | | | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| १ | सुन | ५.० | ०.५ | ०.३ | ३५२.० | ३७५.१ | १६५७.५ | ४१६३.६ | ११३५.८ | २५७७.० | २६११.५ | २४७९.५ | १७०८.७ | ३६१.२ |
| २ | चाँदी | ६.२ | २१.२ | ५.३ | ०.१ | ४४.७ | ११७.५ | ३२५.१ | ३७२.६ | ४३७.१ | ८७८.३ | १२७१.१ | ६८९.४ | १६८१.५ |
| ३ | पेट्रोलियम पदार्थ | २९.१ | २१.६ | ५४.९ | ५७.२ | ५२.३ | ९५.६ | १६९.४ | १६६.० | १६८.२ | २२६.२ | १८३.३ | ७७.६ | १४०.९ |
| ४ | अन्य मेसिनरी तथा पार्ट्स | २४६.० | २६९.६ | २८३.१ | २००.७ | ३९०.२ | ५९७.२ | ७६५.६ | ६४०.९ | ७१९.८ | ८१३.१ | १०८७.५ | ६९०.३ | ३५९.६ |
| ५ | इलेक्ट्रिकल सामान | १६१.६ | १३२.६ | २८७.३ | २९६.६ | ३९४.५ | ८२४.२ | ६८३.८ | ६५०.६ | ७३१.२ | ५७९.५ | ७४६.८ | ४८८.३ | ९३.३ |
| ६ | धागो | १९७.८ | ९९.८ | १६१.१ | १२५.७ | १३९.६ | २१७.३ | २७३.५ | १९४.३ | १८८.७ | १६२.१ | २९५.६ | १५८.९ | १६९.८ |
| ७ | कच्चा ऊन | २०१.८ | २०६.० | १५१.१ | १६३.१ | १३९.५ | ३५.६ | ८७.३ | ९१.३ | ६५.७ | १०५.१ | १५५.५ | ८१.२ | ५९.५ |
| ८ | यातायातका सामान | १६२.६ | १७५.२ | २१५.६ | २७०.५ | ४३९.२ | ५५०.२ | ४२३.६ | ४२१.५ | २८५.९ | ३५९.१ | ६३६.१ | ३७८.३ | ३१५.२ |
| ९ | औषधि | ५८.३ | ७०.१ | ११०.८ | १५३.७ | १२६.३ | ३११.७ | ३३५.८ | २१३.५ | १९७.६ | २६३.५ | ३२०.८ | १८०.५ | १९५.० |
| १० | रासायनिक मल | १२८.२ | १७.१ | ३८.९ | ६१.७ | २.० | ८.० | ७०.४ | २३६.८ | २२९.१ | ४८३.९ | ६०८.३ | ४४७.१ | ६४.५ |
| ११ | कागज | ४५.३ | १९.९ | ८३.२ | ७९.३ | १०४.० | १०२.० | १४२.७ | १७८.९ | १७५.८ | १७२.९ | २२५.५ | १५८.२ | १३६.१ |
| १२ | कम्प्युटर पार्ट्स | १२७.४ | १२२.७ | १३५.४ | २७०.१ | २२७.० | ३७७.० | ५३४.१ | ६१७.८ | ६१५.० | ४५४.३ | ४७७.६ | २८९.९ | ९५.१ |
| १३ | हवाईजहाजका पार्ट्स | २३०.१ | ९८.१ | १०७.१ | १४६.३ | १०५.० | २०२.० | २२१.८ | २४७.२ | १४०.६ | २०६.३ | २५४.३ | १३२.६ | ६८५.७ |
| १४ | दुरसंचारका सामान | २४८.४ | १८६.१ | १७२.१ | ९५.४ | ४९७.९ | ४०६.४ | ८५२.२ | ९४९.३ | ८४५.९ | १३४८.९ | १४०१.९ | ९४२.९ | २६८.९ |
| १५ | कपडा (सुती तथा अन्य) | २७५.२ | १७६.८ | २८५.४ | २४५.६ | १९६.७ | २९२.७ | १९१.१ | २६०.९ | १२७.५ | २५९.५ | ४७०.८ | ३१०.९ | ६३.१ |
| १६ | पोलिथिन ग्रान्युअल्स | २८३.४ | १९७.३ | ३६९.७ | २९६.० | ३७१.९ | ३६१.७ | ५७८.८ | ४७०.१ | ५७८.७ | ४५२.५ | ७८०.२ | ४७७.३ | ४४८.९ |
| १७ | कच्चा पाम तेल | ५२७.७ | २०८.६ | ४०५.१ | ७१२.२ | ५७४.७ | २९४.९ | २०२.६ | ६०९.७ | ३१.३ | ३३९.१ | ४१३.५ | २६६.७ | ३४०.० |
| १८ | कच्चा भटमासको तेल | २०७.९ | ८३.५ | १५७.३ | १९२.४ | १६०.० | ३६५.९ | ४३३.८ | ६५०.८ | ९९६.२ | १०६२.८ | १४७७.८ | १०७९.५ | ८२३.५ |
| १९ | तामाको तार तथा स्क्रयाँप्स | ९६.९ | १३८.७ | २०८.९ | १८७.९ | १९४.१ | १८१.४ | १७७.६ | १३१.३ | १८७.५ | १२२.९ | ३०६.४ | २२०.६ | २०४.१ |
| २० | कच्चा रेशम | ५.१ | ५.७ | १०.८ | २.५ | ०.६ | ४.१ | ३.२ | ०.० | ०.० | १४.८ | ३१.५ | १५.८ | १.७ |
| २१ | अन्य | २५०९.८ | ३८२९.० | ३४२०.५ | ३९७३.३ | ३४२१.१ | ५२००.४ | ५०८६.३ | ५१८५.८ | ६९२८.९ | ८०५५.० | १००१८.५ | ६५४९.७ | ४९२२.० |
| | जम्मा | ५७५३.८ | ६०७९.८ | ६६६३.७ | ७८८२.२ | ७९५६.१ | १२२०३.२ | १५७२२.१ | १३४२५.० | १६२२७.८ | १८९७०.९ | २३६४१.९ | १५३४४.१ | ११४२९.६ |

* अपरिष्कृत

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ६.७ : परिवर्त्य विदेशी विनिमयको आय व्यय

(रु. करोडमा)

| विवरण | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | प्रथम आठ महिना | |
|---------------------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|
| | | | | | | | | | | | | '२०७०/७१' | '२०७१/७२' |
| आय | १२०६४.३ | १२३२६.८ | १५७२९.८ | १७९९६.८ | २३६९२.७ | ३२४३९.२ | ३४६३७.१ | ३८०३०.१ | ५३६९१.० | ६२९६५.६ | ७७०७५.२ | ५१४७३.६ | ५०५८६.४ |
| १. सेवा | ७१२१.३ | ७६८८.४ | १०९२७.५ | १२६९३.६ | १६६७९.३ | २३४४५.५ | २४८८०.१ | २५५९४.३ | ३६८४२.२ | ४३२७२.१ | ५४३२३.५ | ३५८७४.४ | ३५९६०.३ |
| (क) रेमिटान्स | ५६६३.० | ६१७८.५ | ९२७४.९ | १०७४१.७ | १३९४२.२ | १९४२१.६ | २१३९९.९ | २२५९०.९ | ३३३३६.७ | ३९४३४.९ | ४९०३०.३ | ३२४०४.९ | ३२३०३.२ |
| (ख) पर्यटकको खर्च | १२३३.७ | ११८१.५ | ११७१.१ | १२६४.६ | २०३४.० | ३४५९.० | २९३८.६ | २५४०.९ | ३१८०.१ | ३४२०.५ | ४६११.५ | ३०८३.७ | ३२२२.३ |
| (ग) बैदेशिक लगानीमा ब्याज | २२४.५ | ३२८.४ | ४८१.५ | ६८७.३ | ७०३.२ | ५६४.९ | ५४१.६ | ४६२.५ | ३२५.४ | ४१६.७ | ६८१.८ | ३८५.७ | ४३४.८ |
| २. वस्तुहरूको निर्यात | २२४९.० | २०८५.२ | २१७३.९ | २२३६.७ | २८६६.३ | ४०४९.७ | ४४३९.६ | ३९८५.३ | ५२९८.३ | ६४३२.५ | ७४८२.२ | ५१२३.९ | ४९४३.९ |
| ३. कुटनैतिक नियोग | ४२४.२ | ३५०.५ | ५२८.२ | ७७९.४ | १०७२.६ | १३१८.८ | ५३९.१ | ५४८.१ | ९३६.९ | १८३९.० | २६३४.८ | १४१७.६ | १८५७.९ |
| ४. बैदेशिक सहायता | १९८२.३ | २०३९.८ | १६७१.४ | १६६२.२ | २३६४.२ | २८१९.८ | ३२९८.४ | २९६६.५ | ४१००.७ | ३५६६.७ | ४०५३.३ | ३२३९.७ | १७६६.९ |
| ५. विविध | २८७.६ | १६३.० | ४२८.९ | ६२४.९ | ७१०.२ | ८०५.४ | १४७९.९ | ४९३५.९ | ६५१२.८ | ७८५५.३ | ८५८१.३ | ५८१७.९ | ६०५७.४ |
| व्यय | ९८६७.७ | १०८६५.६ | १३५१८.५ | १६५४७.१ | २३३४०.३ | २८६३०.५ | ३५१४२.० | १७४९१.७ | १९३९९.४ | २४१९६.७ | २९५९५.४ | १८४१३.३ | २०३९८.० |
| १. सेवा | १४८३.८ | १९७३.५ | २१७८.९ | २६०१.३ | २५२८.७ | ३२३६.८ | ४०९९.२ | ३७९३.२ | ३२६५.७ | ४५२६.२ | ५९५१.२ | ३६४८.६ | ४३७९.९ |
| (क) साँवा ब्याज भुक्तानी | ६८४.७ | ७३७.५ | ७१२.४ | ८४८.१ | ९११.७ | ११२४.९ | १२०९.८ | १५४७.२ | १६३१.७ | १९३६.९ | २०६८.९ | ११३७.६ | १३९६.९ |
| (ख) अन्य | ७९९.० | १२३६.० | १४६६.५ | १७५३.१ | १६१७.० | २१११.९ | २८८९.४ | २२४६.० | १६३४.० | २५८९.३ | ३८८२.३ | २५११.१ | २९८३.० |
| २. वस्तुहरूको आयात | ७१४९.५ | ६३०८.७ | ६७६८.४ | ७४८८.२ | ९३७२.७ | १३२९३.१ | १४१२५.९ | १३२७५.० | १५६७५.० | १९०३१.२ | २२७२४.५ | १४४२९.५ | १५५६७.६ |
| ३. कुटनैतिक नियोग | ७१.७ | ६२.२ | ६५.० | ४०.३ | ६०.१ | ९६.५ | १८३.४ | १६८.८ | १६५.० | ८५.४ | १५८.९ | ८१.३ | १३७.४ |
| ४. विविध | ११६२.८ | २५२१.२ | ४५०६.२ | ६४१७.४ | ११३७८.७ | १२००४.१ | १६७३३.६ | २५४.६ | २९३.७ | ५५३.९ | ७६०.८ | २५३.९ | ३१३.१ |
| बचत वा घाटा (-) | २१९६.६ | १४६१.३ | २२११.३ | १४४९.६ | ३५२.४ | ३८०८.७ | -५०४.९ | २०५३८.४ | ३४२९१.६ | ३८७६८.९ | ४७४७९.७ | ३३०६०.४ | ३०१८८.४ |

* अपरिष्कृत

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

नोट: आ.व.२०६७/६८ देखि परिमार्जित तथ्याङ्क समावेश गरिएको ।

तालिका ६.८ : बैंकहरुसँग रहेको कुल वैदेशिक सम्पत्ति

(रु. करोडमा)

| वर्ष | नेपाल राष्ट्र बैंक | | | | | | | वाणिज्य बैंक | | | कुल जम्मा (१+८) |
|-------------|--------------------|--------|----------------------------|-----------------------------|---------------------------|------------------|----------------------|---------------------------|------------------|----------------------|--------------------|
| | जम्मा (२+३+४+५) | सुन | आई.एम.एफ. गोल्ड ट्रन्चे | स्पेशल ड्रइङ्ग राइट्स | विदेशी विनिमय (६+७) | परिवर्त्य मुद्रा | अपरिवर्त्य मुद्रा | विदेशी विनिमय (६+७) | परिवर्त्य मुद्रा | अपरिवर्त्य मुद्रा | |
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ |
| २०६० असार | ८८०४.३ | ४८.२ | ५९.३ | ०.२ | ८६९६.६ | ७६७५.२ | १०२१.४ | २१२६.३ | २०२४.९ | १०१.४ | १०९३०.६ |
| २०६१ असार | १०९०७.७ | ४७.८ | ६२.८ | ५.५ | १०७९१.६ | ९६२३.६ | ११६८.० | २२२८.९ | २०७३.५ | १५५.४ | १३१३६.६ |
| २०६२ असार | १०५४४.४ | ३८.३ | ०.० | ६३.७ | १०४४२.४ | १००८२.४ | ३६०.० | २५४७.३ | २३१५.५ | २३१.८ | १३०९१.७ |
| २०६३ असार | १३३०३.६ | ४०.५ | ०.० | ६६.४ | १३१९६.८ | १२४१४.७ | ७८२.० | ३३०६.५ | ३१७९.१ | १२७.५ | १६६१०.२ |
| २०६४ असार | १३०२१.४ | ०.० | ०.० | ५८.८ | १२९६२.६ | १२३७५.५ | ५८७.१ | ३५५०.० | ३१६८.१ | ३८१.९ | १६५७१.४ |
| २०६५ असार | १७०३१.४ | ०.० | ०.० | ६३.१ | १६९६८.४ | १४२८४.९ | २६८३.५ | ४२९४.० | ३८८२.७ | ४११.३ | २१३२५.४ |
| २०६६ असार | २५५७८.७ | ३१०४.१ | ०.० | ५५.५ | २२४१९.० | २०१७५.६ | २२४३.४ | ६२३४.५ | ५८७५.० | ३५९.५ | ३१८१३.२ |
| २०६७ असार | २४४८८.१ | ३३१९.५ | ०.० | ६३.५ | २०५३७.१ | १६५९९.३ | ३९३७.९ | ६३५३.६ | ५८२२.२ | ५३१.४ | ३०८४१.७ |
| २०६८ असार | २७२०९.० | ५२२६.४ | ०.० | ६७३.१ | २१३०९.५ | १६५२५.८ | ४७८३.८ | ५९०५.८ | ५५५०.३ | ३५५.५ | ३३११४.८ |
| २०६९ असार | ३९२०४.५ | ९१५.२ | ०.० | ७३६.८ | ३७५५२.५ | २८५६८.२ | ८९८४.३ | ६३९३.२ | ५७१४.४ | ६७८.८ | ४५५९७.७ |
| २०७० असार | ४७३७९.१ | १४२०.२ | ०.० | ६५९.५ | ४५२९९.५ | ३३९९४.० | ११३०५.५ | ८०३०.३ | ७४०८.० | ६२२.३ | ५५४०९.४ |
| २०७१ असार | ५९३७५.३ | १५८८.३ | ०.० | ५४६.९ | ५७२४०.१ | ४२६१३.३ | १४६२६.८ | ९३००.६ | ८७३७.२ | ५६३.४ | ६८६७५.९ |
| २०७१ फागुन* | ६१५४९.७ | १७९८.१ | ०.० | ४४६.८ | ५९३४८.८ | ४२७९०.० | १६५१४.८ | ११२६७.९ | १०६८५.५ | ५८२.४ | ७२८१७.६ |

* अपरिष्कृत

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ६.९ : शोधनान्तर स्थिति

(रु. करोडमा)

| विवरण | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | प्रथम आठ महिना | |
|------------------------------------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------------|----------|
| | | | | | | | | | | | | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
| (क) चालू खाता | १४५९.८ | ११५४.५ | १४२२.५ | -९०.२ | २३६८.० | ४१४३.७ | -२८१३.५ | -१२९३.६ | ७५९७.९ | ५७०६.१ | ८५७२.२ | ६८४०.६ | ११६४.७ |
| निर्यात, एफ.ओ.बी. | ५५२२.८ | ५९९५.६ | ६१४८.२ | ६१४८.८ | ६१५७.१ | ६९९०.७ | ६३१७.८ | ६८७०.२ | ८१५१.२ | ८५९९.० | १००९६.१ | ६७८०.९ | ६४६८.७ |
| तेल | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| अन्य | ५५२२.८ | ५९९५.६ | ६१४८.२ | ६१४८.८ | ६१५७.१ | ६९९०.७ | ६३१७.८ | ६८७०.२ | ८१५१.२ | ८५९९.० | १००९६.१ | ६७८०.९ | ६४६८.७ |
| आयात, एफ.ओ.बी. | -१३२९१.० | -१४५७१.८ | -१७१५४.१ | -१९०४३.७ | -२१७९६.३ | -२७९२२.८ | -३६६६९.३ | -३८८३७.१ | -४५४६५.३ | -५४७२९.४ | -६९६३७.३ | -४४९४०.१ | -४९९५५.६ |
| तेल | -२०१६.७ | -२६६५.४ | -३३६५.७ | -३३५६.८ | -४०८१.६ | -४१३५.७ | -५१६०.७ | -७५०७.६ | -९२२५.६ | -१०७१३.९ | -१३२९७.६ | -८७२३.५ | -७५५५.७ |
| अन्य | -११२७४.३ | -११९०६.५ | -१३७८८.४ | -१५६८७.० | -१७७१४.७ | -२३७८७.१ | -३१५०८.५ | -३१३२९.५ | -३६२३९.८ | -४४०१५.५ | -५६३३९.७ | -३६२१६.७ | -४२४२९.९ |
| व्यापार सन्तुलन | -७७६८.२ | -८५७६.२ | -११००५.८ | -१२८४४.९ | -१५५९९.२ | -२०९३२.१ | -३०३५१.५ | -३१९६७.० | -३७३१४.१ | -४६१३०.५ | -५९५४१.३ | -३८१५९.२ | -४३९१६.९ |
| खुद सेवा आय | ९०७.५ | -२०३.४ | -६८१.८ | -८३७.७ | -१०९२.२ | -१०४७.८ | -१६३८.५ | -२६७.५ | १४०७.७ | २०८८.२ | १३८९.२ | १३८९.२ | १०६.४ |
| सेवा आय | ३४३१.६ | २६००.२ | २६४७.० | ३२०७.९ | ४२२३.६ | ५२८३.० | ५११२.१ | ५३०१.३ | ७२३५.२ | ९५१९.१ | १२५०६.१ | ८१२४.४ | ९३७८.५ |
| यात्रा | १८१४.७ | १०४६.४ | ९५५.६ | १०१२.५ | १८६५.३ | २७९६.० | २८१३.९ | २४६१.१ | ३०७०.४ | ३४२१.१ | ४६३७.५ | ३०४३.० | ३४३३.३ |
| अन्यत्र नपरेको सरकारी आय | ७१४.४ | ६८०.५ | ७४४.२ | १२३३.६ | १३३०.२ | १२७३.४ | ६६३.६ | ५५३.५ | १००७.१ | १८३९.० | २४३५.३ | १४१८.२ | १८५८.१ |
| अन्य | ९०२.५ | ८७३.३ | ९४७.२ | ९६१.७ | १०२८.१ | १२१३.६ | १६३४.६ | २२८६.७ | ३१५७.६ | ४२५९.१ | ५४३३.४ | ३६६३.२ | ४०८९.१ |
| सेवा भुक्तानी | -२५२४.१ | -२८०३.६ | -३३२८.८ | -४०४५.६ | -५३३२.८ | -६३३२.८ | -६७५०.६ | -६१६८.७ | -५८२९.५ | -८७६०.५ | -१०४१७.९ | -६७३५.२ | -८३१८.१ |
| यातायात | -९३८.२ | -१०६०.२ | -१२५९.२ | -१४५५.७ | -२२६७.६ | -२२११.६ | -२२९६.५ | -१८६०.५ | -२२२९.२ | -३३२७.७ | -३९८२.२ | -२६५४.० | -३०६१.२ |
| भ्रमण | -१००२.२ | -९६९.२ | -११९६.१ | -१५७८.५ | -२०८६.२ | -३१३९.६ | -३२२८.८ | -२७६४.३ | -२५७७.० | -३९६१.२ | -४२१७.६ | -२६८७.६ | -३६५२.२ |
| अन्य | -५८३.७ | -७७४.२ | -८७३.५ | -१०११.४ | -९७९.० | -९७९.० | -१३७९.९ | -१४२८.५ | -८६६.६ | -१३५३.९ | -२०५५.६ | -१३१०.४ | -१४६२.८ |
| व्यापार तथा सेवा क्षेत्रको सन्तुलन | -६८६०.७ | -८७७९.६ | -११६८७.७ | -१३७३२.६ | -१६७०८.४ | -२१९७९.९ | -३१९९०.० | -३२८३४.५ | -३५९०८.४ | -४५३७१.९ | -५७४५३.१ | -३६७७०.० | -४२४५६.५ |
| खुद आय | -१६८.४ | १६३.७ | ४९५.६ | ७४३.२ | ७९४.७ | ११७५.० | ९११.७ | ७५४.९ | १२२९.१ | १३०७.९ | ३२७५.२ | २०६७.० | १५५५.३ |
| आय प्राप्ती | ३८४.२ | ७७५.२ | ११४३.२ | १४५०.१ | १३४४.८ | १६५०.७ | १४९१.८ | १७५०.४ | २२५२.१ | २३३२.० | ३९५४.० | २४६३.८ | २१७७.० |
| आय भुक्तानी | -५५२.५ | -६११.५ | -६४७.७ | -७०६.९ | -५५०.१ | -४७५.७ | -५८०.१ | -९९५.५ | -१०२३.० | -१०२४.१ | -६७८.८ | -३९६.८ | -६२१.७ |
| व्यापार, सेवा तथा आय सन्तुलन | -७०२९.१ | -८६१६.० | -१११९२.१ | -१२९८९.४ | -१५९१३.७ | -२०८०५.० | -३१०७८.३ | -३२०७९.५ | -३४६७९.३ | -४४०६४.० | -५४१७७.९ | -३४७०३.० | -४०९०१.२ |
| खुद ट्रान्सफर | ८४८८.९ | ९७७०.४ | १२६१४.६ | १२८९९.२ | १८२८१.७ | २४९४८.७ | २८२६४.८ | ३०७८५.९ | ४२२७७.२ | ४९७७०.१ | ६३१५०.० | ४१५४३.६ | ४२०६५.९ |
| ट्रान्सफर आय | ८९१६.२ | १०१३१.० | १३०८६.२ | १३३१९.७ | १८५४६.३ | २५७४६.१ | २८७७७.४ | ३१११५.७ | ४२२७७.२ | ५०५०६.८ | ६३४८५.५ | ४१७०८.८ | ४२०६५.९ |
| अनुदान | १९५५.८ | २१०७.२ | १८८५.१ | १८२१.८ | २०९९.३ | २६७९.६ | २६६७.४ | २५७८.० | ३६२२.७ | ३४१८.१ | ४८५२.० | ३१३३.० | २३५८.६ |
| निजी क्षेत्रको विप्रेषण | ५८५८.८ | ६५५४.१ | ९७६८.९ | १००१४.५ | १४२६८.३ | २०९६९.९ | २३१७२.५ | २५३५५.२ | ३५९५५.४ | ४३४५८.२ | ५४३२९.४ | ३५६७२.३ | ३७०९९.६ |
| पेन्सन | ७९०.६ | १२५०.२ | १२००.८ | १२९३.७ | १८७९.० | १७७५.५ | २५८५.१ | २८९९.३ | २८३४.४ | ३५३२.७ | ४१३७.३ | २७३८.७ | २७४६.८ |
| अन्य | ३११.० | २१९.५ | २३१.५ | १८९.७ | २९९.७ | ३२१.१ | ३५२.१ | २८३.२ | ३६८.१ | ९७.९ | १६६.८ | १६६.८ | ०.० |
| ट्रान्सफर भुक्तानी | -४२७.३ | -३६०.६ | -४७१.६ | -४२०.५ | -२६४.६ | -७९७.५ | -५१२.३ | -३२९.८ | -५०३.४ | -७३६.८ | -३३५.५ | -१६७.२ | -१३९.० |

| विवरण | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | प्रथम आठ महिना | |
|---|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|---------|----------|----------------|----------|
| | | | | | | | | | | | | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| (ख) पुँजी खाता (पुँजी ट्रान्सफर) | १४५.२ | १५७.५ | ३१०.७ | ४५५.० | ७९१.३ | ६२३.१ | १२५७.८ | १५९०.६ | १८२४.२ | १०३४.८ | १७०६.५ | १२६३.७ | ७६३.३ |
| जम्मा (क + ख) | १६०५.० | १३११.८ | १७३३.२ | ३५४.८ | ३१५९.२ | ४७६६.८ | -१५५५.७ | २९७.० | ९४२२.१ | ६७७०.९ | १०९७८.५ | ८१०४.३ | १९२७.९ |
| (ग) वित्तीय खाता (समूह ड बाहेक) | -२१५५.० | -२५५३.७ | -१३२.५ | -२३६.२ | ११०३.३ | २१२०.२ | ७८४.७ | ३२१.३ | २८९१.३ | १२४९.६ | ११११.८ | २०१९.९ | ८५८.९ |
| प्रत्यक्ष वैदेशिक लगानी आप्रवाह | ०.० | १३.६ | -४७.० | ३६.२ | २९.५ | १८२.९ | २८५.२ | ६४३.७ | ९१९.५ | ९०८.२ | ३१९.५ | १७९.८ | २६७.२ |
| पोर्टफोलियो लगानी | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० |
| अन्य लगानी सम्पत्ति | -३२५९.१ | -२१८६.३ | -१४००.९ | -१०६९.० | -११३९.० | -११३९.० | -१७६७.५ | -१८२५.५ | -२५७६.२ | -१५७६.० | -२१३३.२ | -१२९२.८ | -२१३४.५ |
| व्यापारिक साख | -२२४.८ | -३२.४ | -१६३.० | -५१२.८ | ८५.३ | -३०२.४ | -१००.९ | -६१३.३ | -५१३.७ | -५१४.७ | -१६२.० | -१३८.४ | -१३३.० |
| अन्य | -३०३४.४ | -२१५३.९ | -१२३७.९ | -५५६.२ | -१२२४.९ | -१४६५.१ | -१७२४.५ | -१९६२.९ | -१०५८.२ | -१७६९.९ | -१९७१.२ | -११५४.४ | -२००१.४ |
| अन्य लगानी दायित्व | ११०५.१ | -३८१.० | १३१५.४ | ७९६.६ | २२१३.५ | ३७०४.८ | २३२४.९ | २२५३.८ | ३५४३.७ | २६२६.१ | २२२८.५ | ३१३२.९ | २७२६.१ |
| व्यापारिक साख | ३६३.० | -४४८.९ | ९२३.३ | १७२.८ | १२४८.४ | १९५५.५ | २१९६.९ | १८२९.३ | २६४४.२ | १४४३.५ | २३६८.६ | १८२५.० | १८०५.० |
| ऋण | ३३२.५ | ७४.४ | ५२.७ | १४५.६ | ३३९.२ | -२८९.९ | -३९३.४ | २६१.२ | १०३.७ | -१२८.२ | ४१९.२ | ४३६.८ | ३४१.७ |
| सरकार | ३४७.९ | १३०.० | ७०.४ | २१५.१ | ३४५.६ | -२८३.२ | -३९०.२ | २६३.२ | १०४.८ | -१२१.९ | ४४०.८ | ४५५.६ | ३४५.१ |
| ऋण प्राप्ती | ९२४.५ | ७२५.४ | ७६९.१ | ९६९.० | ११३२.६ | ७२८.८ | ६८४.२ | १३८४.९ | १३४४.५ | १३७०.१ | २११३.२ | १३४५.६ | १२८३.९ |
| साँवा भुक्तानी | -५७६.६ | -५९५.३ | -६९८.७ | -७५३.९ | -७८७.० | -१०१२.० | -१०७४.३ | -११२१.८ | -१२३९.८ | -१४५२.० | -१६७२.५ | -८९०.० | -९३८.७ |
| अन्य क्षेत्र | -१५.४ | -५५.६ | -१७.७ | -६९.५ | -६.४ | -६.७ | -३.२ | -२.० | -१.१ | -६.३ | -२१.५ | -१८.८ | -३.५ |
| करेन्सी तथा डिपोजिट | ४०९.६ | -६.५ | ३३९.५ | ४७८.२ | ६२६.० | २०३९.२ | -१०३.१ | १२३.२ | ८४४.६ | १४३०.१ | २७३.३ | ९४२.५ | ६४३.१ |
| राष्ट्र बैंक | -७.७ | ४.६ | -११.७ | ०.२ | -०.६ | -०.३ | ४.५ | -०.८ | ३.७ | -१.२ | -३.७ | -६.१ | -२.१ |
| वाणिज्य बैंक | ४१७.४ | -११.१ | ३५१.१ | ४७८.० | ६२६.५ | २०३९.५ | -१०७.६ | १२४.० | ८४०.९ | १४३१.३ | २७७.० | ९४८.६ | ६४५.२ |
| अन्य दायित्व | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ०.० | ६२४.४ | ४०.१ | -४८.८ | -११९.३ | -१३२.७ | -७१.४ | -६३.६ |
| जम्मा (क+ख+ग) | -५४९.० | -१२४१.९ | १६००.७ | ११८.६ | ४२६२.५ | ६८८७.० | -७७१.० | ६१८.२ | १२३१३.४ | ७९९०.५ | ११७९३.३ | १०१२४.२ | २७८८.८ |
| (घ) विविध पुँजी तथा भुलचुक | २५५९.१ | १८०९.६ | १२९८.५ | ९५०.१ | -६६९.० | -३७२.० | ३५६.९ | -८६.१ | १६९३.९ | ३३३.५ | ११९२.८ | १०९९.७ | १३६३.५ |
| जम्मा (क+ख+ग+घ) | २०१०.१ | ५६७.७ | २८९९.२ | १०६८.७ | ३५९३.४ | ६५१५.० | -४१४.२ | ५३२.१ | १४००७.३ | ८३२४.१ | १२९८६.१ | ११२२३.९ | ४१५०.३ |
| (ङ) रिजर्भ तथा सम्बन्धित शिर्षक | -२०१०.१ | -५६७.७ | -२८९९.२ | -१०६८.७ | -३५९३.४ | -६५१५.० | ४१४.२ | -५३२.१ | -१४००७.३ | -८३२४.१ | -१२९८६.१ | -११२२३.९ | -४१५०.३ |
| रिजर्भ सम्पत्ति | -२०६५.८ | -६४६.२ | -२८९९.२ | -१३४१.० | -३७००.२ | -६५०७.० | ८४.३ | -४९१.९ | -१३९५८.८ | -८२०४.९ | -१२८५३.६ | -१११५२.६ | -४०८८.८ |
| नेपाल राष्ट्र बैंक | -१९५०.८ | -३२५.१ | -२१२९.७ | -१०९६.३ | -२९६३.७ | -४५७५.१ | ४१८.३ | -९४३.८ | -१३४७८.७ | -६५७६.३ | -११५९९.२ | -८९८.६ | -२१२५.५ |
| वाणिज्य बैंक | -११५.० | -३२१.१ | -७६९.५ | -२४४.७ | -७३६.५ | -१९३१.८ | -३३४.० | ४५२.० | -४८०.१ | -१६२८.६ | -१२५४.४ | -२२५४.० | -१९६१.३ |
| आई.एम.एफ. कर्जा उपयोग | ५५.७ | ७८.५ | ०.० | २७२.४ | १०६.८ | -८.१ | ३२९.९ | -४०.३ | -४८.५ | -११९.२ | -१३२.४ | -७१.३ | -६३.५ |
| खुद वैदेशिक सम्पत्तिमा परिवर्तन (-वृद्धि) | -१६००.५ | -५७४.२ | -२५५९.८ | -५९०.४ | -२९६७.५ | -४४७५.८ | ३११.० | -४०९.० | -१३१६२.७ | -६८९४.० | -१२७१२.७ | -१०२८१.४ | -३५०७.१ |

* अपरिष्कृत

नोट: (-) शोधनान्तरले बचत बुझाउँदछ ।

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ७.१ : देशगत वैदेशिक रोजगारीको स्थिति

| सि.नं. | मुलुक क्षेत्र | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | |
|--------|--------------------------------|-----------------------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|
| | | २०५०/५१ देखि २०६२/६३ सम्मको | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | २०७१/७२** |
| क. | २०५०/५१ देखि २०६२/६३ सम्मको | ५५८६७५ | | | | | | | | | | ५५८६७५ |
| ख. | २०६३/६४ देखि हाल सम्म | | | | | | | | | | | |
| १ | कतार | | ५९७०५ | ८५४४२ | ७६१७५ | ५५९४० | १०२९६६ | १०५६८१ | १०३४८६ | १२८८७४ | ८४९११ | ८०३१८० |
| २ | मलेसिया | | ७४०२९ | ५०५५४ | ३५०७० | ११३९८२ | १०५९०६ | ९८३६७ | १५८२१२ | २१४१४९ | १५२८६४ | १००३१३३ |
| ३ | साउदी अरब | | ३९२७९ | ४२३९४ | ४८७४९ | ६३४०० | ७१११६ | ८०४५५ | ९६९९५ | ८६८७६ | ६७४१९ | ५९६६८३ |
| ४ | यू.ए.ई. | | २५१७२ | ४५३४२ | ३१६८८ | ३३१८८ | ४४४६४ | ५४४८२ | ५८४४७ | ५४९६५ | ३७३६४ | ३८५११२ |
| ५ | कुवेत | | २४४१ | १९६७ | २२९१ | ८२५५ | १५१८७ | २४५७५ | १७२७३ | १९३५३ | ६६३९ | ९७९८१ |
| ६ | बहराईन | | १२०० | ५०९९ | ६३६० | ४२३४ | ४६४७ | ५८६५ | ४२१८ | ४१८५ | ३११४ | ३८९२२ |
| ७ | ओमन | | ५०९ | २६२६ | ४२४७ | ३२८५ | २४४२ | ३१६३ | ३९७३ | ३४३५ | १४८८ | २५१६८ |
| ८ | दक्षिणा कोरिया (इ.पि.एस. समेत) | | ७६५ | १४६ | २९०९ | २५३२ | ३७२८ | ५६२७ | ४४४० | २१२५ | २८०१ | २५०७३ |
| ९ | लेवनान | | ० | २५६३ | ३३७९ | ३७८८ | १५१ | २४३ | ५८९ | १११७ | ५२७ | १२३५७ |
| १० | इजरायल | | ४०५ | ११० | ३३७८ | ३१६ | २७३ | ५७४ | १४० | ६७४ | ३४२ | ६२१२ |
| ११ | अफगानिस्तान | | १८२ | १४०० | १५३८ | ७३५ | ६५५ | ८२३ | ३५६ | ६०५ | ९७२ | ७२६६ |
| १२ | जापान | | ० | १३०६ | १८२७ | ५१६ | ६०३ | ११४४ | १२२८ | २०९८ | १५५१ | १०२७४ |
| १३ | अन्य मुलुकहरू | | ८४६ | १०१०२ | २३५४ | ३९२३ | २५७८ | ३६६६ | ४१८६ | ९३५८ | ४७४८ | ४१७६१ |
| | जम्मा: | | ५५८६७५ | २०४५३३ | २४९०५१ | २१९९६५ | २९४०९४ | ३५४७१६ | ३८४६६५ | ४५३५४३ | ५२७८१४ | ३६४७४० |

* प्रथम आठ महिनाको

** २०७१ फागुन मसान्तसम्मको कुल जम्मा

नोट: आ.व. २०६३/६४ देखि मात्र वैदेशिक रोजगार विभागमा सफ्टवेयर प्रयोग गरी तथ्यांक राख्न शुरु गरिएकोले सो भन्दा अगाडीको देशगत एकिन संख्या छुट्याउन नसकिएको ।

स्रोत: बैदेशिक रोजगार विभाग

तालिका ८.१ : प्रमुख खाद्यान्न बाली लगाएको क्षेत्रफल, उत्पादन र उत्पादकत्व

क्षेत्रफल: हजार हेक्टरमा

उत्पादन: हजार मे.टनमा

उत्पादकत्व: मे. टन प्रति हेक्टरमा

| खाद्यान्न बालीहरु | | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | |
|-------------------|------------------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|
| | | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२** |
| | क्षेत्रफल | १५४९.०० | १४४०.०० | १५४९.०० | १५५६.०० | १४८१.०० | १४९६.०० | १५३१.०० | १४२०.०० | १४८६.९५ | १४२५.३५ |
| धान | उत्पादन | ४२०९.०० | ३६८१.०० | ४२९९.०० | ४५२४.०० | ४०२४.०० | ४४६०.०० | ५०७२.०० | ४५०४.०० | ५०४७.०५ | ४७८८.६१ |
| | उत्पादकत्व | २.७२ | २.५६ | २.७७ | २.९० | २.७२ | २.९८ | ३.३१ | ३.१७ | ३.३९ | ३.३६ |
| | क्षेत्रफल | ८५१.०० | ८७०.०० | ८७०.०० | ८७५.०० | ८७६.०० | ९०६.०० | ८७१.०० | ८४९.०० | ९२८.७६ | ८८२.४० |
| मकै | उत्पादन | १७३४.०० | १८२०.०० | १८७९.०० | १९३१.०० | १८५५.०० | २०६७.०० | २१७९.०० | १९९९.०० | २२८३.०० | २२४५.२९ |
| | उत्पादकत्व | २.०४ | २.०९ | २.१६ | २.२० | २.१२ | २.२८ | २.५० | २.३५ | २.४६ | २.४३ |
| | क्षेत्रफल | ६७२.०० | ७०३.०० | ७०६.०० | ६९५.०० | ७३१.०० | ७६७.०० | ७६५.०० | ७५९.०० | ७५४.०० | ७६२.३७ |
| गहुँ | उत्पादन | १३९४.०० | १५१५.०० | १५७२.०० | १३४४.०० | १५५६.०० | १७४६.०० | १८४६.०० | १८८२.०० | १८८३.०० | १९७५.६३ |
| | उत्पादकत्व | २.०७ | २.१६ | २.२२ | १.९३ | २.१३ | २.७५ | २.४१ | २.४७ | २.५० | २.६० |
| | क्षेत्रफल | २६.०० | २७.०० | २६.०० | २६.०० | २७.०० | २८.०० | २७.३० | २८.९८ | २८.०० | २८.०५ |
| जौ | उत्पादन | २८.०० | २८.०० | २८.०० | २३.०० | २८.०० | ३०.०० | ३५.०० | ३७.०० | ३५.०० | ३७.३५ |
| | उत्पादकत्व | १.०६ | १.०६ | १.०७ | ०.९० | १.०३ | १.०७ | १.२५ | १.२७ | १.२४ | १.३३ |
| | क्षेत्रफल | २६२.०० | २६५.०० | २६५.०० | २६६.०० | २६८.०० | २७०.०० | २७८.०० | २७४.०० | २७१.०० | २६८.०५ |
| कोदो | उत्पादन | २९१.०० | २८५.०० | २९१.०० | २९३.०० | २९९.०० | ३०३.०० | ३१५.०० | ३०५.०० | ३०४.०० | ३०८.४८ |
| | उत्पादकत्व | १.११ | १.०७ | १.०९ | १.१० | १.११ | १.१२ | १.१३ | १.११ | १.१२ | १.५१ |
| | क्षेत्रफल | | | | | | १०.३० | १०.३० | १०.६८ | १०.५० | १०.८२ |
| फापर* | उत्पादन | | | | | | ८.८४ | १०.०० | १०.०५ | १०.३० | १०.८७ |
| | उत्पादकत्व | | | | | | ०.८५ | ०.९७ | ०.९४ | ०.९८ | १.०० |
| | जम्मा क्षेत्रफल | ३३५२.०० | ३३६०.०० | ३३०५.०० | ३४१६.०० | ३४१८.०० | ३३८३.०० | ३४७७.३० | ३४८२.६० | ३३४१.६६ | ३४७९.२१ |
| | जम्मा उत्पादन | ७७६७.०० | ७६५६.०० | ७३२९.०० | ८०६९.०० | ८११५.०० | ७७६२.०० | ८६१४.८४ | ९४५७.०० | ८७३७.०५ | ९५६२.३५ |

* फापर वाली २०६७।६८ देखि मात्र समावेश भएको ।

** प्रारम्भिक अनुमान

स्रोत: कृषि विकास मन्त्रालय

तालिका ८.२ : प्रमुख नगदे बाली लगाएको क्षेत्रफल, उत्पादन र उत्पादकत्व

क्षेत्रफल: हजार हेक्टरमा

उत्पादन: हजार मे.टनमा

उत्पादकत्व: मे. टन प्रति हेक्टरमा

| नगदे बाली | | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | |
|-----------|-----------------|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| | | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| | क्षेत्रफल | ६२.० | ६४.० | ६३.० | ५८.० | ५८.० | ६३.० | ६४.० | ६४.० | ६५.० | ६६.६ |
| उखु | उत्पादन | २४६३.० | २६००.० | २४८५.० | २३५४.० | २४९५.० | २७१८.० | २८६९.० | २९३०.० | ३०२०.० | ३०६३.० |
| | उत्पादकत्व | ३९.७ | ४०.६ | ३९.५ | ४०.५ | ४३.० | ४३.१ | ४४.३ | ४५.४ | ४६.५ | ४६.० |
| | क्षेत्रफल | १८८.० | १८४.० | १८०.० | १८१.० | १९९.० | २१४.० | २१८.० | २१५.० | २१६.४ | २१७.२ |
| तेलहन | उत्पादन | १३९.० | १३६.० | १३४.० | १३५.० | १५५.० | १७६.० | १८१.० | १७९.० | १८४.० | १९४.५ |
| | उत्पादकत्व | ०.७ | ०.७ | ०.७ | ०.८ | ०.८ | ०.८ | ०.८ | ०.८ | ०.९ | ०.९ |
| | क्षेत्रफल | २.७ | २.७ | २.७ | २.५ | २.५ | १.१ | १.१ | १.८ | १.८ | १.७ |
| सुर्ती | उत्पादन | २.७ | २.७ | २.६ | २.५ | २.५ | १.२ | १.२ | २.४ | २.२ | २.२ |
| | उत्पादकत्व | १.० | १.० | १.० | १.० | १.० | १.१ | १.१ | १.४ | १.३ | १.३ |
| | क्षेत्रफल | १५१.० | १५४.० | १५७.० | १८२.० | १८५.० | १८३.० | १८७.० | १८८.० | २०५.७ | १९०.२ |
| आलु | उत्पादन | १९७५.० | १९४३.० | २०५५.० | २४२४.० | २५१८.० | २५०८.० | २६८२.० | २७५३.० | २८१७.५ | २८४२.० |
| | उत्पादकत्व | १३.१ | १२.७ | १३.१ | १३.३ | १३.६ | १३.७ | १४.३ | १४.६ | १३.७ | १४.९ |
| | क्षेत्रफल | १२.० | ११.७ | ११.६ | ११.४ | १०.५ | १०.६ | १०.५ | ११.३ | ११.४ | ११.४ |
| जुट | उत्पादन | १७.१ | १६.८ | १७.० | १५.७ | १३.० | १४.४ | १४.४ | १५.५ | १५.८ | १६.५ |
| | उत्पादकत्व | १.४ | १.४ | १.५ | १.४ | १.२ | १.४ | १.४ | १.४ | १.४ | १.५ |
| | जम्मा क्षेत्रफल | ४१५.७ | ४१६.५ | ४१४.३ | ४३४.९ | ४५५.० | ४७१.७ | ४८०.७ | ४८०.१ | ५००.२ | ४८७.२ |
| | जम्मा उत्पादन | ४५९६.८ | ४६९८.५ | ४६९३.६ | ४९३१.२ | ५१८३.५ | ५४१७.७ | ५७४७.६ | ५८७९.९ | ६०३९.५ | ६११८.३ |

* प्रारम्भिक अनुमान

स्रोत: कृषि विकास मन्त्रालय

तालिका ८.३ : अन्य बाली उत्पादन स्थिति

(हजार मे.टनमा)

| अन्य बालीहरु | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | |
|----------------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|
| | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| दलहन | २६७.४५ | २७४.३७ | २६९.७७ | २५५.३८ | २६२.३५ | ३१८.३६ | ३२७.१५ | ३५६.७० | २८१७.५१ | २८४२.०० |
| फलफूल | ५३५.४५ | ५७५.०९ | ६३०.५६ | ६८६.२१ | ७०७.०० | ८३१.६० | ८८५.५२ | १०८६.८५ | ९६५.०४ | ११८६.३७ |
| तरकारी | २१९०.१० | २२९८.६८ | २५३८.९० | २७५४.४० | ३००४.०० | ३२०३.०० | ३४००.९० | ३४०९.७० | ३४७२.०६ | ३६२९.०० |
| जम्मा उत्पादन | ४७००.६० | ४८१६.८० | ५२२४.५० | ५८६४.६० | ६२२९.०० | ६५४२.६० | ६९६८.४० | ७२४९.६० | ७२५४.६० | ७६५७.४० |

* प्रारम्भिक अनुमान

स्रोत: कृषि विकास मन्त्रालय

तालिका ८.४ : पशुजन्य उत्पादन स्थिति

(हजार मे.टनमा)

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | |
|---------------------|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| मासु | २१९.२० | २२७.११ | २३३.९० | २४१.६९ | २४९.०० | २७७.६२ | २८८.५० | २९५.५० | २९८.२४ | ३००.९० |
| दूध र दुग्ध पदार्थ | १३१२.१४ | १३५१.३९ | १३८८.७३ | १४४५.४१ | १४९६.०० | १५५६.५० | १६२२.७५ | १६८१.१० | १७०.०० | १७२.४८ |
| फुल (दश लाख गोटामा) | ६००.८० | ६१४.८५ | ६३१.२५ | ६२९.९४ | ६४३.२० | ७०४.१३ | ७८७.०१ | ८३८.९० | ८७२.९२ | ८९९.५० |
| माछा | ४५.४२ | ४६.७८ | ४८.७५ | ४८.२३ | ४९.७३ | ५२.०७ | ५४.३६ | ५३.९६ | ६५.७७ | ६९.४० |

* प्रारम्भिक अनुमान

स्रोत: कृषि विकास मन्त्रालय

तालिका ८.५ : कृषिजन्य वस्तुहरुको परिमाणत्मक सूचकाङ्क

(आधार वर्ष २०५७/५८= १००)

| कृषिजन्य वस्तुहरु | भार | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | |
|---------------------------------------|-------|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| | | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| १ खाद्यान्न तथा अन्य बालीहरु | ४९.४१ | १११.०८ | १०८.१३ | ११६.१० | ११८.०५ | ११७.०० | १२५.७३ | १३३.६८ | १२८.०६ | १३३.२९ | १३३.६६ |
| क) धान | २०.७५ | ९९.८३ | ८७.३० | १०१.९६ | १०७.२९ | ९५.४३ | १०५.७८ | १२०.३० | १०४.९२ | ११७.५६ | १११.५४ |
| ख) मकै | ६.८८ | ११६.८७ | १२२.६३ | १२६.५८ | १३०.०९ | १२५.०० | १४४.७० | १४६.८४ | १३९.८९ | १५३.६६ | १४४.४४ |
| ग) गहुँ | ७.१४ | १२०.४० | १३०.८६ | १३५.७७ | ११६.०६ | १३४.४३ | १२७.५५ | १३४.०३ | १३६.६५ | १३६.७२ | १५०.३९ |
| घ) कोदो | १.३७ | १०२.८६ | १००.६९ | १०२.९२ | १०३.४८ | १०५.८९ | ११०.२७ | ११४.७८ | १११.३३ | ११०.७९ | ११२.३८ |
| ङ) जौ | ०.२२ | ९१.१४ | ९२.८० | ९२.११ | ७६.१७ | ९०.४८ | ९४.७९ | ८०.५६ | ७८.१४ | ७३.६१ | ८०.९७ |
| च) आलू | ४.६७ | १५०.३२ | १४७.९२ | १५६.४१ | १८४.५२ | १९१.६५ | १९०.९१ | १९३.०९ | २०२.५१ | २०३.०९ | २२३.४० |
| छ) उँसु | १.२४ | १११.३४ | ११७.५४ | ११२.३७ | १०६.४५ | ११७.२१ | १२२.९० | १३२.४७ | १३२.४७ | १३६.५४ | १२६.३० |
| ज) नुट | ०.१७ | १०४.३२ | ९३.७४ | १०३.६४ | ९५.७४ | १२७.९० | ८७.९६ | ८७.९९ | ९४.५६ | ९६.०८ | ९७.६३ |
| झ) सुर्ती | ०.०६ | ६८.४१ | ६६.६५ | ६५.७९ | ६२.८५ | ६२.७० | ३१.१६ | ३६.१७ | ५५.३७ | ५०.१३ | |
| ञ) भटमास | ०.१९ | १११.८४ | ११९.९८ | ११७.९७ | १२०.७८ | ११६.७५ | १२२.१० | ११६.८२ | ११७.२६ | ११७.९७ | १२५.२१ |
| ट) दलहन | ४.४२ | १०९.३४ | ११२.१८ | ११०.२९ | १०४.४२ | १०९.४८ | १२८.४७ | १२९.११ | १४२.८५ | ११९.७२ | १२३.३४ |
| ठ) अन्य | २.२९ | ९८.६८ | ९५.९७ | ९३.५९ | ९३.८३ | १०२.०९ | १०४.३४ | १०३.७० | ९३.०५ | ९९.५५ | १०१.९८ |
| २ तरकारी, वागवानी र नर्सरी आदि | ९.७१ | १३२.४७ | १४०.८९ | १५३.६६ | १६४.८९ | १७६.९२ | १९०.६७ | १९३.१५ | १७७.०४ | २०७.३४ | २१८.१८ |
| क) तरकारी | ९.७० | १३२.४७ | १४०.८७ | १५३.६५ | १६४.८७ | १७६.९२ | १९०.७८ | १९३.२६ | १९६.५७ | २०६.७९ | २१७.५४ |
| ख) अन्य | ०.०१ | १३७.१३ | १६७.०८ | १६७.७२ | १७९.२६ | १७९.७१ | १८७.९३ | १८८.१८ | ५१५.०१ | ५७४.९५ | ६४४.६५ |
| ३ फलफूल आदि | ७.१० | १२८.०२ | १३५.६८ | १४२.२२ | १५५.६० | १६१.१४ | १८७.२३ | २०७.७२ | २०९.४० | २११.५१ | २२५.७३ |
| क) सुन्तला | ०.९७ | १२७.२० | १४६.१० | १५७.६३ | १६७.१६ | १७७.२८ | २२९.२८ | २१६.०७ | २१६.१६ | २१५.०८ | १९८.९४ |
| ख) अँप | १.५६ | १०७.७२ | ११३.५१ | ११०.७९ | ११७.४९ | ११७.४९ | ११७.४९ | २१५.५५ | २२३.४९ | २०५.३ | २३५.५१ |
| ग) केरा | ०.४० | १०२.९२ | १०८.६६ | ११७.४५ | १२४.५६ | १३२.०९ | २२८.४१ | ३२३.९६ | ३७२.०४ | ३८३.७९ | ३९१.४६ |
| घ) स्याउ | ०.४२ | १०७.३६ | १०८.६२ | ११७.१९ | १२४.२८ | १३१.८० | १३४.२७ | १४४.४७ | १३४.६२ | १४७.५१ | १६१.६३ |
| ङ) अमिलो जातका फलफूल | १.७९ | १८६.११ | १९३.३५ | २००.५६ | २१२.६९ | २२५.५६ | २५९.२७ | २७१.९२ | २७७.२८ | २५८.८९ | २७२.४९ |
| च) चिया | ०.०५ | २०८.९० | २२५.९७ | २४३.४५ | २६७.२५ | २९३.३८ | २६२.७० | २८२.१० | ३१०.१५ | ३१६.३६ | ३२२.७० |
| छ) कफी | ०.०० | ३३७.०८ | ४०२.२५ | ५६१.८० | ६२९.२१ | ७०४.७२ | ४५१.१२ | ४७७.५३ | ४११.२४ | ४२१.३५ | ४३१.७१ |
| ज) अन्य | १.८५ | १०७.२६ | ११२.३६ | १२१.२२ | १३६.६४ | १४२.२८ | २०८.७९ | २०६.५७ | १४६.९५ | १५२.४ | १६०.८२ |
| ४ पशुजन्य उत्पादन | २३.२५ | ११३.९७ | ११७.५३ | १२०.४२ | १२२.२७ | १२४.०३ | १२७.१३ | १२९.३८ | १२२.१५ | १२२.६१ | १३५.६८ |
| क) रांगा तथा भैसी | ४.४२ | ११३.७७ | ११७.७७ | १२१.११ | १२५.४५ | १२९.९३ | १३४.४६ | १३७.८६ | १४०.२८ | १३८.६७ | १४१.४४ |
| ख) खसी तथा बोक | ३.२४ | ११२.३१ | ११७.५९ | १२१.६२ | १२६.३२ | १२९.७१ | १३६.६९ | १३८.२८ | १४४.४१ | १५६.३५ | १६३.३८ |
| ग) दुध | १२.३६ | ११६.५८ | ११९.९६ | १२३.१८ | १२८.१७ | १३२.६३ | १३७.९६ | १४०.५४ | १४६.०४ | १४७.३१ | १५०.०७ |
| घ) अन्य | ३.२३ | १०५.७४ | १०७.६६ | १०७.५५ | ९१.११ | ७७.१९ | ११३.८३ | ११३.८३ | ५५.८२ | ४८. | ४९.१९ |
| ५ अन्य पशुजन्य उत्पादन | २.४३ | ११६.२१ | ८२.३७ | १२२.९० | १२७.९३ | ११९.६४ | १६८.५५ | १८०.७० | २००.०० | १९३.९९ | १९५.२१ |
| क) सुँगुर तथा बंगुर | ०.५० | १०३.५० | १०५.२४ | १०७.९७ | १११.५० | १११.९९ | ११७.६१ | ११९.९४ | १२२.७७ | १३०.३२ | १३८.३४ |
| ख) कुखुराको मासु | ०.६७ | ११६.९० | ९३.५२ | १२५.०८ | १२४.६७ | १२३.६७ | २५०.९३ | २८४.६६ | ३१७.६३ | ३०२.०६ | २९४.५३ |
| ग) फुल | ०.८१ | ११८.४३ | ९४.७४ | १२४.४३ | १२४.१७ | १२६.७८ | १३८.७९ | १४६.०३ | १७४.६५ | १६६.९९ | १७१.९२ |
| घ) हाड र छाला | ०.३५ | १२४.५० | १४४.०१ | १५१.५७ | १८३.४८ | १२०.४० | १८३.४८ | १८४.११ | १८८.४६ | १७४.०७ | १७४.०७ |
| ङ) अन्य | ०.११ | ८९.३१ | ८९.४८ | ९०.५९ | ९५.१४ | ९४.४९ | ८७.४६ | ८६.५० | ८४.०१ | ८४.२३ | ८४.२३ |
| ६ बनजन्य उत्पादन | ८.१० | १०२.४७ | १०४.४२ | १०२.९६ | १०२.६९ | १०२.४२ | ७४.७७ | ७६.७३ | ८३.६८ | १०७.८७ | १०८.३२ |
| जम्मा सुचकाङ्क | १०० | ११४.६४ | ११५.७२ | १२२.०१ | १२५.०६ | १२७.७३ | १३३.४६ | १४०.०५ | १४१.०७ | १४५.२९ | १४८.३१ |

नोट: आर्थिक वर्ष २०५७/५८ देखि सूचकांकमा परिमार्जन / संशोधन गरिएको । * प्रारम्भिक अनुमान

स्रोत: केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग ।

तालिका ८.६ : रासायनिक मलको बिक्री वितरण र प्रयोगदर

(मेट्रिक टनमा)

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | प्रयोगदर क.जी. / हेक्टर | | | |
|--------------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|-------------------------|--------------|--------------|--------------|
| | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ |
| १. रासायनिक मल | | | | | | | | |
| क. युरिया (मेट्रिक टन) | ९९१९६.०० | १०८५५३.०० | १४५६२२.०० | ११८०९३.०० | २७.५६ | ३१.६९ | ३५.११ | ४७.११ |
| ख. डि.ए.पी. (मेट्रिक टन) | ४३७२४.०० | ६५७२२.०० | ८१५२०.०० | ५८१०५.०० | ७.१२ | १३.९५ | २१.२६ | २६.३७ |
| ग. पोटस (मेट्रिक टन) | २७३३.०० | २६८८.०० | ५०४६.०० | ३९२४.०० | ०.८१ | १.२० | ०.८६ | १.६३ |
| जम्मा | १४५६५३.०० | १७६९६३.०० | २३२१८८.०० | १८८१२२.०० | ३५.५९ | ४६.८४ | ५७.२५ | ७५.११ |

* प्रथम आठ महिनाको अनुमानित

तालिका ८.७ : थप सिंचाई विस्तार

(हेक्टरमा)

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | प्रथम आठ महिना | |
|---------------------------|-------------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------------|----------|
| | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| १. भौगोलिक क्षेत्र | १८४०२.०० | २६९६८.०० | १६६१३.०० | २५८५०.०० | ३०७१८.०० | ३५७४८.०० | ४७७९५.०० | ३२१८०.०० | १९३१०.०० | ७९४८.०० |
| क. पहाड | १६२०.०० | २८७८.०० | १४०९९.०० | २९६१.०० | ५३०४.०० | ६९९१.०० | १६४०३.०० | १२११२.०० | | ०.०० |
| ख. तराई | १६७८२.०० | २३९३१.५० | २५१४.०० | २२८८९.०० | २५४१४.०० | २८७५७.०० | ३१३९२.०० | २००६८.०० | | ७९४८.०० |
| ग. नलुट्याइएको | | १५८.०० | - | - | - | | | | | |
| २. किसिम | १८४०२.०० | २६९६८.०० | १४०९९.०० | २५८५०.०० | ३०७१८.०० | ३५७४८.०० | ४७७९५.०० | ३२१८०.०० | १९३१०.०० | ७९४८.०० |
| क. नहर | ७७६४.०० | ५४६०.०० | ५३९०.०० | ६७३४.०० | ११३८४.०० | १०५२३.०० | २५२३५.०० | १५०००.०० | ४१७५.०० | ०.०० |
| ख. भूमिगत | १०६३८.०० | २१०२४.०० | ८६२५.०० | १८८१५.०० | १९३३४.०० | २५२२५.०० | २२५६०.०० | १७१८०.०० | १५१३५.०० | ७९४८.०० |
| ग. नलुट्याइएको | | ४८३.५० | ८४.०० | ३०१.०० | | | | | | |

* अनुमानित

स्रोत: सिंचाई विभाग

तालिका ८.८ : रासायनिक मलको मूल्य

(रु. प्रति मे.टनमा)

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | |
|---------------|-------------|------------|------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | २०६२/११/३० | २०६३/११/३० | २०६४/११/३० | २०६५/११/३०* | २०६६/११/३०* | २०६७/१२/३०* | २०६८/१२/३०* | २०६९/१२/३०* | २०७०/१२/३०* | २०७१/१२/३०* |
| रासायनिक मल | | | | | | | | | | |
| क) सल्फेट | | | | | | | | | | |
| ख) युरिया | १६०००.०० | १४२००.०० | २४०००.०० | २४०००.०० | १२५००.०० | १८०००.०० | १८०००.०० | १८०००.०० | १८०००.०० | १८०००.०० |
| ग) कम्प्लेक्स | | १९२२०.०० | १९२२०.०० | १९२२०.०० | २०५६०.०० | | | | | |
| घ) कम्पाउण्ड | | | | | | | | | | |
| ड) डि.ए.पि. | २४०००.०० | २५०००.०० | २५०००.०० | २५०००.०० | २७२६०.०० | ३२०००.०० | ३२०००.०० | ४५०००.०० | ४५०००.०० | ४५०००.०० |
| च) पोटास | १३६००.०० | | | | १४५००.०० | २००००.०० | २००००.०० | ३१०००.०० | ३१०००.०० | ३१०००.०० |
| छ) टी.एस.पि. | | | | | | | | | | |

* आयात विन्दुको लागि तोकिएको मूल्य

स्रोत: कृषि सामग्री कम्पनी लिमिटेड

तालिका ९.१ : दर्ता भएका घरेलु तथा साना उद्योगको संख्या र स्थिर पूँजी लगानी

| आर्थिक वर्ष | उद्योगको किसिम र संख्या | | | | स्थिर पूँजी लगानी भएको रकम रु. करोडमा | | | |
|-------------|-------------------------|------------------|----------|-------|---------------------------------------|------------------|----------|---------|
| | प्राइभेट फर्म | प्राइभेट लिमिटेड | साझेदारी | जम्मा | प्राइभेट फर्म | प्राइभेट लिमिटेड | साझेदारी | जम्मा |
| २०६१/६२ | ६९७२ | ५५९ | ४९९ | ८०३० | ८७९.०३ | १५३.२८ | ६८.४२ | ११००.७३ |
| २०६२/६३ | ७३२२ | ५३६ | ३७२ | ८२३० | ५७०.७५ | ६९.८६ | २९.३९ | ६७०.०० |
| २०६३/६४ | ७५८७ | ७३१ | ३८५ | ८७०३ | ६७२.०३ | ७६५.२० | ३४.०५ | १४७१.२८ |
| २०६४/६५ | ८२३१ | ८४७ | ३१६ | ९३९४ | ६८१.०० | ८२.०० | ६०.०० | ८२३.०० |
| २०६५/६६ | १६२३८ | ९४३ | ५४१ | १७७२२ | ११३४.०० | २२९.०० | १६९.०० | १५३२.०० |
| २०६६/६७ | ११२५० | १११६ | ६५४ | १३०२० | ९८३.४५ | ३०७.६० | २४१.८३ | १५३२.८८ |
| २०६७/६८ | १२३५९ | १११४ | ११४५ | १४६१८ | १११५.०० | २२०.०० | १४०.०० | १४७५.०० |
| २०६८/६९ | १५८३१ | १२२५ | ९५२ | १८००८ | - | - | - | १७२७.४० |
| २०६९/७० | १७११६ | ११७९ | १०७८ | १९३८३ | ९११.०० | ५१४.०० | २८९.०० | १७१४.०० |
| २०७०/७१ | १९२२६ | १४९६ | १४३२ | २२१५४ | - | - | - | २११६.९७ |
| २०७१/७२* | ११३६२ | ७३२ | ७८४ | १२८७८ | - | - | - | १४६९.८२ |

स्रोत: घरेलु तथा साना उद्योग विभाग तथा समिति

नोट: घरेलु तथा साना उद्योग विभागबाट स्थीर पूँजी लगानीको प्राइभेट फर्म, प्राइभेट लि. र साझेदारीको छुट्टाछुट्टै विवरण प्राप्त नभएको ।

* प्रथम आठ महिना सम्मको

तालिका ९.२ (क) : औद्योगिक क्षेत्रहरूको वर्तमान स्थिति

(आ.व.२०७०/७१ आषाढ मसान्त सम्म)

| सि.नं. | औद्योगिक क्षेत्रको नाम (औ.क्षे.) | स्थापना मिति | औ.क्षे.को कुल क्षेत्रफल (रोपनीमा) | विकास गरी तयार गरेको जमीन (रोपनीमा) | उद्योगहरूलाई भाडामा दिएको जमीन (रोपनीमा) | औ.क्षे.तर्फ भएको लगानी (करोडमा) | निजी उद्योगको तर्फबाट भएको लगानी (करोडमा) | स्थीर पूँजीमा भएको लगानी (करोडमा) | संचालनमा आएका उद्योगहरूको संख्या | बन्द उद्योगहरूको संख्या | निर्माणाधीन उद्योगहरूको संख्या |
|--------|---|-----------------|---|---|--|---------------------------------------|---|---|--|-------------------------------|--------------------------------------|
| १ | केन्द्रीय कार्यालय | | | | | | | | | | |
| २ | बालाजु औद्योगिक क्षेत्र काठमाडौं, बाग्मती अं. | २०१६ | ६७० | ६७० | ५४१ | ६.७८ | ३३७.०० | ६.३७ | १०२ | ८ | २१ |
| ३ | हेटौडा औद्योगिक क्षेत्र मकवानपुर, नारायणी अं. | २०२० | २८२९ | २३६७ | १९२५ | ६.०० | ४९९.०० | ६.३५ | ७३ | ८ | ११ |
| | पाटन औद्योगिक क्षेत्र ललितपुर, बाग्मती अं. | २०२० | २९३ | २९३ | २१७ | ४.१५ | १७१.०० | ४.२२ | १०१ | ८ | ६ |
| ५ | नेपालगन्ज औद्योगिक क्षेत्र नेपालगन्ज, भेरी अं. | २०३० | २३३ | २३३ | १८५ | ०.९८ | ११२.०० | ११२.०० | २८ | १ | ५ |
| ६ | धरान औद्योगिक क्षेत्र धरान, कोशी अं. | २०२९ | २०२ | २०२ | १४२ | ०.७७ | ३०.०० | २८.१० | २६ | ० | ७ |
| ७ | पोखरा औद्योगिक क्षेत्र पोखरा, गण्डकी अं. | २०३१ | ५०१ | ५०१ | ३९७ | २.४१ | १८८.०० | ३.११ | ६५ | ५ | ३ |
| ८ | बुटवल औद्योगिक क्षेत्र बुटवल, लुम्बिनी अं. | २०३२ | ४३४ | ४०७ | ३७६ | २.३९ | २७०.०० | २.२४ | ६३ | ७ | २ |
| ९ | भक्तपुर औद्योगिक क्षेत्र भक्तपुर, बाग्मती अं. | २०३५ | ७१ | ७१ | ५८ | १.४१ | ५९.०० | ०.०१ | २८ | ८ | ० |
| १० | बीरेन्द्रनगर औद्योगिक क्षेत्र सुर्खेत, भेरी अं. | २०३८ | ९० | ९० | ६६ | १.५७ | १.५० | १.२३ | १९ | २ | १ |
| ११ | धनकुटा औद्योगिक क्षेत्र धनकुटा, कोशी अं. | २०४१ | ६३ | | | ०.५६ | | ०.११ | | | |
| १२ | गजेन्द्रनारायण सिंह औद्योगिक क्षेत्र राजबिराज, सगरमाथा अं. | २०४४ | २९४ | १७१ | २३ | ४.८७ | ३.७५ | १.५० | ४ | १ | २ |
| | जम्मा | | ५६८० | ५००५ | ३९३० | ३१.८९ | १६७१.२५ | १६५.२४ | ५०९ | ४८ | ५८ |

स्रोत: औद्योगिक क्षेत्र व्यवस्थापन लिमिटेड

तालिका ९.२ (क१) औद्योगिक क्षेत्रहरूको वर्तमान स्थिति

(आ.व.२०७०/७१ आषाढ मसान्त सम्म)

| सि.नं. | औद्योगिक क्षेत्रको नाम (औ.क्षे.) | औ.क्षे.को कार्यालय तर्फको रोजगारी | उद्योगहरूले प्रदान गरेको रोजगारी | जम्मा रोजगारी पाउने संख्या | उद्योगहरूको आफ्नै टहराको संख्या | औद्योगिक क्षेत्रको तर्फबाट निर्माण भएको कारखाना भवन | उद्योगहरूलाई भाडामा दिएको टहराहरू |
|--------|---|---|--|----------------------------------|---------------------------------------|---|---|
| १ | केन्द्रीय कार्यालय | ३९ | | ३८ | | | |
| २ | बालाजु औद्योगिक क्षेत्र काठमाडौं, बाग्मती अं. | ३६ | ३५०० | ३५३१ | ७५ | ४६ | ४६ |
| ३ | हेटौडा औद्योगिक क्षेत्र मकवानपुर, नारायणी अं. | ३७ | ४८०० | ४८३६ | ३७८ | १३ | १३ |
| ४ | पाटन औद्योगिक क्षेत्र ललितपुर, बाग्मती अं. | १५ | ७७५ | १५४१ | ५६ | ६१ | ६१ |
| ५ | नेपालगन्ज औद्योगिक क्षेत्र नेपालगन्ज, भेरी अं. | १३ | ७७५ | ७८० | ५० | २२ | २२ |
| ६ | धरान औद्योगिक क्षेत्र धरान, कोशी अं. | १४ | ५०० | ५१३ | ३८ | १६ | १५ |
| ७ | पोखरा औद्योगिक क्षेत्र पोखरा, गण्डकी अं. | १२ | १६५० | १६६५ | १४८ | १४ | १४ |
| ८ | बुटवल औद्योगिक क्षेत्र बुटवल, लुम्बिनी अं. | १५ | १४४६ | १४६३ | ९० | ११ | ११ |
| ९ | भक्तपुर औद्योगिक क्षेत्र भक्तपुर, बाग्मती अं. | ११ | ७९७ | ८१० | ८६ | ११ | ११ |
| १० | बीरेन्द्रनगर औद्योगिक क्षेत्र सुर्खेत, भेरी अं. | ४ | २१६ | २२५ | ३४ | ५ | ५ |
| ११ | धनकुटा औद्योगिक क्षेत्र धनकुटा, कोशी अं. | १ | | १ | | | |
| १२ | गजेन्द्रनारायण सिंह औद्योगिक राजबिराज, सगरमाथा अं. | १० | ४० | ५० | | १० | ८ |
| | जम्मा | २०७ | १४४९९ | १५४५३ | ९५५ | २०९ | २०६ |

स्रोत: औद्योगिक क्षेत्र व्यवस्थापन लिमिटेड

तालिका ९.२ (ख) : औद्योगिक क्षेत्रको वर्तमान स्थिति

(आ.व.२०७०/७१ फागुन मसान्तसम्म)

| सि.नं. | औद्योगिक क्षेत्रको नाम (औ.क्षे.) | स्थापना मिति | औ.क्षे.को कुल क्षेत्रफल (रोपनीमा) | विकास गरी तयार गरेको जमीन (रोपनीमा) | उद्योगहरूलाई भाडामा दिएको जमीन (रोपनीमा) | औ.क्षे.तर्फबाट भएको लगानी (करोडमा) | निजी उद्योगको तर्फबाट भएको लगानी (करोडमा) | स्थीर पूँजीमा भएको लगानी (करोडमा) | संचालनमा आएका उद्योगहरूको संख्या | बन्द उद्योगहरूको संख्या | निर्माणधिन उद्योगहरूको संख्या |
|--------|---|-----------------|---|---|--|--|---|---|--|-------------------------------|-------------------------------------|
| १ | केन्द्रीय कार्यालय | | | | | | | १.२६ | | | |
| २ | बालाजु औद्योगिक क्षेत्र काठमाडौं, बाग्मती अं. | २०१६ | ६७०.०० | ६७०.०० | ५४२.०२ | ७.५२ | ३३७.०० | ६.८३ | ११३.०० | १०.०० | ९.०० |
| ३ | हेटौडा औद्योगिक क्षेत्र मकवानपुर, नारायणी अं. | २०२० | २८२९.०० | २३६९.६८ | १९२२.०३ | ६.४४ | ४९९.०० | ६.६५ | ७६.०० | १०.०० | २४.०० |
| | पाटन औद्योगिक क्षेत्र ललितपुर, बाग्मती अं. | २०२० | २९३.०० | २९३.०० | २१७.०० | ४.२२ | १९६.०० | ४.४७ | १०४.०० | ७.०० | ६.०० |
| ५ | नेपालगन्ज औद्योगिक क्षेत्र नेपालगन्ज, भेरी अं. | २०३० | २३३.०० | २३३.०० | १८५.०० | २.१५ | १२०.०० | २.२८ | ३१.०० | १.०० | ४.०० |
| ६ | धरान औद्योगिक क्षेत्र धरान, कोशी अं. | २०२९ | २०२.०० | २०२.०० | १४०.७८ | १.५६ | ३०.०० | १.५७ | २६.०० | २.०० | ६.०० |
| ७ | पोखरा औद्योगिक क्षेत्र पोखरा, गण्डकी अं. | २०३१ | ५०१.०० | ५०१.०० | ३९७.०० | ३.१४ | १८८.०० | ३.३० | ६४.०० | १२.०० | ६.०० |
| ८ | बुटवल औद्योगिक क्षेत्र बुटवल, लुम्बिनी अं. | २०३२ | ४३४.०० | ४३४.०० | ३७६.०० | २.२८ | २७०.०० | २.२२ | ६२.०० | ८.०० | ३.०० |
| ९ | भक्तपुर औद्योगिक क्षेत्र भक्तपुर, बाग्मती अं. | २०३६ | ७१.०० | ७१.०० | ५८.०० | २.३२ | ५५.०० | २.४२ | २९.०० | ८.०० | १.०० |
| १० | बीरेन्द्रनगर औद्योगिक क्षेत्र सुर्खेत, भेरी अं. | २०३८ | ९०.०० | ९०.०० | ६६।९५ | ०.९९ | २.२४ | १.०१ | २२.०० | २.०० | ५.०० |
| ११ | धनकुटा औद्योगिक क्षेत्र धनकुटा, कोशी अं. | २०४१ | ६३.०० | | | ०.१२ | | ०.१२ | | | |
| १२ | गजेन्द्रनारायण सिंह औद्योगिक क्षेत्र क्षेत्र राजबिराज, सगरमाथा अं. | २०४४ | २९४.०० | ११०.०० | २३.०० | ३.८२ | ३.७५ | ३.८४ | ४.०० | ३.०० | १.०० |
| | जम्मा: | | ५६८०.०० | ४९७३.६८ | ३९२७.७८ | ३४.५६ | १७००.९९ | ३५.९७ | ५३१.०० | ६३.०० | ६५.०० |

स्रोत: औद्योगिक क्षेत्र व्यवस्थापन लिमिटेड

तालिका ९.२ (ख१) : औद्योगिक क्षेत्रको वर्तमान स्थिति

(आ.व.२०७०/७१ फागुन मसान्तसम्म)

| सि.नं. | औद्योगिक क्षेत्रको नाम (औ.क्ष.) | औ.क्ष.को कार्यालय तर्फामको रोजगारी | उद्योगहरूले प्रदान गरेको रोजगारी | जम्मा रोजगारी पाउने संख्या | उद्योगहरूको आफ्नै टहराको संख्या | औद्योगिक क्षेत्रको तर्फबाट निर्माण भएको कारखाना भवन | उद्योगहरूलाई भाडामा दिएको टहराहरू |
|--------|---|--|--|----------------------------------|---------------------------------------|---|---|
| १ | केन्द्रीय कार्यालय | ३८ | | ३८ | | | |
| २ | बालाजु औद्योगिक क्षेत्र काठमाडौं, बाग्मती अं. | ३१ | ३६०० | ३६४१ | ७३ | ४६ | ४६ |
| ३ | हेटौंडा औद्योगिक क्षेत्र मकवानपुर, नारायणी अं. | ३६ | ३८०० | ३८३६ | ३७८ | १७ | १७ |
| ४ | पाटन औद्योगिक क्षेत्र ललितपुर, बाग्मती अं. | १८ | १८०० | १८१८ | १५४ | ६२ | ६२ |
| ५ | नेपालगन्ज औद्योगिक क्षेत्र नेपालगन्ज, भेरी अं. | १५ | ७७१ | ७८६ | ३१ | २३ | २३ |
| ६ | धरान औद्योगिक क्षेत्र धरान, कोशी अं. | १३ | ८०० | ८१३ | ३८ | १७ | १७ |
| ७ | पोखरा औद्योगिक क्षेत्र पोखरा, गण्डकी अं. | १५ | १७०० | १७१५ | १४८ | १४ | १४ |
| ८ | बुटवल औद्योगिक क्षेत्र बुटवल, लुम्बिनी अं. | १७ | १५०० | १५१७ | ८७ | ८ | ८ |
| ९ | भक्तपुर औद्योगिक क्षेत्र भक्तपुर, बाग्मती अं. | १३ | ८०० | ८१३ | ४४ | ११ | ११ |
| १० | बीरेन्द्रनगर औद्योगिक क्षेत्र सुर्खेत, भेरी अं. | ९ | १९३ | २०२ | | ५ | ५ |
| ११ | धनकुटा औद्योगिक क्षेत्र धनकुटा, कोशी अं. | १ | १ | २ | | | |
| १२ | गजेन्द्रनारायण सिंह औद्योगिक क्षेत्र राजबिराज, सगरमाथा अं. | १० | ३५ | ४५ | | १० | ८ |
| | जम्मा: | २१६ | १५००० | १५२१६ | ९५३ | २१३ | २११ |

स्रोत: औद्योगिक क्षेत्र व्यवस्थापन लिमिटेड

तालिका ९.३ : पर्यटक संख्या वृद्धिदर तथा बसाई अवधि

| वर्ष | | पर्यटक संख्या | हवाई मार्गबाट पर्यटकको आगमन | स्थलमार्गबाट पर्यटकको आगमन (संख्यामा) | प्रति पर्यटकको सरदर बसाई अवधि (दिनमा) | पर्यटक संख्याको वार्षिक बृद्धिदर (प्रतिशतमा) |
|------|------|---------------|-----------------------------|---------------------------------------|---------------------------------------|--|
| २०६१ | पुस | ३८५२९७ | २९७३३५ | ८७९६२ | १३.५१ | १३.९० |
| २०६२ | पुस | ३७५३९८ | २७७३४६ | ९८०५२ | ९.१० | -२.६० |
| २०६३ | पुस | ३८३९२६ | २८३८१९ | १००१०७ | १०.२० | २.३० |
| २०६४ | पुस | ५२६७०५ | ३६०७१३ | १६५९९२ | ११.९६ | ३७.२० |
| २०६५ | पुस | ५००२७७ | ३७४६६१ | १२५६१६ | ११.७८ | -५.०० |
| २०६६ | पुस | ५०९७५२ | ३७९६२२ | १३०१३० | ११.६० | १.९० |
| २०६७ | पुस | ६०२८६७ | ४४८८०० | १५६०६७ | १२.६७ | १८.२१ |
| २०६८ | पुस | ७३६२१५ | ५४५२२१ | १९०९९४ | १३.१२ | २२.१० |
| २०६९ | पुस | ८०३०९२ | ५९८२५८ | २०४८३४ | १२.८७ | ९.०८ |
| २०७० | पुस | ७९७६१६ | ५९४८४८ | २०२७६८ | १२.५१ | -०.७० |
| २०७१ | पुस* | ७९०११८ | ५८५९८१ | २०४१३७ | १२.४४ | -०.९४ |

* अनुमानित

नोट: स्थलमार्गबाट आएका (कोदारी नाका बाहेक) भारतीय पर्यटकहरूको आगमन संख्या यसमा समावेश छैन ।

स्रोत: संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय ।

तालिका ९.४ : भ्रमणको उद्देश्यअनुसार पर्यटक आगमन संख्या

| भ्रमणको उद्देश्य वर्ष | मनोरन्जन | पदयात्रा र पर्वतारोहण | व्यापार | औपचारिक | तीर्थयात्री | सभा / सेमिनार | व्याफिटिंग | अध्ययन/ रोजगार | अन्य | नखलेको | जम्मा |
|-----------------------|----------|-----------------------|---------|---------|-------------|---------------|------------|----------------|----------|---------|----------|
| २०६१ पुस | १६७२६२.० | ६९४४२.० | १३९४८.० | १७०८८.० | ४५६६४.० | - | | | ७१८९३.० | | ३८५२९७.० |
| | (४३.४) | (१८.०) | (३.६) | (४.४) | (११.९) | - | | | (१८.७) | | १००.० |
| २०६२ पुस | १६०२५९.० | ६१४८८.० | २१९९२.० | १६८५९.० | ४७६२१.० | - | | | ६७१७९.० | | ३७५३९८.० |
| | (४२.७) | (१६.४) | (५.९) | (४.५) | (१२.७) | - | | | (१७.९) | | १००.० |
| २०६३ पुस | १४५८०२.० | ६६९३१.० | २१०६६.० | १८०६३.० | ५९२९८.० | - | | | ७२७६६.० | | ३८३९२६.० |
| | (३८.०) | (१७.४) | (५.५) | (४.७) | (१५.४) | - | | | (१९.०) | | १००.० |
| २०६४ पुस | २१७८१५.० | १०९३२०.० | २४४८७.० | २१६७०.० | ५२५९४.० | ८०१९.० | ६५.० | | ७८५७९.० | २२१५६.० | ५२६७०५.० |
| | (४९.४) | (१९.२) | (४.६) | (४.९) | (१०.०) | (१.५) | (०.०) | | (१४.९) | (४.२) | १००.० |
| २०६५ पुस | १४८१८०.० | १०४८२२.० | २३०३९.० | ४३०४४.० | ४५०९१.० | ६९३८.० | २४३.० | | ९९३९१.० | २९५२९.० | ५००२७७.० |
| | (२९.६) | (२९.०) | (४.६) | (८.६) | (९.०) | (१.४) | (०.०) | | (१९.९) | (५.९) | १००.० |
| २०६६ पुस | १४०९९२१ | १३२९२९.० | २२७५८.० | २४५१८.० | ५९५४२.० | ९९८५.० | २८५.० | | १८६८४९.० | ४००९८.० | ५०९९५६.० |
| | (२७.६) | (२६.१) | (४.५) | (४.८) | (१०.१) | (२.०) | (०.१) | | (३६.६) | (७.९) | १००.० |
| २०६७ पुस | २६३९३८१ | ७०२१८.० | २१३७७.० | २६३७४.० | १०९३३५.० | ९६२७.० | ७३०.० | ५९०१.० | ४६५१६.० | ५७६५१.० | ६०२८६७.० |
| | (४३.८) | (११.६) | (३.५) | (४.४) | (१६.८) | (१.६) | (०.१) | (०.८) | (७.७) | (९.६) | १००.० |
| २०६८ पुस | ४२५७२११ | ८६२६०.० | १७८५९.० | २४०५४.० | ६३७८३.० | १०८३६.० | २१८१.० | ५२३५.० | २९८९५.० | ७०३९१.० | ७३२६१५.० |
| | (५७.८) | (११.७) | (२.४) | (३.३) | (८.७) | (१.५) | (०.३) | (०.७) | (४.१) | (९.६) | १००.० |
| २०६९ पुस | ३७९६२७१ | १०५०१५.० | २४७८५.० | ३०४६०.० | १०९८५४.० | १३६६.० | १७५०.० | १८९७५.० | २७८१५.० | ९९१६५.० | ८०३०९२.० |
| | (४७.३) | (१३.१) | (३.१) | (३.८) | (१३.७) | (१.७) | (०.२) | (२.४) | (३.५) | (११.४) | १००.० |
| २०७० पुस | ४९०९३४.० | १०२००१.० | २८१८३.० | ३७३८६.० | ७९६१०.० | १५५५२.० | १३९६.० | १०३६९.० | ५४३२६.० | ६५८५८.० | ७९७६१६.० |
| | (५९.५) | (१२.८) | (३.५) | (४.७) | (९.०) | (२.०) | (०.२) | (१.३) | (६.८) | (८.३) | १००.० |
| २०७१ पुस | ३९५८४९.० | ९७१८५.० | २४४९४.० | ३२३९५.० | ९८७६५.० | १३४३२.० | १५८०.० | १०२७२.० | ४९८७६.० | ७४२७१.० | ७७०९१८.० |
| | (५०.१) | (१२.३) | (३.१) | (४.९) | (१२.५) | (१.७) | (०.२) | (१.३) | (५.२) | (९.४) | १००.० |

* अनुमानित

† यात्रा / भ्रमण समेत समावेश भएकाले गत वर्षको प्रतिवेदनसंग फरक परेको ।

नोट: कोष्ठ भित्रका संख्याले प्रतिशत भन्ने बुझाउँछ ।

स्रोत: संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय ।

तालिका ९.५ : प्रमुख मुलुकगत पर्यटक आगमन संख्या

| मुलुक | २०६० पौष | २०६१ पौष | २०६२ पौष | २०६३ पौष | २०६४ पौष | २०६५ पौष | २०६६ पौष | २०६७ पौष | २०६८ पौष | २०६९ पौष | २०७० पौष | २०७१ पौष |
|-------------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|
| अष्ट्रेलिया | ७९१६ (२.३) | ९६७१ (२.५) | ७०९३ (१.९) | ८२३१ (२.१) | १२३६९ (२.३) | १३८४६ (२.८) | १५४६१ (३.०) | १६२४३ (२.७) | १९९४९ (२.७) | २२०३० (२.७) | २०२४६९ (३.५) | २६४०६ (३.१) |
| अष्ट्रिया | ३०२५ (०.९) | ४३४१ (१.१) | ३००७ (०.८) | ३४७४ (०.९) | ४४७३ (०.८) | ३५४० (०.७) | ३२४५ (०.६) | ३३८९ (०.६) | ३८८५ (०.५) | ३७९७ (०.५) | ३१३१ (०.३) | ३३२० (०.४) |
| क्यानाडा | ४१५४ (१.२) | ४८२५ (१.३) | ४१६८ (१.१) | ४७३३ (१.२) | ७३९९ (१.४) | ८१३२ (१.६) | ८९६५ (१.८) | ९३२२ (१.५) | १०७०५ (१.५) | १३५०७ (१.७) | १२१३२ (१.७) | ११६१० (१.५) |
| चीन | ७५६२ (२.२) | १३३२६ (३.५) | २२३७७ (६.०) | १७५३८ (४.६) | २८६१८ (५.४) | ३५१६६ (७.०) | ३२२७२ (६.३) | ४६३६० (७.७) | ६१९१७ (८.४) | ७१८६१ (८.९) | ११३१७३ (११.४) | १२३८०५ (१५.७) |
| डेनमार्क | २१७८ (०.६) | २६३३ (०.७) | १७७० (०.५) | १९५६ (०.५) | ३१५७ (०.६) | ३८४७ (०.८) | ४४६४ (०.९) | ४३५९ (०.७) | ५९५५ (०.८) | ७११८ (०.९) | ५३२० (०.९) | ५१५० (०.७) |
| फ्रान्स | १५८६५ (४.७) | १८९३८ (४.९) | १४१०८ (३.८) | १४८३५ (३.९) | २०२५० (३.८) | २२४०२ (४.५) | २२१५४ (४.३) | २४५५० (४.१) | २६१३१ (३.५) | २८८०५ (३.६) | २१८४२ (३.५) | २४०९७ (३.०) |
| जर्मन | १४८६६ (४.४) | १६०२५ (४.२) | १४३४५ (३.८) | १४३६१ (३.७) | २१३२३ (४.०) | १८५५२ (३.७) | १९२४६ (३.८) | २२५८३ (३.७) | २६८६६ (३.६) | ३०४०९ (३.८) | २२२६३ (३.५) | १८०२८ (२.३) |
| भारत | ८६३६३ (२५.५) | ९०३२६ (२३.४) | ९५६८५ (२५.५) | ९३७२२ (२४.४) | ९६०१० (१८.२) | ९११७७ (१८.२) | ९३८८४ (१८.४) | १२०८९८ (२०.१) | १४७०३७ (२०.०) | १६५८१५ (२०.६) | १८०९७४ (२३.२) | १३५४३३ (१७.१) |
| इटाली | ८२४३ (२.४) | १२३७६ (३.२) | ८७८५ (२.३) | ७७३६ (२.०) | ११२४३ (२.१) | ७९१४ (१.६) | ७९८२ (१.६) | १०२२६ (१.७) | १२२५७ (१.७) | १४६१४ (१.८) | ९९७४ (१.२) | १०३४७ (१.३) |
| जापान | २७४१२ (८.१) | २४२३१ (६.३) | १८२३९ (४.९) | २२२४२ (५.८) | २७०५८ (५.१) | २३३८३ (४.७) | २२४४५ (४.४) | २३३३२ (३.९) | २५८५६ (३.५) | २८६४२ (३.६) | २६६९४ (३.३) | २५८२९ (३.३) |
| नेदरल्याड | ८४४३ (२.५) | १११६० (२.९) | ८९४७ (२.४) | ७२०७ (१.९) | १०५८९ (२.०) | १०९०० (२.२) | १११४७ (२.२) | १३४७१ (२.२) | १६३४३ (२.२) | १५४४५ (१.९) | १०५१६ (१.३) | १२३२० (१.६) |
| स्पेन | ८२६५ (२.४) | ११७६७ (३.१) | ८८९१ (२.४) | १०३७७ (२.७) | १५६७२ (३.०) | १३८५१ (२.८) | १३००६ (२.६) | १३७१२ (२.३) | १५५९३ (२.१) | १४५४९ (१.८) | १०४१२ (१.३) | १३११० (१.७) |
| स्वीजरल्याड | ३२४६ (१.०) | ३७८८ (१.०) | ३१६३ (०.८) | ३५५९ (०.९) | ५२३८ (१.०) | ५१८६ (१.०) | ५२८१ (१.०) | ५३२० (०.९) | ११७७२ (१.६) | ७०४६ (०.९) | ४९०३ (०.६) | ६४४७ (०.८) |
| श्रीलंका | १३९३० (४.१) | १६१२४ (४.२) | १८७७० (५.०) | २७४१३ (७.१) | ४९९४७ (९.५) | ३७८१७ (७.६) | ३६३६२ (७.१) | ४५५३१ (७.६) | ५९७८५ (८.१) | ६९४७६ (८.७) | ३२७३६ (४.१) | ३७५४६ (४.८) |
| अमेरिका | १८८३८ (५.६) | २०६८० (५.४) | १८५३९ (४.९) | १९८३३ (५.२) | २९७८३ (५.७) | ३००७६ (६.०) | ३२०४३ (६.३) | ३६४२५ (६.०) | ४१९७१ (५.७) | ४८९८५ (६.१) | ४७३५५ (५.९) | ४९८३० (६.३) |
| बेलायत | २२१०१ (६.५) | २४६६७ (६.४) | २५१५१ (६.७) | २२७०८ (५.९) | ३२३६७ (६.१) | ३३६५८ (६.७) | ३५३८२ (६.९) | ३५०९१ (५.८) | ३६९८१ (५.०) | ४१२९४ (५.१) | ३५६६८ (४.५) | ३६७५९ (४.७) |
| अन्य | ९३२८७ (२७.६) | ११३७४५ (२९.५) | १२४७३७ (३३.२) | १२०७३२ (३१.४) | १७६३१२ (३३.५) | १७१९८९ (३४.४) | १७२८४६ (३३.९) | २१४९५० (३५.७) | २७०६३९ (३६.८) | २१४६३८ (२६.७) | १२५२०३ (१५.७) | २१७२९६ (२७.५) |
| नखुलेका | ० (०.०) | ० (०.०) | ० (०.०) | ४००५ (१.०) | ३५१५ (०.७) | ४००७ (०.८) | ६०४३ (१.२) | ३४६५ (०.६) | ४४९० (०.६) | ५०६१ (०.६) | ६४२१८ (८.१) | ३४७६५ (४.४) |
| जम्मा | ३३८१३२ (१००.०) | ३८५२९७ (१००.०) | ३७५३९८ (१००.०) | ३८३९२६ (१००.०) | ५२६७०५ (१००.०) | ५००२७७ (१००.०) | ५०९९५६ (१००.०) | ६०२८६७ (१००.०) | ७३६२१५ (१००.०) | ८०३०९२ (१००.०) | ७९७६१६ (१००.०) | ७९०११८ (१००.०) |

* अनुमानित

नोट: कोष्ठ भित्रका संख्याले प्रतिशत भन्ने बुझाउँछ ।

स्रोत: संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय ।

तालिका ९.६ : पर्यटन क्षेत्रबाट आर्जित विदेशी मुद्रा

| आर्थिक वर्ष | पर्यटन क्षेत्रबाट आर्जन भएको विदेशी मुद्रा (रु. करोडमा) | कुल वस्तु निर्यातबाट | | कुल वस्तु एवं सेवा | | आर्जित कुल विदेशी मुद्राको अनुपातमा (प्रतिशत) | कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा (प्रतिशत) |
|-------------|---|--|--|---|--|---|---|
| | | प्राप्त विदेशी मुद्रा आर्जनको अनुपातमा (प्रतिशत) | | निर्यातबाट प्राप्त विदेशी मुद्रा आर्जनको अनुपातमा (प्रतिशत) | | | |
| २०६०/६१ | १८१४.७ | ३२.९ | | २०.३ | | ११.४ | ३.४ |
| २०६१/६२ | १०४६.४ | १७.५ | | १२.२ | | ६.१ | १.८ |
| २०६२/६३ | ९५५.६ | १५.५ | | १०.९ | | ४.६ | १.५ |
| २०६३/६४ | १०१२.५ | १६.१ | | १०.७ | | ४.५ | १.४ |
| २०६४/६५ | १८६५.३ | ३०.१ | | १७.९ | | ६.७ | २.३ |
| २०६५/६६ | २७९६.० | ४०.० | | २२.८ | | ६.५ | २.८ |
| २०६६/६७ | २८१३.९ | ४४.५ | | २४.६ | | ८.१ | २.४ |
| २०६७/६८ | २४६१.१ | ३५.८ | | २०.२ | | ९.० | १.८ |
| २०६८/६९ | ३०७०.४ | ३७.७ | | २०.० | | ४.७ | २.० |
| २०६९/७० | ३४२१.१ | ३९.८ | | १८.९ | | ४.७ | २.० |
| २०७०/७१ | ४६३७.५ | ४५.९ | | २०.५ | | ५.२ | २.४ |
| २०७१/७२* | ३४३१.३ | ५३.० | | २१.७ | | ५.७ | १.६ |

* प्रथम आठ महिना ।

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक

तालिका ९.७ : होटल र होटल शैया संख्या

| वर्ष | | तारिस्तरका | | तारिदेखि बाहेकका | | जम्मा | |
|------|-----|------------|-------------|------------------|-------------|-------------|-------------|
| | | होटल | शैया संख्या | होटल | शैया संख्या | होटल संख्या | शैया संख्या |
| २०६१ | पौष | ११० | १०७१५ | ८८६ | २८३९२ | ९९६ | ३९१०७ |
| २०६२ | पौष | ११० | १०७१५ | ८९६ | २८६६९ | १००६ | ३९३८४ |
| २०६३ | पौष | १०५ | ९७६३ | ५०२ | १४४९७ | ६०७ | २४२६० |
| २०६४ | पौष | १०५ | ९७६३ | ५१२ | १४८९७ | ६१७ | २४६६० |
| २०६५ | पौष | ९६ | ९३२० | ५७३ | १६७४३ | ६६९ | २६०६३ |
| २०६६ | पौष | ९७ | ९३६९ | ६४७ | १९१२४ | ७४४ | २८४९३ |
| २०६७ | पौष | १०३ | ९१२५ | ६८६ | २०२१७ | ७८९ | २९३४२ |
| २०६८ | पौष | १०६ | ९३२३ | ७२१ | २१४५७ | ८२७ | ३०७८० |
| २०६९ | पौष | १०७ | ९३७१ | ७४६ | २२२८६ | ८५३ | ३१६५७ |
| २०७० | पौष | ११७ | ९५०६ | ९०९ | २५०१७ | १०२६ | ३४५२३ |
| २०७१ | पौष | ११८ | ९५५४ | ९५७ | २६६२५ | २०७५ | ३६१७९ |

स्रोत: संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय

तालिका १.८ : पर्वतारोहण दल र संख्या

| वर्ष | महिना | दलको संख्या | पर्वतारोहीको संख्या | सामयिक रोजगारी | सरकारलाई प्राप्त रोयल्टी रकम (रु. हजारमा) | पर्वतारोहीहरू बाट भएको खर्च (रु. हजारमा) |
|------|-------|-------------|---------------------|----------------|---|--|
| २०६१ | पौष | १२८ | ९४० | ६३६ | १५६२.४० | ४००१.३७ |
| २०६२ | पौष | १३३ | ९८६ | ४३४४ | १४५६.१२ | ४२३९.८५ |
| २०६३ | पौष | १६२ | ११२८ | ४८४३ | १६९८.३० | ९६६६.३७ |
| २०६४ | पौष | २०२ | - | ८०८० | २३९४.२६ | - |
| २०६५ | पौष | १६२ | १००९ | ९८७ | ३५४.२६ | - |
| २०६६ | पौष | २३६ | १५१९ | २५९८ | २८४१२३.०० | - |
| २०६७ | पौष | २६९ | १९४२ | २२०२ | २१६५६०.०० | - |
| २०६८ | पौष | २५९ | १९५१ | २६१६ | २३२५३२.०० | - |
| २०६९ | पौष | ३०० | २५६६ | १९३८ | ३४५१६१.०० | - |
| २०७० | पौष | २९६ | २२६६ | २८७४ | ३४०८२१.०० | - |
| २०७१ | पौष | ३२० | २५०० | २४५० | ३९०१८०.५६ | - |

नोट: २०५८/५९ पौषदेखि ऋतु अनुसार परमिट दिन खारेज गरिएको ।

स्रोत: संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय ।

तालिका १.९ : होमस्टे, होटल व्यवस्थापन तथा पर्यटन सम्बन्धी तालीम

| क्र.सं. | विवरण | ३१ वर्ष* | ०६.१/६२ | ०६.२/६३ | ०६.३/६४ | ०६.४/६५ | ०६.५/६६ | ०६.६/६७ | ०६.७/६८ | ०६.८/६९ | ०६.९/७० | ०७.०/७१ | ०७.१/७२** | कुल जम्मा |
|---------|--|--------------|-------------|------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|--------------|
| १ | मास्टर अफ हस्पिटालिटी म्यानेजमेन्ट | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ४० | २८ | ० | २५ | ० | १२९ |
| २ | व्याचलर इन होटल म्यानेजमेन्ट | १७० | ३७ | ७२ | ७७ | ७८ | ८० | ८० | ८० | १२० | १२१ | १२५ | १६८ | १२०८ |
| ३ | व्याचलर इन ट्राभल एण्ड टुरिजम | २२ | २७ | २३ | २४ | ३० | ७९ | ८० | ८१ | ८० | ८० | ८४ | १२६ | ७३६ |
| ४ | खाना सामान तयार र नियन्त्रण | १०६१ | ७३ | ६६ | १६३ | ८० | १४४ | १०१ | ६७ | ३७ | ७२ | १४६ | ८३ | २०९३ |
| ५ | खाद्यान्नका पेय सेवा | १३३६ | ६० | २७ | ३२ | ३४ | ६० | २१ | २४ | १० | १५ | ३३ | १७ | १६९९ |
| ६ | हाउस किपिङ्ग | ११२५ | १८ | २३ | २९ | २५ | २१ | १७ | २१ | ० | ० | ० | ० | १३७९ |
| ७ | फ्रन्ट अफिस | ११५९ | ३५ | १८ | २५ | ३२ | २४ | १८ | २७ | ० | ० | ० | ० | १३३८ |
| ८ | बेकरी+ईण्डियन स्वीट्स | ८२ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १०४ | ० | ८२ |
| ९ | होटल मेन्टिनेन्स तालीम | २४३ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २४३ |
| १० | होटलको हिसाब किताब राख्ने | ४२ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ४२ |
| ११ | पर्यटक पथ प्रदर्शक | १९२७ | ७४ | ५४ | ७२ | ८० | १३६ | २०५ | १८१ | ० | १६३ | ३१२ | २२१ | ३२०४ |
| १२ | विभिन्न क्षेत्रको लोकल गाईड | २८५ | ० | ० | ३० | ० | ० | ६८ | ११३ | ३५ | २१ | १८ | ११ | ५८१ |
| १३ | एकोमोडेशन अपरेसन | ३३ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३३ |
| १४ | ट्राभल एजेन्सी एण्ड टिकेटिङ्ग | ७०३ | ० | ० | ७२ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ७७५ |
| १५ | पदयात्रीको लागि कूक र वेटर | ४६२ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ४६२ |
| १६ | पदयात्री पथ प्रदर्शक | ३७११ | ५९२ | ३३२ | ३६२ | ४२० | ५१२ | ६७३ | ९५३ | ६९८ | ९६८ | १५५१ | ६८४ | ११४५६ |
| १७ | पद यात्रा तथा भ्रमण नाईके | ३० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३० |
| १८ | जल यात्रा पथ प्रदर्शक | ३९५ | ० | ० | ० | ० | ६८ | ७७ | ७२ | ० | ३४ | ४४ | ६६ | ७५६ |
| १९ | पर्यटन सम्बन्धी सेवाकालीन / सेमिनार / उच्चस्तर / जनसम्पर्क | १२६८ | २२९ | २२९ | ३७६ | ४११ | २८१ | २५२ | २८६ | ३१५ | २४६ | ३०२ | ९१ | ४२८६ |
| २० | स्थलगत घुम्ती तालीम | ५०२३ | २३१ | ९८ | ५९ | ३१७ | १४४ | २४९ | १२९ | ० | ८७ | ६७ | ० | ६४०४ |
| २१ | होम स्टे म्यानेजमेन्ट तालीम | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १०८ | १४२ | ३७७ | ० | ६६ | ७५ | ७६८ |
| २२ | इन्टरनेशनल फ्रेट फरवार्डिङ्ग कार्गो | ९३ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ९३ |
| २३ | टुरिष्ट गाईड रिफ्रेसर कोर्स | ७६ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १२६ | ० | ० | ७६ |
| २४ | स्किल ट्रेड प्रोग्राम | ३५८ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३५८ |
| २५ | एथी टुरिजम | ० | ० | ० | ० | ० | २६ | ५८ | ० | ० | ० | ० | ० | ८४ |
| | जम्मा | १९६३४ | १३७६ | ९४२ | १३२१ | १५०७ | १५७५ | २००७ | २२१६ | १७०० | १८३२ | २७८४ | १३२१ | ३८२१५ |

नोट:

१ * आ.व.०२९/३० देखि ०६/६१ सम्मको जम्मा ।

२ ** चालु आर्थिक वर्षको प्रथम आठ महिनाको प्रगति ।

स्रोत: नेपाल पर्यटन तथा होटल व्यवस्थापन प्रतिष्ठान ।

तालिका १०.१ : ऊर्जा खपतको स्थिति

(हजार टन तेल शक्ति बराबरको)

| ऊर्जा स्रोत | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९** | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
|-------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|-----------|---------|---------|----------|
| परम्परागत: | ७५५६ | ७६९८ | ७८५४ | ८०१५ | ८१८५ | ८३४२ | ८५०० | ७०३३ | ८०१७ | ८९८३ | ५९८९ |
| दाउरा | ६७३२ | ६८६२ | ६९९९ | ७१४९ | ७३०१ | ७४६७ | ७६०६ | ६२७४ | ७१५३ | ८१५४ | ५४३६ |
| कृषिजन्य अवशेष | ३२७ | ३२९ | ३३७ | ३३७ | ३४४ | ३२४ | ३३१ | ३१० | ३५३ | ४०३ | २६९ |
| गोबर, गुंठा | ४९७ | ५०७ | ५१८ | ५२९ | ५४० | ५५१ | ५६३ | ४४८ | ५११ | ४२६ | २८४ |
| व्यापारिक: | १०१४ | १०९३ | १०३१ | १०३८ | ११३९ | १४६४ | १५८० | १६७८ | १८५५ | १९५८ | १५५६ |
| कोइला | १५२ | २४३ | १४४ | १९३ | १८२ | २८६ | २९३ | ३४८ | ४१५ | ३२० | ४२० |
| पेट्रोलियम पदार्थ | ७०५ | ६८६ | ७०९ | ६५५ | ७७५ | ९६५ | १०५८ | १०८३ | ११८२ | १२६४ | ८७८ |
| विद्युत | १५७ | १६४ | १७८ | १९० | १८२ | २१३ | २२९ | २४८ | २५७ | ३७४ | २५८ |
| नवीकरणीय | ४६ | ५३ | ५९ | ५९ | ६४ | ७० | ७५ | १०९ | १६६ | २९१ | २३६ |
| जम्मा | ८६१६ | ८८४४ | ८९४४ | ९११२ | ९३८८ | ९८७६ | १०१५५ | ८८२० | १००३८ | ११२३२ | ७७८१ |

* आठ महिनाको अनुमानित,

** सर्वे तथ्याङ्कमा आधारित

द्रष्टव्य:

- ऊर्जा खपतको स्थितिलाई कोइला शक्तिको सट्टामा तेल शक्ति बराबरको इकाईमा प्रस्तुत गरिएको छ । यसो गर्दा १ टन तेल शक्ति बराबर १.४५४२८ टन कोइला शक्ति मानिएको छ ।
- विगतमा ऊर्जा तथ्याङ्क पेश गर्दा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतहरूको विस्तृत विवरणहरू उल्लेख नगरिएकोमा हाल सो सम्बन्धी तथ्याङ्कको विवरण संलग्न गरिएको ।
- ऊर्जा तथ्याङ्क अद्यावधिक गर्ने क्रममा विभिन्न अध्ययनहरूले देखाए अनुसार नयाँ अनुमानहरू समावेश गरी ऊर्जा तथ्याङ्क तयार गरिने भएकोले पुरानो तथ्याङ्कसंग केही फरक पर्न सक्छ ।

स्रोत: जल तथा शक्ति आयोगको सचिवालय

तालिका १०.२ : विद्युत उत्पादन तथा खपतको स्थिति

(दश लाख किलो वाट घण्टामा)

| उत्पादन तथा खपत | गार्हस्थ्य | औद्योगिक | व्यापारिक | निर्यात | अन्य | जम्मा | विद्युत हास | उत्पादन र आयात | उच्चतम भार (मे.वा.) | आदान प्रदान सम्झौता अन्तर्गत | |
|--------------------|------------|----------|-----------|---------|--------|---------|-------------|-------------------|------------------------|---------------------------------|---------|
| | | | | | | | | | | आयात | निर्यात |
| आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | | |
| २०६०/६१ | ६७६.४० | ६८९.८० | १०८.१० | १४१.२० | १९६.७० | १८१२.२० | ५६९.३० | २३८१.५० | ५१५.२० | १८५.६० | १४१.२० |
| २०६१/६२ | ७५८.२० | ७६४.०० | १०९.३० | ११०.७० | २२२.२० | १९६४.४० | ६७८.४० | २६४२.८० | ५५७.५० | २४१.४० | ११०.७० |
| २०६२/६३ | ८०५.७० | ७८५.६० | १२०.३० | ९६.६० | २२४.४० | २०३२.६० | ७४८.३० | २७८०.९० | ६०३.२८ | २६६.२२ | ९६.६० |
| २०६३/६४ | ८९३.३० | ८४९.१० | १४१.७० | ७६.९० | २९२.१० | २२५३.१० | ७९८.७० | ३०५१.८० | ६४८.४० | ३२८.८० | ७६.९० |
| २०६४/६५ | ९३१.३५ | ९०१.०९ | १५४.४० | ६०.३८ | २६३.४० | २३१०.६२ | ८७५.६३ | ३१८५.९५ | ७२१.७३ | ४२५.२२ | ६०.१० |
| २०६५/६६ | ९०८.६७ | ८४५.६८ | १४६.२९ | ४६.३८ | २५७.५७ | २२०४.५९ | ९२६.२० | ३१३०.७९ | ८१२.५० | ३५६.४६ | ४६.३८ |
| २०६६/६७ | ११०९.२९ | १००८.३७ | १९३.१२ | ७४.४८ | २९२.५७ | २६७७.८३ | १०११.४४ | ३६८९.२७ | ८८५.२८ | ६१२.५८ | ७४.४८ |
| २०६७/६८ | ११४३.१८ | १०१२.८७ | २०४.९२ | ३१.१० | २९४.९२ | २६८६.९९ | १०७१.३८ | ३७५८.३७ | ९४६.१० | ६९४.०५ | ३१.११ |
| २०६८/६९ | १३११.०७ | ११९२.०६ | २२७.०६ | ५०.०० | ३८४.५० | ३१६४.६९ | ९५३.७१ | ४११९.०३ | ९४७.०० | ८००.०० | ५०.०० |
| २०६९/७० | १३९७.४६ | ११४१.०७ | २३७.९१ | ०.०० | ३७९.५६ | ३१५६.०० | ७५६.०० | ४२२०.१९ | १०९४.६२ | ७९०.१४ | ०.०० |
| २०७०/७१ | १५२६.८४ | १२४६.७० | २८५.१६ | ०.०० | ३८५.५६ | ३४४४.२६ | ८५३.८३ | ४६८१.१० | १२००.९८ | १०७०.४६ | ०.०० |
| २०७१/७२* | १६१२.०२ | १३१६.२५ | ३०१.०७ | ०.०० | ४०७.०७ | ३६३६.४२ | ५६८.६६ | २८७९.८४ | १२७०.१५ | ७२६.४५ | ०.०० |

* फागुन मसान्तसम्मको अनुमानित

स्रोत: नेपाल विद्युत प्राधिकरण

तालिका १०.३ : पेट्रोलियम पदार्थको खपत विवरण

(किलो लिटरमा)

| आर्थिक वर्ष विवरण | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | प्रथम आठ महिना | |
|-----------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------------|----------|
| | | | | | | | | | | २०७०/७१# | २०७१/७२# |
| पेट्रोल | ७५९८९ | ८०९८९ | १०१९११ | १००८४२ | १२४१६९ | १६२२७४ | १८७६४० | १९९७४८ | २२१६७६ | १६१२९५ | १८४२३९ |
| डिजेल | ३१५३६८ | २९४३२९ | ३०६६८७ | ३०२७०६ | ४६६४६८ | ६१२५०५ | ६५५१२७ | ६४८५१३ | ७१६७४७ | ४८९४३८ | ९४९२७९ |
| मट्टितेल | २३९३२८ | २२६६३७ | १९७८४९ | १५५२१५ | ७००८९ | ५५७८८ | ४९४९४ | ४१८०८ | २४१२१ | १२७०८ | १२१३४ |
| लाइट डिजेल आयल (LDO) | १०० | २९० | - | - | - | - | - | - | २५८ | - | - |
| फर्नेस आयल (FO) | २६३९ | ३६९५ | ४५५७ | - | - | - | - | ४३५ | २४५० | - | १८६ |
| हवाई इन्धन (ATF) | ६६८२५ | ६४३३५ | ६३७७७ | ६८९३८ | ६८९६५ | ८२६३१ | १०१३१४ | १०९८०८ | ११५७८६ | ८२७३५ | ९३७८८ |
| एल.पी.ग्यास (मे.टनमा) | ७७५९४ | ८१००५ | ९३५६२ | ९६८३७ | ११५८१३ | १४११७१ | १५९२८६ | १८१४४६ | २०७०३८ | १५१२११ | १६५९७५ |
| मिनेरल टरपेन्टाइन आयल (MTO) | | | | | | | | | | | |
| अन्य | | | | | | | | | | | |
| जम्मा | ७७७८४३ | ७५१२८० | ७६८३४३ | ७२४५३८ | ८४५५०४ | १०५४३६९ | ११५२८६१ | ११८१७५८ | १२८८०७६ | ८९७३८७ | १४०५६०१ |
| मूल्य (रु. करोडमा) | २६८५.०० | ३२४४.९६ | - | | | | | | | | |
| वस्तुगत निर्यातको तुलनामा | | | | | | | | | | | |
| पेट्रोलियम पदार्थको आयात | ४५.७४ | ५३.८७ | - | | | | | | | | |
| (प्रतिशतमा) | | | | | | | | | | | |

अपरिष्कृत

स्रोत: नेपाल आयल निगम

तालिका ११.१ : सडक सुविधाको विस्तार

किलोमिटर

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | | |
|------------|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| कालोपत्रे | ४८७१ | ४९११ | ५०४८ | ५४०२ | ५८४५ | ६०९४ | ६६६९ | ९९०२ | १०१९२ | १०६५९ | १११९७ | ११३४९ |
| खण्डास्मित | ४६९७ | ४७०७ | ४७२७ | ४५२९ | ४७११ | ४७७२ | ५००७ | ५६७० | ५७८७ | ५९४० | ६०८६ | ६१९२ |
| कच्ची सडक | ७६१४ | ७६६१ | ७६५८ | ७८५१ | ८५९१ | ८८९२ | ९४१७ | ७६३७ | ८४१० | ८६६६ | ९१६३ | ९३९४ |
| जम्मा | १७१८२ | १७२७९ | १७४३३ | १७७८२ | १९१४७ | १९७५८ | २१०९३ | २३२०९ | २४३८९ | २५२६५ | २६४४६ | २६९३५ |

* प्रथम आठ महिनासम्मको

स्रोत: सडक विभाग

तालिका ११.२ (क) : थप सवारी साधन संख्या

| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | | |
|--------------|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| बस/मिनी बस | ९६९ | १०३८ | २१९० | १४५९ | १२३१ | २४३६ | ४९३८ | २९८० | ३२५५ | ४५९१ | ४१८८ | ३६६३ |
| ट्रक/टयाङ्कर | १४७७ | १५९२ | २२६३ | १७३० | २१०४ | ३६४३ | ५५२४ | ९१६९ | १३३३ | ३३३२ | २७८९ | २४६७ |
| जीप/कार | ७०७९ | ४७८१ | ५११४ | ३०१५ | ३१२७ | ६८५७ | १३२६८ | ८५१० | ८७११ | ९५९५ | ११३७२ | ९०५४ |

* प्रथम आठ महिनासम्मको

स्रोत: यातायात व्यवस्था विभाग

तालिका ११.२ (ख) : सवारी दर्ताको विवरण (आर्थिक वर्ष २०७१/७२ फागुन महिनासम्म)

| आ.व. | बस | मिनिबस/ मिनि ट्रक | क्रेन/डोजर/ एस्काभेटर/ ट्रक | कार/जिप भ्यान | पिक अप | माइक्रो | टेम्पो | मोटरसाईकल | ट्रैक्टर पावरटेलर | अन्य | आ.व.को जम्मा | आ.व सम्मको कुल जम्मा |
|--------------|--------------|----------------------|-----------------------------------|------------------|--------------|-------------|-------------|----------------|----------------------|-------------|----------------|-------------------------|
| २०४७/४८ | ४५८ | ४३७ | ८३४ | २३५३ | ० | ० | ८५६ | ५६९७ | ९६५ | १५४९ | १३१४९ | ८९५२७ |
| २०४८/४९ | ५३१ | ४५५ | १५२४ | २६३७ | ० | ० | १२०७ | ९३३६ | १३४२ | ४३५ | १७४६७ | १०६९९४ |
| २०४९/५० | ६०६ | १८५ | १४९१ | २२६६ | ० | ० | ६२ | ८५१३ | ७५१ | ३८१ | १४२५५ | १२१२४९ |
| २०५०/५१ | ११६८ | १२१ | १७४० | ३०४९ | ० | ० | २१३ | १०५५० | १३९६ | ३७२ | १८६०९ | १३९८५८ |
| २०५१/५२ | ८५० | ८३ | १६२९ | ३०४३ | ० | ० | २४१ | ११४०१ | १८१४ | ३५३ | १९४१४ | १५९२७२ |
| २०५२/५३ | ४८६ | ८२ | ११५१ | ३९७४ | ० | ० | ११७ | १२३५७ | २१८३ | ५८ | २०४०८ | १७९६८० |
| २०५३/५४ | ६०८ | १७५ | ९०७ | ४५२१ | ० | ० | १८५ | १५७३९ | १२७८ | ३५२ | २३७६५ | २०३४४५ |
| २०५४/५५ | ८९९ | १३० | १२९१ | ४१३९ | ० | ० | ३४४ | १२३०६ | १२६५ | ५१ | २०४२५ | २२३८७० |
| २०५५/५६ | ८७२ | १९ | ९७८ | २५०७ | ० | ० | ३८८ | १७०९० | २२४८ | ३७ | २४१३९ | २४८००९ |
| २०५६/५७ | ४९४ | १२२ | ८२९ | ३६४७ | ० | ० | ७८९ | १९७५५ | २५४२ | १०२ | २८२८० | २७६२८९ |
| २०५७/५८ | १२०३ | २५० | १२७१ | ५१५२ | ० | ० | २३२ | २९२९१ | ३५१९ | ७७ | ४०९९५ | ३१७२८४ |
| २०५८/५९ | ८६८ | ४७५ | १७९८ | ४३७९ | ० | ० | २४८ | ३६११७ | ३१८९ | ८६ | ४७१६० | ३६४४४४ |
| २०५९/६० | ४३२ | २९८ | १२१२ | २९०६ | ५८१ | २३२ | १७ | २९४०४ | २४८५ | ४३ | ३७६१० | ४०२०५४ |
| २०६०/६१ | ७३२ | २३७ | १४७७ | ७०७९ | ४७८ | ८८४ | १६ | २६५४७ | २१९१ | ५८ | ३९६९९ | ४४१७५३ |
| २०६१/६२ | ७५३ | २८५ | १५९२ | ४७८१ | ० | ५८४ | ४८ | ३१२७३ | १३७४ | २१ | ४०७११ | ४८२४६४ |
| २०६२/६३ | १५२४ | ६६३ | २२६३ | ५११४ | ३६ | ६६ | ६० | ४४६१० | ६३५ | - | ५४९७५ | ५३७४३९ |
| २०६३/६४ | १५६४ | ८०६ | ३२७८ | ५१५६ | ७३६ | १३८ | १२ | ७२५६८ | २९४२ | १५३५ | ८८७३५ | ६२६१७४ |
| २०६४/६५ | १४१९ | ११७९ | ३५९४ | ४७४१ | १५८८ | ३१ | १८ | ६८६६७ | ३२९७ | २०६ | ८४७४० | ७१०९१४ |
| २०६५/६६ | १८४३ | ५९३ | ३६४३ | ६८५७ | १२८७ | १२८ | २० | ८३३३४ | ४६६३ | २०२ | १०२५७० | ८१३४८४ |
| २०६६/६७ | १८८८ | ७८० | ४५२४ | १२२६८ | १९७५ | १४५ | ९ | १६८७०७ | ११४६० | ३१ | २०१७८७ | १०१५२७१ |
| २०६७/६८ | १६१० | १३७० | १९६९ | ८५१० | ३०८७ | ११५ | २ | १३८९०७ | ७९३७ | १३३ | १६३६४० | ११७८९११ |
| २०६८/६९ | २०८५ | ११७० | १३३३ | ८७११ | २९८१ | १५५ | १० | १४५१३५ | ८४१३ | ९१ | १७००८४ | १३४८९९५ |
| २०६९/७० | ३२६३ | १३२८ | ३३३२ | ९५९५ | ५४२२ | १५८ | ५७ | १७५३८१ | ९७९५ | १५२ | २०८४८३ | १५५७४७८ |
| २०७०/७१ | २७७६ | १४१२ | २७८९ | ११३७२ | ५६६८ | १७८ | १७ | १६३९४५ | १००७० | ११६ | १९८३४३ | १७५५८२१ |
| २०७१/७२* | २३७५ | १२८८ | २४६७ | ९०५४ | ३७०३ | ६११ | ९१४ | १४२२४१ | ६९११ | ४९ | १६९६१३ | १९२५४३४ |
| जम्मा | ३१३११ | १३९४३ | ४८९१६ | १३७८११ | २७५४२ | ३४२५ | ६०८२ | १४७८८७१ | ९४६६५ | ६४९० | १८४९०५६ | |

* प्रथम आठ महिनासम्मको

| तालिका १३.१ : प्राविधिक तथा व्यावसायिक तालिम कार्यक्रमहरू | | | | | |
|---|--------------------|---------------|-------------|---------|----------|
| कार्यक्रम | सूचक | इकाई | आर्थिक वर्ष | | |
| | | | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| नियमित अध्यापन | | | | | |
| आङ्गिकतर्फ | | | | | |
| प्राविधिक एस.एल.सी. | भर्ना | जना | १२७८ | १०८४ | ११५० |
| | उत्पादन | जना | ८९९ | ९०७ | ३७२ |
| डिप्लोमा प्रमाणपत्र तह | भर्ना | जना | १२२० | १२७५ | १५४९ |
| | उत्पादन | जना | ६४० | ६८५ | ५०५ |
| सामुदायिक विद्यालयतर्फ | भर्ना | जना | २६४५ | २४२१ | ३०६७ |
| | उत्पादन | जना | १९०२ | १६०३ | १६०३ |
| सामुदायिक विद्यालय तर्फ | | | | | |
| कक्षा ९ र १० मा प्राविधिक शिक्षा थालनी | प्राविद्य एस.एल.सी | वटा | ७३ | ७३ | ७३ |
| सम्बन्धन दिएका निजी शिक्षालयहरू | | | | | |
| प्राविधिक एस.एल.सी. तह | भर्ना | जना | १००४० | १२८८० | |
| | उत्पादन | जना | ६५४ | ४५१४ | ७१४३ |
| डिप्लोमा र प्रमाणपत्र तह | भर्ना | जना | ११९१० | ११२४० | १२२११ |
| | उत्पादन | जना | ५७२७ | ७७७२ | ५४४७ |
| प्राविधिक शिक्षालय पोस्टिभिनक विस्तार | | | | | |
| आङ्गिकतर्फ | शिक्षालय विस्तार | वटा | १८ | १७ | १३ |
| सम्बन्धन दिएका निजी शिक्षालयहरू | | | | | |
| १) स्थायी सम्बन्धन प्राविधिक एस.एल.सी. – डिप्लोमा प्रमाणपत्र तहको | शिक्षालय विस्तार | वटा | ४ | ५०६० | १२४/२० |
| २) छोटो अवधिको सम्बन्धन र स्वीकृति दिने | सीपविकास गर्ने | वटा | १ | ४४ | ११८ |
| व्यावसायिक तालिम सञ्चालन | | | | | |
| छोटो अवधिको तालिम दिई सीप परीक्षण गर्ने | सीपविकास गर्ने | जना | १४४० | ३१०० | ५६७ |
| जीवननिर्वाहको लागि व्यावसायिक तालिम | सीपविकास गर्ने | व्यक्ति हप्ता | ३०१४ | ३२७७ | ११३२ |
| लक्षित वर्ग र समूहका लागि छात्रवृत्ति | | | | | |
| डिप्लोमा/प्रमाणपत्र तह | सामाजिक सुरक्षा | जना | २२५ | २२५ | २२५ |
| प्राविधिक एस.एल.सी. तह | सामाजिक सुरक्षा | जना | १५० | १५० | १२५ |
| सिमान्तकृत वर्गलाई निशुल्क प्राविधिक शिक्षा | | | | | |
| डिप्लोमा/ प्रमाणपत्र तह | सामाजिक सुरक्षा | जना | चालु | ५०० | - |
| प्राविधिक एस.एल.सी. तह | सामाजिक सुरक्षा | जना | चालु | ४०० | - |
| सामुदायिक सेवा | | | | | |
| मानव स्वास्थ्य सेवा | सेवा | जना | ११३३८ | १४३२५ | |
| पशु स्वास्थ्य सेवा | सेवा | वटा | ७८७५ | ११५०० | |
| कृषकलाई प्राविधिक सेवा र सल्लाह | सेवा | जना | २१८० | ४५५० | |
| स्वास्थ्यशिविर | घुम्तीसेवा | वटा | ० | ९ | ३ |
| सीप परीक्षण एवं प्रमाणीकरण | प्रमाणीकरण | जना | ३६१५९ | ५५४९१ | १५१३२ |
| प्राविधिक प्रशिक्षकहरूलाई तालिम | | व्य.ह. | - | ३३८२ | ६२५ |

*प्रथम आठ महिनाको ।

स्रोत: प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिम परिषद् ।

| तालिका १३.२: सम्बन्धनप्राप्त उच्च माध्यमिक विद्यालयहरूको क्षेत्रगत विवरण | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|-----------------|------|------|------|----------|-------|------|------|------|----------|-------|------|------|------|----------|-------|
| विकास क्षेत्र | भौगोलिक क्षेत्र | २०६९ | | | | | २०७० | | | | | २०७१ | | | | |
| | | सामु | निजी | १०+२ | क्याम्पस | जम्मा | सामु | निजी | १०+२ | क्याम्पस | जम्मा | सामु | निजी | १०+२ | क्याम्पस | जम्मा |
| पूर्वाञ्चल | हिमाल | ६४ | २ | ० | ४ | ७० | ६४ | २ | ० | ४ | ७० | ६६ | २ | ० | ४ | ७२ |
| | पहाड | २६२ | १० | ३ | ४ | २७९ | २६२ | १० | ३ | ४ | २७९ | २६२ | १० | ३ | ४ | २७९ |
| | तराई | २३३ | १०१ | २८ | १५ | ३७७ | २३३ | १०१ | २८ | १५ | ३७७ | २३३ | ११० | २८ | १५ | ३८६ |
| | जम्मा | ५५९ | ११३ | ३१ | २३ | ७२६ | ५५९ | ११३ | ३१ | २३ | ७२६ | ५६१ | १२२ | ३१ | २३ | ७३७ |
| मध्यमाञ्चल | हिमाल | ९४ | १ | ० | २ | ९७ | ९४ | १ | ० | २ | ९७ | ९५ | १ | ० | २ | ९८ |
| | पहाड | ४०३ | २३३ | ८१ | ४८ | ७६५ | ४०३ | २३३ | ८१ | ४८ | ७६५ | ४०८ | २४१ | ८१ | ४८ | ७७८ |
| | तराई | २७० | ५९ | २४ | १६ | ३६९ | २७० | ५९ | २४ | १६ | ३६९ | २७२ | ६२ | २४ | १६ | ३७४ |
| पश्चिमाञ्चल | हिमाल | ४ | ० | ० | ० | ४ | ४ | ० | ० | ४ | ४ | ० | ० | ० | ४ | ४ |
| | पहाड | ५०३ | ९० | ७ | २० | ६२० | ५०३ | ९० | ७ | २० | ६२० | ५१० | ९३ | ७ | २० | ६३० |
| | तराई | १४० | ६५ | ५ | ११ | २२१ | १४० | ६५ | ५ | ११ | २२१ | १४४ | ६९ | ५ | ११ | २२९ |
| | जम्मा | ६४७ | १५५ | १२ | ३१ | ८४५ | ६४७ | १५५ | १२ | ३१ | ८४५ | ६५८ | १६२ | १२ | ३१ | ८६३ |
| मध्य पश्चिमाञ्चल | हिमाल | ५६ | १ | ० | २ | ५९ | ५६ | १ | ० | २ | ५९ | ५९ | १ | ० | २ | ६२ |
| | पहाड | १८८ | १० | ० | ३ | २०१ | १८८ | १० | ० | ३ | २०१ | १९१ | ११ | ० | ३ | २०५ |
| | तराई | ९८ | ४० | ५ | ३ | १४६ | ९८ | ४० | ५ | ३ | १४६ | ९८ | ४१ | ५ | ३ | १४७ |
| | जम्मा | ३४२ | ५१ | ५ | ८ | ४०६ | ३४२ | ५१ | ५ | ८ | ४०६ | ३४८ | ५३ | ५ | ८ | ४१४ |
| सुदूर पश्चिमाञ्चल | हिमाल | ८० | ० | ० | १ | ८१ | ८० | ० | ० | १ | ८१ | ८२ | ० | ० | १ | ८३ |
| | पहाड | १४० | ४ | १ | २ | १४७ | १४० | ४ | १ | २ | १४७ | १४२ | ४ | १ | २ | १४९ |
| | तराई | ११३ | ३७ | ५ | ५ | १६० | ११३ | ३७ | ५ | ५ | १६० | ११३ | ४० | ५ | ५ | १६३ |
| | जम्मा | १३३ | ४१ | ६ | ८ | ३८८ | १३३ | ४१ | ६ | ८ | ३८८ | ३३७ | ४४ | ६ | ८ | ३९५ |
| कुल जम्मा | | २६४८ | ६५३ | १५९ | १३६ | ३५९६ | २६४८ | ६५३ | १५९ | १३६ | ३५९६ | २६७९ | ६८५ | १५९ | १३६ | ३६५९ |

स्रोत: उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद् ।

| तालिका १३.३ (क) : आधारभूत तहमा शिक्षक तालिम सम्बन्धी संख्यात्मक विवरण (शैक्षिक सत्र २०७१) | | | | | | | | | |
|---|----------|--------|--------|---------------|-------|-------|---------|--------|--------|
| तालिम अवस्था | प्राथमिक | | | निम्नमाध्यमिक | | | आधारभूत | | |
| | महिला | पुरुष | जम्मा | महिला | पुरुष | जम्मा | महिला | पुरुष | जम्मा |
| तालिम प्राप्त | ७४००७ | १०३२१० | १७७२१७ | ११४८७ | ३०६९५ | ४२१८२ | ८५४९४ | १३३९०५ | २१९३९९ |
| प्रतिशत | ९४.१२ | ९४.६४ | ९४.४२ | ७९.५८ | ८०.९६ | ८०.५८ | ९१.८७ | ९१.११ | ९१.४० |
| आंशिक तालिम | १९९९ | ३५०१ | ५५०० | ४८० | १८०० | २२८० | २४७९ | ५३०१ | ७७८० |
| प्रतिशत | २.५४ | ३.२१ | २.९३ | ३.३३ | ४.७५ | ४.३६ | २.६६ | ३.६१ | ३.२४ |
| तालिम अप्राप्त | २६२४ | २३४३ | ४९६७ | २४६७ | ५४१९ | ७८८६ | ५०९१ | ७७६२ | १२८५३ |
| प्रतिशत | ३.३४ | २.१५ | २.६५ | १७.०९ | १४.२९ | १५.०६ | ५.४७ | ५.२८ | ५.३५ |
| जम्मा | ७६६३० | १०९०५४ | १८७६८४ | १४४३४ | ३७९१४ | ५२३४८ | ९३०६४ | १४६९६८ | २४००३२ |

स्रोत: शिक्षा विभाग ।

| तालिका १३.३ (ख) : माध्यमिक तहमा शिक्षक तालिम सम्बन्धी संख्यात्मक विवरण (शैक्षिक सत्र २०७१) | | | | | | | | | |
|--|----------------|-------|-------|----------------------|-------|-------|----------------|-------|-------|
| तालिम अवस्था | माध्यमिक(९-१०) | | | उच्चमाध्यमिक (११-१२) | | | माध्यमिक(९-१२) | | |
| | महिला | पुरुष | जम्मा | महिला | पुरुष | जम्मा | महिला | पुरुष | जम्मा |
| तालिम प्राप्त | ५९५३ | २९१७५ | ३५१२८ | २०१६ | ११०४५ | १३०६१ | ७९६९ | ४०२२० | ४८१८९ |
| प्रतिशत | ८७.८७ | ९०.९४ | ९०.४० | ६६.७८ | ६८.३५ | ६८.१० | ८१.३७ | ८३.३७ | ८३.०३ |
| आंशिक तालिम प्राप्त | ३३० | १३९३ | १७२३ | २१५ | ८३६ | १०५१ | ५४५ | २२२९ | २७७४ |
| प्रतिशत | ४.८७ | ४.३४ | ४.४३ | ७.१२ | ५.१७ | ५.४८ | ५.५६ | ४.६२ | ४.७८ |
| तालिम अप्राप्त | ४९२ | १५१५ | २००७ | ७८८ | ४२७९ | ५०६७ | १२८० | ५७९४ | ७०७४ |
| प्रतिशत | ७.२६ | ४.७२ | ५.१६ | २६.१० | २६.४८ | २६.४२ | १३.०७ | १२.०१ | १२.१९ |
| जम्मा | ६७७५ | ३२०८३ | ३८८५८ | ३०१९ | १६१६० | १९१७९ | ९७९४ | ४८२४३ | ५८०३७ |

स्रोत: शिक्षा विभाग ।

तालिका १३.४ : प्राथमिक, निम्न माध्यमिक र माध्यमिक शिक्षक संख्या

| वर्ष | प्राथमिक | | निम्न माध्यमिक | | माध्यमिक(९-१०) | | कुल जम्मा | |
|-------------------|----------|---------------|----------------|---------------|----------------|---------------|-----------|---------------|
| | जम्मा | तालिम प्राप्त | जम्मा | तालिम प्राप्त | जम्मा | तालिम प्राप्त | जम्मा | तालिम प्राप्त |
| २०६० आश्विन | ११२३६० | १९५३५ | २९८९५ | ७९७९ | २३२९७ | ९२८६ | १६५५५२ | ३६८०० |
| २०६१ शैक्षिक सत्र | १०१४८३ | ३०९६७ | २५९६२ | ७८१८ | २०२३२ | ९७२७ | १४७६७७ | ४८५१२ |
| २०६२ शैक्षिक सत्र | ९१६७९ | ३४८७७ | २२८१७ | ७८१३ | १६१३० | ९६३५ | १३०६२६ | ५२३०५ |
| २०६३ शैक्षिक सत्र | ९५५०३ | ५७१९१ | २६७१६ | १२३९८ | १९३८६ | १२९०९ | १४१६०५ | ८२४९८ |
| २०६४ शैक्षिक सत्र | ११६८४६ | ७७६३० | २७९०३ | १४६०६ | २०६७४ | १४४७८ | १६५४२३ | १०६७१४ |
| २०६५ शैक्षिक सत्र | १४३५७४ | ९६२९८ | ३७०६८ | २००३५ | २६९२५ | १९२०२ | २०७५६७ | १३५५३५ |
| २०६६ शैक्षिक सत्र | १५३५३६ | ११३०९६ | ४०२५९ | २३०२१ | २९१०९ | २३१९३ | २२२९०४ | १५९३१० |
| २०६७ शैक्षिक सत्र | १६७२१६ | १३४९९१ | ४६०३२ | २९२६५ | ३३८३५ | २८७८० | २४७०८३ | १९३०३६ |
| २०६८ शैक्षिक सत्र | १७३७१४ | १६०७८८ | ४८८४८ | ३७७४५ | ३५६७५ | ३०९३७ | २५८२३७ | २२९४७० |
| २०६९ शैक्षिक सत्र | १७८५३४ | १६६७६५ | ५०३८९ | ४००१३ | ३७०४८ | ३२२८६ | २६५९७१ | २३९०६४ |
| २०७० शैक्षिक सत्र | १८३९२२ | १७२११७ | ५१६५३ | ४१२७१ | ३८३६३ | ३३६७७ | २७३९३८ | २४७०६५ |
| २०७१ शैक्षिक सत्र | १८७६८४ | १७७२१७ | ५२३४८ | ४२१८२ | ३८८५८ | ३५१२८ | २७८८९० | २५४५२७ |

आंशिक तालिम प्राप्त लाई तालिम प्राप्त मा समावेश गरिएको छैन ।

* Flash 1 तथ्याङ्क २०७१

स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय

| तालिका १३.५ : प्राथमिक, निम्न माध्यमिक र माध्यमिक विद्यालय तथा विद्यार्थीहरूको संख्या | | | | | | | |
|---|--------------|----------|------------|----------------|------------|----------|------------|
| विद्यार्थी संख्या हजारमा | | | | | | | |
| वर्ष | | प्राथमिक | | निम्न माध्यमिक | | माध्यमिक | |
| | | विद्यालय | विद्यार्थी | विद्यालय | विद्यार्थी | विद्यालय | विद्यार्थी |
| २०६० | आश्विन | २७२६८ | ४०२५ | ८२४९ | १२१० | ४७४१ | ५११ |
| २०६१ | शैक्षिक सत्र | २४७४६ | ४०३० | ७४३६ | १४४५ | ४५४७ | ५८८ |
| २०६२ | शैक्षिक सत्र | २७५२५ | ४५०२ | ८४७१ | १३७५ | ५०३९ | ५८७ |
| २०६३ | शैक्षिक सत्र | २७९०१ | ४५१५ | ८८८० | १३०१ | ५३२९ | ६७९ |
| २०६४ | शैक्षिक सत्र | २९२२० | ४४१९ | ९७३९ | १४४४ | ५८९४ | ६७१ |
| २०६५ | शैक्षिक सत्र | ३०९२४ | ४७८२ | १०६३६ | १४६७ | ६५१६ | ७१५ |
| २०६६ | शैक्षिक सत्र | ३१६५५ | ४९०१ | ११३४१ | १६०४ | ६९२८ | ७९० |
| २०६७ | शैक्षिक सत्र | ३२६८४ | ४९५२ | ११९३९ | १७०० | ७५५९ | ८१२ |
| २०६८ | शैक्षिक सत्र | ३३८८१ | ४७८३ | १३७९१ | १८१३ | ८२३३ | ८४९ |
| २०६९ | शैक्षिक सत्र | ३४२९८ | ४५७७ | १४४४७ | १८२३ | ८४१६ | ८७८ |
| २०७० | शैक्षिक सत्र | ३४७४३ | ४४०२ | १४८६७ | १८२८ | ८७२६ | ८९७ |
| २०७१* | शैक्षिक सत्र | ३४३३५ | ४३३५ | १४९५२ | १८३५ | ८८२५ | ९०१ |

* Flash 1 तथ्याङ्क २०७१

स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय

| तालिका १३.६ (क) : सरकारी तथा निजीस्तरमा सञ्चालित विद्यालय, विद्यार्थी तथा शिक्षकहरूको विकास क्षेत्र अनुसार प्राथमिक (१-५) तहको संख्या | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|----------|------------|--------|----------|------------|--------|----------|------------|--------|----------|------------|--------|----------|------------|--------|
| विकास क्षेत्र अनुसार विद्यालय प्रकार | आ.व २०६७ | | | आ.व २०६८ | | | आ.व २०६९ | | | आ.व २०७० | | | आ.व २०७१ | | |
| | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक |
| नेपाल | ३२६८४ | ४९५१९५६ | १६७२१६ | ३३८८१ | ४७८२८८५ | १७३७१४ | ३४२९८ | ४५७६६९३ | १७८५३४ | ३४७४३ | ४४०१७८० | १८३९२२ | ३४३३५ | ४३३५३५५ | १८७६८४ |
| कूल सरकारी स्तर | २३१६५ | ३८१८६२५ | १०२३५० | २४०६७ | ३५०३९८ | १०२३५० | २४४३४ | ३४०९९९८ | १०१९५० | २४८७५ | ३२८९३०८ | १०१९५० | २४६८७ | ३२७००३७ | १०१९५० |
| कूल सामुदायिक स्तर | ४६८३ | ५४४८१८ | २४२०१ | ४८३१ | ५३१२८१ | २९३२१ | ४६७२ | ४७५५५१ | ३०४२९ | ४५९२ | ४३४७३५ | ३४९१३ | ४२९३ | ३९५६२२ | ३७९७२ |
| कूल निजीस्तर | ४८३६ | ५८८५१३ | ४४९६५ | ४९८३ | ६७१२०६ | ४२४३ | ५१९२ | ६९१२४४ | ४६१५५ | ५२७६ | ६७७७३७ | ४७०५९ | ५३५५ | ६६९६९६ | ४७७६२ |
| पूर्वाञ्चल क्षेत्र | ७०५६ | १००६२६० | ३५००२ | ७२९१ | ९९६७७७ | ३६१६२ | ७३६१ | ८९२१९४ | ३६९६६ | ७४८५ | ८४९७७२ | ३८०७३ | ७४६८ | ८३१६०३ | ३८८३१ |
| क. सरकारी स्तर | ५२२५ | ८४९४५८ | २३६२७ | ५४६१ | ८७७३७४ | २३६२७ | ५४६६ | ६९८०३६ | २३६२७ | ५५७७ | ६९८५०३ | २३६२७ | ५५७८ | ६७२६५३ | २३६२७ |
| ख. सामुदायिक स्तर | ९०८ | ८११८८ | ४६८३ | ८७२ | ८३१७३ | ५५७५ | ८७५ | ७१७०२ | ५१७६ | ८६१ | ६२८७३ | ६१२६ | ८२७ | ५७०६३ | ६७६४ |
| ग. निजीस्तर | ९२३ | ७५६१४ | ६६९२ | ९५८ | १०६२३० | ६६९० | १०२० | १२२४५६ | ८१६३ | १०४७ | १०१८३६ | ८३२० | १०६३ | १०१८८७ | ८४४० |
| मध्यमाञ्चल | ९४७८ | १६५६८७६ | ५१८६० | १००२७ | १६४१००५ | ५३०८१ | १००७७ | १६१४५१८ | ५३८३१ | १०२६० | १५५५९८२ | ५५४५९ | ९९४४ | १५३२१२७ | ५६३८९ |
| क. सरकारी स्तर | ६१४९ | १२०५५३४ | २९३६९ | ६४८३ | ११६४२०४ | २९३६९ | ६६६४ | ११६४७७० | २९३६९ | ६८६४ | ११३४८७४ | २९३६९ | ६७४३ | ११२५३६९ | २९३६९ |
| ख. सामुदायिक स्तर | १२३४ | १८५०३२ | ६१४८ | १४२९ | १८२६४६ | ७२८६ | १२९२ | १५६८३३ | ७२५३ | १२६६ | १४६५०८ | ८५३६ | १०३७ | १३५८४७ | ९२६५ |
| ग. निजीस्तर | २०९५ | २६६३१० | १६३४३ | २११५ | २९४१५५ | १६४२६ | २१२१ | २९३२१५ | १७२०९ | २१३० | २७४६०० | १७५४४ | २१६४ | २७०९११ | १७७५५ |
| पश्चिमाञ्चल | ७३६६ | ९०९७९२ | ३९६८५ | ७५३० | ८४४१६६ | ४२३५४ | ७५५० | ८०३७०५ | ४५०९० | ७६०३ | ७६८९८१ | ४६४७१ | ७५६३ | ७६५२५१ | ४७३२३ |
| क. सरकारी स्तर | ५७७३ | ७०२११९ | २३८९६ | ५८९५ | ६२८३१६ | २३८९६ | ५८६७ | ५८२९८७ | २३४९६ | ५९११ | ५४४९५५ | २३४९६ | ५८६७ | ५४७६७९ | २३४९६ |
| ख. सामुदायिक स्तर | ५२१ | ४५३८९ | ५५१४ | ५०४ | ३५२१० | ७२७० | ५३० | ३६८३७ | ७३५८ | ५०९ | ३११४४ | ८४४५ | ४९९ | २६४४७ | ९१२२ |
| ग. निजीस्तर | १०७२ | १६२२४४ | १०२७५ | ११३१ | १८०६७० | १११८८ | ११५३ | १८३८८१ | १४२३६ | ११८३ | १९२८८२ | १४५३० | ११९७ | १९११२५ | १४७०५ |
| मध्यपश्चिमाञ्चल | ५०६७ | ८०४३०१ | २२२१७ | ५२५२ | ७७८५५९ | २३१३७ | ५३५० | ७५०३९६ | २३६६७ | ५४१७ | ७२८६४४ | २४३७३ | ५३९२ | ७२०२६९ | २५००१ |
| क. सरकारी स्तर | ३५५६ | ६२५१३२ | १४९२३ | ३६८१ | ५८७७२८ | १४९२३ | ३७७५ | ५७०८९९ | १४९२३ | ३८४५ | ५४४८३५ | १४९२३ | ३८३० | ५५१८६३ | १४९२३ |
| ख. सामुदायिक स्तर | १०८६ | १२४७७७ | ३६३८ | ११२९ | १२७९३४ | ४४६३ | ११०८ | ११६३७१ | ५२२८ | १०९५ | १०५८०६ | ५८६९ | १०७५ | ९६७५० | ६४०२ |
| ग. निजीस्तर | ४२५ | ५४३९२ | ३६५६ | ४४२ | ६२८९७ | ३७५१ | ४६७ | ६३१२६ | ३५१६ | ४७७ | ७४०१३ | ३५८१ | ४८७ | ७१६५६ | ३६७६ |
| सुदूरपश्चिमाञ्चल | ३७१७ | ५७७७२७ | १८४५२ | ३७८१ | ५२२३७८ | १८९८० | ३९६० | ५१५८८० | १८९८० | ३९७८ | ४९८३९१ | १९५५६ | ३९६८ | ४८६१०५ | २०१४० |
| क. सरकारी स्तर | २४६२ | ४३६३८२ | १०५३५ | २५४७ | ३९२७७६ | १०५३५ | २६६२ | ३९३६०६ | १०५३५ | २६७८ | ३७५५८१ | १०५३५ | २६६९ | ३७२४७३ | १०५३५ |
| ख. सामुदायिक स्तर | ९३४ | १०८४३२ | ४२१८ | ८९७ | १०२३१८ | ४७२७ | ८६७ | ९३७०८ | ५४१४ | ८६१ | ८८४०४ | ५९३७ | ८५५ | ७९५१५ | ६४१९ |
| ग. निजीस्तर | ३२१ | २९९१३ | ३६९९ | ३३७ | २७२४४ | ३७१८ | ४३१ | २८५६६ | ३०३१ | ४३९ | ३४४०६ | ३०८४ | ४४४ | ३४११७ | ३१८६ |

स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय

| तालिका १३.६ (ख) : सरकारी तथा निजीस्तरमा सञ्चालित विद्यालय, विद्यार्थी तथा शिक्षकहरूको विकास क्षेत्र अनुसार निम्नमाध्यमिक (६-८) तहको संख्या | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|----------|------------|--------|----------|------------|--------|----------|------------|--------|----------|------------|--------|----------|------------|--------|
| विकास क्षेत्र अनुसार विद्यालय प्रकार | आ.व २०६७ | | | आ.व २०६८ | | | आ.व २०६९ | | | आ.व २०७० | | | आ.व २०७१ | | |
| | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक |
| नेपाल | ११९३९ | १६९९९२७ | ४६०३२ | १३७९१ | १८१२६८० | ४८८४८ | १४४४७ | १८२३१९२ | ५०३८९ | १४८६७ | १८२८३५१ | ५१६५३ | १४९५२ | १८३५३१३ | ५२३४८ |
| कूल सरकारी स्तर | ५३५७ | १११५४७३ | २५७७२ | ६४४२ | ११७६२३० | २५७७२ | ६७९७ | ११५८२३८ | २५७७२ | ७००० | ११८०२६३ | २५७७२ | ७०८२ | १२०३०२७ | २५७७३ |
| कूल सामुदायिक स्तर | ३५०४ | ३५३६६० | ६६६६ | ४०३२ | ३७०४१७ | ८६२८ | ४०५३ | ३७८९२९ | ९४९६ | ४०८६ | ३६४३९५ | १०५२३ | ४०२४ | ३४१२१२ | १०९९८ |
| कूल निजीस्तर | ३०७८ | २३०७९४ | १३५९४ | ३३१७ | २६६०३३ | १४४४८ | ३५९७ | २८६०२५ | १५१२१ | ३७८१ | २८३६९३ | १५३५८ | ३८४६ | २९१०७४ | १५५७७ |
| पूर्वाञ्चल क्षेत्र | २४१८ | ३७७९२५ | ९०६८ | २८५५ | ४०१६०४ | ९६९४ | २७५७ | ३८४०७१ | १०००० | ३०९४ | ३८४१०३ | १०२५२ | ३१२१ | ३७८३६१ | १०३८७ |
| क. सरकारी स्तर | १२०२ | २७६१६३ | ६१३८ | १४६३ | २८६८२६ | ६१३८ | १४९४ | २६१४३० | ६१३८ | १५४३ | २७६०५१ | ६१३८ | १५७७ | २६९९२९ | ६१३८ |
| ख. सामुदायिक स्तर | ७३२ | ७५०२४ | १३१७ | ८५१ | ७९००० | १७०६ | ८७७ | ७९७९० | १८१८ | ८६९ | ७३२६७ | २०४३ | ८५६ | ७२१८४ | २१५० |
| ग. निजीस्तर | ४८४ | २६७३८ | १६१३ | ५४१ | ३५७७८ | १८५० | ६०२ | ४२८५१ | २०४४ | ६८२ | ३४७८५ | २०७१ | ६८८ | ३६२४८ | २०९९ |
| मध्यमाञ्चल | ३८६८ | ५२२२४६ | १६९५३ | ४३६७ | ५६१११९ | १४५३७ | ४७५७ | ५७३३८८ | १७७६८ | ४६९० | ५६७९६४ | १८२१५ | ४७३२ | ५६९२८४ | १८४७१ |
| क. सरकारी स्तर | १५४९ | ३१८२८१ | ७३६० | १८३९ | ३३९२४७ | ७३६० | १९६५ | ३४१९७३ | ७३६० | २०६० | ३३७८०२ | ७३६० | २१०५ | ३५६०७८ | ७३६० |
| ख. सामुदायिक स्तर | ७८५ | ८२३४५ | १६५८ | ९२६ | ८७२८६ | २०६३ | ९१५ | ८९०३२ | २२१५ | ९१७ | ८७१३४ | २५२९ | ८८९ | ७०६७८ | २६६२ |
| ग. निजीस्तर | १५३४ | १२१६२० | ७९३५ | १६०२ | १३४५८६ | ८११४ | १६९५ | १४२३८३ | ८१९३ | १७१३ | १४३०२८ | ८३२६ | १७३८ | १४२५२८ | ८४४९ |
| पश्चिमाञ्चल | २५६१ | ३५४५४५ | १०४२२ | ३०१० | ३६१३८४ | ११५३० | ३१०९ | ३६५५९९ | १२००४ | ३१९० | ३६३६१९ | १२३०० | ३२०२ | ३६७७३० | १२४६५ |
| क. सरकारी स्तर | १२७५ | २३५२७० | ६०६६ | १५५४ | २२८१३५ | ६०६६ | १५६७ | २२४६१० | ६०६६ | १६०१ | २२४६०१ | ६०६६ | १५८९ | २२७२२८ | ६०६६ |
| ख. सामुदायिक स्तर | ६०३ | ५९५८१ | १४४५ | ६७९ | ६२५६० | २००६ | ७१८ | ६३३११ | २०५४ | ७११ | ६००९३ | २२८८ | ७०३ | ६०६५८ | २३९८ |
| ग. निजीस्तर | ६८३ | ५९६९४ | २९११ | ७७७ | ७०६८९ | ३४५८ | ८२४ | ७७६७८ | ३८४४ | ८७८ | ७८९२५ | ३९४६ | ९१० | ७९८४४ | ४००१ |
| मध्यपश्चिमाञ्चल | १६६२ | २६३७३४ | ५१४९ | १९४६ | २९६५८१ | ५३४८ | २०५५ | २५७३२८ | ५६९५ | २१३० | ३०४९६६ | ५८३९ | २१२९ | ३०७४६७ | ५९१४ |
| क. सरकारी स्तर | ६६८ | १७२०३५ | ३४१५ | ८४२ | २००४२० | ३४१५ | ९४३ | २००१७० | ३४१५ | ९६७ | २०९०५२ | ३४१५ | ९८१ | २१२१६१ | ३४१५ |
| ख. सामुदायिक स्तर | ७६१ | ७५९७६ | ९०० | ८७० | ७९०१५ | १२०१ | ८५१ | ८२१७६ | १५२५ | ८८६ | ७९२५१ | १६५६ | ८७० | ७३२५७ | १७२१ |
| ग. निजीस्तर | २३३ | १५७२३ | ८३४ | २३४ | १७१४६ | ७३२ | २५१ | १४९८२ | ७५५ | २७७ | १६६६३ | ७६८ | २७८ | २२०४९ | ७७८ |
| सुदूरपश्चिमाञ्चल | १४३० | १८१४७७ | ४४४० | १६१३ | १९१९९२ | ४७३९ | १४४४ | २०२००६ | ४९२२ | १७६३ | २०७६९९ | ५०४७ | १७६८ | २१२४७१ | ५१११ |
| क. सरकारी स्तर | ६६३ | ११३७२४ | २७९३ | ७४४ | १२१६०२ | २७९३ | ८२७ | १३००५५ | २७९३ | ८२९ | १३२७५७ | २७९३ | ८३० | १३७६३१ | २७९४ |
| ख. सामुदायिक स्तर | ६२३ | ६०७३४ | १३४६ | ७०६ | ६२५५६ | १६५२ | ६९२ | ६४६२० | १८८४ | ७०३ | ६४६५० | २००७ | ७०६ | ६४४५५ | २०६७ |
| ग. निजीस्तर | १४४ | ७०१९ | ३०१ | १६३ | ७८३४ | २९४ | २२५ | ८१३१ | २४५ | २३१ | १०२९२ | २४७ | २३२ | १४४०५ | २५० |

स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय ।

| तालिका १३.६ (ग) : सरकारी तथा निजीस्तरमा सञ्चालित विद्यालय, विद्यार्थी तथा शिक्षकहरूको विकास क्षेत्र अनुसार माध्यमिक (९-१०) तहको संख्या | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|----------|------------|--------|----------|------------|--------|----------|------------|--------|----------|------------|--------|----------|------------|--------|
| विकास क्षेत्र अनुसार विद्यालय प्रकार | आ.व २०६७ | | | आ.व २०६८ | | | आ.व २०६९ | | | आ.व २०७० | | | आ.व २०७० | | |
| | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक | विद्यालय | विद्यार्थी | शिक्षक |
| नेपाल | ७५५९ | ८११९१० | ३३८३५ | ८२३३ | ८४८५६९ | ३५६७५ | ८४१६ | ८७८०४७ | ५११३१ | ८७२६ | ८९६९१९ | ३८३६३ | ८८२५ | ९००५८५ | ३८८५८ |
| कूल सरकारी स्तर | ३०९० | ५१५६३८ | १९५८४ | ३३९८ | ५३२७४१ | १९५८४ | ३६०४ | ५४८०४५ | १९५८४ | ३७३४ | ५४१७०० | १९५८४ | ३८०२ | ५३९३१३ | १९५८४ |
| कूल सामुदायिक स्तर | १९१९ | १६४२१६ | २०७२ | २१४१ | १७५४१३ | ३२४१ | २२०१ | १७४१०० | १७४६४ | २१९५ | १८५३१४ | ४२३८ | २२०९ | १८९१४३ | ४५४१ |
| कूल निजीस्तर | २५५० | १३२०५६ | १२१७९ | २६९४ | १४०४१५ | १२८५० | २६११ | १५५९०२ | १४०८३ | २७९७ | १६९९०५ | १४५४१ | २८१४ | १७२१२९ | १४७३३ |
| पूर्वाञ्चल क्षेत्र | १४८१ | १७८११४ | ६४५५ | १६०१ | १८८४६९ | ६६६९ | १६२९ | १८४३२७ | ८५७५ | १६७७ | १९१५६८ | ७०१० | १७०८ | १८८९०८ | ७०९९ |
| क. सरकारी स्तर | ६६० | १२६८६६ | ४४२४ | ७३८ | १३०६०६ | ४४२४ | ७६७ | १२२२८५ | ४४२४ | ७७१ | १२६०८५ | ४४२४ | ७९५ | १२४१६६ | ४४२४ |
| ख. सामुदायिक स्तर | ४३४ | ३६०३५ | ४३६ | ४५४ | ३९२३८ | ६२५ | ४७१ | ३८५५३ | २३५५ | ४६४ | ३९७७८ | ७२४ | ४६५ | ४१३८५ | ७९० |
| ग. निजीस्तर | ३८७ | १५२१३ | १५९५ | ४०९ | १८६२५ | १६२० | ३९१ | २३५८९ | १८०६ | ४४२ | २५७०५ | १८६२ | ४४८ | २६१०७ | १८८५ |
| मध्यमाञ्चल | २७५१ | २५८३६९ | १३५२७ | २९४२ | २७१९०६ | १३८७३ | २९५३ | २८८३६७ | २२७३९ | ३०८४ | २८९०९४ | १५३३३ | ३१२२ | २८८८५६ | १५५३८ |
| क. सरकारी स्तर | ९२३ | १४८०४९ | ५८६८ | ९५० | १५४४३० | ५८६८ | १०२५ | १६६७४१ | ५८६८ | १११९ | १६२९६४ | ५८६८ | ११५५ | १५९३४३ | ५८६८ |
| ख. सामुदायिक स्तर | ४२१ | ३९०९८ | ६७९ | ५४५ | ४२७०७ | ९५० | ५६८ | ४१४२६ | ८९४४ | ५७५ | ४५०८१ | १२७७ | ५५८ | ४५९८३ | १३७१ |
| ग. निजीस्तर | १४०७ | ७१२२२ | ६९८० | १४४७ | ७४७६९ | ७०५५ | १३६० | ८०१९० | ७९२७ | १३९० | ८१४४९ | ८१८८ | १४०९ | ८३५३० | ८२९९ |
| पश्चिमाञ्चल | १६८७ | १७९४३७ | ८०११ | १८९० | १८२०६३ | ९०४१ | १९१८ | १८१८८४ | १२७८५ | १९८८ | १८३५४६ | ९५८६ | २०१२ | १८६४१३ | ९७०८ |
| क. सरकारी स्तर | ८३६ | १२१७४१ | ४९६७ | ९४३ | १२७७९३ | ४९६७ | ९५६ | ११९४३० | ४९६७ | ९७२ | ११८४६३ | ४९६७ | ९७४ | ११९९१६ | ४९६७ |
| ख. सामुदायिक स्तर | ३५४ | २५४७१ | ३३० | ३७३ | २४७७२ | ७२७ | ३५५ | २४१५३ | ४२८९ | ३६५ | २४४१५ | ९७६ | ३९६ | २४७४० | १०५१ |
| ग. निजीस्तर | ४९७ | ३२२२५ | २७१४ | ५७४ | ३६४९८ | ३३४७ | ५६७ | ३८३०१ | ३५२९ | ६५१ | ४०६६८ | ३६४३ | ६४२ | ४१७७७ | ३६९० |
| मध्यपश्चिमाञ्चल | ८७७ | ११२३३१ | ३२६२ | ९७३ | १२०८९५ | ३३५४ | १०२० | १२७८७७ | ४१५६ | १०६२ | १३०६४९ | ३६११ | १०६२ | १३३३४६ | ३६५७ |
| क. सरकारी स्तर | ३८१ | ६९८०७ | २३११ | ४२७ | ७६३६४ | २३११ | ४७१ | ८०१४२ | २३११ | ४८३ | ७८३४७ | २३११ | ४८७ | ८११८५ | २३११ |
| ख. सामुदायिक स्तर | ३३१ | ३३८७१ | २३४ | ३९१ | ३७२११ | ३९९ | ३८५ | ३८०४८ | ११७६ | ३९७ | ३९५२४ | ६०८ | ३९३ | ४०४७९ | ६४५ |
| ग. निजीस्तर | १६५ | ८६५३ | ७१७ | १५५ | ७३२० | ६८४ | १६४ | ९६८७ | ६६९ | १८२ | १२७७८ | ६९२ | १८२ | ११६८२ | ७०१ |
| सुदूरपश्चिमाञ्चल | ७६३ | ८३६५९ | २५८० | ८२७ | ८५२३६ | २६९८ | ८६६ | ९५५९२ | २८७६ | ९१५ | १०२०६२ | २८२३ | ९२१ | १०३०६२ | २८५६ |
| क. सरकारी स्तर | २९० | ४९१७५ | २०१४ | ३४० | ५०५४८ | २०१४ | ३८५ | ५९४३७ | २०१४ | ३८९ | ५६२४१ | २०१४ | ३९१ | ५७४५३ | २०१४ |
| ख. सामुदायिक स्तर | ३७९ | २९७४१ | ३९३ | ३७८ | ३१४८५ | ५४० | ३८२ | ३२०२० | ७१० | ३९४ | ३६५१६ | ६५३ | ३९७ | ३६५५६ | ६८४ |
| ग. निजीस्तर | ९४ | ४७४३ | १७३ | १०९ | ३२०३ | १४४ | १२९ | ४१३५ | १५२ | १३२ | ९३०५ | १५६ | १३३ | ९०५३ | १५८ |

स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय

| तालिका १३.७ : एस.एल.सी. नियमित परीक्षामा सम्मिलित र उत्तीर्ण विद्यार्थीहरूको विवरण | | | |
|--|-----------------|-----------------|------------------|
| वर्ष | सम्मिलित संख्या | उत्तीर्ण संख्या | उत्तीर्ण प्रतिशत |
| २०६० | १७५४१८ | ८१००८ | ४६.१८ |
| २०६१ | २१६३०३ | ८३७४७ | ३८.७२ |
| २०६२ | २२५०३१ | १०४६५३ | ४६.५१ |
| २०६३ | २७४२१० | १६०८०२ | ५८.६४ |
| २०६४ | ३०७०७८ | १९५६८९ | ६३.७३ |
| २०६५ | ३४२६३२ | २३४६०२ | ६८.४७ |
| २०६६ | ३८५१४६ | २४७६८९ | ६४.३१ |
| २०६७ | ३९७७५९ | २२०७६६ | ५५.५० |
| २०६८ | ४१९१२१ | १९९७१४ | ४७.६५ |
| २०६९ | ४०३९३६ | १६७९३५ | ४१.५७ |
| २०७० | ३९४९३३ | १७३४३६ | ४३.९२ |
| २०७१ | ४२६२१४ | - | - |

स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय

तलिका १३.८ : उच्च शिक्षामा अध्ययन गर्ने विद्यार्थी संख्या

| अध्ययन संस्थान/संकाय | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | २०७०/७१ |
|---|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | |
| क. विभिन्न विश्वविद्यालय | | | | | | | | | | | |
| १. इंजिनियरिंग | ४०४४ | ४०४० | ४०४१ | ४०४८ | ४०५० | ४०५३ | ४०६८ | ४०७० | ४०७२ | ४०७४ | ४०७५ |
| २. कृषि र पशु विज्ञान | १०० | ६४३ | ६६८ | ६८६ | ८१० | ८६० | ९९८ | ९९९ | ९९९ | ९९९ | ९९९ |
| ३. चिकित्सा शास्त्र | १६८९ | १७४३ | १७४० | १७५९ | १८८८ | १९५९ | १९५९ | १९६३ | २१३८ | २१३८ | २१३९ |
| ४. वन विज्ञान | ४०१ | ४०१ | ४०३ | ८८९ | ४८९ | ४८९ | ४८९ | ४८९ | ४८९ | ४८९ | ४८९ |
| ५. विज्ञान तथा प्रविधि | ११९५१ | १२२१८ | १२४४१ | १२६२० | १२८२९ | १३०६८ | १३२९८ | १३५२९ | १३७६० | १३९९१ | १४२२२ |
| प्रतिष्ठानको जम्मा | १८०५१ | १८८९१ | २०५२३ | २२५२२ | २४५३३ | २६५४८ | २८५५९ | २९५७० | ३०५८१ | ३१५९२ | ३२६०३ |
| ६. कानून संकाय | ८९८ | ८३० | ९२४ | ९५२ | ९८९ | १०२४ | १०६८ | १११२ | ११५६ | १२०० | १२४४ |
| ७. व्यवस्थापन संकाय | ३१४९ | ३४०८ | ३६८३ | ३९५९ | ४२४५ | ४५३१ | ४८१७ | ५१०३ | ५३८९ | ५६७५ | ५९६१ |
| ८. शिक्षा शास्त्र संकाय | १८८९ | २०४५ | २२१५ | २४१५ | २६१५ | २८१५ | ३०१५ | ३२१५ | ३४१५ | ३६१५ | ३८१५ |
| ९. मानविकी र सामाजिक शास्त्र संकाय | ४९३५ | ५१८५ | ५४३५ | ५६८५ | ५९३५ | ६१८५ | ६४३५ | ६६८५ | ६९३५ | ७१८५ | ७४३५ |
| १०. संस्कृत | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| सामाजिक जम्मा | १०५२८ | ११३८८ | १२२४९ | १३११० | १४०६८ | १५०२६ | १६०८४ | १७०४२ | १८००० | १९०५८ | २००१६ |
| प्रयोगिक लर्नेको जम्मा | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| कुल जम्मा | ११९५९ | १३००० | १४२८८ | १५६६२ | १७१६२ | १८६६८ | १९९८९ | २१३९९ | २२८१९ | २४२४० | २५६६१ |
| ख. पोखरा संस्कृत विश्व विद्यालय | ३६० | २९८ | २८० | ३०४ | ३३९ | ३७९ | ४१९ | ४६९ | ५१९ | ५६९ | ६१९ |
| ग. काठमाडौं विश्वविद्यालय | | | | | | | | | | | |
| १. स्कुल अफ साइन्स | ७८८ | ८८० | ९७२ | १०६४ | ११५६ | १२४८ | १३४० | १४३२ | १५२४ | १६१६ | १७०८ |
| २. स्कुल अफ इंजिनियरिंग | ५२१ | ५२३ | ५२५ | ५२७ | ५२९ | ५३१ | ५३३ | ५३५ | ५३७ | ५३९ | ५४१ |
| ३. स्कुल अफ मेनेजमेन्ट | १२० | १२८ | १३६ | १४४ | १५२ | १६० | १६८ | १७६ | १८४ | १९२ | २०० |
| ४. स्कुल अफ एज्युकेशन | १२८ | १३६ | १४४ | १५२ | १६० | १६८ | १७६ | १८४ | १९२ | २०० | २०८ |
| ५. स्कुल अफ आर्ट्स | ९८ | १०६ | ११४ | १२२ | १३० | १३८ | १४६ | १५४ | १६२ | १७० | १७८ |
| ६. स्कुल अफ मेडिकल साइन्स | ५८८ | ६२४ | ६६० | ६९६ | ७३२ | ७६८ | ८०४ | ८४० | ८७६ | ९१२ | ९४८ |
| जम्मा | २२२९ | २३०८ | २३८४ | २४६० | २५३६ | २६१२ | २६८८ | २७६४ | २८४० | २९१६ | २९९२ |
| घ. पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय | | | | | | | | | | | |
| १. मानविकी | - | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ |
| २. व्यवस्थापन | - | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ |
| ३. शिक्षाशास्त्र | - | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ |
| ४. विज्ञान तथा प्रविधि | - | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ |
| ५. कानून | - | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ |
| ६. कृषि | - | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ |
| ७. इंजिनियरिंग | - | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ |
| ८. मेडिकल (नर्सिङ, वि.पि.एच.) | - | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ | १५८ |
| जम्मा | ६३८ | ६३८ | ६३८ | ६३८ | ६३८ | ६३८ | ६३८ | ६३८ | ६३८ | ६३८ | ६३८ |
| ङ. पोखरा विश्वविद्यालय | | | | | | | | | | | |
| १. विज्ञान तथा प्रविधि | ३६२ | २७५ | २९६ | २९६ | ३०७ | ३१८ | ३२९ | ३४० | ३५१ | ३६२ | ३७३ |
| २. व्यवस्थापन | २७५ | २७५ | २७५ | २७५ | २७५ | २७५ | २७५ | २७५ | २७५ | २७५ | २७५ |
| ३. इंजिनियरिंग | २७५ | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| ४. मानविकी र सामाजिक शास्त्र | ६९ | ६९ | ६९ | ६९ | ६९ | ६९ | ६९ | ६९ | ६९ | ६९ | ६९ |
| जम्मा | ९९१ | ९९१ | ९९१ | ९९१ | ९९१ | ९९१ | ९९१ | ९९१ | ९९१ | ९९१ | ९९१ |
| च. सुम्बिनि बौद्ध विश्वविद्यालय | | | | | | | | | | | |
| - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| छ. बी.पी.एस.संस्था विज्ञान प्रतिष्ठान | | | | | | | | | | | |
| - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| ज. चिकित्सा विज्ञान राष्ट्रिय प्रतिष्ठान (बीर अस्पताल) | | | | | | | | | | | |
| - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| झ. पद्मन स्नातकोत्तर विज्ञान प्रतिष्ठान | | | | | | | | | | | |
| - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| ञ. जनकपुरीविश्वविद्यालय | | | | | | | | | | | |
| - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| ट. कृषि तथा वन विश्वविद्यालय | | | | | | | | | | | |
| - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| ड. सुदूरपश्चिमविश्वविद्यालय | | | | | | | | | | | |
| - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| कुल जम्मा(क+ख+ग+घ+ङ+च+छ+ज+झ+ञ+ट+ड) | १३६०० | १४६०० | १५६०० | १६६०० | १७६०० | १८६०० | १९६०० | २०६०० | २१६०० | २२६०० | २३६०० |

स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय, विभिन्न विश्वविद्यालय, पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, काठमाडौं विश्वविद्यालय, पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, पोखरा

विश्वविद्यालय र विश्वविद्यालय अर्न्तगत अध्येतृ ।

| तालिका १३.९ : त्रिभुवन विश्वविद्यालयको विद्यार्थी उत्पादन विवरण | | | | | | |
|---|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|
| अध्ययन अनुसन्धान-अन्वेषण कार्यक्रम सूचक | आर्थिक वर्ष | | | | | |
| | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ |
| १. इन्जिनियरिंग अध्ययन संस्थान | | | | | | |
| (क) प्रमाण पत्र | २६३८ | ३८५० | ४६३ | ६२४ | ५५४ | ६५० |
| (ख) स्नातक | ५२०८ | ८८३२ | १०५३ | १०२२ | १०८९ | १६५५ |
| (ग) स्नातकोत्तर | १७९ | ३५७ | ११९ | १३० | ११३ | १८१ |
| (घ) पिएच.डी. | - | - | - | - | - | ४ |
| जम्मा | ८०२५ | १३०३९ | १६३५ | १७७६ | १७५६ | २४९० |
| २. कृषि र पशु विज्ञान अध्ययन संस्थान | | | | | | |
| (क) प्रमाण पत्र | - | - | - | - | - | - |
| (ख) स्नातक | १२४ | १२५ | १२८ | १७२ | २९२ | १४४ |
| (ग) स्नातकोत्तर | ५७ | ७१ | ८१ | ८१ | ९७ | ११६ |
| (घ) पिएच.डी. | - | - | - | २ | २ | ३ |
| जम्मा | १८१ | १९६ | २०९ | २५५ | ३९१ | २६३ |
| ३. चिकित्सा शास्त्र अध्ययन संस्थान | | | | | | |
| (क) निम्न स्तर | - | ४१ | - | - | - | - |
| (ख) प्रमाण पत्र | २८९ | ५९८ | ३०३ | ३०३ | २६३ | २८९ |
| (ग) स्नातक | १८२ | १७५ | ४८१ | ४०० | ९२० | ८९० |
| (घ) स्नातकोत्तर | १०९ | १७० | १३१ | १६४ | १२८ | १५३ |
| (ङ) एम.फिल | ० | १ | १ | - | - | - |
| जम्मा | ५८० | ९८५ | ९१६ | ८६७ | १३११ | १३३२ |
| ४. वन विज्ञान अध्ययन संस्थान | | | | | | |
| (क) प्रमाण पत्र | ७४ | ८२ | ७९ | ८७ | - | ५१ |
| (ख) स्नातक | ५९ | ८२ | ८५ | ५६ | ९६ | ८४ |
| (ग) स्नातकोत्तर | १२ | २२ | २४ | २९ | २६ | ४१ |
| (घ) पिएच.डी. | - | - | - | २ | २ | - |
| जम्मा | १४५ | १८६ | १८८ | १७४ | १२४ | १७६ |
| ५. विज्ञान तथा प्रविधि अध्ययन संस्थान | | | | | | |
| (क) प्रमाण पत्र | १७५९ | १९७१ | १६७४ | १७८१ | ९२९ | - |
| (ख) स्नातक | १३०५ | १९७१ | २३३७ | २५३२ | २९४७ | २४२९ |
| (ग) स्नातकोत्तर | ३७७ | ५७५ | ६९२ | ७६४ | ९९३ | ११८३ |
| (घ) पिएच.डी. | ६ | ७ | १० | ४ | - | ३ |
| जम्मा | ३४४७ | ४५२४ | ४७१३ | ५०८१ | ४८६९ | ३६१५ |
| ६. कानून संकाय | | | | | | |
| (क) प्रमाण पत्र | ० | २५ | २९ | - | - | - |
| (ख) स्नातक | ३२९ | २५५ | २१५ | २२३ | ४७७ | ४४५ |
| (ग) स्नातकोत्तर | ४१ | ३२ | ३० | २३ | ४७ | ३५ |
| (घ) पिएच.डी. | २ | १ | १ | - | - | ३ |
| जम्मा | ३७२ | ३१३ | २४६ | २४६ | ५२४ | ४८३ |
| ७. व्यवस्थापन संकाय | | | | | | |
| (क) प्रमाण पत्र | ३४१५ | ३७३९ | १७०३ | १३८६ | १५०४ | - |
| (ख) स्नातक | ६१८७ | ९३२६ | ८६५२ | १४२७६ | १४९७६ | ११५७६ |
| (ग) स्नातकोत्तर | १११० | २३६० | २६७६ | १२८८ | ४००४ | २८७५ |
| (घ) एम.फिल | २१ | ३० | २३ | १६ | २८ | ५२ |
| (ङ) पिएच.डी. | ४ | ७ | ६ | ४ | ७ | ५ |
| जम्मा | १०७३७ | १५४६२ | १३०६० | १६९७० | २०५१९ | १४५०८ |
| ८. शिक्षा शास्त्र संकाय | | | | | | |
| (क) प्रमाण पत्र | ३१५५ | ३२४९ | २८५९ | ३७९३ | २७९८ | - |
| (ख) स्नातक | ५४५५ | १२१९३ | १३०८९ | २२४२७ | २१०७३ | १६७०८ |
| (ग) स्नातकोत्तर | ४२२ | ११५१ | १४७७ | १९३१ | ५२७२ | ३५२९ |
| (घ) एम.फिल | ७ | ९ | ९ | ११ | १२ | २४ |
| (ङ) पिएच.डी. | ४ | २ | ३ | ४ | २ | २ |
| जम्मा | ९०४३ | १६६०४ | १७४३७ | २८१६६ | २९१५७ | २०२६३ |
| ९. मानविकी र सामाज शास्त्र संकाय | | | | | | |
| (क) अन्य | १९२१ | ६५३ | - | - | - | ३२ |
| (ख) प्रमाण पत्र | ५९१९ | ६२३९ | ४६५४ | ५६९७ | ४६५४ | - |
| (ग) स्नातक | ५८९१ | ७१६० | ६५१५ | ९६०५ | ८४९१ | ६५४७ |
| (घ) स्नातकोत्तर | १९०९ | ३६२० | ३२८३ | २३६१ | ६४७१ | ४३३७ |
| (घ) एम.फिल | ० | १० | - | - | - | ९१ |
| (ङ) पिएच.डी. | ३७ | ३२ | ४० | ३२ | - | ४५ |
| जम्मा | १५६७७ | १७७१४ | १४४९२ | १७६९५ | १९६१६ | ११०५२ |

स्रोत: शिक्षा मन्त्रालय, त्रिभुवन विश्वविद्यालय ।

| तालिका १३.१० : प्रमुख स्वास्थ्य सूचक र उपलब्धि | | | | | | | | | | |
|---|---------|---------|-------|------|------|------|------|----------|----------|--------------------------|
| सहश्राव्दी विकास सूचकांक | इकाइ | उपलब्धी | | | | | | | | लक्ष्य |
| | | १९९१ | १९९६ | २००१ | २००६ | २००९ | २०११ | २०१२/१३* | २०१३/१४* | |
| मातृ मृत्यु दर (प्रति एक लाख जीवित जन्ममा) | जना | ५३९ | ५३९ | ४१५ | २८१ | २२९ | २५० | १७० | - | २१३(१३४) |
| किशोरी प्रजनन दर (१५ देखि १९ वर्ष) | प्रतिशत | - | १२७ | ११० | ९८ | - | ९८ | - | ८१ | ७० |
| परिवार नियोजन साधन प्रयोग दर | प्रतिशत | २४.० | २६.० | ३५.० | ४४.० | ४५.१ | ४८.० | - | ४३.२ | ६७.० |
| पाच वर्ष मुनिको बाल मृत्यु दर प्रति हजार | जना | १५८.० | ११८.३ | ९१.० | ६१.० | ५०.० | ५५.० | ५४ | - | ५४ |
| १ बर्ष मुनिका बालबालिकालाई दादुरा विरुद्ध दिईएको अनुपात | प्रतिशत | ४२.० | - | ७१.० | ८५.० | ८५.६ | - | ८८.० | ८८.० | >९० |
| शिशु मृत्यु दर प्रति हजार | जना | १०६.० | ७८.५ | ६४.० | ४८.० | ४१.० | ४४.० | ४६ | - | ३६ |
| एच.आइ.भी. संक्रमण दर (१५ देखि २४ वर्ष) | प्रतिशत | - | - | - | ०.१५ | ०.४९ | ०.३९ | ०.१२ | ०.०३ | Halt & Reverse the Trend |
| टी.बी. पत्ता लागेको र उपचार भएको | प्रतिशत | - | ४८ | ७० | ६५ | ७१ | ७५ | - | ७३ | ८५ |
| | | - | ७९ | ८९ | ८९ | ८८ | ८९ | - | ९० | ९१ |
| क्षयरोगको उपस्थिति दर (प्रति एक लाख) | जना | ४६० | - | ३१० | २८० | - | २४४ | २३८ | २११ | Halt & Reverse the Trend |
| क्षयरोगबाट भएको मृत्यु दर (प्रति एक लाख) | जना | ४३ | - | २३ | २२ | - | २२ | २१ | १७ | Halt & Reverse the Trend |
| वार्षिक औलो प्रभावित संख्या प्रति हजार | जना | - | - | - | ३.३ | - | ५.७ | ३.२८ | ०.१५ | Halt & Reverse the Trend |
| दक्ष प्रसूतिकर्ताका सहयोगमा सुत्केरी भएका | प्रतिशत | ७ | - | ११ | १९ | - | ३६ | ५० | ५६ | ६० |

Source: NDHS Survey

*स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय

| तालिका १३.११ : खानेपानी तथा ढल निकास सुविधाको विस्तार | | | | | | | | | | | |
|---|---------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | |
| | इकाई | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ |
| क) खानेपानी तथा ढल निकास विभागबाट थप गरिएको | | | | | | | | | | | |
| ग्रामीण क्षेत्र | | | | | | | | | | | |
| क) नयाँ आयोजनाबाट थप | हजारमा | १२४ | १६० | ५०० | २२४ | २६५ | ३१५ | १६२ | ३३५ | २६८ | १५ |
| लाभान्वित जनसंख्या | | | | | | | | | | | |
| ख) सुधार बिस्तारबाट थप | हजारमा | - | - | - | ६७ | ८२ | ५४ | - | ४२ | ७३ | ७० |
| लाभान्वित जनसंख्या | | | | | | | | | | | |
| ग) कुल उपलब्ध पानी | हजार लिटर प्रतिदिन | ५५८० | ७२०० | २२५०० | १९५४५ | १५६१५ | १६६०५ | ७२९० | २००५० | १६२६२ | ६७५ |
| शहरी क्षेत्र | | | | | | | | | | | |
| क) लाभान्वित जनसंख्या | हजारमा | - | १० | १०० | २६० | १९१ | १६ | - | ८३ | | |
| ख) उपलब्ध पानी | हजार लिटर प्रतिदिन | - | १००० | ८००० | २८६०० | २११२० | १०४० | - | १६००० | | |
| ख) नेपाल खानेपानी संस्थानबाट थप गरिएको | | | | | | | | | | | |
| क) उपलब्ध पानी | दशलाख प्रति लिटर प्रतिदिन | ४ | १८.१ | ३ | ७.५ | २ | ४ | ९ | १६ | | |
| ख) लाभान्वित जनसंख्या | हजारमा | ४५ | २५ | २५ | ११० | १४ | २८ | ५६ | ८३ | | |
| ग) आधुनिक ढल निकास सुविधा | कि.मि | ९ | ५ | ४ | - | - | - | - | - | | |

स्रोत: सहर विकास मन्त्रालय, खानेपानी तथा ढल निकास विभाग र नेपाल खानेपानी संस्थान ।

तालिका १४.१ : सार्वजनिक संस्थानहरूको वित्तीय कार्यकुशलता

(रु. करोडमा)

| संस्थानको किसिम | विभिन्न आर्थिक वर्षहरूमा सञ्चालन मुनाफा | | | | | | | | | | खुद नाफा | |
|-----------------|---|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|---------|----------|----------|
| | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| औद्योगिक | -११.७१ | -१५.७५ | -३४.०२ | -१८.०१ | -५९.९७ | -७८.४३ | -४९.९४ | -५४.३५ | -१००.४७ | -५६.९८ | -७७.४७ | ११.१३ |
| व्यापारिक | -१९५.८८ | -२६४.१० | -४१८.७१ | -१९०.१७ | -५८६.७२ | ३०३.३१ | -२६.९६ | -५४७.७७ | -१००५.१४ | -१५५.३४ | -८५९.०३ | ४९५.१६ |
| सेवा | -२५.९३ | ७४.०४ | -५.७० | ४९.९५ | ३८.८२ | १९५.८० | २३४.८१ | ८१.३० | २२७.४८ | १४४.३० | १३४.४८ | २०१.९४ |
| सामाजिक | -१४.१२ | ४.३३ | ४.७९ | -४.८० | -१७.४५ | -२९.२५ | -१२.४१ | -१९.७६ | -४.२७ | -१८.५६ | -०.०२ | ५६.०४ |
| जनोपयोगी | ५७३.३१ | २३४.४२ | ३९७.९१ | ६८८.७८ | ७८८.६५ | ५०३.२४ | ७०७.२८ | ५३९.८४ | -१४.५३ | ६५१.०५ | ६७०.२० | ३३४.३६ |
| वित्तीय | -५७८.०८ | १८०.०९ | २२४.६० | ३६४.४९ | ५८.९२ | १०५.६६ | १४५.४६ | २४१.९० | २९७.२५ | ५७५.५८ | ६३६.८७ | ५७६.७३ |
| जम्मा | -२५२.४१ | २१३.०३ | १६८.८७ | ८९०.२४ | २२२.२५ | १०००.३३ | ९९८.२४ | २४१.१६ | -५९९.६८ | ११४०.०५ | ५०५.०३ | १६७५.३६ |

(रु. करोडमा)

| संस्थानको किसिम | विभिन्न आर्थिक वर्षहरूमा खुद पुँजी लगानी | | | | | | | | | | खुद नाफा | |
|-----------------|--|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|
| | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| औद्योगिक | ३४४.८९ | ३९५.१४ | ५४५.८८ | -३८.७० | ३५१.३१ | २३८.८४ | २००.९० | ४९५.५४ | २५७.८५ | -२४.८१ | -८४.५५ | -६७.६५ |
| व्यापारिक | ३१३.७१ | ५३.१० | -३७१.८४ | -३५३.२९ | -१०५.९१ | ५४६.९८ | -१५२.९८ | -४४९.५८ | -१२७९.७५ | ३००.०५ | ३०६.६१ | ३२५.९५ |
| सेवा | ९९४.९९ | १०७९.२१ | १०३६.१५ | १११२.१४ | ११८८.९४ | ११७३.३५ | २०५९.६७ | २०८६.२८ | २३३५.६० | २४२१.०७ | २५६१.६५ | ४४३९.०९ |
| सामाजिक | १९५.७२ | १९७.३४ | १७६.१९ | १८५.१७ | १७०.६० | १५९.०५ | १३७.७० | १०९.३१ | ९५.५३ | १३१.९५ | २३७.१४ | २५४.४१ |
| जनोपयोगी | ९४४५.०९ | ९७४७.३७ | १०५१५.२३ | १०४५२.४० | १०९८०.५९ | १२१५३.९४ | १३३७०.५९ | १५०१६.०१ | १५८४६.७६ | १५४१९.०७ | १६२१३.७५ | १७७८६.६८ |
| वित्तीय | -१६०४.०० | ६१९५.२२ | ६९४४.८१ | ४९४१.७४ | ६३१२.५० | ७९९३.०४ | ७७५४.८७ | ९५४४.६९ | १५२५२.३६ | ८८५८.५७ | ५२५२.८१ | ४८१७.१३ |
| जम्मा | ९६९०.४० | १७६६७.३८ | १८८४६.४२ | १६२९९.४६ | १८८९८.०३ | २२२६५.२० | २३३७०.७५ | २६८०२.२५ | ३२५०८.३५ | २७१०५.९० | २४४८७.४१ | २७५५५.६१ |

(रु. करोडमा)

| संस्थानको किसिम | विभिन्न आर्थिक वर्षहरूमा खुद पुँजी लगानीमा सञ्चालन मुनाफा/खुद नाफा | | | | | | | | | | खुद नाफा | |
|-----------------|--|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|----------|
| | २०६०/६१ | २०६१/६२ | २०६२/६३ | २०६३/६४ | २०६४/६५ | २०६५/६६ | २०६६/६७ | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२* |
| औद्योगिक | -३.४० | -३.९९ | -६.२३ | - | -१७.०७ | -३२.८४ | -२४.८६ | -१०.९७ | -३८.९६ | -२२९.६५ | ९१.६३ | -१६.४५ |
| व्यापारिक | -६२.४४ | -४९७.३९ | ११२.६१ | - | - | ५५.४५ | १७.६२ | १२१.८४ | ७८.५४ | -५१.७७ | -२८०.१७ | १५१.९१ |
| सेवा | -२.६१ | ६.८६ | -०.५५ | ४.४९ | ३.२७ | १६.६९ | ११.४० | ३.९० | ९.७४ | ५.९६ | ५.२५ | ४.५५ |
| सामाजिक | -७.२२ | २.१९ | २.७२ | -२.५९ | -१०.३३ | -१८.३९ | -९.०१ | -१८.०८ | -४.४७ | -१४.०७ | -०.०१ | २२.०३ |
| जनोपयोगी | ६.०७ | २.४० | ३.७८ | ६.५९ | ७.१८ | ४.१४ | ५.२९ | ३.६० | -०.०९ | ४.२२ | ४.१३ | १.८८ |
| वित्तीय | - | २.९१ | ३.२३ | ७.३८ | ०.९३ | १.३२ | १.८८ | २.५३ | १.९५ | ६.५० | १२.१२ | ११.९७ |
| जम्मा | -२.६१ | १.२१ | ०.९० | ५.४६ | १.१८ | ४.४९ | ४.२७ | ०.९० | -१.८४ | ४.२१ | २.०६ | ६.०८ |

* अनुमानित

नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण को आर्थिक वर्ष २०६५/६६ को संशोधित अनुमान उपलब्ध हुन नसकेकोले सेवा क्षेत्रको रकम फरक परेको

स्रोत: अर्थ मन्त्रालय